

हिन्दुस्तानी कोष

[हिन्दुस्तानी या उर्दू शब्दों के हिन्दी अर्थ]

सम्पादक

हरिशङ्कर शर्मा

प्रकाशक

गयाप्रसाद एण्ड सन्स

शफाखाना रोड, आगरा

मुद्रक
जगदीशप्रसाद एम ए , धी. कॉम
१, एज्युकेशनल प्रेस, आगरा

नम्र निवेदन

यद्यपि भारत सरकार द्वारा हिन्दी राष्ट्र-भाषा के रूप में स्वीकार कर ली गयी है, तथापि हिन्दुस्तानी या उर्दू का प्रचार भी बराबर बना हुआ है, और अभी बहुत दिनों तक बना रहेगा। क्योंकि सैकड़ों वर्षों के सम्पर्क और सम्बन्ध के कारण हिन्दुस्तानी (उर्दू) हमारे जीवन में घुल मिल सी गयी है। साथ ही उर्दू में काव्य-साहित्य भी उच्च कोटि का है, उसके सुनने समझने की जिज्ञासा का बना रहना भी स्वाभाविक है। इस 'हिन्दुस्तानी कोष' की रचना इसीलिये की गयी है, कि जो लोग उर्दू (फारसी) लिपि नहीं जानते वे नागरी लिपि की सहायता से ही उर्दू साहित्य का अनुशीलन या अध्ययन कर सकें, उसे समझ तथा सराह सकें।

किसी शब्द-कोष की रचना में मौलिकता का स्थान कठिनता से ही हाँ सकता है। इस कोष के सम्बन्ध में भी यही बात है। इसमें ऐसी कोई बात नहीं है, जिसे मैं अपनी 'उपज' या 'सूझ' कह सकूँ। फारसी, अरबी शब्द-समूहों और मुहावरों को एकत्र कर देना ही मेरा काम कहा जा सकता है। यह शब्द-समूह भी, जैसा कि स्वाभाविक है, पूर्व प्रकाशित उर्दू, फारसी तथा हिन्दुस्तानी कोषों से लिया गया है। अर्थ भी प्रायः सर्व सम्मत ही दिए गए हैं। हाँ, शब्दों के चुनाव में यदि कुछ विशेषता है तो वही मेरी वस्तु कही जा सकती है। अस्तु,

यह 'हिन्दुस्तानी कोप' आपके सामने है। इसे अपनाइए और चर्च (हिन्दुस्तानी) फारसी साहित्य के समझने में सहायता लीजिए। इस कोप का उपयोग करते हुए, आशा है आपको निराश न होना पड़ेगा और इसमें प्रायः वे सब शब्द मिल जायेंगे, जिनके लिए प्रायः कोप देखा जाता है।

अन्त में मैं उन सभी विद्वान् कोषकारों को धन्यवाद देता हूँ जिनके कोषों से, इस 'हिन्दुस्तानी कोप' के तैयार करने में मैंने कुछ भी सहायता ली है। मैं उनका ऋणी, कृतज्ञ और उपकृत हूँ।

शकर सदन, आगरा ।
विजयादशमी २००६ }

हरिशङ्कर शर्मा ।



हिंदुस्तानी कोष

अ

अगज—(फ) अकुश जिससे हाथी
हैंकते हैं।

अगर्वा—(फ) मधु, शहद।

अगशर—(फ) हाथी हैंकने का
अकुश।

अगारा—(फ) तसनीर का झाक, फहानी, हिसान के कागज।

अगुरा—(फ) उँगली।

अगुरतनुगा—(फ) (विशेष कर किसी
सुरी नात के लिए) जिसकी ओर
उँगली उठें। मुन्त, निन्दित।

अगुरतनुमाई—(फ) अगुली निर्देश,
किसी की ओर उँगलियाँ उठना।

अगुरतरो—(फ) अँगूठी, मुँदरी।

अगुरताना—(फ) उँगली में पहनने
की लोहे या पीतल की टोपी। जो
दर्बियों के काम आती है।

अगूर—(फ) इस नाम की प्रसिद्ध
मेवा, द्राक्षा, दाख। घाव भरते
समय उसमें दीपने वाली
लालिमा, एक प्रकार की आतिश
चट्टी।

अगूरी—(फ) अगूर से बना हुआ,
अगूर के रंग का।

अगेसनत—(फ) उमाड़ना, उकसाना,
उत्तेजित करना।

अगेज—(फ) उमाड़ने वाला, उत्ते-
जित करने वाला, उकसाने वाला,
जैसे—इश्तआल अगेज। अगेज
प्रायः शब्द के अन्त में आता है।

अगोजा—(फ) हींग।

अजाम—(फ) अन्त, परिणाम,
नतीजा, फल।

अजामकार—अन्त में, फलतः।

अजाम देना—पूरा करना।

अजीर—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
फल।

अजुम—(अ) "जन्म" का बहुवचन,
ग्रह, नक्षत्र, सितारे।

अजुमन—(फ) सभा, समिति, मञ्ज-
लिस, महफिल।

अजुमन इमशद बाहमी—(झ)
सहकारी-समिति।

अनुमशनास—(फ) रत्नक, चोकी
दार, ज्योतिषी ।

अन्दरूना—(फ) आन्तरिक ।

अइज्ज—(अ) मित्र, प्रिय ।

अइज्जा—(अ) कुदुम्भी, मित्र लोग ।

अकतार—(अ) “कतर” का बहु
वचन, नूँ, बहुत से किनारे ।
अगरा की बत्तिया ।

अकद—(अ) ग्रन्थि, गिरह, गोंठ,
प्रतिज्ञा । निकाह करना, बेचना ।

अकदम—(अ) सर्वप्रथम, सन से
आगे संबंध ।

अकद—(अ) परम पवित्र, अति
श्रेष्ठ ।

अकद—(अ) पिछला हिस्सा, अतिम
भाग, पीछे, अन्त में ।

अकदर—(फ) महान्, बहुत बड़ा,
एक बादशाह का नाम ।

अकदरा—(फ) अकदर सम्बन्धी ।
एक प्रकार की मिठाई ।

अकरय—(अ) अति ममीष, बहुत
पास । मनहूस, अशुभ । किच्छू ।
शुभिक राशि ।

अकरधी—(अ) लाल (रत्न) की
एक जाति ।

अकरम—(अ) भेंट करने वाला,
उपहार देने वाला, दाता ।

अकस्तन—(अ) समझ से, बुद्धि से ।

अकलियत—(अ) कमपत्त, अल्पमत्ता ।

अकलाम—(अ) देश, भूपरद,
पृथ्वी के सात भागों में से एक ।

अकल्ल—(अ) न्यून, थोड़ा, कम,
अल्प ।

अकल्लियत—(अ) अल्पमूल्यक
समुदाय या समाज, अल्पमत ।

अकलाम—(अ) “कोम” का बहु-
वचन, जातियाँ, वर्ग विरादरी ।

अकसर—(अ) बहुधा, अधिकतर-
प्रायः, बहुत करके ।

अकसरियत—(अ) बहुपत्त, बहुमत ।

अकसाम—(अ) “किम्म” का बहु-
वचन, प्रकार, जाति । “कमम”
का बहुवचन भी अकसाम होता
है, गपयें, सौगन्द ।

अकसार—(अ) रसायन, कीमिया,
वह सिद्ध औषधि जो ताँबे या
रुँगे को मोना या चाँदी बना
दे । अनेक गेगों को नाष्ट करने
वाली औषधि, बहुत गुणकारी,
अमोघ औषध ।

अकाधर—(अ) “अकदर” का बहु-
वचन, बड़ा, बहुत बड़ा ।

अकामत—(अ) कायम रहना, स्थित
होना, बसना ।

अकामतगाह—(फ) छात्रालय,
बोर्डिंग हाऊस, निवास-स्थान ।

अकायद—(अ) “अकीदा” का बहु वचन, दृढ विश्वास ।

अकारिब—(अ) “करीब” का बहु वचन, नातेदार, सगे-सम्बन्धी, मित्र मिलापी ।

अकालाम—(अ) ‘अकलीम’ का बहु वचन, अनेक देश या प्रान्त ।

अकिरवा—(अ) नातेदार, सम्बन्धी ।

अकस—(अ) प्यास, पिपासा ।

अकक—(अ) एक प्रकार का लाल पत्थर जिसे थोटा की उपमा दी जाती है । यह दवाओं के काम भी आता है । शराब ।

अकक्री—(अ) नामकरण सत्कार की दानत, बालक का मुण्डन सत्कार । प्रसन्न के प्रथम सप्ताह में की जाने वाली कुर्यानी (मुसलमानों के यहाँ) ।

अककवत—(अ) किसी मत के मूल सिद्धान्त, धर्म विश्वास ।

अककीदा—(अ) दृढ विश्वास, निश्चय । धर्म, मत, मजहब ।

अककीव—(अ) अनुगामी, पीछे चलने वाला ।

अकाम—(अ) निस्सन्तान, बॉम् ।

अककीर—(अ) बॉम्, निराश ।

अककल—(अ) साथ-साथ खाने वाला ।

अककल—(अ) बुद्धिमान, समझदार, अकलमन्द ।

अककीला—(अ) मनुष्य के गान की चीज ।

अककला—(अ) बुद्धिमती ।

अककनत—(अ) दण्ड, सजा ।

अककल—(अ) बहुत खाने वाला ।

अककला—(अ) बहुत खाने वाली ।

अकक—(अ) नाता जोड़ना, सम्बन्ध स्थापित करना, विवाह शादी आदि करना । वेचना । प्रतिज्ञा ।

अककनामा—(मि०) विना सम्बन्धी प्रतिज्ञापन ।

अककबन्दी—(मि०) विना सम्बन्ध जोड़ना । वात्ता करना, निश्चय करना ।

अकक—(अ) भोजन, खाना ।

अककवशुध—गमना-पीना ।

अककल—(अ) बुद्धि, मेधा, प्रज्ञा । परित्याग, देवदूत ।

अककमन्द—(मि०) समझदार, मेधावी, बुद्धिमान ।

अककलमन्दा—(मि) बुद्धिमानी, समझदारी ।

अककली—(अ) काल्पनिक, बुद्धि सगत, बुद्धि सम्बन्धी, तर्क सिद्ध, उचित ।

अककस—(अ) छाया, प्रतिविम्ब, चित्र ।

अक्षमर—(अ) बहुधा, अधिकतर,
प्रायः, बहुत करके ।

अक्षरियत—(अ) बहुसंख्यक
समुदाय, बहुमत ।

अक्षसी—छाया सम्बन्धी, छाया-चित्र,
फोटो ।

अक्षसार—(अ) देखो अक्षसी' ।

अक्ष—(अ) भाई-बंधु ।

अक्षगर—(अ) आग की चिनगारी ।

अक्षय—(अ) लेना, पकड़ना, उद्भूत
करना, प्रदण करना ।

अक्षर—(अ) हरा ।

अक्षनी—(अ) पकाए हुए मांस का
रसा, शोरुआ ।

अक्षका—(अ) गुन्त, डिप्ता हुआ ।

अक्षमार—(अ) 'अक्षर' का बहुवचन,
सूचनाएँ खबरें, सन्देश । समा
चारपत्र ।

अक्षार नवीस—(मि) खबरें
लिखने वाला, सप्तादक पत्रकार ।

अक्षमस—(अ) वीर, बहादुर,
साहसी ।

अक्षलाक—(अ) "मुल्क" का बहु
वचन, नैतिकता शिक्षाचार, व्यव
हार विधि, आचार, दण्ड, शील
गोद ।

अक्षलाक्षी—(अ) नैतिक शील
सम्बन्धी ।

अक्षवान—(अ) "अक्ष" का बहुवचन,
भाई-बंधु, सगे भाई ।

अखिल्ला—(अ) "खलील" का बहु-
वचन, मित्रमण्डली, सच्चे दोस्त ।

अखोर—(अ) अन्तिम, पीछे का,
अन्त का । अन्त, समाप्ति, परि-
णाम, नतीजा फल ।

अखूर—(अ) घुड़साल, अस्तबल ।

अखूत—(अ) प्रेम, भाई-चाचा ।

अखतर—(अ) नक्षत्र, तारा ।

अखतर शिनास—(अ) ज्योतिर्विद्,
दैवज्ञ, खगोल विद्या जाननेवाला ।

अखता—(अ) खींची हुई तलवार,
बधिया किया हुआ ।

अखता खाना—(अ) अस्तबल, घुड़
साल ।

अखतियार—(अ) चुनना, पसन्द
करना । अधिहार, बश ।

अगर—(अ) यदि, जे ।

अगरचे—(अ) यद्यपि ।

अगराज—(अ) 'गरज' का बहु-
वचन, उद्देश्य, स्वार्य, मतलब,
अभिप्राय । चाहना । आवश्यक-
ताएँ ।

अगलत—(अ) बहुत-सी गलतियाँ ।

अगलक—(अ) वह व्यक्ति, जिसका
इतना (मुन्नत) न हुआ हो ।

अगलत्र—(अ) प्रायः बहुत करके, लगभग निश्चित रूप से ।

अगल-अगल—(अ) आस पास, इधर उधर, इतस्ततः ।

अगवा—(अ) किसी स्त्री या बालक को बहका फुमला कर ले जाना, बहकाना, फुमलाना ।

अगवान—(अ) वह बाज जो हाथ से बजाया जाय यथा-ढोलक चंग, तबला आदि (मुँह से उगने वाले बाँसुरी आदि वाद्यों को 'मिज़मर' कहते हैं) ।

अगियार—(अ) 'गैर' का बहुवचन, अन्य, दूसरे, पराये, शत्रु ।

अचार—ए अचार ।

अज—(अ) से ।

अजकार—(अ) 'जिक' का बहुवचन, ईश्वरोपासना, ईश्वर स्तुति ।

अजखु—(अ) आप से आप स्वयं ।

अजगैवा (अ) गुप्त, छिपा हुआ, रहस्यपूर्ण ।

अजजा—(अ) 'जुज' का बहुवचन, टुकड़े भाग, हिस्से, अंश खण्ड ।

अजजानि ध—(अ), तप से ।

अजदध—(अ) नकल बूना ।

अजदहा—(अ) बहुत बड़ा साँप, अजगर । किसी किसी ने तलवार

या मौत के अर्थ में भी इसका प्रयोग किया है ।

अजदहाम—(अ) मनुष्यों की भीड़, आदमियों का झुंड ।

अजदाद—(अ) बाप दादे आदि, पूर्व पुरुष, पूर्वज पुरखा ।

अजदाम—(अ) 'जदत्त' (कत्र) का बहुवचन बहुत सी कत्रें ।

अजनव (अ) विदेशी परदेशी, **अजनबी** । दूसरे देश या शहर से आया हुआ अनगन, अरिचित ।

अजनाम्—(अ) जित्स का बहुवचन, भाँति भाँति की चीजें, अनेक प्रकार की वस्तुएँ, घर का माल-असनाम ।

अजफ—(अ) निर्यलता, कमजोरी ।

अजफान—(अ) पलकों के बाल, दिन्नी, तिरुनियाँ ।

अजध—(अ) अनोपा, अद्भुत, आश्चर्यजनक विलक्षण, विचित्र ।

अजधर—(अ) कण्ठाग्र, जजानी, केवल स्मृति के आधार पर ।

अजधस—(अ) अधिक, बहुत ।

अजम—(अ) अरब के समीपवर्ती देश ।

अजम म—(अ) समस्त, सब ।

अजमत—(अ) महत्ता, बड़पन, महानुभावता ।

अजमतेमाजी—(अ) गत गौरव ।

अजमल—(अ) अत्यन्त सुन्दर ।

अजमी—(अ) अन्त देश का, इरानी ।

अजर—(अ) महत्ताना, पारिश्रमिक, पुस्तक मजदूरी काम के बदले में दिया जाने वाला पन । वय लागत खर्च ।

अजक—(अ) नील रंग का, नीला ।

अजग—(अ) कुमारी कन्या अज्ञानानि अनभिधा माती ।

अजराम—(अ) 'जिम्मे' का बहुवचन, देह शरीर, पिंड ।

अजरामे कलफी—(फ) आनाश में धूमने गले ननन ।

अजरुप—(फ) अनुगार ।

अजल—(अ) मृत्यु मौत, अदृष्ट दुमाय ।

अजल—(अ) अनादि, उत्पत्ति, उद्गम ।

अजना—(अ) "जिले" का बहुवचन, बहुत से प्रान्त, पण्डितियाँ ।

अजलाज—(अ) ठाट थाट, शङ्कन ।

अजला—(अ) सदाश, शाशत, आदि, अनन्त ।

अजल—(अ) अत्यन्त निरुद्ध, बहुत तीन, पण्डित ।

अजला—(अ) "जलीन का बहु

वचन, वयोवृद्ध, प्रतिष्ठित या बड़े लोग ।

अजवा—(अ) शरीर का माग, शरीर के अंग ।

अज मरे नौ—(अ) प्रारम्भ से, नवे सिर से ।

अजसाम—(अ) जिस्म का बहुवचन, अनेक शरीर ।

अजहद—(अ) अत्यधिक, हद से ज्यादा ।

अजहर—(अ) प्रकट, जाहिर ।

अजा—(अ) मातम, शोक ।

अजा—(फ) इसलिए, इस कारण ।

अजाअत—(अ) प्रकट करना ।

अजाओन—(अ) दुःख, दुःख, शैतान ।

अजान—(अ) शौंग, वह लम्बी आवाज जो नमाज के वक्त मस्जिद में दी जाती है ।

अजाय—(अ) मुसीबत, सबक, दुःख, विपत्ति, पाप, कुर्म, सन्ताप ।

अजाय—(अ) अजीब का बहुवचन, आश्चर्यजनक बातें या वस्तुएँ ।

अजायगराना—(मि) अद्भुत, वह स्थान जहाँ आश्चर्यजनक वस्तुएँ समूह करके रक्खी गई हों, अजायगर ।

अजी—(अ) कष्ट, दुःख, तकलीफ ।

अजीज—(अ) प्यारा, प्रिय, प्रतिष्ठित, आदरणीय, मिस्र के राजा की उपाधि ।

अजीज-उल्-फ़तह—सम्पन्धी, रिश्तेदार, प्यारा ।

अजीजदारी—(अ) रिश्तेदारी, नाते, दारी, सम्बन्ध ।

अजीब—(अ) अनोखा, अद्भुत, मिलनग, विचित्र ।

अजीब व गरीब—अत्यन्त गिल्लण, बहुत ही विचित्र ।

अजम—(अ) महान्, बड़ा, बया बृद्ध, प्रबल शत्रु, भयकर वैरी ।

अजमिन्शान—महान्, बहुत बड़ा, बड़ी शान का ।

अजयित (अजयत)—(अ) अत्याचार, किसी को दिया गया कष्ट, दुःख ।

अजलि—(अ) कुत्ता, जल्दबाज ।

अजूका—(अ) खाने-पीने का सामान, भोजन सामग्री, थोड़ा वेतन, निवाह मान के लिये कुछ लेना ।

अजूफ—(अ) खोसला, थोथा, निस्कार ।

अजूबा—(अ) विचित्र, अद्भुत, अगोखा, करामत ।

अजो—(अ) हिस्सा, भाग, अंग ।

अज्ज—(अ) निम्नता, याबिजी, निम्नता, लाचारी ।

अज्म—(अ) इरान, तूरान आदि देश ।

अज्म—(अ) इरादा, पक्का इरादा, दृढ़ सकल, अटल निश्चय ।

अजमत—देशों 'अजमत'

अज्ज—(अ) मेहनताना, पारिश्रमिक, पुरस्कार, मजदूरी, व्यय, खर्च ।

अज्ज—(अ) अंग, हिस्सा ।

अतका—(तु दाइ या घाय का पति ।

अतफाल—(अ) 'तिल्फ' का बहु-उचन, नाल उच्चे, लड़की-लड़के, सन्तान ।

अतफाले बाग—(अ) नये पौदे ।

अतराफ—(अ) 'तरफ' का बहु-उचन, ओर, स्कीमों की भाषा में मनुष्य के हाथ पैर ।

अतलस—(अ) रेशमी सादा कढ़ा, ज़िमम बेल-बूटे न बने हों, नयाँ आसमान ।

अतलाक—(क) तारा ।

अतवार—(अ) "तीर" का बहुवचन, दग प्रकार, चाल-चलन, रग दग, रहन-सहन ।

अता—(अ) प्रदान करना, देना, मल्शना ।

अनादिल—(अ) “अन्दलीव” का बहुवचन, बुलबुलें ।

अनार—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक फल, दाहिमू ।

अनामर—(अ) “अन्मर” का बहुवचन, पृथिरी, जल, तेज, वायु और आकाश ।

अनीक—(अ) थालिझन करनेवाला, गले मिलाने वाला ।

अनीक—(अ) क्रूर स्वभाव, अंगड़ाछुलनाय ।

अनास—(अ) मित्र, प्रेमी, दोस्त ।

अनकराध—(अ) लगभग, प्रायः, समीप, शीघ्र ही ।

अन्तर—(फ) अन्तर, मध्य मीनर, नीच, दम्भान, घर के भीतरी कमरे ।

अन्दरुता—(फ) भीतर का, अन्दर का ।

अन्दतीध—(अ) बुलबुल ।

अन्दाखता—(फ) बसेरा हुआ, फँका हुआ, छिटकाया हुआ, त्याक्त, छाड़ा हुआ ।

अन्ताज—(फ) अनुमान, अटकल, माना, वृत्त, नापजाल, अदा, दम, दंड, भाव, चेष्टा, फँसने वाला ।

अन्दाजन—(फ) अनुमान से, अटकल से ।

अन्दाजा—(फ) अनुमान, अटकल, शक्ति साहस, चिन्ह, तलमीना ।

अन्दाजे तजथ—(फ) माँगने का दंड ।

अन्दाम—(अ) शरीर, देह, जिम्मा, जदन ।

अन्देश—(फ) सोचने वाला, ध्यान रखने वाला, चिन्ता करने वाला ।

अन्देशा—(फ) मोच, पिक चिन्ता, भय आशंका, शक, सन्देह ।

अन्गेज—(फ) उठाने या सहने वाला ।

अन्दोह—(फ) शोक, दुःख, रज ।

अन्दोहगी—(फ) दुःखी, रंजीदा, शोक में पड़ा हुआ ।

अन्दोहनाक—देखो “अन्दोहगी” ।

अन्ना—(तु) माता, माँ ।

अन्वान—(अ) सरनामा, शीर्षक, प्राक्कथन, भूमिका, प्रारम्भिक पंक्तिगों ।

अन्सथ—(अ) अत्यन्त उचित, उहुत वाजिब ।

अन्सर—(अ) पृथिरी, जल तेज, वायु आकाश आदि मूलतत्व ।

अन्सरी—(अ) अन्तर सम्बन्धी,

पृथिव्यादि पञ्चतत्वों से सम्पन्न रखने वाला ।

अन्सार—(अ) सहायक लोग, “नासिर” का बहुवचन ।

अकाल—(अ) पैस का बहुवचन, कियाएँ काम, गति, कार्य-समूह, फारवाइयोँ ।

अकई—(अ) मिथर, नाग, काला साँप । कहते हैं कि पन्ना (रत्न विशेष) के देवने ने यह अघा हो जाता है ।

अककार—(अ) पित्त का बहुवचन, चित्ताएँ ।

अकगन—(फ) गिराने वाला ।

अकगान—(फ) अफगानिस्तान का रहने वाला काबुली ।

अकगाना—(फ) सतमावा जालक ।

अकगार—(फ) आहत, घायल, बुटेल जल्मी ।

अकजल—(अ) सर्वोत्तम, परमश्रेष्ठ, सत्रसे बढ़िया ।

अकजा—(फ) बढ़ाने वाला, बढ़ि करने वाला, जम्हाइ ।

अकजाश—(फ) बढ़ोतरी, वृद्धि ।

अकजू—(फ) उटने वाला, बढ़ा हुआ ।

अकजूनी—(फ) बड़ना, वृद्धि ।

अकयून—(अ) अफीम नाम से

प्रसिद्ध एक नशीली चीज ।

अकगज—(फ) शोभा बढ़ाने वाला ।

अकगजी—(फ) उड़ाता ।

अकराइ—(अ) “कर्” (व्यक्ति) का बहुवचन, गहुन से व्यक्ति ।

अकराम—(अ) “करम” का बहुवचन, घोड़े ।

अकरारता—(फ) क्रोध में भग हुआ, उग्र रूप धारण किये हुए, भड़का हुआ, आगवधूला होकर, प्रज्वलित ।

अकरोज—(फ) शोभा बढ़ाने वाला ।

अकलाक—(अ) फलक का बहुवचन, आकाश, आसमान ।

अकलातून—(अ) यूनान का सुप्रसिद्ध दार्शनिक । अरस्तू का उस्ताद । अत्यधिक अभिमानी ।

अकवाज—(अ) “कौज” का बहुवचन, बहुत-सी सेनाएँ ।

अकवाइ—अ) “कूइ” (मुँह) का बहुवचन, गहुत से मुँह या गहुत से मुँहों से सुनी हुई खबर । उइती हुई खबर, किन्दन्ती ।

अकशाँ—(फ) पानी की छोटी-छोटी बूँदें जल कण छिड़की हुई कोई चीज ।

अकशा—(फ) प्रकट जाहिर ।

अकशानी—(फ) छिड़कना ।

कसर—(क) अधिकारी, शासक,
दाकिम । टोपी, कुलाह ।

कसा—(फ) जादूगर ।

कसार—(फ) 'किसाद' का बहु
वचन, भगड़े टटे

प्रकसान—(फ) यह पत्थर जिस पर
छुरी और तलवार तेज की जाती
है ।

अकसाना—(फ) कथा, कहानी,
किस्सा ।

अकसुरदा—(फ) मलिन, मुरझाया
हुआ, कुम्हलाया हुआ, खिल,
उदास ।

अकसुरदाहात—(फ) दुर्देशाग्रस्त ।

अकसू—(फ) जादू टोना, जन्म मन्त्र,
इन्द्रजाल ।

अकसास—(फ) सेढ, दुख, शोक,
रुँद, पछतावा, पश्चात्ताप ।

अकसा—(फ) बीमारी में कमी
होना ।

अकसाक—(थ) बूरे कामों से बचने
वाला सदाचा ।

अकसा—(थ) अजीब का न्नी लिंग,
मदाचारिणी, सनी ।

अकसू—(थ) क्षमा करना ।

अकसूत—(थ) दुर्गन्ध, बन्धू,
सहाय्य ।

अक—(थ) पाप, पिता ।

अवसग—(अ) भाप के रूप में
उड़ने वाले कण ।

अवखरात—(अ) अवखरा का बहु-
वचन ।

अवखद—(अ) बर्णमाला, अरबी में
उणों द्वारा अक सूचित करने की
रीति ।

अवतर—(अ) बिगड़ी हालत वाला,
दुर्दशाग्रस्त, बुरा, डोंबाडोल ।

अवतरा—(अ) अव्यवस्था, गराबी,
दुर्दशा ।

अवद—(अ) अनन्त, शाश्वत,
अनन्तता, असीमता ।

अवदन्—(अ) सदैव, नित्य, हमेशा ।

अवदी—(अ) संग रहने वाला,
अक्षर, अविनाशी ।

अवयात—(अ) व्रत छुटने का ण्टु
वचन, शोग या फविताआ का
समग्र ।

अव—(फ) जदल, मेर ।

अवसर—(फ) चितकण, कोढ़ी,
गिगिट ।

अवरा—(फ) मिले हुए दोहरे कपड़े
में ऊपर वाला काड़ा ।

अवराक—(अ) चिड़ली गिला,
वज्रगत ।

अवराज—(अ) प्रकट करना, मेद
खोलना ।

अक्षरार—(अ) भले आदमी,
सज्जन ।

अक्षराह—(फ) मोरी ।

अक्षरी—(फ) एक प्रकार का रंगीन
और चिकना कागज जो किताबों
की जिल्दों पर लगाया जाता
है ।

अक्षरशम—(फ) रेशम का कोया,
कच्चा रेशम ।

अक्षरलक्ष—(अ) चितकवरा, चित
कवरा घोड़ा ।

अक्षवाध—(अ) बाध का बहुवचन,
अध्याय, परिच्छेद, मुसलमानों के
शासन में जनता पर लगाये जाने
वाले कर । दरवाजे

अक्षम—(अ) निरर्थक, निफल
व्यर्थ ।

अक्षहार—(अ) बहर का बहुवचन,
समुद्र, नदियाँ ।

अक्ष—(अ) एक प्रकार का बड़ा
चोगा ।

अक्षार्थाल—(अ) एक चिट्ठिया का
नाम ।

अक्षिक—(अ) सुगन्धित द्रव्य ।

अक्षियात—(फ) “बैत” का बहु
वचन ।

अक्षद—(अ) अक्ष (दास, मक्त)
का बहुवचन ।

अक्षीर—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध
मुड़मुड़ का चूर, जिसे लोग
होली में एक दूसरे पर डालते
हैं । एक सुगन्धित रंगीन चूर्ण,
जो अक्ष में कपड़ों पर छिड़कने
के काम में लाया जाता है ।

अक्षुलकञ्जल—(अ) सम्राट् अक्षर
के मन्त्री का नाम ।

अक्षू—(अ) पिता, महाशय ।

अक्षूर—(अ) नदी या पुल को पार
करना ।

अक्षोजद—(अ) बाप-दादा ।

अक्षतद—(अ) देखो अक्षजद ।

अक्षर—(अ) दास, गुलाम, मक्त,
सेवक ।

अक्षदाल—(अ) “बदील” का बहु-
वचन, मुसलमानों में एक प्रकार
के महात्मा, धार्मिक व्यक्ति,
मुहम्मद साहब के उत्तराधिकारी ।

अक्षना—(फ) पिता, बाप ।

अक्षनाम—(अ) सिंह, शेर, मुहम्मद
साहब के चचा का नाम ।

अक्षनासी—(अ) एक प्रकार का
लाल रंग ।

अक्ष—(फ) बादल, मेघ ।

अक्ष काफूर—(फ) सफ़ेद बाल ।

अक्षू—(फ) मोई, आँख के ऊपर के
बाल ।

अत्रे मुरदा—(फ) मरे हुये गदल,
म्वज ।

अम—(अ) रिता का भाइ, चाचा,
ताऊ ।

अमआ—(अ) पट की आँतें ।

अमक—(अ) गहरापन ।

अमजद—(अ) प्रतिष्ठित पूज्य, बड़े
बूढ़े, पवित्र ।

अमदन—(अ) जानघूँस कर, इरादे
से, इच्छापूर्वक ।

अमन—(अ) सुज-चैन, आराम
रत्ता, प्रचाय, शान्ति ।

अमनियत—(फ) शान्ति मुख,
आराम ।

अमर—(अ) काम, घटना, विधि,
आश, समस्या, नियम, काण्ड ।

अमर (अमर) खिलारु पेशा—
व्यवसाय विरुद्ध व्यवहार ।

अमर (अमर) घाइस तफलीक—
कष्ट-दायक गर्ते ।

अमर बादिही—म्वयन् मिद ।

अमर (अमर) मक जा—काल
निक विषय ।

अमराज—(अ) 'मर' का बहुवचन
बीमारियाँ, रोग समूह ।

अमरानियात—(अ) समाज व शास ।

अमरुद—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध

एक पल, सफरी, अमरुत ।
प्यारा ।

अमल—(अ) काम, अनुष्ठान,
समय, व्यवहार, आचरण अधि-
कार, शासन, बान, ट्रेव, अमर,
प्रभाव, नशा ।

अमलगेसू—(अ) राग धनाधी

अमलदरामद—व्यवहार ।

अमल सरकार—शासन-व्यवस्था,
राज्य प्रबंध ।

अमलदारी—शासन ।

अमला—(अ) "आमिल" का बहु-
वचन । काम करने वाले, कर्म-
चारी वर्ग । कचहरी ।

अमनाइ—(अ) संपत्ति, जायदाद ।

अमली—(अ) क्रियात्मक, व्याप-
हारिक, सक्रिय, तथा करनेवाला,
नशेप्राज ।

अमवाज—(अ) "मोज" का बहु-
वचन, लहरें ।

अमवात—(अ) "मौत" का बहु-
वचन, मृत-गो मौतें ।

अमान—(अ) कष्ट मोचन, शरण,
शान्ति ।

अमानत—(अ) धरोहर, धाती न्याम-
निक्षेप ।

अमानत कुनिन्दा—न्याय निमाता,
निक्षेप ।

अमानतदार—निश्चय ग्रहीता, न्यास धारी ।

अमानत नामा—(मि) वह वागज जिसमें धरोहर के सम्बन्ध में लिखा पट्टी की गई हो ।

अमानी—(अ) काम कराने का वह तरीका जिसमें ठेका न दिया गया हो, बल्कि जो मजदूरों को रोजाना के हिस्से से मजदूरों देकर कराया जाता हो । वह भूमि जिसकी जमींदार सरकार हो । वह लगान जिसमें फसल में कम पैदा होने के कारण कमी कर दी गई हो ।

अमामा—(अ) पगड़ी साफ ।

अमारा—(अ) ऊँट या हाथी का हौदा ।

अमी—(अ) बेपटे लिखे लोग ।

अमाक—(अ) गम्भीर, गहन, गहरा ।

अमीद—(अ) नेता ।

अमान—(अ) वह सरकारी कर्मचारी जो भूमि की नाप कूत करता हो, या कुर्की करता हो, जिसके पास अमानत रखनी जाय ।

अमीना—(अ) अमीन का काम ।

अमाम—(अ) सामान्य, सबको घेर लेने वाला, व्यापक ।

अमीर—(अ) धनी, मुखिया, सरदार, उदार ।

अमीर उल उमरा—(अ) अमीर का मुखिया ।

अमीर उल बहर—(अ) जल सेना का अध्यक्ष ।

अमाज्जादा—(मि) अमीर का लड़का ।

अमाराना—(मि) अमीरों का-सा ।

अमीरा—(अ) दौलतमन्दी, धनाढ्यता, उदारता ।

अमूद—(अ) मीची और गड़ी रेता ।

अमूम—(अ) सर्वसाधारण, आम ।

अमूमन—(अ) सामान्यतया, आम तौर पर, साधारणतः ।

अमूर—(अ) “अमर” का बहुवचन विषय, बातें काम ।

अमूरात (अ) ‘अम्र’ का बहुवचन ।

अम्द—(अ) अपने अधिकार ले काम करना । विचार, इरादा ।

अम्दन—(अ) इरादे से, जानबूझ कर ।

अम्न—(अ) देखो ‘अमन’ ।

अम्बरा—(अ) इस नाम से प्रतिष्ठित एक सुगन्धित द्रव्य ।

अम्बा—(अ) सन्देश देना, सचेतना

करना । किसी को अपने से दूर करना ।

अम्भार—(फ) राशि, ढेर, समूह ।

अम्भार खाना—(फ) भंडार, कोश, खजाना ।

अम्भारी—(अ) ऊँट या हाथी की पीठ पर कसा जाने वाला लकड़ी का हौदा ।

अम्भिया—(अ) “नवी” का बहु वचन, सदेशवाहक, देवदूत वैगम्बर ।

अम्भोह—(फ) आदमियों की भीड़ जन-समूह ।

अम्भ—(अ) चाचा, ताऊ, पिता का भाई ।

अम्भजाश—(मि) चचेरा या तएरा भाई ।

अम्भामा—(अ) देखो ‘अमामा’ ।

अम्भारा—(अ) विषय, विलास कुत्सित भावना ।

अम्भारी—(अ) हाथी या ऊँट का हौदा । अम्भारी

अम्भू—(अ) देखो “अम्भ” ।

अम्भ—(अ) देखो “अमर” ।

अम्भ वनिही—(अ) क्या काम करना क्या न करना इस विषय की आशाएँ, विधि और निषेध ।

अम्भाल—(अ) “मिथाल” का बहु वचन ।

अम्भाल—(अ) प्रकट, प्रत्यक्ष, स्पष्ट, जाहिर ।

अम्भाल—(फ) कि, क्या ।

अम्भाल—(फ) शरण, शरण लेना ।

अम्भाल—(अ) बीमार की मित्र-पुर्सी के लिये जाना, बीमार की तन्निग्रह का हाल जानने के लिये उससे मिलना ।

अम्भानत—प्रोत्साहन ।

अम्भाल—(अ) आभित, सगे-सम्बन्धी, कुटुम्बी, जाल बच्चे, परिवार के लोग । घोड़ा और शेर की गर्दन पर के घाल ।

अम्भालदार—(मि) बाल-बच्चोंवाला ।

अम्भालदारी—(मि) घर-गृहस्थी ।

अम्भाल—(अ) “ऐव” का बहुवचन । दोष समूह ।

अम्भाल—(अ) आँखें, पानी के छेदे, “एन” का बहुवचन ।

अम्भाल (अ) फकीरी ।

अम्भाल—(अ) “धोम” (दिन) का बहुवचन, दिन, दिवस, रात । जियों का रवेदशन ।

अम्भाल—(अ) धूर्त, शक्ल, मक्कार, चालाक ।

अध्यायी—(अ) धूर्तता, मस्कारी, चालाकी ।

अध्याश—(अ) निपट्टी, खिलासी ।

अध्यूक्त—(अ) एक नक्षत्र का नाम जो चमकदार और ताल रंग का है ।

अध्यूज—(अ) एक पैगम्बर का नाम ।

अरअर—(अ) चीड़ का वृक्ष ।

अरक्तगार—(मि) घोड़े की पीठ पर जोन के नाचे रक्खी जाने वाली गद्दी, नारजामा, एक प्रकार की टोरी ।

अरकरज—(मि) सेवन, कष्ट महिन्ना, लजित ।

अरकरज्जी—(मि) ऐसी महनत करना जिसमें पसीना आ जाय, घोर परिश्रम, कड़ी महनत ।

अरकान—(अ) 'रकून' का बहुवचन, खम्भे, स्तम्भ । तत्व । मन्त्रि । धनी ।

अरकाने दीलत—राज्य के प्रमुख व्यक्ति ।

अरकाम—(अ) "रकम" का बहुवचन, अक, सरया, लेग्नन ।

अरगजा—(फ) एक प्रकार का सुगन्धित द्रव्य जो शरीर पर मलने से काम आता है ।

अरगानन—(फ) एक प्रकार का

बाजा । इसे अरगन और अरगून भी कहते हैं ।

अरगवान—(फ) एक प्रकार का पाधा जिसके फूल लाल और रैजनी होते हैं । लाल और नारंगी रंग ।

अरगवानो—(फ) रैगनी रंग का लाल और नारंगी रंग का ।

अरगून—देखो 'अरगानून' ।

अरज—(अ) आदर, सम्मान, पद, आहदा, मूल्य ।

अरजू—(अ) चाँदाई, भूमि, जमीन ।

अरजगाह—(फ) मैदान, सेना की गिनती ।

अरजनेगी—(फ) वह व्यक्ति जो लोगों के अमान अभियोगों को बादशाह से निवेदन करे ।

अरजल—(अ) वह घोड़ा जिसके एक पैर का नीचे का भाग सफेद हो ।

अरजल—(अ) नीच, कमीना, जलील महानीच ।

अरजहयात—(अ) जीवनकाल को प्रसन्नतापूर्वक गिनाना ।

अरज्जो—(फ) सस्ता, कम कीमत का

अरज्जानी—(फ) सस्तापन ।

अरज्जाल—(अ) "रजील" का बहु

- वचन, नीच व्यक्ति, छोटे दर्जे के आदमी, गराब लोग ।
- अर्जमन्दी—(फ) महत्ता, बड़प्पन ।
- अर्जल—(अ) देखो अरजल ।
- अर्जो—(फ) देखो अरजो
- अर्जानी—(फ) सस्तापन ।
- अर्जियात—(अ) भूगभशास्त्र ।
- अर्जो—(अ) प्रार्थनापत्र, निवेदन पत्र भूमि से सम्बन्ध रखने वाला, लौकिक ।
- अर्जोवाला—आदमन, वादी का प्रार्थनापन ।
- अर्जोनीवीस—(मि०) प्रार्थनापत्र लिखने वाला । यह व्यक्ति जो दूसरों की अर्जियाँ लिखता हो ।
- अर्जो—(फ) लकड़ी चीरने का आरा, दाँता की जड़ें ।
- अर्श—(अ) तहत, छत, मुसलमानों के मतानुसार सम से ऊपर वाला स्वर्ग जहाँ खुदा, रहता है ।
- अर्शोस—(अ) गगनचुम्बी, अग्र फरा ।
- अशियान—(फ) परिरते, देवदूत ।
- अर्शो मुअल्ला—(अ) सब से ऊँचा, आठवाँ स्वर्ग, अश ।
- अल—(अ) एक प्रत्यय जो शब्दों से पदले लगाया जाता है । इसका अर्थ उस शब्द पर जोर देता है ।
- अल उल् रसूस—(अ) विशेष कर, खास कर के ।
- अल उस्सुनह—(अ) भोर, तड़का, प्रात माल ।
- अलक—(अ) जोक जमा हुआ खून ।
- अलकाब—(अ) प्रशस्ति, स्मिताउ उपाधि ।
- अलकिस्सा—(अ) निदान, फलत अभिप्राय यह कि ।
- अलग—वृथक् ।
- अल गरज—(अ) तात्पर्य यह कि निदान, फलत ।
- अल गयास—(अ) दुहाई देना, परियाद करना ।
- अलगोजा—(अ) एक प्रकार की बॉसुरी ।
- अलफ—(अ) चौपायो का चार, घोड़ों के खाने की घास ।
- अलफाज—(अ) लफ्ज का बहुवचन, बहुत-से शब्द, शब्दों का समूह, पारिभाषिक शब्द ।
- अलबत्ता—(अ) निश्चय ही, निस्तदेह, बेशक, हाँ, लेकिन, परन्तु, बहुत ठीक ।
- अलवान—(अ) "लीन" का बहु वचन, रग ।
- अलम—(अ) निशान, भस्त्रा, सेन

- के आगे रहने वाला भण्डा,
पहाड़, पर्वत, शोक, रख, दुःख ।
अलमास—(फ) हीरा ।
अलल खसूस—(ग्र) आस कर के,
विशेष रूप से ।
अलल तरतीब—यथा क्रम ।
अलल हिसाब—(अ) बिना हिसाब
बिधे, यों ही ।
अलविदा—(अ) मुसलमानों के रम-
जान । महीने का आखिरी
शुक्रवार ।
अलवी—(अ) वे सैयद मुसलमान
जो अलो के वंश में हों ।
अलःसवाह—(अ) बहुत सवरे, उड़े
तड़के, मुँह आँखें ।
अलहदगी—पृथक्त्व ।
अलहदा—(अ) अलग, पृथक्,
जुदा ।
अलहम्द अल्लिल्लाह—(ह) पर
मात्मा की प्रार्थना हो ।
अलहाल—(अ) अभी, इसी समय,
तुरन्त ।
अलानिया—(अ) खुल्लम खुल्ला,
ढके की चोट, स्पष्ट रूप में,
खुले आम ।
अलामत—(अ) चिह्न, लक्षण,
पहचान, निशानी, पता ।
अलामत औकाफ़—(अ) विराम
- चिह्न ।
अलामात—(अ) “अलामत” का
बहुवचन ।
अलालत—(अ) बीमारी, रोग,
व्याधि ।
अलावा—(अ) अतिरिक्त, सिवा,
बाँझ पर बोझ ।
अला सवील = ल बदल—वैकल्पिक-
अलिफ़—(अ) उर्दू वर्णमाला का
पहला वर्ण, हजार, सप्त ।
अलीफ़—(अ) मित्र, दोस्त ।
अलीम—(अ) शाता, जानने वाला,
विद्वान्, फट, कष्टदायक रोग ।
अलील—(अ) रोगी, बीमार, रुग्ण ।
अल् अब्द—(अ) भगवान् का भक्त,
ईश्वर का सेवक ।
अल् अमान—(अ) ईश्वर हमारी
रक्षा करे । शक्ति के लिए
पुकार । आत्त नाद ।
अल कत—(अ) समाप्त किया हुआ ।
रही किया हुआ । विच्छेद किया,
काटा हुआ ।
अल्काब—(अ) “लक्ब” का बहु
वचन, विशेषण, उपाधियाँ ।
अल्किस्सा—(अ) सत्तेप में यह कि,
तात्पर्य यह है कि, साराश यह
कि ।

अल् गरज—(अ) तात्पर्य यह है कि, मतलब यह है कि ।

अल् गरजी—(अ) स्वार्थी, अपने काम से मतलब रखने वाला ।

अल् गर्ज—(अ) देखो “अल् गरज” ।

अल्तमिश—(तु) सेना का सरदार, सेना नायक, पौज का अपसर, ६ का अक । हजरत, बादशाह शम्शुद्दीन गारी की उपाधि ।

अल्ताफ—(अ) ‘लुत्फ’ का बहु वचन, कृपा, दयालुता, अनुग्रह, कामलता, विशेषता, मृदुता, सूक्ष्मता, उत्तमता ।

अल्तमस्त—(फ) नरो म धुत्त, मस्त, मत्त ।

अल्ताम) —(अ) बहुत उका
अल्तामा)
विद्वान्, प्रकाण्ड पण्डित, बहुत बुद्धिमान् ।

अल्ताह—(अ) परमात्मा, ईश्वर ।

अल्ताह वाला—(अ) शिरोमणि प्रभु, संश्लेष परमात्मा ।

अल्ताह येली—(अ) ईश्वर सहायक है ।

अल्ता हो अकर—(अ) ईश्वर मशर है ।

अल्विदा—(अ) रमजान महीने का अन्तिम शुभवार ।

अल्हक—(अ) सचमुच, वास्तव में ।

अल्हम्दु—(अ) कुरान का सबसे पहला पद ।

अल्हम्दु लिझाह—(अ) परमात्मा को धन्यवाद है, ईश्वर धन्य है ।

अल्हान—(अ) गीत, संगीत, गाना, मधुर ध्वनि ।

अल्हाल—(अ) अभी, इसी समय ।

अल्हासिल—(अ) बात का तत्व, निचोड़ ।

अवतर—(अ) पुच्छकट, अवायधान, दुरचरित्र, निकृष्ट, खराब ।

अवाखिर—(अ) ‘आखिर’ का बहु वचन, अन्त का, अन्तिम ।

अशम—(अ) सर्वसाधारण, आम लोग ।

अशम उत्रास—देखो “अशम” ।

अशायल—(अ) “अश्वत्त” का बहु वचन, प्रारम्भिक, प्राथमिक, पहले का ।

अशायल उम्र—(अ) प्रारम्भिक अवस्था, अल्तायु, थोड़ी उम्र का ।

अवारजा—(फ) नित्य की बातें, लिखने का डायरा, नित्य का आय व्यय लिखने की चढ़ी, रोज नामचा ।

अवालिम—(अ) “आलम” (विश्व) का बहुवचन ।

अव्वल—(अ) पहला, प्रथम, सर्व
श्रेष्ठ, सर्वोत्तम, प्रधान, मुख्य ।

अव्वलन्—(अ) पहले, प्रारम्भ में ।

अव्वलीन—(अ) पूर्व पुरुषा, आदिम
लोग, प्राचीन ।

अश अश—(फ) प्रसन्नता या आश्चर्य
सूचक शब्द ।

अशआर—(अ) “शेर” (कविता)
का बहुवचन, कविताएँ, शिर
और सारे शरीर के बाल ।

अशकाल—(अ) “शक्ल” का बहु
वचन ।

अशखास—(अ) “शख्स” का बहु
वचन । इहत से मनुष्य ।

अशगाल—(अ) “शगल” का बहु
वचन, काम, उद्यम ।

अशजार—(अ) “शजर” का बहु
वचन, बहुत-से वृक्ष ।

अशद—(अ) अत्यधिक, अत्यन्त,
उग्र, तैल ।

अशफाक—(अ) “शफक्त” का
बहुवचन, वरुणा, दया ।

अशर—(अ) किसी चीज का दशवा
हिस्सा ।

अशरफ—(फ) महानुभाव, महा
पुरुष, अत्यन्त सज्जन ।

अशरफी—(फ) एक सोने का
सिक्का जिसे पहले पहल अश

रफ नाम के बादशाह ने चलाया
था, मोहर, गिनी, स्वर्ण-मुद्रा ।

अशरा—(अ) दश दिन, दस स्त्रियाँ ।

अशरा कामिला—(अ) पूरी दस
वस्तुएँ, दश रोज़े जिन्हें हाजी
लोग रखते हैं ।

अशरफ—(अ) “शरीफ” का बहु
वचन, सज्जन, भले लोग, नेक
आदमी ।

अशराफत—(अ) सज्जाता, भल
मनसाहत ।

अशरे अशीर—(अ) शताश सौवाँ
भाग, बहुत थोड़ा ।

अशा—(अ) ब्यालू, रात्रि का
भोजन ।

अशिया—(अ) “शे” का बहुवचन,
बहुत सी चीजें, वस्तुएँ ।

अशीर—(अ) कुटुम्बी, पड़ोसी,
किसी वस्तु का दशवाँ भाग ।

अशक—(फ) शम्भू, आस ।

अशक पुर खू—(फ) खून के आँसू ।

अशगाल—(अ) “शगल” का बहु
वचन, काम धंधे, व्यापार, मन
बहलाव ।

अशहर—(अ) अति प्रसिद्ध, बहुत
मशहूर ।

असगर—(अ) बहुत छोटा ।

असद—(अ) शेर, सिंह सिंह-याशि ।

असनाद—(अ) “सनद” का बहु
वचन, प्रमाणपत्र, सर्टिफिकेट ।
असनादमिलिकयत —स्वत्वाधिकार
पत्र ।

असनाफ—(अ) “सनफ” का बहु
वचन, प्रसार, भेद, किम्बे ।

असनास—(अ) “सनस” (बुतों)
का बहुवचन ।

असकया—(अ) “सफी” का बहु
वचन, परिग्रह लोग, प्रतिष्ठित ।

असब—(अ) शरीर के पट्टे, पेशिया,
स्नायु, देह का सामने का भाग ।

असकत—(अ) सर्व श्रेष्ठ, सर्व प्रथम

असना—अवशिष्ट, भोक्ता ।

असबाज—(अ) “सजब” का बहु-
वचना, बहुत से कारण, साधन,
—सी, न वन ।

असम—(अ) पाप, अस्वभाव, दोष,

असमत—शील मयाग ।

असमर—(अ) समर का बहुवचन,
जन, लाभ, सन्तान,

असर—(अ) प्रगाय, निद, खँडहर,
गमय, पाल, युग, दिन की
गणति । एक नमात्र का नाम जो
नि क चाँपे रश्मि पटी जाती
है । रोजगार, अंगूर का निरोहना

असताहिल—(अ) मुमक्षमानों के
एक निश्चित का नाम जो कया

मत के दिन नरसिगा फूँकेगा ।

असरार—(अ) “मिर” का बहुवचन,
रहस्य, भेद, गुप्त बात ।

असल—(अ) जड़, मूल, आधार,
मूल धन, मन्त्रा, परा, निना
मिलानट का ।

असलम—(अ) बहुत, बचा हुआ,
पूर्ण, अलगद, सौंप का दादा
हुआ ।

असलह—(अ) “सलाह” का बहु
वचन, हथियार, औजार,
शस्त्रास्त्र ।

असलइजाना—(अ) शस्त्रागार ।

अमलह हमला—(अ) आक्रमण के
हथियार ।

असला—(अ) कुछ भी, थोड़ा भी,
मिलकुल, कभी, कदापि, हरगिज ।

असलाफ—(अ) पुरखे । पूर्वज लोग,
“सलफ” का बहुवचन ।

असलियत—(अ) सच्चाई, वास्त-
विकता ।

असलो—(अ) अरुमिम, जो बना
बड़ी या मिलानदी न हो, परा,
सच्चा मूल, प्रधान, वास्तविक ।

असलो साहादन—प्रधान सादय ।

अमलूषी—सुनिया, सरलता ।

असबाब—(अ) पाने के कपड़े-
लत्ते, सामान मामूरी ।

असवी—(अ) स्नायु सम्बन्धी-स्नायु
निक ।

असवद—(फ) कालारग, कालासँ ।

असवदी—(फ) काली ।

असहाज—(अ) “साहज” का नहु
वचन, मित्र, दोस्त, यार, प्रेमी,
भले लोग ।

असा—(अ) लाठी, सोटा, डडा,
सेने या चाँदी से मठी हुई
लाठी ।

असाकिर—(अ) अस्कर (सेना)
का नहुवचन ।

असाभी—(अ) अपराधी, कर्ज लेने
वाला । जो जमींदार से लगान पर
स्वेत लेकर जोतता चोता हो ।
मुदालेह, व्यक्ति, प्राणी, रैयत ।

असार—(अ) सिर के बल गिरना ।
फकीरी, दरिद्रता, कगाली ।

असालत—(अ) असलियत, वास्त
निकता ।

असालनन—(अ) स्वय, आप, खुद ।

असालोब—(अ) ‘सलूब’ का बहु
वचन, शैलियाँ, ढग, प्रकार ।

असास—(अ) सामान, चीज-वस्तु,
माल असमाज ।

असास नल वैत—(अ) घर-गृहस्थी
का समान ।

असियाँ—(अ) अपराध, कर् हृदय ।

असीम—(अ) अपराधी, पापी ।

असीर—(फ) बैदी, बन्दी ।

असीरी—(फ) नवन, कैद, बन्दी
होने की ग्रन्स्था ।

असील—(अ) अच्छे नस्ल का, उच्च
वश का, प्रतिष्ठित परिवार का,
शान्त प्रकृति, सुरील ।

असूफ—(अ) आधी ।

असूम—(अ) बहुत खाने वाला ।

असूल—(अ) सिद्धान्त ।

अस्कर—(अ) नहुतावत अधिकता,
सेना, लश्कर, रात का अँधेरा,
एक स्थान विशेष का नाम ।

अस्करीयत—(अ) सैनिकता, फौजी-
पन ।

अस्तगफिर उल्लाह—(अ) ईश्वर
मुझे क्षमा करे । मैं ईश्वर से
क्षमा मागता हूँ ।

अस्तबल—(अ) घुड़साल, घोड़ों को
बाधने की जगह ।

अस्तर—(फ) पहनने या ओढने के
दोहरे कपड़े का नीचे वाला
कपड़ा, भितल्ला, वह रंग जो
किसी चीज पर मुख्य रंग चढाने
से पहले चढाया जाता है जमीन,
चन्दन का तेल जिसके आघार
पर दूसरे इश्र बनाये जाते हैं ।

अस्तकारी—(फ) कपड़े में अस्तर

लगाना, दीवार पर पलस्तर
नढ़ाना ।

अस्तुरा—(फ) जाल मूँडने का छुरा,
उस्तुरा ।

अस्नाय—(अ) दो घटनाओं, कामों
या बातों के बीच का समय, मध्य
का काल ।

अस्फ—(फ) घोड़ा, अश्व ।

अस्फज—(भू) मुरदा, बादल,
स्फज ।

अस्म—(अ) नहरा, जो सुने नहीं ।

अस्मत—(अ) निष्पाप या निर्दोष
होना, पापों से अपने को बचाना,
मित्रियों का सतीत्य ।

अस्माअ—(अ) “इस्म” का बहु
वचन, नाम, सगाएँ ।

अस्म—(अ) देखो “अस्मर” काल,
समय, युग, दिन का चौथा
पहर ।

अस्ल—देखो “असल”

अस्लम—(अ) देखो “असलम”

अस्तुथ—(फ) शैली ।

अस्ताला—(अ) शहर की मक्खी,
शहर का छत्ता ।

अहजर—(अ) बहुत छोटा, अति
तुन्ध ।

अहकाम—(अ) “हुक्म” का बहु
वचन, आकाएँ, आदेश ।

अहतजाज—(अ) विरोध ।

अहतमाम—(अ) प्रबन्ध, व्यवस्था,
इतजाम, प्रयत्न ।

अहतमाल—शका, सम्भायना ।

अहरार—(अ) “हुरै” का बहुवचन,
स्वतन्त्र, स्वधीन ।

अहतरास—(अ) देखभाल फगना,
रखवाली करना ।

अहद—(अ) युग, समय, शासन
काल, दृढमत, प्रतिज्ञा, पक्का
निश्चय, रोजगार, एक वस्तु,
इकाई, सरपा, अहद, इशार का
एक जानना ।

अहदनामा—(मि०) प्रतिज्ञापन ।

अहद पैमान—(अ) दृढ निश्चय,
शर्तें तय करना ।

अहद शिकन—(मि०) प्रतिज्ञा भग
करने वाला ।

अहदशिकनी—(मि०) प्रतिज्ञा
तोड़ना ।

अहदियत—(अ) छफता, एक क्षणा,
इकाई ।

अहदी—(अ) अत्यन्त आलसी ।

अहदेवातिल—(मि०) झूठा प्रतिज्ञा ।

अहदाय—(अ) “हजीर” का बहु
वचन, मिन मगदली, टोन्त, यार
लोग ।

अहदो पैमान (अ) देखो अहद पैमान

अहवार—(अ) बुद्धिमान लोग ।

अहम—(अ) अत्यन्त आवश्यक,
महत्त्वपूर्ण ।

अहमक—(अ) अत्यन्त मूर्ख, महा
मूढ़, बेवकूफ ।

अहमद—(अ) अत्यन्त आदरणीय,
मुहम्मद साहब का नाम ।

अहमदी—(अ) अहमद या मुहम्मद
साहब के अनुयायी, मुसलमान ।

अहमियत—(अ) महत्ता, महत्व ।

अहरन—(अ) लोहे का वह औजार
जिस पर रखकर लुहार या सुनार ।
कोई चीज गढ़ते हैं, निहाई ।

अहरमन—(अ) शैतान ।

अहराम—(अ) प्राचीन भवन, पुराने
महल, पिरामिड ।

अहरार—(अ) दूर का गहुबचन,
उदार, दानी, स्वतन्त्रतावादी,
उदार विचारा वाले, आजकल
मुसलमानों का एक राजनैतिक
दल ।

अहल—(अ) लोग, व्यक्ति, आदमी,
लायक, महाशय, मालिक, स्वामी
मुख्य ।

अहल अल्लाह—(अ) धर्मपरायण,
इश्वरभक्त ।

अहलकार—(अ) कामकाज करने
वाले, कर्मचारी, विशेष कर

अदालती कर्मचारी ।

अहलमद—(अ) अदालत के किसी
विभाग का मुख्य मुशा या
कर्मचारी ।

अहलाल—(अ) नया चाँद देखना,
दौज के चन्द्रमा का दर्शन
करना, पशुवध के समय खुदा
का नाम लेना ।

अहलियत—(अ) योग्यता ।

अहलिया—(अ) पत्नी, स्त्री ।

अहलेइरफो—(अ) शानी, ब्रह्मवेत्ता,
गिहानवेत्ता ।

अहले इस्लाम—(अ) मुसलमानी
धर्म के मानने वाले लोग ।

अहले कलम—(अ) लिखने पढ़ने
वाले लोग, साहित्यिक लोग ।

अहले किताब—(अ) किसी पुस्तक
में लिखे धर्म को मानने वाले
लोग ।

अहलेरजाना—(अ) घर के लोग,
बाल बच्चे, गृहस्वामिनी, घर की
मालकिन ।

अहले जुनू—(अ) पागल लोग ।

अहले जुवान—(अ) भाषा विषय
के परिदृष्ट, भाषा शास्त्री ।

अहले जिम्मा—(अ) वे लोग जो
मुसलमान न हों और मुसलमानी
राज्य में अपने धार्मिक कार्य

लुक छिप कर करते हों ।

अहल दिल—(मि०) सहृदय ।

अहलेफन—(मि०) कलाकार,
कारीगर ।

अहलेशजन—(मि०) महपिल के
लोग ।

अहले मस्जिद—(मि०) मस्जिद के
लाग, नमाज पढ़ने वाले ।

अहले मुकदमा—मुकदमा लड़ने
वाला, पक्षकार ।

अहले राजगार—(मि०) कारवागी
लोग, व्यवसायी, राजगारी किसी
धचे में लगा हुआ ।

अहले रतन—(मि०) अपने देश
प्रान्त या नगर के लाग ।

अहवाल—(अ) “हालका” गहुअचन,
वृत्तान्त, विवरण, व्योग, अवस्था,
परिस्थिति । “होल” का गहुअचन,
भर, रहगतें ।

अहशम—(अ) ‘हशम’ का गहु-
अचन, नाक़ा नागर ।

अहले शिकन—() प्रतिजाअद,
राग गिलाफ, रतन गृग १
करने वाला ।

अहमन—(अ) गहुअ श्रेष्ठ, मजन,
नेर, अरुद्रा, भला ।

अहमनद—(अ) गृध किया, गहुत
अण किया । माधुग या

शागशी के अर्थ में ।

अहसान—(अ) नेकी, उपकार,
भलाइ, कृतज्ञता, निहोर ।

अहसानमन्द—(अ) दूसरे के किये
उपकार का मानने वाला, कृत
कृत्य, अनुग्रहीत ।

अहसास—(अ) स्पर्श करना, अनु
भूति, प्रतीति, मालूम करना,
ज्ञान होना ।

अहाता—(अ) चारों ओर दीवार से
घेरा हुआ मैदान, हाता, बाका,
फलका, प्रान्त, मण्डल ।

अहाली—(अ) “अहल” का बहु
वचन, परिवार के लोग, जाल
बच्चे, गधु गधव ।

अहिउग—(अ) मित्र लोग ।

आँ—(अ) वह ।

आँ कि—(अ) वह जो ।

आँकनाद—(अ) श्रीमानजी,
महमानित व्यक्ति ।

आजहानी—(अ) स्वर्गीय ।

आँध—(अ) शाम, आम नाम का
फल या उमका गृह ।

आइदा—(अ) आगामी, आने
वाला, आगन्तुक, आगे, भविष्य
न, भविष्यकाल ।

आइव—(अ) एंव या अरराव करने
वाला ।

ग्राईन—(अ) विधान, नियम, कायदा
कानून, प्रथा, दस्तूर, सजावट,
शृंगार ।

ग्राईनवन्दी—(मि०) किसी के स्वा
गत के लिए की गई सजावट ।

ग्राईना—(फ) दर्पण, मुँह देखने का
शीशा ।

ग्राईनाचीना—(फ) सूर्य ।

ग्राईनादार—(फ) गुणदोष दशक,
नाइ ।

ग्राईनामाज—(फ) ग्राईना बनाने
वाला शीशे का काम करने
वाला ।

अईना साजी—(फ) ग्राईना बनाने
का काम ।

आईमा—(अ) दान में मिली हुई
भूमि जिसका कर न देना पड़े ।

आईमादार—(मि०) जिसे दान या
माफी की जमीन मिली हुई हो ।

आरु—(अ) माँ-बाप का विरोधी
पुत्र ।

आक करन—पुत्र को उत्तराधिकार
से वचित करना ।

आकनामा—(मि०) वह कागज़ या
लेख जो किसी ने अपने अयोग्य
पुत्र को उत्तराधिकार से वचित
करने के लिए लिखा हो ।

आक्रियत—(अ) परिणाम, ग्रन्थ,

मरने के पश्चात्, परलाक ।

आक्रियत अ देश—(मि०) परिणाम
दर्शी, परिणाम का ध्यान रखने
वाला, दूरदर्शी ।

आक्रियत अन्देशी—(मि०) दूर
दर्शिता, परिणाम का ध्यान
रखना ।

आकर करह—(अ) एक पौधा
जिसकी जड़ दवा के काम आती
है, अकरकरा ।

आका—(अ) स्वामी, अग्निपति,
मालिक, ईश्वर, साहब ।

आकिद—(अ) प्रतिश करने वाला,
वचनबद्ध बनी, गाँठ बाँधने
वाला ।

आकिफ—(अ) निरक्त, एकान्त में
बैठ कर ईश्वरभक्ति करने
वाला ।

आकिब—(अ) सहायक पीछे आने
वाला, अनुचर जो किसी का
नायब हो ।

आकिर—(अ) उध्या, जाँक ।

आकिज़—(अ) बुद्धिमान, अग्रज
मन्द, समझदार ।

आकिला—(अ) समझदार स्त्री,
बुद्धिमती ।

आकिलाना—(अ) अक्लमन्दी का,
बुद्धिमत्ता पूर्ण ।

आखिज—(अ) ग्रहण करने वाला,
उद्धृत करने वाला, लेने वाला,
पकड़ने वाला ।

आखिर—(अ) पिछला, अन्तिम,
अन्त में, अन्त को, परिणाम,
फल, समाप्ति, अन्त ।

आखिरकार—(मि०) अन्ततोगत्वा,
अन्त में ।

आखिरका—(अ) अन्ततोगत्वा,
आखिर में ।

आखिरत—(अ) परिणाम, परलोक,
क्यामत, प्रलय, अन्त का दिन,
मात का दिन ।

आखिरी—(अ) अन्तिम, पछे का,
अन्त का ।

आखिरी तहवील—(फ) क्यामत
का दिन ।

आखिरत अमर—(अ) अन्ततो
गत्वा, अन्त में, पिछला,
अन्तिम ।

आखिरत जमाँ—(अ) समय का
अन्त । युगात् ।

आखिरत—(फ) शिक्षक, उस्ताद ।

आखिरत—(फ) मोर्चा पे रहने का
स्थान, गस्तघन, कूड़ाकण्ड ।

आखिरत—(फ) दरिया किया हुआ ।
बिग्री हुई तनवार ।

आखिरत—(उ) स्वामी, साहब, अधि

पति, महाशय, ईश्वर, उदा भाद,
काबुली मुसलमानों की एक
उपाधि ।

आगाज—(फ) प्रारम्भ, शुरु ।

आगाह—(फ) सावधान, सचेत,
जानकार, गकिफ ।

आगाही—(फ) सावधानी, जानकारी,
पहले से मिलने वाली सूचना ।

आगोश—(फ) गोद, मोड़, उत्तमग ।

आगोशी—(फ) गले लगाना, गोद
में लेना ।

आचार—(फ) अचार, आम, नीबू,
मिरच आदि का ।

आर्गो—(फ) मरी हुद ।

आज—(अ) हाथी का दाँत ।

आज—(फ) लालच, लोभ, लिप्सा
एक शहर का नाम ।

आजग—(फ) भुरियाँ जो बुढ़ापे में
पड़ जाती हैं ।

आजम—(अ) उद्धृत उदा, महान् ।

आजमन्द—(फ) लालची, लोभी ।

आजमा—(फ) आजमाने वाला,
परीक्षक, जाँच करने वाला ।

आजमाइश—(फ) परखना, आज
माना, जाँच करना, परीक्षा
करना ।

आजमाना—(फ) परीक्षा करना,
परखना ।

आजमूदा—(फ) परीक्षित, जाँचा हुआ, परखा हुआ, अनुभूत ।

आजमूदाकार—(फ) अनुभवी, चालाक, चतुर ।

आजर—(फ) एक प्रसिद्ध मूर्तिकार का नाम ।

आजवर—(फ) लालची, लोमी ।

आजा—(अ) अजू या अजो का बहुवचन, शरीर के अंग प्रत्यंग, देह के जोड़ ।

आजाएतनासुल—(अ) पुरुष की मूत्रेद्रिय, लिंग ।

आजाए रईसा—(अ) शरीर के मर्म स्थान, हृदय, मस्तिष्क आदि

आजाद—(फ) छूटा हुआ, मुक्त, स्वतंत्र, निश्चिन्त, लापरवाह, निर्भय । उकायन का पैड । निर्दोष ।

आजादगान—(फ) पलची ।

आजादगी—(फ) स्वाधीनता, निर्दोष पिता, मुक्ति, छुटकारा ।

आजादी—(फ) देखो आजादगी ।

आजार—(फ) कष्ट दुःख, बीमारी, रोग ।

आजार खाह—(फ) कष्ट चाहने वाला ।

आजारी—(फ) रोगी, बीमार, दुखी ।

आजिज—(अ) असमर्थ, लाचार,

परेशान, तंग ।

आजिजो—(अ) विनती, नम्रता, दीनता ।

आजिम—(अ) इरादा करने वाला ।

आजिर—(अ) ज़मा माँगने वाला, उग्र करने वाला ।

आजिल—(अ) शीघ्रता करने वाला, जल्दगाज़ ।

आजुर—(अ) पक्की ईंट ।

आजुर—(फ) फारसी वर्ष का नवौं महीना ।

आजुर्दगी—(फ) अप्रसन्नता, दुःख, मनोव्यथा, आधि, क्रोध ।

आजुर्दह—(फ) सताया हुआ, त्रस्त, दुखी, चिन्तित ।

आजुर्दह मुश्त—(फ) कुवड़ा ।

आत—(तु) बोझ ।

आतिक—(अ) दया करने वाला, अनुग्रह करने वाला ।

आतिकृत—(अ) दया, कृपा, महर्बानी ।

आतिर—(अ) सुगन्धित, खुशबूदार

आतिल—(अ) नगा, नग्न ।

आतिश—(फ) अग्नि, प्रभा, क्रोध, प्रथा, शैतान, नरक, दैरीकोर ।

आतिश का परकाला—चलता पुर्जा यादमी ।

आतिश अंग्रेज—(फ) आग लगाने

वाला, सेनापति ।

आतिथ अफगन—(फ) आग रर
खाने वाला ।

आतिथ अफर्शा—(फ) प्रलयङ्कर,
आग ररमाने वाला ।

आतिथ कदा—(फ) अग्निशाला,
अग्नि मन्दिर ।

आतिथ कार—(फ) चायर्चा, स्मोइजर,
आतिथगज ।

आतिथ खाना—(फ) पूजा की
अग्नि स्थापित करने की जगह ।

आतिथ म्मार—(फ) पत्नी विशेष,
चकार । दुष्ट तथा अत्याचारी
व्यक्ति ।

आतिथ गीर—(फ) चिमरा जिससे
आग पकड़ते हैं । ज्वलासील,
आग पकड़ने वाला ।

आतिथ जद्दी—(फ) अग्नि
काण्ड ।

आतिथ खन—(फ) नकमफ नाम
का पत्थर जिसे लोह से रगड़ कर
आग पैदा की जाती है । कुक्कुस
गम या एक बन्धन पत्नी ।

आतिथ खवान—(फ) बकराने,
कूर खाना ।

आतिथ खर—(फ) खगल ।

आतिथ दम्ती—(फ) आकाश ।

चालाकी, शीघ्रता ।

आतिथ दान—(फ) प्रेमीटी ।

आतिथ परस्त—(फ) अग्नि की
पूजा करने वाले ।

आतिथ परम्ती—(फ) अग्नि की
पूजा ।

आतिथ पा—(फ) प्रधोर, तेज चकने
वाला । द्रुतगामी ।

आतिथ पैकर—(फ) सूर्य, नूत,
जिन ।

आतिथ बाज—(फ) अग्नि फीडा
करने वाला, आतिथगजा बनाने
वाला ।

आतिथ बाजी—(फ) आग में
खेलना, गरुड के पिलौने चिनमें
आग लगा कर खेलते हैं ।

आतिथ बागर—(फ) आग धरसाने
वाला ।

आतिथ मिजाज—(फ) मोधी,
कड़वे स्वभाव का ।

आतिथ लयाज—(मि०) उग्र स्वभाव
का, गरम मिजाज का, मोपी ।

आतिथी—(फ) आग से सम्बन्ध
रखने वाला, आग का ।

आतिथी शीशा—(फ) उद शीशा
जिसे मय के सामने करके उतमें
होकर पाग जाने वाली किरणें

किसी कपड़ आदि पर डालने से
आग पैदा हो जाती है। सूय
कात या सूयमुखी शीशा।

आतिशे खामोशर—(फ) बुझी हुई
आग।

आतू—(फ) अभ्यासिका, शिक्षिका।
वह स्त्री जो राइकियों को पढावे
और सूय शल्य सिखावे।

आतून—(फ) देखो “आतू”।

आदत—(अ) स्वभाव, प्रकृति, बान,
टेय, अभ्यास।

आदतन—(अ) स्वभावप्रश, अभ्यास
के कारण।

आदम—(अ) मुसलमानों के मजसे
पहले पैगम्बर जिनसे आत्मियों
की उत्पत्ति मानी जाती है।
आदमी मनुष्य।

आदमखोर—(मि०) मनुष्यों को
खाने वाला, नरभक्षक।

आदमजाद—(मि०) आदम से पैदा
होने वाला, मनुष्य जाति।

आदमी—(अ) आदम से उत्पन्न
होने वाले, आदम की सतान,
मनुष्य, मानव, नौकर, सेवक।

आदमीयत—(फ) मनुष्यता, भल
मनसाहत।

आदमे आभी—(फ) जल मानुस।

आदा—(अ) उदू का बहुवचन,

वैरी, शत्रु, दुश्मन।

आदात—(अ) आदत का बहु
वचन।

आद—(अ) अदद का बहुवचन।

आदाव—(अ) ‘अदव’ का बहु
वचन, शिष्टान्वार, श्रमिवादन,
प्रणाम।

आदान व अलकाव—पद या
मयाग के मूचक शब्द, प्रशान्ति।

आदिल—(अ) न्यायाधीश, मुसिफ,
न्याय करने वाला।

आदी—(अ) अभ्यस्त जिसे किसी
बात की आदत पड़ गई हो।

आन—(अ) क्षण, पल मुहत्त, अदा,
एँठ, अकड़, भाव भगी, नाज,
अदा, दग, तर्ज।

आनमान—शोभा, अदा ठमक।

आननफानन—(अ) तुरत तत्काल,
उड़ी बल्दी, उहत गड़े समय
में।

आना—(फ) एक प्रत्यय जो फारसी
शब्दों के पीछे लगाने से का
अर्थ देता है, जैसे—माहाना,
गेजाना आदि।

आनिस—(अ) प्रेम करने वाला।

आक—(फ) सूर्य सूरज।

आफत—(अ) निगति, मुमीन दुल,
कष्ट, आपत्ति, हलचल ऊधम।

आकृताद्य—(क) सूर्य, धूर, मर्या ।
 कान पे अथ म भी आता है ।
 आकृताद्य परम्त—(क) सूर्य की
 पूजा करने वाला । कमल, सूर्य
 कुंआ ताम का पौधा । गिरगिट ।
 आकृताद्य—(क) पानी भरने का
 टोपीगर नाग ।
 आकृताद्यी—(क) सूर्यमुखी, उह उस्तु
 जो धूर में सुगंध गढ़ हो लाई
 की कक्षा । एक प्रकार की
 आतिशबाजी जिसके प्लाने से
 धूर का प्रकाश हो जाता है ।
 आकृति नयन—(मि०) बहुत सुन्दर,
 निगाह के लिए आकर्षक ।
 आकृति नामहानो—श्रेणी कोर,
 ईश्वरीय सफ्ट ।
 आकृतीदगान—(क) उत्तर क्रिये
 हुए संसार के लाग ।
 आकृतीदगार—(क) सृष्टि का उत्तर
 करने वाला श्रम ।
 आकृतीश—(क) देश दुआ ।
 आकृती | (क) गाधुसा, घ घ,
 आकृती | अन्य, गह, गह
 शासन ।
 आकृतीनत—(क) उत्तर कमा,
 देश कमा, घाता ।
 आकृति—(क) 'उ-क' का बहु
 वचन, रिश, मगर, दुनिया,

आसमान के किनारे, गिग्दिगन्त,
 नितिज ।
 आकृत—(अ) "आकृत" का बहु
 वचन सक, दु, विपत्तियाँ,
 मुमारे ।
 आकृत—(अ) आराम, आनन्द,
 दुशल मङ्गल, सुख स्वास्थ्य ।
 आकृ—(अ) अराधना करने
 वाले ।
 आकृ—(क) पानी, जल । प्रतिष्ठा,
 आरु, शाभा, चमक, पान्ति,
 अति तदक भङ्क, धन, तलवार
 की धार की तेजी व चमक ।
 आकृ—(क) शरान पाने व
 बेचनेवाला, कलार, कनवार ।
 आकृकारी—(क) वह स्थान जहाँ
 शराब पनाइ या बेची जाती है,
 माक उस्तुआ की व्यवस्था करने
 वाला गवर्णीय विभाग, शराब
 खाना, कनारी ।
 आकृखाना—(क) मल निवृत्त
 करने का स्थान, शौचालय,
 पाखाना ।
 आकृखु—(क) अलवच, दाना
 पानी ।
 आकृखोर—(क) मिनास, तट,
 घाट ।

आबखोरद—(फ) खाने-पीने की चीजें अन्न जल ।

आबखोरा—(फ) गिलाम, कटेरा आदि ।

आबगोना—(फ) शीशा, दर्पण, बिल्लौर, हीरा, अमूर की शराब, प्रेमी का हृदय आँख, पानी पीने का गिलास या कटेरा ।

आबगीर—(फ) तालाब, पोखर, पानी का गड्ढा ।

आबजाविदाँ—(फ) अमृत ।

आबजोश—(फ) मास आदि का रस, शोरना, एक किस्म का मुनक्का ।

आबतान—(फ) शोभा, रौनक, तड़क भड़क, चमक दमक ।

आबदस्त—(फ) हाथ पानी लेना, मल शुद्धि करना ।

आबदस्तान—(फ) बज्जू करने का लोटा ।

आबदान—(फ) जलपात्र पानी रखने का रतन, तालाब ।

आबदार—(फ) चमकीला, पानीदार, घनवान्, पानी रखने वाला नौकर ।

आबदारी—(फ) चमक दमक, शोभा, पानी रखने का काम ।

आबदीदा—(फ) साश्रु नयन, आँख

भरी हुई आँखें ।

आबनाए—(फ) जल दमरु मध्य ।

आबनूम—(फ) एक प्रसिद्ध वृत्त जिसकी लकड़ी काले रंग की, निहायत मजबूत और भारी होती है ।

आब पाशी—(फ) खेती सींचना, छिड़काव करना, खेती की सिंचाई के निमित्त लिए गए पानी का टैक्स ।

आब बाज—(फ) पानी में तैरने वाला ।

आबरवाँ—(फ) बहता हुआ पानी । एक प्रकार का बहुत बारीक और बढ़िया कपड़ा,

आबरू—(फ) प्रतिष्ठा, पद, कीर्ति, बड़प्पन, मान, इज्जत, ताजगी ।

आ(अ)ब रशम—(फ) रेशम ।

आबला—(फ) छाला, फलक, फफोला ।

आबशार—(फ) पानी का भरना, जल-प्रपात, सोता ।

आब सुर्ख—(फ) लाल रंग की शराब ।

आबस्याह—(फ) गहरा पानी, भय कर भँवर युक्त जल-राशि, दवात की स्याही, शराब ।

आब हवा—(फ) जलवायु, सर्दो

आर—(अ) लग्ना, सकोच, शर्म,
दोष, अप्रतिष्ठा, चटनामी ।
आरजा—(अ) बीमारो, रोग ।
आरजा—(अ) कृत्रिम, उनावटी,
अस्थायी, आकस्मिक ।
आरजा मुलह—अस्थायी सन्धि ।
आरजू—(फ) आशा, विनय, विनीत,
इच्छा, वाञ्छा ।
आरजू मन्द—(फ) आशावान्,
आशान्वित, इच्छुक, विनीत ।
आरद—(फ) आरा
आरा—(फ) शोभा उठाने वाला,
सजाने वाला ।
आराइश—(फ) सजावट, सज
सजा, शोभा ।
आराई—(फ) सजाना ।
आराजी—(अ) अन्न का बहुत बचन,
वर्मान, भूमि जिस पर मकान न
बने हा, खेती हाती हा ।
आराया—(फ) बैलगाड़ी, छकड़ा ।
आराम—(फ) सुख, चैन, विभाम,
मेहत ।
आरामगाह—(फ) विभाम करने का
स्थान, आराम करने की जगह,
सोने का स्थान ।
आरामनय—(फ) आराम चाहने
वाला, मुग्ध, निष्काम, विनासी ।
आरामनयों—(फ) विलास प्रियता,

आराम चाहना ।
आरामी—आराम तलब ।
आराय—(फ) सजाना, सुसज्जित
करना ।
आरास्तगी—(फ) सजावट ।
आरास्ता—(फ) सुसज्जित, सजा
हुआ ।
आरिज—(अ) पौध का घेतन घोटने
वाला, गाल, काली घटा, कृत्रिम,
जो असली न हो ।
आरिज—(अ) गाल, राधक, रोझने
वाला, होने वाला ।
आरिजे गुलकाम—(मि०) गुलाबी
गाल ।
आरिन्दा—(फ) किसी वस्तु का लाने
वाला, मजदूर, प्रोभ्य देने वाला ।
आरिफ—(अ) एन्तोपी, इश्वर मरु,
जानने या पहचानने वाला ।
आरिफा—(अ) “आरिफ” का स्त्री
लिंग ।
आरियत—(अ) कुछ पिनो के लिए
कोई चीज मंगानी माँगना ।
आरियतन—(अ) मँगो के तौर
पर ।
आरियती—(अ) मँगो के
हुआ ।
आरी—(अ) मंगा, चखरीन, निहग,
दिग्गम, आव, यथा

- परेशान, दीन, असहाय, अनु
प्राप्त हीन, गद्य ।
- आरेबले—(फ) टालमटूल, कहते
रहना पर करना नहीं ।
- आरोग—(तु०) डकार ।
- आल—(अ) सन्तान, विशेष कर
लड़की की सन्तान, यशज, घर
के लोग ।
- आल—(फ) एक प्रकार का लाल
रंग । एक तरह की शराब, डेरा,
खेमा । बादशाह की मोहर ।
- आल औलाद—सन्तति, सन्तान ।
- आलत—(अ) औजार, उपकरण,
यन्त्र, पुरुष की इन्द्रिय ।
- आलम—(अ) विश्व, ससार, दुनिया,
मनुष्यों की भीड़, अवस्था, दशा ।
- आलमगीर—(मि०) जगद्विजयी,
विश्वव्यापी, औरंगजेब बादशाह
की उपाधि ।
- आलमी—(अ) सासारिक, दुनिया में
रहने वाला ।
- आलमे असवाब—(अ) ससार,
दुनिया ।
- आलमे आव—(फ) शराब का नशा ।
- आलमे खाव—(मि०) निद्रित
अवस्था, सोने की हालत ।
- आलमे गैव—(अ) परलोक, अशांत
अवस्था ।
- आलमे फानी—(अ) नाशवान जगत्,
मर्त्यलोक ।
- आलमे चाला—(अ) उत्तम लोक,
स्वर्ग, बहिस्त ।
- आलमे बेदारी—(मि०) चेतन
अवस्था, जागने की हालत,
जाग्रत अवस्था ।
- आलमे सिफली—(अ) भूमण्डल,
ससार ।
- आला—(अ) ऊँचा, भेष्ट, बढिया,
औजार, काम करने के उपकरण ।
- आलाइश—(फ) दोष, अपराध,
दूषित पदार्थ ।
- आलात—(अ) “आलत” का बहु-
वचन, औजार, हथियार ।
- आलातदीन—सर्वोच्च ।
- आलाम—(अ) देखो “अलम”,
दुःख, कष्ट ।
- आलिम—(अ) विद्वान्, जानकार,
परिदत्त ।
- आली—(अ) उच्च, ऊँचा, बड़ा,
भेष्ट, उत्तम ।
- आलीजनाव—(अ) ऊँची चौखट
वाले, बहुत भेष्ट, प्रतिष्ठित,
उच्च पद पर आसीन ।
- आली जरफ—(अ) महानुभाव,
महाशय ।

- आली हजरत—(अ) देगो 'आली वनाच' परम भे'ठ ।
- आलुफता—(फ) गैर, पराया, स्वतंत्र प्रकृति का ।
- आलुगो—(फ) गदगी, अपवित्रता, मलिनता, लियइना सनना ।
- आलुदा—(फ) गन्दा, लियका हुआ, सना हुआ, लपपय ।
- आवरदू—(फ) लड़ाई, मारपीट, छीन भरट ।
- आवाज—(फ) स्वर, शब्द, नाद, चीन, श्रनि, वाणी ।
- आवाजा—(फ) व्याति, प्रविद्धि, नामररी, गूँज ।
- आवागो—(फ) बे'गमन, आवाग पन ।
- आपारा—(फ) जिनका कुछ ठीक डिकाना न हो, म्मथ इधर उधर घूमने वाला, छुंवा, बदमाश, निरम्मा ।
- आयु—(फ) जो प्राकृतिक रूप से नदी अलिफ सौदी रिमी लग्न आन अभया लाया गया हो । बावर्गी कृषिम, आया हुआ, आगन्तुक ।
- आयुर्दा—(फ) श्वापाय, रिट्टू, स्यापा हुआ ।
- आवेज—(फ) लटकाता हुआ, प्रेम ।
- आवेजा—(फ) झूलता या लटकता हुआ ।
- आवेजिश—(फ) लटकाव, लटक ।
- आश—(फ) मास का रम, शोरवा ।
- आशकार—(फ) प्रकट, खुला हुआ, स्पष्ट, प्रत्यक्ष, प्रकाशित ।
- आशना—(फ) मित्र, प्रेमी, परिचित, यार, जार प्रेमिका, तैराक ।
- आशनार्ई—(फ) प्रेम, परिचय, मित्रता, दोस्ती जान रहवान ।
- आशना क्रमेगो—(फ) मित्र की पुरामद करना, चादुकारी ।
- आशमाली—(फ) चादुकारिता, खुशामद, साहसहीनता ।
- आशारिया—(फ) गणित में दशम लव ।
- आशिक—(अ) प्रेमी चाहने वाला, अनुरक्त, प्रेम करने वाला ।
- आशिक मिसाज—(अ) शिक्का प्रेम करने का स्वभाव हो, मिनी ।
- आशिकाना—(फ) आशिकों का सा, प्रेमपूर्ण ।
- आशिकी—(अ) प्रेम अनुरक्ति, आसक्ति ।
- आशिकेदिलगीर—(मि०) नियन्त्रा प्रेमी ।

आशियाँ } (फ) पदियों का
आशियाना } घोसला, घर । मनुष्यों
के घरों की छत ।

आशिर—(अ) दशमाश, दसवाँ
हिस्सा ।

आशुफ्तगी—(फ) व्यथित अवस्था,
निकलता, घबराहट, दुःखपूर्ण
परिस्थिति, बेचैनी ।

आशुप्ता—(फ) व्यथित, निकल,
घबराया हुआ, दुःखी, दुर्दशा
ग्रस्त ।

आशुप्ता हाल—(फ) देखो
“आशुप्ता” ।

आगोर—(फ) व्याकुलता, घबराहट,
दुःख, ख़ज़न ।

आशकारा—(फ) प्रकट रूप से, खुले
आम, सबके सामने ।

आम—(फ) आटा पीसने की
चक्की ।

आसमान—(फ) आकाश, स्वर्ग ।

आसमाना—(फ) मकान की छत ।

आसमानी—(फ) नीला रंग, आस
मान के रंग का, आसमान से
सम्बन्ध रखने वाला, हवाई नाम
का आतिशबाज़ी, आकस्मिक ।

आसाइश—(फ) आराम, सुख,
आनन्द ।

आसातिजह—(अ) उस्ताद का

बहुवचन, गुरुजन, अध्यापक
लोग ।

आसान—(फ) सरल, सहज, सुख-
साध्य ।

आसानियत—(फ) सरलता,
सुगमता, सुखसाध्यता ।

आसानी—(फ) देखो “आसानियत”

आसाम—(अ) असम का बहुवचन,
अनेक अपराध, बहुत-से पाप ।

आसामी—(अ) इस्मा का बहुवचन,
देगो “असामी”

आसार—(अ) चिन्ह, लक्षण,
दीवार की चौड़ाई, इमारत की
नींव, ‘असर’ का बहुवचन ।

आसिफ—(फ) हज़रत सुलेमान,
राजमन्त्री ।

आसिम—(अ) सुशील, सदाचारी,
सद्गुणी ।

आसिल—(अ) शहद निकालने
वाला ।

आसिया } (फ) आटा पीसने
आसियाव } की चक्की ।

आसी—(अ) अत्यन्त बृद्ध, बहुत
बूढ़ा, पापी, दोषी, अमराधी,
व्यथित हृदय ।

आसीमा—(फ) विस्मिन, चकित,
भौचक्का ।

आसूदगी—(फ) सुख शक्ति, निश्चि

न्तता, सम्पन्नता, तुष्टि ।

आसूदा—(फ) सुली, निश्चिन्त, सम्पन्न ।

आसेन—(फ) कष्ट, दुःख, धक्का, भय, हानि, क्षति, निपत्ति, भूत प्रेत ।

आस्तर—(फ) देखो "अस्तर"

आस्ती } (फ) देहली, दहलीज,
आस्ताना } ब्योड़ी, घर का प्रवेश द्वार ।

आस्तीन—(फ) कुता, अँगरठा, कोट आदि की बाँह ।

आस्तीन का साँप—निश्वासघाती, मिनद्रोही ।

आस्मान—(फ) देखो "आसमान"

आस्मानी—(फ) देखो "आसमानी"

आह ग—(फ) एक बाजे और एक राग का नाम, समय, अनुमान, विचार, इरादा ।

आह—(अ) कष्ट-सूचक गहरी साँस, हा, नेद, अपसोस आदि का सूचक शब्द ।

आहन—(फ) लोहा ।

आहनगर—(फ) लुहार, लोहे का काम करने वाला ।

आहनजान—(फ) महाप्राण, घोर परिभमी ।

आहनरचा—(फ) मिश्रतासीस,

सुभ्रक पत्थर ।

आहनी—(फ) लोहे का ।

आहर—(अ) व्यभिचारी ।

आहा—(फ) प्रसन्नता सूचक शब्द ।

आहात—(अ) सङ्कट, आपत्ति, कठिनाइयाँ ।

आहिस्तगी—(फ) धीमापन, मुलायमियत, कोमलता ।

आहिस्ता—(फ) धीरे धीरे, शनैः शनैः, कोमलता से ।

आहू—(फ) हिरन। अथगुण। मायूर की आँखें ।

आहूधरा—(फ) हिरन का बच्चा ।

इ

इजील—(यू०) इसाइयो की धर्म पुस्तक ।

इआदत—(अ) किसी काम को बार बार करना बात को बार बार कहना, दुहराना, लौटाना ।

इआनत—(अ) सहायता, मदद, दान अनुमद, कृपा ।

इआरत—(अ) कोई वस्तु उधार या मँगनी देना ।

इकजा—एक जगह ।

इकतदा—(अ) देखी करना ।

इफतरपा—एक पदीय ।

इफदाम—चेष्टा, प्रयत्न ।

इकतिसाम—(अ) आपस में बाँट लेना ।

इकतिसार—(अ) किसी से उलपूर्वक काम लेना । इच्छा के विरुद्ध काम करना । एक बात पर ठहरना ।

इकतदार—(अ) सामर्थ्य, शक्ति, बल वृत्ता, अधिकार, इत्तियार ।

इकतधास—(अ) प्रज्वलित करना, जलाना, प्रकाशित करना, किसी से जानकारी प्राप्त करना, लाभ उठाना, किसी के लेख या वचन को उद्धृत करना । अवतरण, उल्लेख, जिक्र ।

इकतिराफ—(अ) कर्ज लेना, ऋण लेना ।

इकवारगी—(फ) एकदम, अचानक, एक साथ, सहसा ।

इकवाल—(अ) वैभव, प्रताप, प्रभाव, भाग्य, धन सम्पत्ति । मान लेना, स्वीकार कर लेना ।

इकवाल जुर्म—अपराध स्वीकृति ।

इकवालमन्द—(मि०) वैभवशाली, प्रतापी, प्रभावशाली, धनसम्पन्न ।

इकराम—(अ) पुरस्कार, पारितोषिक, इनाम, बख्शिश, उपहार, भेंट ।

इकरार—(अ) स्वीकृति, मानना, प्रतिज्ञा, वादा ।

इकरार ख़वानी—मौखिक स्वीकृति ।

इकरारनामा—(मि०) प्रतिज्ञापत्र ।

इकरार स्वालह—धर्माधीन कथन ।

इकरारी—(अ) प्रतिज्ञा करने वाला, अपना अपराध स्वीकार कर लेने वाला । इकरार सम्बन्धी ।

इकसाम—(अ) देखो “अकसाम” ।

इकाव—(अ) दुःख, कष्ट, आपत्ति ।

इकामत—(अ) स्थिर होना, कायम ।

इकतजाएदाय—विवेक ।

इकतजार—(अ) तिजारत करना, व्यापार करना ।

इकतफ़ा—(अ) बस करना, मतुष्ट होना, पर्याप्त समझना, समाप्त करना ।

इकतसादियात—(अ) अथ शास्त्र, वह शास्त्र जिसमें सम्पत्ति के उत्पादन व विभाजन का विवेचन हो ।

इकतसादी इल्म—(अ) अर्जित ज्ञान, ऐसा ज्ञान जो स्वाभाविक न हो ।

इकितजा—(अ) इच्छा, अभिलाषा ।

इख़तताम—(अ) समाप्ति, अन्त, पूरा करना, ख़ातमा ।

इख़फ़ा—(अ) छिपाना ।

इख़राज—(अ) निकालना, बाहर करना, वर्जन, निरसन ।

इक्ष्वाकूनात्—(अ) “गर्ज” (स्वर्ज) का बहु वचन स्वर्ज, व्यय, निका लना ।

इक्ष्वाकू—(अ) पुराना होना, पुराना करना, नीति-व्यवहार, प्रचार, दंग, आदत, शील, मुरीबत, शिष्टाचार ।

इक्ष्वाकू—(अ) मित्रता, विशुद्ध प्रेम, सच्ची मोलती ।

इक्ष्वाकूमन्द—(वि०) मित्र, शुभ चिन्तक, प्रेम करने वाला, शुद्ध हृदय, मिलनसार ।

इक्ष्वाकू—सनाति ।

इक्ष्वाकू—(अ) आभिष्कार करना, फाड़ नई बात या नई चीज़ पैदा करना, इजाजत करना, निकालना ।

इक्ष्वाकू—(अ) फाड़ना, फटना, निर्गुण होना ।

इक्ष्वाकू—(अ) अगों का पड़कना, अगस्त्यकरण ।

इक्ष्वाकू—(अ) मेल जोल, प्रेम प्रीति, अनुगम, घनिष्ठता ।

इक्ष्वाकू—(अ) अन्तर, भेद, मत भेद, विरोध ।

इक्ष्वाकू गत—असहमति, मतभेद ।

इक्ष्वाकू—(अ) सत्तेर, पुनावा ।

इक्ष्वाकू—(अ) विशेषकर मुख्यतः ।

इक्ष्वाकू—(अ) अधिकार, अधिकार क्षेत्र ।

इक्ष्वाकू इक्ष्वाकू—विवेकाधीन, चुनने का हक ।

इक्ष्वाकू करना—ग्रहण करना ।

इक्ष्वाकू खास—विशेष अधिकार ।

इक्ष्वाकू समाश्रित—विचाराधिकार ।

इक्ष्वाकू—(अ) छिपाना, गोपन करना ।

इक्ष्वाकू—(अ) जो अग्ने अधिकार में है, ऐच्छिक ।

इक्ष्वाकू—(अ) मिलाना, प्रेम या मिश्रता करना ।

इक्ष्वाकू—छिपाव ।

इक्ष्वाकू—(अ) गलत डालना, निम्न करना ।

इक्ष्वाकू—(अ) आँख चुराना । उपजा करना ।

इक्ष्वाकू—(अ) परमात्मा से ज्ञान चाहना ।

इक्ष्वाकू—(अ) उपजा, लापरवाही, ध्यान न देना ।

इक्ष्वाकू—(अ) वेश्या करना ।

इक्ष्वाकू—(अ) गुदा मैथुन, अप्राकृतिक व्यभिचार ।

इक्ष्वाकू—(अ) इक्ष्वाकू करने वाला ।

इक्ष्वाकू—(अ) उद्वेगना, कुशलना ।

इंगारत—(अ) गारत करना, नष्ट करना, दौड़ना ।

इजकार—(अ) त्रिक करना, याद दिलाना ।

इजजाल—(अ) बहुत दान देना, बहुत इनाम देना ।

इज्जनाय—(अ) बचना, दूर करना, समय, परहेज ।

इज्जमाअ—(अ) जमा, एकत्र, इकट्ठा सचय ।

इज्जतगज—(अ) व्याकुलता, अधीरता धनराहत, बेचैनी ।

इज्जतहाद—(अ) जहद का बहुवचन, यत्न करना, सोचना, कोई नई बात निकालना ।

इज्जतिज्ञान—विरति, ओषसीय ।

इज्जदहाम—(अ) मनुष्यों की भीड़, जन समूह ।

इज्जदिनाज—(अ) विनाह, शादी ।

इजमाअ—(अ) एक हो जाना, इकट्ठा होना, सहमत होना ।

इजमाल—(अ) पैली हुई चीजों को इकट्ठा करना, सच्चेर करना, खुल कर न कहना, सक्षिप्त रूप, सावधानी से काम करना ।

इजमाली—(अ) बहुत से लोगों का मिला हुआ, सम्मिलित ।

इजरा—(अ) जारी करना, कार्यरूप

में परिणत करना, प्रचलित करना ।

इज्जरार—(अ) हानि पहुँचाना, अत्याचार करना, दौड़ना, एक स्त्री होते दूसरी करना ।

इजलाय—(अ) घर से बाहर निकाल देना ।

इज्जार्डल—(अ) प्राण लेने वाले फरिश्ते, यमदूत ।

इज्जराम—(अ) अपराध करना ।

इजलाल—(अ) बढ़प्पन, बुजुर्गी, प्रतिष्ठा, ठाट नाट, शान शौकत ।

इज्जलाल—(अ) अपमानित करना ।

इजलास—(अ) अधिवेशन, बैठक, कचहरी, न्यायालय ।

इज्जहाक—(अ) नष्ट करना, मारना ।

इज्जहार—(अ) प्रकट करना, खोलना जाहिर करना, बखन करना । बयान, वक्तव्य ।

इजाजत—(अ) आज्ञा, अनुमति, हुक्म, परवानगी ।

इजाद—(अ) कगन, एक आभूषण ।

इजादत—(अ) अच्छा कहना, अच्छा करना ।

इजाफत—(अ) लगाय लगाना, एक चीज का दूसरी चीज से सम्बन्ध स्थापित करना, महमानी करना, अपना काम इश्वर के

मरोसे छोड़ना, शरण देना ।

बढाया हुआ अश, वृद्धि ।

इजाफा—(अ) वृद्धि, बढोत्तरी, अधिकता ।

इजाफी—(अ) पीछे से बढाया हुआ ।

इजानत—(अ) स्वीकृति, मजूरी ।
मल-त्याग करना ।

इज्जार—(फ) पायजामा ।

इजारत—(अ) शरण देना, मुक्ति करना ।

इज्जारबन्द—(फ) नाडा, कमरबन्द ।

इजारा—(अ) ठेका, अधिकार, स्वत्व, किसी चीज के ठेके पर उठाना या किराये पर देना ।

इजारादार—(मि०) ठेकेदार, किराये दार ।

इजारानामा—(मि०) वह कागज जिसपर किराये या ठेके की शर्तें लिखी हों ।

इज्जालत—(अ) दूर करना, नष्ट करना ।

इज्जाला—(अ) नष्ट करना, दूर करना, न रहने देना ।

इज्जाला हैसियत उर्फी—मानहानि ।

इज्ज—(अ) नम्रता, दीनता, प्रतिष्ठा, वैभव ।

इज्जत—(अ) प्रतिष्ठा, गौरव, मान,

मयादा, आदर ।

इज्जाना—(अ) मिट्टी का मर्तवान ।

इज्जबा—(अ) पसंद करना, चुनना, छोटना ।

इज्जराब—(अ) बैचैनी, घमराहट ।

बेकरारी, तलवार मारना ।

इज्जराय—(अ) साहसी, वीर ।

इज्ज—(अ) आज्ञा, हुक्म, मालिक द्वारा अपने नौकर के कोई व्यापार करने की स्वीकृति देना ।
विवाह के लिये वर और कन्या की स्वीकृति ।

इज्जनाम—(अ) मृतक की नमाज पढ़ने के बाद लोगों को अपने अपने घर जाने की छुट्टी देना ।

इज्जनामा—(मि०) वसीअतनामा ।

इज्जिअत—(अ) बाणी की चपलता ।

इतआम—(अ) खाना खिलाना, भोजन कराना ।

इतमीनान—(अ) सन्तोष, तसल्ली, दिलासा, दिलजमइ ।

इतरत—(अ) सन्तान, सगे सम्बन्धी, पियजन ।

इतराब—(अ) मिट्टी में मिलाना ।

इतरास—(अ) दब करना, मजबूत करना बराबर करना ।

इतलाद—(अ) पुराने माल का

मालिक होना ।

इतलाक—(अ) मुक्त करना, छोड़ना, तलाक देना । प्रयुक्त करना, लागू करना, सम्बन्ध । दस्तों का आना ।

इतलाफ—(अ) तलफ करना, नष्ट करना, अस्तित्वहीन करना ।

इतसाक—(अ) व्यवस्थित करना, सम्पूर्ण करना, सशोधन करना ।

इताअत—(अ) आशामानना, हुक्म की पाबन्दी, वृद्ध पर मेरा का पकना ।

इताक—(अ) दासत्व से मुक्ति मिलना ।

इतात्र—(अ) डाट पटकार, कोप, क्रोध ।

इत्तका—(अ) पाप से बचना, परहेज करना ।

इत्तजाह—(अ) प्रकट होना, प्रकाशित होना ।

इत्तकाक—(अ) पारस्परिक प्रेम, आपस का मेलजोल, एकता । स योग । अचानक, सहसा ।

इत्तफाकन—(अ) दैव योग से, स योग से ।

इत्तफाकराय—भतैक्य, एक राय होना ।

इत्तफाकिया—(फ) स योग से ।

अचानक, सहसा, आकस्मिक ।

इत्तफाक्री—(अ) स योगवश होने वाला, दैव योग से ।

इत्तला—(अ) सूचना, निश्वृत्ति, ग़बर ।

इत्तलाअन्—(अ) सूचनार्थ, जानकारी के लिये ।

इत्तलानामा—(मि०) सूचनानत्र ।

इत्तसाल—(अ) मिलना, पहुँचना, किसी कार्य का निरन्तर हाना ।

इत्तहाद—(अ) प्रेम, एकता, मित्रता, दोस्ती ।

इत्तहाद कौमी—जातीय एकता, राष्ट्रिय ऐक्य ।

इत्तहाक—(अ) तोहफा देना, सौगात देना ।

इत्तहाब—(अ) भेट या दान स्वीकार करना, हिस्से करना ।

इत्तहाम—(अ) दोष लगाना, बदनाम करना, तोहमत लगाना, भ्रम में डालना, आरोप ।

इत्तिकाल—(अ) भरोसा करना, विश्वास करना ।

इत्र—(अ) सुगन्ध, फूलों की सुगन्ध का सार ।

इत्रयात—(अ) इत्र का बहुवचन सुगन्धित वस्तुएँ खुशबूदार चीजें, सुगन्धियाँ ।

- इन्दमाल—(अ) सुधार, अञ्क्षा
होना, धाव का भरना ।
- इन्दराज—(अ) प्रविष्ट करना,
लिखना, टांकिल करना, दर्ज
करना । लेना ।
- इन्दिआ—(अ) विचार, आशय,
अभिप्राय, प्रयोजन ।
- इन्दुल तलब—मागने पर ।
- इन्दुल मुलाहिजा—दर्शनी ।
- इन्दुलहुसूल—प्राप्त होने पर ।
- इन्दोखना—(अ) जो मिला हो, प्राप्त,
उपलब्ध, प्राप्ति, लाभ ।
- इन्तहाद—(अ) अकेले, अलग
अलग, व्यक्तिगत ।
- इन्काज—(अ) प्रचलित करना,
जारी करना, मेजना, खाना
करना ।
- इन्क्रिकाव—मोचन ।
- इन्क्रिसाक—विच्छेद ।
- इन्क्रिसाल—(अ) भगड़े का फैसला,
किमी बात का निर्णय ।
- इन्शा—(अ) मौलिक रचना, मन से
कोई बात पदा करना, निबध
निपटना, लेख लिखना, लेखन
शैली ।
- इन्शा अल्लाह—(अ) ईश्वर ने
चाहा तो ।
- इन्शाद—(अ) कविता पाठ ।
- इन्शा परदाज—(मि०) लेखक,
साहित्यकार ।
- इन्शा परदाजी—(मि०) लेखनकला
साहित्य-रचना । लेख आदि
लिखने की क्रिया ।
- इन्स—(अ) इनसान, आदमी ।
- इन्सनाद—(अ) रोकना, बन्द करना
मिटाना ।
- इन्सराक—(अ) वापस आना
लौटना ।
- इन्सराम—(अ) व्यवस्था, प्रवृत्ति
अलग होना, कटना, समाप्ति ।
पहुँचना ।
- इन्सान—(अ) मनुष्य, मानव
आदमी । आँख की पुतली ।
- इन्सानियत—(अ) मनुष्यता, मनुष्य
मनसाहत ।
- इन्सानी—(अ) मनुष्य का, मनुष्य
सम्बन्धी ।
- इन्साफ—(अ) न्याय, निष्णय,
फैसला ।
- इकतताह—(अ) प्रारम्भ करना,
जारी करना, खोलना । उदात्त
करना ।
- इफरात—(अ) अधिकता, प्रचुरता
माहृत्य ।
- इफलाक—(अ) "फलक" का बहु
वचन ।

इफलाज—(अ) फलिष मारना,
पक्षाघात होना ।

इफनास—(अ) दरिद्रता, कगाली,
गरीबी ।

इफलाह—(अ) भलाई, उपकार ।

इफशा—(फ) जाहिर, प्रकट ।

इफाकत—(अ) रोग में कमी होना ।
किसी काम से निवृत्त होना ।
सावधान होना ।

इफाका—(अ) रोग में कमी होना ।

इफ्तकाक—(अ) पृथक् होना जुदा
होना ।

इफखतार—(अ) घमण्ड या गरूर
करना ।

इफ्तताश—(अ) पता लगाना,
जोखना, ढूँढना । अनुसंधान
करना ।

इफतताह—(अ) प्रारम्भ करना ।
खोलना । उद्घाटन करना ।

इफतरा—(अ) मिथ्या दोष, कलक,
वोहमत ।

इफतरोक—(अ) अलंग होना, पृथक्
होना ।

इफतार—(अ) उपवास समाप्ति के
समय जलपान करना, पारख
करना, रोज़ा खोलना ।

इफ्तारी—(अ) उपवास-समाप्ति के
समय खाई जाने वाली वस्तुएँ ।

इफकत—(अ) बुरे कामों से बचना,
दुराचार से बचना ।

इवरत—(अ) भय, डर, शिद्दा,
उपदेश, नसीहत ।

इवरत अ गेज—(मि०) जिससे कुछ
शिद्दा प्राप्त हो । उपदेशननक,
भयानक, डरावना ।

इवरा—(अ) छोड़ना, मुक्त करना ।
सुई । बिच्छू का डक ।

इवराज—(अ) नाहर आना, प्रकट
होना ।

इवरानामा—(मि०) वह पत्र जिसके
अनुसार कोई मुक्त किया जाय ।

इवरेज—(अ) शुद्ध सोना या चाँदी

इबलाग—(अ) मेजना, पहुँचाना ।

इवलास—(अ) निराश, दुखी ।

इवलीस—(अ) शैतान ।

इवा—(अ) बम्बल, कमली, फकीर
की भगली ।

इबाजाल—(अ) अपव्यय, अधमता ।

इबादत—(अ) उपासना, पूजा,
भक्ति ।

इबादत खाना—(मि०) उपासना-
मन्दिर, पूजा करने का मकान ।

इबादतगाह—(मि०) इबादत करने
की जगह, पूजा करने का स्थान ।

इबाजाल—(अ) अपव्यय, अधमता ।

इवादा—(अ) प्रारम्भ, शुरू, उद्गम ।

इवारत—(अ) वर्णन, लेख, लिखा वट, मजमून ।

इवारत आराई—(अ) मजमून बनाना, लेख लिखना ।

इवारत जुहरो—टिप्पणी, पृष्ट लेख ।

इवारत तुहयत आमेज—निन्दात्मक लेख ।

इवतदाई—(फ) प्रारम्भिक, शुरू का ।

इवतसाम—(अ) मुक्काना, फूल का खिलना ।

इवतहाज—(अ) प्रसन्नता, खिलना, दर्पित होना ।

इवदाअ—(अ) नई चीज पैदा करना, आगिकार ।

इवत—(अ) बेठा, पुन ।

इवतत—(अ) पुत्री, बेटी, कन्या ।

इवत सुवह—(फ) सय ।

इमकान—(अ) सामर्थ्य, शक्ति, सम्भावना ।

इमदाद—(अ) सहायता, मदद ।

इमरोज—(फ) आज, आज का दिन ।

इमला—(अ) किसी के बोले हुए को शुद्ध लिखना, भुताङ्कन, लेखन पूरा करना, स्मरण शक्ति से कोई चीज लिखना ।

इमलाक—(अ) सम्पत्ति, या जायदाद का स्वामी होना ।

इमनाक्त—(अ) गरीबी, निर्धनता ।

इमराज—(अ) आज की रात ।

इमसाक—(अ) रोकना, बन्द करना, स्तम्भन । वीथ को खलित न होने देना ।

इमसाल—(अ) अगली साल, इस वर्ष ।

इमसास—(अ) छूना, स्पर्श करना ।

इमाद—(अ) स्तम्भ, खम्भा । ऊँची इमारत ।

इमाम—(अ) अगुआ, नेता, सरदार, उद्देशक, बादशाह, राजों की बोरी ।

इमामत—(अ) अगुआपन ।

इमामनाड़ा—(मि०) वह स्थान जहाँ पर मुखलमान मुहर्रम के मरसिये आदि पढ़ते तथा उसे मनाते हैं ।

इमामा—(अ) साफा, पगड़ी, मुकासा ।

इमारत—(अ) मदन, शासन, अमीरी ।

इम्तदाद—(अ) लग्ना होना ।

इम्तदादे वक्त—(फ) फालचक्र, समय की गति ।

इम्तना—(अ) निषेध करना, मना करना, रोकना ।

इस्तनाई—(अ) रोक या निषेध
सम्बन्धी । निषेधात्मक ।

इस्तयाज—विवेक ।

इस्तहान—(अ) परीक्षा, जाँच ।

इस्तहानन—प्रयोगात्मक, परीक्षा के
रूप में ।

इस्तियाज—(अ) अच्छे गुरे की
पहचान । दोष-निरूपण, अन्तर,
मैद ।

इस्तिसाल—(अ) आशा मानना,
कहानी कहना, अपराध करना,
प्रतिशोध, किसी से समता करना
या उदाहरण देना ।

इन्दाद—(अ) सहायता, मदद ।

इन्दादी—सहायक, सहायता प्राप्त ।

इम्बिसात—(अ) प्रसन्नता, फूल का
खिलना, फैलना ।

इरतआश—(अ) कामन, थरथराहट ।

इरयाम—(अ) लिखना, अक,
सरया ।

इरतका—(अ) क्रमोन्नति, विकास,
चढ़ना, बढ़ना ।

इरतजा—(अ) आशा करना ।

इरतजाल—(अ) बिना सोचे विचारे
बोलना । तुरन्त काम करना ।

इरकान—(अ) इश्वर सम्बन्धी ज्ञान,
बुद्धि, ज्ञान विज्ञान । लाज, शर्म ।

इरम—(अ) बहिश्त, जिसे शहादने
इसी लोक में बनाया था ।

इरशद—(अ) उपदेश प्राप्त व्यक्ति,
दीक्षित ।

इरशाद—(अ) शिक्षा देना । उपदेश
करना, स-मार्ग दिखाना, हिदायत
करना, आशा देना ।

इरस } पैतृक सम्पत्ति ।
इर्स }

इरसाल—(अ) भोजना, खाना करना,
प्रेषण ।

इराक—(अ) अरब के एक प्रदेश
का नाम ।

इरादत—(अ) इरादा करना, शिष्य
(मुरीद) बनना ।

इरादतन—(अ) जान बूझकर, इरादे
से ।

इरादा—(अ) सकल, विचार ।

इरादा मुश्तरक—सयुक्त अभिप्राय ।
मिला जुला मतलब ।

इरादी—(अ) इच्छानुकूल, ऐच्छिक ।

इर्तकान—(अ) छोट कर सोना, पसंद
करके ग्रहण करना, करना ।

इर्तदाद—(अ) धर्म विमुख होना ।
मजहब से फिर जाना ।

इर्तबात—(अ) दोस्ती, मेल जोल,
रब्त-जन्त ।

- इर्क—(अ) शरीर की नस, रग, वृद्ध की बारीक जड़े ।
- इकुन्निमों—(अ) शरीर की एक रग जो चूतड़ से पिंढली तक गई है ।
- इसरग का दर्द, शृंषी ।
- इर्तिआश—(अ) काँपना ।
- इर्तिआ—(अ) परस्पर प्रेम करना, आपस में राजी होना ।
- इर्तिशा—(अ) रिशवत खेना, घूम खाना ।
- इर्तिहान—(अ) गिरवी रखना, रहन करना ।
- इर्द गिर्द—(अ) चारों ओर, आस पास, इधर-उधर ।
- इलजाम—(अ) दोषारोपण, लान्छन अराध, अभियोग किसी बात का करने या दूसरे के ऊपर आक्षेप ।
- इलतजा—(अ) विनय, प्रार्थना, निवेदन ।
- इलतैफाक—(अ) अनुराग, दया, कृपा, प्रवृत्ति ।
- इलफाफ—(अ) आपस में लपेटना ।
- इलयास—(अ) कपड़े पहनना ।
- इलमास—(अ) हीरा, हीरक ।
- इलहाक—(अ) एक दूसरे को सम्बद्ध करना, सम्मिलित करना, मिलाना, एकीकरण, संयोजन ।
- इलहान—(अ) “लहन” का बहु वचन, सगीत, गाना, उत्तम स्वर ।
- इलहाम—(अ) ईश्वरीय ज्ञान ।
- मनुष्य के दृश्य में ईश्वर की आर से कुछ बात प्रकट होना ।
- इलहियात—(अ) आध्यात्मिक बातें, ईश्वर सम्बन्धी बातें ।
- इलाका—(अ) सम्बन्ध, नाता, लगाव । जमींदारी, क्षेत्र ।
- इलाका दस्तार—(अ) पगड़ी का तुरा ।
- इलाज—(अ) चिकित्सा, उपाय, औषधोपचार ।
- इलावा—(अ) अतिरिक्त, ठिक्का ।
- इलाह—(अ) ईश्वर ।
- इलाही—(अ) परमेश्वर ।
- इलाही सन्—(अ) नादशाह अकबर का चलाया हुआ एक सबत् ।
- इलियास—(अ) एक पैगम्बर का नाम ।
- इलतफा—(अ) परस्पर परिचय प्राप्त करना ।
- इलतफात—(अ) चुनना, चीजों को इकट्ठा करना ।
- इलतजा—(अ) विनती, विनय,

प्रार्थना, इच्छा, चाहना, अभि लाषा ।	इल्मे अरल्लाक—(अ) नीति शास्त्र, सभ्यता विज्ञान ।
इल्तफ़ात—(अ) कृपा करना, ध्यान देना ।	इल्मे अदब—(अ) साहित्य ।
इल्तघास—(अ) श्लेष, श्लिष्टपद, जटिलता, पेचीदापन ।	इल्मे इलाही—(अ) अध्यात्म विद्या, ब्रह्मज्ञान, वेदान्त ।
इल्तमास—(अ) प्रार्थना, निवेदन, विनय ।	इल्मे उरूज—(अ) छन्द शास्त्र ।
इल्तवाय—(आ) स्थान, स्थिति होना, मुल्जबी होना, लपेटना, संक्षिप्त करना ।	इल्मे उसूल कानून—राजनियम- विज्ञान ।
इल्तशाम—(अ) चूमना, बोसा लेना ।	इल्मे कयाफा—(अ) हस्तरेखा विज्ञान, सामुद्रिक शास्त्र ।
इल्तहाव—(अ) आग का भड़ काना ।	इल्मे कीमिया—रसायन शास्त्र ।
इल्म—(अ) ज्ञान, विद्या, जानकारी, विज्ञान ।	इल्मे गैब—(अ) परोक्ष सम्बन्धी ज्ञान, ज्योतिष शास्त्र ।
इल्म उल्युक्ली—(अ) किसी बात को विश्वास पूर्वक जानना ।	इल्मे जमादात—खनिज विज्ञान, धातु विज्ञान ।
इल्म तवकात-उल अर्ज—(अ) भूगर्भ शास्त्र ।	इल्मे तवई—(अ) पदार्थ विज्ञान ।
इल्मदौ—(मि०) विद्वान्, जानकार, विज्ञान वेत्ता ।	इल्मे तवारीख—(अ) इतिहास- शास्त्र ।
इल्मियत—(अ) विद्वत्ता, पाण्डित्य, बोध, ज्ञान ।	इल्मेदीन—(अ) धर्म शास्त्र ।
इल्मी - (अ) ज्ञान सम्बन्धी, विद्या विषयक ।	इल्मे नबातात—(अ) वनस्पति विज्ञान ।
	इल्मे नुजूम—(अ) ज्योतिष शास्त्र, खगोल विद्या ।
	इल्मे फिस्का—(अ) मुसलमानों का धम्म शास्त्र ।
	इल्मे वहस—(अ) तक शास्त्र ।
	इल्मे मजलिस—(अ) समाज शास्त्र,

समाज में व्यवहार करने का
विज्ञान ।

की नमाज़ का वक्त या रात की
नमाज़ ।

इल्मे मन्तक—(अ) न्यायशास्त्र ।

इशाअत—(अ) प्रसिद्ध करना,
प्रकाशित करना, फैलाना ।

इल्म मादनियात—(अ) खनिज
विद्या ।

इशारत—(अ) संकेत करना,
आँखें मारना ।

इल्मे मूसीकी—(अ) संगीत शास्त्र ।

इशारतन—(अ) संकेत से, इशारे
से ।

इल्मे मियासत—राजनीति ।

इल्मे हिन्दसा—(अ) गणित
शास्त्र ।

इशारा—(अ) संकेत सेन, किसी
बात को अति सक्षेप में कहना ।

इल्मे हैयत—(अ) खगोल विद्या ।

इश्क—(अ) प्रेम, चाह ।

इल्मात—(अ) रोग, दाप, निरुम्मी
और वेदंगी चीज़, कारण, वजह,
कगड़ा, कफ़ट ।

इश्क पेचों—(अ) एफ़ वेल जिसमें
लाल फूल लगते हैं ।

इल्लती—(अ) जिसे कोई बुरी देन
पड़ गई हो ।

इश्कनाज़—(मि०) प्रेमी इश्क
करने वाला, आशिक ।

इल्लत माही—(अ) उपादान कारण ।

इश्कनाज़ी—(मि०) प्रेम करना ।

इल्ता—(अ) नहीं तो, लेकिन,
परन्तु, सिवा, अतिरिक्त ।

इश्क मनाज़ी—(मि०) संसारिक
प्रेम-यात्र से प्रेम ।

इहिल्लाह—(अ) प्रभो सहायता
करा, हे भगवान् कृपा करा ।

इश्क हफीज़ी—(मि०) परमात्मा
से प्रेम ।

इयान—(क) राज प्रासाद ।

इश्तमाल फरीयैन—दोनों पक्षों का
समावेश ।

इश्-आल—(अ) आग भड़काना ।

इश्तवाह—(अ) सदेह, शक ।

इज़ात—(अ) आमोद - प्रमोद,
हास विलास, मुग्न-भोग, आनन्द-
मंगल ।

इश्तवाही—(अ) जिस पर शक
है, सन्दिग्ध ।

इशारा—(क) चोचले, अदा, नाज़
तख़रे ।

इश्तराक—(अ) शान्त, दिस्सा,
संग-शाय ।

इशा—(अ) रात का अँपेस, रात

इश्तहा—(अ) चुषा, मूत्र, चाह ।

इश्तहार—(अ) प्रसिद्ध करना,
विशेषण ।

इश्तहारी—विज्ञापित, घोषित ।

इश्तिआल—(अ) भड़कना, प्रज्व-
लित होना, लपट मारना, उग्ररूप
धारण करना, उत्तेजित होना,
प्रकाशित होना ।

इश्तिआल तना—मोधावेण ।

इश्तिगाल—(अ) सलम, दत्त
चित्त, व्यग्र ।

इश्तियाक—(अ) रुचि, शौक,
उत्साह, अनुराग, विशेष चाह ।

इश्तिरा—(अ) खरीदना, मोल
लेना ।

इश्तिरात—(अ) शर्त करना ।

इस्कात—(अ) गिराना, डाल देना,
पतन कराना ।

इस्कात हमल—गर्भगत ।

इस्दाफ—(अ) स्त्री का महर
मुक़र्रर करना । किसी की बात
सच्ची करना ।

इस्नात—(अ) सिद्ध करना, साबित
करना ।

इसराईल—(अ) याकूब पैगम्बर का
एकनाम ।

इसराफ़—(अ) अपव्यय, पिजूल-
खर्ची ।

इसराफ़ील—(अ) देखो असराफ़ील ।

इसराम—(अ) विरक्त, एक फरिश्ता
जो कयामत के दिन नरसिंगा
बजावेगा, फकीर होना ।

इसरार—(अ) आग्रह, इश ।

इसलारख—(अ) रंगल खींचना ।

इसलाह—(अ) किसी कविता अथवा
लेख में किया गया सशोधन,
रजामत ।

इसहाक—(अ) इराहीम का बेटा ।

इसहाल—(अ) पेट चलना, दस्त
आना ।

इसिबी—(अ) अपराध, पाप,
गुनाह ।

इस्तअमार—(अ) एक राष्ट्र का
दूनरे पर अधिकार कर अपनी
शिक्षा-सभ्यता का प्रकाशन ।

इस्तआनत—(अ) मदद, सहायता,
साहाय्य ।

इस्तआरा—(अ) साहित्य में रूपक
नाम का अर्थालङ्कार ।

इस्तअदाम्—(अ) स्वागत करना ।

इस्तक़ाल—(अ) स्वागत, अगवानी,
पेशवाई ।

इस्तकरार—(अ) पक्का करना,
निश्चित करना, शान्तिपूर्वक
रहना ठहरना, आराम करना ।

इस्तक़लाल—(अ) स्थिरता, चैर्य,

सन्तोष, दृढ़ता, अध्यवसाय,
दृढ निश्चय ।

इस्तकसार—(अ) कम करना ।

इस्तकामत—(अ) स्थिरता, दृढ़ता,
मजबूती, स्थायित्व, ठहराव ।

इस्तखारा—(अ) ईश्वर से शुभ
कामना, पय-प्रदर्शन चाहना ।

इस्तगफार—(अ) पापों से छूटने के
निये भगवान् से प्रार्थना करना ।
पापों की क्षमा चाहना, माफ
चाहना ।

इस्तगराफ़—(अ) लीन हो जाना,
तमय हो जाना, निमग्न हो
जाना ।

इस्तग्रामा—(अ) न्याय चाहना,
परियाद करना, दुहाई देना,
अभियोग, दावा, अभियोग-
पत्र ।

इस्तदलाल—(अ) तर्क चाहना,
दलील माँगना ।

इस्तदुआ—(अ) प्रार्थना, प्रिन्ती,
निवेदन ।

इस्तफहाम—(अ) पूछना, समझना,
चाहना ।

इस्तफाहामिया—(अ) प्रश्न सूचक
चिह्न (?) ।

इस्तयिरा—(अ) निर्दोष या निष्पाप
होने की इच्छा ।

इस्तमरार—(अ) सब कालीन
अधिकार, सदा रहने वाला
अधिकार, स्थायी अधिकार,
स्थायी होना, निरन्तरता । वह
जिस लगान में धृत्त बढ़त न हो
सके ।

इन्तमरागी—(अ) स्थायी । जिसमें
न्यूनाधिकृता न हो ।

इस्तराहत—(अ) सुल, चैन,
आराम ।

इन्तवा—(अ) पराजयी, हमशारी,
एकसापन, समतल ।

इस्तस्ता—(अ) अपवाद, अस्वीकार,
न मानना ।

इस्तसवाब—व्यवस्था हेतु प्रार्थना ।

इस्तहफाक—(अ) स्वत्व, अधिकार,
चाहना, हक माँगना ।

इस्तहफाक आम—सार्थजनिक
स्वत्व ।

इन्तहफाम—(अ) दृढ़ता, मजबूती,
समर्पण ।

इस्तहसाल जिल जन्न—बलात् ग्रहण
करना ।

इन्तादगा—(अ) पड़ा होना ।

इस्तादा—(अ) सही (पसल) ।

इन्तिजा—(अ) मूत्रत्यागने के बाद
मूत्रेन्द्रिय को पानी से धोना या
वेले से पोंछना । पानी से धोकर

पवित्र करना । मलिनता दूर करना ।

इस्तिफराग—(अ) निवृत्ति की इच्छा, शौचादि क्रिया से निवृत्तना, कै करना ।

इस्तिफसार—(अ) पूछना, प्रश्न करना, बयान लेना ।

इस्तिब्दाद—(अ) कठोरता, क्रूरता ।

इस्तिराक्त—(अ) छिपकर चोरी से किसी की बात सुनना, कनसुआ लेना ।

इस्तिलाम—(अ) जड़ से उखाड़ना ।

इस्तिलाह—(अ) परस्पर सुलह करना, सहमत होना, किसी शब्द का साधारण अर्थ से भिन्न किसी विशेष अर्थ में प्रयुक्त होना, परिभाषा । रुढि शब्द ।

इस्तिलाही—(अ) पारिभाषिक, परिभाषा सम्बन्धी ।

इस्तिसलाह—(अ) परामर्श करना, सम्मति लेना ।

इस्तिहलाल—(अ) नया चाँद देखना, प्रकट होना, लड़के का पैदा होते समय रोना ।

इस्तीफा—(अ) किसी कार्य से अलग होने की दरखवास्त, त्यागपत्र ।

इस्तीसाल—(अ) नष्ट करना, मूलो छेदन ।

इस्तेलाफ—(अ) कृपा चाहना, धनु ग्रह की इच्छा करना ।

इस्तेदाद—(अ) विद्या सम्बन्धी योग्यता, निपुणता, दक्षता, सामर्थ्य, शक्ति, घर का माल-असबाब ।

इस्तेमाल—(अ) काम में लाना, बर्तना, उपयोग करना ।

इस्तेमाल वेजा—दुरुपयोग । अनुचित प्रयोग ।

इस्तेमाली—(अ) काम में लाया हुआ, बर्ता हुआ, इस्तेमाल किया हुआ, प्रचलित ।

इस्तेहसाल वेजा—अनधिकार पूर्ण-लाभ ।

इस्म—(अ) नाम, सहा ।

इस्मत—(अ) स्त्रियों का सतीत्व, अपने को पापों से बचाना, निष्पाप होना ।

इस्मा—(अ) इस्म का बहुवचन ।

इस्मे अदद—(अ) संख्या वाचक विशेषण ।

इस्मे आजमा—(अ) परमात्मा का नाम, बड़ानाम ।

इस्मे जमीर—(अ) सर्वनाम ।

इस्मे जलाली—(अ) परमात्मा का नाम ।

इस्मे फरजी—(अ) कल्पित नाम ।

उजाल—(अ) कठिन कार्य । कष्ट
साध्य रोग ।

उजुनकार—(फ) अनौछा, अद्भुत ।

उजुल—(अ) निहत्था, निरख ।

उज्जम—(अ) बुजुर्गी, उद्विग्न ।

उज्जमा—(अ) “अजीम” का बहु
वचन । बड़े बूढ़े, बुजुर्ग लोग ।

उज्ज—(अ) उहाना, प्रतिवाद विरोध
करना, आपत्ति ।

उज्जदार—(मि०) उज्ज करने वाला

उज्जदारी—आपत्ति । आपत्तिग्रस्त ।

उज्जयेगी—(अ) बड़े अफसरो का
पेशकार ।

उज्जाम—(अ) मूलावरोध, पेशाब बन्द
होना ।

उज्जारिद—(अ) बुढ़ नाम का ग्रह ।

उज्जक—(अ) कृपाशु, दयालु ।

उज्जकत—(अ) अनुग्रह, कृपा ।

उज्जवी—(अ) सीमोल्लंघन, अत्या
चार करना ।

उज्जू—(अ) प्रतिसर्दी, शत्रु, बैरी,
दुरमन ।

उज्जूल—(अ) पय भ्रष्ट या निमुल
होना, किसी बात को न मानना ।

उज्जूल हुकमी—आशा को न मानना ।
अवश ।

उज्जक—(अ) गर्दन ।

उज्जकवान—(अ) प्रत्येक वस्तु की

प्राथमिक अवस्था, यौवन का
प्रारम्भ ।

उज्जक—(अ) अप्राप्य, दुर्लभ, एक
कल्पित पक्षी का नाम, लम्ब-
ग्रीव स्त्री ।

उज्जवान—(अ) देखो ‘अनवान’
प्राक्कथन, शीर्षक ।

उज्जस—(अ) प्रीति, प्रेम, प्यार,
मुहब्बत ।

उज्जसर—(अ) मूल तत्व, पृथिवी,
जल, तेज आदि ।

उज्ज—(अ) शोक कष्ट या आश्चर्य
सूचक अव्यय ।

उज्जक } (अ)

उज्जक } (अ) क्षितिज, आसमान
का मिनार ।

उज्जूनत—(अ) दुर्गन्ध, सङ्कायेंद ।

उज्जतादगी—(फ) नियतता, अर
मथता, लाचारी ।

उज्जतादा—(अ) खाली पड़ा हुआ
स्थान, बिना जाती धाई गई
जमीन । गिरा पड़ा, नष्ट भ्रष्ट,
मिश्र हुआ ।

उज्जदियत—(अ) भक्ति, दासता ।

उज्जूर—(अ) नदी या समुद्र का
पार करना । किसी मार्ग से
होकर जाना, किसी विषय की
अच्छी जानकारी, पारगता ।

उन्नाद—(अ) इनादत करने वाले ।
 उमक—(अ) गम्भीरता, गहराई,
 (कुत्राँ नदी आदि की) ।
 उमरा—(अ) 'अमीर' का बहु
 वचन । धनी व्यक्ति ।
 उमूम—(अ) साधारण, सामान्य,
 साविक, सब जगह होना ।
 उमूमन—(अ) देखो "अमूमन" ।
 उमूमियत—व्यापकता सामान्यता ।
 उमूर—(अ) "अम्र" का बहुवचन ।
 उमूरात—(अ) "अम्र" का बहु
 वचन ।
 उन्दगी—(अ) नडियापन, श्रेष्ठता,
 उत्तमता, उत्कृष्टता ।
 उन्दा—(अ) बढ़िया, उत्तम,
 उकृष्ट ।
 उन्म—(अ) माँ, माता ।
 उन्मत—(अ) पैगम्बरी धर्मों के
 अनुयायी लोग, मुसलमान,
 ईसाई, यहूदी आदि । समुदाय ।
 उन्मती—(अ) किसी पैगम्बरी मत
 का मानने वाला, ईसाई, मुसल
 मान आदि ।
 उन्मी—(अ) मुहम्मद साहब जिन
 का कोई गुरु न था, जिसका
 कोई गुरु या शिक्षक न हो ।
 वह बालक जिसका पाप उसे
 बहुत छोटा छोड़ कर मर गया

हो तथा जिसका पालन माँ या
 दाई ने किया हो, बिना पढ़ा
 लिखा, अशिक्षित, किसी उम्मत
 का अनुयायी ।
 उम्मेद—(फ) आशा, भरोसा,
 आसरा ।
 उम्मेदवार—(फ) आशावान,
 आसरा या भरोसा रखनेवाला
 पदाभिलाषी ।
 उम्र—(अ) अवस्था आयु ।
 उम्रतबई—(अ) मनुष्य की पूर्णायु
 जो अरब में १२० वर्ष मानी
 जाती है ।
 उरब—(अ) अरब देश के शहरों
 में रहने वाले ।
 उरतास—(अ) छींक, छींका का
 रोग ।
 उरदा बेगनी—(दु) राजमदल में
 हथियार लेकर पहरा देने वाली
 स्त्री ।
 उरियाँ—(अ) नम्र, नगा निहगं,
 दिगम्बर ।
 उरयानी—(अ) नम्रता, नगापन ।
 उरुज—(अ) उन्नति, चढ़ाव, वृद्धि,
 विकास ।
 उरुज—(अ) छन्द शास्त्र ।
 उरुस—(अ) दुलहिन, बधू । दूल्हा
 के अर्थ में भी आता है ।

एतराफ—(अ) जमा होना, एकत्र होना ।

एतराज—(अ) सन्देह, शका, आपत्ति ।

एतगाक—(अ) सराहना, स्वीकार करना, मानना ।

एतलाक—(अ) आशिक होना, प्रेमी बनना ।

एतलाल—(अ) बहाना करना, गेगी होना ।

एतसाक—(अ) अव्याचार करना, कुमांगगामी होना ।

एतियाज—(अ) बदला चुकाना, एतज देना ।

एमन—(अ) निडर, निर्भय ।

एलची—(हु) राबदूत, पत्रवाहक, उद्देश ले जाने वाला ।

एवज—(अ) बदला, प्रतिकार ।

एवजी—(अ) बदल में काम करने वाला, स्थानापन्न ।

एहतमाम—(अ) प्रयत्न, प्रयत्न, व्यवस्था, देग रेस ।

एहतमाम तफी—मम्पत्ति-व्यवस्था ।

एहतमाल—(अ) सहना, बोक उठाना, मय, आशक ।

एहतमाली आराजी—अस्थायी कृषियोग्य भूमि ।

एहतराज—(अ) बचना, परहेज करना ।

एहताराम—(अ) आदर-सम्मान ।

एहतशाम—(अ) वैभव, प्रतिष्ठा ।

एहतसाय—(अ) हिसाब लगाना, प्रजा की रक्षा का इन्तजाम, परीक्षण, प्रमन्थ ।

एहतिजाज—परितोष ।

एहतिजाव—(अ) छिप जाना, पर्दे में हो जाना ।

एहतियाज—(अ) इच्छा, चाह, आवश्यकता ।

एहतियात—(अ) सावधानी, बुरी बातों से बचना ।

एहतियातन—(अ) सावधानी के विचार से ।

एहतिलाम—(अ) स्वप्रयोग ।

एहद—समय, कार्य काल, युग, जमाना ।

एहमाल—(अ) उपेक्षा करना, ध्यान देना ।

एहसान—(अ) अनुग्रह करना, आभारी बनाना, नेकी करना उपहार ।

एहसानकार—(मि०) एहसान करने वाला ।

एहमान करामोश—(मि०) उपकार

को न मानने वाला, कृतम,
गुनमग ।

एहसान फरामोशी—(मि०) कृत
घना, उपकार न मानना ।

एहसानमन्द—(मि०) कृतज्ञ, उपकार
मानने वाला ।

एहसास—(अ) अनुभूति, स्पश,
जानना ।

ऐ

ऐ—(अ) हे, अयि ।

ऐजन—(अ) उपयुक्त, उक्त, ऊपर
जैसा, वही, भी ।

ऐजाज—(अ) नम्रता, विनय, महा
पुरुषों का चमकार ।

ऐजाज—(अ) प्रतिष्ठा, आदर,
सम्मान ।

ऐजाजी—(अ) अवैतनिक, प्रतिष्ठित ।

ऐज्जा—(अ) “अजीज” (प्यारा)
गुनमग ।

ऐदाद—(अ) “अदद” का बहुवचन,
अंक, सख्याएँ ।

ऐन—(अ) आँख, नेत्र, पानी का
स्रोत, अशर्फी, उपयुक्त, ठीक ।

ऐन उल माल—(अ) लाम, बचत,
मूलधन, पूँजी ।

ऐन उल-यक्का—(अ) आँख से देख
कर विश्वास करना ।

ऐनक—(अ) चश्मा, उपनेत्र ।

ऐनैन—(अ) दोनों आँखें, नेत्रद्वय ।

ऐव—(अ) अवगुण, दोष, बुराई,
गराबी ।

ऐवा—(अ) चमड़े का सन्दूक, हथि-
यार रखने का बक्स, सूटकेस ।

ऐवक—(अ) प्यारा, प्रिय, दूत,
हरकारा, नौकर, सेवक ।

ऐवजो—(मि०) निन्दक, बुराई करने
वाला ।

ऐव गोई—(मि०) दोष दिखाना,
निन्दा करना ।

ऐवजो—(मि०) छिद्रान्वेपी, दोष-
दर्शक ।

ऐवजोई—(मि०) दूसरों के दोष
खाजना, छिद्रान्वेषण ।

ऐवदार—(अ) ऐसी, दोषी ।

ऐवपोश—(मि०) पराए दोषों को
ढकने वाला ।

ऐवपोशी—(मि०) दोष ढकना, ऐव
छिपाना ।

ऐवी—(अ) देखो “ऐवदार” ।

ऐमाल—(अ) अमल का बहुवचन,
आचरण, चरित्र, कार्य-समूह,
कर्तव्य, कृत्य ।

ऐमालनामा—(मि०) वह रजिस्टर
जिसमें लोगों के भले-बुरे कार्य
लिखे जाते हैं ।

पेयाम—(अ) यौम का बहुवचन,
दिन, मौसम, ऋतु, फसल ।

पेयार—(अ) धूर्त, चालाक, वेश
बदल कर स्वार्थ साधने वाला ।

पेयारी—(अ) चालाकी, धूर्तता ।

पेयाश—(अ) लम्पट, कामुक,
विलासी ।

पेयाशी—(अ) विलासिता, कामुक्ता,
लम्पटता ।

पेराफ—(अ) एक स्थान का नाम
जो मुसलमानों के मतानुसार
बहिश्त (स्वर्ग) और दोज्बल
(नरक) के बीच में है । बालू के
ऊँचे टीले, घाड़े के अयाल ।

पेलान—(अ) धोपणा, मुनादी,
ह के की चोट कहना, किसी बात
को दोल बनाकर कहना ।

पेलाम—(अ) सूचना देना, सावधान
करना ।

पेयान—(फ) राजप्रासाद, राज
महल ।

पेश—(अ) सुख-चैत, भोग विलास,
आगम ।

पेशे विसाल—(अ) मिलाप का
आनन्द ।

पेशोइशरत—(अ) भोग-विलास ।

पेसाय—(अ) शरीर के रंग पड़ते ।

पेसार—(अ) धनी या सम्पन्न

होना ।

ओहदा—(अ) पद ।

आहदेदार—(मि०) अफसर, पता
धिकारी ।

औकात—(अ) 'यक्त' का बहुवचन,
समय, यक्त, घन या निशा
सम्बन्धी योग्यता ।

औकात घसरी—(मि०) कालयापन,
जीविका-चलाना, निर्वाह करना ।

औकात—(अ) "वक्फ" का
बहुवचन, दान, अर्पण, विराम
चिह्न ।

औज—(अ) सबसे ऊँचा स्थान ।
भेदता, विशालता, उद्यता,
ऊँचाई ।

औजान—(अ) "वज्रन" का
बहुवचन, बोझ, बाट, तुक,
अनुपास ।

औजार—(अ) कारीगरों के काम
करने के हथियार ।

औतान—(अ) "वतन" का
बहुवचन ।

औयाश—(अ) छुपा, बदमाश,
गुपबा, छिद्योग, लपंगा ।

औयाशी—(अ) छुचापन, बदमाशी,
आमारगी, अचमता ।

औरंग—(फ) राज सिंहासन, समझ,
बुद्धि धूर्तता, दोमक ।

श्रीरगजेव—(फ) राजसिंहासन की
शोभा, एक बादशाह का नाम ।

श्रीरत—(अ) छी, पत्नी, जोरू,
महिला ।

श्रीराक्त—(अवराक) (अ) “वर्क”
का बहुवचन, पत्ते, पर्त ।

श्रीराद—(अ) “विर्द” का
बहुवचन, नित्यरुम ।

श्रील—वृद्धि ।

श्रील उल उज्मी—(अ) साहसिकता,
दु साहस ।

श्रीला—(अ) सब से बढ़िया,
सर्व श्रेष्ठ ।

श्रीलाद—(अ) संतान, सन्तति,
नस्ल ।

श्रीलिया—(अ) बली का बहुवचन,
मित्र, निकट सम्बन्धी, स्वामी,
साधु-सन्त, दरगाह का मालिक ।

श्रीशंग—(मु०) अलगनी ।

श्रीसत—(अ) सामान्य, साधारण,
बीच की स्थिति, मध्यवर्ती,
बराबर का पड़ता ।

श्रीसान—(अ) समझ, ज्ञान, विवेक,
होश-हवास ।

श्रीसाक्त—(अ) “वस्फ” का बहु-
वचन, विशेषता, गुण,
खासियत ।

श्रीहाम—(अ) “वहम” का बहु-

वचन, भ्रम, शंका सदेह,
वहम ।

क

क गुरा—(फा) चाटी, शिखर, किले
की दीवार में बने हुए ऊँचे-ऊँचे
स्थान ।

कअब—(अ) हड्डी का पौधा जिससे
जुआ खेलते हैं । टगना, अकका
तृतीयाश ।

कअब—(अ) नात की तरह, विषय
की गंभीरता, बड़ा प्वाला ।

कअर—(अ) नदी या कुए की
गहराई ।

कजकोल—(फ) भिन्ना-गान ।

कज (फ)—टेढापन, वक्रता ।

कप—(फ) वस्, टेढा, कच्चा रेशम,
कम कीमत ।

कजक—(फ) हाथी हॉकने का
अ कुश, नगाडा खजाने की चीज ।

कजकोल—(फ) फकीरों का पद ।

कज खुल्फ—(फ) बुरे स्वभाव का,
बहुवे मित्राज वाला, कठोर
हृदय ।

कजदुम—(फ) रिच्छ ।

कज निहाद—(फ) दुष्ट प्रकृति का
कूट स्वभाव वाला ।

कजब—(अ) झूठ बोलना ।

कज कहम—(अ) प्रत्येक बात को
उलटी समझने वाला ।

कज बहस—(मि०) कुतर्कों, निरर्थक
बहस करने वाला, निरर्थक विवाद

कजबी—(क) लड़ी निगाह से देखने
वाला, दुरी भावना वाला ।

कज रफ्तार—(क) टेढ़ी चाल
चलने वाला, बुरी गति वाला ।

कज रफ्तारी—(क) बुरी गति, टेढ़ी
चाल ।

कजरवी—(क) टेढ़ी चाल ।

कजरौ—(क) टेढ़ी चाल ।

कज जख्मा—(क) धूर्त, धोखेबाज ।

कजम—(क) तालाब या नदी के
किनारे की हरी घास ।

कज मज्ज जवान—(क) तोनला ।

कजल—(अ) लँगड़ा ।

कजल—(तु) लाल, सुर्ख ।

कजलक—(क) छोटी छुरी, चाकू ।

कजल घास (तु) लाल रंग वाला,
सैनिक योद्धा ।

कजा—(अ) मृत्यु, मौत ।

कजा—ईश्वरीय आदेश, आशा करना
पेश करना, वर्णन करना, ईश्वर-
प्रार्थना का समय चुक जाना,
पालन करना, कोई कार्य सम्पन्न
करना

कजाण इलाही—(अ) स्वाभाविक

रुा में होने वाली मृत्यु ।

कजाए नागहानी—(मि०) आक-
स्मि। मृत्यु, अकाल मृत्यु ।

कजाए हाजत—(अ) मलमूत्र
विसर्जन ।

कजाकार—(मि०) संयोग, इत्ति-
फाक से, सहसा, अचानक ।

कजात—(अ) काजी का बहुवचन ।

कजाया—(अ) "कजिया" का बहु
वचन । भगड़े-टटे । हुक्म
वाक्य ।

कजारा—(क) सहसा, संयोग से,
अचानक, इत्तिफाक से ।

कजाव कद्र—(अ) भाग्य, तकदीर ।

कजिया—(अ) भगड़ा-टड़ा, विवाद
प्रस्तुत बात ।

कजिया पाफ होना—भगड़ा गतम
होना, विवाद की समाप्ति होना ।

कजी—(क) टेढ़ापन, बुरता ।

कजीथ—(अ) तेज तलवार, कोड़ा,
तृन की शाला, कमान, पुरख
का मूर्खद्वय ।

कजूय—(अ) मशफूटा ।

कजा—(क) कपड़े की गेद ।

कज्जाक—(तु) लुटेरा, डाकू ।

कज्जाकी—(अ) डाकूगन, लुटेरीगन,
लुटेरीगन-ग

कजाव—(अ) धार निप्या भारी,

महा झूठा ।

कत — (अ) किसी बड़ी चीज का काटना कलम की नोक का टेढ़ा काटना, कागज की मोड़, अल की मेंगाइ । बस, पर्याप्त, अलम

कतअ — (अ) भाग, खंड, काट-छाँट, कमसे कम दो शेर की कविता ।

कतअन — (अ) कदापि, हरगिज ।

कतई — (अ) अन्तिम, आखिरी ।

कतई गज — (मि०) दर्जियों का गज

कत खुदा — (फ) घर का भालिक, गृहस्वामी, घरवाला, घरवाली, सुयोग्य, गुणी ।

कत खुदाई — (फ) विवाह, शादी ।

कतगीर — (फ) वह चीज जिस पर रख के कलम पर कत लगाते हैं ।

कतचन — (मि) हड्डी या लकड़ी की बनी वह चीज जिस पर रख कर कलम पर कत लगाते हैं ।

कतन — (अ) कई ।

कतबा — (अ) स्मारक, शिलालेख ।

कतरा — (अ) बूँद, बिन्दु, खंड, टुकड़ा । दौड़ कर चलना ।

कतरात — (अ) “कतरा” का बहुवचन ।

कतला — (अ) टुकड़ा, पाँक, खंड, भाग ।

कता — (अ) दग, शैली, बना

बट, कटा हुआ, काटा हुआ, खंड, भाग ।

कताअ — (अ) काटने वाला ।

कता कलाम — (अ) बात काटना, बीच में बोल उठना ।

कता ताल्लुक — (अ) सम्बन्ध विच्छेद ।

कतादार — (मि०) अच्छी बनावट का, सुन्दर दग का ।

कतानजर — (अ) अतिरिक्त, सिंग, अलावा ।

कतान — (फ) अलसी जिससे तेल निकालते हैं, एक प्रकार का बहुत बढ़िया और बारीक रेशमी कपड़ा । कहते हैं कि चाँदनी में उसके टुकड़े-टुकड़े हो जाते हैं ।

कतार — (अ) पक्ति, लाइन, श्रेणी ।

कतारा — (फ) कटारी ।

कतीअत — (अ) अलग, जुदाई, पृथक्ता ।

कतील — (अ) बध किया हुआ, कल किया हुआ ।

कत्तामा — (अ) पुश्चली, कुलग, दुश्चरिया, अत्यन्त विलासिनी स्त्री ।

कत्ताल — (अ) बहुत-से आदमियों को मार डालने वाला, हथारा ।

कत्ल — (अ) बध, हत्या ।

कल अमद—इत्या ।

कल इन्सान—मुस्तलिजम सबा—
दरदनीय नर इत्या ।

कल की रात—(मि०) वह रात
जिसके सबेरे हसन और हुसेन
कल किये गए थे, मुहर्रम की
नवीं तारीख की रात ।

कल गाह—(मि०) बघस्यान, वह
जगह जहाँ लोग कल किये जाते
हैं, फांसी घर ।

कले आम—(अ) एक तरफ से
मगका बघ, सर्वसाधारण का
कल, सर्वसंहार ।

कद—(फ) पर, मकान, गाँव ।

कद—(अ) आम, परिभम, शत्रुता,
वैर, दुश्मनी ।

कद—(अ) उँचाई, आकार, डील,

कद खुदा—(फ) देखो 'कन खुश'

कद खुदाई—(फ) देखो 'कत
खुदाई'

कदगन—(अ) निचे र, मुमानियत ।

कदवानू—(फ) रह-त्वाभिनी, पत्नी ।

कदम—(अ) पैर, पाँ, हग ।

कदम य कदम चलना—अनुगमन
करना, अनुकरण करना ।

कदम रजा करमाना—बधारना,
पगथेण करना, तयरीफ लाना ।

कदमचा—(मि०) बाथाने या

पेशान घर में बना हुआ पैर
रखने का स्थान, खुड़ी ।

कदम वाज—(मि०) बहुत अच्छी
कदम चाल चलने वाला
घोड़ा ।

कदम योस—(अ) अभिवादन शीघ्र,
निदानों या वयोवृद्धों के
चूमने वाला ।

कदम योसी—(अ) अभिवादन या
प्रणाम करना, बड़ों के चरण
चूमना, उनकी सेवामें उपरिधत
होना ।

कदम सजी—(फ) रास्ता चलना ।

कदमा—(अ) प्राचीन, पुराना,
पुराने लोग ।

कदर(कदर)—मान, प्रतिष्ठा, गौरव,
अंगड़ा, मात्रा ।

कदर अन्दाज—(फ) वह तीरंदाज
जिसका बाण चूकना नहो ।

कदरदौ—(मि०) गुणग्राहक,
गुणश ।

कदरदानो—(मि०) गुणग्राहक ।

कदर शनाम—(अ) कदर जानने
वाला, गुणों का समझने वाला,
गुणग्राहक ।

कदर शिनासी—(अ) गुणग्राहक,
गुणज्ञता ।

कदरे—(अ) याद-या, जरा या ।

कदरेकलील—(अ) बहुत थोड़ा ।
नेक सा ।

कदह—(अ) भिन्ना-पान, बड़ा
प्याला, तर्क, विवाद, खंडन,
विना नोक का तीर ।

कदा—(फ) घर, मकान, गाँव ।

कदाम—(अ) जाति का मुखिया,
सरदार ।

कदामत—(अ) सनातनता, प्राची-
नता ।

कदीम—(अ) पुराना, प्राचीन ।

कदीमी—(अ) पुराना ।

कदीर—(अ) बलवान, जोरदार ।

कदू (कह)—(फ) घीया, लौकी ।

कदूद—(फ) कुश्नाँ ।

कदूरत—(अ) गन्दगी, मलिनता,
मनामालिन्य ।

कदेआदम—(अ) ऊँचाई में आदमी
के बराबर । मुरसाभर ।

कहावर—(अ) लम्बा तड़ंगा । बड़े
ढील डौल का ।

कद्र—(अ) देखो “कदर”

कद्रदान—(फ) देखो “कदरदाँ”

कन—(फ) खोदने वाला, खोदना ।

कनधात—(अ) कनात का बहुवचन,
छोटी नहरें ।

कनाअत—(अ) सत्र, सन्तोष,
धैर्य ।

कनात—(तु) कपड़े का मोटा पर्दा
जिसे आड़ करने के लिए खड़ा
करते हैं । छोटी नहर ।

कनाद—(अ) कन्द बनाने वाला,
हलबाइ ।

कनादील—(अ) कदील का
बहु वचन ।

कनार—(अ) गोद, किनारा ।

कनास } (अ) जल्लाद, बधक ।
कन्नास } हत्यारा ।

कनिश—(फ) द्वेष, वैर, कीना ।

कनीज—(फ) दासी, बाँदी, टहलनी ।

कनीजान—(फ) “कनीज” का
बहुवचन, दासियाँ, सेविकाएँ ।

कनीसा—(अ) ईसाइ और यहू-
दियों का प्रार्थना मन्दिर ।

कनूत—(अ) निराश ।

कन्द—(अ) सफेद शकर । जमाई
हुई शकर । चीनी । खॉद ।

कन्द—(फ) देखो “कन्द”

कन्दन—(फ) किसी चीज पर कुछ
खोदना ।

कन्दा—(फ) खोदा हुआ । किसी
चीज पर कुछ खुदा हुआ ।

कन्दाकार—(फ) किसी चीज पर
खुदाई का काम करने वाला ।

कन्दाकारी—(फ) किसी चीज पर
खुदाई का काम करना ।

कन्यादखाना—(फ) खँहखाल, टॉड
ननाने की जगह ।

फन्दील—(श्र) कागज की बनी
लालटेन, जिसमें दीपक रख
कर ऊपर टाँगते हैं । कण्डील ।

फन्देलख—(फ) मधुगंधर, मीठे
श्रोठ ।

कक्र—(फ) हथेली, पैर का तलवा
खेध्मा, भाग, धूक, कफ ।

कक्रक—(फ) हथेली । दूध, पानी
या धावन के भाग ।

कक्रगीर—(फ) डोई, चमचा,
फलछी ।

कक्रचा—(फ) चमचा, फलछी,
डोई, सॉय का फन ।

कक्रचनान—(फ) तालियाँ बजाता
हुआ ।

कक्रन—(श्र) वह कपड़ा जो श्मशान
ले जाते समय मृतक पर ढका
जाता है ।

कक्रनी—(फ) मुद्दों के गले में
ढाला जाने वाला कपड़ा ।
फफ़ीरों या सधुधों के
पहनने का बिना टिखा धाज है ।

कक्ररा—(श्र) काफ़िर का बहुवचन ।

कक्रश—(फ) जूतियाँ ।

कक्ररादोज—(फ) मोची ।

कक्रस—(श्र) पिंडदा, पत्नियाँ के

रहने का ।

कक्रालत—(श्र) ज़मानत । वह रकम
या सम्पत्ति जो किसी कथित
अपराधी को बंधन से मुक्त कराने
के बदले इस शर्त पर जमा की
जाय कि आवश्यकता पड़ने पर
वह व्यक्ति न्यायालय में उपस्थित
हो जायगा -। अपने उच्च-
दायित्व पर कोई काम ल लेना ।
ज़मानत देना , ज़ामिन
बनना ।

कफ़ीदा—(फ) फटाहुआ ।

कफ़ील—(श्र) ज़मानत देने वाला,
ज़ामिन ।

कफ़े पा—(फ) पैर का तलवा ।

कफ़े-पाई—(फ) जूता, पादघ्राण,
उपानह,

कफ़काग—(श्र) पापों का प्रायश्चित्त ।

कफ़रा—(फ) जूता, पादघ्राण ।

कफ़रा दोज—(फ) मोची ।

कफ़राक—(फ) छोटी या तंग
जूती ।

कफ़क—(फ) चकार नामक पत्नी ।

कफ़र—(श्र) बह्पन, बुगुर्गी ।

कफ़र—(श्र) देगो "कक्र"

कक्ररिस्तान—(फ) जहाँ बहुत-सी
कक्ररें हो ।

कक्रा—(श्र) एक प्रकार का टीन्ना

दाला पहनावा ।

कबादा—(अ) लेजम ।

कवान—(अ) बड़ी तराजू ।

कबाय—(फ) कुटा हुआ और
सील पर मुना हुआ मास ।

कबायल—(अ) “कबीला” का
नहुवचा, कुटुम्बी, परिवार के
लोग ।

कबार—(अ) बुजुर्ग लोग । वयोवृद्ध ।
बड़े आदमी ।

कबाला—(अ) सनद, दस्तावेज,
जमानत नाम, किराया नामा
आदि ।

कबाहत—(अ) झूठ, दिक्कत,
बुराई ।

कबीब—(अ) मुँह के बल गिरा
हुआ ।

कबीर—(अ) बड़ा, महान्, श्रेष्ठ ।

कबीरा—(अ) महान् पातक, बड़ा
पाप ।

कबील—(अ) वर्ग, जाति ।

कबीला—(अ) किसी एक पुरुष
का कुटुम्ब, समुदाय । पत्नी, स्त्री

कबीसा—(अ) अ धकूप, लौंदा का
महीना ।

कबीह—(ज) बुरा, रराब,

कबूतर—(फ) कपोत, पारावत ।

कबूतरबाज—(फ) कबूतर पालने

वाला ।

कबूद—(फ) नीला ।

कबूर—(अ) “कब्र” का बहुवचन ॥

कबूल—(अ) स्वीकार, मजूर ।

कबूलना—(अ) स्वीकार करना,
मान लेना ।

कबूलसूरत—(अ) सुन्दर चेहरे
वाला, अच्छी शक्ल वाला ।

कबूलियत—(अ) स्वीकृति, मंजूरी ।
मान लेना ।

कबूली—(अ) एक प्रकार की
खिचड़ी जो चावलों और बने
की दाल से बनाई जाती है ।

कक्क—(फ) देखो “कक्क” ।

कक्करपत्तार—(फ) चकोर की
माँति मस्त चाल से चलने
वाला ।

कब्ज—(अ) मलावरोध, बद्ध-
कोष्ठता ।

कब्ज उल वसूल—(अ) प्राप्ति-
सूचक पत्र, रसीद ।

कब्जा—(अ) अधिभार, काबू,
दखल, पकड़, भूँठ, घेंटा, दस्ता,
लोहे या पीतल के बने किचाड़ों
की मुड़न पर या सन्दूकों के
दफनों में लगाने के वे उपकरण
जिनसे विवाद या दफन टुलते
और बन्द होते हैं । मुठी-भर ।

देश ।

कठिञ्जयत—(अ) कञ्ज हाना, मल
का रुकना, कोठचढ़ता ।

कञ्जार—(अ) बहुत बड़ा बुजुर्ग ।

कज—(अ) दफन करने की जगह ।

मुर्दा गाढ़ने का गढ़ा ।

कल्ल—(अ) पहले, पूर्व, पूर्वका,
पहले का ।

कलष अज्ज यत्त—समय से पूर्व ।
अपरिपक्व ।

कल्लस—(अ) उदर शूल, दर्द
जिगर, हर्ष, चकप्यन ।

कम—(क) थोड़ा, न्यून । अल्प ।

कम अज्जकम—(क) कम से कम ।
न्यूनातन्यून ।

कमखाय—(क) एक प्रकार का
रेशमी पपड़ा जिसपर ज़री के
बेन-बूटे बने होते हैं । सोने
चाँदी के तारों व रेशम से
घना कपड़ा ।

कमखनाय—(क) देखा “कमगाव”

कमगो—(क) कम श्रम करने वाला,
मित मापी ।

कमची—(क) किसी दृष्ट की शान्ता
की गीली छड़ी ।

कमशरु—कमीना नीच, आद्धा,
गुच्छ, कुत्ता ।

कमजात—(क) देखा “कमशरु”

नीच, अधम, कमीना ।

कमजोर—(क) दुर्बल, अल्प शक्ति,
निर्बल ।

कमतार—(क) बहुत कम, अल्पतर,
गुच्छतर, छोटा, नाचीज़ ।

कमतरीन—(क) बहुत ही कम,
अत्यन्त छोटा, गुच्छतम, सेरफ ।

कमनसीव—(क) अभागा, मन्द
भाग्य वाला,

कमन्द—(क) (रामन्द) एक प्रकार
की गाँठदार या प-देदार रस्सी
जिसके सहारे मकान आदि
पर चढ़ जाते हैं, एक प-देदार
रस्सी जिसे पैंक कर जंगली जान
वरों को पकड़ते हैं ।

कमफहम—(क) अल्प बुद्धि, मन्द
बुद्धि, कम समझ ।

कमवस्त—(क) अभागा, भाग्यहीन,
मन्द भाग्य ।

कमवखनी—(क) भाग्यहीनता,
दीभाग्य,

कमवूदगी—(क) श्रमता, निर्धनता,
कंगाली ।

कमयाय—(क) जो बहुत कम प्राप्त
हो सके, दुर्लभ, दुर्प्राप्त ।

कमर—(क) शरीर का मध्य भाग,
कटि प्रदेश ।

कमर कसना—कई काम करने

को उद्यत होना ।

कमर खोलना—किसी काम के करने का विचार त्याग देना ।

कमर टूटना—निराश हो जाना, हिम्मत हारना ।

कमर—(फ) चन्द्रमा, चाँद, चाँदी ।

कमर बन्द—(फ) नाड़ा, कमर बाँधने का कपड़ा, पटुका, फंडा, पेटी ।

कमर बस्ता—(फ) कोई काम करने के लिये तैयार, उद्यत, सज्ज, बद्ध परिकर, मुस्तैद ।

कमरा—(श्र) जूआ घर,

कमरी—(श्र) चन्द्रमा सम्बन्धी, चन्द्रमा का, चाँदी का ।

कम सखुन—(फ) कम बोनने वाला, मित भापी, श्रल्य भापी ।

कमसिन—श्रल्ययु, थोड़ी उम्र का ।

कमइ—(श्र) सत्तू, सतुआ । गेहूँ के मुने श्रनान का आटा ।

कमाच—(तु) एक प्रकार की मोटी रोटी ।

कमात—(श्र) कुकुरमुत्ता ।

कमान (खमान)—(फ) धनुष, तोप, बंदूक, मेहराब, इन्द्रधनुष, वे हथियार जिनसे तीर या गोली गोले पँके जायें ।

कमानचा—(फ) सारंगी, इसराब

आदि बजाने का गज' जिसमें घोड़े की पूँछ के बाल बाँधे होते हैं । एक प्रकार का बाजा । छोटी कमान, बड़े मकान के साथ का छोटा मकान या कमरा, महाराब-दार छत ।

कमानगर—कमान बनाने वाला

कमानदार—(फ) कमान चलाने वाला, धनुर्धर ।

कमान रुस्तम—(फ) इन्द्र धनुष ।

कमान शैतान—(फ) ,, ,,

कमाना—(क) बरमा चलाने की बर्दई की कमान ।

कमानी—(फ) धातु का बना तार या पत्ती, जो दबाव पड़ने से लचक जाय और दबाव हट जाने पर फिर ज्याँ का ल्योँ हो जाय । कमान के आकार की ।

कमालि—(श्र) पूर्ण, सम्पूर्ण, निपुणता, फारीगरी, कुशलता, पूरा-पन, परिपूर्णता, कोई श्रनोखा कार्य ।

कमालात—(श्र) "कमाल" का बहुवचन ।

कमालियत—(श्र) कमाल का भाव, पूर्णता, कुशलता, दक्षता,

कमाइककू—(श्र) उचित रूप में, जैसा कि वास्तव में है ।

कमाहफा—(अ) यथा, तथ्य जैसा होना चाहिये वैसा, यथोचित, बहुत ठीक, यथेष्ट, पूरा ।

कमी—(फ) न्यूनता, अल्पता, हानि, घटती ।

कमीन—(अ) शिकार या शत्रुकी ताक में छिपकर बैठना । किसी की घात में बैठना ।

कमीनगाह—(मि०) वह स्थान जहाँ किसी घात या ताक में बैठा जाय ।

कमीना—(फ) अधम, नीच, ओछा, छुद्र ।

कमीनापन—(मि०) नीचता, छुद्रता, अधमता, ओछापन ।

कमीवेशी—(फ) न्यूनता या अधि-कता, घटती बढ़ती, कम या ज्यादा होना ।

कम्मी—(अ) सशस्त्र सैनिक ।

कमीस—(अ) कमीज नामक पहनने का वस्त्र ।

कमोकास्त—न्यूनाधिक ।

कमोवेश—(फ) थोड़ा बहुत, न्यूना-धिक, लगभग ।

कम्मा—(अ) ऊँचाई, नोक, फलक ।

कम्गून—(अ) जीग ।

क्यावत—(अ) नेतृत्व, नेतागीरी ।

क्याफा—(अ) सुत, आकृति,

सामुद्रिक शास्त्र, जिसमें मनुष्य का हाथ, चेहरा आदि देखाकर उसे शुभाशुभ भाग्य बताने की विधि वर्णित है ।

क्याफाशिनास—(मि०) सामुद्रिक-शास्त्री

क्यायम—(अ) ठहरना, स्थिर होना, निश्चय, स्थिरता, ठहरने का स्थान, विश्राम करने की जगह । स्थिति ।

क्यामगाह—(मि) ठहरने का स्थान, विश्रान्ति-स्थल ।

क्यामत—(अ) स्थित होना, कायम होना, खड़े होना, प्रलय, खल-बली, हलचल, मुलमातों के मतानुसार सृष्टि के अन्त का वह दिन जब अपने शुभाशुभ कर्मों का फल पाने के लिए कर्मों में से उठ कर सब मुर्दे खड़े हो जायेंगे ।

क्यास—(अ) अनुमान, अन्दाज चलना, अटकल ध्यान, गिगार-क्यास इस्तिथ्यारी—अनुमान कर सकना ।

क्यास लाजिमी—आवश्यक रूप से अनुमान करना ।

क्यासी—(अ) लयाली, अनुमानिक, काल्पनिक ।

क्यूद—(अ) “क्रेद” का बहुवचन

उधन, सीमा,
 क्यूम—(अ) अधिकूल, स्थिर
 महान, अटल, निरीक्षक,
 अरन्तर्यामी खुदा का एक नाम ।
 कट्याद—(अ) मक्कार, धूर्त ।
 कट्याल—(अ) नापनेवाला,
 तोलने वाला ।
 कट्यूम—(अ) कायम रखने वाला
 निरीक्षक, खुदा का नाम ।
 करस्त—(फ) कठोर, कड़ा, शरीर
 का वह अंग जो सुल हो गया हो ।
 करगदन—(फ) गैंडा ।
 करगस—(फ) गिद्ध, पुल, बाण का
 पिछला भाग ।
 करगाह—(फ) कपड़ा बुनने का यन्त्र-
 करघा, कपड़ा बुनने की जगह ।
 यह “कारगाह” का सद्वृत्त
 रूप है ।
 करतास—(अ) कागज
 करदा—(फ) कृत, किया हुआ,
 करने वाला ।
 करपास—(फ) रुई, सूती वस्त्र ।
 करनफल—(अ) लौंग,
 करनवीक—(अ) अर्क खींचने का
 यन्त्र, मक्का ।
 करखुत—(अ) दुल, शोक, संकट ।
 करबला—(अ) उस नगर का नाम
 जहाँ पर अली के लड़के इमाम

हुसैन शहीद हुएथे । ताजिए
 दान करने की जगह ।
 करम—(अ) प्रेम, बड़प्पन, कृपा,
 दयालुता, उदारता ।
 करमकल्ला—(फ) पातगोभी,
 बन्दगोभी ।
 करमफरमा—(मि०) दयालु, कृपालु ।
 करह कर्ह—(अ) जरम, घाव, दूषित
 घाव (जिसमें पीव पड़ गया हो) ।
 करारबत—(अ) समीक्षा, घनिष्ठता,
 नातेदारी, सम्बन्ध, रिश्तेदारी ।
 करारबतदार—(मि) नातेदारी, रिश्ते-
 दारी, सम्बन्ध ।
 करारा—(अ) काँच का बड़ा बर्तन
 जिसमें अर्क आदि रखा जाता
 है । सुराही शराब का शीशा ।
 करावीन—(तु) पुरानी चाल की
 बन्दूक जिसकी नाल छोटी तथा
 चौड़ी होती है, कड़ावीन ।
 करामत—(अ) बड़प्पन, गौरव,
 महत्ता, बुजुर्गी, अद्भुतकार्य ।
 करामात—(अ) “करामत” का
 बहुवचन, चमत्कार, विचित्र
 व्यापार अनूठे कार्य ।
 करामाती—(अ) अद्भुत कार्य
 करने वाला, चमत्कार दिखाने
 वाला ।
 करायन—(अ) “करीना” का

कमाइका—(अ) यथा, तथ्य जैसा होना चाहिये वैसा, यथोचित, बहुत ठीक, यथेष्ट, पूरा ।

कमी—(फ) न्यूनता, अल्पता, हानि, घटती ।

कमीन—(अ) शिकार या शत्रुकी ताक में छिपकर बैठना । किसी की भात में बैठना ।

कमीनगाह—(मि०) वह स्थान जहाँ किसी घात या ताक में बैठा जाय ।

कमीना—(फ) अधम, नीच, ओछा, लुद्र ।

कमीनापन—(मि०) नीचता, लुद्रता, अधमता, ओछापन ।

कमीवेशी—(फ) न्यूनता या अधि-कता, घटती बढ़ती, कम या ज्यादा होना ।

कम्मी—(अ) सशस्त्र सैनिक ।

कमीस—(अ) कमीज नामक पहनने का वस्त्र ।

कमोकास्त—न्यूनाधिक ।

कमोवेश—(फ) थोड़ा बहुत, न्यूना-धिक, लगभग ।

कम्मा—(अ) ऊनाई, नोक, कलस ।

कम्मून—(अ) जीत ।

क्यादत—(अ) नेतृत्व, नेतागीरी ।

क्याफा—(अ) सूरत, आकृति,

सामुद्रिक शास्त्र, जिसमें मनुष्य का हाथ, चेहरा आदि देखकर उसे शुभाशुभ भाग्य प्रताने की विधि वर्णित है ।

क्याफाशिनास—(मि०) सामुद्रिक-शास्त्री

कायम—(अ) ठहरना, स्थिर होना, निश्चय, स्थिरता, ठहरने का स्थान, विश्राम करने की जगह । स्थिति ।

कयामगाह—(मि) ठहरने का स्थान, विश्रान्ति-स्थल ।

कयामत—(अ) स्थित होना, कायम होना, खड़े होना, प्रलय, खल-बली, हलचल, मुसलमानों के मतानुसार सृष्टि के अन्त का वह दिन जब अपने शुभाशुभ कर्मों का फल पाने के लिए कर्मों में से उठ कर सब मूर्दे खड़े हो जायेंगे ।

कयास—(अ) अनुमान, अन्दाज कलना, अटकल ध्यान, विचार-

कयास इख्तियारी—अनुमान कर सकना ।

कयास लाजिमी—आवश्यक रूप से अनुमान करना ।

कयासी—(अ) गमाली, आनुमा-निक, काल्पनिक ।

कयूद—(अ) “वेद” का प्रवचन

प्रधन, सीमा,

कयूम—(अ) अचल, स्थिर
महान, अटल, निरीक्षक,
अरन्तर्यामी खुदा का एक नाम ।

कट्याद—(अ) मन्कार, धूर्त ।

कट्याल—(अ) नापनेवाला,
तोलने वाला ।

कयूम—(अ) कायम रखने वाला
निरीक्षक, खुदा का नाम ।

करख्त—(फ) कठोर, कड़ा, शरीर
का यह अंग जो सुल हो गया हो ।

करगदन—(का) गैडा ।

करगस—(फ) गिद्ध, पुख, भाण का
पिछला भाग ।

करगह—(फ) कपड़ा बुनने का यन्त्र-
करघा, कपड़ा बुनने की जगह ।
यह “कारगह” का संक्षिप्त
रूप है ।

करतास—(अ) कागज

करदा—(फ) कृत, किया हुआ,
करने वाला ।

करपास—(फ) रुई, सूती बख ।

करनफल—(अ) लौंग,

करनबीक—(अ) अर्क खींचने का
यन्त्र, भक्का ।

करवुत—(अ) दुख, शोक, संकट ।

करबला—(अ) उस नगर का नाम
जहाँ पर अली के लड़के इमाम

हुसैन शहीद हुए थे । ताजिए
दफन करने की जगह ।

करम—(अ) प्रेम, बड़प्पन, कृपा,
दयालुता, उदारता ।

करमकल्ला—(फ) पातगोभी,
बन्दगोभी ।

करमफरमा—(मि०) दयालु, कृपालु ।

करह कह—(अ) जरम, घाव, दूषित
घाव (जिसमें पीव पड़ गया हो ।)

कराबत—(अ) समीपता, घनिष्ठता,
नातेदारी, सम्बन्ध, रिश्तेदारी ।

कराबतदार—(मि) नातेदारी, रिश्ते-
दारी, सम्बन्ध ।

कराबा—(अ) कौंच का बड़ा बर्तन
जिसमें अर्क आदि रखा जाता
है । सुराही शराब का शीशा ।

कराबीन—(तु) पुरानी चाल की
बन्दूक जिसकी नाल छोटी तथा
चौड़ी होती है, कड़ाबीन ।

करामत—(अ) बड़प्पन, गौरव,
महत्ता, बुजुर्गी, अद्भुतकार्य ।

करामात—(अ) “करामत” का
बहुवचन, चमत्कार, विचित्र
व्यापार अनूठे कार्य ।

करामावी—(अ) अद्भुत कार्य
करने वाला, चमत्कार दिखाने
वाला ।

करायन—(अ) “करीना” का

बहुनचन, उचित अनुपात, सु-
धस्या ।

करार—(श्र) शान्ति, सन्तोष, धैर्य,
तसल्ली, स्वीकृति, प्रतिष्ठा, वादा,
ठहराव, स्थिरता, आराम, सुख,
चैन ।

करारदाद—(मि०) गिराह शादी
के समय लैन दैन का ठहराव,
निश्चय विवाद के पश्चात् जो
चात निश्चय हो, स्वीकृति ।

करारात—(श्र) सिपाहिया का भोजन
और वेतन ।

करावत—(अ) सगोस्ता, समीपता ।

करावल—(तु) पहरेदार, सन्तरी,
सेना के आगे चलकर
शत्रु के गुप्त समाचार जानने
वाली सिपाही । बन्दूक से शिकार
करने वाला । गोलिया ।

कराहत } (अ) कुरुचि पूर्ण,
कराहियत } नापसन्द, धृष्टित,
निन्दनीय अनुचित,
अप्रसन्नता, अरुचि,
नफरत, घृणा ।

करिया—(श्र) गाँव, छोटी भल्ली ।

करिश्मा—(फ) अद्भुत कार्य, जादू
टोना, जन्म मर्न, नाज नगारा,
कटाव, भ्रूश्रालन ।

करीना—(श्र) टंग, व्यवस्था, चाल,

तर्ज, क्रम, सम्यता ।

करीने मस्लहत—(श्र) उचित ।

करीब—(अ) निकट, समीप, पास,
लगभग ।

करीम—(अ) उदार, दयालु, दाता,
क्षमा करने वाला, बड़ा ।

करीमा—(फ) करीम का सम्बोधन,
हे करीम, हे दयालो ।

करीह—(श्र) भदा, कुरूप, धृष्टित,
बीमत्स ।

करीली—(तु) एक प्रकार की छोटी
तलवार, कटार, शिकार का
पीछा करना ।

कर्ज—(फ) गैदा नाम का जंगली
जानवर ।

कर्ज—(श्र) श्रृणु, उधार ।

कर्जखाह—(फ) श्रृणु दाता, कर्ज
देने वाला ।

कर्जदार—(म०) कर्ज लेने वाला,
उधार लेने वाला, श्रृणी ।

कर्जा—(श्र) श्रृणु, कर्ज ।

कर्जा गैर मुमकिन चल बसूल—
बटे खाते में रकम, जो बदल
न हो सके ।

कर्दा—(फ) किया हुआ, कृत, करने
वाला ।

कर्न—(श्र) सौ वर्ष की अभि,
मुग । गीम । पशुओं के बाल ।

स्थान विशेष का नाम ।

कर्ना—(अ) बड़ी तुरही, भोंपू ।

कर्—(अ) शत्रुपर आक्रमण करना, दुश्मन का मुँह फेर देना । परास्त करना, वैभव, प्रताप, शान । वह रस्ती जिसे पकड़ कर बृत्त पर चढ़े ।

करार—(अ) शत्रुपर निरन्तर आक्रमण कर उसे हटा देने वाला । विजयी । मुहम्मद साहब की एक उपाधि ।

कर्कश—(अ) ठाट-भाट, शान शौकत ।

कर्स—(अ) गोबर, फण्डा, उपला ।

कुल—(तु०) गुलाम ।

कलअ—(फ) एक खान जिसमें से राँगा निकलता है ।

कलअदम—अव्यवहार्य, व्यर्थ ।

कलई—(अ) राँगा, बतनों पर चढ़ाया हुआ राँगे का रंग । किसी वस्तु पर उसे चमकाने के वास्ते लगाया गया लेप । बाहरी तड़क भड़क, ऊपरी चमक-दमक । राँगे की खान से सम्बन्ध रखने वाली । मकान की दीवारों पर की जाने वाली सफेदी ।

खुलना—असली मेद खुल जाना । रहस्य प्रकट हो जाना ।

कलईगर—(मि०) कलई करने वाला ।

कलक—(अ) खेद, दुःख, वेदना, मनस्ताप, रज, बेचैनी, घमसाहट ।

कलकल—(फ) बकवाद, व्यर्थ बातें ।

कलगी—(तु) चिड़ियों (मुर्ग आदि) के सिर पर की चोटी । सोने अथवा मोतियों का बना आभूषण विशेष जो सिर पर पहना जाता है । खूबसूरत पर जिन्हें लोग पगड़ी या टोपी पर लगाते हैं । खयाल बाजा का फिर्का ।

कलन्द—(फ) फावड़ा । कस्ती ।

कलन्दर—(फ) मुसलमान फकीर जो शरअ के पाबन्द न हों । अवधूत, पढ़ड़ । मदारी, रीछ और बन्दरों को नचाकर रोजा कमाने वाले ।

कलफ—(अ) माँड़ी, कपड़ों को कड़ा करने के लिए उन पर लगाई जाने वाली लेई । चेहरे पर के काले दाग, भाँड़ियाँ । प्रेम, स्नेह ।

कलब—(अ) कुत्ता ।

कलम—(अ) लेखन, काटना, तराशना, किसी पेड़ की वह पतली शाखा जो किसी दूसरे पेड़ में जोड़ी जाय, सिर के के

बान जा काना श्रोर मोही वे
भीच में हाते हैं। लोहे के वे
बारीक आज़ार जो लकड़ी आदि
पर बेल बूग खादने के काम
आते हैं।

कलम श्रन्दाज—(मि०) जो लिखने
में छूट जाय।

कलमकार—(मि०) किसी चीज़ पर
नक्काशी करने वाला।

कलमकारी—(म०) कनम से बेल
छूटे बनाना।

कलम चलाना—लिखना, लिखाई
करना।

कलमजद—मिटाना।

कलमजन—(फ) लेखक, मुहर्रिर,
चित्रकार।

कलम तराश—(मि०) कलम बनाने
का चाकू।

कलम तोड़ना—लिखने की हद कर
देना, बहुत बड़िया चीज़ लिखना,
अनूठी बात कहना या लिखना।

कलमदान—(मि०) कनमन्दरात
रखने की छोटीसी सन्दूकची।

कलमबन्द—(मि०) लिखित, लिखा
हुआ, लिखबद्ध। कनम बनाने
वाला।

कलमबद—(फ) राजधानी, राज्य।

कलमरौ—(फ) राज्य, सत्तनत,

राजधानी।

कलमा—(श्र) सार्थक शब्दों का
समूह, वाक्य, बात, मुसलमानों
का मूलमन, कर्म या क्रिया।

कलमात—(श्र) कलमा का बहुवचन

कलमी—(फ) लिखी हुई कोई चीज़,
कलम लगाया हुआ पौधा या
वृक्ष। कलम लगे हुए वृक्ष के
फल। वह कपड़ा जिस पर सीधी,
लम्बी धारियाँ हों।

कलस—(श्र) इमारत में काम आने
वाला चूना।

कलाँ—(फ) पढ़ा, लम्बा।

कलास—(फ) काक, कोआ, जंगली
कोआ।

कलानी—(फ) बड़ाई, लम्बाई।

कलावज—(तु) पथप्रदर्शक, सेना के
आगे चलने वाला।

कलाफा—(फ) सूत की कुकड़ी।

कलाबा—कलाबा—(फ) नाल-नीला
रंगा हुआ, कच्चा सूत, छटिया,
कुकड़ी।

कलायाजो—त्रमोन पर सिर रख
कर उलट जाना, कनामुएडी
खाना।

कलाम—(श्र) वाक्य, कथन, बात-
चीत, वात्तालाप, वचन, उम्म,
एतएज प्रतिष्ठा, वादा।

कलाल—(अ) सुस्ती, शिथिलता ।

कलिया—(अ) घी और मसाले के साथ पत्तीली में पकाया हुआ शोरवादार मास ।

कलियान—(फ) हुका ।

कलीच—(फ) तलवार, खड्ग ।

कलीद—(फ) कुजी, ताली ।

कलीदान—(फ) ताला ।

कलीम—(अ) बात करने वाला, घायल, चुटियल, हजरत मूसा की एक उपाधि ।

कलीम उल्लाह—(अ) ईश्वर के साथ बातचीत करने वाला, हजरत मूसा ।

कलील—(अ) थोड़ा, अल्प ।

कलील—(अ) तोतलापन, कुंठित तलवार ।

कलीला—(फ) एक गीदड़ का नाम जिसकी कहानी पञ्चतन्त्र नामक संस्कृत की पुस्तक में है, करटक ।

कलीसा—(फ) ईसाइयों और यहूदियों का प्रार्थना मन्दिर, गिरजा ।

कलूस—(फ) मिट्टी का ढेला ।

कलूस कूथ—(रु) मोंगरा । ढेले को तोड़ने वाला ।

कलूब—(अ) कल्व का बहुवचन, बहुत-से हृदय ।

कलैदस—(अ) 'उकलैदस' का

संक्षेप । रेखागणित, रेखागणित-निर्माता ।

कल्व—(अ) हृदय, किसी भी वस्तु का मध्य भाग, सेना का मध्य भाग, खोटा चाँदी सोना, बुद्धि, प्रज्ञा । उलटा । अँधा ।

कल्व साज—(मि०) जाली सिकके बनाने वाला, सोने-चाँदी में मिलावट करने वाला ।

कल्वी—(अ) हृदय सम्बन्धी, हार्दिक । बदला हुआ, उल्टा किया गया । कृत्रिम ।

कल्लत—(अ) शग से छुटकारा ।

कल्ला—(फ) गला, स्वर, आवाज, जबड़ा, गले के अन्दर का भाग, गर्दन, भेड़-बकरी आदि का शिर । हरीघास ।

कल्ला कन्द—(फ) फलाकन्द नाम से प्रसिद्ध मिठाई, बरफी, कन्द का कूजा ।

कल्लाँच—(तु) देखो "कल्लाश"

कल्ला तोड़—(मि०) कल्ला तोड़ने वाला, बलवान, जबरदस्त, धींग ।

कल्ला दराज—(फ) धुवत बोलने वाला, बहुत चिल्ला कर बोलने वाला, गला फाड़ कर चिल्लाने वाला, बहुत बढ़कर बातें बघाने

वाला ।

कल्लाश—(तु) निर्घन, कगाल
वदमाश, एकटकी ।

कयाकिच—(श्र) कौक्य(देदीप्यमान
नक्षत्र) का बहुवचन ।

कवानान—(श्र) कायदा का बहु-
वचन, व्याकरण, कायदे, नियम,
व्यवस्था, सिपाहियों को लड़ने के
नियमों का अभ्यास कराने की
विधि ।

कवाफिल—(श्र) काफिले का
बहु वचन ।

कवायद—(श्र) कायदा का बहुवचन,
व्याकरण, कायदे, नियम, व्यव-
स्था, सिपाहियों को लड़ने के
नियमों का अभ्यास कराने की
विधि ।

कवी—(श्र) बलिष्ठ, शक्तियाली,
बलवान ।

कवी पुरत—(र) वीर, बहादुर,
साहसी ।

कळवाल—(श्र) कळ्वाली गाने वाला,
गवैया, डोम, कलावन्त ।

कळवाली—(श्र) एक प्रकार के ईश्वर
प्रेम सम्बन्धी गाने, कळ्वाली
गाने वालों का पेशा ।

कळ्यास—(प) कमान बनाने
वाला ।

कश—(प) खींचने वाला, आकर्षक,
खिंचाव, हुस्के या चिलम में
दम लगाना ।

कशक—(प) चौकीदार ।

कशकची—(प) चौकीदार ।

कशका—(फ) तिलक, टीका जिसे
हिन्दू माथे पर लगाते हैं ।

कशकोल—(प) भील मांगने का
प्याला जो फकीरों के पास होता
है ।

कशनीज—(प) धनियाँ ।

कशमकश—(प) खींचा-तानी,
घकमघक्का, सोच विचार,
दुमिधा, उलझन, असमंजस,
आगा-पीछा ।

कशलाफ—(तु) गरम मकान जाड़ों
में रहने योग्य ।

कशार—(श्र) ककड़ी ।

कशाकश—(फ) छिपना, महान्
बुल, शोक ।

कशशाफ—(श्र) माएडा फोड़ने
वाला, मेद खोलने वाला ।

कशिर—(श्र) खाल, छाल, छिलका

कशिश—(प) आकर्षण, खिंचाव,
सोखना ।

कशिशे दिल—(फि) हृदय का
आकर्षण ।

कशीदगी—(प) पैमनस्य, मन

मुटाव । रिंचाव ।

कशीदा—(फ) खींचना, काटना,
आकृष्ट, रिंचा हुआ, कपड़े पर
सुई और धागे से बनाए हुए
बेल बूटे ।

कश्का—(फ) तिलक, बिन्दी, टिकुला ।

कश्त—(फ) खेती ।

कश्तकार—(फ) किसान, खेती करने
वाला ।

कश्क—(फ) निराकरण करना, नगा
करना, परदा हटाना-खोलना ।

कश्मीर—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
एक प्रदेश ।

कस—(फ) मनुष्य, व्यक्ति, साथी,
सहायक, योग्य व्यक्ति ।

कसो नाकस—(फ) छोटे-बड़े ।

कसब—(अ) पेशा, व्यवसाय, कला,
हुनर, पैदाकरना, उपार्जन करना,
वैश्यावृत्ति ।

कसब—(अ) एक प्रकार का वस्त्र जो
कतान और रेशम मिलाकर
बनाया जाता है । काला । नली
नरकुल काटना ।

कसबा—(अ) छोटा नगर, नरकुल ।

कसम—(अ) शपथ, सौगन्द ।

कसमपुरसी—कोई पूछने वाला न
था ।

कसर—(अ) कमी, घाटा, हानि,

कोताही, न्यूनता, छीजन, विकार
दोष, मनमुटाव, द्वेष, वैर ।

कपड़े का घोना, भवन, महल,
कसर—(अ) तोड़ना, टुकड़े करना,
विभाग, भिन्न (गणित में)

कसरत—(अ) आधिन्य, बहुतायत,
ज्यादती, शरीर को पुष्ट बनाने
के लिए किया जाने वाला
परिश्रम, दण्ड-वैठके, व्यायाम,
मेहनत ।

कसरतराय—बहुमत, बहुपक्ष ।

कसरा—(अ) जैर, फारसी लिपि में
ह्रस्व इकार का चिह्न जो अक्षरों
के नीचे लगाया जाता है ।

कसल—अ) शिथिलता, थकावट,
आलस्य

कसलमन्द—(मि०) भ्रान्त, शिथिल,
थका हुआ ।

कसाइद (अ) “कसीदा” का बहु
वचन ।

कसाई (अ) पशुओं का बध करने
वाला, बघक, घातक, निर्दय,
निटुर, बेरहम, धूचड़ ।

कसाफत—(अ) भद्दापन, स्थूलता,
मोटापा, गन्दगी, कढ़वापन,
गाढ़ापन ।

कसावा—(अ) छियों का सिर पर
बाँधने का रुमाल ।

कसामत—(श्र) सुन्दरता, खूबी,
कसरारत—(श्र) कसड़े घौना ।

कसालत—(श्र) सुन्ती, शिथिलता,
कसीदा—(श्र) वह कविता जिसमें
किसी व्यक्ति या वस्तु की प्रशंसा
अथवा निन्दा की गई हो तथा
जिसमें पदार्थ चरण से कम न
हो । उपदेशात्मक कविता ।

कसीक (श्र) स्थूल, मोटा, भद्दा,
गन्दा, मैला, बेढंगा । कटु, तिक्त ।
गुप्त दुःशा प्रस्त ।

कसीक—(श्र) बालू का ऊँचा टीला
कसीम—विभाजक, सम्मिलित,
सुन्दर ।

कसीमा—(श्र) कस्तूरी का नाफा
कसीर—(श्र) अधिक, बहुत ।

कसीर—(श्र) धुटि करने वाला,
न्यूनता युक्त ।

कसीरउलझीलाद—(श्र) बहुत-से
जाल-यन्त्रों वाला ।

कसीर उल तादाद—बहुवचन ।
कसीर गो—(मि) बहुत घोलने वाला,
बहुत कविता लिखने वाला ।

कसूर—(श्र) दुःशा प्रस्त, सूर्य ग्रहण
कसूर—(श्र) “कसर” का बहुवचन
अपराध, धु, कमी, दोष ।

कसूरमन्द—(मि०) कसूर वाला,
दायी, अपराधी,

कसूरवार—(मि०) कसूरमन्द, अप-
राध करने वाला

कसे—(फ) कोई व्यक्ति,
कसेनाशद—(फ) चाहे कोई व्यक्ति
हो । कसो नाकस ।

कस्द—(श्र) इरादा, विचार,
कस्दन—(श्र) इरादे से, जानबूझकर
इच्छापूर्वक ।

कसन—(श्र) काटना
कस्वात—(श्र) कस्वा का बहुवचन ।
कस्वाती—(श्र) कस्वे वा रहने वाला ।
कस्वी—(श्र) कसब कमाने वाली
वेश्या, रडी ।

कस्मिया—(श्र) शपथ पूर्वक, सौगन्द
राकर ।

कस्स—(श्र) काटना, कतरना, चीने
की हड्डी ।

कस—(श्र) कमी, न्यूनता, महल,
भवन, प्रासाद,

कस्साय—(अ) देना “कसाई” ।

कस्मायगान—(अ) कस्साय का
बहुवचन ।

कस्साम—(श्र) कस्म या शपथ
जाने वाला । गँटने वाला ।

विभाजक, तकसीम करने वाला ।
कस्सावो—(श्र) कसाई पना, कसाई
का काम या पेशा ।

कस्मार—(श्र) धावी, रजक ।

कस्तास—(अ) कस्ता कहने वाला ।

कहानी सुनाने वाला ।

कह—(फ) “काह” का सक्षिप्त रूप । सूखी घास ।

कहकशा—(फ) आकाश गगा ।

कहकहा—(फ) अट्टहास, खिल-खिला कर हँसना, ठहाका मार कर हँसना, जोर की हँसी ।

कहत—(अ) दुर्मिच्छ, अकाल, अनावृष्टि, सूखा ।

कहतजदा—(मि०) दुर्मिच्छ पीड़ित, अकाल का मारा ।

कहतसाली—(अ) अकाल, दुकाल, दुर्मिच्छ का वर्ष ।

कहफ—(अ) शरण, गदा ।

कहब—(अ) बूढ़ा, बड़ा जिसको खौंसी अधिक आती हो ।

कहबा—(अ) पुश्चली, कुलटा, दुराचारिणी । खौंसने वाली ।

कहर—(अ) विपत्ति, आफत, कोप, प्रलय ।

कहरन्—(अ) बल-पूर्वक, जोर-बरी ।

कहवा—(अ) एक पेड़ के बीजों का चूरा जिसे चाय की तरह पका कर पीते हैं ।

कहरुवा—(फ) घास उठाने वाला ।

एक प्रकार का पीले रंग का

चमकदार गोंद । यदि यह गोंद कपड़े या चमड़े पर रगड़ा जाय और फिर वह कपड़ा या चमड़ा छोटे-छोटे तिनकों के पास ले जाया जाय तो वह उन्हें खींच लेगा । उसमें घास के तिनकों को खींच लेने की शक्ति उत्पन्न हो जाती है ।

कहल—(अ) अषेड़ आयु का पुरुष

कहला—(फ) " " की स्त्री ।

कहाब—(अ) खौंसी ।

कहहार—(अ) कहर डाने वाला । खुदा ।

कहीफ—(अ) सिर के ऊपर की हड्डी, खोपड़ी ।

कहालत—(फ) मुस्ती, काहिली ।

कहीन } (फ) बहुत छोटा ।

कहीना }
कहूत—(अ) पानी का आसमान से न बरसना । अनावृष्टि ।

कहूल—(अ) अषेड़, दाढ़ी में स्याह और सफेद बाल होना ।

काआन—(तु०) बुद्धिमान्, दानी तथा प्रतापी सम्राट् ।

काइफ—(अ) पद चिह्न पहचानने वाला । सामुद्रिक शास्त्री, शकुन शास्त्री ।

काक—(फ) एक प्रकार की टिकिया की तरह की रोटी ।

काफ—(फ) दुर्बल, सूखा, कमजोर

- (आदमी) । सुन्नाया हुआ मास
जिसे घी में तल कर खाते हैं । -
बहुत लम्बे कद का आदमी ।
काकरेजी—(क) गहरे नीले रंग
का, गहरा नीला रंग ।
काकलवैन—(अ) छोटी बड़ी
इलायची ।
काकला—(अ) बड़ी इलायची ।
काका—(फ) नन्हा भाई, घर का
धूँड़ा ।
काकुल—(फ) चेहरे के इधर उधर
लटकने हुए गिर के लम्बे बाल,
बोहे के झयाल । अलकें, कुल्फे,
राक पत्त, कुल्ले ।
काख—(फ) भवन, इमारत ।
काग—(फ) पत्ती विशेष, फरियाद,
जुगाली आग ।
कागज—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
पतले-पतले पतरे जो लिखने
आदि के काम आते हैं ।
कागज काला करना—अर्थ ही
कुछ लिखना ।
कागज की नाब—न टिकने वाली
चीज़, नश भगुर ।
कागजखर—(फ) हुण्डी । नोट ।
तमस्रुक ।
कागजवाद—(फ) कनकौआ ।
कागजी—(क) कागज का बना
- हुआ, कागज पर लिखा हुआ,
बिसका झिलका बहुत पतला
हो ।
कागजी घोड़े दोड़ाना—किसी
मिषय में भ्रिस्ता-पदी या पत्र
व्यवहार करना ।
काचार—(फ) घर का असभ्य ।
काज—(क) भिनगा,
काज (तु०) वस्तुत्व की ज्ञानि का
एक पक्षी,
काजगान—(तु०) तौबे की देश,
लोहे की कड़ाही ।
काजिम—(अ) झूठ बोलने वाला,
मिथ्या भाषण करने वाला,
झूठ ।
काजिम—(अ) कोष की पो जाने
वाला, गुस्सा को रोक लेने
वाला ।
काजी—(अ) मगड़ा चुकाने वाला,
निर्णायक, शासक, अधिकारी,
श्रृंखला चुकाने वाला ।
कावश } (अ) भाटने वाला,
काविश } डकड़ा करने वाला ।
काविब—(अ) लिखने वाला,
मु शी, मुद्दरिंद, लेखक ।
कातिर—(तु०) लघर ।
कातिल—(अ) बधक, हत्याए,
कत्ल करने वाला, पातक ।

काद—(फ) लोभ, लालच,
लिप्सा ।

कादिर—(अ) शक्तिशाली,
सामर्थ्यवान्, बलवान् । समर्थ,
सशक्त ।

कादिरअन्दाज—(फ) अचूक तीर
चलाने वाला ।

कादिरफलाम—(अ) वश्यवाक् ।

कादिर मुतलक—(अ) सर्वशक्ति
मान्, परमात्मा का एक
विशेषण ।

कादी } (अ) केवडा ।
काजी }

कान—(फ) खान, जहाँ से धातु
आदि निरुलती है ।

कान—(तु०) खून ।

कानअ—(अ) सन्तोषी ।

कानकन—(फ) खान खोदने वाला,
खनक ।

कानिल—(अ) नमाज में दुआ
माँगने वाला । ईश्वर भक्त,
निराश ।

कानी—(फ) खान सम्बन्धी, खान
से निकला हुआ, खनिज पदार्थ ।

कानून—(अ) नियम, धारा, कायदा,
विधान ।

कानूनद—(अ) राज नियम के
अनुसार, नियमानुकूल, विधान-

सम्मत ।

कानूनदो—(मि०) कानून जानने
वाला । राज नियमज्ञ ।

कानूनदानी—(मि०) राज-नियम
सम्बन्धी ज्ञान, कानून जानना ।

कानून पेशा—वकील आदि
कानूनी व्यवसाय करने वाला ।

कानून सुख्तस्सुलवक्त—सामयिक
विधान ।

कानून साजी—व्यवस्थापक, नियम-
निर्माण, विधान निर्माण

कानूनी—(अ) कानून का, कानून
सम्बन्धी ।

कापू—(तु०) दरवाजा ।

कापूची—(तु०) दरबान, द्वारपाल ।

काफ—(अ) एक फलित पहाड़ जो
चारों से ओर दुनिया को घेरे
हुए है । कहते हैं, यह पहाड़ हरे
पन्ने का है और इसी की भलक
से आसमान नीला जान पड़ता
है ।

काफ—(अ) बचाने, वाला । बाज
रखने वाला ।

काफता काफ—(फ) विश्व । समस्त
संसार, दुनिया के एकसिरे से
दूसरे तक ।

काफ्फा—(पु) समस्त, सब ।

काफिया—(अ) पद के अन्त का

अनुप्रास, तुक ।

काफिया तग होना—किसी काम या बातचीत में निग्रह होजाना, असमर्थ हो जाना ।

काफिर—(अ) मुसलमानों के मतानुसार नास्ति, ईश्वर को न मानने वाला, एक देश विशेष, दुष्ट, बुरा, निन्दुर, निर्दय, छिपाने वाला । अँधेरी रात । बड़ी नहर । घाटी ।

काफिराना—(प) काफिरों का बैसा ।

काफिरे नेमत—(अ) वृत्तम, गुन भेदा, उपकार को न मानने वाला ।

काफिल—(अ) जामिन ।

काफिला—(अ) साथ जानेवाले यात्रियों का समुदाय ।

काफ़ी—(अ) पर्याप्त, आवश्यकतानु रूप, क्लिप्तयत करने वाला, बुद्धिमान । हिन्दी में एक रागिनी का नाम ।

काफूर—(अ) कपूर, कर्पूर ।

काफूरी—(अ) कपूर सम्बन्धी, कपूर से बना हुआ, कपूर के रंग का ।

काय—(तु०) थाल बड़ी सरसरी । बड़ी रक्षाधी ।

काय—(क) चरमा या दर्पण रखने

का घर (केस या डिब्बा) जूआ खेलने का पाँसा । कुहनी तथा पाँव के टखने की हड्डी ।

कावक—(प) लकड़ी आदि का बना दरवा जिसमें पाले हुए वधूतर रखे जाते हैं ।

काव कौसीन—(अ) दो धनुष प्रमाण, दो धनुष की लम्बाई के बराबर ।

काव खाना—(प) जूआघर, घूत-शाला ।

काव तैन—(अ) "कश्मर" का बहुवचन, एक प्रकार का जूआ जो दो पासों से खेला जाता है ।

कावलीयत—(अ) योग्यता, पादित्य, विद्वत्ता, विशुद्धता ।

काबा—(अ) मकान, उघ, घर वगैरे मक्का शहर का एक पवित्र स्थान, जिसकी ओर मुँह पर के नमाज पढ़ते हैं ।

काबिज—(अ) गरिष्ठ, मलरोधक, कब्ज करने वाला, कब्जा रखने वाला, काम या अधिकार रखने वाला अधिवासी ।

काबिल—(अ) सुयोग्य, विद्वान्, समर्थ, आगे आने वाला, आगामी वर्ष, दण्डनीय, पसन्द किया हुआ । कबूल (स्वीकार)

करने वाला ।

काबिला—(अ) काबिल का स्त्री लिंग । दाई के अर्थ में भी आता है ।

काबिश—(अ) परेशानी । प्रपञ्च ।

कावीन—(फ) वह धन जो विवाह के समय पति पत्नी को देना स्वीकार करता है । अरबी में "महर" कहते हैं ।

काबू—(तु) बश, धृता, शक्ति, सामर्थ्य । अवसर ।

काबूस—(अ) वह स्वप्न जिसे देख कर आदमी भयभीत हो जाता है और सोते में चिह्लाता है, पर उसकी आवाज नहीं निकलती ।

काम—(फ) अभिप्राय, उद्देश्य कामना, इच्छा, तालू ।

कामगर } —(फ) सफल मनोरथ,
कामगार } जिसकी इच्छा पूरी हो गई हो । भाग्य-शाली ।

कामत—(अ) मनुष्य का आकार, कद ।

कामदार—(मि०) प्रबन्धक, व्यवस्थापक, कार्यकर्ता, कर्मचारी वह वस्तु जिस पर कढ़ाई-खुदाई आदि का काम हो रहा हो ।

काम ना काम—(फ) विवश होकर, लाचारी हालत में, असमर्थ ।

कामयाब—(फ) सफल, जिसका काम सिद्ध हो गया हो ।

कामयाबी—(फ) सफलता, कार्य की सिद्धि, उद्देश्य की पूर्ति ।

कामरान—(फ) सफल, जिसका उद्देश्य पूर्ण हो गया हो । खुश ।

कामरानी—(फ) सफलता, उद्देश्य की सिद्धि ।

कामिल—(अ) पूर्ण, पूरा, समूचा, कुल, योग्य, व्युत्पन्न, उर्दू के एक छन्द का नाम ।

कामूस—(अ) समुद्र, सागर, विश्वकोश ।

कायदा—(अ) नेता, मुखिया, सरदार ।

कायदा—(अ) नियम, प्रथा, रिवाज, पैदा ।

कायदा दा—(मि०) रीति रिवाज का जानने वाला, नियम का जानकार ।

कायन—(तु०) वर या बधू का भाई ।

कायनात—(अ) विश्व, ससार ।

कायम—(अ) स्थिर, ठहरा हुआ,

खड़ा होने वाला ।

कायम मिजाज—(अ) शान्त प्रकृति वाला, स्थिर मना, ठहरी हुई तबियत का ।

कायम मुकाम—(अ) स्थानापन्न, वह व्यक्ति जो किसी दूसरे की जगह पर काम कर रहा हो ।

कायमा—(अ) पूरा कोण ।

कायल—(अ) अपनी भूल स्वीकार कर लेने वाला । कहने वाला । दोपहर को खाने वाला ।

कार—(फ) काम, व्यवसाय, करने वाला ।

कार—(तु०) वर्ष ।

कार आजमूदा—(फ) अनुभवी, तजुबेदार, काम किये हुए ।

कार आमद—(फ) उपयोगी, काम में आने वाला ।

कारफरदा—(फ) जिसने अन्धी तरह काम किया हो, अनुभवहीन ।

कारकुन—(फ) काम करने वाला, कारिन्दा, प्रयत्नकर्ता ।

कारखाना—(फ) वह स्थान जहाँ पर कोई चीज व्यापार के लिए बनाई जाती हो, व्यवसाय, कारखाना ।

कारखास—(फ) विशेष कार्य, खास काम ।

कारखैर—(फ) भलाई का काम, शुभ कार्य । परोपकार ।

कारगर—(फ) असर करने वाला, प्रभावशाली, अन्वर्थ । काम करने वाला ।

कारगाह—(फ) कोई काम करने की जगह, मुख्यतया कपड़ा बुनने की जगह ।

कारगुजार—(फ) काम करने वाला, प्रयत्नक, कारिन्दा । कार्य वाहक एजेंट ।

कारगुजारी—(फ) काय-दक्षता, काय-पटुता, कर्तव्य-पालन ।

कारचोष—(फ) कारचोबी का काम करने वाला । लकड़ी का वह चोखटा जिस पर कपड़ा तान कर उस पर कारचोबी का काम किया जाता है ।

कारचोबी—(फ) ज़रदाज़ी यानी सोने-चाँदी के तारों और सितारों से कढ़े पर बेल-बूटे बनाना ।

कारजार—(फ) सफाई, सामुख्य, लड़ाई ।

कारतलय—(फ) घोर, बहादुर, साहसी ।

कारद—(फ) चारु, छुरी ।

कारदा—(फ) किसी काम को

अच्छी तरह जानने वाला ।
 कार्य-कुशल, कार्य दत्त ।
 कारदार—(फ) कारिन्दा, मन्त्री,
 सचिव ।
 कारनामा—(फ) किसी के कार्यों
 का वर्णन, क्रिया-कलाप, परित्र,
 करतूत ।
 कार परदाज—(फ) काम करने
 वाला, प्रधानकर्ता, कारिन्दा,
 कारकुन ।
 कार परदाजी—(फ) कार परदाज
 का काम या पद ।
 कार परमा—(फ) काम बतलाने
 वाला ।
 कार फरेमाई—(फ) बतलाए हुए
 काम को करना ।
 कारबराही—(फ) काम का पूरा
 होना ।
 कारबन्द—(फ) आशाकारी, काम
 करने वाला, किसी काम का
 पेशा करने वाला ।
 कारबार—(फ) व्यापार, व्यवसाय,
 पेशा, कामकाज ।
 कारबारी—(फ) कामकाजी,
 व्यवसाई, व्यापारी ।
 कारमन्द—(फ) नौकर, सेवक ।
 काररवाई—कार्यवाही ।
 कारवा—(फ) यात्रियों का समूह,

काफिला ।
 कारवा सराय—(फ) यात्रियों के
 ठहरने का स्थान ।
 कार शनास—(फ) काम को
 पहचानने वाला ।
 कारसाज—(फ) कार्य-सिद्ध करने
 वाला, काम बनाने वाला, काम
 सँवारने वाला, कार्यकर्ता ।
 कर्मठ । धूर्त ।
 कारसाजी—(फ) काम सँवारना,
 गुप्त कार्यवाही, चालाकी,
 कारिस्तानी । धूर्तता ।
 कारिन्दा—(फ) गुमास्ता, प्रतिनिधि,
 मुनीम । काम करने वाला ।
 कारिस्तानी—(फ) चालाकी, कार-
 साजी, कारवाई ।
 कारी—(फ) अपना पूरा असर
 करने वाला, प्रभावशाली,
 अव्यय ।
 कारी—(अ) पढा-लिखा । पढने
 वाला, वाचक ।
 कारीगर—(फ) शिल्पी, दस्तकार ।
 कारीगरी—(फ) कला-कौशल,
 शिल्प-नैपुण्य, क्रिया-कुशलता ।
 मनोहर रचना ।
 कारू—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
 एक बहुत धनी व्यक्ति जो हज़रत
 मूसा का चचेरा भाई था ।

किताबी—(अ) पुस्तक का, पुस्तक सम्बन्धी,

किताबे इलाही—(अ) मुसलमानों की धर्म पुस्तक । कुरान ।

किताब—(अ) हत्याकाण्ड, मार काट, परस्पर युद्ध करना ।

किदवा—(अ) पेशवा, नेता, बुजुर्ग, सरदार ।

किदयूर—(क) किसान, खेतीहर, माली । गाव का रईस ।

किनाना—(अ) तरफ

किनायतन—(अ) संकेत द्वारा, इशारे से ।

किनाया—संकेत, इशारा, रुदिसज्ञा ।

किनार—(तु) किनारा, कोना, ओर, पार्श्व, बगल, गले लगाना ।

किनायतन—(फ) संकेत से, अप्रत्यक्ष रीति से ।

किनारा—(फ) तट, तीर, छोर, अन्त, दाशिया, गोटा, संनाप, पार्श्व, बगल ।

किनारा कश—(फ) कुछ सम्बन्ध न रखने वाला, दूर रहने वाला, अलग बलग, निरपेक्ष ।

किनारी—(फ) कपड़ों के सिरे पर बनी हुई अथवा अलग से लगाई जाने वाली सादी या बेलबूटेदार पट्टी ।

किफायत—(अ) मितव्ययिता, कम खर्चों, थोड़े में काम चलाना, बचत, काफी (पयाप्त) होने का भाव ।

किफायतशार—(अ) मितव्ययी, सावधानी से खर्च करने वाला,

किफायती—(अ) मितव्ययी, सावधानी से खर्च करने वाला, कम खर्च करने वाला ।

किफालत—(अ) देखो “फफालत”

किबला—(अ) वह दिशा जिस ओर मुँह फरके नमाज़ पढ़ते हैं, काबा, पिता गुरु आदि पूज्य लोग ।

किबला आलम—(अ) पूज्य और बड़े के लिए सम्बोधन मुसलमान बादशाहों के लिए सम्बोधन का शब्द, भुवतारा ।

किबलागाह—(मि०) पिता आदि पूर्वोक्त के लिये सम्बोधन ।

किबलानुमा—(मि०) काबा अर्थात् पश्चिम दिशा को बताने वाला यन्त्र ।

किन्न—(अ) बढ़प्पन, बुजुर्गों, महत्ता, बढ़ाई, पुढ़ापा ।

किन्ना—(अ), ओर, तरफ, प्रकार ।

किन्निया—(अ) बढ़प्पन, महत्ता, बुजुर्गों, पुढ़ापा ।

किमाम—(अ) मुछीका ।

किन्नियायी—(अ) महत्ता, गुरुता,
बढप्पन, बुजुर्गी, बुढापा ।

किमार—(अ) वह खेल जो शर्त
लगाकर खेला जाय । जिस खेल
की हारजीत पर धन दिया जाय ।
जूआ, दूत ।

किमार खाना—(मि) जूआ घर,

किमार बाजी—(मि०) जूआ खेलना,
दूत फ्रीडा ।

किमार बाजी—(मि०) जूआ खेलने
वाला, ज्वारी ।

किमाश—(अ) प्रवृत्ति, स्वभाव,
रुचि, घर का माल असबाब,
रेशमी वस्त्र, प्रकार भौंति ।

कियासत—(अ) (१) बुद्धिमान्नी,
चतुराई ।

किरतबूस—(अ) भयकर दुर्घटना,
घोर विपत्ति ।

किरअत—सुन्दरता से पढना, विशेष
धतया कुरान पढना ।

किरतास—(अ) कागज

किरद—(फ) काम ।

किरदगार—(फ) परमात्मा । सृष्टि-
कर्त्ता, विधाता ।

किरदार—(फ) कार्य, काम, दग,
तर्ज, शैली ।

किरया—(अ) पानी से भरी हुई

मशक ।

किरघास—(मि०) देखो 'करपास'

किरम—(फ) कीटा ।

किरमक—(फ) शबेता—किरमक
शबे अफरोज़-जुगनू, खद्योत,
किरम खुर्दा—(फ) कीड़े का रसाया
हुआ, कीड़े का चाटा हुआ ।

किरमिज—(अ) एक प्रकार का
लाल रंग जिसमें कुछ 'कालापन'
भलकता है ।

किरमिजी—(अ) किरमिज के रंग
का, कुछ कलछाई लाल रंग ।

किरयात—(अ) "करया" का बहु-
वचन ।

किरा—(फ) सीमा, किनारा, हद ।

किरान—(अ) पढना ।

किरान—(अ) शुभ मुहूर्त, सुन्दर संयोग,
ग्रहों का एक राशि से दूसरी राशि
संक्रमण । समीप होना, मिलना ।

किराब—(अ) तलवार का म्यान,
निकट होना, निकटता ।

किराम—(अ) उढा दयालु, दाता,
उदार ।

किराम—(अ) हलका और चारीक
परदा, चित्रित और रंगीन परदा ।

किराया—(अ) भाडा ।

किरीन—(अ) मित्र, साथी सगी,
निकटस्थ, मिला हुआ ।

कदंगार—देखो “किरदंगार”

किर्यान्—(अ) नाम, तमैड, हवा
भरी हुई मशक वा तैरने का काम
आये ।

किलक—(फ) एक प्रकार की नर-
सल जिसकी छलम बनाते हैं,
एक तरह की सीधी, पतली, हल
की और पोली लकड़ी ।

किलान—(अ) काटने वाला, दीवाना ।

किलम—(अ) कलमे का बहुत
रचन ।

किलमाश—(त) बेहूदा, बेदगा ।

किला—(अ) दुर्ग, गढ़ । बादल
का दुम्का ।

किलेश्वर—(फ) दुर्गाध्यक्ष, गढ़-
पति ।

किल्लत—(अ) न्यूनता, कमी
अभाव, दिक्कत, कठनाई ।

किल्ला—(अ) महदरी । मन्दिर-
दानी ।

किबाम—(अ) अवलोक चटनी ।
मूल पदार्थ, वास्तविकता ।
संगठन, शोभा, स्थिति ।
अवशिष्ट, अभी रहना ।

किशमिश—(फ) इस नाम से
प्रसिद्ध मेवा, मुनाई हुई छाटी
दाते ।

किशमिरी—(फ) किशमिश का

रंग का, किशमिश सम्बन्धी,
जिसमें किशमिश पड़ी हो ।

किश्त—(अ) शतरंज के खेल में
बादशाह का उस घर में होना
जिसमें यदि दूसरा मुद्रा हो तो
मिट जाय । पड़ना, शर, सेती ।

किश्तखार—(फ) पेत,

किरती—(फ) नौका, नाव, एक
प्रकार की बड़ी घाली, प्याला
शराब का ।

किरतीवान—(फ) मल्लाह, कैवट,
नावचलाने वाला ।

किश्वर—(फ) देश, मुल्क ।

किश्वर सतानी—(फ) देश का
जीतना ।

किसरा—(अ) ईरान के बादशाहों
की उपाधि ।

किसवत—(अ) वह धेनी जिसमें
नाई अपने कैंची-उत्तर आदि
आजारा रखता है । पहनने के
कपड़े ।

किसस—(अ) “किष्ठा” का
बहु वचन, पशुनियों ।

किस्म—(अ) भेद, प्रकार, तरह,
भाँति, चाल, दंग, तर्ज, विधि ।

किस्मत—(अ) भाग्य, प्रारब्ध,
कमिस्मरी । विगता ।

किस्त—(अ) अ राजा भाग, दिक्का,

- टुकड़ा, खंड । थोड़ा-थोड़ा ।
 करके देना ।
- किस्तबन्दी—(फ) ऋण को कई भागों में चुकाना । टुकड़े टुकड़े कर के देना ।
- किसा—(अ) चादर, कमली ।
- किसावत—(अ) क्रूर हृदय, कठोर दिल का ।
- किस्मत आजमाई—(मि०) भाग्य परीक्षा ।
- किस्मतवर—(मि०) भाग्यवान्, सौभाग्यशाली ।
- किस्सा—(अ) कथा, कहानी, भगड़ा, तकरार, काण्ड ।
- किस्सा कोताह—(म०) सक्षेप में यह कि, भाव यह कि ।
- किस्सा खवाँ—(मि०) किस्से सुनाने वाला, कहानिया कहने वाला ।
- कीना—(फ) बैर, मन-मुटाव, मनो-मालिन्य ।
- कीनाकश—(फ) बैरी, मनमें मैल रखने वाला ।
- कीनाघर—(फ) कीना रखने वाला ।
- कीफ—(अ) टीन आदि की बनी वह चोगी जिसके द्वारा किसी बोतल या छोटे मुँह के बरतन में तेल आदि भरते हैं, फूल ।
- कीमत—(अ) मूल्य, प्रतिष्ठा, गौरव ।
- कीमती—(अ) मूल्यवान्, बहुमूल्य, अधिक दामों का ।
- कीमा—(अ) कूटा हुआ
- कीमाक—(तु) दूध की मलाई ।
- कीमाज—(तु) सेविका, टहलनी ।
- कीमिया—(अ) रसायन,
- कीमियागर—(मि०) रसायन बनाने वाला, रसायन शास्त्री । धूर्त, मक्कार ।
- कीमुख्त—(फ) घोड़े या गधे की पाल को रग कर बनाया गया एक प्रकार का खूबसूरत चमड़ा ।
- कीरात—(अ) चार जों की तोल के बराबर का परिमाण ।
- कील—(अ) बातचीत, वार्ता ।
- कीलो काल—(अ) बहस, ननुनच, बातचोत, विवाद,
- कीसा—(अ) थैली, जेब, खीसा ।
- कुज—(फ) कोना, किनारा ।
- कुजद—(फ) तिल जिसका तेल निकालते हैं ।
- कुजारा—(फ) तिल, सरसों का । अलसी आदि की खली ।
- कुजिशक—(फ) पत्नी विशेष ।
- कुजफा—(अ) कगूरा ।
- कुजा—(फ) किस जगह, कहाँ ।

कुजह—(अ) रंग-विंग [पीली,
लाल, हरीलकीरी वाला ।

कुतका—(तु) मोटा और बड़ा डंडा ।

कुतवा—(अ) लेख ।

तथाकप्र—समाधि-लेख ।

कुतल—(फ) टीला ।

कुतुब—(ख) नदशाह, सरदार
नायक, लोहे की कीली जिस पर
चकी घूमती है, ध्रुवतारा । ध्रुव
(उत्तरी दक्षिणी)

कुतुब—(अ) “किताब” का बहु
वचन । पुस्तकें ।

कुतुब खाना—(मि०) पुस्तकालय ।

कुतुब नुमा—(मि०) उत्तर दक्षिण
दिशाएँ पताने वाला यन्त्र ।
दिग्दर्शक यन्त्र ।

कुतुब फरोश—(मि०) पुस्तक
विक्रेता, किताबें बेचने वाला ।

कुतर—(अ) व्यास, दूत के क्षेत्र
पर हाकर परिगिया तक खींची
गई सीत रेखा । किसी चीज
का किनारा ।

कुन्त—(अ) नई ।

कुदमा—(अ) “क्रीम” का बहु
वचन, अगल लोग, प्राचीन
व्यक्ति या यन्त्र ।

कुदरत—(अ) शक्ति, माया, प्रकृति,
स्वभाव । इशरीय शक्ति ।

कुदरती—(अ) स्वभाविक, अपने
आप होने वाला, प्राकृतिक,
देवी, इशरीय ।

कुदस—(अ) पवित्र, पाक । अरब के
एक पहाड़ का नाम ।

कुदसियाँ—(फ) परिश्रुते, पवित्र
आत्मा, श्रीलिया ।

कुदसी—(अ) पवित्र, पाक, परिश्रुता,
देवदूत ।

कुदसी—(अ) पवित्र, पाक, परिश्रुता,
देवदूत ।

कुदूम—(अ) “कदम” का बहु-
वचन, वापस आना । प्रत्या
वर्त्तन ।

कुदाम—(अ) पुराना, प्राचीन,
नदशाह ।

कुदूरत—(फ) मन की मलिनता,
गल्लापन ।

कुदामे—(अ) यात्रा अथवा
किसी जगह से आने वाले लोग,
आगे, सामने ।

कुददूस—(अ) पवित्र, शुद्ध, पाक ।

कुन—(अ) हा, होजा, खुदा की सृष्टि
उत्पत्ति करने निम्नय खुदा की
आज्ञा का सक्कत ।

कुनकिमान—(अ) सृष्टि ।

कुनह—(फ) शरीर की सुन्दरता, सफ्य,
छाद, तत्व । शेष, पुराना धेर ।

कुनार—(तु) बेर, फल ।

कुनाम—(अ) चरागाह, चरभूमि,
घोंसला, भौंक ।

कुनासा—(अ) कूड़ा-करकट ।

कुनूअ—(अ) सन्तुष्ट होना, सन्न करना ।

कुनूत—(अ) निराश, नाउम्मेद,
मनमुटाव ।

कुन्द—(फ) मोटा, भौंयरा, कुठित,
मन्द, स्तब्ध ।

कुन्द आबर—(फ) बुद्धिमान्, बल
वान ।

कुन्द जहन—(फ) मन्द या मोटी
बुद्धि वाला ।

कुन्द पीर—(फ) अतिवृद्ध स्त्री ।

कुन्दा—(फ) लकड़ी का मोटा और
बिना चीरा हुआ टुकड़ा, लकड़ी
का चोटा, लकड़ी की बनी मोंगरी
जिससे कपड़ों पर कुन्दी की जाती
है, बन्दूक का पिछला भाग जो
लकड़ी का बना होता है । लोहे
की वह गोल छल्लादार कील
जिसमें सॉकल लगाई जाती है ।
वह लकड़ी जिसमें अपराधी के
पैर पाँसे जाते हैं ।

कुन्दपनातराश—(फ) पूरा गँवार,
निरा मूल, अनघड़, ठूठ ।

कुन्ना—(अ) दरवाजे का छज्जा,
सायवान ।

कुन्नियत—(अ) कुल या वंश का
नाम, गोत्र, श्रृंखला, उपाधि, उस
वंश का नाम जिससे नाम वाले
वंश का भी ज्ञान हो जाय ।

कुफनुस—(अ) एक पक्षी विशेष ।

कुफूर—(अ) कृतभिता ।

कुफ्फार—(अ) “काफिर” का बहु
उचन ।

कुफ्फारा—(अ) प्रायश्चित्त ।

कुफ़—(अ) मुसलमानी मजहब के
प्रतिकूल आचरण, एक ईश्वर
को न मान अनेक देवताओं
में विश्वास करना, नास्तिकता ।

कुफल—(अ) ताला ।

कुचूल—(अ) दे- “कचूल” ।

कुबह—(अ) बुराई, दोष ।

कुम—(अ) उठ सड़ा होगा ।

कुमक—(तु) मदद, सहायता, लबाई
में सहायता ।

कुमकमा—(अ) मोम या लाख के
बने हुए छोटे खोखले गोले,
जिनमें रंग भर कर होली के
अवसर पर एक दूसरे के मारते
हैं । काँच के बने छोटे-छोटे पोले
गोले । एक छोटे मुँह का
लोटा ।

कुमल—(अ) जूँ, जुआँ ।

कुमामा—(श्र) कूडा-करफट ।

क्रमरी—(श्र) एक पत्ती विशेष,
पंहुन ।

कुम्मा—(तु) दासी, सेरिका ।

कुमेज—(क) मूत्र, पेशाब ।

कुम्मेत—(श्र) कलछौंछे लाल रंग
का घोड़ा, घोड़े का लाली रंग ।

कुरआ—(श्र) “कुरआ” का बहुत
यवन, पोंसे ।

कुरआ—(श्र) जूआ खेलने अथवा
रमल पैंगने के पोंसे । किसी
विवाद को निर्णय करने के लिए
उठाई जाने वाली गोलियाँ ।

कुरआन—(श्र) मुसलमानों की
प्रसिद्ध धार्मिक पुस्तक ।

कुरक्री—(श्र) किसी चीज का आय
दाद या बर्ज़ या जुमाने के बदले
में जन्म किया जाना ।

कुरदक़—(फा) शक्ति-सम्पन्न, पहल
वान ।

कुरनास—(श्र) पदाङ की चोटी ।

कुरय—(श्र) निकट, समीर, आस
पास ।

कुर्य ज़पार—आस-पास ।

कुरयव—(श्र) समीरता, पास होना,
नज़दीकी ।

कुरयान—(श्र) ईराक़ के निमित्त
त्यागा हुआ, बलिदान, निष्ठावर ।

कुरवान जाना—निष्ठावर होना,
बलि जाना ।

कुरवानगाह—(मि०) कुरवानी करने
का स्थान, बलि-वेदी ।

कुरवानी—(श्र) इश्वर के नाम पर
त्याग, बलिदान ।

कुरसी—(श्र) बैठने की कुर्सी । यह
चबूतरा जिस पर मकान बनाया
गया हो । पुस्त, पीपी, चौकी,
आठवाँ आसमान ।

कुरसी नामा—(मि०) वशहूत,
शजरा ।

कुरहा (श्र) प्रिकृत घाव । सड़ा
हुआ घाव ।

कुरा (फ) कोड़ा, चाबुक, घोड़े या
गाधे का बन्वा ।

कुरान (श्र) मुसलमानों का धर्म
ग्रन्थ, कुरआन ।

कुराज—(फ) चेतल, शशी ।

कुरामा—(श्र) कुरान ।

कुरोज़—(फ) पक्षियों के पुराने पर
झड़कर नष्ट निरालना ।

कुरैस—(श्र) यह पंथ जिसमें मुहम्मद
सादक पैदा हुए थे ।

कुरैशी—(श्र) कुरैश पंथ में पैदा
होने वाला ।

कुर्क—(गु) रोकना, निबध करना,
देखभाल रखना, शृण्व या

जुमानि के बदले में रोक लिया

गया माल असबाब ।

कुर्फी—(अ) देखो 'कुरफी'

कुब - देखो 'कुरज' ।

कुर्बो जवार—(फ) आस पास के प्रदेश या स्थान, निकटवर्ती ।

कुर—(अ) सरदी का मौसम, शीत ऋतु, जाड़ा ।

कुर ए-अज—(अ) भूमडल, भूगोल, पृथिवी ।

कुरत—(फ) प्रसन्नता, आनन्द, खुशी
कुरत उल ऐन—(फ) अँलें ठडी होना, नेत्रों की प्रसन्नता ।

कुरम—(तु) वेश्याओं का दलाल, भडुआ, अपनी पत्नी से व्यभिचार कराने वाला ।

कुरा—(अ) इश्वर भक्त, पवित्र ।

कुरा—(अ) गेंद की तरह गोल चीज़, गेंद, चैन, मडल ।

कुर्स—(अ) टिकिया, गोली ।

कुलंग—(फ) सारस की बाति एक पत्नी, बैठ पावड़ा ।

कुलकतार—(फ) फिटकरी ।

कुलकान—(फ) ढाल ।

कुलकास—(अ) अरबी, घुईया ।

कुल—(अ) सभ, समस्त, सम्पूर्ण ।

कुलचाक—(तु) लोहे का दस्ताना ।

कुलजमा—केवल मात्र, सब मिला

कर ।

कुलचा—(फ) एक प्रकार की मिठाई, एक तरह की छोटी रोटी ।

कुलज—(अ) अर्थों का दर्द ।

कुलजम—(अ) अरब की साड़ी, रुम सागर ।

कुलफत—(अ) कष्ट, शोक, दुःख, विपत्ति, चिन्ता, कड़ापन, मलिनता ।

कुलफा—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध पत्तियों का शाक ।

कुलफी—(अ) टीन या मिट्टी के घने गिलास के आकार के छोटे-छोटे बर्तन जिनमें दूध आदि भर कर बरफ जमाते हैं ।
कुलफी में जमाया हुआ कोई पदार्थ ।

कुलमुख्तार—(फ) सब बातों का पूर्ण अधिकार प्राप्त व्यक्ति ।

कुलह—(फ) टोपी, मुकुट, ताज ।

कुलाँच—(फ) कुदान, छल्लांग ।

कुलागा—(अ) लोहे की एक छल्ला-दार वील जो किवाड़ में डालकर चौखट के गज्ज में ठोक दी जाती है । बम्बे आदि में से पानी निकालने की पटी हुई गोरी जिसके रास्ते पानी निकलकर

नालियों में जाता है ।

कुलाल—(१) मिट्टी के बरतन बनाने वाला, कुम्हार ।

कुलाह—(१) देगो 'कुलह' ।

कुली—(३) सेवक, गुलाम, टरलुआ, मोह उठाने वाला, मजदूर ।

कुलूप—(१) मिट्टी का डेला ।

कुलूक अदाज—(१) गोपन में रख कर पथर या डेला मारने वाला

कुलना—(१) भूमि जातने का यन्त्र, हल ।

कुल्ला—(३) अधिकारमय छोटा सा घर ।

कुल्ला रानी—(१) हल चलाना, भूमि जोतना ।

कुल्ला—(१) सव, समस्त ।

कुल्लहुम—(१) सव, उन, समस्त, सम्पूर्ण ।

कुल्ला—(१) पहाड़ की चाटी, प्रत्येक पत्थर का ऊपरी भाग, मनुष्य के सिर के बाल ।

कुल्लिया—(१) पूर्ण रूप से, पूर्ण तमा, पूर्णतः ।

कुल्लियात—(१) समस्त, सव, किसी प्रत्येक अथवा परि की समस्त रखाओं का समस्त ।

कुल्लो—(१) सव, कुल, पूरा, व्यक्तियों का समूह, समष्टि ।

कुषा—(१) "कुवत" का बहुवचन शक्ति, बल निम्न ।

कुवत—(१) बल, शक्ति, ताकत ।

कुशाअरीरा—(१) रोमाञ्च हो जाना ।

कुशाद—(१) नीग ।

कुशा—(१) फैलाने वाला, गोलने वाला, प्रसन्न करने वाला, दूर करने वाला, सुनमाने वाला ।

कुशादगी—(१) विशालता, विस्तार, उदारता ।

कुशादनामा—(१) राजा की आश, तलाक नामा । मुक्ति-यत्र ।

कुशादा—(१) खुला हुआ, विधृत, लम्बा-चाड़ा, अलग अलग ।

कुशादानफम—(१) बहुत धोलने वाला, गानदुक ।

कुशुफ—(१) पदा उठा देना, निरावरण करता ।

कुस्त—(१) मार डालना, कत्ल करना ।

कुस्ता—(१) मारा हुआ, कत्ल किया हुआ, निहत, पातुओं की भग्म जो दया के काम आती है, प्रेमी, आशिष्ठ ।

कुस्ती-कुस्ती—(१) इम्द युद्ध, दो आदमियों का एक दूसरे को

- गिराने के लिए परस्पर भिडना ।
 कुशोखून—(फ) मारकाट, हत्या
 काण्ड ।
 कुस—(फ) स्त्रियाँ नी जननेन्द्रिय
 भग, योनि ।
 कुसुध—(अ) बालू के टीले ।
 कुसूफ—(अ) संकट में पड़ा हुआ,
 दुर्दशा ग्रस्त, ग्रहण विशेष कर
 सूर्य-ग्रहण ।
 कुसूर—(फ) “कसर” का बहुवचन,
 दोष, अपराध, कमी ।
 कुस्तास—(अ) बड़ी तगजू ‘तक’ ।
 कुह—(अ) सादा, शुद्ध, कच्चा
 खरबूजा ।
 कुह—(फ) कोह का सन्नेप, पहाड़ ।
 कुहन—(फ) पुराना, पुरातन, प्राचीन
 कुहनबाश } (फ) आदि निवासी ।
 कुहनबूद }
 कुहना—(फ) पुराना, प्राचीन, पुरा
 तन ।
 कुहना सवार—(फ) शह सवार,
 पुराना चढ़ैत, खलीफा
 पहलवान ।
 कुहराम—(अ) रोना पीटना, हाथ
 तावा, विलाप, हलचल ।
 कुहल—(अ) दुर्भिक्ष की साल,
 अकाल का वर्ष, सुरमा लगाना,
 श्रॉल में सुरमा लगाना ।
- कुहली—(अ) सुरमई रंग, काला
 कपड़ा ।
 कुहाल—(अ) चक्षु-चिकित्सक,
 सुरमा लगाने वाला ।
 कुहन्द—(फ) सर्राफ, गजानची ।
 कू—(फ) गली, कूचा, घर, मुहल्ला ।
 कूए—(फ) गली-कूचा ।
 कूए जाना—(फ) माशूक की गली ।
 कूक—(फ) ऊँची और सुरली
 आवाज़, काहू के बीज ।
 कूच—(फ) प्रस्थान, यात्रा,
 खानगी ।
 कूच कर जाना—भर जाना । होश
 हवास आते रहना ।
 कूच बोलना—चल पड़ना ।
 कूचा—(फ) गली, छोटा रास्ता ।
 कूचा खमोशान—(फ) कश्मिरस्तान ।
 कूचागर्द—(फ) गलियों में मारा-
 मारा फिरने वाला, आवाग,
 निठल्ला ।
 कूचानौ—(त) वेश्याव्रा का
 महल्ला ।
 कूचावन्द—(फ) वह गली जिसके
 दोनों निकासों पर फाटक लगे
 हों ।
 कूचा सलामत—(फ) टेढ़ा-तिरछा
 मार्ग जिसमें कि आड़ में बैरी से
 बचकर सिपाही अपने किले में

पहुँच सकें ।

कूज—(फ) धक्का, टेढ़ा,

कूज पुश्त—(फ) टेढ़ी कमर वाला,
कुम्हा ।

कूजा—(फ)—मिट्टी का बना पानी
मरने का बर्तन, मटकी, मट का,
सुराही, कुल्लड। किसी गोल बर्तन
में जमाई हुई मिसरी का गोला ।

कूदक—(फ) लड़का, बच्चा

कून—(फ) गुदा, मल त्यागने की
इंद्रिय ।

कूब—(फ) कूटना ।

कूबकू—(फ) गली गली, दर-दर,
घर घर ।

कूर—(फ) अन्धा, नेत्र निहीन

कूर चरम—(फ) एक प्रकार का
फपड़ा ।

कूरमा—(तु०) भुना हुआ मांस ।

कूलिज—(मू) एक प्रकार का पेट
का दर्द

कूबत—(अ) उल, शक्ति सामर्थ्य ।

कूबते जाजिबा—(अ) आकर्षण
शक्ति, खींचने की ताकत ।

केर—(फ) पुरुष की मूर्धेन्द्रिय, लिंग ।

केश—(फ) स्वभाव, टेढ़, भव, सम्प्र-
दाय, तरक्कस । एक पशु और
नगर का नाम

केसा—(फ) येली ।

कै—(अ) उबकाइयाँ, वमन, उलटी ।

कै खुशरो—(फ) एक प्रसिद्ध बाद
शाह का नाम ।

कैची } (तु) कतगने का औजार
कैची } कतरनो ।

कैतून—(अ) कपड़ों पर टॉकने की
सुनहरी या रूपहली पतली पट्टी ।

कैद—(अ) बन्धन, प्रतिग्रह, श्रव
रोध, बन्द रखना, कारावास ।

कैदखाना—(मि०) जेलखाना,
गन्दीगृह ।

कैद तनहाई—(अ) एकान्त वा
वास, काल मोठरी, सैल ।

कैद महज—(अ) अपरिश्रम वा
वास

कैद सख्त—(अ) कड़ी सज़ा,
सपरिश्रम कारावास ।

कैदी—(फ) बंधुआ, बन्दी ।

कैफ़—(अ) यथोक्त, एक प्रकार का
मादक पदार्थ, मादकता नशा,
मस्ती, तरंग ।

कैफ़ दान—(फ) नशीली चीज़ें
रखने की दिविया ।

कैफियत—(अ) हाल । विवरण ।

कैफियत अगोज़—(मि०) मनो
मोहक, आनन्दोत्सादक, रसाली,
सुरीली ।

कैकोकम—(मि०) ; कैसा और

कितना ।

कैमूस—(अ) शरीर के भीतर, खाए हुए पदार्थों का बनने वाला रस ।

कैरात—(अ) देखो “कीरात” ।
चार जौ की तोल के बराबर का परिमाण ।

कैरूरी—(अ) मोम रोगन ।

कैवान—(अ) सातवाँ आसमान जहाँ पर शनिग्रह रहता है, शनि ग्रह ।

कैस—(अ) लैला का प्रेमी ।
मजनूँ ।

कैसर—(अ) बादशाह, सम्राट्,
रोम के बादशाह की उपाधि ।

कोकलताश—(तु) एक ही घाय का दूध पीने वाले दो बच्चे, दूध भाई । कोका भाई ।

कोका—(फ) एक घाय का दूध पीने वाले दो बालक, दूध भाई ।

कोचक—(फ) छोटा ।

कोचक दिली—(फ) साहस हीनता ।
कोमल हृदयता ।

कोतर—(फ) कबूतर ।

कोतल—(तु) मास सवारी का घोड़ा, वह घोड़ा जो जरूरत के वक्त के लिए खाली साथ रक्खा जाता है, जुलूसी घोड़ा जिसे केवल

शोभा के लिये सजाकर जुलूस के साथ रखते हैं ।

कोतवाल—(फ) पुलिस महकमे का एक अफसर, कोटपाल, नगर-प्रबन्धक,

कोताह—(फ) संकुचित, छोटा, कम ।

कोताह अन्देश—(फ) अदूरदर्शी ।

कोताह अन्देशी—(फ) अदूर-दर्शिता ।

कोताहगर्दन—(फ) छोटी गर्दन वाला, धूर्त, धोखेबाज ।

कोताह नज़र—(फ) संकुचित दृष्टि वाला, अनुदार हृदय का ।

कोताह बीन—(फ) अदूरदर्शी, दूर की बात न सोचने वाला ।

कोताही—(फ) कमी, सफीर्णता, छोटाई ।

केन—(अ) हो जाना, ससार, सृष्टि, विश्व, जगत् ।

केना फिसाद—(फ) होकर मिट जाना ।

केनामका—(मि०) ज़मीन और आसमान ।

कोप्ता—(फ) दुख, फट, पीड़ा, रोग ।

कोप्ता—(फ) कुचला हुआ, कूटा हुआ मांस, कूटे हुए मांस को-

खुजूर—(अ) सबजिया ।

खजी—(अ) अपमानित, तिरस्कृत,
निराहत ।

खजिर—(अ) हरी टहनी ।

खजीना—(अ) कोष, खजाना ।

खजीर (अ) अत्यंत चाहा हुआ ।
खूब प्रसन्न ।

खजीर—(अ) रगीन, रगा हुआ,
खिनाव किया हुआ ।

खत—(अ) चिट्ठा रेखा, हजामत,
ढाढी के बाल ।

खतन—(अ) दामाद ।

खतना—(अ) सुन्नत, मुसलमानी ।
मुसलमानों में प्रचलित
पुरुषेन्द्रिय के आगे का चमड़ा
काटने की प्रथा ।

खतब—(अ) कठिन काम, दुःसाध्य
कार्य ।

खतम—(अ) समाप्त, सम्पूर्ण मुहर
की हुई चीज ।

खतर—(अ) आपत्ति, डर, भय ।
बड़प्पन ।

खतर नाक—(अ) डरावना, भया
नक, भीषण ।

खतरा—(अ) सकट, आशका, डर,
खौफ ।

खता—(अ) अपराध, दोष, कसूर ।
धोला

खता—(फ) तुर्किस्तान, चीन और
तुरान के मध्यवर्ती एक नगर
का नाम ।

खताई—(अ) खता नगर का रहने
वाला, खता नगर सम्बन्धी कोई
चज ।

खतीब—(अ) खुतबा पढ़ने वाला,
अभिभाषण देने वाला । लोगों
का सम्बोधन करके कुछ कहने
वाला ।

खतीर—(अ) बुजुर्ग, बड़ा ।

खतुफ—(अ) बिजली की चमक ।
चक्काचंध ।

खते इस्तिबा—(अ) भूमध्य रेखा ।

खतेजदी—(अ) मकर रेखा ।

खते नकशा—(अ) अक्षी लिपि फों
लेखन शैली ।

खते नस्तालीक—(अ) साफ और
सुन्दर लिखाई ।

खते मुतवाजी—(अ) समानान्तर
रेखा ।

खते मुमास—(अ) सम्पात रेखा ।

खते मुस्तकीम—(अ) सीधी लकीर,
सरल रेखा ।

खते मुस्तदीर—(अ) गाल रेखा,
धृच

- खतेराह—(फ) यात्रा का आजा
पत्र । पासपोर्ट ।
- खते शिक्ता—(मि०) खराब और
दबीट लिखाई ।
- खते सरतान—(अ) कर्त रेखा ।
- खतो कि नायब—(अ) पत्र-व्यवहार
- खत्म—(अ) समाप्त, पूरा, मुहर की
हुई चीज, सीलमन्द ।
- खतर—(अ) धोखा देने वाला ।
- खदम—(अ) नौकर चाकर । 'ग्वेदिम'
का बहुवचन ।
- खदशा—(अ) आशका, डर ।
खराश, खरौंच ।
- खदीज—(अ) प्रसव की नियत
अवधि से पूर्व उत्पन्न हुआ
सर्वांग सम्पन्न बालक ।
- खदीजा—(अ) मुहम्मद साहब की
पहली पत्नी का नाम ।
- खदीब—(अ) मिस्र के बादशाहों
की उपाधि, खुदावन्द, मालिक ।
- खदग—(फ) तीर, एक वृक्ष का नाम
जिसकी लकड़ी से तीर बनाए
जाते हैं,
- खद—(अ) चहरा, गाल ।
- खनमा—(फ) घर का अस्मात्र ।
- खनाजीर—(अ) कण्डमाला, गन्ध
गण्ड, गण्डमाला ।
- खनादिक—(अ) "खन्दक" का बहु
(१०६)
- वचन । खाइयों ।
- खना फिस—(अ) गुबरीले कीड़े ।
'खुनफसाय' का बहु वचन ।
- खनीदा—(फ) पसन्द की गई ।
- खन्दक—(अ) खाई, शहर या किले
के चारों ओर बना हुआ गहरा
गड्ढा ।
- खन्दो—(फ) हँसता हुआ, प्रफुल्ल,
हसी, हास्य ।
- खन्दोजन—(फ) हँसता हुआ ।
- खन्दा जमीन—(फ) हरियाली होना
और फूल बिलना ।
- खन्दो जाम—(फ) आनन्द, शराब
का ध्याला ।
- खन्दो जेरलब—(फ) मुत्कयना ।
- खन्दा पेशानी—(फ) प्रसन्न मुख,
हँसमुख ।
- खन्दोरु—(फ) खन्दापेशानी, हँस
मुख ।
- खन्दी—(फ) कुलटा, दुश्चरित्रा,
दुराचारिणी ।
- खरकान—(अ) हौलादिली, दिल
की घड़कन का रोग । पागल-
पन ।
- खफगी—(फ) नाराजगी, अप्रसन्नता,
क्रोध, य.प, गला धुटना ।
- खफा—(अ) अप्रसन्न, नाराज,
अप्रसन्न, रुष्ट, क्रुद्ध । छिपाव,

दुराव ।

खफी—(अ) गुप्त, छिपा हुआ ।

खफीफ—(अ) हल्का थोड़ा ।
सामान्य ।

खफीफा—(अ) एक दीनानी अदा
लत जिसमें छोटे मुकदमे तय
होते हैं ।

खफीर—(अ) लजाजनक । सन्देश
वाहक, निरीक्षक ।

खफर्यात—(अ) छिपे हुए मेद ।

खफाश—(अ) चमगादड़ ।

खबर—(अ) सूचना, सन्देश, सुधि,
ज्ञान, होश, पता ।

खबर लेना—मदद देना, दखल
देना ।

खबरगीर—(मि०) खबर सुधि
रखने वाला, संरक्षक, चौकीदार ।

खबरदार—(फ) सावधान, सचेत,
सतर्क ।

खबरदारी—(फ) होशियारी,
सावधानी, सतर्कता ।

खबररस्ता—(फ) सन्देश-वाहक,
खबर लेजाने वाला ।

खबस—(अ) अशुभ, उरा, भद्दा,
मनियता ।

खबा—(अ) छिपाना । मेद ।
पास ।

खबात (अ) पागलपन, दीवानगी ।

खबी—(अ) गुप्त । छिपा
हुआ ।

खबीर—(अ) परिचित, जानकार,
बुद्धिमान् ।

खबीस—(अ) कृपण, दुष्ट प्रकृति,
अपरिग्रह ।

खब्त—(अ) विद्विषता, पागलपन,
मक्क, सनक ।

खबती—(अ) पागल, विद्विष,
सनकी, भक्की ।

खब्व—(अ) धूर्त ।

खब्बाज—(फ) रोटी पकाने वाला,
बायरची ।

खम—(फ) टेढ़ापन, झुकाव ।

खमखाना (अ) टेढ़ा हो जाना,
मुड़जाना, झुकना, पराजित
होना ।

खम ठोकना—कुरती लड़ने के
लिए भुज-दरवा पर हाथ
मारना, ताल ठोकना, मुकाबले
में आना ।

खम दर खम—(फ) पेंच में पेंच ।

खमदार—(मि०) दबा, झुका
हुआ ।

खमियाजा—(फ) अँगड़ाई, जम्हाई
फुल । कुपरिणाम, परिणाम ।

खमीदा—(फ) झुका हुआ,
खमदार । कुबड़ा ।

खमीर—(अ) गूँघा हुआ सड़ा
आटा जिसके डालने से और
आटा भी फूल जाता है। पीने
के तमाखू में डालने का द्रव्य
विशेष । प्रकृति, स्वभाव,
भाया ।

खमीरा—(अ) ओपधियों का बना
गाढ़ा शरबत । एक प्रकार
का पीने का तमाखू जो खमीर
डाल कर बनाया जाता है ।

खमीरी—(अ) खमीर से बना
हुआ । खमीर मग्नन्धी ।

खमोचम—(फ) इतराना । भाव
भगी । अदा । नाज़ नगरा ।

खमोश—(फ) चुप, मौन ।

खमोशी—(फ) चुप्पी, मोन-
साधन ।

खम्र—(अ) शराब, मदिरा ।

खम्मार—(अ) शराब बनाने और
बेचने वाला ।

खम्सा—(अ) पाँच वस्तुएँ,
पञ्चक ।

खयात—(अ) सूई । सुइ-धागा ।

खयातत—(अ) कपड़ा सीना,
दरजी का काम ।

खयानत—(अ) धरोहर में से चोरी
करना, फरेब, बेईमानी ।

खयायान—(फ) बाग, चमन,

क्यारी ।

खयाम—(अ) “खेमा (डिरा)” का
बहुवचन, बहुत से खेमे ।

खयार—(अ) सीरा फल ।
ग्रधिकार । स्वीकार करना ।
मद्र पुरुष ।

खयारक—(फ) बंद फोड़ा जो राग
में होता है ।

खयार शबर—(अ) अमलतास
का वृक्ष ।

खयारैन—(अ) ककड़ी या खरबूजों
के बीज ।

खयाल—(अ) विचार, ध्यान,
मनोवृत्ति, एक प्रकार का
गाना ।

खयालात—(अ) “खयाल” का
ग्रहुवचन ।

खयाली—(अ) कल्पित, विचार
मात्र का ।

खयालेबुता—(अ) माशूक की याद ।

खय्यार—(अ) बहुत भला
आदमी ।

खय्यात—(अ) दर्जी । सुई से
काम करने वाला ।

खय्याच—(अ) निराश, श्रमगा ।

खय्याम—(अ) खेमे बनाने या
गाड़ने वाला । उद्दू के एक
प्रसिद्ध कवि का नाम ।

खर—(फ) गधा, मूर्ख ।
 खरकमान—(फ) बहुत बड़ी और
 सख्त कमान ।
 खरकस—(फ) मूर्ख, अज्ञान,
 अज्ञ ।
 खरखशा—(फ) आशका भगड़ा,
 इत्तेड़ा । विवाद । बेमौके
 लड़ना ।
 खरगाह—(फ) मेना, डेरा, ठगू ।
 आराम की घाट ।
 खरगोश—(फ) खरहा, शरकर ।
 ज्योतिष में फर्क राशि ।
 खरच—(फ) व्यय, खपत, सरफा ।
 खरचा—(फ) खरच, व्यय ।
 खरचग—(फ) चकड़ा राशि ।
 खरजन—(फ) चाबुक, कोड़ा ।
 खरतूम—(अ) हाथी की सूँड ।
 खरदल—(फ) राइ ।
 खरदिल—(फ) डरलोक, फायर ।
 खरदिमाग—(फ) मूर्ख, बेवक्फ,
 गधों की सी अज्ञान वाला ।
 खरनम—(फ) कामुक, व्यभिचारी,
 लम्पट ।
 खरपुरता—(फ) कँचा टोला ।
 खरब—(अ) बीरान, उजाड़ ।
 खरबत—(अ) गन्ध । मृग
 मनुष्य ।

खरबुजा } (फ) इस नाम से शक्ति
 एक गोन फल ।
 खरबूजा } खरबूजा ।
 खरमस्त—(फ) उद्दण्ड, खेचू
 चारी, उच्छल, मगर ।
 खरमोहरा—(फ) कोडी, कारिगा,
 धोना, शस्त्र ।
 खरस—(अ) मटका ।
 खरसग—(फ) बड़ा पत्थर ।
 खराब—(अ) राजस्व, राश्व,
 भूमि-कर ।
 खराद—(फ) लकड़ी या शा
 की बनी चीजों को साफ और
 सु तैल करने का यंत्र ।
 खराब—(अ) बुग, निष्ठुर, मगर
 भ्रष्ट, पतित । मन्द, फाँस ।
 खराब व खस्ता—दुर्दशा प्रस
 वरवाद ।
 खराबा—(फ) संहार, निष्ठुर
 उबाड़, बरवादो ।
 खराबात—(फ) मरिगलप, दु
 - घर ।
 खराबाती—(फ) शराबी, ज्वाती ।
 खराबी—(अ) अवगुण, *
 ऐव, दुर्दशा । मस्ती ।
 खरामद—(अ) कुमारी, अतिरिक्त
 खराश—(फ) छिन जाना, छुट

खर्गच, धाव । छीलना ।

खरास—(फ) आटा पीसने की बड़ी चक्की जो बैच, ऊँट या इजन की शक्ति से चलती हो । कोल्हू ।

खरीता—(अ) राजा महाराजाओं के पत्र—विशेषतः आशा-यत्र-भेजने का लिफाफा । थैनी ।

खरोद—(फ) मोल लेना, क्रय करना ।

खरीददार—(फ) ग्राहक, मोल लेने वाला ।

खरीददारी—(फ) मोल लेना, क्रय करना ।

खरीदा—(अ) कुमारी शर्मौली नागलिंग, लडकी ।

खरीद करोखत—मोल लेना व बेचना, क्रय विक्रय ।

रीफ—(फ) सावनी की फसल, यह फसल जिसमें ज्वार-बाजरा उर्द, मूँग, मक्कड़ कपास आदि पैदा होते हैं ।

खरीफी—(फ) खरीफ की फस । सावनी ।

खरोश—(फ) शोर, कोलाहल, उत्साह ।

खर्वाच—(फ) अपव्ययी, पिज्ज खर्च बहुत खर्च करनेवाला उदार ।

खरोज—(अ) चमड़ा सीने वाला । मोची ।

खर्नात } (फ) खराद पर काम करने
खर्नाद } वाला, रादी ।

खलअ—(अ) किसी जगह से निकलना । जोड़ उलझना । बख उतारना, खिलअत देना । अग्नी स्त्री से कुछ धन लेकर उसे तलाक देना ।

खलक—(अ) सम्पूर्ण सृष्टि, ससार, मानव जात ।

खलकत—(अ) सृष्टि, ससार, दुनिया के लोग, ससार के प्राणी । गहुत भीड़ ।

खलखाल—(अ) पाजें, छागल ।

खलजान—(अ) झूठ, चिन्ता, बेचैनी, उलझन ।

खलफ—(अ) उत्तराधिकारी, वारिस । पुत्र सुरील और भद्र । पीछे से आने वाला ।

खलल—(अ) विघ्न, बाधा, रोक, अड़चन ।

खलल अन्दाज (मि०) बाधा डालने वाला, विघ्नकर्ता, बाधक ।

खलल दिमाग—(मि०) पागलपन, विद्विषता ।

खलवत—(अ) एकान्त, निर्जन स्थान ।

खलवत खाना—(म०) एकांत स्थान । जनान खाना ।
 खलवती (अ) एकांत वाली अकेला ।
 खला—(अ) शीश, टट्टी, पाखाना । खानी जगह । आवाश, पोल ।
 खला—(फ) नाव चलाने का पतरार ।
 खलाइक—(अ) 'खलक' का बहुवचन ।
 खलाइफ—(अ) 'खलीफा' का बहुवचन ।
 खलाकन—(अ) पुराना होना, प्राचीन होना ।
 खलाया—(अ) बाखी से छुमा लेना ।
 खलायक—(अ) "खलक" का बहुवचन, संसार के सब प्राणी ।
 खलाश—(फ) चिल्ल पुरार, कोलाहल । रास्ते की बीचड़ ।
 खलाश—(फ) कूड़ा-करकट ।
 खलास—(अ) मुक्ति, छुटकारा, निवृत्ति । सच्चा प्रेम, सुनार की धरिया, धीरपात, समाप्त, न्युत, पतित, गिरा हुआ, छूटा हुआ, मुक्त ।
 खलासी—(अ) जहाज रेल आदि पर काम करने वाले मजदूर ।

खत-प्रता, छुटकारा, मुक्ति ।
 खलिश—(फ) चुभना, सटक, चुभन, कसक ।
 खलीक—(अ) मिलनसार, सुशील, सजन ।
 खलीज—(अ) खाड़ी, समुद्र का वह भाग जो तीन ओर भूमि से घिरा हो ।
 खलीत—(अ) मिली-जुली । शरीर, सामी ।
 खलीता—(फ) जेब, घेली ।
 खलीरा (अ) वरित, उत्तम अधिकारी । मुहम्मद साहब के उत्तराधिकारी को मुसलमानों के सब से मुख्य नेता माने जाते हैं । पहलवानों, दर्जियों या नाइयों के उस्ताद । धूर्त या अत्यन्त चतुर व्यक्ति ।
 खलील—(अ) सच्चा मित्र ।
 खलू } (अ) खाली हो
 खलो } एकान्त ।
 खलूक—(अ) सुगन्ध ।
 खलेरा—(अ) खाला (मौमी) या खालू के समन्ध से अपना कोई रिश्तेदार जैसे टट्टे बहन ।
 खल्फ—(अ) मनुष्यवृत्ति, सब के मनुष्य ।

खल्के-खुदा—(मि०) समस्त सत्कार
के जीव, ईश्वर की रची हुई
सम्पूर्ण सृष्टि ।

खल्लत—(१) मिलान, मिश्रण,
मिलना, जुटना ।

खल्लाक—(अ) सृष्टिकर्ता, परमा-
त्मा ।

खवातीन—(फ) खातून का बहुवचन
लियाँ, महिलाएँ ।

खवास—(अ) खास्ता का बहुवचन,
राजाओं या रईसों का निजी
सेवक, दहलुआ, सेवक, साथी ।

खवासी—(अ) खवास का पद,
खवास का काम । हाथी के
हादे में पीछे की आर बना
हुआ खवास के बैठने का
स्थान ।

खशखाश—(फ) पोत का
दाना ।

खशी—(अ) भय, डर ।

खशू—(फ) सास ।

खशूनत—(अ) खुरखुरान, कड़ाई ।

खशाँदा—(फ) श्रोत्रधियों का काटा
जो आग पर श्रोत्रया नहीं
जाता बल्कि श्रोत्रधियों को
पोलते हुए पानी में डालकर
चाय की तरह तैयार किया
जाता है ।

खश्म—(फ) कोप, क्रोध, गुस्सा ।

खश्मगी—(फ) क्रुद्ध, कुपित, गुस्ते
में भरा हुआ ।

खश्मनाक—(फ) क्रोध से भरा
हुआ । क्रुद्ध ।

खस (फ) इस नाम से प्रसिद्ध
गोंडर नामक घास की जड़
जो सुगन्धित होती है ।

खस-च खाशाक—कूड़ा-करकट ।

खसम—(अ) पति, स्वामी, मालिक ।
बैी, शत्रु, दुश्मन ।

खसमाना—(फ) ध्यान, शिद्दा,
शत्रु के समान ।

खसमी—(फ) शत्रुता, स्वामित्व ।

खसरा—(अ) एक प्रकार का रोग
जिसमें शरीर पर छ्दाग छोटी
फु सियाँ निबल आती हैं । पट-
वारी के एक रजिस्टर का नाम
जिसमें खेतों के नम्बर और
उनका नाव आदि का ब्यौरा
लिखा होता है ।

खसलत—(अ) स्वभाव, प्रकृति,
देव, बान, आदत ।

खसायल—(अ) खसलत का बहु
वचन, आदतें ।

खसारा—(अ) घाटा, नुकसान,
कमी, हानि ।

खञ्जासत—(अ) कन्यता, कजूरी ।

- अयोग्यता, दुष्टता, खसीसपन ।
 खसासा—(अ) फनीरी, कंगाली ।
 खसिब—(अ) शौक-मौज, सुख
 चैन ।
 खसी—(अ) पधिया किया हुआ
 पशु, यह पशु जिसके अङ्कोश
 निकाल लिये या नष्ट कर दिये
 गये हों ।
 खसीम—(अ) मगडालू । दुश्मन ।
 खसीर—(अ) जिसने घाटा या
 गढा भोगा हो ।
 खसीस—(अ) कजूम, कृपण । बुरा,
 दुष्ट, अयोग्य ।
 खसुक्त १ (अ) चन्द्रग्रहण । भूमि में
 खसुक्त २ पैँसना ।
 खसूम—(अ) बैर, मगडालू,
 लड़ाकू ।
 खसूमत—(अ) द्वेष । शत्रुता,
 भगडा ।
 खसूर—(अ) जिसे घाटा हुआ हो,
 हानि उडानी पड़ी हो ।
 खसूम—(अ) खास होना, विशेष ।
 खसूसियत—(अ) विशेष हाना,
 खास होना ।
 खसूसियत—(अ) विशेषता, खास
 गुण ।
 खसो खाशाक—(अ) कूड़ा-करकट,
 घास-कूड़ा ।
- खस्तगी—(अ) भुभुरा पन, जीर्णता
 दुर्दशा, खस्तापन ।
 खस्तवाना—(अ) फनीरी की गुदड़ी
 जो रंग-निरंगे टुकड़ों से बनी
 होती है ।
 खस्ता—(अ) जीर्ण शीर्ण, भग्न दूध
 हुआ, भुरभुरा, जरा सा ।
 छोड़ने से दूर जाने वाला, दुली,
 गिरा, धायल ।
 खस्ता काम—(अ) मन्द मनारथ,
 निर्मल, अशक्त, असमर्थ ।
 खस्ता जाँ—(अ) कमजोर, दुर्बल ।
 खस्ता व खगार—(अ) बुरी हालत
 में, दुर्दशाग्रस्त ।
 खस्ता खामाँ—(अ) फटे हाल ।
 खस्ता हाल—(अ) बुरी अवस्था में,
 दुर्दशाग्रस्त ।
 खस्म—(अ) देखो 'खसम'
 खस्ता (अ) मोनी, चमार ।
 खाइच्च—चितन करने गला, गौर
 करने वाला ।
 खाइन—(अ) अमानत में खयाल
 करने गला ।
 खाइक—(अ) भयभीत, डरा हुआ
 कायर, डरपोक ।
 खाइव—(अ) निगाश, अमागा ।
 खाक—(अ) राख, धून, मिट्टी, कुर्ब
 नहीं, अति तुच्छ, नाचीत्र ।

खाक उड़ना—उजड़ना, नष्ट या
रबाद हो जाना, उजाड़,
बरबादी ।

खार जाद—(फ) मिट्टी का पुतला,
इन्सान ।

ख, फ जिगर गीर—(फ) वह स्थान
जहाँ से जाने को जी न चाहे ।

खाक छानना—मारे मारे फिरना ।

खाक में मिलना—बिगड़जाना,
बरबाद हो जाना ।

खाकतूदा—(फ) मिट्टी का टीला
जिपर तीर लगाने का अभ्यास
करता है ।

खाक दा ससार, दुनिया ।

खाकदान—(फ) कूड़ा-करकट इक-
ट्टा करने का बतन या स्थान ।
कूड़ा दान ।

खाक नाए—(फ) स्थल डमरु मच्च,
भूम का वह भाग जो समुद्र में
हाकर दो स्थलों को परस्पर
मिलाता हो ।

खाक परामोशान—(फ) कब्र से
अभिप्राय ।

खाक बरलस—(फ) शपथ पूर्वक
इन्कार करना ।

खाकबाजी—(फ) खेलकूद ।

खाकरोष—महतर, मगी, भाइ
लगाने वाला ।

खाक रोवा—(फ) वह कूटा-करकट
जो भाड़ने-बुहारने से इकट्ठा
हो ।

खाकसार—(फ) तुच्छ, दरिद्र, धूल
क समान, अत्यन्त विनीत ।

खाकसारी—(फ) अत्यन्त विनम्रता ।

खाकसीर—(फ) खूनकला नामक
श्रोपधि ।

खाकस्तर—(फ) भूम, रात ।

खाका—(फ) दाँचा, मानचित्र, रूप-
रेखा । अनुमान पत्र, मर्मांश ।
चिट्ठा ।

खाना सीचना—उपहास करना,
दिल्लीगी उड़ाना ।

खाकान—(तु०) बादशाह, उड़े लोग,
बशोवद, तुर्किस्तान और चीन के
बादशाहों की पुरानी उपाधि ।

खाकियान—(फ) मनुष्य, इन्सान ।

खाकस्तर—(फ) रात, रात्रि

खाक्री—(फ) वह भूमि जिसकी
सिच ई के लिये मुख्यवस्था न हो,
एक प्रकार का रंग जो मिट्टी का
सा होता है, भूग, मिट्टी के-से
रंग का । मिट्टी का घना दुध्रा,
मृमय ।

खाग—(फ) अण्डा, मुर्गी का
अण्डा ।

खागीन—(फ) अ डो का घना दुध्रा

शाक । सूया हुआ अथवा डा ।

राजन—(अ) सम्राट करने वाला खजानची ।

राजना—(अ) साली ।

राजिल—(अ) लजित ।

राजम—(अ) अ गूनी, मुहर ।

राजमा—(अ) समाप्ति, अन्त ।

राजमा बिलखैर—सकुशल समाप्ति ।

राजिमा—(अ) समाप्ति, अन्त ।

राजिफ—(अ) ले जाने वाला ।

राजिम—(अ) खत्म करने वाला, समाप्त करने वाला ।

राजिर—(अ) हृदय का भाव । हृदय, स्वागत-सत्कार । लिए, वास्ते

राजिर खवाह—(अ) सन्तोषजनक इच्छानुकूल, जैसा चाहा जाय वैसा, च्छेच्छ ।

राजिर जमा—(अ) सन्तोष, तसल्ली, धीरज, इतमीनान ।

राजिर तवाजा—(अ) स्वागत सत्कार, आयमगत, आदर-सम्मान ।

राजिरदारी—(अ) आदर-सम्मान, राजिर तवाजा, आय-मगत ।

राजिरन्—(अ) सम्मानार्थ, शिष्ट

चार के लिए, लिहाज से ।

राजिरनरीन—(अ) जो बात दिल में बैठ सके । जिस पर विश्वास हो सके ।

राजिय—(अ) पति, दामाद ।

राजा—(अ) जानबूझकर अपराध करने वाला ।

राजून—(अ) भले घर की स्त्री, भद्रमहिला, कुलललना ।

राजून अरब—(अ) पातिमा, काश ।

राजून राजाना—(अ) गृहस्थ ।

राजून फलक—(अ) सूर्य, सूरज ।

राजिअ—(अ) मकार-धूर्त ।

राजिम—(अ) सेवक, नौकर ।

राजिमा—(अ) मोरका, नौकरानी, दासी । सम्पादन ।

राज—(अ) मुलिफा, सग्नार, पठान सरदारों की उपाधि, उन्हीं के वास्ते प्रतिष्ठा सूचक

राजण खुश—(अ) मस्जिद, खुश का घर ।

राज क्राह—(अ) फकीरों के रहने का स्थान, मठ । मुबिया ।

राज राजाना—(अ) बहुत बड़ा सरदार, मुबियाश्री का मो मुलिफ

राजगी—(अ) घरेलू, घर, निजहा आस का, थोड़े से टके लेकर

- व्यभिचार कराने वाली वेश्या ।
- खानदान—(फ) परिवार कुटुम्ब, घराना, वंश कुल ।
- खानद न मुश्तर्क—संयुक्त परिवार ।
- खानम—(फ) खान की पत्नी, सम्भ्रान्त महिला, भने घर की स्त्री ।
- खानमा—(फ) घर गृहस्थी का सामान ।
- खानवादा—(फ) वंश, कुल, परिवार, घराना, कुटुम्ब ।
- खानसामा—(फ) घर-गृहस्थी के सामान की ठीक व्यवस्था रखने वाला, घर का नौकर । खाना बनाने वाला । मुसलमान रसोइया, रावर्ची ।
- खाना—(फ) घर, महान । निमाग, खाना, दशज कोठक खेमा ।
- खानाकन—(फ) घर की बरबाद करने वाला ।
- खाना खराब—(फ) जिसका घर उजड़ गया हो, लफगा, आबारा ।
- खाना खराबी—(फ) परिवार या घर का विनष्ट होना ।
- खाना जगो—(फ) गृह-मलह, आपस की लड़ाई, घर की फूट ।
- खानाजाद—(फ) क्रीत दास की सन्तान जो मालिक के घर पर पैग होती है । कुटुम्बी, पारियागिक ।
- खानातलाशी—(फ) किसी चीज के लिए मकान की हूँद-पोज करना ।
- खानादार—(फ) मकान का मालिक, घर का स्वामी, संरक्षक ।
- खानादारी—(फ) घर-गृहस्थी का प्रबंध, घर के काम-धंधे ।
- खाना नशीन—(फ) जो सब काम-काज छोड़ कर आराम से घर पर बैठा रहे, घर बैठा हुआ ।
- खाना नशीनी—(फ) कुछ काम काज न करके आराम से घर पर बैठे रहना ।
- खानापूरी—(फ) नकशा भरना, किसी चक्र या सारणी के कोठों में शब्द या सरयाएँ लिखना किसी काम को बेमन से करना ।
- खानानदाश—(फ) वह व्यक्ति जिसका कोई निश्चित ठौर ठिकाना न हो, बे घर-बार का ।

- घर-दृष्टी को लिए जगह जगह करने वाला ।
- खाना बरबादी—(क) देखो “खाना बरबादी ।”
- खाना रस—(फ) वह कच्चा फल या मेवा जो पाल में रखकर पकाया गया हो ।
- खाना शुमारी (फ) किसी गाँव या शहर के मवानों का गिनना ।
- खाना साज—(फ) घर में बना हुआ, खाना बनाने वाला ।
- खानदान—(फ) देखा “खानदान”
- खानदानी—(फ) उच्च कुलवा, अच्छे बश का कुलप्रमा त, पैतृ, पुत्रवैनी ।
- खान सामन—(फ) घर के सामान का निरीक्षण करने वाला [गला ।
- खानिक—(अ) गला घोटने
- खाफिक—(अ) नीचे लाने वाला, च्युत करने वाला ।
- खाफिक—(अ) जिसका दिल घट कता हो, जिसका सिर झिलता हो । काड़े मारने वाला ।
- खाफिकैन—(अ) पूर्ण परिचय ।
- खाम—(फ) कच्चा, अरिपक्व ।
- खाम खयाली—(फ) व्यर्थ के विचार ।
- खाम चरम—(फ) मनुष्य का शरीर ।
- खामदस्त—(फ) अनुभवी अप्रव्ययी ।
- खाम पारा—(फ) दुराचारिण पुश्चली ।
- खामरोश—(फ) निवृद्धि, हँसोड़ ।
- खामसोज—(फ) अधवशी चीज । ऊपर जली भीतर कच्ची ।
- खामा—(फ) लेखनी, कलम ।
- खामादान—(फ) कलमदान, लेखनी रखने का छोग सन्दूक ।
- खामिल—(अ) गुमनाम, कमीना । अधम । [मूर्खता ।
- खामी—(फ) झुट्टि, कचाई । गुराई ।
- खामुश—(फ) खामोश का अच्चेर । चुप ।
- खामोश—(फ) मौन, चुप ।
- खामोशी—(फ) चुप, मौन ।
- खायन—(अ) किसी की धरोहर को हड़प जाने वाला । खयानत करने वाला ।
- खायफ—(अ) देखो “खायफ” ।
- खाया—(फ) अण्डकोश, शृण, मुर्गी का अण्ड ।
- खाया गिलामों—(फ) एक प्रकार का अंगूर ।
- खाया जर्नीन—(फ) खर्च

खायाबरदार - (फ) तुच्छ से तुच्छ
सेवाएँ करने वाला, अत्यधिक
चापलूमी करने वाला ।

खार - (फ) घाँटा, ईर्ष्या, मनो
मालिन्य ।

खारखाना - ईर्ष्या करना, किसी के
प्रतिमन में द्वेष रखना ।

खार खार - भय, चिन्ता, आशंका ।

खारदार - (फ) घाँटेदार, कँटीली ।

खारपुस्त - (फ) एक जानवर जिसके
शरीर पर बड़े बड़े घाँटे होते हैं,
साही ।

खारबन्द { - (फ) घाँटों का
बाँटा जो बाग या खेत
के चारों तरफ लगाया
जाता है ।

खारा - (फ) एक प्रकार का कपड़ा,
जो धूर में रखने से दुबड़े दुबड़े
हो जाता है । एक प्रकार का
बड़ा पत्थर

खारिक - (अ) फाड़ने वाला,
करामात दिखाने वाला ।

खारिचैन - (फ) बाग या खेत के
चारों ओर लगाये जाने वाले
काँटे ।

खारिज - (अ) बहिष्कृत, अलग
किया हुआ, निकाला हुआ, रद्द
किया । वह मुरदमा जिसकी
सुनाई न हो ।

खारिज आहग - बेसुग ।

खारिजन - (अ) दन्त-कथा के
आधार पर, बाहर से, अलग से,
ऊपर से ।

खारिजा - (अ) बहिष्कृत, निकाला
हुआ, अलग किया हुआ, रद्दी
किया हुआ ।

खारिजी - (अ) जो किसी सभाज या
सम्प्रदाय से अलग कर दिया या
हो गया हो ।

खारिश - (फ) राज, खुजली,
पामा ।

खारिश्त - (फ) देखो "खारिश"

खारोखस - (फ) कूड़ा फरकट ।

खाल - (अ) बघपन, बुद्धिमत्ता,
अभिमान, छाना, फफाला ।
मामूँ । शरीर का तिल ।

खालसा - (अ) वह भूमिभाग जिस
पर स्वयं राज्य का अधिकार हो
जो किसी भी जागीर न हो ।
सिख ।

खाला - (अ) मौसी, माँ की बहन ।

खालिक - (अ) उत्पादक, पैदा करने
वाला, स्रष्टा । इश्वर ।

खालिद - (अ) सदा रहने वाला,
अनश्वर, शाश्वत । एक दानी
का नाम ।

खालिफ - मीर, डरपोक ।

खिफक (अ) हलका, सुवक्र ।

खिफकत—(अ) अपमान, अप्रतिष्ठा,
हेठी, निगदर, हलकापन ।
लजा, शर्मिन्दगी ।

खियार—(अ) ओढ़नी ।

खियात—(अ) सुइ ।

खिरका—(अ) साधुओं के ओढ़ने
की गुदड़ी ।

खिरकापोश—खिरका ओढ़ने वाला
साधु, त्यागी, भिखमगा ।

खिरत—(अ) सुइ का नाका ।

खिरद—(अ) बुद्धि, विवेक, समझ ।

खिरदमन्द—(अ) बुद्धिमान, विवेकी,
समझदार ।

खिरफ—(अ) बूझ, बेधबल ।

खिरमन—(अ) खेत में से काटी
हुई अनादि की फसल का ढेर
सलिहान ।

खिरमने माह—(अ) चन्द्रमा के
चारों ओर ओ घुण्डल सा
होता है । जहाँ पर खेत से काटी
हुई फसल इकट्ठी की जाती
है ।

खिरस—(अ) गीठ, भालू, धरली ।

खिराज—(अ) भूमि कर, लगान ।

खिराजी—(अ) जिस पर खिराज
लगना हो, जिसे खिराज दिया
जाता हो, खिराज सम्बन्धी ।

खिराम—(अ) मदगति, धीरे
चलना, मस्तानी चाल से
चलना । चाल, गति, चलना ।
दौर, चक्र ।

खिरामा—(अ) मन्द और मस्त
चाल से चलने वाला ।

खिरामा-खिरामा—मस्त चाल
से चमना, धीरे धीरे चमना ।

खिरस—(अ) भालू, रीठ ।

खिलश्चत—(अ) वह पोशाक जो
राजाओं की ओर से किसी को
सम्मानार्थ दी गई हो ।

खिलचत—(अ) एक न्त, निर्जन,
जन शून्य (थान) ।

खिलाफ—(अ) प्रतिकूल, विरुद्ध,
उलटा, विपरीत । खेत का
पोधा ।

खिलाफ गोई—(अ) झूठ बोलना,
मिथ्या भाषण करना ।

खिलाफत—(अ) खलीफा का
भाव पद या काय । समस्त
मुगलनान बादशाहों पर रहने
वाला खलीफा का अधिकार ।
उत्तराधिकार ।

खिलाफ दरतूर—नियम विरुद्ध,
प्रतिवैत प्रथा का प्रतिकूल ।

खिलाफ मामूल—साधारण परि-
स्थिति के विपरीत ।

खिलाफ वर्जी—(मि०) अनुचित
आचरण, आज्ञा आदि का
उल्लंघन, अवज्ञा ।

खिलाल—(अ) अन्नर, दूरी, खेल
आदि में होने वाली हार, दौत
कुरेदने की सुइ ।

खिलकत—(अ) जन्म । उत्पन्न होना
या करना, जन-समूह । प्राकृतिक
सघटन ।

खिलकी—(अ) पैदाइशी, जन्म
जात, स्वामात्रिक, प्राकृतिक ।

खिलत—(अ) मिला हुआ, मिश्रित,
प्राकृति, शरीर में का षष् ।

खिल्द—(अ) बहिस्त, स्वर्ग ।

खिल्ल—(अ) मित्र, दोस्त, यार

खिल्लत—(अ) स्वभाव, आदत,
प्रकृति, गैर ।

खिश्त—(अ) ईश, छोटा भाला ।
साँग ।

खिश्तक—(फ) पायजामा, पायजामे
में लगाई जाने वाली मिशनी,
वह कपड़ा जो पायजामे के दोनों
पैरों के जोड़ में लगता है,
आसन ।

खिश्ती—(प्र) ईंटों का बना हुआ
मकान वगैर ।

खिसाँदा—(फ) देखो “खसाँदा”

खिसारत—(अ) टोटा, घाटा, हानि,

कमी, नुकसान ।

खिसाम—(अ) लड़ना, युद्ध करना ।
योद्धा, लड़ाकू ।

खिसारा—(अ) टोटा, घाटा, हानि,
नुकसान, कमी ।

खिसासत—(अ) कृपणता, कजूसी
अयोग्यता, दुष्टता ।

खिसाल—(.) खसलत का बहु
वचन ।

खिस्सत—(अ) कृपणता, कजूसी,
लधीइ पन ।

खीमा—(अ) तम्बू, डेरा ।

खोरा—(फ) दुष्ट, पाजी, अंधेरा,
अधर पूर्ण । चौंधियाई हुई
(श्रॉल)

खुजरत—(अ) सन्जी, हरियाली ।

खुजरियात—(अ) तरकारियाँ ।

खुजिव—(.) धाटना, तलवार
मारना, झूठ बोलना ।

खुतका—(फ) देखो “कुतका”

खुतबा—(अ) अभिमाण, भूमिका,
प्रशसा, ईश्वर-प्रार्थना, सामयिक
राजा का प्रशसा करना अथवा
उसके राजगद्दी पर बैठने की
घोषणा ।

खुतबा गाह—(मि०) व्याख्यान-
वेदी । [भाषण ।

खुतब सदरत—समापते का

खुद—(अ) रक्त का बहुवचन
 खुद—(अ) दग, पा, कदम
 खुमा—(अ) कुलटा, पुश्चली,
 दुश्चरित्र स्त्री ।
 खुफा—(फ) प्रभुम, सोया हुआ ।
 खुद—(फ) स्वय, आप ।
 खुद आराई—(फ) अपनी प्रतिष्ठा
 करने का स्वयं प्रयत्न करना,
 गृहार करना [हुआ ।
 खुद-करदा (फ) अपना किया
 खुदकुशी—(फ) अपने स्वयं, अपने
 आप अपनी जान देना ।
 खुद काम—(फ) स्वार्थी, मतलबी ।
 खुद कारत—(फ) अपनी जमीन
 पर आप खेती करना ।
 खुदकुशी—(फ) देशो "खुदकुशी"
 खुदगरज—(फ) स्वार्थी, मतलबी ।
 खुदनुमाँ—(फ) अपना इकप्यन आप
 प्रकट करने वाला, अपने आप
 को बड़ा आदमी जाहिर करो
 वाला । अभिमानी, घमडी ।
 खुद परवर—(फ) स्वावलम्बी,
 स्वोपलब्ध ।
 खुदपरस्त—(फ) स्वार्थी, मतलबी ।
 खुद पसन्द—(फ) अपने को बहुत
 अच्छा समझने वाला ।
 खुद पैदा कर्दा—स्वार्जित । अपने
 आप पैदा की हुई ।

खुद व खुद—(फ) अपने आप,
 स्वयमेव
 खुदयी—(फ) अहम्भय, जो अपने
 समान किसी को न समझे, जिसे
 अपने सिवा दूसरा कुछ दिखाई
 न पड़े । घमडी, अभिमानी ।
 खुद मरी—(फ) अहम्भयता, अमि
 मान उच्छृंखलता, उद्दण्डता ।
 खुद मुरतार—(फ) स्वतन्त्र, आजाद,
 स्वाधीन ।
 खुद राय—(फ) स्वेच्छाचारी, मन
 मानी करने वाला ।
 खुदरी—(फ) अपने आप पैदा होने
 वाला, जिसे कोई दृष्टि उगने
 वाला, जगती अथवा पैदा या
 धृत् ।
 खुद शिकन—(फ) विन्म्र, विनय ।
 खुदसर—(फ) स्वेच्छाचारी, मन
 माना करने वाला, स्वतन्त्र,
 स्वाधीन ।
 खुदसरी—(फ) स्वेच्छाचरिता,
 स्वतन्त्रता, स्वाधीनता ।
 खुदसाजी—(फ) अपनी चाहरी टोप
 टाप टीक रखने वाला ।
 खुदसिताई—(फ) अपने मुँह मिथ
 मिट्टू बनना, अपनी प्रशंसा
 आग करना ।
 खुदहिसाव—(फ) अपने कर्मों का

स्वयम् द्विषाच्च रखने वाला ।

खुदा—(फ) इश्वर, स्वामी,
परमात्मा, स्वयम्भू ।

खुदा खुदा करके—(फ) डरते
डरते, बड़ी कठिनाई से व ई
काम करना ।

खुदा दाद—(फ) ईश्वर दत्त ।

खुदाई—(फ) ईश्वरीय, परमात्मा, वी
सृष्टिसार ।

खुदाई रात—(मि०) मु हलमानों का
एक उस वृत्ति में स्त्रियाँ रात-
भर जाग कर खुदा की याद
करती हैं ।

खुदाए आशिफी (मि०) प्रेम का
इश्वर, कामदेव ।

खुदा का घर—(मि०) मसजिद ।

खुदा तरस—(फ) ईश्वर से डरने
वाला, मन में ईश्वर का भय
मानने वाला, दयालु, कृपालु ।

खुदा ताला—(फ) ईश्वर ।

खुदादाद—(फ) इश्वर प्रदत्त,
ईश्वर का दिया हुआ ।

खुददारी—(फ) अहंभाव ।

खुद बीनी—(फ) अभिमान, अह-
कार ।

खुदा न खास्ता—(फ) इश्वर न करे ।

खुदा परस्त—(फ) आस्तिक, ईश्वर
को मानने वाला, इश्वर का

उपासक ।

खुदाया—(फ) हे परमात्मन्, हे प्रभो
हे ईश्वर ।

खुदारा—(फ) खुदा के वास्ते, ईश्वर
के लिए ।

खुदा लगती—(फ) उच्छ्वी, यथार्थ
(वात) ।

खुदा बन्द—(फ) ईश्वर, स्वामी । ।
मानिक ।

खुदा समके—(फ) ईश्वर देखे की,
जिस को शांति देने के समय
इमका प्रयोग किया जाता है ।

खुदा हाफज—(फ) ईश्वर तुम्हारी
रक्षा करे । यह प्राय किसी के
विदा होने के समय प्रयुक्त होता
है ।

खुदी—(फ) अहं भाव, अहम्भ्यता,
आपा, स्वार्थ परता ।

खुराम—(फ) तद्विषय क बहुत वचन
नाकर लाग ।

खुनक—(फ) शीतल, ठंडा, प्रसन्न ।

खुनकी—(फ) शीतलता, ठंडापन,
सर्द ।

खुनाक—अ) गले का एक रोग
जिसमें कण्ठ का अवरोध हो
जाता है, छिप्पीरिया ।

खुनियागर—(फ) गवैया, गायक ।।
डोम । फवाँल ।

खुन्सा—(प्र) हिजड़ा, न पु सक
उर्दू व्याकरण में नपु सक
लिंग ।

खुफिया—(अ) गुप्त, छिपा हुआ,
गुप्त दग से ।

खुफियात—(अ) खुफिया का
बहुवचन ।

खुफिया नवीस—(मि०) गुप्त दग
से लिखकर समाचार भजने
वाला ।

खुत्ता—(फ) छेदा, चक । सोया
हुआ ।

खुत्ता नसीब—(मि०) सोए हुए
भाग्य का ।

खुदासत—(अ) लबीस का भाव,
लबीस पन, दुष्टता, नीचता
अपरिव्रता ।

खुराम—(फ) मटका, बड़ा घड़ा,
पीरा, विशेष कर शराब भरने
का मटका ।

खुम कहा—(मि) शराब खाना
मदिनय, कलारी, मधु
शला ।

खुमझाना—(फ) देखो “खुम
बदा” ।

खुमशीरी फसाना—(फ) संसार,
लोक ।

खुमरा—(अ) मुगलमान फकीरो

का एक सम्प्रदाय, खचूर के
पत्तों की बनी छोटी चटाई
निस पर नमाज पढ़ते हैं,
आसन ।

खुम सिता—(फ) मधुशाला,
कलवारया ।

खुमार—(अ) उतरते समय
का हलका-हलका नशा, या
नशे या जागने के कारण
उत्तरा हुआ आलस्य । नशा
उत ते समय अँगड़ाइयाँ और
जम्हाइयाँ आना ।

खुमार आलूदा—(अ) जिसे खुमार
चढ़ा हो, खुमार से भर
हुआ ।

खुमारी—(प्र) देखो “खुमार” ।

खुनिस्ताँ—(फ) शराब खाना ।

खुन्मा—(अ) शराब बनाने औ
बेचने वाला ।

खुर्जी } (फ)—बड़े बैल
आदि पर सामान लादने
का पैना ।

खरजीन } बड़ा पैना, खुर्जी
चमड़े का पैना ।

खुरतून—(अ) शायी की सूँड ।

खुरदा—(अ) थोड़ी थोड़ी अवेक
प्रकार की चीजे, छोटे ठिके

रेजगी, खेरीज, खुदरा ।
 खुदरा फरोश—(फ) थोड़ी थोड़ी चीजें बेचने वाला, खेरीज में बेचने वाला ।
 खुरफा—(श्र) एक पत्ती वाला साग, कुलफा ।
 खुरम—(फ) प्रसन्न, हर्षित, ताजा ।
 खुरमा—(फ) एक प्रकार का मिठाई, छुशरा ।
 खुरस—(फ) सोने चोंदा का छल्ला आर ताली ।
 खुरशौद—(फ) सूर्य, सूरज ।
 खुरशौद लवे बाम—(श्र) मृत्यु के समीप, जीवन-सन्ध्या ।
 खुरशौद सजार—(फ) बड़े तड़के उठने वाला, होशियार, सचेत ।
 खुरसन्द—(फ) प्रसन्न, हर्षित, खुश ।
 खुरसन्दी—(फ) प्रसन्नता, हर्ष, खजामन्दी ।
 खुरा—(फ) दीमक, एक कीड़ा ।
 खुरारु—(फ) भोजन, खाना, आहार, खुराज—(श्र) फाड़ा, खुराफत—(श्र) उक्ताव, बेढंगी बात । अरब के एक व्यक्ति का नाम ।

खुराफत—(श्र) खुराफत का बहु-वचन ।
 खुरासान—(फ) फारस देश का एक प्रान्त जो अफगानिस्तान के पश्चिम में है ।
 खुरसूज—(श्र) विद्रोही, बागी, विमुक्त ।
 खुर्रुक—(फ) मुर्गा, कुक्कुट ।
 खुर्रक (श्र) मूख, अज्ञ ।
 खुर्रद—(फ) छोटा, लघु । कण ।
 खुरदनी—(फ) खाने की चीजें, खाद्य वस्तुएँ ।
 खुरदबोन—(फ) सूक्ष्म दर्शक यन्त्र ।
 खुरद बुर्द—(फ) अपव्यय, नाश ।
 खुरद मुर्द—(फ) टुकड़े-टुकड़े कर देना । रेजा-रेजा कर देना ।
 खुद महल—(मि०) राजाशा का वह महल जिसमें अविवाहिता स्त्रियाँ रहती हो, रखेली स्त्रियाँ, रखनी ।
 खर्द व कलॉ—(फ) छोटे-बड़े सब ।
 खुरदसाल—(फ) कम उम्र का, थोड़ी अवस्था का अल्पवयस्क ।
 खुर्दा—(फ) दुकान, चिनगारी, गाना हुआ । दोष ।

खुर्दाघेनी—(फ) दोष-दर्शन, बारीकी से देखना ।

खुर्दो—(फ) छोटापन, लघुता ।

खुर्दा परोश—(फ) देखो “खुरदा फरोश” ।

खुर्रम—(फ) प्रसन्न चित्त, बहुत खुशहाल ।

खुर्रम आवाज—(फ) खुशी की जगह ।

खुर्रमा—(फ) प्रसन्नता, खुशी, हर्ष ।

खुर्रन्द—(फ) देखो “खुरसन्द” ।

खुल्फा—(अ) सलीफा का बहु वचन ।

खुल्म—(फ) रेंड । नाक का बढ बूदार पानी ।

खुलासा—(अ) स्पष्ट, खुला हुआ, साफ-साफ, इतिहास रहित, सार, निचोड़, भाव, सक्षित विवरण ।

खुलूद—(अ) शाश्वतता, हमेशापन । अनन्तता ।

खुलूस—(अ) सरल, पवित्र, विशुद्ध प्रेम, साधारण, सरलता, पवित्रता, निष्ठा ।

खल्क—(अ) स्वभाव, शील । मुशीलता, सज्जनता ।

खुर्रद—(अ) स्वर्ग, बहिरत ।

खुर्रदे घरी—(अ) ऊपर का

स्वर्ग ।

खुल्फास—(अ) सलीफा का बहु-वचन ।

खुश—(फ) प्रसन्न, हर्षित, मगन, आनन्दित, आच्छा ।

खुश अतवार—(फ) अच्छे आचार-व्यवहार वाला ।

खुश असलूब—(फ) मुटौल, सुन्दर, सब तरह से ठीक ।

खुश इखलाकी—(फ) शिष्टाचार ।

खुश इनान—(फ) सीला हुआ घोड़ा जो थोड़े से लगाम के इशारे से चलता हो, शाइस्ता ।

खुश इलहान—(फ) जिसका फण्ड स्वर रसीला हो, अच्छा गाने वाला ।

खुश इलहानी—(फ) मुरीलापन-

खुश कलम—(फ) चिफ्ला तथा साफ कागज जिस पर कलम बिना राक चले ।

खुशकिमत—(फ) सीमाव्यशाली ।

खुशखत—(फ) सुन्दर अच्छर लिखने वाला, सुन्दर लिखावट ।

खुश खबर—(फ) शुभ संदेश सुनाने वाला ।

खुश खबरी—(फ) शुभ समाचार ।

खुश खुल्स—(फ) अच्छे स्वभाव वाला ।

खुश गवार—(फ) अच्छा लगने वाला, रुचिकर, मीठा, प्रिय, मनोहर ।

खुश गुलू—(फ) जिसका कंठ बहुत सुन्दर हो, सुशील ।

खुशगो—(फ) सुवक्ता, सुन्दर वर्णन करने वाला ।

खुश जायका—(फ) स्वादिष्ट ।

खुश नवअ—(फ) अच्छे स्वभाव का, प्रसन्न चित्त ।

खुश तरक—(फ) बहुत खूब ।

खुश दामन—(फ) सास, पत्नी या पति की मा ।

खुश नवा—(फ) कलकण्ठ ।

खुश नवीस—(फ) सुन्दर लिम्बावट लिखने वाला ।

खुश नशीन—(फ) आसदा, सम्पन्न, अपनी रुचि के स्थान पर रहने वाला ।

खुश नसीब—(फ) भाग्यवान, भाग्यशाली ।

खुशानुमा—(फ) देखने में अच्छा लगने वाला, सुन्दर, खूब सूरत

खुशानूद—(फ) सन्तुष्ट, प्रसन्न । राजी, खुश ।

खुश नूदी—(फ) सन्तोष, प्रसन्नता, खुशी ।

खुशानूदी मिजाज—चित्त की

प्रसन्नता ।

खुश बयान—(फ) सुन्दर वर्णन करने वाला, सुवक्ता ।

खुश बयानी—(फ) सुभाषित, किसी बातको सुन्दर ढंग से कहना ।

खुशबू—(फ) सुगन्ध ।

खुशबूदार—(फ) सुगन्ध युक्त, अच्छी गन्ध वाला, सुगन्धित ।

खुश मिजाज—(फ) अच्छे स्वभाव वाला, प्रसन्न चित्त ।

खुश रग—(फ) जिसका रंग बहुत अच्छा हो ।

खुशखाना—(फ) राजकीय राजाओं की-सी ।

खुशखानी—(फ) एक प्रकार का रंग ।

खुशबक्त—(फ) प्रसन्न, खुशी । खुशी का समय, शुभाकर ।

खुश ब खुर्रम—(फ) हँसी खुशी, आनन्दित, प्रसन्न, मस्त ।

खुश हाल—(फ) सुखी, सम्पन्न, लाता-सीता ।

खुशा—(फ) अत्यन्त प्रसन्न । बहुत खूब ।

खुशामद—(फ) किसी को प्रसन्न करने के लिए उसकी कूड़ी प्रशंसा करना । चाटुकारी । चापलूसी ।

सुशामदी—(फ) खुशामद करने वाला, चाडमर, चापलूस ।

सुशी—(फ) प्रसन्नता, हर्ष, आनन्द, इच्छा ।

सुशक—(फ) सूना, नीरस, रूखे रंगमाय का, कृपण, केवल, मात्र, निधन, कारमकार ।

सुशक ज्वर—(फ) सूर्य, शुद्धत्यर्ण ।

सुशक दिमाग—(फ) पागल, विवर्तित ।

सुशक पहलू—(फ) फंजूम, कृपण ।

सुशक भगवत्—(फ) देखो "खुरफ दिमाग"

सुशक रीश—(फ) खुरगट ।

सुशक साल— । ।) यह वर्ष जिसमें वर्षा न हो और अकाल पड़े ।

सुशक साली—(फ) अनावृष्टि, सूना, अकाल, दुर्भिक्ष ।

सुशका—(फ) पकाये हुए चावल, भात ।

सुशकार—(फ) बिना छना आटा । भूषी समेत आटा ।

सुशकी—(फ) शुष्कता, नीरसता, सूनापन, स्थल, भूमि ।

सुसर—(फ) सुसर, पत्नी या पति का पिता ।

सुस खानी—(फ) गधाघों का सा, बादशाहों का सा ।

सुस खानी—(फ) एक प्रकार का राग ।

सुसरू } (फ) महागज, सम्राट्
सुसरौ } बादशाह ।

खसिया—(अ) अगडकोश, वृषण
खसिया घरदार—(मि०) बहुत अधिक खुशामद करने वाला अत्यन्त तुच्छ सेवाएँ करने वाला ।

खसूफ—(अ) देखो "खसूफ"

खसूमत—(अ) वैर, शत्रुता, दुरमनी ।

खसूमन—(अ) विशेष रूप से स्वासत्तोर पर, विशेषतः ।

खसूसियत—(अ) विशेषता, विशिष्टता ।

खूँ कचूतर—(फ) शराब ।

खूँ राम—(फ) शराब, मस्तिरा ।

खूँ खवार—(फ) खून पीने वाला, पशुआँ की खाने वाला, क्रूर स्वभाव का ।

खूँ गर्मी—(फ) प्रेम, मुहब्बत

खूँ दार—(फ) मूनी ।

खूँ बहा—(फ) यह घन जो किम्वदन्त किये गए व्यक्ति के या यालों को उस निहत के बदला में दिया जाय ।

खूँ रेख—(फ) खून करने वाला,

दयाकारी, बघक । खून में हूवा
हुआ ।

खूरेजी—(फ) रक्तपात, हत्या
। एड ।

खू—(फ) स्वभाव, आदत, टेरा ।

खूई—(फ) पसीना, रेशमी सुर्त
कपड़ा ।

खूक—(फ) सूअर, शूकर,

खूगर } (फ) जिसे किसी बात की
टेव पड़ गई हो, अभ्यस्त,
खूगर } आदी ।

खूजादी—(फ) रोटी, भोजन ।

खून—(फ) रक्त, रुधिर, बघ हत्या ।

खून उबलना } क्रोध से शरीर
लाल हो जाना,
खून खोलना } गुस्सा चटना ।

खून का प्यासा—बघ करने का
इच्छुक ।

खून सफेद होना—सज्जनता या
प्रेम का निकुल शेष न रह
जाना ।

खून सवार होना—किसी को मार
डालने या शरीर कोई भयकर
अनर्थ करने को उद्यत हो जाना ।

खून पीना—मार डालना ॥

खून होना—हत्या होना, मारा जाना ।

खून-आलूदा—(फ) खून से सना
हुआ ।

खूनी—(फ) हत्यारा, हत्याकारी

किसी को मार डालने वाला,
घातक । खून से लिथड़ा हुआ ।

खूब—(फ) अच्छा, उमंग, उत्तम,
मला, श्रेष्ठ ।

खूब कलॉ—(फ) इस नाम से
प्रसिद्ध एक प्रकार के बीज को
दवा के काम में आते हैं,
साकमीर ।

खूबरू—(फ) सुंदर, खूब सूरत,
रूपवान, सुंदर आकृति वाला ।

खूबरूई—(फ) माशकी, सुन्दरता ।

खूब सूरन—(फ) सुन्दर, रूपवान ।

खूबाँ—(फ) सुन्दरी स्त्रियाँ, प्रेमिकाएँ,
नायिकाएँ ।

खूबानी—(फ) इस नाम से सिद्ध
एक मेवा, जरदालू ।

खूबी—(फ) भलाइ, अच्छापन,
विशेषता ।

खूर—(फ) खाने-पीने वाला ।

खूरा—(फ) कुठ रोग, कोट ।

खूराक—(फ) भोजन, खाना,
आहार ।

खूराकी—(फ) भोजन-व्यय, वह
धन जो खाने के नाम से दिया
जाय ।

खूरिश—(फ) खाने-पीने का सामान,
भोजन ।

खूरोनोश—खाना-पीना ।

खूरोपोश—खाना-भण्डा ।

खूलजान—(अ) कुलजन नाम से प्रसिद्ध दया, पान की बड़ ।

खेज—(फ) भग हुआ । मौज, उमंग,

खेमा—(अ) तम्बू, डेरा ।

खेमागाह—(मि०) जहाँ पर गहन से तम्बू गढ़े हैं ।

खेमा देव—(मि०) तम्बू बनाने वाला ।

खेल—(अ) सगरी और पैदल का समुदाय, घाड़ी का कुण्ड, वर्ग, समूह ।

खेलवाना—(फ) कुटुम्ब, परिवार ।

खेश—(अ) गटे हुए गोटे सुतों का बना एक कपड़ा, मजबूत कपड़ा ।

खेश—(फ) सम्बन्धी, गिश्तेदार, जमाता, दामाद ।

खेश खाना—(फ) कपड़े का मकान जिस पर गरमियों में ठंड के लिए पानी छिड़कते रहते हैं ।

खेश व अफारिन—नाते गिश्ते के लोग ।

खेत—(अ) डोरा, घागा ।

खैफ—(अ) भय, डर ।

खैयत—(अ) निराश, दुभाग्य ।

खैर—(फ) मनाइ, नेकी, कुशा,

अच्छा, अस्तु, कोई बात नहीं ।

खैर अन्देश—(मि०) शुभ चिन्तक, मना चाहने वाला ।

खैर आफियत—(मि०) कुशल-चैम ।

खैरस्वाह—(मि०) मना चाहने वाला, शुभचिन्तक ।

खैरगीत—(फ) आश्चर्य, अचकार, चपलता, निलजता ।

खैरनाद—(फ) शुभम्भूयात्, कुशल हो । विदा या प्रस्थान के समय ये शब्द कहे जाते हैं ।

खैर मक़दम—(अ) स्वागत, शुभागमन । किसी आगमन पर इस शब्द का प्रयोग किया जाता है ।

खैराँ शर—(अ) मनाइ-बुराई ।

खैरात—(अ) खैर का बहुवचन, मनाइ, दान पुण्य ।

खैराती—(अ) दान पुण्य सम्बन्धी, दान का । परोपकार सम्बन्धी ।

खैराद—(फ) देखो "गराद" ।

खैरियत—(फ) भला, नेकी, सुख, चैन, कुशलता, कुशल चैम, राजी खुशी, पल्याण ।

खैल—(अ) मनाइ, कुण्ड, गण्ड ।

खैला—(फ) मनाइ स्त्री ।

खैलापन—(मि०) फूहड़पन ।

खो—(फ) स्वभाव, आदत । देखो 'खू'

खोगीर—(फ) देखो "खूगीर" ।

वह मोटा कपड़ा जो जीन कसते वक्त जीन के नीचे रखा जाता है ।

खोगीर की भर्ती—निरर्थक और रूही चीजें ।

खोजा—(फ) पण्ड, हिजड़ा, राजमहलों के अन्त पुर में काम करने वाला नपु सक सेवक, राजा सरा ।

खोद—(फ) लोहे का टोम जिसे युद्ध में सिपाही पहनते हैं । शिरस्त्राण,

खानचा—देखो "खानचा" ।

खोर—(फ) खाने वाला ।

खोलजन—(फ) देखो "कुलजन" ।

खोशा—(फ) फनों का गुच्छा । अन्न की बाल ।

खोशाची—(फ) अनाज की बालें या फलों के गुच्छे बीनने वाला, सिला बीनने वाला ।

खोज—(अ) गम्भीरता से सोचना, तलबीन होना, डुबकी लगाना ।

खोफ—(अ) भय, डर ।

खोफजदा—(फ) भयभीत, डरा

हुआ ।

खोफनाक—(फ) मयानक डरावना ।

खा—(तु) प्रतिष्ठा सूचक शब्द ।

'खान' का संज्ञेन

खवाँ—(फ) पढनेवाला, कहनेवाला, गाने वाला ।

खवादगी—(फ) पढाई । अध्ययन ।

खवादा—(फ) पढा हुआ, शिद्धित । निमन्त्रित, बुलाया हुआ । दत्तक ।

खवाजा—(फ) घर का मुखिया, बुजुर्ग, सरदार, नेता । किसी सम्प्रदाय का मुखिया । वह आदमी जो नपु सक बनाकर अन्त पुर में सेवाकार्य के लिए रक्खा जाय । मन्त्री, वजीर ।

खवाजा ताश—(फ) एक मालिक के कई नोकर आपस में 'खवाजा ताश' हुए ।

खवाजा फलक—(फ) सूर्य नक्षत्र,

खवाजा सरा—(फ) वह व्यक्ति जो अन्त पुर में सेवा करने के लिए नपु सक बनाया गया हो । पण्ड, क्लीय, हिजड़ा । खवाजा ।

खान—(फ) खाना खाने का बड़ा थाल जो लकड़ी का बना होता है ।

खानचा—(फ) भोजन करने का छोटा थाल । वह थाल जिसमें

भिठाइ, चाट आनि रक्कर बेचते हैं । खोमचा ।	किसी बात की आकांक्षा रखने वाला ।
स्वान पोश—(फ) खाने के थाल पर टफने का कपड़ा ।	रचास्त गारी—(फ) चाहना, किसी वस्तु की इच्छा । माँगना ।
स्वान सालार—(फ) आगन्धी, गानगामा ।	खवास्तार—(फ) माँगने वाला, इच्छुक, अभिलाषी ।
स्वाना—(फ) पढने वाला ।	ख्वाह—(फ) चाहने वाला, इच्छुक ।
स्वानी—(फ) पढना, पढने की क्रिया ।	इच्छा, कामना । अथवा, या तो ।
स्वाने करम—(फ) दानपात्र, चैरंगी बक्ख ।	खवाह मुखाह—(फ) अवरदस्ती । इच्छा हो या न हो तो भी । अवश्य ।
स्वाय—(फ) निद्रा, स्वप्न, सपना ।	खवाहों—(फ) इच्छुक, अभिलाषी, चाहने वाला ।
स्वाव आलूदा—(फ) जिसमें नींद भरी हो ।	ख्याहिश—(फ) इच्छा, चाहना, कामना, आशा, अभिलाषा ।
स्वाव सरगाश—(फ) अताशधानी, गरुगत । उनीदा । घोषा ।	ख्याहिश मन्द—(फ) इच्छुक, अभिलाषी, चाहने वाला ।
स्वाव गाह—(फ) सोने का स्थान, शयनागार,	खवेश—(फ) अपने सभी साथी । कुटुम्बी, अपने ।
स्वाव सैयाद—(फ) घोषा, फरेब ।	खवेश वार—(फ) सुरक्षित, सं।टों से दूर रहने वाला । आरधान, चौकस ।
खवानीदा—(फ) सोया हुआ या सुत ।	
ख्वार—(फ) खाने वाला । अपमा नित, निरादृत आविखसनाय ।	
ख्वारी—(फ) अपमान, अनादर, दुर्दशा । गाली । अविश्राम ।	
खवास्त—(फ) चाह, इच्छा, कामना ।	
खवास्त गार—(फ) इच्छुक, चाहक,	

ग

गग—(फ) गंगानदी । गूँगा ।
गगल—(फ) दिल्लगी, विनोद,
हँसी ।

गच—(फ) मकान का चूना जो दीवार पर या फर्श पर प्लास्टर के रूप में लगाया जाता है ।

गजाफ } (फ) झूठ, मिथ्या, शोखी,
गजाफा } व्यर्थवाद ।

गज—(फ) रजाना, भडार । डेर, राशि । समूह, अनाज की मंडी वह चीज जिसके अन्दर बहुत सी काम की चीजें हों ।

गजिया—(फ) काफ़रों से लिया जाने वाला टैक्स, ज़िया ।

गजफा—(फ) एक प्रकार का प्रसिद्ध खेल । खेलने के पत्ते ।

गजीना—(फ) रजाना, भडार, डेर ।

गजीफा—(फ) देखो 'गजफा' ।

गजूर—(फ) भडार, कोश, रजाना ।

गजे कारूँ (फ) कारूँ का खजाना ।

गज—(फ) कपड़ा या ज़मीन आदि नापने का गज । यह छत्तीस इंच या सोलह गिरह का होता है । पुराने ढंग की बन्दूक में रूढ़ ठोकने की लोहे की छड़ । एक प्रकार का तीर । भाऊ का पेड़ ।

गज इलाही—(फ) अकबरी गज जो ४१ अगुल का होता है ।

गजक—(फ) तिल और गुड़ या

चीनी के योग से बनाई गई एक खाद्य वस्तु । गजफ । शराब पीने के बाद मुँह का स्वाद ठीक करने के लिए खाई जाने वाली चीज । चाट, जलपान, नाश्ता ।

गज गाव—(फ) सुरागाय, चमरी गो, बग गाव जिसकी पूँछ का चँवर बनाया जाता है ।

गज्जनफर—(अ) सिंह, शेर ।

गज्जन्द—(फ) कष्ट, हानि, सदमा, दुःख ।

गजपा—(फ) सारस पक्षी जिसके लड़क गज के समान लंबे-पतले पैर होते हैं ।

गजब—(अ) कोप, क्रोध, अघेर, अन्याय, आपत्ति, मकट, बहुत अधिक, अद्भुत, विलक्षण, बहुत बुरा, विनाश ।

गजब इलाही— दैवी प्रफेद ।

गजब का—अद्भुत, विलक्षण ।

गजब नाक—(अ) अत्यन्त क्रुद्ध, बहुत गुस्से में भरा हुआ ।

गजबाँ—(अ) क्रुद्ध, कुपित । प्रलय-कर, भयकर ।

गजबी—श्रीधी, दुष्ट ।

गजम—(फ) भाऊ का पेड़ ।

जजर—गाँवर ।

- गजल—(श्र) फासी की या उ दूँ
 एक कविता, जिसमें एक ही
 छन्द के बहुत से शेर होते हैं,
 और प्रायः प्रत्येक शेर का प्रिय
 स्वतन्त्र होता है। वह कविता
 जिसमें स्त्रियों के सौन्दर्य की
 प्रशंसा की जाय अथवा प्रेमी
 व प्रेमपात्र का वर्णन किया
 जाय।
- गजलक—(फ) लुरी, चाकू।
- गजवा—(श्र) मुसलमानों का घमै
 युद्ध जो काफ़िरो से हो।
- गजा—(फ) नरकारा यजमाने की
 चोर।
- गजिन—(श्र) भयकर, गजघ्न का।
- गज्जी—(फ) एक प्रकार का हाथ का
 बना मोटा कपड़ा, गानी, खदर,
 गाढ़ा।
- गज्जीज—(श्र) कोमल कलिक।
 कोरल।
- गज्जीदा—(फ) पसन्द किया हुआ,
 चुना हुआ निर्वाचित।
- गजूष—(श्र) यज्ञ भयकर।
- गतरीक—(श्र) शूद्र, तुर्ग, बड़ा,
 बहादुर।
- गताय—(श्र) पगडा।
- गद—(श्र) आने वाली कल की
 मुसह।
- गददा—(श्र) ब्रह्म मुहूर्त।
- गतिश—(श्र) दृष्टि-दोरैल्य।
- गढ—(फ) गढ़ाइ भोल भौंगना।
- गदर—(श्र) निद्राह, उपद्रव, रनरा,
 विश्वासघात, उगावत।
- गदा—(फ) फकीर, विरक्त, साधु,
 भिक्षुक, भिलारी।
- गदा—(श्र) आगामी कल।
- गदाई—(फ) फकीरी, भिक्षुमगा
 पन, भिक्षा-वृत्ति।
- गदीर—(श्र) तालाब गोवर।
- गदूर—(श्र) विद्रोही, विश्वासघाती
- गदिया—(फ) मील मागना।
- गदीर—(श्र) विश्वासघाती, धोखे
 यात्र।
- गहार—(श्र) गदर करने वाला
 विश्वासघाती, विद्रोही, बेवफा।
- गनी—(श्र) दोलतमन्द सम्पत्ति
 शाली, निश्चिन्त, दस्तान।
 दृढार्थ।
- गनीवत—(श्र) सम्पन्नता, निश्चि
 न्तता।
- गनीम—(श्र) बेरी, शत्रु, छुटेरा,
 डाकू।
- गनीमत—(श्र) लूट का माल,
 भट्टे की रकम, मुपत का माल।
- गन्तोष की बात, सत्र करना।
- गनूदगी—(फ) ऊँचना, ऊँच।

गन्द—(फ) दुर्गंध, बदबू। मैला, मल।

गन्दगी—(फ) अशुद्धता अपवित्रता, मलिनता, मेलापन, मल, मैला, गलीज।

गन्दा—(फ) मैला-कुचैला, अपवित्र, मलिन।

गन्दा मगज—(फ) घमण्डी, बढ कर बातें मारने वाला। शेखी खोर।

गन्दा मगजी—(फ) घमण्ड, शेखी, बढ मोलापन।

गन्दुम—(फ) गेहूँ।

गन्दमगू—(फ) गेंदुआ रग।

गन्दुम नमा जो फरोश—गेहूँ दिखाकर उनके बदले में जौ देने वाला, बहुत बड़ा धूर्त।

गन्दुस गू—(फ) गेंदुआँ रग, गेहूँ के रग का।

गन्दुमी—(फ) गेंदुआँ रग, गेहूँ के रग का।

राप—(फ) रात, गप्प, चींग मारना, व्यर्थ की बातें, किम्वदन्ती, अफवाह।

राफ—(फ) घनी बुनावट का, घना, ठग, गाढ़ा।

राफर—(अ) छिगना, जमा करना।

राफलत—(अ) असावधानी, बे-

खबरी, भूल, चूक।

राफलत शदीद—(अ) घोर असावधानी।

राफलती—(अ) असावधानी करने वाला, बेपरवा। भुलकड।

राफ़ीर—(अ) छिपाने वाला, लोहे का बड़ा टोरा। शिरछाण।

राफूर—(अ) देने वाला, जमा करने वाला, इश्तार का एक विशेषण।

राफ़ार—(अ) बहुत उड़ा दानी, छिपानेवाला, रक्षा करने वाला, जमा करने वाला, परमात्मा (खुदा) का एक विशेषण।

राफ़स—(अ) मोटे दल का, दलदार, गफ, मोटा।

राय—(अ) बारी का बुखार।

रायज—(र) दलदार, मोटा, रुड़ा।

रावन—(अ) किसी की घरोहर ढ़प-जाना। भूल जाना। अपराध करना, हानि सहना, मन्दबुद्धि।

रावरा—(अ) गर्दगुबार, बढ स्थान जहाँ बहुत-से वृक्ष हो।

रावावत—(अ) कमसमझी, भूल जाना। कुठित बुद्धि होना।

राजी—(अ) मद बुद्धि, कम समझ, सुलत।

राजीन—(अ) मन्दबुद्धि, कम अकन।

रात्र—(फ) अग्नि पूजक, अग्नि उपासक

एक जाति

गम—(श्र) रज, दुःख, शो

गम अन्दोज—(मि०) दुःख उठाने वाला ।

गमकदा—(मि०) दुःख का घर । संसार, जगत् ।

गमखोर—(मि०) गम खाने वाला, दुःख सहन करने वाला, सहन शाल, सहिष्णु ।

गमखजार—(मि०) गम खाने वाला, सदानुभूति रखने वाला । मित्र, साहाय्य ।

गमखचारी—(मि०) सदानुभूति करना, साथ देना । मित्रता निभाना ।

गम गलत—(श्र) दुःखों मन को नहलाने वाला काम, दुःख को भुलाने का साधन, नशा, शराब, खेल तमाशा ।

गमगी (मि०) शाकात, दुःखी, रजीनी, उदास ।

गम गुसार—(मि०) दूसरी का दुःख दूर करने वाला, सफ़्त मोचक । सदानुभूति करने वाला ।

गमजदा—(मि०) दुःखी, उग्रम, शोकार्त ।

गमजन—(श्र) बिगाड़ने वाला ।

गमजा—(श्र) प्रेमिका के हाव भाव,

भ विक्षेप, कटाक्ष, सफेद, इशारे । खूब निचोड़ना । भीचना ।

गमद—(श्र) छुरी और तलवार का म्यान ।

गमदान—(श्र) संसार, दुनिया ।

गम रसीदा—(मि०) दुःखी, शाकार्त, रजीनी ।

गमाज—(श्र) ऊँचना ।

गमाद—(श्र) बहोश ।

गमिस—(श्र) पानी में हुये देना, नक्षत्र का अस्त होना । अँग की कीचड़, टीढ़ ।

गमी—(श्र) शोक मृत्यु, मौत, मोग, वह शोक जो किसी की मृत्यु हो जाने पर उसके घर वाले करते हैं, शोक की अवस्था, शोक का समय ।

गमेहिअ—(श्र) नियोग वेचना, निद्रोह बन्ध शोक ।

गम्माज—(श्र) निन्दक, चुगलपार-अँगो से इशारा करने वाला ताना देने वाला ।

गम्माजी—(श्र) निन्दा, चुगली ।

गयायत—(श्र) वह चीज जो दूसरी चीज को छिपाने । छिपा गायब होना । गहराद पुकार मुन जाना । पुकार, दुःख ।

गयार—(श्र) महुदियों के कपड़ी के

एक चिह्न ।

गयास—(अ) मुक्ति, छुटकारा,
सहायता ।

गयूर—(अ) गैरत दाग, सफ़ाचशील,
लज्जाशु ।

गय्याक—(अ) जसकी दाढी बहुत
बड़ी हो ।

गय्यूर—(अ) इथालु, डाह करने
वाला, आन रखने वाला ।
गैरतदा ।

गार—(फ) (शब्दों के अन्त में)
करने वाला बनाने वाला यथा
शीशागर, ईहीलागर । यदि, जो ।
स्वामी और रखने वाले के अर्थ
में भी प्रयुक्त होता है । खाल ।

गर—(फ) व्यभिचारिणी स्त्री, वेश्या
कुटिला ।

गरदिल—(फ) कुटेल । कायर

गारक—(अ) डूब जाना, जल जाना,
मग्न होना, किसी काम या
विचार में तल्लीन, मग्न ।

गरकाब—(अ) बहुत गहरा पानी,
हुवान पानी, हुआ हुआ,
निमग्न ।

गरकी—(अ) अत्यधिक वर्षा का
होना, बाढ़, जल-आवन ।

गरकीना—(फ) खाल, छाल ।

गरचक—(फ) मूस, अजानी ।

गरचा—(फ) मूर्त । कायर, कापुरुष ।

गरचे—(फ) यद्यपि, अगरचे ।

गरगरा—(अ) गले में पानी भर
के गर गर शब्द करना, वह
शब्द जो मृत्यु के समय गले
में कफ धिर जाने निक
लता है ।

गरज—(अ) मतलब, स्वार्थ आशय,
इच्छा, आवश्यकता,
यह कि । निशाना ।

गरज मन्द—(फि०) जिसका कुछ
मतलब हो, जिसे कुछ जरूरत
हो ।

गरजी—(अ) आने काम से काम
रखने वाला, रमाय्यो, मनलबी ।

गरदन—(फ) ग्रीवा

गरदन फराज—(फ) प्रतिद्वन्द्व,
गौरव सम्पन्न ।

गरदनी—(फ) किसी का कदो से
बाहर करने के लिए गर्दन पक-
ड़ने में की क्रिया, अधचन्द्र,
घाड़ों का उड़ाने का करड़ा ।
गले में पहनने का आभूषण,
कुश्तीलड़ने का एक दाव ।

गरदान—(फ) लौटना, घूमना,
मुड़ना, वह वस्तुतः जो लौट फिर
कर अपने ही आदु पर आ जाता
हो शब्दों का रूप सिद्ध करना ।

गरदानना—(फ) घेर लेना, दौड़कर
 किसी को पकड़ लेना, लपेटना,
 दुहराना, किसी को कुछ न
 समझना, किसी के श्रुतगंत
 समझना । शब्दों के रूपों को
 दुहराना ।

गरदिश—(फ) सकट । घुमाव ।
 चक्कर । गति, चाल ।

गरदी—(फ) भारी उलट-पलट,
 प्रान्ति, महान् परिवर्तन, दुर्भाग्य ।
 घूमना फिरना ।

गरदूँ—(फ) आकाश, आसमान,
 गाढ़ी, छरुड़ा । रथ, नहली ।

गरदूँ गराम—(फ) उन्नत मस्तक,
 प्रतिष्ठित, विरघात ।

गरध—(अ) थस्त होना, पश्चिम
 दिशा । पानी भरने का ढोल ।
 तेज़ी । द्रुतगामी घोड़ा ।

गरदाल—(फ) आटा छानने की
 छलनी ।

गरची—(अ) पश्चिम का, पश्चिमी,
 पाश्चात्य ।

गरधीला—(फ) नमरेवाज़, धर्मशा ।

गरम—(फ) उष्ण, तप्त, ज्वलता
 हुआ । शीघ्र ।

गरमक—गरयूजा और सदे की
 तरह का फल विशेष ।

गरम रून—(फ) घण्ट मित्र ।

प्रियमित्र ।

गरम रोज—चालाक । चलता
 पुजा ।

गरम जोश—(फ) उद्योत्साह,
 प्रबल प्रेम ।

गरमजोशी—(फ) प्रेम की अधि-
 कता, अनुराग का आधिपत्य ।

गरम दिमागी—(फ) घमण्ड,
 गरूर, दुरभिमान ।

गरमा—(फ) गरमी का मौसम,
 ग्रीष्म ऋतु ।

गरमाई—(फ) गरमी, उष्ण, शरीर
 का पुष्ट या गरम करने वाली
 वस्तु ।

गरमा गरम—(फ) उष्ण, तृप्त,

गरमाना—(फ) क्रुद्ध होना, गुस्सा
 करना, गाम होना या करना ।
 पशुओं का मदोन्मत्त होना ।

गरमाया } (फ) गरम पानी से
 नहाना । गरम पानी का
 गरमाया } स्नानागार ।

गरमी—(फ) प्रेम, उद्योता, चलन,
 ताप, उम्रता, तेज़ी । जाश, कोप,
 आवेश, दुरभिमान, ग्रीष्मऋतु,
 छूत का देग आतशक ।

गरज—(फ) चावल ।

गरा—(फ) मर्हंगा, बहुमूल्य, नर्घ
 भारी ।

- गरा अरजिश—(फ) बहुमूल्य, वेश कीमत ।
- गरा खातिर—(फ) अप्रिय, असह्य, नागवार, भारभूत ।
- गरा खिराम—(फ) मन्दगति से चलने वाला ।
- गराज—(फ) बहादुर, साहसी,
- गराँजान—(फ) आलसी, निक्म्मा, जो सहज न मरे, जो जल्दी न मरे, बूढ़ा, महाप्राण ।
- गराँजानी—(फ) गरा जान का भाव ।
- गराँ-बहा—(फ) बहुमूल्य, वेश कीमत, अधिक मोल का । महर्ष ।
- गराँ-भाया—(फ) भेष्ट, उत्तम, अधिक दामों का, बहुमूल्य । महर्ष ।
- गराँ रकाब—(फ) रणधीर । युद्ध में धैर्य पूर्वक लड़ने वाला ।
- गराँ सर—(फ) घमण्डी, अभिमानी ।
- गरासाया—(फ) प्रतापी, प्रतिष्ठित, बीर, बहादुर ।
- गरासग—(फ) प्रताप युक्त, तेजस्वी । भारी भरकम, धीरवीर ।
- गरानी—(फ) मेंहगी, महर्षता, तेजी, मारीन ।
- गरा नुमाया—(फ) बहुमूल्य ।
- गरीब—(अ) लालच, प्रेम, हिंस, कष्ट ।
- गरामी—(फ) प्रतिष्ठित, माननीय, वयोवृद्ध ।
- गरायब—(फ) गरीब (अद्भुत वाचक) का बहु वचन । बहुत सी अनौखी चीजें ।
- गरायर—(अ) 'गरारा' का बहु वचन ।
- गरायश—(फ) इच्छा, प्रवृत्ति, मेल ।
- गरारा—(फ) दीला दाला (पाजामा) नाज की गोन, कुल्ला, गले में गरम पानी भर कर उसे सँकने की किया । अनुभव-दीनता ।
- गरीक—(अ) निमग्न, मग्न, डूबा हुआ ।
- गरीक रहमब—परमात्मा की दया में लीन, जिस पर ईश्वर की विशेष कृपा हो ।
- गरीज—(अ) स्वभाव, प्रकृति, सहिष्णुता, सहनशीलता ।
- गरीजी—(अ) स्वाभाविक, प्राकृतिक, कुदरती ।
- गरीद—(अ) कगाल, सीधा, भोला, प्रतापी, मुसाफिर, अनौप्या, विचित्र ।
- गरीब उलवतन—(अ) जो घरघार

छाड़कर विदेश में पका हा ।
प्रवासी ।

गरीब खाना—(मि०) मेरा मकान,
अपना मकान, इस गरीब का
घर । विनम्रता प्रकट करने के
लिए अपने घर के सम्पत्ति में
व्यवहृत होता है ।

गरीब जादा—(मि०) मेरा लड़का,
किसी का अपना लड़का । अपने
लड़के के लिए बोला जाता है ।

गरीब नवाज—(मि०) गरीबों का
पालन पोषण करने वाला, दीन
पर दया करने वाला ।

गरीब परवर—(मि०) देखा "गरीब
नवाज" ।

गरीबाना—(फ) गरीबों का सा ।

गरीबी—(घ) निर्धनता, दीनता,
धनता, मोलापन । प्रवास ।

गरीब—(घ) अनुमतिहीन युवक,
मुसीब ।

गरीबी—(घ) स्वामित्व, अमली ।
अहमि ।

गरीब—(घ) सूर्य चंद्रमा अथवा
निकी तारे का अमन दाता ।

गरीब—(घ) अभिमान, धर्म, छल
काट ।

गरेबाँ } —(फ) कुत्ते आदि का
वह भाग जो गले में
रहता है, गले रक्त,
कण्ड ।

गरेब—(फ) कालाहल, हल्ला गुल्ला ।

गरीब—(घ) समुदाय, कुटुंब, जाया,
टाली ।

गक—(घ) डूबा हुआ, निमग्न,
तल्लीन

गक—(घ) जलमग्न ।

—(फ) धूल, रेत, रेणु, साठ ।
एक प्रकार का रेशमी काटा ।

गर्द आव—(घ) पानी का भँवर ।

गर्दखोर—(घ) जो धूल मिट्टी पकने
में जल्दी मैला या खराब न हो,
धूल भक्तक ।

गदन—(घ) दण्ड "गर्दन" ।

गदयस्वा—(घ) धूलि धूसरित ।

गदवाद—(घ) बगदर, वायुचक्र,
हवा का झूला ।

गर्दिश—(घ) देखो "गर्दिश" ।

गर्दिशे अय्याम—(घ) कालचक्र,
दिन का फेर, भित्ति के दिन ।

गर्द—(घ) आकाश, गाड़ी,
छक्का ।

गय—(घ) देखो "गरब" परिचय ।

गम—(घ) देखो "गरम" ।

गर्मी—(घ) देखो "गरमी" ।

गर्—(अ) असावधान, अनुभव-
हीन, घमड़, तलवार की तेजी ।

गर्—(अ) घमड़, शेखी ।

गर्—(फ) शोर करने वाला, गुस्से
से चीखने वाला । भयकर शब्द
करने वाला ।

गलराल—(फ) एक गल्ली विशेष,
पक्षियों का कोलाहन ।

गलगला—(फ) कोलाहल, चिन्त-
पुकार, शोरगुल ।

गलत—(अ) जो ठीक न हो, भ्रम
मूलक, झूठ, असत्य ।

गलत इन्दराज—मिथ्यालेख ।

गलत नामा—(फ) गलतियाँ की
सूची, शुद्धि पत्र ।

गलत फहमी—(मि०) भूल से कुछ
का कुछ समझ लेना ।

गलतबयानी—भ्रान्त वर्णन, मिथ्या
कथन ।

गलती—(फ) छुड़कता हुआ । घूमा
हुआ ।

गलता व पेचाँ—विचार में निमग्न,
सोच में डूबा हुआ ।

गलता—(फ) एक प्रकार का मोटा
रेशमी कढ़ा, तलवार रखने का
म्यान ।

गलताक—(तु) कुरता ।

गलती—(अ) भूल, चूक, भ्रान्ति,

घोखा, अशुद्धि ।

गलफ—(अ) किसी चीज़ पर गिलाफ
चढ़ाना ।

गलबा—(अ) आक्रमण, प्रभाव,
बल, प्रधानता, अधिकता ।

गलबात—(अ) गलबा का बहुवचन ।

गलबाय—(अ) बने और आपस में
मिले हुए वृत्तों का समुदाय ।
कुज । झुमट ।

गलमत—(अ) तीव्र विषय वासना ।

गलाजत—(अ) मैना, बिन्दा,
गन्दगी, मलिनता ।

गलाला—(फ) घूँघगले बाल । झुल्फ

गलाला—(अ) सलूका मैलखोरा ।

गलियान—(फ) हुक्का ।

गलील—(अ) प्यास, तृषा ।

गलीज—(अ) मलिन, गन्दा, अशुद्ध,
मल, बिन्दा, मोटा, दबीज,
दलदार ।

गलोल—(अ) गोली या डेला फेंकने
का एक कमानीदार यन्त्र, कमान,
गिलोल, शीघ्र पच जाने वाला
भोजन ।

गलोला—(अ) गोली, गेला ।

गल्मा—(अ) आक्रमण, हमला ।

गल्ला—(फ) पशुओं का समूह,
झुण्ड, रेवड़ ।

गल्ला—(अ) अनात्र, अन्न, फस

फुन आदि की उपज, वह धन जो
दुकान पर नित्य की विक्री से
प्राप्त होता है । गोलफ ।

गल्लात—(अ) 'गल्ला' का बहुवचन
} (फ) पशुओं का रेवड़
गल्लावान } विशेष कर भेड़ों का
} चराने वाला, गढ़-
गल्लेवान } रिया । समुदाय का
} रक्षक ।

गल्लेवानी—(फ) भेड़े चराना, पशु
पालन । पशुओं का निरीक्षण ।

गवार—(फ) सहा ।

गवारा—(फ) मन पसन्द, रुचि
अनुकूल, स्वीकार करने योग्य ।

गवारिश जवारिश—(फ) स्वादिष्ट
औषधि ।

गवाल—(फ) गोन, घोड़ गधों रप
लादी जाने वाली ।

गवाशी—(फ) गाशिया का बहुवचन ।

गवाह—(फ) साक्षी ।

गवाह चरमदीह—प्रयत्न दर्शा
मात्मी, आँखों देखा गवाह ।

गवाह सरकारी—राज साक्षी ।

गव्यास—(अ) मोती निकालने के
लिए गांठा लगाने वाला ।

गश—(फ) प्रसन्न, भक्षा, अच्छा ।

राश—(अ) मूछा, बेहोशी, अचे-
तना । मनोगत भाव के विरुद्ध
करना । असली चीज में नफसी

चीज मिलाना ।

गशान—(फ) बहुतायत, प्रचुरता ।

राशी—(अ) बेहोशी, मूछा, अचेतना ।

गशनीज—(फ) धनियाँ

गशियान—(अ) मूर्छित होना ।

गश्त—(फ) चक्कर लगाना, घूमना,
घेर करना, भ्रमण, चौकसी के
लिए घूमना ।

गश्ता—(फ) भ्रमण किया हुआ,
घूमा फिरा हुआ ।

गश्ती—(फ) घूमने वाला, दीप
करने वाला, गश्त करने वाला,
पहरा देने वाला, चलना ।

गश्ती हुकूम—प्रसिद्धि पत्र, भ्रमण
पत्रिका ।

गश्श—(अ) मनोभाव के विरुद्ध
फटने वाला । असली चीज में
नफसी मिलाने वाला धूर्त,
मक्कार, कुटिल ।

गस—(अ) निर्बल, कमजोर, मराब ।
सड़ा गोस्त । पीब ।

गसस—(अ) बलपूर्वक दूमरे की
वस्तु से लेना, छीनना, अपहरण
करना, बेईमानी से किसी का
धन लूटना ।

गसन—(अ) वृद्ध की शाखा ।

गसियान } (अ) जी मचलाना ।
गली }

- गसूल—घोने या नहाने का पानी ।
 गिर घोने की चीज मुल्तानी
 मिट्टी, खल, रीठा आदि ।
- गससाल—(अ) वह जो स्नान करता
 हो, नहाने वाला ।
- गह—(फ) स्थान, जगह, समय, वक्त ।
- गहगौर—(फ) बदमाश घोड़ा जो
 सवारी न दे ।
- गह्वारा—(फ) हिंडोला, पालना,
 झूला ।
- गाई—(अ) चरम सीमा, पराकाष्ठा ।
- गाज—(फ) कैंची, जिससे दिये का
 फूल कतरते हैं । हरी घास ।
- गाजजा—(फ) धोबी ।
- गाजरदार—(फ) कुश्ती का पेच,
 घोड़ी पाट ।
- गाजा—(फ) झूला ।
- गाजा—(फ) उच्छटन । एक प्रकार का
 सुगन्धित चूर्ण जो सुन्दरता
 बढ़ाने के लिए मुँह पर लगाया
 जाता है ।
- गाजी—(अ) धर्मयुद्ध में काफिरों
 का वध करने वाला । योद्धा,
 वीर, विजयी ।
- गाजी—(फ) नट ।
- गाजी मर्द—(अ) गाजी, घोड़ा ।
- गाजी मियाँ—(अ) मुल्तान महमूद
 के भतीजे सैयद सालार की
- उपाधि, मुसलमानों में इनकी
 बड़े वीरों के समान पूजा
 होती है ।
- गादिर—(अ) विश्वासघाती। बेवफा,
 प्रतिज्ञा पूरी न करने वाला ।
- गान } (फ) गुना, बार, जैसे
 गाना } “दोगान” दुगुना या दोबार ।
- शानी—(अ) धनी, अमीर । गायक
 योग्य, दण्डनीय ।
- गाफिर—(अ) छिपाने वाला, अप-
 राध क्षमा करने वाला ।
- गाफिल—(अ) असावधान, अचेत,
 बेसुध, बेखबर ।
- गाव—(अ) जंगल, वन । ‘गावा’
 का बहुवचन ।
- गाबिन—(अ) सुस्त का हल शिथिल ।
- गाबिर—(अ) आने जाने वाला
 वध होने वाला, अशिश्ट ।
- गावा—(अ) जंगली, बने । जंगल,
 जमीन, नीची जगह ।
- गावात—(अ) बहुत से जंगल ।
- गाम—(फ) डग, पग, कदम । घोड़े
 की लगाम ।
- गायत—(अ) चरम, अत्यन्त, अधिक
 से अधिक, भंडा, उच्छेद्य अभि-
 प्राय ।
- गायध—(अ) छिपा हुआ, अनुप-
 स्थित, गुप्त, अन्तर्धान । व्याकरण

में अन्य पुरुष अथवा वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में कुछ कहा जाय ।

गायबवाज—(फ) शतरज का सिद्ध हस्त खिलाड़ी ।

गायबाना—(अ) पीठ पीछे, अनुपस्थिति में ।

गायर—(अ) घारीक, सूक्ष्म, नुकीली ।

गायस—(अ) डुबकी मारने वाला ।

गायी—(अ) आत्यन्तिक ।

गार—(फ) करने वाला, कर्ता, जैसे “गिदमतगार” (सेवा करने वाला) योग्य, कारण । रोजगार, यादगार, । यथा आदि ।

गार—(अ) खोह, गुफा, कन्दरा, दरी, गहरा गढ़ा, जंगली जानवरों के रहने के गढ़े ।

गारत—(अ) नाश, संशय, लूटमार ।

गारतगर—(मि) लुटेरा, शत्रु, विनाश करने वाला ।

शारिक—(अ) वह व्यक्ति जिसके सिर से पानी ऊँचा हो जाता है

शारिरा—(अ) माली, पेड़ लगाते वाला ।

शाल—(फ) कमनी अन्न । दुर्लभ, धूर्तता ।

शालिष—(अ) बलिष्ठ, दूसरों को

दवाने वाला, विजयी, जिसके होने की अधिक सम्भावना हो ।

शालिषाना—अविभूत करना ।

शालिषन—(अ) सम्भवतः, बहुत मुमकिन है ।

शाली—(अ) महंगा, चरम ।

शालीचा—(फ) एक प्रकार का बिछीना । गलीचा, कालीन ।

शान—(फ) गाय, बैल, खँट । एक प्रकार की सुराही ।

शाव अघर—(फ) एक जलजन्तु, कहते हैं अघर इसी से पैदा होता है । वह घनी भिन्नसे औरों को लाम हो ।

शाव आहन—(फ) हलकी पर ।

शावकुशी—(फ) गोपध, गा हत्था ।

शावस्तुर्द—(फ) विनष्ट, टटा भंग, भराद ।

शाव गरदू—(फ) क्षयरसि ।

शाव जधान—(फ) एक जड़ी जो पारस देश में पैदा होती और दवा के काम आती है ।

शावजमी—(फ) वह बैल जिसकी पीठ पर घुँघरी है ।

शाव तकिया—(फ) बड़ा तकिया जो महाजनों में परों पर लगाया जाता है, मसनद ।

गावदी—(फ) मूर्ख, बेवकूफ ।

गावदुम—(फ) जिमका बनाने काय
को पूँछ के समान चढाव उतार
का हो, भिगुल नपीरी, तुरही ।

गावदोश } (फ) दूध दुहने की
गावदोशा } दुहनी ।

गावमेश—(फ) भैंस, महिष ।

गाव रस—(फ) बाजरा, चना ।

गावरीश—(फ) मूर्ख, हँसोइ,
लालची ।

गावशीर—(फ) एक प्रकार का
गौद ।

गायी—(अ) पथभ्रष्ट, गुमराह ।

गाशिया—(अ) धोके का जीनपोश,
पलान, दोजल की आग । कपा-
मत । बेहोश करने वाली बीमारी,
ढाँप सेने वाली ।

गासिब—(अ) लूटने वाला, लुटेरा ।
दूसरे का अधिकार हड़प करने
वाला ।

गाह—(फ) स्थान, जगह, समय ।
खेमा, राजसिंहासन, जूए का
दाव ।

गाह गाह—(फ) कमी-कमी, यदा
कदा, जन्म-मरण ।

गाह ब गाह—(फ) कमी-कमी, यदा
कदा, जब तब ।

गाहे व गाहे—(फ) देखो “गाह

गाह”

गिचक—(फ) सारंगी, बाजा विशेष ।

गिज्जा—(अ) भोजन, छाया, पदार्थ,
खाने को वस्तुएँ ।

गिज्जाफ—(फ) व्यर्थ की बकवाद,
झूठी शेखी, डीत ।

गिज्जाल—(अ) हिरन का बच्चा । सूर्य ।

गिज्जाली—(अ) मुसलमानों का
मराहूर तत्ववेत्ता ।

गिज्जीदा—(फ) साप बिच्छू आदि
का काट खाया हुआ । दशित ।

गिज्जाल—(अ) रस्सी बेचने वाला ।

गिज्जाला—(अ) हिरन का बच्चा जो
मादा हो । सूर्य

गिमाद—(अ) मकान की छत ।

गियाह—(फ) हरी घास ।

गिरच—(अ) चूना इमारत में काम
आने वाला ।

गिरदा—(फ) गोल तकिया, गैदुआ ।
एक प्रकार का पक्वान, गोल
टिकिया, चक्र, गोलफिर थाली,
तश्तरी, दरी का गोल टुकड़ा जो
हुकके के नीचे पर्थ पर बिछाया
जाता है ।

गिरदाव—(फ) पानी का भँवर ।

गिरदावर—(फ) घूमने वाला,
जगह-जगह जाकर काम की जाँच
करने वाला । निरीक्षक, शासक ।

गिरदावरी—(फ) गिरदावर का नाम या पद ।

गिरफ्त—(फ) पकड़ना, पकड़, कोई आपत्तिजनक बात । गप, झूठ, ताना ।

गिरफ्तार—(फ) पकड़ा हुआ, पँसा हुआ ।

गिरफ्तारजन—(फ) ताना देने वाला मिथ्याभाषी, बकबादी ।

गिरफ्तार—(फ) पकड़ा हुआ, पँसा हुआ, बाँधा हुआ, भसा हुआ ।

गिरफ्तारी—(फ) पकड़ना, गिरफ्तार करना । बन्दीकरण ।

गिरध—(फ) गिरवी, रहन, शत, कैद ।

गिरधी—(फ) बंधक रखता हुआ, रहन रखता हुआ ।

गिरधीदार—(फ) आकर्षित, मुग्ध, प्रवृत्त, आतक्त ।

गिरधीदार—गहना रखने वाला ।

गिरह—(फ) गॉट, ग्रिय, दो पोरों के जोड़ की जगह, गज का मोनहवाँ भाग, जेब, स्वीमा । फलामु टी, कला चात्री ।

गिरहकट—(मि०) गैठकटा, जेबकटा ।

गिरहदार—(फ) गॉठ दार, गँठीना, बिस्मै गाँठें हो ।

गिरह घर गिरह—(फ) दुःख पर दुःख, शोक पर शोक, चिन्ता पर चिन्ता ।

गिरहघाज—(फ) उड़ते उड़ते कला मुड़ी गाने गाला कबूतर ।

गिराँ—(फ) महँगा । महर्ष ।

गिराजा—(फ) इठला कर चलने वाला ।

गिरानी—(फ) देखो "गरानी"

गिरामी—(फ) देखो "गरामी"

गिरिया—(फ) रोना, रोदन, रुला ।

गिरियाँ—(फ) रोने वाला, रोता हुआ ।

गिरो—(फ) बंधक, गिरवी, रोदन, शत ।

गिरोह—टोली, झुड़, ठमुगय ।

गिहरी कुनिन्दा—गहना रत्न देने वाला ।

गिर्द—(फ) चहुँ ओर, आल-बास, चारों तरफ ।

गिर्दबाद—(फ) देखो "गिरग" ।

गिर्दक—(फ) स्वेमा, पहेली ।

गिदजान—(फ) आलगेट ।

गिद बालिश—(फ) लम्बा छोर गाल तकिया, मसनद गाल तकिया ।

गिर्दुर—(फ) बर्दे का बरमा,
गिर्दागिद—(फ) चारों ओर, चारों
तरफ, सर्वत्र ।

गिर्दावर—(फ) देखो “गिरदावर” ।

गिर्दोनवाह—आस-पास के स्थान
समीपवर्ती ।

गिल—(फ) मिट्टी । पानी में सनी
हुई मिट्टी ।

गिलकार—(फ) मिट्टी का पलस्तर
करने वाला ।

गिल्ला } (अ) गुलाम का बहु
गिल्लमान } व वन, बहुत से दास,
वे सुन्दर लड़क जो
बहिश्त में सेवा
शुश्रूषा करने के
लिए रहते हैं ।

गिलमाला—(फ) ‘करनी’ जिससे
राज दीवारों पर चूना या गारा
लगाते हैं ।

गिला—(फ) शिकायत, उलाहना,
निंदा ।

गिलाजत—(अ) मलिनता, गन्दगी,
मैला, बिटा, स्थूलता, कड़ा
पन ।

गिलाफ—(अ) तकिया अथवा
लिहाफ आदि पर चढ़ाने का
खोल, खोली । घड़ी रजार्ड

तलवार का म्यान ।

गिलावा—(फ) पानी में धुली हुई
मिट्टी जिससे दीवार बनाते हैं ।
गारा ।

गिली—(फ) मिट्टी से बना हुआ,
मिट्टी की चीज ।

गिलीम—(फ) कम्मल, कमली,
ऊनी भगला ।

गिले हिकमत—(फ) दवा आदि
बनाने के लिए, शीशी को आग
पर चढ़ाने से पूर्व उस पर
कड़ा और मिट्टी लपेटना,
कपरोटी करना ।

गिलोला—(फ) देखो “गलोला” ।

गिल्ल—(अ) कीना, मनामालिन्य ।

गिरा—(अ) बुराई, दोष, खोटापन ।

गिसल—(अ) नक्षत्र या धोने का
पानी ।

गिसाय—(अ) पर्दा, सूक्ष्म आवरण,
फिल्ली ।

गी—(फ) यह शब्दों के अन्त में
लग कर युक्त, भग हुआ आदि
अर्थ देता है ।

गीती—(फ) विश्व, संसार, दुनिया ।

गीदी—(फ) भीरु, डरपोक, कायर,
मूर्ख, निर्लज्ज, नपुंसक ।

गी } (फ) भरा हुआ, पूर्ण ।
गीन } इश्वर, स्वामी ।

शीघ्रत—(अ) पीठ पीछे निन्दा

करना, चुगली खाना ।

गीषा—(फ) तीरों का तरफ़श ।

गीर—(फ) पकड़ने वाला, लेने वाला, रखने वाला ।

गू ग—(फ) गू गापन, मूकता, गू गा, मूक ।

गु चा—(अ) कली, कलिका, बिना खिला फूल, अविफसित प्रसून ।

गु चा बार—(मि०) कलियाँ बरसाने वाली ।

गु जा—(फ) बिना खिला फूल, अविफसित प्रसून, कली, कलिका ।

गु जा आष—(फ) पानी का बुलबुला ।

गु जाइश—(फ) अवकाश, स्थान, समाने की जगह, समाइ, सुमीता ।

गु जान—(फ) सधन, धना ।

गुजर—(फ) मार्ग, निकाल, साधन, पहुँच, पैठ, प्रवेश, गति, निर्वाह,

गुजरगाह घाटी—(अ) रास्ता, मार्ग, पथ ।

गुजरना—(फ) चोखना, व्यतीत होना, कटना, पेश होना, उपस्थित होना, पहुँचना ।

गुजरनामा—(फ) मार्ग का आश

पत्र ।

गुजरषसर—(फ) निर्वाह, काल क्षेप ।

गुजरवान—(फ) मार्ग-रक्षक ।

गुजरान—(फ) गुजस्ती हुए, खर्च करती हुए । निर्वाह ।

गुजरानना—प्रस्तुत करना, ले जाना ।

गुजरी—(फ) वह बाज़ार जो तीसरे पहर सड़क के किनारे लगता है ।

गुजस्ता—(फ) नीता हुआ, भूत, गत, व्यतीत, पिछला, गुजरा हुआ ।

गुजात—(अ) 'गाज़ी' का बहुवचन ।

गुजाफ—(फ) बेन्गी घाते, बाहियात घातें ।

गुजार—(फ) माग, रास्ता, देने वाला, जैसे मालगुजार, विदमत गुजार ।

गुजारना—(फ) काटना, बिताना, पहुँचाना, उपस्थित करना ।

गुजारा—(फ) निर्वाह, गुजर, जीवन निर्वाह के लिए दी जाने वाली श्रुति, महसूल वसूल करने की जगह । असीम बहुत ।

गुजारिश—(फ) निवेदन, प्रार्थना, अभ्यर्थना । देना, अदा करना ।

गुजाश्त—(फ) दान की हुई या माफी की जमीन, घटने या

निकालने की किया ।

गुजिश्ता—(फ) पिछला, बीता, गत ।

गुजी—(फ) चुना हुआ, पसन्द किया हुआ । उत्कृष्ट, श्रेष्ठ ।

गुजीर—(फ) छुटकारा, बचाव, वश, उपाय, साधन ।

गुदड़ी—(फ) वह बाजार जो दोपहर बाद सड़कों के इधर-उधर लगता है ।

गुदाज—(फ) पिघलने वाला, द्रवित होने वाला, दयाद्र कोमल, (हृदय), मोटा पिल्लिला,

गुदाजिश—(फ) पिघलाहट, गलना,
गुदगुदा, दबीज—पिघलाने या द्रवित करने वाला, जैसे दिल गुदाज—हृदय द्रवक ।

गुदूव—(अ) गिलटी ।

गुनचगी—(फ) खिलने की किया, खिलना ।

गुनचा } (फ) देखो "गुचा"

गुनजा } (फ)

गुनचा दहन—(फ) गुलाब की कली सहस्र सुन्दर सुगंध वाला ।

गुनह—(फ) पाप, अपराध, दोष, कुसर ।

गुनहगार—(फ) पापी, अपराधी, दोषी ।

गुनाह—(फ) देखो "गुनह" ।

गुनाहगार—देखो "गुनहगार" ।

गुनाह बे-लज्जत—ऐसा दुष्कर्म करना जिससे कुछ भी लाभ न हो ।

गुनिया—(फ) लकड़ी या लोहे का बना एक औजार जिससे किसी चीज का कोना नापते हैं ।

गु जायश—(फ) ममायी, आस्था ।

गुन्दबीर—(फ) अति वृद्ध स्त्री ।

गुन्ना—(अ) अनुस्वार, अनुनासिक, नाक में होकर चोला जाने वाला ।

गुफ्त—(फ) कहा हुआ, कहा गया ।

गुफ्तगू—(फ) बात चीत, वार्तालाप, सम्भाषण ।

गुफ्त व शुनीद—बात-चीत, सम्भाषण, वार्तालाप ।

गुफ्ता—(फ) देखो "गुफ्त"

गुफ्तार—(फ) कहा हुआ, कहा गया ।

गुब्ब—(अ) बहुत लहर लेने वाली नदी ।

गुब्बार—(अ) धूल मिली हुई हवा, गर्द, मनमें दबाया हुआ क्रोध या दुःख ।

गुबारा—(अ) कागज आदि का बना वह बैला जिसमें गरम हवा भर के आकाश में उड़ते हैं,

गुंघारा ।

गुम—(फ) गोया हुआ, छिपा हुआ । अप्रसिद्ध, गुप्त ।

गुम गरता—(फ) सोया हुआ ।

गुमजदा—(फ) भूला भटका, खोया हुआ ।

गुमनाम—(फ) नामरहित । जिस पर किसी का नाम न हो, जिसका नाम किसी को मालूम न हो ।

गुमबूदगी—(फ) डर जाना । भय जाना ।

गुमराह—(फ) जो रास्ता भूल गया हो, पथ-भ्रष्ट ।

गुमराह करना—भुलावा देना ।

गुमराही—(फ) पथ-भ्रष्टता, मार्ग भूलना ।

गुमशुदा—(फ) सोया हुआ, भटका हुआ ।

गुमान—(फ) सन्देह, शका, अनुमान, अटक ।

गुमानी—(फ) श्रमिदानी, बहकरी ।

गुमाश्ता—(फ) प्रतिनिधि, मुनीम, कारिन्दा ।

गुम्बद—(फ) गोलाकार और ऊँची छत, नितम्ब, चूतड़ ।

गुम्बदे चार बन्द—(फ) सप्तर ।

गुम्बदे तज गरत—(फ) आकाश, आसमान ।

गुम्बदे आब—(फ) पानी का बुल बुला, जल बुन्द ।

गुम्मा—(श) शोक, दुःख । गुप्त ।

गुर—(श) प्रसिद्ध लोग, बड़े आदमी ।

गुम्बदे लाजवर्दी—(फ) आकाश मण्डल, आसमान ।

गुरज—एक देश विशेष ।

गुरजी—(फ) गुरज (जार्जिया) देश का निवासी । कुत्ता, सेवर ।

गुरदन—(फ) मल्ल, पहलवान, वीर, बली ।

गुरदा—(फ) शरीर के भीतर का एक अंग । वक्क । हिम्मत, साहस ।

गुरफ—(श) गुरफा का बहुवचन ।

गुरफा—(श) छत के ऊपर बना हुआ कमरा, अट्टा, अटारी, बागला, लिङ्की दरीवा, बुल्ल भर पानी ।

गुरफिस—डराना, घमकाना ।

गुरब—(श) विदेश में होना, यास । आश्चर्य जनक ।

गुरबत—(श) विदेश का निवास, यास । निर्धनता ।

गुरवा—(फ) शिल्ली ।

गुरवागू—(फ) धूर्त मक्कार ।

गुरया—(श) 'गरीब' का बहुवचन ।

गुरुबुज—(फ) धूर्त, मक्कार, छद्मवेशी ।

गुरस—भूख ।

गुरसना—(फ) भूखा ।

गुरसना चश्म—(फ) फंजूस, लालची ।

गुरसगी—(फ) भूख, लुधा ।

गुराब—(अ) कौआ, एक प्रकार की नाव ।

गुराजी—(फ) साहस, वीरता ।

गुरूगर—(फ) परमात्मा, इच्छा पूर्ति करने वाला ।

गुरूब—(अ) देखो 'गुरूब'

गुरूर—() देखो 'गुरूर'

गुरेज—(फ) भागना, दूर रहना, घृणा करना, बचना, टालमटोल करना । कविता में एक विषय छोड़ कर दूसरे विषय का बखान करने लगना ।

गुरेज पा—(फ) भगोड़, बार-बार भाग जाने वाला ।

गुरा—(फ) मेढ़िया, शृगाल ।

गुर्ज—(फ) मोटा सोंटा, गदा ।

गुरदा—(फ) देखो 'गुरदा' ।

गुरा—(अ) घाड़े के माथे पर का सफेद दाग, मुसलमानों के महीने की पहली तारीख, उपवास, श्रेष्ठ वस्तु । सरदार ।

गुरा बताना—किसी याचक को बिना कुछ दिये टाल देना ।

गुल—(फ) फूल, गुलाब का फूल, दीपक की बत्ती का जला हुआ भाग, जला हुआ तम्बाकू जो हुक्का पीने के बाद चिलम में हो जाता है । बुझाता, जलता हुआ अँगारा । पशुओं के शरीर पर रगीन दाग, परिणाम । गुन जब अकेला आता है तो इसका अर्थ गुलाब का फूल होता है । किसी वृक्ष या पौधे के साथ सम्बन्धित होने पर उस फूलों से अभिप्राय होता है । जैसे गुले नबूना, बाबून के फूल ।

गुल—(अ) हलना, शोर, कोलाहल ।

गुल अन्दाम—(अ) सुकुमार, जिसका शरीर फूल जैसा कोमल हो ।

गुल अन्बास—(मि) गुलाब गोंध या गुले गोंध नाम से प्रसिद्ध एक पौधा, जिसमें लाल अथवा पाले रंग के फूल लगते हैं ।

गुलक } (अ) पैम डालने की गोलक ।

गलक } जिसका मुँह दरवाजा चन्द है ।

गुलकदा—(फ) नाग पुष्प शटिका ।

गुलकन्द—(फ) गुलाब के फूल और

खोंड़ मिलाकर बनाई गई एक

दवा । माशूक के ओठ ।

गुलकर्म—(फ) प्रकट हुआ । प्रकाशित ।

गुलकारी—(फ) किसी चीज पर बेल-बूटे काटना या खोदना ।

गुलखन—(अ) भाड़ मट्टी । कुहाकरकट डालने की जगह ।

गुलखाना—(मि) नाग ।

गुलखिलना—किसी बात का रहस्य खुलना, अद्भुत घटना होना ।

गुलगश्त—(फ) सैर, फूलबाग की सैर ।

गुलगी—(फ) दीरफ की गुल या लालटेन आदि की बत्ती घाटने की कैंची ।

गुलगूँ—(फ) गुलाबी, गुलाब के रंग का, लाल रंग । बढ़िया छोड़ा ।

गुलगूना } (फ) एक प्रकार का
गुल गुच्चा } रंगीन चूर्ण जिसे
 } जियाँ सौंदर्य शब्द
 } के लिए अपने
 } चेहरों पर मलती
 } हैं । पौडर ।

गुल चका—(फ) फूल बरसाने वाला

गुल चहद—(फ) जिसका चेहरा गुलाब के फूल जैसा सुन्दर हो ।

गुलची—(फ) फूल चुनने वाला । माली, तमाशा देखने वाला ।

दर्शक ।

गुलजार—(फ) हरा-भरा, शोभा और आनन्दयुक्त, वाटिका, उद्यान, बाग ।

गुलदस्ताँ—(फ) सुपस्तवक, फूलों और पत्तियों का सुन्दरता से बौंधा गया मूझ ।

गुलदान—(फ) फूल रखने का पात्र ।

गुलदार—(फ) एक प्रकार का कशीदे का काम, एक जाति का सफेद कबूतर ।

गुलदुम—(फ) बुनधु । नामक पत्ती ।

गुलनार—(फ) एक प्रकार का अनार का पौधा, जिस पर गुलाब का सा बड़ा फूल आता है, फल नहीं, अता । अनार का फूल । अनार के फूल का-सा लाल रंग ।

गुलकाम—(फ) गुलाब के फूल का सा रंग । अत्यन्त सुन्दर । माशूक ।

गुलीफशा—(फ) फुलमझी नामक आतिश बाजी ।

गुलबकावली—(मि०) हलदी की जाति का एक पौधा जिसमें सफेद रंग के अत्यन्त सुन्दर और सुगन्धित फूल लगते हैं ।

गुलबदन—(फ) अत्यन्त सुन्दरी,
जिसका शरीर गुलाब के फूल
जैसा सुन्दर और कोमल हो
एक प्रकार का रेशमी कपड़ा ।

गुलबन—(र) गुलाब का पौधा ।

गुलबर्ग—(फ) गुलाब के फूल की
परङ्गियाँ, गुलाम की पत्तियाँ ।
माशूक के ओठ ।

गुलबाजी—(फ) फूल फेंकना या
फूलों से खेलना ।

गुल मेख—(फ) फूलदार कील,
वह काल जिसके सिरे पर गल
फूल सा होता है ।

गुलरुख—(फ) जिसका सुग्न गुलाब
के फूल जैसा हो, बहुत सुन्दर ।

गुलरू—(फ) देखो "गुलरुख"

गुलरेज—(फ) फुलभट्टी नाम की
आतिश बानी, गुलफिशों ।

गुललाला—(फ) इस नाम से
प्रसिद्ध एक पौधा, उक्त पौधे
का फूल ।

गुलशकर—(फ) गुलकंद ।

गुलशकरी—(फ) एक प्रकार का
हलवा ।

गुलशगन्न—मेद खुलना, आश्चर्य
जनक रहस्य प्रकट होना ।

गुलशन—(फ) पुष्पाटिका, उद्यान,
बाग ।

गुलशने आलम—(फ) विश्व
वाटिका ।

गुल शब्बो—(फ) रबनी गन्धा,
सुगंधिराज, सुगंधरा ।

गुलानी—(फ) फूल बेचने वाला ।
माली ।

गुलाब } (फ) एक प्रकार के सुन्दर
गुलाब } सुगन्धित फूल । गल ब
गुलाब } जल, श्राद्ध, माशूक के
गालों का पसीना ।

गुलाब गुलगूँ—(फ) सुर्ल रंग की
शराब ।

गुलाब पाश—(फ) सुराही के आकार
का एक पात्र जिसमें भरकर
गुलाब जल छिड़का जाता है ।

गुलाब पाशी—(फ) गुलाब जल
छिड़कना ।

गुलाबी—(फ) गुलाब का, गुलाब
सम्बन्धी, गुलाम के रंग का ।
शराब की छोटी, गोल, रंगीन
आर सुन्धित भेतल । एक
प्रकार का अमरुद ।

गुलाबे गुलगूँ—(फ) लाल रंग
की शराब ।

गुलाम—(अ) मोल लिया हुआ
सेवक, क्रीत दास, नौकर,
सेवक । लड़का ।

गुलाम गरदिश—(मि०) मका १
में दरगाजे के सामने बनी हुई

सन्तिस ।

गूँ } (फ) — रग, प्रकार, वर्ग
गून } (फ) — (फ) गची- (क) छोटा

गूना — (फ) प्रकार, भेद, भौति,
तरह, रग वर्ण, रग ढग ।

गूनागूँ — (फ) रग विरगा, अनेक
रगों का, भौत भौति का ।

गूल — (तु) पानी की छोटी नाली
जिसके द्वारा खेतों में पानी पहुँ
चता है । छोटा तालाब ।

गूल — (अ) एक प्रकार के देव जो
जंगल में रहते हैं, वन-देव ।

गूले बियाबानी — (अ) देखो “गूल” ।

गोती — (फ) सघार, विश्व, दुनिया,
धरती ।

गोती आरा — (मि०) सघार की
शोभा बढ़ाने वाला ।

गोसू — (फ) लम्बे बाल, जुल्फें,
अलकें, बालों की लटे ।

गोसूदार — (फ) दाही पुत्र, पुच्छल
ताग ।

गोसूबुरीदा — (फ) निर्लज्ज स्त्री ।

गोज — (अ) भीषण क्रोध, बहुत भारी
गुस्सा । फली ।

गोज - (फ) इमारत का चूना ।

गोजो गजय — (अ) क्रोध, कोप ।

गैन — (अ) बादल प्यास, अ घेरी ।
बुलबुल ।

गैब — (अ) परोक्ष, अदृश्य, अनुप
स्थित, अदृश्य लोक, पर लोक ।

* गैबदौ — (मि०) परोक्ष की बात
जानने वाला, अदृश्य लोक की
जानकारी रखने वाला ।

गैबानी — (अ) भयानक सकट,
विपत्ति, दुश्चरित्रा स्त्री, निर्लज्ज
या वेशर्म औरत ।

गैबी — (अ) परोक्ष सम्यधी, अज्ञात ।

गैर — (अ) अन्य, भिन्न, दूसरा,
पराया, अजनबी, विरुद्ध, नहीं ।

गैर अरालब — असम्भाव्य ।

गैर अहम — महत्त्वहीन ।

गैर आबाद — (मि०) वह स्थान
जहाँ कोई बसा न हो, आबाद
नहीं, वह खेत जिसमें कुछ बोया
न गया हो ।

गैर काफ़ी — अपर्याप्त ।

गैर जरूरी — अनावश्यक

गैरत — (अ) लज्जा, संकोच, शर्म,
दया ।

गैर फ़ानी — (मि०) अमर, अवि-
नाशी ।

गैरत मन्द — (मि०) संकोच शील,
लज्जाळु, हयादार ।

गैर तरफदार — निष्पक्ष ।

- गैर तरफदारी—निष्पक्षता ।
 गैर ताल्लुक—तटस्थ, असम्बद्ध ।
 गैर मनकूला—(अ) अचल, स्थिर, स्थावर, वह जिसे एक स्थान से दूसरे स्थान पर न ले जाया जा सके ।
 गैर मतनाही—(अ) असीम । बेहद ।
 गैर मनकूहा—(अ) स्त्री जो चिना विवाह किये वैसे ही रख ली हो, रखेली, उपपत्नी, प्रेमिका ।
 गैर मशरूत—प्रतिबन्ध-रहित ।
 गैर महदूद—असीमित ।
 गैर माही—अस्पृश्यनीय ।
 गैर मामूल—(अ) असाधारण, खास, विशेष ।
 गैर मामूली—(अ) असाधारण ।
 गैर मुअय्यन—अनिश्चित ।
 गैर मुअरिसर—प्रभावहीन ।
 गैर मुकरर—(फ) अपरिचित व्यक्ति, अजनबी ।
 गैर मुकम्मिल—अपूर्ण ।
 गैर मुताल्लिक—असम्बद्ध, अलग-गठ ।
 गैर मुतारिसब—निष्पक्ष, तटस्थ ।
 गैर मुतनाकिज्ज—अनुरूप ।
 गैर मुतनाजा—निर्विवाद ।
 गैर वकूयी—(अ) असम्बद्ध, अयोग्य, झूठ, असत्य ।
 गैर मुनकसिमा—अविभक्त ।
 गैर मुलक्री—विदेशी ।
 गैर मुसलसिल—अक्रमबद्ध, शृङ्खला हीन ।
 गैर मुशरिखवसा—राजस्व मुक्त ।
 गैर सही चलनसब—जारज ।
 गैर साबित—प्रसिद्ध ।
 गैर मुनासिब—(अ) अनुचित, जो ठीक न हो ।
 गैर मुमकिन—(अ) वा मुमकिन न हो । असम्भव ।
 गैर मुमकिन आराजी—(अ) कृषि अयोग्य भूमि ।
 गैर वाक्ता—(अ) असत्य, झूठ, मिथ्या, लोकविरुद्ध ।
 गैर वाजिब—(अ) जो ठीक न हो, अयोग्य, अनुचित ।
 गैर सरकारी—जो सरकारी न हो, अशासकीय ।
 गैर हाजिर—(अ) जो मौजूद न हो, अनुपस्थित ।
 गैर हाजिरी—(अ) अनुपस्थिति ।
 गैर हान—(फ) ससार ।
 गो—(फ) यद्यपि, कहने वाला, जैसे “बदगो” बुरी बात कहने वाला बुराई करने वाला । गाय, बैल, साँढ़ । गदा, वीर, बहादुर, बुजुर्ग ।

गोइन्दा—(फ) बोलने वाला, कहने वाला । गुप्तचर ।

गोई—(फ) कहना, कथन, जैसे पेशीन गोई = आगे की बात कहना, मविष्य-कथन ।

गोची—(फ) छोटा गधा जो बच्चे खेलने के लिए खोद लेते हैं, गुन्ची ।

गोज़—(फ) अपानघात, पाद, चिल गोझा नामक मेवा,

गोजन—(फ) बारह सिगा ।

गोना—(अ) पानी में डूबना, डूबकी लगाना ।

गोता खाना—(मि) धोखे में आजाना, ठगाजाना ।

गोता खोर—(मि०) गोता लगाने वाला, पनडुब्बा, डूबकी मारने वाला, एक प्रकार की आतिश बाजी ।

गोता मारना—धीच-धीच में अनुपस्थित रहना, गोता लगाना ।

गो म गो—(फ) दुविधा, असमझ, गोलमाल बात, जिसका भाव स्पष्ट न हो, जिसका न कहना ही अच्छा हो ।

गोय—(फ) घुल्टी । सूर्य

गोयदा—(फ) देखो "गोइन्दा" ।

गोया—(फ) मानो, बोलने वाला,

बोलता हुआ ।

गोयाई—(फ) बोलने की सामर्थ्य, वक्तृत्व शक्ति ।

गोर—(फ) वधू, समाधि । जंगल, गोर खर । सुख-चैन ।

गोर—(फ) कंधार के पास के एक प्रान्त का नाम ।

गोर कदन—(फ) कम खोदने वाला । बिज्जू नाम का एक जानवर ।

गोर } (फ)
 (अ) गधे की जाति का एक जंगली जानवर । जंगली गधा ।

गोर गान—(फ) बादशाह, सुख चैन भोगने योग्य ।

गोरिस्तान—(फ) वह जगह जहाँ बहुत सी कब्रें हों, कब्रिस्तान ।

गोरी—(फ) गोर देश का रहने वाला छोटी थाली, तश्तरी, रिबाबी ।

गोरे गरीबों—(मि०) वह स्थान जहाँ विदेशियों अथवा गरीबों के मुँदें गाढ़े जाते हों ।

गोल—(अ) समुदाय, समूह सेना ।

गोलक—(फ) वह सन्दूकची जिसमें धन संग्रह किया जाय, गोलक, गल्ला, गुल्लक ।

गोला—(फ) गोप का गोला, कोना ।

गोश—(फ) कान, कर्ण । मुसलमानों के हर महीने की चौदहवीं तारीख ।

गोशतागोश—(फ) इस सिरे से उस सिरे तक ।

गोश शराँ—(फ) बहुत ऊँचा सुनने वाला, बहरा ।

गोशमाल—(फ) कान मलने वाला, ताड़ना करनेवाला, कान मलना ।

गोशमाली—(फ) कान मलना, कान खींचना, ताड़ना देना ।

गोशमाही—(फ) सीप, प्याला ।

गोशवारी—(फ) हिसाब सम्बन्धी एक कागज जिसमें सच्चे रूप से प्रत्येक मद का जमा खर्च लिखा होता है । कान में पहनने का एक गहना । मकते के बाद आने वाला मतला ।

गोशा—(फ) कोना, एकांत, भीतरी मकान, मकान के दोनों सिरे जिन पर दोरी बाँधी जाती है ।

गोशा नशीन—(फ) एकांतवास करनेवाला, अकेले में रहनेवाला, पगड़े में रहने वाली स्त्रियाँ ।

गोश्त—(फ) मांस ।

गोश्तखोर } (फ) मांस खाने

गोश्तखार } वाला, ग्रामिणभोजी

गोश्त खर—(फ) ऐसी निकृष्ट वस्तु जो किसी काम में न आवे ।

गोस्मन्द } (फ) मेह, बकरी ।

गोसा—(फ) कोलाहल, शोर, जन-समुदाय, टिड्डीदल ।

गौराई—(फ) हल्ना-गुल्ला मचाने वाला, मिथ्या, झूठी ।

गौज—(फ) बातचीत, गद्य ।

गौर—(अ) गम्भीर विचार, ध्यान, गहराई, पहुँचाना ।

गौर तलब—(अ) ध्यान देने योग्य, विचारणीय ।

गौर परदारत—देखरेल, पालन-पोषण ।

गौवास—(अ) पनहुन्वा, गोताखोर ।

गौवासी—(अ) गोताखोर का पेशा पनहुन्वापन, गोताखोरी ।

गौस—(अ) पुकार, पियाद, गुहार, मुसलमान कबीलों की एक उपाधि ।

गौहर—(फ) मोती, जवाहिरात, रत्न, किसी चीज़ का सत्त्व या सार, बुद्धिमानी समझदारी किसी चीज़ की प्रकृति । वास्तविकता छिप हुये गुण, पुन ।

गौहर आमा—(फ) मोती पिरोने वाला ।

गौहर पसन्द—(फ) बरिता का आदर करने वाला ।

गौहर फरोश—(फ) मोती या रत्न

वेचने वाला, 'जौहरी, कवि ।

गौहर सज—(फ) रत्नों की परीक्षा करने वाला, जौहरी, समीक्षा या समालोचना करने वाला, समीक्षक, समालोचक । कवि ।
गौहरी—(फ) देखो "जौहरी,"

च

चग—(फ) एक राजा जो स्वजड़ी से बड़ा और डफ से छोटा होता है, हाथी के हॉकने का अ कुश, नही पतंग, गुड्डी, पतंग ।

च ग पर चढाना—किसी को नहका फुसलाकर उत्तेजित करना, धोतें बना कर कोई काम करने के लिए उद्यत कर देना । मित्रात्र बढ़ा देना

चगुल—(फ) आठमी या जानवर का पंजा, पजे की यह मुद्रा जो किसी चीज में ठाकन या उठाने का समय होती है ।

चगुल में फँसना—शाय में हा जाना ।

चक—(फ) घरा या खेतों की हल, सीमा, एक मिलविला या एक घेरा ।

चक्रमक—(फ) एक प्रकार का पत्थर जिसे लोह पर मारकर

आग पैदा करते हैं ।

चक्रमाक—(फ) देखो "चक्रमक" ।

चकाचक—(फ) भरपूर, यथेष्ट ।

चकान—(फ) बरसाने वाला ।

चख—(फ) लड़ाई भगडा, कोलाहल शोर, वैमनस्य, द्वेष ।

चखचख—(फ) विवाद, कहासुनी,

लड़ाई भगडा, बुरा, दुष्ट, लयब

चत्तर—(फ) छाता, छतरी, छत्र ।

चनार—(फ) एक घृह विशेष जिसके पत्तों से मेंहदी लगे हुए शायों की ठगमा देते हैं ।

चन्द—(फ) कुछ, कति, थोड़े-से

चन्दगाह—(फ) अनेक बार, कई दफा ।

चन्दरोआ—(फ) अस्थायी, थोड़े-पिनो के लिए ।

चन्दल—(फ) एक मुगलित लकड़ी, चन्दन ।

चन्दों—(फ) इस कदर, इतनी मात्रा में, इतनी देर ।

चन्दा—(फ) वह धन जो किसी काम के लिए बहुत से आदमियों में इकट्ठा किया जाय । किसी अलखार या पुस्तक का वार्षिक मूल्य ।

चन्दाल—(फ) चाण्डाल, मंगी, चूल्हा ।

चन्दावल—(फ) सेना की रक्षा के लिए उसके पीछे-पीछे चलने वाली सेना की टुकड़ी। पौज का पिछला भाग सेना के अगले भाग को दरावल कहते हैं।

चन्दे—(फ) थोड़ा-सा, थोड़ी देर।

चप—(फ) बायाँ, वाम, दाहिने का उलटा। अभाग्य का सूचक।

चपकन—(फ) एक प्रकार का अंगरखा।

चपकलश—(तु०) खड्ग युद्ध सेना, समुदाय, भीड़, जन समूह, कठिनता, असमञ्जस, भोलाहल, हताशता।

चपकुलिश—(तु०) देखो “चपकलश”।

चपरास—(फ) किसी घातु की बनी हुई पट्टी जिसे चौकीदार अरदली वगैरह पेटी अथवा परतल्ले में लगाये रहते हैं। इस पट्टी पर उस विभाग या दफ्तर के नाम आदि खुदे रहते हैं, जिसमें वह आदमी काम करता है, बिह्ता, बैज।

चपरासी—(फ) वह नौकर जो चपरास पहने हुये हो। अरदली, प्यादा।

चप व रास्त—(फ) बायाँ और

दाहिना, बाएँ और दाहिने।

चपाती—(फ) हाथ से बनाई गई पतली रोटी, फुलका।

चमचा—(तु०) एक प्रसिद्ध वर्तन जो दाल शाकआदि चलाने व परसने के काम आता है, कलछी, चम्मच, चिमटा।

चमन—(फ) पुष्पवाटिका, फुल-वारी, हरी भरी क्यारी, छोटा बगीचा, मनोरम स्थान।

चम्बर—(फ) चिलम के ऊपर का टकना, चिलम पोश।

चरख—(फ) आकाश, आसमान, घूमने वाला, गोलचप्पर, मेले, तमाशों में जिस पर बैठ कर झूलते हैं, कुम्हार का चाक, सूत कातने का चरखा मगद, एक शिकारी पक्षी, वह गाड़ी जिस पर तोप रखी रहती है, रस्सी का बना गोपन जिसमें डेला रखकर और घमा कर फेंका जाता है।

चरखा—लकड़ी का बना एक यन्त्र जिसके द्वारा रुई ऊन आदि का सूत काता जाता है, रूँटा, रूँट नामक यन्त्र जिसके द्वारा कूँ से पानी निकाला जाता है। पहिया पर रखवा हुआ गाड़ी का

चौखटा मात्र जो नये घोड़े या चेल सिपाने के काम में आता है, खड़ खड़िया। भौंड़ी शकल का बड़ा पहिया, भगड़े बहेड़े का काम, सूत की अँटिया बनाने की चरखी।

चरखी—(फ) रुई-कपास ओटकर रुई और चिनाला अलग अलग करने का यन्त्र, ओटनी, चेलनी, गन्ने से रस निकालने का छोटा यन्त्र जो हाथ से चलाया जाता है, सूत या रील लयेन्ने की फिरधी। गिरी, गराई, एक प्रकार की आतिशबाजी।

चरपूज—(फ) अत्यन्त नीचे दञ्जे का, तुच्छ, हलका, निम्न श्रेणी का, मूर्ख।

चरघ—(फ) आतक या प्रभाव लमाना, असर डालना, गालिब होना, तेज, चपल, चञ्चल, चिकना, मोटा, स्थूल।

चरघजवान—(फ) चापलूम, धूर्त, बातून, चिकनी-सुमड़ी बातें बनाने वाला।

चरघा—(फ) प्रतिकृति, नकल, छाप, ग्राफ।

चरघी—(फ) मज्जा, मेद, चसा, मुगपा।

चरघी चढ़ना—माग हो जाना।

चरघो छाना—मदोन्मत्त होना, म्हुव मुग जाना।

चरम—(फ) चमड़ा, खाल, चर्म।

चरस—(फ) बन्दी गृह, कैदखाना, छावुओं की भित्ति, एक मादक द्रव्य जसे तम्बाकू की तरह चिलम में रख कर पीने से नशा हो जाता है।

चरा—(फ) क्यो, किस वास्ते।

चराग—(फ) दीपक, दीया, मोड़े का अगले पैर उठा कर दो पैर से खड़ा हो जाना।

चरागाँ—(फ) प्रकाश, रोशनी।

चरागाह—(फ) चौपायों के चरने की जगह। गोचर भूमि।

चरिन्द—(फ) चरने वाले चौपाये, पशु।

चरिन्दा—(ह) देखो "चरिन्द"।

चर्ख—(फ) देखो "चरख"।

चर्खें सितमगर—(फ) निर्दय आस-मान।

चर्खी—(फ) एक शिकारी पक्षी, चर्ख।

चय—(फ) देखो "चरघ"।

चय जवान—(फ) देखो "चरघ जवान"।

चर्खी—(फ) देखो "चरखी"।

चरम—(फ) आँख, नेत्र।

चरमए आतिशकिशा—(फ) सूर्य ।

चरमए खून—(फ) दिल, हृदय ।

चरमक—(फ) चरमा, उपनेत्र, ऐनक,
आँख से सकेत करना, चाकस
नामक ओषधि लड़ाई भगड़ा,
फहन-मुनन ।

चरमनुमाई—(फ) धमकाना,
डाटना, आँखें दिखाना, डराना ।

चरम पोशी—(फ) आँख चुराना,
दोनों को छिपाना, किसी के घुरे
कामों की ओर ध्यान न देना ।

चरम चेन्नाय (फ) निर्लज्ज, ढोठ,
जिनकी आँखों में पानी न हो ।

चरम शय—(फ) चन्द्रमा ।

चरमा—(फ) पानी का सोता, ऐनक
उपनेत्र, सुई की नोक ।

चरमे इनायत—(फ) कृपा-दृष्टि ।

चरमेवर—(फ) सजल नेत्र, साशु
नयन ।

चरसाँ—(फ) चिपकाया हुआ,
चिपका हुआ ।

चररीदगो—(फ) चिपकाना, चिप
काने की क्रिया, चिपकाने का
मेहनताना ।

चरपीदा—(फ) चिपकाया हुआ,
चिपका ।

चह (फ) चाह का संक्षिप्त रूप
कूमा ।

चहचहा—(फ) चिड़ियों के बोलने
का शब्द, पक्षियों का कनख ।

चह वच्चा—(फ) पानी भरने के
हौज या छोटा गढ़ा । धन रखने
का छोग तद्वत्ताना ।

चहरा—(फ) मुव-नयडल, शिर का
आगे की तरफ का हिस्सा जिसमें
आँख, नाक, मुँह आदि इन्द्रियों
हैं, मुखड़ा, बदन, सूरत, शक्ल
कागज आदि का बना मुख-
मण्डल का आकार जिसे स्वाँग,
तमाशे वाले किसी दूसरे की
शक्ल बनाने के लिए पहनते
हैं ।

चहल (फ) चालीस

चहल फदमी—(फ) धीरे-धीरे
चलना, टहलना, घूमना ।

चहलुम चहल्लुम—(फ) चालीसवाँ,
किसी के मरने के दिन से चाली-
सवाँ दिन ।

चहार—(फ) चार ।

चहारगोशा—(फ) चौकोना ।

चहार तारा—(फ) एक याज्ञा जिसमें
चार तार चढ़ाए जाते हैं ।

चहारदाग—(फ) चारों दिशाएँ,
चतुर्दिक् ।

चहारम—(फ) चौथाई, किसी चीज़
के समान चार भागों में से एक ।

चौथा

चहार शम्भा—(फ) बुधवार ।

चहार सू—(फ) चारों ओर, चारों तरफ ।

चाक—(फ) पटा हुआ, चिरा हुआ ।

चाक—(तु) तड़ुस्त, स्वस्थ, मोटा ताज़ा, हट-पुट, चालाक ।

चाकचौधन्द—सब तरह से ठीक,

चाकर—(फ) नौकर, टहलुआ, सेवक ।

चाकरी—(फ) टहल, सेवा, नौकरी ।

चाकू—(फ) छोटा छुरा, साग-भाजी आदि काटने की छुरी ।

चादर—(फ) वह लम्बा चौड़ा हलका कपड़ा जो ओढ़ने या मिछाने के काम आता है । मिछौरा, दुपट्टा ओढ़ना । किसी घातु का लम्बा चौड़ा पतला पत्तर, किसी देवता पर चढ़ाया गया फूलों का ढेर ।

चापलूस—(फ) चाटुकार, खुशामद करने वाला, खुशामदी ।

चापलूसी—(फ) चाटुकारी, लल्लो चप्पो, खुशामदी ।

चापलूस—(फ) देखो “चापलूस” ।

चापलूसी—(फ) देखो “चापलूसी” ।

चायुक—(फ) कोड़ा, हट्ट, साटा, उत्तेजित करने वाली बात ।

चाबुक दस्त—(फ) चतुर, कुर्तिला,

होशियार, दत्त ।

चाय—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध एक पौधे की पत्तियों जो पानी में उबाल कर दूध और चीनी के साथ पीजाती हैं । इन पत्तियों का काढा ।

चार—(फ) “चहार” या “चार” का सक्षिप्त रूप, चार उपाय, इलाज कश ।

चार अरकान—(फ) पृथ्वी, अल, तेज और वायु के चार तत्व ।

चार आईना—(फ) एक प्रकार का श्र ग त्राण, कवच, बख्तर ।

चारखानू (फ) पालमी मारे हुए ।

चारखान—(फ) घड़त मोलने वाला व्यर्थ की बातें करने वाला, बक-वादी,

चार दीवार—(फ) शहर के चारों तरफ बनी दीवार, घेरा, सीमा, रात ।

चार ना चार—(फ) लानार होकर, बेवसी १ हालत में ।

चारपाई—(फ) राट, पलंग ।

चारपाया—(फ) चौपाया, पशु ।

चार घन्द—(फ) संसार, दुनिया ।

चारशम्भा—(फ) बुध का दिन ।

चारसू—(फ) चहुँओर, चारों तरफ ।

चारा—(फ) उपाय, इलाज, सामन,

तदवीर, अधिकार, वश । पशुओं का खाद्य ।

चारागर—(फ) चिकित्सक, इलाज करनेवाला, सहायक, मददगार

चालाक—(फ) व्यवहार कुशल, चतुर, तेज, दक्ष, होशियार, धूर्त, मक्कार ।

चालाकी—(फ) चतुराई, कुर्तों, व्यवहार-कुशलता, दक्षता, होशियारी, धूर्तता, मक्कारी, चालबाजी ।

चाशनी—(फ) शक्कर या गुड़ को थोड़े-से पानी के साथ पकाकर बनाया हुआ गाढ़ा शरबत । चसका, स्वाद, नमूने का' सोना जो गहना बनवाने वाला मुनार को सोना देते समय उसमें से थोड़ा अपने पास रख लेता है ।

चाश्त—(फ) सूर्योदय के एक पहर बाद का समय, एक पहर दिन चढ़े का स्नान, प्रातराश, फलवा सबेरे का जलपान ।

चाह—(फ) कूआँ, कूप ।

चाहकन—(फ) कूआँ खोदने वाला, मक्कार, धूर्त, अत्याचारी ।

चाही—(फ) कूप के पानी से सींची जाने वाली भूमि ।

चाहे जकन—(फ) ठोड़ी पर का गदा ।

चाहे जनख—(फ) देखो “चाहे जकन” ।

चाहे जनखदा—(फ) देखो “चाहे जकन” ।

चिक—(तु०) बॉस की पतली खप चियों या सरकडो का बना हुआ परदा, चिलमन ।

चिकन—(फ) एक प्रकार का महीन सूती कपड़ा जिस पर सूत से बूँटे कटे रहते हैं ।

चिरक—(फ) मल, मैला, पीव, थूक, खसारा ।

चिरकी—(फ) मैला, गन्दगी से लियड़ा हुआ घृणित ।

चिरा—(फ) देखा “चरा”

चिरारा—(फ) देखो “चराग” ।

चिरारा दान—(फ) दीपक रखने की जगह, दीवट ।

चिरारापा—(फ) वह घोड़ा जो अपने अगले दोनों पैर उठाकर खड़ा हो । आँचे मुँह, बिसका मुँह नीचे हो गया हो, दीवट ।

चिरारी—(फ) वह धन जो किसी की समाधि पर दीयक जलाने के समय मुजाविर या मुझा को दिया जाता है ।

चिरागे सहरी—(फ) प्रातः काल का दीयक जो बुझने ही वाला हो ।

- यह व्यक्ति जो मृत्यु के समीप पहुँच चुका हो ।
- चिर्क—(फ) देखो 'चिरक' ।
- चिर्की—(फ) देखो "चिरकी" ।
- चिर्म—(फ) देखो "चरम" ।
- चिलगोजा—(फ) एक मशहूर मेवा, सनेवर नामक वृक्ष या फल ।
- चिलता—(फ) एक प्रकार का कपड़ ।
- चिलम—(फ) जिसमें तम्बाकू और आँख रख कर तम्बाकू का धुआँ पीते हैं ।
- चिलमची—(तु) एक चौड़े मुँह का पात्र जिस पर जालीदार ढक्कन टका होता है, यह अक्सर दावतों में हाथ धुाने के काम आता है ।
- चिलमन—(फ) देखो "चिक" ।
- चिल्ला—(फ) चालीस दिन का समय, चालीस दिन की अवधि, जैसे—चिल्ला जाड़े = जाड़ों के वे चालीस दिन जिनमें मीषण जाड़ा पड़ता है । चालीस दिन तक एकान्त में बैठ कर हरबगे-पासना करना ।
- चिल्ली—(फ) बेक्कू, मूर्ख ।
- ची—(फ) चेहरे पर क्रोध के कारण पड़नेवाली, खलबटें ।
- ची—(तु) रखने वाला ।
- चीवजर्बी होना—माथे पर बल लाना, क्रुद्ध होना ।
- चीज—(फ) वस्तु, द्रव्य, पदार्थ, अद्भुत वस्तु, विशेष या महत्त्व की वस्तु, आभूषण, गहने, गीत, गाने ।
- चीदा—(फ) छाँटा हुआ, पहिया ।
- चीन—(फ) एक देश का नाम ।
- चीना—(फ) पत्तियों या चुगा ।
- चीनी—(फ) चीन देश की चीज, चीन का आदमी या चीन की भाषा ।
- चीरा—(फ) पगड़ी ।
- चीरायन्द—(फ) पगड़ी बाँधने वाला ।
- चीस्ताँ—(फ) पहेली, बुझैवेल ।
- चुगल—(फ) देखो "चंगुल" ।
- चुकन्दर—(फ) कन्द जाति की एक तरकारी ।
- चुगद—(फ) उल्लू का मन्त्र, उल्लू, घुम्पू, मूर्ख, बेक्कू ।
- चुगन्द—(फ) बालों का जूड़ा जो छिथों छिर पर बनाती हैं ।
- चुगल—(फ) पीठ पीछे निन्दा करने वाला, पिशुन, चुगली करने वाला ।
- चुगलखोर—(फ) चुगली खाने

- वाला, मिशुन, परोक्ष में निन्दा करने वाला ।
- चुराही—(फ) मिशुनता, चुगच का कार्य, पीछे पीछे किसी को निन्दा करना ।
- चुरा—(फ) पहनने का एक पैरो तक लम्बा दीला-दाला कुर्ता या, चोगा, लबादा, भगला, भगा, लबादा ।
- चुनाँ—(फ) इस प्रकार का, ऐसा, समान, सदरा ।
- चुनाचुनी—उतराज करना, लम्बी-चोड़ी घात बघारना ।
- चुनाँचे—(फ) जैसा कि, यथा, इसलिये, इस वास्ते, उदाहरण स्वरूप ।
- चुनिन्दा—(फ) छटा हुआ, बढ़िया, चुना हुआ ।
- चुनी—(फ) देनो “चुनाँ” ।
- चुस्त—(फ) मुस्तैद, दुस्त, ठीक, तेज, चालाक, कुर्ताला, मजबूत, तग, संकुचित, इसा हुआ ।
- चुस्ती—(फ) मुस्तैदी, तेजी, चालाकी, कुर्ती, मजबूती ।
- चूँ—(फ) जो, समान, सदरा, यदि, क्योंकि, इस वास्ते, अगर ।
- चूँकि—(फ) इस कारण से कि, इसलिये कि, क्योंकि ।
- चूँचरा—(फ) वहस, विवाद, क्यों, कथकन, किस वास्ते ।
- चू—(फ) तुन्य, समान, अगर, जब ।
- चूबा—(फ) मुर्गी का बच्चा, नव-युक्ती ।
- चे—(फ) क्या ।
- चेगूना (फ) किस प्रकार, किस भाँति ।
- चेचक—(त) एक प्रसिद्ध बीमारी जिसमें सम्पूर्ण शरीर पर फु सिया निकल आती है, शीतला, माता ।
- चेचक रू—(फ) जिसके चेहरे पर चेचक के दाग हों ।
- चेहरा—(फ) देखा “चहरा” ।
- चेहरा उवरना—शोक या दुःख के कारण मुँह पर उदासी छा जाना ।
- चेहल—(फ) चालीस ।
- चेहल कदमी—(फ) देखो “चहल कदमी” ।
- चेहलुम—(फ) देखो “चहल्लुम” ।
- चेह—(फ) चेहरा या संक्षिप्त ।
- चोया—(फ) देखो “चुगा” ।
- चोष—(फ) शामियाने या ढेरे में लगाने का लकड़ी का लम्बा, थूनी, बल्ली, नगाड़ा बजाने का डंडा, सोने या चाँदी से मढ़ी हुई मूठदार लाठी, छड़ी,

चोब चीनी—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध दवा ।

चोबदस्ती—(फ) हाथ में रखने की छोटी छड़ी ।

चोबदार—(फ) वह नौकर जो चोब या असा लेकर सवारी के आगे आगे चलता है, द्वारपाल, प्रतीहारी ।

चोघा—(फ) पका हुआ चावल, भात, लोहे की छोटी कील ।

चोवी—(फ) लकड़ी या काष्ठ का बना हुआ ।

चौगान—एक प्रकार का खेल जिसमें घोड़ों पर चढ़ कर लकड़ी के लम्बे डंडे से गेंद मारते हैं । चौगान खेलने का डंडा, चौगान खेलने का मैदान, नगाड़ा बनाने का डंडा ।

चौगान घाड़ी—(फ) चौगान खेलना ।

चौगिर्द—(मि०) चारों ओर

चौगोशा—(फ) चौघना, चौघोर ।

चौगोशिया—(मि०) एक प्रकार की चौखूँटी टोपी ।

चौतरा—(फ) चबूतरा, मकान के आगे की ऊँची और चौरख घाट ।

ज

जंग—(फ) युद्ध, लड़ाई, समर ।

जग—(फ) लोहे या किसी अन्य धातु पर लगजाने वाला मुन्हा, पीतल या काँसे का घना घुँघरु या शफल का बड़ा घटा जो रथ या घस्ती में बाँधा जाता है जिसका शब्द सुनकर रात्तागरे को उस रथ आदि के आगे की सूचना मिल जाय । हम्पियों के देश का नाम ।

जग आलूदा—(फ) गुरचा लगा हुआ । काइ लाया हुआ । धाँसा लाया हुआ ।

जग गाह—(फ) समर भूमि, युद्धक्षेत्र ।

जगला—(फ) भाँक, घटा, घुँघरु ।

जंगार—(फ) एक प्रकार का रंग जो ताँबे का लार या फसाव होता है । वृत्तिया, नीला घोया ।

जंगारी—(फ) जंगार के रंग का ।

जगी—(फ) मुद्ग के काम का, युद्ध सम्बन्धी, कोई बहुत बड़ा शस्त्र या आशेखन बहुत बड़ा ।

जगी—(फ) हन्सी, जगदेश का निवासी ।

जगे करगरी—(फ) अन्य व्यक्ति को धोखा देने के लिए छापस में

मूठ मूठ की लड़ाई लड़ना ।

जंगोला—(फ) देला “जंगला” ।

जजवील—(अ) सौंठ, सुवाई हुई
अदरक, चहिरत की एक नहर
का नाम ।

जजीर—शुशला, सॉकल, कढ़ियाँ
की लड़ी, घड़ी आदि की चेन,
किवाड़ों में लगाने की कुड़ी ।

जजीर गूँ—(फ) घुँघराले बाल,
कुचित वश, बेणी ।

जजीरा—(फ) एक प्रकार की सिलाई
जिसमें टाँकों की जजीर भी बनती
जाती है । गले में पहनने का
का एक आभूषण ।

जजीरी—(फ) कैदी, बन्दी, दीवाना ।

जजम—() घमशङ

जईक—(अ) निर्बल, बूढ़ा, वृद्ध ।

जईकडल अक्ल—(अ) मन्द बुद्धि,
कम अक्ल ।

जईक डल एतकाद—(अ) अस्थिर
मना, दिलमिल, यकीन, जो
सहज ही में एक बात छोड़ कर
दूसरी पर विश्वास करले ।

जईकी—(अ) निर्बलता, बुढ़ापा ।

जक—(अ) पराजय, हार, पराभव,
लज्जा, हानि, घाटा ।

जकन—(अ) डुब्नी, ठोकी, हनु ।

जकर—(अ) पुरुष की मूत्रेन्द्रिय,

लिंग, शिशन ।

जका—(अ) बुद्धिमत्ता, कुशामता,
तीव्रता, अगलमन्दी ।

जकात—(अ) वार्षिक आया का
चालीसवाँ भाग जो दान पुण्य
में व्यय किया जाना चाहिये ।
ख़ैरात, दान, पुण्य । कर,
महसूल ।

जकावत—(अ) देखो “जका” ।

जकी—(अ) पवित्र, پاک, बुद्धिमान,
कुशाम बुद्धि, खलर, तीव्र, ।

जकूम—(अ) थूढ़ का पौधा ।

जखाम—(अ) बड़े डाल डौल का,
लम्बा तहंगा, मोटा, स्थूल ।

जखामत—(अ) मोटापा, स्थूलता,
आकार प्रकार का बढ़ापन ।

जखायर—(अ) जखीरा का “बहु
वचन” ।

जखोम—(अ) मोटा बड़ा, स्थूल,
भारी ।

जखीरा—(अ) ढेर, राशि, मंडार,
कोश, सज्जाना, सम्रह । वह स्थान
जहाँ मौँति मौँति के पौधे आर
बीज बेचे जाते हैं, नर्सरी ।

जख्म—(अ) घाव, क्षत मानसिक
क्लेश का आघात ।

जख्म ताजा होना—भीते हुए दुःख
को फिर से याद आना ।

जल्मी—(अ) आहत, घायल ।

जगन—(क) चीन नामक पक्षी,
छलॉंग, उछाल, कुगन, उछल
कर एक स्थान से दूसरे स्थान
पर जाना ।

जगान्द—(फ) बूद, पौंद, चौकड़ी
उछाल, चीज नामक पक्षी ।

जगारिया—(अ) मुसलमानों के एक
पैगम्बर का नाम ।

जगह—(फ) स्थान, अवकाश,
मौका, पद, ओहदा, नौकरी ।

जल्ला—(फ) प्रसूता, वह स्त्री जिसके
हाल ही में बच्चा पैदा हुआ हो ।

जल्लय—(अ) सोखना, शोषण,
खींचना, आकर्षण ।

जल्लर—(अ) वर्गमूल ।

जल्लरे बुसूर—(मि०) भिन्न वर्ग
मूल ।

जल्लरोमद—(अ) समुद्र के पानी
बढ़ाव उतार, ज्वार भाटा ।

जल्ला—(अ) बदला, प्रतीकार,
परणाम, नतीजा ।

जल्लाक अल्लाह—(अ) बहुत खूब,
शाबास, ईश्वर तुम्हें इसका
अन्दा पन दे ।

जल्लायर—(अ) जलीरा का ग्रहणचक्र,
टापुथो का मुग, दीग समूह ।

जल्लिया—(अ) एक विशेष फर जो

मुसलमानी शासन में मुसलमानों
से भिल धमानुयायियों से लि
जाता था, दण्ड ।

जलीरा—(अ) टापु, दीग, समु
में का वह छोटा भूमि-भाग
जिसके चारों ओर पानी हो ।

जलीरानुमा—(अ) समुद्र के किनारे
का वह भूमि-भाग जिसके
तीन ओर पानी हो, प्राय-द्वीप

जल्लब—(अ) देखो "जल्लब" ।

जल्लब दिल्लत—(अ) प्रेमावेश ।

जल्लबा—(अ) आवेश, जोर
आवेग, भाव, प्रबल इच्छा ।

जल्लब दिल—(अ) हृदयावेश ।

जल्लबाती—(अ) भाव सम्बन्धी
भाषुक ।

जल्लम—(अ) अरबी लिपि में इस
(स्वर रहित) अक्षर का शब्द
बनाने के लिये अक्षर पर लगाया
जाने वाला चिह्न, हल् का
निशान ।

जल्लम यिल जल्लम—(अ) हल्
निरन्तर के साथ ।

जल्ल—(अ) समुद्र के पानी का
उतार, नदी आदि के पानी का
घटना, भाटा, काटा, वर्गमूल,
घनमूल, वास्तविकता, मूल ।
ऊँट की कुरबानी ।

जप्पा—(अ) आग का पतगा जो हवा में उड़ जाता है ।

जड़—(अ) नदी का किनारा, तट, पुरखा, दादा, बाबा (बाप का बाप) नाना (मा का बाप), सम्पन्नता, सौभाग्य ।

जड़—(फ) चोट, आघात, प्रहार, मार, हानि, नुकसान, लक्ष्य, निशाना ।

जड़गी—(फ) मारने की क्रिया, लगाने की क्रिया, जैसे—आतिशजड़गी ।

जड़न—(फ) चोट करना, मारना, करना, फेंकना, खोलना, रखना, खाना-पीना ।

जड़ल—(अ) मुद्द, लड़ाई, संघर्ष ।

जड़वार—(अ) निर्विषी नाम का पौधा ।

जड़दा—(फ) मारा हुआ, चोट खाया हुआ, आहत, जिस पर किसी मनोभाव का प्रभाव पड़ा हो ।

जड़ाल—(अ) मुद्द, समर, संघर्ष ।

जड़ी—(अ) मकर राशि, लघु सप्तमि ।

जड़ीद—(प्र) नया, नवीन, नूतन, उर्दू के एक लुप्त का नाम ।

जड़ो कथ } (फ) कूट-मीम, तोड़
जड़ो कीव } फोड़, मर पीट ।

जह—(अ) प्रयत्न, संघर्ष, कोशिश ।
जह व जहद—(अ) कोशिश और दौड़ धुर ।

जहा—(अ) दादी (बाप की माँ) नानी (मा की मा) ।

जहाल—(अ) संघर्ष करने वाला, प्रयत्न करने वाला ।

जही—(अ) पैतृक, बाप दादों की (सम्पत्ति आदि)

जानत—(अ) विचार भाव ।

जान—(फ) स्त्री, पत्नी, औरत जोरु ।

जानल—(फ) ठोड़ी, विष्णुक, हट्ट ।

जानलुदाँ—(फ) ठोड़ी में का गड्ढा ।

जानखा—(फ) दिजड़ा, पण्ड, नपु सक, वह व्यक्ति जिसके हावभाव जियों के से हों ।

जानमुरीद—(फ) भार्याभक्त, वह जो अपनी स्त्री को अत्यधिक प्यार करता है ।

जानाखी—(फ) सहेली, अन्तरंग सहचरी, परमप्रिय सखी, वह स्त्री जिसके साथ कोई स्त्री अस्वाभाविक रूप से वागवाचना की वृत्ति करती हो, दुगाना ।

जानावा—(प्र) अरथी, वह चोलटा जिस पर रख कर शय को श्मशान ले जाते हैं । वह खाट या

सन्दूक जिसमें रख पर मुर्दे को
गाढ़ने के लिये ले जाते हैं।
शव, मुर्दा।

अनानखाना—(फ) मकान का वह
भाग जिसमें स्त्रियाँ रहती हों,
अन्न पुर।

अनाना—(फ) स्त्री सम्बन्धी, स्त्रियों
का, हिजड़ा, अनन्या, निर्बल,
हरपोक।

अनानी—(फ) स्त्रियों से सम्बन्ध
रखने वाली, स्त्रियों की।

अनाव—(अ) महोदय, श्रीमान,
यहाँ के लिये आदर सूचक
शब्द, किसी प्रतिष्ठित या आदर
णीय आदमा का द्वार, इयो-गी
चीलट।

अनावे आली—आदरणीय महोदय।

अनावे-मन—गेरे माननीय।

अनाव—(फ) दो लड़के, जो एक
साथ बुझ्यों पैरा दुर २०,
जौल्ला।

अनाव—(अ) सेना की इराबल,
मुबदएद, पहियों के पर।

अनीन—(अ) गर्म स्थ बालक, यह
बच्चा जो गम में हो।

अनून—(अ) पागलपन, विद्विस्तता,
उन्माद।

अनूनी—(अ) पागल, विद्विस्त,

उन्मादी।

अनूय—(अ) दक्षिण दिशा।

अनूया—(अ) दक्षिण का, दाहि
याव्य, दक्षिणी।

अन्द—(फ) पारसियों का धर्म ग्रन्थ
जो धरदुरत का बनाया हुआ है।

अन्न—(अ) अनुभव, फलना, अन्न,
विचार, खयाल, सम्भावना।

अन्नत—(अ) बहिरत, स्वर्ग।

अन्नती—(अ) स्वर्गसम्बन्धी, स्वर्गीय,
स्वर्ग में रहने वाला, स्वर्ग का
अधिकारी।

अन्ने शालिष—(मि०) बहुत अधिक
सम्भावना।

अन्ने फासिद—(मि०) दुष्ट भाव,
दुग विचार, शक, सन्देह।

अपाँ—(फ) क्षति, हानि।

अकर—(फ) यन्त्र और तानीय
आदि बनाने की कला।

अकर—(अ) जीत, विजय, लाभ,
प्राप्ति।

अफा—अस्थाचार, अन्याय, सस्ती,
सकट आपत्ति।

अफा फफा—(फ) आपत्ति, विपत्ति
सकट, मुसीबत।

अफ कश—[फ] सकट कहन कर
वाला, विपत्तियाँ बरदाश्त कर
वाला, शक्तिशाली, परिश्रमी।

जकाफ—(अ) नव दम्पती का प्रथम समागम ।

जकाजू—(अ) अत्याचारी, जालिम ।

जकाशुआर—[फ] अत्याचार करने वाला, सताने वाला, उल्टीड़क । इसका प्रयोग प्रायः प्रेमी प्रेमिकाओं के सम्बन्ध में होता है ।

जफ़ीरी—(अ) सीटी, भीटी का शब्द, वह चीज़ जिससे भीटी का सा शब्द किया जाय ।

जफ़ील—(अ) देखो “जफ़ीरी”

जब—(अ) क्रोध, हृष, गोह नाम का जानवर जो पानी में रहता है ।

जबर—(अ) बलिष्ठ, बलवान, शक्ति सम्पन्न, ऊपर वाला, दृढ़, ताकतवर, मजबूत । फारसी लिपि में एक चह जो ह्रस्व अकार की भाँवा सूचित करने के लिए अक्षरों के ऊपर लगाया जाता है ।

जबर जग—(मि०) प्रभुत बड़ा, अत्यन्त शक्तिशाली ।

जबर जद—(अ) पुलराब नामक रत्न ।

जबरदस्त—(मि०) बली, बलवान, शक्तिशाली, दृढ़, मजबूत ।

जबरदस्ती—(मि०) अत्याचार,

अन्याय, जोरावरी, धीगा धीमी ।

जबरन—(अ) बल पूर्वक, जोरावरी धीगाँ धीमी, विवशता से ।

जबरूत—(अ) दृढता ।

जबल—(अ) पहाड़, पर्वत ।

जबली—(अ) पहाड़ का, पहाड़ी, पर्वतीय ।

जबह—(अ) गला काट कर प्राण छेने की क्रिया ।

जबाँ—(फ) जीभ, जिह्वा ।

जवान—(फ) जीम, भाषा, बोली, वचन, गदा, प्रतिज्ञा, बात, बोल ।

जबाँ आवर—(फ) वाकपटु, बात चीत करने में चतुर, भाषामिश ।

जबाँ आवरी—(फ) वाकपटुता, वाक्चातुरी ।

जबाँ दान—(फ) भाषामिश, सहिष्णु वेत्ता, कवि ।

जवान पर आना—कोई बात कहना चाहना ।

जवान खीचना—किसी को अनुचित बात कहने पर कठोर दंड देना ।

जवान देना—प्रतिज्ञा करना, वचन देना ।

जवान पकड़ना—किसी को बात कहने से रोकना, मोलने न देना ।

किसी की कही हुई बात के सिर हो जाना ।

जबान बोलना—कोई अनुचित बात कहना, गाली देनी ।

जबान में लगाम लगाना—बात-चीत करने में संयत रहना, रूख सोच-समझ कर बात कहना ।

जबान हिलाना—कुछ कहना, मुँह से शब्द निकालना ।

बे जबान—बहुत सीधा, अस्याचारों को चुपचाप सह लेने वाला ।

वर जबान—मुसाम, कयठस्थ ।

जबान जद—(फ) यह बात जो सब लोगों के मुँह पर हो, प्रसिद्ध बात, कोई प्रचलित चर्चा ।

जबान दराज—(फ) अ ट शंट बकने वाला, जो मुँह पर आवे वही कहने वाला, अनुचित बात कहने वाला, बहुत डींग हँकने वाला ।

जबान दराजी—(फ) ऊटपटाँग बकना, बड़-बड़ कर बातें मारना, अनुचित बातें बकना ।

जबान क्रोश—(फ) बहुत बकने वाला, बकनादी,

जबान बन्दी—(फ) लिखित वाक्य आदि । बोलने पर प्रतिबध ।

जबान घर जबान—(फ) कभी-कभी और कभी कुछ कहने वाले अस्थिर विचार वाला ।

जबान घाजी—(फ) बराबरी करने जीभ चलाना ।

जबाना—(फ) आग की लपट, तप का फौटा ।

जबानी—(फ) मौलिक, मुँह से का हुआ, जो लिखा हुआ न है कयठाम, जो केवल कहा जा किया न जाय, कथन मात्र

जबाल—(अ) जधल (पहाड़) का बहुवचन

जधी—(अ) माया, मस्तक ।

जधीन—(अ) माया, मस्तक ।

जधीह—(अ) नियमानुसार त्रिव किया गया पशु, जिसका मा खाने योग्य हो ।

जमून—(फ) मूल, अनाड़ी अरु बुरा, इराब बन्दी ।

जमूर—(अ) किताब, लिखी हुई चीज, यह धम-पुस्तक जो इराब दाऊत की लिखी हुई है, शे बाघ ।

जज्त—(अ) वह जो सरकार द्वारा छीन लिया गया हो ।

जज्तकोशी—(मि०) सदन शीलता

सहन करना ।

जन्ती (अ) जन्त करने की क्रिया ।

जन्ते नजर—(मि०) दृष्टि को काबू में रखना ।

जन्न—(अ) अत्याचार, जुल्म, बल प्रयोग, जबरदस्ती ।

जन्नन—(अ) देखो “जबरन” ।

जन्न वत अदी—(अ) अत्याचार और उत्पीड़न ।

जन्नव मुक्ताबला—(अ) बीज गणित ।

जन्निया—(अ) अनिवार्य, वह जो अवश्य करना पड़ ।

जब्बार—(अ) जबर करने वाला, परमात्मा का एक विशेषण ।

जमजम—(अ) एक कुआँ जो काबे के समीप है और मुसलमान उसके पानी को अत्यन्त पवित्र मानते हैं ।

जमजमा—(अ) गीत, संगीत, गाना-बजाना, राग अलापना, गुन गुनाना । दूर से आने वाली आवाज । दूर से सुन पड़ने वाला स्वर या गाना ।

जमजमी—(अ) वह बरतन जिसमें काबे जाने वाले मुसलमान जमजम नामक कूप का पानी भर कर लाते हैं ।

जमदर—(फ) जमदाद, कटार ।

जमनीक्रिस्ता—(अ) अन्तकथा ।

जमहूर—(अ) लोक, जनता, जन-समूह, राष्ट्र ।

जमहूरियत—(अ) लोकतन्त्रता ।

जमहूरी—सम्पूर्ण लोक से सम्बन्ध रखने वाला, सब जनता से सम्बन्धित, प्रजातन्त्र सम्बन्धी ।

जमन—(अ) अन्दर, अन्तर्गत, पेटे में ।

जमर—(अ) बासुरी बजाना ।

जमशेद—(फ) फारस के एक बाद-शाह का नाम ।

जमा—(अ) एकत्र, इकट्ठा, संगृहीत, जोड़ा हुआ, कुल मिलाकर, किसी के पास धरोहर के रूप में रक्खा हुआ, लागत, धन, रुपया पैसा पूँजी, जोड़ (गणित में,) भूमिकर, लगान, माल गुजारी ।

जमाअ—(अ) स्त्री प्रसङ्ग, सम्मोग ।

जमाअत—(अ) जत्था, समूह, समुदाय, समाज, कक्षा, श्रेणी, दरजा ।

जमात—(अ) देखो “जमाअत” ।

जमाद—(अ) कजूस, वह निर्जीव पदार्थ जो वृक्षादिके समान उड़ते नहीं, यथा पत्थर लोहार आदि खनिज द्रव्य, वह प्रदेश जहाँ

वर्षा न होती हो ।

जमाद—(अ) लेव, मरहम ।

जमादात—(अ) जमाद का बहु-
वचन, खनिज पदार्थ लोहा-गत्पर
आदि ।

जमादार—(मि०) थोड़े से सिपा-
हियों का अफसर । पहरेदारों का
प्रधान ।

जमादारी—(मि०) जमादार का 'पद
या काम ।

जमादी—(अ) जमाद 'सम्बन्धी,
एक पदार्थों से सम्बन्ध रखने
वाला ।

जमादी चल अव्वल—(अ)—अरबों
वर्ष का पाँचवाँ महीना ।

जमान—(अ) समय, वक्त, युग,
काल, मुद्दत, बहुत समय, दुनिया,
ससार, जगत् प्रताप, सीमाव्य ।

जमानत—(अ) अमुक व्यक्ति अपना
'कर्तव्य पालन करेगा' इस बात
की जिम्मेदारी मौखिक कह कर
कोई कागज लिखकर अथवा कुछ
रुपया जमा करके अपने ऊपर
ले लेना । जामिनी, प्रतिभूष

जमानतदार—(मि०) जमानत करने
वाला जामिन ।

जमानत—(अ) जमानत के रूप
में, "

जमानत नामा—(मि०) यह कागज
जिसमें किसी का जमानत करने
का उल्लेख हो ।

जमाना—(अ) देखो "जमान" ।

जमाना साज—(मि०) दुनियादार,
जो समय के अनुसार घतता हो ।
व्यावहार-कुशल ।

जमाना साजी—(मि०) दुनिया दारी,
व्यवहार-कुशलता, समयानुसार
वर्तना ।

जमाबन्दी—(मि०) पटारियों का
रजिस्टर जिसमें किसानों से
प्राप्तव्य खेतों का लगान लिखा
जाता है ।

जमा मुकस्सर—(अ) व्याकरण में
बहुवचन का यह भेद जिसमें
एक वचन का रूप बदल जाता
है, जैसे—क्रिया से कुतुब ।

जमाल—(अ) अत्यधिक सौन्दर्य,
'रूपलावण्य, रूषसूती ।

जमाली—(अ) अत्यन्त सुन्दर,
परमात्मा का एक विशेषण ।

जमा-सालिम—(अ) व्याकरण में
बहु वचन का यह भेद जिसमें
एक वचन का रूप वषों या वर्षों
रखकर अन्त में बहु वचन एवम्
प्रत्यय लगा देते हैं, जैसे—
जमाद से जमादात ।

जमी—(फ) पृथिवी, भूमि । भूमि का वह ऊपरी भाग जिस पर लोग रहते हैं ।

जमींदार—(फ) जमीन का मालिक भू स्वामी ।

जमींदारी—(फ) किसी की वह जमीन जिसका वह स्वयं मालिक हो । जमींदार का पद ।

जमींदोज़—(फ) जमीन के नीचे का भूमि के अंदर बना हुआ तह-खाना आदि, जो गिरकर जमीन के बराबर हो गया हो, भूमिसात, जमीन में गढा या गाढा हुआ । एक प्रकार का तम्बू ।

जमीश—(श) सब, समस्त, सम्पूर्ण, कुल ।

जमीन—(फ) देखो “जमी” ।

जमीन आसमान एक करना—बड़े बड़े उपाय करना ।

जमीन आसमान का फरक—बहुत अधिक अन्तर ।

जमीन आसमान के कुलावे मिलाना—बड़ी-बड़ी बातें मारना, बड़े-बड़े प्रयत्न करना ।

जमीन देखना—नीचा देखना, परास्त होना, गिर पड़ना, पटक खाना ।

जमीन दर जमीन—(फ) समस्त

भूमि, सारी जमीन ।

जमीन मुर्दा—(फ) अर्जुन भूमि, जिस भूमि में खेती न की जा सके ।

जमीनी—(फ) भूमि सम्बन्धी, पृथिवी का । पार्थिव ।

जमीमा—(श) परिशिष्ट, क्रोड़पत्र, अतिरिक्त पत्र

जमीर—(श) मन, अन्त करण, विवेक, व्याकरण में सर्वनाम ।

जमील—(श) रूपवान, बहुत सुन्दर, खूबसूरत ।

जमुरंद—(ज) पना नामक रत्न ।

जमूर—(फ) दुर्बलता, कमजोरी,

जमैयत—(श) समा, समान, परिपद्, समूह, सेना, पौज, आत्मतुष्टि, मनको शान्ति ।

जम्बक—(श) एक फूल विशेष का नाम, चमगा का फूल, चमेली का तेल ।

जम्बील—(फ) पक्षी की भी मील माँगने की भोली । थैली ।

जम्बूर—(श) मिड़, घर्द, ततैया, दाँत उखाड़ने का औजार, सँझासी, चिमटी । एक प्रकार की तोप जो ऊँटों पर लदी रहती है, एक प्रकार की बड़ी बटूक ।

जम्बूरक—(तु०) देखो “जम्भूर”

जम्बूरची—(फ) जम्बूर चलाने वाला ।

जम्बूरा—(फ) एक प्रकार का बाजा, एक प्रकार की छोटी तोप, तीर ।

जम्बूरा—(फ) एक प्रकार का बाजा, एक प्रकार की छोटी तोप, तीर का फल ।

जम्बूरी—(फ) एक प्रकार की छोटी तोप, तीर का फल ।

जम्म—(अ) बहुत बड़ा, बहुत अधिक, समस्त, सम्पूर्ण ।

जम्म—(अ) अरबी लिपि में अक्षरों के ऊपर लगाया जाने वाला एक चिह्न जिससे ह्रस्व उकार को मात्रा का बोध होता है ।

ज्याँ—() हानि

जर (अ) लीचना

जर—(अ) चीरना, पाड़ना, नश्वर लगाना ।

जर—(फ) साना, स्वर्ण, धन, इपया पैसा, वृद्ध ।

जरअ (अ) खेती, कृषि, खेती, करना ।

जरफोब—(फ) सोने या चाँदी के बरक बनाने वाला ।

जर खरीद—(फ) धन देकर मोल लिया गया, मीठा ।

जरखेध (फ) वह भूमि जिसमें खूब

अच्छी फसल पैदा होती हो, उपजाऊ, उबरा ।

जरार—(फ) सुनार, स्वर्णकार,

जरगरी—(फ) सुनार का काम, स्वर्णकारी, सुनारगरी ।

जरगा—(तु) जन-समुदाय, जन समूह, आठमियों का मुण्ड, पठानों का एक जातीय वर्ग, जातीय वर्गों की सार्यजनिक सभा ।

जर दुश्न—(फ) पारसियों के एक पैगम्बर का नाम, विशुद्ध स्वर्ण, स्वर्ण, म्यालिस सोना ।

जरदोज़—(ध) सोने का ताय और खितारों से कपड़ों पर बेल-बूटे बनाने वाला ।

जरदोज़ी—(फ) सोने के तारों की कढ़ाई का काम ।

जरदोस्त—(फ) धन को सबसे प्रिय वस्तु समझने वाला, अर्थ पिशाच ।

जर निगार—(फ) वस्तु जिस पर सोने का काम हो रहा हो । मुनहरी ।

जरपरस्त—(फ) धन को ही सब कुछ समझने वाला, धन का उपासक, लोभी, लालची, मक्की चूष, द्रव्यपाश ।

जरफिशॉ—(फ) सोना छिड़कने वाला ।

जरथ—(अ) आघात, चोट, एक चीज को दूसरी पर मारना, गुणा करना, एक चीज को दूसरी चीज में मिलाना ।

जरब देना—चोट मारना, ठोकना ।

जरब खफीक—हलकी चोट ।

जरब शदीद—गहरी चोट, भारी चोट ।

जरबपत—(फ) वह रेशमी कपड़ा जिसमें सुनहरी तारों के बेल बूटे बने हों, पोत ।

जरबाफ—(फ) कपड़ों पर सुनहरी काम बनाने वाला, जरदोजी का काम बनाने वाला, जरबपत का काम करने वाला, सुनहरी ।

जरबाफी—(फ) वह कपड़ा जिस पर जरबपत का काम बना हो, सुनहरी काम का ।

जरबुल मसल—(अ) कहानत, लोकोक्ति, प्रसिद्ध बात ।

जरर—(अ) कष्ट, तकलीफ, दुःख, चोट, आघात, हानि, क्षति नुकसान ।

जरर खफीक—(मि०) हलकी चोट ।

जरर रसाँ—(मि०) चोट या कष्ट पहुँचाने वाला, हानि पहुँचाने

वाला ।

जरर रसानी—(मि०) हानि पहुँचाना, चोट पहुँचाना ।

जरस—(फ) घँटा, घड़ियाल ।

जरर शदीद—(मि०) भारी चोट, गहरा आघात ।

जरह—(अ) चोट, घाव, जख्म, तर्क, दुज्जत “जिरह” ।

जरा—(अ) थोड़ा, कम, अल्प ।

जराअत—(अ) खेती, कृषि किसानों का काम, फसल जोता बोया हुआ खेत, जमीन की पैदावार ।

जराअत पेशा—(मि०) किसान, खेतिहर, कृषि करके जीवन निर्वाह करने वाला, कार्रतकार ।

जरासा—(फ) पिघलाया हुआ सोना, पीले रंग की शराब ।

जराफत—(अ) हास्य विनोद परिहास, मजाक, बुद्धिमत्ता ।

जराफतन—(अ) हास्य रूप में, हँसी में, मजाक के दग पर ।

जराब—(अ) पायजामा, पैरों में पहनने का मोजा “जुरोब” ।

जरायन्द—(अ) एक श्रोतवि विशेष ।

जराय—(अ) जरिया का बहुवचन ।

जरायद—(अ) जराद या बहुवचन, मासिक पत्र ।

जरायम—(अ) जुर्म का बहुवचन,

बहुत से अपराध, दोष या पाप ।

जरायम पेशा—(अ) वे लोग जो चोरी, जूआ, डाके आदि द्वारा अपना जीवन-निर्वाह करते हैं ।

जरिया—(अ) सम्बन्ध, लगाव, साधन, हेतु वसीला, पागण, रुबब ।

जरी—(अ) वीर, बहादुर ।

जरी—(फ) सोने चाँदी के तारों का बना हुआ काम, एक प्रकार का कपड़ा जो बादल से बुना जाता है ।

जरीद—(अ) मासिक पत्र, स-देश वाहक ।

जरीदा—(अ) लिखने वालों का दफ्तर, मासिक पत्र, वृत्त की वह शाखा जिसमें पत्ते न हो, अकेला, एकाकी ।

जरीफ—(अ) हँसाइ, हँसाने वाला, ठठोली करने वाला, परिहास करने वाला, बुद्धिमान, समझदार ।

जरीय—(अ) खेत नापने की एक जमीर जिसमें सौ कड़ियाँ होती हैं ।

जरीय फरा—(मि०) जरीब से भूमि या खेतों को नापने वाला ।

जरीय फरी—(मि०) भूमि या खेतों की नाप-जोख, पैमाइश,

जरीबाफ—(फ) जरी के कपड़े या लैस, बेल बुनने वाला ।

जरीबाफी—(फ) जरी के कपड़े या लैस गोथा आदि बुनने का काम ।

जरीबी—(फ) जरीब सम्बन्धी, जरीब से भूमि आदि नापना, जमीन नापने की मजदूरी ।

जरीया—(अ) देखा "जरिया" ।

जरीर—(अ) सेना, फौज ।

जरीह—(अ) घायल, चुटैल, जख्मी ।

जरूर—(अ) अवश्य, निश्चय पूर्वक, नि सन्देह । आवश्यक, अनिवार्य ।

जरूरत—(अ) आवश्यकता, प्रयोजन ।

जरूरियात—(अ) जरूरी का बहु-वचन, आवश्यकताएँ, आवश्यक वस्तुएँ ।

जरूरी—(अ) आवश्यक, जिसके बिना काम न चले, प्रयोजनीय ।

जरे अमानत—(फ) धरोहर में रखी हुआ माल ।

जरे असल—(फ) मूल धन, जिस पर व्याज चलता हो ।

जरे खलास—(फ) सोना, स्वर्ण ।

जरे सुशक—(फ) सोना, स्वर्ण ।

जरे जाफरी—(फ) विशुद्ध सोना ।

खरा सोना ।

जरे जामिनी—(फ) जमानत के तौर पर जमा किया गया धन ।

जरे तावान—(फ) हानि या हरजाने के बदले में दिया जाने वाला धन ।

जरे नक्द—(अ) रोक्कड़, रुपया, सिक्का ।

जरे पेशगी—(फ) बयाना, प्राप्तव्य होने से पहले ही दिया जाने वाला धन ।

जरे मुतालबा—(फ) किसी से प्राप्तव्य धन, पावना, जो देना गेज हो ।

जरे थापतनी—(फ) देखो जरे “मुतालबा” ।

जरे सफेद—(अ) चाँदी, रुपया ।

जरे सुत्त—(फ) सोना, गिरी ।

जर्क बर्क—(अ) चमक दमक वाला, चटकीला, बना ठना, साफ और सजा हुआ ।

जर्द—(फ) पीला, पीत ।

जर्द चोब—(फ) हल्दी, हरिद्रा ।

जर्दरू—(फ) जिसका मुँह पीला पड़ गया हो । लज्जित शरमिन्दा ।

जर्दा—(फ) पीलापन, पीलिया, रोग, अगड़े म का पीला रीला चैप, अशरफी, सोने का सिक्का,

काला रंग ।

जर्दी—(फ) पीलापन, अगड़े के भीतर का पीला द्रव पदार्थ ।

जर्फ—(अ) बर्तन, पात्र, भाँडा, स्थान जिसमें वई चीज समा सके, समाइ, बुद्धिमत्ता । चतुराई, व्याकरण में काल और स्थान-वाचक किया विशेषण, साफ, स्वच्छ, निर्मल । हौसला, साहस ।

जर्फे जर्मा—(अ) व्याकरण में काल वाचक किया विशेषण, यथा कब, जब, तब ।

जर्फे मकान—(अ) व्याकरण में स्थान वाचक किया विशेषण यथा, जहाँ, यहाँ, वहाँ ।

जर्ब—(अ) देखो “जरब” ।

जर्बे-उल मसल(अ)—देखो “जरअ उ । मसल” ।

जर्बे चल मिसाल—(अ) देखो “जरअ उल मसल” ।

जर्रे (अ)—घसीटना, खींचना, पकड़ कर ले जाना, अपराधी को पकड़ कर यायालय में ले जाना ।

जर्रे—(अ) हानि, क्षति, नुकसान ।

जर्रा—(अ) किसी चीज का बहुत छोटा टुकड़ा, अणु, कण, परमाणु ।

जरात—(अ) जरा का बहुवचन ।

जराफ़—(अ) प्रसन्नचित्त, खुशदिल, बुद्धिमान ।

जराब—(अ) चोट मारने वाला, जरब लगाने वाला, टकसाल वा अचिन्तारी ।

जराँर—(फ) वीर, रडादुर, बहुत विशाल, बहुत अधिक (सेना आदि)

जराँह—(अ) वह जो पंड़ों आदि की चीरफाड़ करता हो, पोंडों आदि का इलाज करने वाला, शल्य-चिकित्सक ।

जराँही—(अ) जराँह का काम, जराँह से सम्बन्ध रखने वाला, पोंडों या घावों का इलाज, पोंडों की चीर-फाड़, शल्य चिकित्सा ।

जरी—(फ) सुनहरी, सोने का काम हो रहा हो ।

जलक—(अ) हस्त मैथुन, हस्त किया ।

जलजला—(अ) भूकण, भूचाल, भूडोल ।

जलवा—(अ) तड़क भड़क, चटक-मटक, साज सजा, बनाव श्रृंगार रूप की शोभा, प्रकट होना, मुसलमानी प्रधानुसार नव वधू

का प्रथम बार अपने पति को मुग्न दिखाना ।

जलवागीर—(फ) संसार, विश्व ।

जलसा—(अ) समा, सम्मेलन, मञ्जलिष, महफिल, अधिवेशन, आनन्द और उत्सवका समारोह जिसमें खाना-पीना गाना-बजाना आदि होता हो ।

जला—(फ) बहिष्कार, निकाल देना ।

जलाजल—(अ) जलजला का बहुवचन ।

जलाल—(अ) प्रताप, वैभव, महत्त्व, तेज, आतङ्क, गौरव ।

जलालत—(अ) गौरवशाली होना ।

जलालिया—(अ) मुसलमान फकीरों का एक सम्प्रदाय जो खुदा के जलाली रूप की उपासना करते हैं, इस पिकों का फकीर ।

जलाली (अ) जलाल वाला, तेज स्त्री, प्रतापी, वैभवशाली, मयानक, विकराल, रुद्र, ईश्वर के सृष्टि सहायकरूप का एक विशेषण, कुगन की वे आयतें जो यन्त्र के रूप में काम में लाई जाती हैं ।

जलावतन—(अ) देश से निकाला हुआ, निर्वासित ।

जलावतनी—(अ) देश निकाला, निर्वासित ।

जली—(अ) स्पष्ट, प्रकट, वह लिपि जिसमें सुन्दर, स्पष्ट और माटे अक्षर लिखे जायें ।

जलीक—(अ) वह बालक जो प्रकृति निर्धारित समय से पहने उत्सव हुआ हो ।

जलीद—(अ) बरफ, आला ।

जलील—(अ) वृद्ध, बड़ा, बुजुर्ग, वयोवृद्ध, गौरव शाली ।

जलील—(अ) तुच्छ, अपमानित, निरादर, बेदर, अपराधी, दोषी ।

जलील जलकद्र—(अ) बहुत प्रतिष्ठित, परम मान्य ।

जलीस—(अ) सभा में बैठने वाला, सभासद, सम्म, पास बैठने वाला, पार्श्ववर्ती ।

जलू—(फ) जौंक, जलौका ।

जलूक—(फ) देखो 'जलू' ।

जलूस—(अ) किसी ऐसे उत्सव का समारोह, जो एक जगह बैठकर नहीं बल्कि गलियों और बाजारों में घूम घूम कर मनाया जा रहा हो । घूम घूम के साथ निकलने वाली सवारी, समारोह पूर्ण यात्रा, राज्याभिषेक का उत्सव ।

जलूसी—(अ) जलूस सम्बन्धी, जलूस का जो किसी राज्याभिषेक काल से प्रचलित हुआ हो—

(सवत् = सन्)

जलेबा—(फ) जलेबी, इस नाम से मिठाई ।

जल्क—(अ) देखो 'जलक' ।

जल्द—(अ) जल्दी से, शीघ्र, तुरन्त चटपट, तेजी से, कोड़ा ।

जल्दबाज—(मि०) किसी काम में बहुत जल्दी करने वाला, उतावला,

जल्दी—शीघ्रता, तेजी, फुरती, शीघ्र, तुरन्त, झटपट ।

जल्ल—(अ) महान्, श्रेष्ठ, वैभव-सम्पन्न ।

जल्लाद—(अ) खाल खींचने वाला, कोड़ा मारने वाला, पापी देने वाला, तलवार मारने वाला, बधक, घातक, क्रूर व्यक्ति ।

जल्ले जल्लाह—ईश्वरीय वैभव-सम्पन्न,

जल्लत—(अ) सबके समक्ष आना अपने को सब के सामने प्रकट करना ।

जल्वा—(अ) देखो "जलवा"

जल्वा आरा—(अ) प्रकट होना ।

जल्वा गाह—(मे०) प्रकाशग्रह ।

वह स्थान जहाँ जल्वा दिखाया जाय, संसार, दुनिया ।

जल्सा—(अ) देखो "बनसा" ।

- जवाँ—(फ) युवक, युवा, वीर, बहादुर, तरुण ।
- जवाँ मर्द—(फ) शूरवीर, बहादुर, योद्धा, साहसी, पुरुषार्थी, पुण्यपात्र ।
- जवाँ मर्दी—(फ) वीरता, बहादुरी ।
- जवाज—(श) धर्मानुकूलता, वैधानिकता,
- जवान—(फ) युवा, युवक, तरुण, वीर, बहादुर ।
- जवाना मर्ग—(फ) युवावस्था में मरने वाला, जवानी में ही आने वाली मृत्यु ।
- जवानिय—(श) जानिय का बहुवचन ।
- जवानी—(फ) युवापन, यौवन, तरुण्य ।
- जवानी उतरना—युवापन समाप्त होना ।
- जवानी चढ़ना—बाल्यावस्था समाप्त कर यौवन में प्रवेश करना ।
- जवाय—(श) किसी पूत्री हुई बात का बताना, किसी बात के बदले में कही गई बात, उत्तर, बदला, समान, तादृश, मुकाबले की वस्तु, जोड़ा की चीज, नौकरी से हटाए जाने की आशा ।
- जवाय दावा—(श) वादी द्वारा अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का प्रतिवादी द्वारा लिख का अदालत में दिया गया उत्तर ।
- जवाय देह—(फ०) उत्तदायी, जिम्मेवार ।
- जवाय देही—(मि०) जिम्मेवारी, उत्तरदायित्व ।
- जवाबित—(श) जवाब का बहुवचन ।
- जवाबी—(श) जिसका उत्तर देना हो । जवाब का ।
- जवाबे नामा—(श) पत्रोत्तर ।
- जवायद—(श) जवाय का बहुवचन । जरूरत से ज्यादा चीजें आवश्यक्ता से अधिक वस्तुएँ ।
- जवार—(श) पकौसी, समीपवर्ती, आस पास का स्थान ।
- जवारिश—(फ) म्यादिष्ट और पाचक दवा, चटनी, अवलेह ।
- जवाल—(श) अवर्तित, अपाचित, सकट, ज्वाल, हास, उत्तार । घटती, कम ।
- जवाहिर—(श) जौहर का बहुवचन, अनेक प्रकार के रत्न ।
- जवाहिरास—(श) जवाहिर का बहुवचन, अनेक प्रकार के रत्नों का ढेर ।
- जशान—(फ) उत्सव, आनन्दोत्सव,

जलसा, हर्ष, आनन्द ।

जश्न—(फ) देखो “जशन” ।

जसामत—(अ) मुगपा, स्थूलत्व,

शरीर का आकार प्रकार ।

जसारत—(अ) दृढता, वीरता,

हिम्मत, साहस ।

जसीम—(अ) मोटा ताजा, स्थूल

शरीर वाला, लम्बा-बडगा ।

जस्त—(फ) कूद, छुनौंग, कुशन ।

उड़ान ।

जस्साम—(अ) खोजने वाला, अन्वेषक

जिज्ञासु ।

जह—(फ) बच्चा जनना, प्रसव,

जरायु, नाल, बच्चा ।

जहका—(अ) हँसना । हाथ-गँग

मारना, सघर्ष करना ।

जहद—(अ) प्रयत्न, उद्योग, परिश्रम,

मेहनत । इनकार करना ।

जहद—(अ) विरक्ति, उग्रामता ।

भक्ति ।

जहन—(अ) बुद्धि, स्मरण शक्ति ।

जहन्नुम—(अ) न फ, ग, रा कुआँ ।

जहन्नुम में जाय—हमसे कुछ

सरोकार नहीं ।

जह नुमी—(अ) नारकी, जहन्नुम

का, जहन्नुम सम्बन्धी ।

जहव—(अ) सोन, स्वर्ण ।

जहमत—(अ) आपत्ति, आफत,

भगड़ा, भूभट, बखेड़ा, मुसीबत,

सकट, दुर्गन्धि, सड़ायँद काट,

दुःख, शोक ।

जहर—(फ) विष, गरल, अप्रिय ।

जहर सगलना—मर्मवेधी बात

कहना ।

जहर का घूँट पीना—किसी के

अनुचित व्यवहार पर आए

हुए क्रोध को मन ही में दबा

लेना ।

जहर का बुझा हुआ—बहुत चुभती

बात कहने वाला, अति दुष्ट ।

जहर आलूदा—(फ) विपाक, विष

मिला हुआ ।

जहर क्रातिल—(फ) अत्यन्त तीव्र

विष, प्राणघातक विष ।

जहर दार—(फ) जिममें जहर हो,

जहरीला, विपाक, विपैला ।

जहरवाद—(फ) एक प्रकार का

अत्यन्त विपैला पीड़ा जिसके

निकलने पर समस्त शरीर सूज

जाता है ।

जहर मार—(फ) विषनाशक, विषघ्न,

जहर मोहरा, तिरियाक नामक

ओषधि जिससे विषका प्रभाव

दूर हो जाता है ।

जहर मोहरा—(फ) एक काले या

हरे रंग का विशेष पत्थर जिसमें

विष नष्ट करने का गुण होता है ।

जहरा—(फ) शरीर के भीतर का एक
अंग जिसमें पित्त रहता है ।

पित्ताशय, गुरदा, हिम्मत, साहस ।

जहरीला—(फ) विषैला, विपाक,
विष मिला हुआ ।

जहल—(अ) नादानी, अज्ञान,
मूर्खता, जिद ।

जहली—(अ) नादान, मूर्ख, भग-
दालू, मक्की ।

जहूल—(अ) देखो “जहल” ।

जहाँ—(फ) संसार, दुनिया, ज्ञान ।

जहाँगीर—(फ) विश्व-विजेता । एक
बादशाह का नाम ।

जहाँगीरी—(फ) विश्व विजय ।

जहाँदीदा—(फ) जिसने दुनिया के
ऊँच-नीच अच्छी तरह देखे हो,
अनुभव ।

जहाँ पनाह—(फ) संसार भर को
शरण देने वाला । बादशाह
आदि के लिए प्रयुक्त होने वाला
सम्बोधन ।

जहाक—(अ) अत्यन्त हँसोड़, वह
जो बहुत अधिक हँसे । एक बड़े
क्रोधी और अत्याचारी बादशाह
का नाम ।

जहाज—(अ) समुद्रयान, समुद्र में

चलने वाली बहुत बड़ी नाव ।

जहाजी—(अ) जहाजों का, जहाज
सम्बन्धी, जहाज चलाने वाला,
नाविक, मल्लाह, खजासी ।

जहाद—(अ) युद्ध जो मुसलमान लोग
दूसरे धर्मावलम्बियों के साथ
करते हैं । धर्म-युद्ध ।

जहादी—(अ) काफ़िरो से लड़ने
वाला, धर्म-युद्ध करने वाला ।

जहान—(फ) दुनिया, संसार, जहाँ ।

जहाब—(अ) प्रधान,

जहालत—(अ) अज्ञान, मूर्खता,
मूर्खता, जिद ।

जहीन—(अ) बुद्धिमान, प्रबल स्म-
रण शक्ति वाला ।

जहीम—(अ) नरक, दोखल ।

जहीर—(अ) सहायक, मददगार ।

जहूदी—(फ) यहूदी ।

जहूर—(अ) प्रकट होना, प्रादुर्भूत
होना, उत्पन्न होना, प्रारम्भ होना
जहूर में आना प्रकाश में आना,
प्रकट होना, जानकारी में आना ।

जहूरा—(अ) प्रकाश, प्रताप, ऐश्वर्य,
इकबाल ।

जहे—(फ) वाह, धन्य ।

जहे किस्मत—(फ) अदो भाग्य ।

जहेज—(अ) विवाह के समय कन्या

के पिता द्वारा कन्या के लिए दिया जाने वाला सामान ।

जह- (अ) पृष्ठ, पीठ, पिछला भाग, ऊपर या बाहर की ओर का भाग ।

ज्वा-कन—(फ) प्राणघातक, जीवन पर सकट लाने वाला ।

ज्वाकाह—(फ) प्राणघातक, भोषण, विकट ।

ज्वा निवाज—(फ) दयालु, कृपालु, प्राणों पर दया करने वाला ।

ज्वा क्रिजा—(फ) सुधा, अमृत ।

ज्वा क्रिशानी—(फ) कड़ी महनत, बहुत अधिक परिश्रम, किसी काम में जान लड़ा देना, दौड़ धूप करना ।

ज्वा बलब—(फ) जिसके प्राण ओठों पर आ गए हों, मरणासन्न आसन्न मृत्यु, मरणोन्मुख ।

ज्वा बहक—(फ) मरना ।

ज्वा बाज—(फ) जान पर खेल जाने वाला, प्राण तक निछावर कर देने को उद्यत, धार परिश्रमी धोर साहसी ।

ज्वा—(फ) जगह, स्थान, उचित, योग्य,

ज्वाइल (अ) नष्ट होना

ज्वाईदा—(फ) उत्तज, जन्मा हुआ,

जात, पैदा हुआ ।

जाए तखलिया—(फ) एकान्त स्थान,

सोने या आराम करने की जगह

जाक—(फ) फिटकिरी ।

जाकिर—(अ) जिक्र करने वाला, चर्चा करने वाला, उल्लेख करने वाला, स्मरण करने वाला ।

जारा—(फ) काक, कौआ, एक राग का नाम ।

जागीर—(फ) सरकार की ओर से मिली हुई जमीन, राजा की ओर से दिये गए गाँव, ठिकाना ।

जागीरदार—(फ) जागीर का मालिक, जिसे जागीर दी गई हो, ठिकानेदार, रईस, अमीर ।

जाजम—(हु०) एक बड़ा बिछौना जिस पर रंगीन बूटियाँ छपी हो । फर्श । जाजिम ।

जा जरूर—(फ) शौचानय, पाखाना, मलत्याग करने का स्थान ।

जाजिब—(अ) सोखने वाला, शोषक, आकर्षक, खींचने वाला । प्रभावशाली ।

जाजिबीअत—(अ) आकर्षण, खिचाव ।

जाजिम—(फ) देखो “जाजम” ।

जाजिम—(अ) दृढ निश्चयी ।

जात—(अ) जाति, वास्तविकता,

जसल, देह, शरीर, स्वामी ।

जाती—(श) अपना, निजी, व्यक्तिगत, वैयक्तिक ।

जाद—(श) उत्पन्न हुआ, जन्मा हुआ, पुत्र, बेटा, अपत्य ।

जादए चलकृत—भोजन, खाना । प्रेम-मार्ग ।

जाद—मार्ग, रास्ता,

जादबूम (श) जन्मभूमि, जन्म स्थान ।

जाद राह—(श) मार्ग का भोजन, पायेय, तोशा, माग यय, राह ग्वर्च ।

जादा—भाग, रास्ता,

जादा—(फ) उत्पन्न, जन्मा हुआ, पुत्र, बेटा ।

जादाद—(फ) सम्पत्ति, माल अश्वत्थ ।

जादिर—(श) लड़ने वाला ।

जादू—(फ) इन्द्रजाल, जिलसम, वह अद्भुत काम जिसे देख कर लोग अचम्भे में पड़ जायें । वह खेल या कतब जा दर्शकों की निगाह बचाकर किया जाय । टोना ।

जादूगर—(फ) जादू करने वाला, बाजीगर, मदारी ।

जादूगरी—(फ) जादू-काम, इन्द्रजाल, टोना, आश्चर्यवादक खेल दिखाना ।

जाहा—(आ) पगडंडी, पद्धति, पैदल चलने वालों का रास्ता ।

जान—(फ) प्राण, जीव, जीवन, प्राण-वायु, शक्ति, धल, दम, शूता, सामर्थ्य मुरय वस्तु, सुन्दरता शोभा या मञ्जुश्री बढ़ाने वाली वस्तु, सार वस्तु, प्रेमी या प्रेमिका के लिए सम्बोधन, भिन, परी ।

जान के लाले पड़ना—जीवन सकट में पड़ जाना, कठिनाई में फँसना ।

जान छुड़ाना—किसी भस्म से पीछा छुड़ाना

जान पर खेलना—कोई काम करने के लिए जीवन सकट में डालना ।

जान बहक वमलीम—मरना ।

जान से जाना—मरना ।

जान आजारी—(फ)—कष्ट देना, दुख देना ।

जान आकरीन—(फ) जीवन देने वाला, सुख-त्यादक

जान आहन—(फ) निर्दय, निर्मम, महाप्राण,

जानकाह—(फ) प्राण बालक, जीवन काम करने वाला ।

जानदार—(फ) , सजीव, सबल,

सशक्ति, जिसमें जोब हो, जिसमें शक्ति हो ।

ज्ञान वृक्षी—(फ) प्राण दान देना, प्राण देण्ड से मुक्त कर देना, पूर्ण रूप से क्षमा करना ।

ज्ञानमाजि—(फ) वह छोटी दरी जिस पर बैठ कर नमाज पढ़ते हैं ।

ज्ञानवर—(फ) सजीव, प्राणी, जीव जन्तु, पशु ।

ज्ञानशील—(फ) उत्तराधिकारी, स्थानापन्न, किसी के स्थान पर उत्तराधिकारी बनकर बैठने वाला ।

ज्ञानों—(फ) प्रेम गान, माशूक ।

ज्ञानानों—(फ) प्रेमपात्र, माशूक ।

ज्ञानिब—(अ) तरफ, ओर, पक्ष, दिशा ।

ज्ञानिबदार—(फ) ओर लेनेवाला, पक्षपाती, तरफदार ।

ज्ञानिबैन—(अ) ज्ञानिब का बहु वचन । दोनों पक्ष, दोनों ओर ।

ज्ञानिया—(अ) व्यभिचारिणी, दुर्ग चारिणी ।

ज्ञानी—(अ) ज्ञान से सम्बन्ध रखने वाला, ज्ञान का, प्यारा, मित्र ।

ज्ञानी—(अ) व्यभिचारी, दुर्गचारी ।

ज्ञानी दुरमन—(मि०) अत्यन्त शत्रु, जो प्राण लेनेको उत्सारु हो ।

ज्ञानी दोस्त—(मि०) अति पनीष्ठ

मित्र, प्राण प्रिय ।

ज्ञानू—(फ) घुटना ।

जाने जहाँ—(फ) ससार का प्यारा, माशूक ।

जाने जान—(फ) जीवनाधार, प्राणों का प्राण, परमात्मा, पराँठा ।

जानेमन—(फ) मेरे प्राण, प्रिय व्यक्ति के लिये सम्बोधन ।

जाफर—(अ) बड़ी नदी, नद, पीला रंग, नाम विशेष ।

जाफरान—(अ) केसर ।

जाफरानी—(अ) जाफरान का, जाफ सम्बन्धी, केसर का, केसर के रंग का, केसरिया ।

जाफरी—(फ) बाँस की खपच्चियों से बनाई हुई टट्टी । पीलेरंग का फूल, गेंदा के फूल, गेंदा के फूल की एक किस्म, पीला रंग, जाफर के कुटुम्ब या वंश का ।

जायजा—(फ) जगह जगह, ठौर-ठौर, जहाँ-तहाँ, यत्र-तत्र ।

जाधित—(अ) ज्वस्त करने वाला, संयमी, सहनशील, स्वामी, मालिक ।

जाधिता—(अ) नियम, व्यवस्था, कानून, कायदा, रिवाज, प्रथा ।

जाधिर—(फ) जबर करने वाला, अत्याचारी, धोखा-खोली करने

वाला, ज्यादाती करने वाला ।

जाविदा—(अ) जिवद करने वाला,
फसाई बूचड़, घातक ।

जावेजा—(फ) मली-बुगी बातें, समय
असमय, मोके बे मोके ।

जान्तगी—(अ) नियमानुकूलता,
बैबता ।

जाय्ना—(अ) देखो “जाविता”

जाय्ता दीवानी—(फ) सर्व साधारण
के परस्पर लेन-देन सम्बन्धी
कानून ।

जाय्ता फौजदारी—(अ) चोरी
हुआ आदि अपराधों सम्बन्धी
कानून ।

जाम—(फ) प्याला, कटोरा, शराब
पीने का प्याला ।

जामदानी—(फ) एक प्रकार का
कड़ा हुआ फूलदार कपड़ा ।

जामा—(अ) नमा करने वाला,
व्यापक, वृहत्, कुल, सब, एक ।

जामा—(फ) पहनने का कपड़ा,
एक प्रकार का पहनावा जिसमें
ऊपर का हिस्सा कुर्ते का ठा
और कमर से नीचे का भाग
लहंगे की तरह घेरदार होता है।
हुका । विश्वविद्यालय, यूनि-
वर्सिटी ।

, जामे से बाहर होना = अत्यधिक

क्रोध करना ।

जामा मसजिद—(अ) वह बड़ी
मसजिद जिसमें शुक्र के दिन
शहर-भर के मुसलमान एकत्र
होकर नमाज पढ़ते हैं ।

जामिद—(अ) जमा हुआ, न्या-
करण में रुद्ध शब्द, देशब,
पत्थर का ।

जामिन—(अ) जो किसी की, जमा-
नत करे, किसी की जिम्मेवारी
लेने वाला ।

फेल जामिन—अमुक व्यक्ति अनु-
चित या वर्जित कार्य न करेगा,
इस बात की जिम्मेवारी लेने
वाला ।

माल जामिन—किसी के श्रृण
आदि चुकाने के सम्बन्ध में
जमानत करने वाला ।

जामिनी—(अ) देखो “जमानत” ।

जामे जम—(फ) एक कल्पित
प्याला जिसके सम्बन्ध में
प्रसिद्ध है कि कैलुसरो ने एक
बहुत बड़ा और अद्भुत प्याला
बनाया था, जिसमें बैठे व्यक्ति
को संसार-भर में घटने वाली
घटनाओं का पता लग जाता
था ।

जामे जमरोद—(फ) देखो “जामे-

जम' ।

जामे जहाँतुमाँ— (फ) देखो
"जामेजम" ।

जामैयत— (अ) समुदाय, परिषद,
सभा ।

जाय— (फ) जगह, स्थान, जा ।

जायक़ा— (अ) स्वाद, आस्वादन,
खाने-पीने को चीज़ों का वह
गुण जिसका ज्ञान जीभ द्वारा
होता है ।

जायब— (फ) जन्म-यत्र ।

जायज— (अ) ठचित, वैध, ठीक,
मुनासिब ।

जायज़ा— (अ) हिसाब-किताब की
जॉच-पड़ताल लेन-देन, इनाम,
पुरस्कार, पारितोषिक ।

जायद— (अ) अतिरिक्त, अधिक,
फ़ालतू, बढ़ा हुआ, निरर्थक,
व्यर्थ का ।

जायदादि— (क़) जन्म होना, पैदा
होना ।

जायदाद— (फ) सम्पत्ति, भूमि वन
या समान, सामग्री, माल
असबाब ।

जायदाद और मनक़ूला— (फ) वह
सम्पत्ति जो एक स्थान से दूसरे
स्थान पर न ले जाई जा सके ।
स्थायर सम्पत्ति ।

जायदाद मनक़ूला— (फ) वह
जायदाद जो चाहे जहाँ ले जाई
जासके, चर सम्पत्ति ।

जायर— (अ) यानी, पथभ्रष्ट,
अत्याचारी ।

जायल— (अ) विनष्ट, बर्बाद ।

जाया— (अ) नष्ट, खोदा हुआ,
बर्बाद ।

जार— (अ) पद, प्रतिष्ठा, जो
आकर्षण करता हो, व्याकरण
में विभक्ति ।

जार— (फ) बहुत, अधिक, स्थान,
किसी वस्तु की प्रचुरता, अमा-
नित, संकटापन्न ।

जारजार रोना— अति अधिक
रोना ।

जार व क़तार— (फ) लगातार,
निरन्तर ।

जार व निज़ार— (फ) दुबला
पतला, क्षीणकाय, दुर्बल,
कमज़ोर ।

जारहा— (अ) घाव करने वाला ।

जारी— (अ) प्रचलित, बढ़ता हुआ,
चलता हुआ, प्रवाहित ।

जारी— (फ) रुदन, रोनाधोना ।

जारुब— (फ) बुहारी, भाङ्ग,

जारुब कश— (फ) बुहारी देने
वाला, भाङ्गने वाला ।

जाल— (अ) छल, कपट, धोला, बनापट । चिड़ियों या मछलियों पकड़ने का साधन जो सूत की रस्तियों का बना होता है ।

जाल— (फ) यह श्वेत बालों वाला (स्त्री पुरुष) । (अ) पथभ्रष्ट । खोई हुई वस्तु ।

जालसाज— (मि०) जाल बनाने वाला, धोखा देने वाला, कपट करने वाला, झूठी काँवाई करने वाला, फरेबी, छलिया ।

जाला— (फ) वेड़ा, तमैड़, नदी आदि पार करने के लिए घड़ों को लकड़ी में बाँध कर अथवा लकड़ी के लट्ठों को एक जगह बाँध कर बनाया हुआ साधन ।

जाला घारी— (फ) उपलब्ध, श्रोलों की घोर वर्षा ।

जालिम— (अ) अत्याचारी, जुल्म करने वाला ।

जाली— (अ) बनावटी, कृत्रिम, झूठा, जो असली न हो । झिला करने वाला, चमकाने वाला, पालिश करने वाला ।

जाबिदा— (फ) सदैव, सदा, हमेशा, सदा रहने वाला, शाश्वत ।

जाबिदानी— (फ) हमेशगी, स्था

यित्व, सदा रहने की अवस्था ।

जाबिया— (अ) कोण, कोना ।

जाबिया क़ायमा— (अ) अधिक कोण ।

जाबिया जाहा— (अ) यून कोण ।

जाबिया मनुफ़र्दा (अ) यून कोण ।

जावेद— (फ) सदा रहने वाला, स्थायी, अविनश्वर, अमर ।

जविदा— (फ) देखो जावेद ।

जासूस— (अ) मैदिया, गुनचर, छुक्रिया ग़बर देने वाला, किसी अपराधी आदि का गुप्त रूप से पता लगाने वाला ।

जासूसी— (अ) जासूस का काम, किसी बात का गुप्त रूप से पता लगाना ।

जाह— (अ) ऊँचा पद, प्रतिष्ठा ।

जाह-वः जलाल— (अ) पद और वैभव ।

जाहलीयत— () देखो "बहा लत" ।

जाहिद— (अ) विरक्त, ईश्वर भक्त, सब दुःकर्मों से बचकर परमात्मा की उपासना करने वाला ।

जाहिदाना— (फ) विरक्तो का-गा, ईश्वर भक्तों का छा ।

जाहिदे खुश्क— (फ) अवधूत ।

जाहिर— (अ) प्रकट, प्रकाशित, स्पष्ट, खुला हुआ । ज्ञात, अवगत, जाना हुआ ।

जाहिरदार— (मि) बनावटी, दिखावटी, ऊपरी, दिखावा ।

जाहिरदारी— (मि०) बनावट, दिखावट, बनावटी व्यवहार, ऊपरी-तढ़क मढ़क ।

जाहिरन्— (अ) प्रकट, प्रकाश रूप से ।

जाहिर परस्त— (मि०) केवल ऊपरी दिखावट पर मुग्ध होने वाला ।

जाहिरी— (अ) ऊपर से जाहिर होने वाला ।

जाहिरा— (अ) प्रकाट, प्रकाश रूप से । ऊपर देखने में ।

जाहिल— (अ) मूल, अज्ञान, अनपढ़, नासमझ । भ्रान्त, अचेत, भूला हुआ ।

जाहिलियत— (अ) अज्ञान, मूर्खता ।

जिक जिक— (अ) चिल्ला पुकार, कोलाहल, बक भक्क ।

जिक्र— (अ) चर्चा, उल्लेख, प्रसंग, कुरान का पाठ, ईश्वर का गुण गान ।

जिक्र मञ्जूर— (फा) चर्चा करना, स्मरण करना ।

जिक्रे खौर— (फ) अच्छे रूप में याद करना, शुभ चर्चा ।

जिगर— (फ) यकृत, कलेजा, मन, चित्त, साहस, हिम्मत, जीव, सार, गूदा ।

जिगर बन्द— (फ) पुनः, औरस, शरीर के भीतर के हृदय कुपकुस आदि ।

जिगरी— (फ) अत्यन्त घनिष्ठ, भीतरी, अन्तरंग, तिल्ली ।

जिह्व— (फ) विचशता, मजबूरी, तगी शतरज के खेल की वह स्थिति जिसमें एक पक्ष वाले मोहरों के स। रास्ते बन्द हो जाँय ।

जिद्— (अ) आप्रद, हठ, दुराग्रह, विरोध ।

जिह्त— (अ) नवीनता, नयापन, ताजगी,

जिदायदी— (मि०) शोध, प्रति योगिता, बहस बहसी, लड़ाई-झगडा ।

जिदाल— (अ) युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई, जग ।

जिद्— (अ) देखो 'जिद्' ।

जिद्दी— (अ) हठी, दुराग्रही,

जिद करने वाला ।

जिन— (अ) भूत, प्रेत ।

जिनदार— (फ) शरण, शान्ति,
बचाव, प्रतिश । कदापि, कभी,
हरिगत्र ।

जिना— (अ) व्यभिचार, पराई स्त्री
से भोग करना ।

जिनाकार— (मि०) व्यभिचारी,
परस्त्री गामी ।

जिनाकारी— (मि०) जिना करना,
व्यभिचार, परस्त्री गमन ।

जिना विजत्र— (अ) किसी स्त्री के
साथ उसकी इच्छा न होने पर
भी उल्लंघन भोग करना ।

जिना बिल्वत्र— (अ) देना
“जिना विजत्र”

जिन्द— (फ) पारसी धर्म का,
प्रसिद्ध मान्य ग्रन्थ, गोरवशाली,
बड़ा ।

जिन्दगानी— (फ) जीवन, जन्म
से लेकर मृत्यु तक के मध्य का
काल ।

जिन्दगी— (फ) देखो “जिन्दगानी”
जीवन-काल, आयु ।

जिन्दा— (फ) बन्दीष्ट, कैदखाना,
कारागार ।

जिन्दा— (फ) जीवित, जानदार,
जीता हुआ ।

जिन्दानी— (फ) कैदी ।

जिन्दा दर गोर— (फ) जीतेजी मरे
के समान, जीता हुआ कब्र में
रहने योग्य ।

जिन्दा दिल— (फ) प्रसन्न चित्त,
हँसमुख, सदा खुश रहने वाला,
रसिक, सहृदय, शौकीन ।

जिन्दा दिली— (फ) सहृदयता,
रसिकता, शौकीनपन, हँसो
पन ।

जिन्ना— (अ) व्यभिचारी, दुर्ग-
चारी ।

जिन्नात— (अ) जिन का बहुवचन ।

जिन्नी— (अ) भूत प्रेतों की पूजा
करने वाला, ओम्हा, स्पाना ।

जिन्स— (अ) श्रनाम, गल्ला, अन्न,
भौति, प्रकार, मेज, किताब, वस्तु,
चीज, सामान, सामग्री ।

जिन्सखाना— (मि०) कोठार, मठार ।

जिन्सवार— (मि०) पत्थर जिन्स
का अलग अलग रखना या
लिखना । पटवारियों का राबस्टर
जिन्समें जिन्स के हिस्से से खेतों
के नम्बर और उनकी ना। निम्नी
जाती है ।

जवस— (फ) पूर्ण रूप से ।

जवस कि— इस लिए कि ।

जबह—(अ) पशुआँ का घष करना,
जानवरों का गला काटना ।

जिबह अकबर—(अ) ईदुज्जुहा
की कुर्बानी ।

जवाल—(फ) पहाड़, पर्वत ।

जव राईल—(फ) एक परिते का
नाम ।

जमन—(अ) भीनरी भाग, पाने,
विभाग, कानून की दफा, धारा ।

जमाअ—(अ) सम्भोग, सहवास,
छी प्रसंग

जिमादता—() देखो “जमादात” ।

जमाम—() चागडोर, शासन,
सूत्र ।

जम्मा—(अ) उत्तर दायित्व, जिम्मे-
दारी, देल देल, भार, जवान
देही, किसी काम के सम्बन्ध में
'वह अवश्य हो जायगा' ऐसा
भार अपने ऊपर लेना ।

जम्मी—(अ) वे मुसलमानेतरधर्माव-
लम्बी लोग जिन्हें मुसलमानी
राज्य में शरण दी गई हो तथा
उनसे जमिया नामक कर लिया
जाता हो ।

जम्मेदार—(अ) वह व्यक्ति जिसने
किसी बात का जिम्मा लिया हो ।
उत्तरदायी ।

जया—(फ) रूति, हानि, पाटा,

टोटा-नुकसान ।

जया—(अ) प्रकाश, ज्योति,
उजाला, रोशनी, सूर्य का प्रकाश ।

जयादा—(अ) अधिक, विशेष,
बहुत ।

जयान—(अ) देखो “जियाँ” ।

जयाफत—(अ) मोज, ज्योनार,
बड़ी दावत जिसमें बहुत-से
आदमियों को मोजन कराया
जाय, महमानी ।

जयारत—(अ) भेट, दर्शन, किसी
तीर्थ स्थान या देवता के दर्शन ।

जयारसी—(अ) तीर्थ यात्री, जात्री,
जाती ।

जिरगा—() देखो “जरगा”

जिरह—(अ) देखो “जरह” ।

जिरह—(फ) कवच, चर्म, लोहे
की कड़ियों का बना हुआ कुर्ता
या जिसे युद्ध में सैनिक पहनते
हैं ।

जिरह गोश—(फ) दम्मी, द्वेपी ।

जिरह पोश—(फ) जो कवच था
वर्म पहने हुए हो, कवच धारी ।

जिरह वक्तर—(फ) कवच ।

जिरही—(फ) जिन्हें पहने हुए,
वर्मधारी, कवच धारण किए
हुए ।

जिरियान—(अ) धीरे सम्बन्धी

रोग, प्रमेह ।

जिर्म—(अ) देह, शरीर, कोई भी निर्बोव पदार्थ का पिएह ।

जिलवस—(अ) प्रकाशित, प्रकट, खिलवत का उलटा ।

जिला—(फ) चमक, रंग, ररिष्कार, पालिश ।

जिला—(अ) प्रान्त, पसली ।

जिला करना—चमकाना, रँनना, खरद पर चढाना, पालिश करना ।

जिलाकार—(मि०) शान रखने वाला, पालिश करने वाला, सिकलीगर, शानगर ।

जिली—(अ) स्पष्ट, प्रकट, मोटे और सुदर अक्षर ।

जिलेदार—(मि०) किसी प्रान्त का प्रधान अधिकारी, जिले का अकसर ।

जिलेदारी—(मि०) जिलेदार का पद, जिलेदार का काम ।

जिल्क अद—(अ) अरबों के वर्ष का ग्यारहवाँ महीना ।

जिल्द—(अ) त्वा, खाल, छाल, छिलका, चर्म, पुस्तक की रत्वा के लिए उस पर चढाया गया पुढा । पुस्तक की एक प्रति । किसी बड़ी पुस्तक का षड भाग

जो एक ञगह सिला हो, अम्ब बार का मासिक अक ।

जिल्दगर—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।

जिल्दबन्द—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।

जिल्दसाज—(मि०) जिल्द बनाने वाला ।

जिल्दसाजी—(मि०) किताबों रजिस्ट्रो आदि की जिल्द बनाने का काम ।

जिल्दी—(अ) जिल्द से सम्बन्ध रखने वाला ।

जिल्स—(अ) रात्रि का अधकार, छाया, परछाई, दया, कृपा, विचार, गरमी की अधिकता ।

जिल्सत—(अ) अपमान, निरादर, तिरस्कार, दुर्गति, अपराध ।

जिल्सत चढाना—अमानित होना, दुर्दशा होना ।

जिल्से इत्ताही—(मि०) इश्कर की कृपा, खुदा की महरबानी ।

जिल्हिज्ज—(अ) अरबों के वर्ष का बारहवाँ महीना ।

जिल्क—(फ) बुरा, माँझ, कुरूप ।

जिल्की—(फ) बुराई, भाङापन, कुरूपता ।

जिस्म—(अ) शरीर, देह, बदन ।

- जिस्मानी—(प्र) शारीरिक, शरीर सम्बन्धी । देहका ।
- जिस्मी—(अ) निजी, अन्तः, व्यक्तिगत ।
- जिह्—(फ) “देखो जह” ।
- जिहत—(प्र) हेतु, कारण, वजह ।
- जिहन—(अ) बुद्धि, समझ, स्मरण शक्ति, ध्यान ।
- जिहन खुलना—बुद्धि का विकास होना, समझ या बुझना ।
- जिहन नशीन होना—समझ में बैठना, ध्यान में आना ।
- जिहल—(अ) देखो “जहल” ।
- जिहाद—(अ) देखो “जहाद” ।
- जिहादे जिन्दगी—(अ) जीवन संघर्ष ।
- जिहालत—(अ) देखो “जहालत” ।
- जी—(अ) स्वामी, अधिपति, मालिक, युक्त वाला, रखने वाला ।
- जी अखितयार (अ) जिसे अधिकार हो, अधिकार वाला । अधिकारी ।
- जी इरम (अ) निद्रान् ।
- जीक—(अ) दिव्यत, कठिनाई, तंगी परेशानी, अड़चन, मानसिक बलेश, सकीर्णता ।
- जीक-चल-नफ़स—(अ) दमेकी बीमारी, श्वासरोग ।
- जीकाद—(अ) अरबों का ग्यारहवाँ महीना ।
- जीन—(अ) घोड़े की काठी । कपड़े या चमड़े की बनी वह विशेष दग की गद्दी जो सवार होने के लिए घोड़े की पीठ पर कसी जाती है, गद्दा । एक प्रकार के मोटे और मजबूत कपड़े का नाम ।
- जीनत—(अ) शोभा, सजावट ।
- जीनपोश—(मि०) घोड़े के जीन बिछाने का कड़ा, चारनामा ।
- जीनसाज—(मि०) जीन वगैरा बनाने वाला ।
- जीनहार—(फ) कदापि, कभी, हरगिज़ । शरण, प्रतिज्ञा, आशा, परदेज़ ।
- जीना—(फ) सीढ़ी, नसैनी ।
- जीर—(फ) सगीत में मन्द या कोमल स्वर ।
- जीरक—(फ) समझदार, बुद्धिमान्, अक्लमन्द ।
- जी रुतबा—(अ) प्रतिष्ठित, ऊँचे पद पर आसीन, ओहदेदार ।
- जीस्त—(फ) जीवन, जिन्दगी ।
- जी हयात—(अ) जीवित, चली ग्रवस्था वाला, लम्बी उम्र वाला ।

- जुआफ— (अ) सर्प दंश या विष खाने के कारण सहसा होने वाली मृत्यु ।
- जुकाम— (अ) प्रतिश्याय, सर्दी का रोग ।
- जुगरात— (अ) दधि, दही ।
- जुगराफिया— (अ) भूगोल, वह पुस्तक जिसमें भूमि के जल स्थल आदि विविध भागों का वर्णन होता है ।
- जुज— (अ) अतिरिक्त, सिवा, भाग, टुकड़ा, हिस्सा, खंड, पुट, किसी चीज को परस्पर मिलाने वाले अवयव, पुस्तक में कुछ निश्चित पृष्ठों के हिस्से जो एक चार में एक कागज पर छापे जाते हैं, (प्रेष की परिमाप में) पार्श्व ।
- जुजबान— (मि०) पुस्तकें बाँधने का कपड़ा, वेष्टन, वस्त्र ।
- जुजबन्दी— (मि०) पुस्तकों की वह सिलाई जिसमें टुकड़ा एक एक जुज अलग अलग सीकर परस्पर जोड़ दिया जाता है ।
- जुजवियात— (अ) अशु, भाग टुकड़े, अंग, व्योरे या विवरण की बातें ।
- जुजवी— (अ) बहुत मोटा, स्वला
- साधारण, सामान्य, तुच्छ ।
- जुजाम— (अ) कुष्ठरोग, कोढ़ ।
- जुजामी— (अ) कुष्ठरोगी, कोढ़ी काढ सम्बन्धी ।
- जुज— (अ) देखो "जुज" ।
- हिस्सा
- जुश— (फ) भिन्न, पृथक्, अलग, अलगाव ।
- जुदाई— (फ) भिन्नता, पृथक्ता, अलगाव, अनहदगी, वियोग, विछोड़,
- जुदागाना— (अ) भिन्न भिन्न, अलग-अलग, स्वतन्त्र रूप से ।
- जुदायगी— (फ) देखो "जुदाई" ।
- जुनू— (अ) उन्माद, पागलपन ।
- जुनून— (अ) देखो "जुनू" ।
- जुन्नार— (अ) जनेऊ, यशोरवीर, वह विशेष रूप से बनाया गया डोरा जिसे पारधी लोग कमर में बाँधते हैं ।
- जुकाफ— (अ) वर-वधू का प्रथम समागम ।
- जुकत— (फ) मिथुन, युग्म, जोड़ा, स्त्री पुरुष, बैलों की जोड़ी ।
- जुकता— (फ) चलवट, यज्ञ, शिकन, रेखा ।
- जुकती— (फ) मैथुन करना संभोग किया (विशेषतया पशु पक्षियों

की) ।

जुब—(अ) स्वामी, मालिक, ईश्वर ।

जुब्बा—(अ) वह टीला ढाला और एड़ी तक लटकता हुआ कर्ता जिसे फकीर पहनते हैं । गाउन ।

जुमर-जुमरा—(अ) जन समूह, अदमियों की भीड़, सेना पलटन, ।

जुमरा—(अ) उद्देश, आग की विनगारी, अनिश्चक रोग ।

जुमला—(फ) पूर्णता, सम्पूर्णता कुल या सब का भाग ।

जुमला—(अ) वाक्य, कुल, सब, पूरा, सब मिलाकर, कुलजमा,

जुमला मोश्तरिजा—() कोष्ठक में लिखा हुआ वाक्य या शब्द ।

जुमा—(अ) शुक्रवार, मुसलमानों का सातवाँ दिन ।

जुमेरात—(अ) शुक्रवार, वह पतिवार, मुसलमानों का छठा दिन ।

जुम्बिश—(फ) हिलना-कुलना, खिसकना, सरकना । विचलित होना ।

जुरअत—(अ) साहस, हिम्मत, धीरता, चातुर्य

जुरफा—(अ) जरीफ का बहुवचन ।

जुरमाना—(फ) अर्थ ढड़, वह सजा जिसमें अपराधी को घन देना पड़े ।

जुराफ-जुराफा—(अ) अफरीका देश का एक जंगली पशु जो आकार प्रकार में ऊँट से मिलता-जुलता होता है । जिराफ ।

जुराब—(अ) मोझा, पायताबा ।

जुरूफ—(अ) जर्फ का बहुवचन । चरतन, भाँड़े ।

जुरूर—() देखो “जूरर” ।

जरूरी—() देखो “जरूरी” ।

जुर्म—(अ) अपराध, दोष, वह काम जो राजनियमानुसार दण्डनीय हो ।

जुर्माना—(फ) देखो “जुरमाना” ।

जुरत (अ) देखो “जुरअत” ।

जुरा—(फ) नर राज पत्नी ।

जुराब—(अ) देखो “जुराब” ।

जुल—(फ) फूल, पुष्प, प्रधन, घोसा ।

जुलकअदा—(अ) अरबों का ग्यारहवाँ महीना ।

जुलाब—(अ) निरेचक दवा, वह ओषधि जिसके खाने पर दस्त हो जायें ।

जुलास—(अ) शुद्धजल, स्वच्छ पानी, निर्मल, नियाग हुआ ।

जुलूस—(प्र) देखो “जुलूस” ।

जुलूसी—(प्र) देवो “जुलूसी” ।

जुलूस—(प्र) सिर के घे लम्बे बाल
जो कानों के पास लटकते हों,
रात्रि का अंश ।

जुलूसकार—(प्र) हजरत अली
की तलवार का नाम ।

जुलूम—(प्र) अत्याचार, अत्याचार
अधेय ।

जुलूम केश—जुलूम करने वाला,
अत्याचारी ।

जुलूमत—(प्र) अधिकार, अधेय ।

जुलूम रसीदा— (मि०) जिसपर
जुलूम किया गया हो, अत्याचार
पीड़ित ।

जुलूम शम्भार— (प्र) देखो
“जालिम”

जुलूमात—(प्र) जुलूमत का बहु-
वचन, अधेय पूर्ण जगहें ।

जुलूमी—(प्र) अत्याचारी, अन्यायी,
जालिम ।

जुलूमात—(प्र) देखो “जुलूम” ।

जुलूज—(प्र) खोज, अन्वेषण,
तलाश, जिज्ञासा ।

जुलूसा—(प्र) शरीर, देह, तन,
बदन ।

जुलूद—(प्र) सासारिक भोग विलासों
का त्याग, विरक्ति, वैराग्य, वृष्टि ।

उपराम ।

जुहरा—(प्र) गीरी पातिमा की
उपाधि

जुहरा—(प्र) शुक्र नामक ग्रह ।

जुहल—(प्र) मूर्खता, अज्ञान ।

जुहल—(प्र) शनैश्चर नामक ग्रह ।

जुहला—(प्र) जाहिल का बहुवचन
बहुतसे मूर्ख ।

जुहा—(प्र) एक पहर दिन चढ़े का
समय । जलपान का समय, क्लेश
का वक्त ।

जुही—(प्र) एक फूल का नाम ।

जुहूर—(प्र) देखो “बहूर” ।

जुह—(प्र) दिन का तीसरा पहर
दिन ढलने का समय ।

जू—(प्र) नदी, तालाब, नहर
जलाशय ।

जू—(प्र) स्थामी, अधिपति, मालिक
रखनेवाला ।

जू-ठल-कद्र— (मि०) शीघ्र, जल्दी ।

जूप—(प्र) देखो “जू” ।

जूपवार— वह स्थान जहाँ
बहुत सी नहरें बह रही हों ।

जूफ—(प्र) सेना, फौज, आदमियों
की भीड़, जनसमूह ।

जूद—(प्र) सौजन्य, उदारता
अच्छी वस्तु, मूललाभ

जुद— (फ) शीघ्र, जल्दी ।

जुद फहम— (फ) बात को जल्दी समझने वाला ।

जुदरज— (फ) जल्दी नाराज हो जाने वाला, तुनक मिजाज ।

जुदी— (फ) शीघ्रता, जल्दी, शीघ्रता का जल्दी का ।

जूक— (फ) धिक्कार, लानत, फटकार ।

जूफनून— (अ) अनेक कलाओं का शाता, बहुत सी विद्याएँ जानने वाला ।

जूमानी— (अ) जिसके दो अर्थ होते हों, द्वयर्थक, मिश्र ।

जूर— (अ) अहंकार, अभिमान, दम्भ, दोंग, बनावट, झूठापन ।

जेब— (अ) खोसा, पाकेट, पहनने के कपड़ों में कई चीज़ रखने के लिए बनाया हुआ थैला जैसा स्थान ।

जेब— (फ) शोभा, रानक, शोभा बढ़ाने वाला, ठीक, उपयुक्त, उचित ।

जेबा— (फ) शोभा, शामा देने वाला, उपयुक्त, ठीक, उचित ।

जेबाइश— (फ) शृंगार सजावट, शोभा, फवन ।

जेबाइशी— (फ) सुन्दरता, बढ़ाने

वाला, सौन्दर्यवर्धक ।

जेबी— (अ) जेब में रखने का, छोटा जो जेब में रक्खा जा सके ।

जेवे जुबॉ— (फ) जिह्वा, ज़बान पर ।

जेर— (फ) नीचे, अधीन, नीचे का, घटिया, तुच्छ, पारसी लिपि में एक चिह्न जो अक्षरों के नीचे लगाया जाता और (इ) की आवाज़ देता है ।

जेर अन्दाज— (फ) कपड़े या दही का वह गोल टुकड़ा जो हुक़्के के नीचे बिछाया जाता है ।

जेर अफगन— (फ) दरी, तोपक मैरबीराग ।

जेरजामा— (फ) पाजामा, इजार्, सलवार, पतलून आदि ।

जेरतजबीज— (फ) विचाराधीन

जेर दस्त— (फ) जिसका पक्ष निर्बल हो, कमज़ोर, परास्त, पराजित अधीन, मातहत ।

जेरपाई— (फ) एक प्रकार का जूता जो अत्यन्त हलका होता है ।

जेरबन्द— (फ) वह तस्मा जो घोड़े के पेट पर बाँधा जाता है ।

जेरवार— (फ) भारग्रस्त, लदा हुआ, व्यय अथवा श्रुष ।

के बोके से दबा हुआ ।

जेरबारी—(फ) श्रृणु अथवा व्यय
आदि का भार, अत्यधिक व्यय ।

जेरमश्क—(फ) लिखते समय
कागज के नीचे रखने का पाट्टा
या लकड़ी का तख्ता ।

जेरलब—(फ) बहुत धीरे बोलना ।

जेरबजवर—(फ) समय का उलट
फेर, दुनिया का ऊँचनीच ।

जेरसाया—(फ) किनी की देखरेख
में, सरक्षण में ।

जेवर—(फ) आभूषण, अलंकार,
गहना ।

जेबरात—(फ) जेवरत का बहु
वचन ।

जेह—(फ) किनारा, सिंग, तट,
पार्श्व, प्रसव, यन्त्राजनना, सन्तान,
जरायु, नाल, आँवला, धनुष
की डारों, प्रत्यंचा ।

जेहन—(फ) देखो "जहन" । -

जेन—(अ) शोमा, सजावट ।

जेमद—(अ) श्रद्धा, भला, बल
वान, मजबूत, बहुत बड़ा,
विशाल । उर्बर, उपजाऊ ।

जेल—(अ) निम्न, नीचे का पेड़ा
आगे आगे वाला या लिखा
हुआ, पल्सा, दामन ।

जेइन्दा—(फ) खोजने वाला,

अन्वेषक ।

जोई—(फ) तृष्टि, सन्तोष, छिपाना,
गोपन, रक्षा, दूटना, खोबना ।

जोफ—(अ) निर्बलता, कमजोरी,
बेदापन, मूर्खी, अशक्तता ।

जोफ-चल-अकल—(अ) मन की
दुर्बलता, दिमागी कमजोरी ।

जोऽफा—(अ) जईफ का बहुवचन ।

जोफेदिमारा—(अ) भानसिक या
मस्तिष्क सम्बन्धी निर्बलता ।

जोफे बसारत—(अ) मन्ददृष्टि,
कम दीखना, नेत्रों की निर्बलता ।

जोफे मैदा—(अ) मन्दानि, जठ-
राग्नि की निर्बलता, पाचनशक्ति
की कमजोरी ।

जोया—(फ) खोजने वाला । ढूँढने
वाला । अन्वेषक ।

जोयाँ—(फ) देखो 'जोया' ।

जोर—(फ) बल, शक्ति ।

जोर देना—(फ) आग्रह करना, किसी
बात को महत्वपूर्ण या आवश्यक
प्रकट करना ।

जोर आपसमा—(फ) पहलवान,
मल्ल ।

जोर आपसमाई—(अ) बल परीक्षा,
खीचातानी ।

जोर दार—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली

जोर मन्द—(फ) जोरदार ।

खोर शोर—(फ) आतक, प्रचलता-
खोरा—(फ) रीठ की हड्डी ।
खोरावर—(फ) चलवान, शक्ति
 शाली ।
खोरे आसमाँ—(फ) आसमान का
 जुलम ।
जोश—(फ) उत्साह, आवेश, उमाल,
 उपान ।
जोश खाना—(फ) उबलना, उफ-
 नना ।
जोश देना—(फ) किसी चीज को
 पानी में डालकर आग पर गरम
 करना ।
जोश दिलाना—(फ) उत्साहित करना,
 चित्त की वृत्ति को उभारना ।
जोशान—(फ) एक आभूषण जो
 मुजाश्रों में पहना जाता है, नाजू
 बन्द, जिरह बख्तर ।
जोश बखरोश—(फ) उत्साह और
 आवेश ।
जोशादा—(फ) दवाओं को पानी में
 उबालकर किया गया काढ़ा क्लाय ।
जोशिरा—(फ) उत्साह, आवेश,
 उमाल ।
जोगे जुनू—(फ) पागल पन का
 जोश ।
जोहरा—(फ) वृहस्पति नामक ग्रह ।
जो—(अ) आकाश, ज्योति ।

जोहद—(फ) पवित्रता ।
जौक—(मि) सेना, समूह, पक्ष
 समुदाय ।
जौक—(अ) प्रसन्नता, पानन्द,
 उत्साह ।
जौझ—(अ) नारियल अखरोट,
 जाय फल ।
जौज—(अ) जोड़ा, युग्म, पति, खसम
जौगा—(अ) मिथुन राशि ।
जौजा—(अ) पत्नी, स्त्री ।
जौ जियत—(अ) पत्नीत्व, विवाहित
 अवस्था ।
जौदत—(फ) उच्चता, अन्दाई,
 बुद्धिमत्ता बुद्धि की तीव्रता भलाई ।
जौक—(अ) छिद्र, विवर, गड्ढा, बेट,
 शरीर के भीतर की खाली जगह ।
 अवकाश ।
जौर—(अ) अन्याय, अत्याचार ।
जौ फरोश गन्दुम जुमा—(फ) धूर्त,
 मक्कार, धोखेबाज, अच्छी चीज
 दिखा कर खराब चीज देने
 वाला ।
जौम—(अ) अकड़, ऐंठ, प्रमाद ।
जौल्लो—(फ) बेडियों ज' बेदियों के
 पैरों में डाली जाती हैं ।
जौलों गाह—(फ) घुड़दौड़ की
 जगह ।
जनौला—(फ) दौड़ धूप, जल्दी जल्दी

इधर-उधर आना-जाना । खेल,
कथायद ।

जौलान गाह—(फ) सिपाहियों के
कथायद करने का मैदान ।

जौलानी—(फ) शीघ्रता, तेजी
कुर्नो, जल्दबाजी, वृद्धि तीव्रता ।
घड्डा, शराबका प्याला ।

जौलाह—(फ) कड़ा बुनने वाला
चुलाहा ।

जौहर—(भि०) रत्न, मणि, बहुमूल्य
पत्थर, सत्त्व, सार, तत्त्व, विशेष
चमत्कार, शस्त्रास्त्र चलाने
की निपुणता ।

जौहरी—(अ) जवाहिरात बेचने
वाला, रत्न पर रखने वाला, किसी
वस्तु के गुण-दोषों को समझने
वाला ।

ज्यादती—(फ) अधिकता, आधिक्य
बहुतायत, बेजा दबाव डालना,
अत्याचार ।

ज्यादा—(अ) अधिक, विशेष, बहुत ।

त

तग—(फ) सकुचित, भिचा हुआ,
दुखी, दबाया, सताया हुआ,
निर्धन, कम । निवाह या समझे
की वह पट्टी जिससे घाड़ों का
नखी ठन की कमर पर कसा जाता

है ।

तग चरम—(फ) कजूस, लोमी
कृपण ।

तगदस्त—(फ) निर्धन, कगाल,
गरीब, दरिद्र ।

तगदस्ती—(फ) निर्धनता, कगाली,
गरीबी ।

तग दहन—(फ) छोटे मुहवाला ।

तग दिल—(फ) सकीर्ण हृदय,
अनुदार, कृपण कजूर ।

तग साज—(फ) दुमिल का बर्षा,
अकाल की साल ।

तग हाल—(फ) निर्धन, कगाल,
दुर्दशाग्रस्त, जिसकी अवस्था
अच्छी न हो ।

तग हौसला—(फ) साहसहीन,
उत्साह शून्य, उमग रहित ।

तगी—(फ) निर्धनता, कगाली, दुब,
कजूर, कमी, सकोच, सकीर्ण
अनुदारता ।

तज्ज—(अ) कटाक्ष, व्यंग्य, ताना ।

तथक्कथ—(अ) एदेहना पीक्षा
करना, खिद्रा-वेरण, निलम्ब, देर
से आना ।

तथज्जुब—(अ) आश्चर्य, विस्मय,
अचम्भा ।

तथचतुर—() खुशबू, सुगन्ध

तथहो—(अ) अत्याचार । धीगा धीगो

जगरदस्ती, ज़ोरवरी ।

तअन—(अ) व्यग्य, कटाक्ष, ताना ।

तअफुन—(अ) दुर्गन्ध, सहाय्येद
वदवू ।

तअब—(अ) शोक, रोग, कष्ट,
परिश्रम, यकावट ।

तअमुक्त—(अ) गम्भीरता से
विचार करना, तह तक पहुँचना,
गंभीरता, गहराई ।

तअय्यनात—(अ) तअय्युन का
बहुवचन, नियुक्तियाँ, विशेषताएँ ।

तअय्युन—(अ) नियत होना,
तैनात होना, नियुक्ति, अस्तित्व ।

तअय्युनात—(अ) “तअय्युन” का
बहुवचन ।

तअरुज—(अ) विरोध, आपत्ति,
रोक टोक ।

तअल्लुफ—(अ) सम्बन्ध, लगाव,
रिश्ता, नाता ।

तअल्लुक—(अ) प्रेम करना ।

तअल्लुका—(अ) बड़ी जमींदारी,
महुत से गावों की जमींदारी, बड़ा
इलाका ।

तअल्लुकादार—(मि) बड़ी जमीं
दारी का या तअल्लुका मालिक
बड़ा जमींदार ।

तअल्लुकादारी—(मि०) तअल्लुका-
दार का पद ।

तअशुक—(अ) मुग्ध होना, प्रेम
करना ।

तअसुफ—(अ) खेद, शोक,
अफसोस ।

तअसुब—(अ) पक्षपात, तरफदारी,
धार्मिक कट्टरता ।

तअम—(अ) खाद्य, भोजन ।

तअरुफ—(अ) परिचय, ज्ञान
पहँचान ।

तअाला—(अ) सर्वश्रेष्ठ, महान् ।

तआबुन—(अ) पारस्परिक सहयोग,
एक दूसरे की सहायता करना ।

तक्रजब—(अ) मिथ्या सिद्ध करना,
झुठलाना, खण्डन करना ।

तक्रतीअ—(अ) सजाना, अलङ्कृत
करना, विभाग करना, टुकड़े-
टुकड़े करना, विश्लेषण करना ।
छन्द की मात्राएँ गिनना ।

तक्रदमा—(अ) किसी काम में होने
वाले व्यय की अनुमान,
तख्मीना । कोई काम करने के
लिए काम करने वाले को पहले
दिया गया धन, पेशगी, साई ।

तकदीफ—(अ) पवित्र करना, शुद्ध
करना ।

तक्रदीर—(अ) भाग्य, दैव,
प्रारब्ध ।

तकदू—(फ) दौड़ धूप ।

तकदुम—(अ) किसी से उठकर होना, मुख्यता, प्रधानता ।

तकदुस—(अ) पवित्र, पाक ।

तकफीर—(अ) किसी को क्षमा कहना, किसी की बुराई को छिपा देना, पापों का प्रायश्चित्त ।

तकधीर—(अ) किसी को बड़ा मानना, किसी की उड़ाह करना, इश्वर की प्रशंसा करना, महत्ता, बढ़पन ।

तकबुर—(अ) अभिमान, घमण्ड ।

तकमीद—(अ) गरम पोटली से शरीर सेकना ।

तकमील—(अ) पूर्णता, पूरा करना ।

तकरार—(अ) भगड़ा, विवाद, हुज्जत, लड़ाई, किसी बात का बार बार दुहराना ।

तकरारी—(अ) तकरार करने वाला, भगडालू, बखेड़िया ।

तकरीज—(अ) किसी व्यक्ति की प्रशंसात्मक आलोचना ।

तकरीब—(अ) समीपता, निकटता, कोई ऐसा शुभ अवसर जिसमें बहुत-से लोग एकत्र हों, साथ ।

तकरीनन—(अ) लगमग, प्रायः करीब-करीब, अनुमान से ।

तकरीम—(अ) प्रतिष्ठा करना, गौरव देना ।

तकरीर—(अ) भाषण, वक्तव्य, वाता, घातचीत, वक्तृता ।

तकरीरन—(अ) मौखिक, मुखाग्र, जवानी, निराद-मस्त ।

तकरीरी—(अ) मौखिक, निराद-मस्त ।

तकरुब—(अ) समीपता, निकटता ।

तकरुर—(अ) नियत करना, नियुक्ति, निश्चय करना ।

तकरुरी—(अ) नियुक्ति, नियत होना ।

तकलीद—(अ) अनुकरण, नकल, अनुगमन, मेढ़ चाल ।

तकलीदी—(अ) नकल किया हुआ, बनावटी, बाली ।

तकलीफ—(अ) दुःख, कष्ट, राग, क्लेश, विपत्ति ।

तकलीब—(अ) करगट बदलना, उलटना-पलटना, अक्षरों में फेरफार करना ।

तकलील—(अ) कम, न्यून, अल्प मात्रा में ।

तकलीस—(अ) तुगीना गान, नद बजाना ।

तकलुफ—(अ) बनावट, दिखावट, कृत्रिमता, संकोच, दिखावे के लिए कोई काम करना, कष्ट ।

तकलुम—(अ) घातालाप, सम्भा-

षण, बातचीत ।

तक्रबा—(अ) पापां से डरना, बुरे कामों से बचना, परहेज, सदाचार ।

तक्रवियत—(अ) शक्ति देना, बल पहुँचाना, समर्थन करना, पुष्टि ।

तक्रबीम—(अ) तिथि नक्षत्रादि देखने का पञ्चाङ्ग, मूल्य आँकना, सीधा करना ।

तकशीर—(अ) छीलना, छिलका उतारना ।

तकसीम—(अ) बाँटना, विभक्त करना, खंड करना (गणित में) भाग ।

तकसीम नामा—(मि०) बटवारे का विवरण पत्र, विभाग-पत्र ।

तकसीमी—बटवारा सम्बन्धी, वह जिसका बाट किया जायगा, बाँट किया हुआ ।

तकसीर—(अ) क्षमी, क्षुद्रि, अपराध, दोष, पाप, भूल, गलती ।

तकसीरवार—(मि०) भूल या अपराध करने वाला, दोषी, अपराधी ।

तकसीरमन्द—(मि०) तकसीर करने वाला, जिसमें कोई दोष हो ।

तक्रबा—(अ) अपनी प्राप्तव्य वस्तु

का मागना, किसी व्यक्ति से वह माग करने को कहना जिसके करने का उसने वादा किया हो ।

इच्छा, प्रेरणा ।

तक्राजार्ई—(अ) तक्राजा करने वाला ।

तक्रादीर—(अ) तक्रादीर का बहुत बचन ।

तक्रान—(हि) थकान, शान्ति, यकावट ।

तक्राबुल—(अ) समता, तुलना ।

तक्रारीर—(अ) तक्रारीर का बहुत बचन, बहुत से भाषण या व्याख्यान ।

तक्रारुब—(अ) परम्पर समीप होना ।

तक्रालीफ—(अ) तक्रालीफ का बहुत बचन, स्तेश, फट, दुख, सफट, विपत्ति ।

तक्राबी—(अ) सरकार द्वारा कृषि कार्य के सहायतार्थ किसानों को दिया गया कर्ज, बल देना, सहायता देना ।

तक्रिया—(अ) सहारा, आश्रय, भरोसा, कुर्सी आदि का वह भाग जिसके सहारे फरर लगा कर बैठते हैं । कपड़े का बना पैला जिसमें रुई भरी रहती है,

ग्रोर सोते समय बिरके नीचे रक्खा जाता है। विधाम करने का म्यान, फकीरों के रहने की जगह।

तर्कियाकलाम—(फ) वह वाक्य या वाक्यांश जो अम्यास वश प्राय बहुत-से लोगों के मुँह से जातचीन करते समय बार बार निकलता है।

तर्कियादार—(पि०) वह चीज जिसमें तर्किया लगा हो। तर्किया पर रहने वाला फकीर।

तर्की—(अ) ईश्वर से डरने वाला, धर्म निष्ठ, भक्त।

तख्जील—(अ) लज्जित करना।

तख्तिया—(अ) किसी के काम में दोष देना।

तख्कीक—(अ) कम करना, ख़िस्त करना, हलका करना, बोझ उतारना।

तख्मीन—(अ) अनुमान, अटकल, अन्दाज़ा।

तख्मीनन—(अ) अनुमान से, अटकल से, अन्दाज से, प्रायः, लगभग।

तख्मीना—(अ) देखो “तख्मीन”।

तख्मीर—(अ) सड़ाना, खमीर

उठाना।

तख्तीर—(अ) अलग कर देना, बाहर निकालना, बहिष्कृत करना, खारिज करना।

तख्तिया—(अ) एकान्त, निबन, गाली करना, सिद्ध करना।

तख्तलीक—(अ) पैदाइश, उत्पत्ति।

तख्तलीस—(अ) मुक्ति, छुटकारा।

तख्तल्लुज—(अ) बाधक होना, चलन डालना, विघ्न करना, नीच में आजाना, अड़गा लगाना, विरोध करना।

तख्तल्लुस—(अ) छुटकारा, बचाव। कवियों का उपनाम भी वेकवित्त में लिखते हैं।

तख्तीक—(अ) डरना।

तख्तबुक्त—(अ) डरता।

तख्तसीर—(अ) कमी करना, नाट करना।

तख्तसीस—(अ) निरोधता, खासियत, खास बात।

तख्तारुख—(अ) किसी जायदाद का उसके अधिकारियों में बाँट होना।

तख्तियुल—(अ) निचार करना, सोचना, खयाल में लाना।

तख्त—(फ) घड़ी चौकी, रानासन, राखगद्दी, सिंहासन।

तख्तए खूनी—(फ) फाँसी का तख्ता ।

तख्त गाह—(फ) राजधानी । वह नगर जिसमें राजा रहता हो ।

तख्त ताऊस—(मि०) मयूर सिंहासन, इस नाम से प्रसिद्ध राज सिंहासन जिसे बादशाह शाहजहाँ ने बनवाया था, कहते हैं इस सिंहासन में जो मोर बने हुए थे उनके अग प्रत्यग में उसी रंग के जवाहिरात बड़े गए थे जिस रंग का वह अंग होना चाहिये ।

तख्तनशीन—(अ) जो राजगद्दी पर बैठा हो, सिंहासनासीन ।

तख्त पोश—(फ) तख्त पर बिछाने की चादर ।

तख्त बन्दी—(फ) तख्तों की बनी हुई आड़ या दीवार ।

तख्तबादशाही—(फ) राज सिंहासन ।

तख्तरवाँ—(फ) चल सिंहासन, वह सिंहासन जिसमें बैठ कर उसे आदमियों के कंधों पर रखवा कर ले जाया जाय, सुलपाल, पालकी ।

तख्ता—(फ) लकड़ी चीर कर बनाया हुआ चौरस, लम्बा चौड़ा और पतला टुकड़ा, मटका, पट्टा ।

तख्ता बन्द—(फ) बंदी कैदी ।

तख्ती—(फ) काठ का वह छोटा

तख्ता जिस पर बानक लिखना सीखते हैं । छोटी पट्टी ।

तयामा—(फ) पदक, इसका शुद्ध रूप “तमगा” है ।

तगय्युर—(अ) बहुत बड़ा परिव्रतन, क्रान्ति ।

तरालीत—(अ) पथभ्रष्ट करना ।

तग ब-दौ—(फ) चिन्ता, उधेड़बुन, दौड़ धूप, कोशिश, पैरवी ।

तराफुल—(अ) असावधानी, अपेक्षा, गफलत ।

तगार—(फ) वह गद्दा जिसमें मकान की दीवार बनाने के लिए गारा तैयार किया जाता है ।

तजईन—(अ) सजाना, सुशोभित करना ।

जतकरा—(अ) उल्लेख, स्मरण, याद, चर्चा, जिक्र ।

तजकीर—(अ) व्याकरण में पुल्लिंग । स्मरण दिलाना, शिक्षा देना ।

तजदीद—(अ) नए रूप में कोई काम करना, फिर से नया करना ।

सजदुर—(अ) नवीनता

तखनीस—(अ) समता, सादर्य, कविता में ऐसे शब्दों का प्रयोग करना जिनमें मात्राएँ कम बढ़ होते हुए भी अच्छे बराबर दी ।

तजबजुब—(अ) धुक्कधुक्क,

- असमञ्जस, सोचविचार,
स दिग्धातव्या, आगा-पीछा ।
तजन्बुर—(अ) गर्दन काटना ।
तजमीन—(अ) कविता में समस्या
पूति करना ।
तजम्मुल—(अ) शोभा, सुन्दरता,
शृ गार सजावट, ठाटवाट, प्रतिष्ठा
गौरव ।
तजयीअ—(अ) नष्ट करना, खोना,
गँवाना ।
तजरया—(अ) अनुभव, परीक्षाओं
द्वारा प्राप्त ज्ञान, ज्ञान प्राप्ति के
लिए-किया गया परीक्षण, आज
माना, परीक्षा करना ।
तजरवा कार—(मि०) निघने तब
रना किया हो, अनुभव ।
तजरुना—(अ) देखो "तजरया" ।
तजरुवा कार—(मि०) देखो "तजरवा
कार ।"
तजरुद—(अ) एकान्तवास, विरक्ति,
अपराम समय, ब्रह्मचर्य ।
एकाकीपन ।
तजलजुल—(अ) भूकम्प, भूचाल ।
तजलील (अ) अपमानित करना,
निराहत करना ।
तजल्ला तजल्ली—(अ) प्रकाश,
ज्योति, ईश्वरीय ज्ञान, वह प्रकाश
जो तूर पर्वत पर हजरत मूसा को
- प्राप्त हुआ था । रोशनी, चमक
तजवीअ—(अ) सुझाव, सम्मति
योजना, व्यवस्था, विचार, निर्णय
पैसला ।
तजवीअसानी—(अ) मुकद्दमे में
निर्णय पर पुन विचार करना
तजस्सुम—(अ) खोजना, ढूँढना
जिज्ञासा, तलाश, चुनना, इष्ट पृष्ट
तजहीक—(अ) हँसना, हँसाना ।
तजहीअ—(अ) विवाह में दहेज देना,
मुर्दे की अस्थी का सामान
तैयार करना ।
तजहीअ व तककीन—(अ) अस्थी
और अन्त्येष्टि क्रिया की व्यवस्था
करना ।
तजाद—(अ) पारम्परिक वैर-निरोध
तजारिव—(अ) तजरवा का नई
वचन ।
तजातुअ—(अ), सीमोल्ल धन, अग्ने
अधिकार-चेत से आगे बढ़ जाना ।
तजारुव—(अ) एक दूसरे को आज्ञा
माना
तजाहुद—(अ) प्रयत्न करना ।
तजाहुल—(अ) ज्ञान-भूक्त कर अज्ञ
भनना ।
तजाहुल आरिफ़ान—(अ) किसी
बात को ज्ञान भूक्त कर, बहुत
भातेजान में उसके नियम में

अज्ञता प्रकट करना ।

तजीअ—(अ) नष्ट करना, चनाद करना ।

तजीअ औकात—(अ) समय नष्ट करना ।

तज्जार—(अ) ताजिर का बहुवचन, व्यापारी, सौदागर ।

तत्तबीक—(अ) दो वस्तुओं को पास पास रख कर तुलना करना ।

तत्तिम्मा—(अ) परिशिष्ट, प्रोढ़पत्र बचा हुआ ।

तदफीक—() सूक्ष्म दर्शन, कूटना, पीसना, आटा गूदना ।

तदबीर—(अ) किसी काम के पीछे पड़ जाना, परिणाम सोचना, युक्ति उपाय । तरीक, साधन ।

तदबुर—(अ) काम का परिणाम सोचना । बुद्धिमत्ता ।

तदरीज—(अ) किसी काम का क्रमश होना ।

तदरीस—(अ) पाठ पठाना, शिक्षा देना ।

तदबीर—(अ) किसी चीज को चारों ओर घुमाना ।

तदाबीर—(अ) तदबीर का बहुवचन ।

तदारुक—(अ) थोड़े लुप्त हुई वस्तु को खोजना, किसी दुर्घटना के

सम्बन्ध में छानबीन करना, दुर्घटना रोकने के लिए पहले से प्रबन्ध करना । बदला, प्रतिशोध, दण्ड ।

तदाबुल—(अ) किसी से हाथों-हाथ कोई चीज लेना ।

तन—(अ) शरीर, देह, पिण्ड, वेतन ।

तनकिया—(अ) शुद्ध करना, पवित्र करना ।

तनकीद—(अ) समालोचना, समीक्षा ।

तनकीह—(अ) विवाद गुप्त विषय का निर्यय अदानत द्वारा करना, अभियोग सम्बन्धी बातों की जानकारी प्राप्त करना जिनका निर्यय करना आवश्यक हो । जाँच, तहकीकात ।

तनखाह—(फ) मासिक वेतन, तलब ।

तनखवाह—(फ) देखो तनगाह

तनखवाहदार—(फ) वेतन भोगी, वेतन पाने वाला ।

तनज—(अ) देखो तज

तनजन—(अ) कगद के ढंगपर, व्यंग्य रूप में

तनजीम—(अ) सघटन करना, नगर और राज दरबार की व्यवस्था करना, धागे से मोती पिरोना ।

तनजुल—(अ) अवनति, हास, पद

व्युत्ति, दर्जा घट ना, पद से नीचे
उतरना ।

तनज्जुली—(फ) तज्जुल का भाव ।

तन तनही—(फ) केवल एक शरीर,
अकेला, एकाकी

तनतना—(अ) अभिमान, घमण्ड,
पद या अधिकार का गव, तेज़ी

तनवेह—(फ) किसी काम को मन
लगा कर करने वाला, परिश्रम से
काम करने वाला ।

तनपरवर—(फ) केवल अपने शरीर
को आराम से रखने वाला, देह
रखावा, स्वार्थी ।

तनफुर—(अ) धूणा ।

तनवीन—(अ) फारसी लिति का एक
चिह्न जिसका उच्चारण हल न
कार के समान होता है, यह प्रायः
शब्दों के अन्त में लगाया जाती
है । यथा तफरीन्, मजबून्
तनज़न् आदि के अन्त में ।

तनसीक—(अ) प्रगल्भ, व्यवस्था ।

तनसीक—(अ) आशा करना, दो
बराबर भागों में बाँटना, खण्ड
करना ।

तनहा—(फ) अकेला, एकाकी,
ग्याली ।

तनहाई—(फ) एकान्त अकेलापन ।

तना—(फ) वृद्ध का बड़, पीढ़, खिचा

हुआ, जो दीला न हो ।

तनाजा—(अ) भगड़ा टट्टा, लड़ाई,
शनुता ।

तनाफुर—(अ) धूणा करना, दूर
भागना ।

तनाब—(अ) डेरा बाँधने की डोरियाँ
रस्मी ।

तनावर—(फ) दृष्ट पुष्ट, मोग ताग
बलिष्ठ ।

तनावुल—(अ) भोजन करना, खाना
लेना, ग्रहण करना ।

तनासुख—(अ) आत्मा का प्र
शरीर छोड़कर दूसरा धारण
करना, रूपान्तर, पुनर्जन्म होना

तनासुब—(अ) उचित और उपयुक्त
अनुपात ।

तनासुल—(अ) वस्त्रा पै । करना,
सन्तति प्रजनन, वंश वृद्धि ।

तनख्वाह—(फ) देखो "तनख्वाह" ।

तनूमन्द—(फ) दृष्ट पुष्ट, बलिष्ठ,
सम्पन्न, धनी ।

तनूर—(अ) तन्दूर

तन्त्र—(अ) देखो "तनत्र" ।

तन्दिही—(फ) प्रयत्न, उद्योग,
कोशिश, परिश्रम ।

तन्दुरुस्त—(फ) नीरोग, स्वस्थ ।

तन्दुरुस्ती—(फ) स्वस्थता, आराम

तन्दूर—(अ) देखो "तनूर"

तन्दूरी—(हि०) तंदूर में बनाई हुई ।

तन्नाज़—(अ) हावभाव दिखाने वाला,
नेत्रादि के संवेत द्वारा कई भाव
प्रकट करने वाला । इठला कर
चलने वाला ।

तप—(फ) ज्वर, बुखार

तपाक—(फ) उग्रोत्साह, वेग, आवेश ।

तपाँचा—(फ) थण्ड ,तमाचा ।
नदी की लहर ।

तपिश—(फ) गर्मी, उष्णता, ऊँचा,
तपन ।

तपिश कदा—(फ) भट्टी ।

तपैदिक—(फ) क्षय रोग ।

तफग—(फ) बंदूक ।

तफगची—(फ) बंदूक वाला,
बन्दूकची ।

तफकुर—(अ) चिन्ता करना,
सोचना ।

तफजील—(अ) तुलना करना, उत्तम
ठहराना ।

तफज्जुल—(अ) बढ़पन, बढ़ाई
भेष्टता, उत्तमता ।

तफतगी—(फ) गरमी, उत्साह,
उमंग ।

तफता—(फ) अत्यंत गरम, जला
हुआ, प्रेमी ।

तफतान—(फ) सूर्य अथवा आग की
गरमी से तपा हुआ, एक प्रकार

की रोटी ।

तफतीश—(अ) अन्वेषण, अनु-
संधान, खोज, ढूँढना, खोदना ।
जॉच, पूछ, गछ ।

तफतीह—(अ) खोलना, उद्घाटन
करना ।

तफरका—(अ) अन्तर, दूरी, नियोग,
छुदाई, विछोह ।

तफरीक—(अ) भेद करना, वर्गीकरण,
अलग छोटना, अन्तर करना,
गँटना, विभाग करना,
अन्तर भेद ।

तफरीद—(अ) अकेला, एकाकी ।

तफरीह—(अ) मनोवनोद, मन
बहलाव, सैर सपाटा, हँसी खुशी,
प्रसन्नता ।

तफबीज—(अ) सौंभना, सुपुर्द करना ।

तफसीर—(अ) वचन, व्याख्या,
भाष्य, विशेष रूप से कुरान का
भाष्य ।

तफसील—(अ) परिच्छेद करना,
अलग करना, विस्तार, व्यौरा,
विवरण, भाष्य ।

तफसीलवार—(मि०) व्योरेवार
विस्तार में साथ ।

तफाखुर—(अ) शेखी मारना, अपने
को बहुत कुछ समझना, अपने
को धन्य समझना ।

दूसरा, बदला हुआ, परिवर्तन,
बदलना ।

तन्दीली—(अ) बदलना, बदल

तन्वाख—(अ) रसोदया, राखची ।

तन्वाल—(अ) सजला बनाने वाला ।

तमचा—(तु) छोटी बन्दूक, पिस्तौल ।

तमझ—(अ) लोभ, लालच ।

तमकनत—(अ) टीपटाप, शान
शौकत, धमरह, अभिमान,
आदर, सम्मान, आतंक, दबदबा ।

तमकीन() प्रकिठा, शान ।

तमगा—(तु) पदक, सरकारी मुहर,
छाप, राजकीय आश ।

तमताम—(अ) तोतला आदिमी ।

तमदीह—(अ) प्रशंसा करना, तारीफ
करना ।

तमहून—(अ) नागरिकता, नगर में
रहना सम्म्यता, संस्कृति । नगर
का प्रगल्भ फलना । पेशेवालों
का एल्व होना ।

तमन—(अ) मेल मिलान, भाई
चार-सैन्य संग्रह करना ।

तमना—(अ) आशा, इच्छा, अभि
लाषा, वाञ्छा, चाहना, कामना ।

तमर—(अ) सूखे हुए खजूर ।

तमरे हिन्दी—(मि) हमली ।

तमरुद—(अ) निद्राह, उपद्रव, राज-
नियमों की अवहेलना, नियमों

का उल्लंघन, उद्दण्ड ।

तमव्यज—(अ) पानी का लहरें,
नदी की बाढ ।

तमव्वुल—(अ) सम्पन्न, धनवान

तमसील—(अ) उदाहरण, दृगन्त,
मिसाल, उपमा ।

तमसीलन—(अ) उदाहरण स्वयं,
मिसाल के तौर पर ।

तमखु र—(अ) हँसो, हास्य, परिहास
उद्धा, मसखगपन ।

तमखुक—(अ) दन्तावेज ।

तमहीद—(अ) भूमिका, अवतरणिका
प्रस्तावना, समयल करना,
विज्ञाना भिद्याना ।

तमाँचा—(क) देखो “तपाँचा” ।

तमा—(अ) देखो “तमझ” ।

तमालाम—(मि०) असम्भव वस्तु
को चाहना ।

तमाचा—(तु०) धप्पड़, तमाँचा,
चोंटा

तमादी—(अ) अश्वि निकल जाना,
मिषाद गीत जाना ।

तमनियत—(अ) सन्तोष, तसल्ली ।

तमाम—(अ) पूर्ण, समस्त, पूरा,
सम्पूर्ण, सब, कुल ।

तमाशाबीन—(मि०) घेरयागामी
दुराचारी ।

तमाशा—(अ) खेल, मनोज्ञान, वद

खेल जिसे देखने से मन प्रसन्न हो। आश्चर्यजनक व्यापार, दृश्य।

तमाशाई—(अ) तमाशा देखने वाला, दर्शक।

तमाशागाह—(मि) खेल या तमाशा करने की जगह, रंगभूमि।

तमीज—(अ) विवेक, ज्ञान, मेद, पहचान, सम्प्रता, शिष्टाचार, अदन। उर्दू व्याकरण में निया विशेषण।

तम्बान—(फ) वह पाजामा जिसके पायें बहुत दीले हों।

तम्बीह—(अ) चेतावनी, शिक्षा, ताकीद।

तम्बूर-तम्बूरा—(अ) एक बाजा जो सितार के दग का होता है, तान पुर।

तम्बूल—(फ) पान, ताम्बूल, छागी कमान।

तम्बोल—(फ) पान, ताम्बूल

तम्माअ—(अ) लामी, लालची।

तयम्मुम—(अ) नमाज पढ़ने से पूर्व हाथ-मुँह धोना, सूखा वज्र करना।

तयूर—(अ) तैर का बहुवचन, पक्षियों का समूह, बहुत सी चिड़ियाँ।

तर—(फ) भीगा, गीला, लिथड़ा,

जियादा, अत्यन्त, शीतल, ठंडा।

तरकश—(फ) तूणीर, निपट, तौर रखने का थैला।

तरका—(अ) किसी व्यक्ति द्वारा मरते समय छोड़ी हुई सम्पत्ति।

तरकान—(फ) तुर्कों लियों की प्रतिष्ठा सूचक उराधि।

तरकारी—(फ) वह पांचे जो शाक बनाने के काम में आते हैं।

तरकीक—(अ) बारीक करना, सूक्ष्म करना।

तरकीब—(अ) उपाय, विधि, प्रक्रिया, दब, दग प्रकार, युक्ति

तरबकी बन्द—(मि) एक प्रकार की कविता।

तरस्की—(अ) उन्नति, वृद्धि, ऊँचा उठना, पद वृद्धि।

तरखीम—(अ) दुम काटना, किसी शब्द के अन्तिम अक्षर का उच्चारण न करना।

तरगीब—(अ) उच्चैजित करना, भड़काना, उकसाना, कह-सुन कर कोई काम करने के लिए उत्साहित करना, प्रवृत्ति, लालच, लोभ।

तरजबान—(फ) मधुर भाषी, मीठा बोलने वाला।

तरजीअ बन्द—(मि) एक विशेष

प्रकार की कविता जिस में एक पद कुछ पदों के बाद बार बार आता है । -

तरजीह—(अ) किसी एक वस्तु को और वस्तुओं में विशेषता देना, प्रधानता, मुख्यता ।

तरजुमा—(अ) अनुवाद, उल्पा, भाषान्तर ।

तरजुमान—(अ) अनुवादक, उल्पाकार, भाषान्तर करने वाला, सुवक्ता, अच्छा बोलने वाला ।

तरतीब—(अ) क्रम, श्रेणी, विमाजन, चीजों को उचित स्थान पर लगाना, सिलसिला ।

तरतीब चार—(मि) क्रमसे, सिलसिले से ।

तरदामन—(अ) पापी, अपराधी ।

तरदिमाग—(फ) बुद्धिमान, समझदार ।

तरदीद—(अ) प्रतिपाद, खण्डन, निषेध, किसी बात का काटना ।

तरद्द—(अ) शका, सन्देह, सोचा, फिर, चिन्ता, खटका ।

तरद्दात—(अ) तरद्द का बहुवचन ।

तरन्नुम—(अ) गीत, गाना, मधुर भाषण ।

तरफ—(अ) ओर, पक्ष, दिशा, मगल

फिनाय ।

तरफदार (मि) हिमायती, पक्षपाती और लेने वाला ।

तरफदारी (मि) ओर लेना, हिमायत, पक्षपात ।

तरफैन (अ) दोनों ओर गले, दोनों पक्ष के ।

तरब—(अ) प्रसन्नता, उत्साह, हर्ष ।

तरबतर—(फ) बिलकुल भीगाहुआ, सगंवार ।

तरबिअत—(अ) पालन-पोषण, सम्प और सुशिक्षित बनाने की व्यवस्था ।

तरबूज } (फ) एक फल जो बहुत बड़ा और गोल होता तथा जमीन पर फैली हुई बेल पर लगता है ।

तरमीम—(अ) मरम्मत, सुधार, सशोधन ।

तरस—(फ) भय, डर, दया, रहम,

तरस खाना—दया करना ।

तरसनाक—(फ) भयभीत, दयनीय ।

तरसाँ—(फ) भयभीत, डरा हुआ ।

तरसा—(फ) डराने वाला ।

तरसान—(फ) देखो "तरसाँ" डराने वाला ।

तरसीज—(अ) भेजना, पहुँचाना ।

तरह—(अ) प्रकार, मौजि, किस्म,

युक्ति, दण्ड, प्रणाली, ढंग, हाल, ढाँचा, रूप रंग, गिराना, किसी काम से बचना, उपेक्षा करना, वह पद जो गल्लल बनाने या समस्या पूर्ति के लिए लिया जाय।

तरह देना = निगाह बचाना, ध्यान न देना, बच कर निकल जाना।

तराकम—(फ) भीड़, समूह, समुदाय,

तराकीब—(अ) तरकीब का बहु-वचन।

तराजिम—(अ) भीड़, समूह, समुदाय।

तराजू—(फ) कोई चीज तोलने का साधन, तुला, तखरी।

तराज्ज—(अ) नकश बनाने वाला।

तरादुक—(अ) क्रम से लगा होना

तराना—(फ) राग, गीत, संगीत, एक प्रकार का गाना जिसमें प्रायः सार्थक शब्द नहीं होते, केवल, 'तूम तनन' आदि शब्दों को ही राग के स्वरों में गाया जाता है।

तराफी—(अ) विलम्ब, देर, काहिली।

तराब—(फ) मिट्टी, भूमि, राख।

तरावत—(अ) तरी, ठडक, नमी, ताज़गी, तरावट।

तराबिश—(फ) टपकना, चूना, टपका।

तराबीह—(अ) विशेष घर्मनिष्ठ मुसलमानों की विशेष प्रकार की इश्वर प्रार्थना या नमाज।

तराश—(फ) काट, कटाव, काटछाट करने वाला, काटने का सजावट, बनावट, ढग।

तराश-खराश—(फ) बनावट, काट-छाँट।

तराशना—(फ) फतरना, काटना।

ताराशा—(फ) छिलका, पत्थर काटने की छैनी।

तरी—(फ) ठडक, गीलापन, सील, जमा पूँजी।

तरीक—(अ) मार्ग, रास्ता, उपाय, विधि, रीति, चाल, रिवाज, व्यवसाय, जुटियल, धायल।

तरीकत—(अ) मार्ग, विधि, प्रकार, आचरण, हृदय की प्रविनता।

तरीका—(अ) देखो "तरीक"

तरीन—(फ) सबसे अधिक, इनका प्रयोग गुण वाचक शब्दों के अन्त में होता है, यथा—कम तरीन, धहतरीन आदि।

तरो ताजा—(फ) दरा मरा, प्रसन्न और उत्साह पूर्ण।

तर्क—(अ) छोड़ना, त्यागना, अलग करना, बिच्छेद करना।

तर्क मवालात—(मि०) सम्बन्ध त्याग,

तवाँतुर—(फ) जारी रहना ।

तवान—(फ) शक्ति, बल, धन ।

तवानगर—(फ) शक्तिशाली, धनवान ।

तवाना—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली, सामर्थ्यवान, धनी, सम्पन्न ।

तवाँनाई—(फ) बल, शक्ति, ताकत, धन, वैभव ।

तवाफ—(अ) परिश्रमा करना, कवे को प्रदक्षिणा करना ।

तवाम—(अ) यमल, उड़्यों उत्तरबहुए बालक, माता के साथ साथ पैग हुए दो बालक ।

तवायफ—(अ) तायफा का बहुवचन, वेश्या, गैदी ।

तवारीख—(अ) तारीख का बहुवचन, इतिहास, परिचय ।

तवारीखी—(अ) इतिहास सम्पन्नी, ऐतिहासिक ।

तवारुद—(अ) एक स्थान पर साथ उतरना, भागसाथ (बिगिता में) एक ही बात दो कवियों को साथ साथ सुकनी ।

तवालत—(अ) विस्तार, लम्बाई, दीर्घता, अधिकता, भ्रमण, भ्रमण, दिक्कत ।

तवालिक—(अ) गिरोह, समुदाय, झुण्ड ।

तवाली—(अ) लगातार होना ।

तवालुद—(अ) सतान बनना, मन्तान की बहुलता ।

तवाहुम—(अ) वहम ।

तवील—(अ) लम्बा, लम्प ।

तवेला—(अ) घोड़ा व श्वेत का मकान, अश्वशाला तुइसाल ।

तवाफ—(अ) विनम्रता पूर्वक मेश करने वाला सरक ।

तशईअ—(अ) जनाजे के पीछे चलना, अरबी के साथ जाना, मुआफिर को राह बनाने जाना ।

तशकीक—(अ) किमा का सदेह में डालना ।

तशखीस—(अ) रोग का निगन, बीमारी की पहचान, जाँच नियत करना, निर्णय, ठहराव ।

तशदीद—(अ) बड़ाई, बड़ोता, सख्ती, अरबी निरि में एक चिह्न जो किसी अक्षर के ऊपर लगाने से वह अक्षर दुगुनी आवाज देता है ।

तशदद—(अ) कटा कटाया सन्नी (व्यवहार में)

तशनीथ—(अ) ताना ।

तशजुल—(अ) शरीर का एंडन (किसी रोग के कारण) ।

तशफपी—(अ) सान्त्वना, धैर्य, ढाट्स,
तसल्ली, शान्ति ।

तसबीष—(अ) युवावस्था का वर्णन,
प्रेम पात्र की प्रशंसा करना ।
आग सुलगाना ।

तशबीह—(अ) उपमा देना, तुलना
करना ।

तशमीम—(अ) सुँघना ।

तशरीफ—(अ) मूल्यवान पोशाक,
झिलझिल, गौरव, प्रतिष्ठा, महत्त्व,
बढ़प्पन, प्रतिष्ठा, बुजुर्ग, प्रत
ष्ठित व्यक्ति के आन जाने या
बैठने के अर्थ में भी इसका प्रयोग
होता है, जैसे—तशरीफ रखना
(बैठना, निराजना)

तशरीफ आवगी—(अ) शुभागमन,
पधारना, पदापण करना ।

तशरीह—(अ) शारीरिक शास्त्र, वह
पुस्तक जिसमें शरीर के भीतरी
बाहरी सब अंगों का वर्णन हो ।
व्याख्यान, भाष्य विस्तृत टीका ।

तशबीश—(अ) विकलता, चिन्ता,
फिक्क, घबराहट ।

तशहीर—(अ) दोषों को प्रकट
करना, किसी के अपराध का
विशोपन करना, किसी के अप
राध का दण्ड देने के लिए उसे
गधे पर बिठाकर नगर भर में

घुमाना ।

तशाकुल—(अ) सारूप्य, परस्पर एक
-सा रूप होना ।

तशाबा—(अ) समान रूप होना,
सादर्य, सारूप्य ।

तशारुक—(अ) परस्पर एक दूसरे
के यहाँ सम्मिलित होना ।

तशीअ—(अ) ग्रपना मजहब शिआ
बताना ।

तशाख—(अ) आत्म श्लाघा, अपनी
बढ़ाई श्राप करना ।

तशीन—(अ) प्रतिष्ठा पाना, गौर-
वान्वित होना ।

तश्त—(अ) बड़ा थाल, तसला ।

तश्त अजबाम—(अ) रहम्यो-
द्घाटन, मेर खुलना, बदनामी
होना, किसी से अप्रसन्न हो
जाना ।

तश्तरी—(अ) छोटा तश्त, छोटे
किनारों की छोटी थाली ।

तसफीन—(अ) सन्तोष, सान्त्वना,
धैर्य, आराम, तसल्ली ।

तसखीर—(अ) निजय, अधीन करना,
अपने ओर कर लेना, अपने वश
में कर लेना, जन्म मर, भाङ-
पूक ।

तसगीर—(अ) सन्निव करना
करना ।

- तवातुर—(फ) जारी रहना ।
- तवान—(फ) शक्ति, बल, धन ।
- तवानगर—(फ) शक्तिशाली, धनवान ।
- तवाना—(फ) बलिष्ठ, शक्तिशाली, सामर्थ्यवान, मनी, सम्पन्न ।
- तबाँनाई—(फ) बल, शक्ति, ताकत, धन, वैभव ।
- तवाक—(अ) परिश्रमा करना, कावे की प्रदक्षिणा करना ।
- तवाम—(अ) यमल, जुड़वाँ उत्तर हुए बालक, माता के साथ साथ पैदा हुए दो बालक ।
- तवायक—(अ) तायफा का बहुवचन, वेश्या, गद्दी ।
- तवारीख—(अ) तागैय का बहुवचन, इतिहास, परिचय ।
- तवारीखी—(अ) इतिहास सम्पन्नी, ऐतिहासिक ।
- तवारुद—(अ) एक स्थान पर साथ उतरना, भावसाम्य (कनिता में) एक ही बात दो कवियों को साथ साथ सूझनी ।
- तवालत—(अ) विस्तार, लम्बाई, दीपता, अधिकता, भँभट, बग्वड़ा, दिक्कत ।
- तवालिक—(अ) गिरोह, समुदाय, भुण्ड ।
- तवाली—(अ) लगातार होना ।
- तवालुद—(अ) सतान बनना, सन्तान की बहुलता ।
- तवाहुम—(अ) वहम ।
- तवील—(अ) लम्ग, लम्प ।
- तवेला—(अ) घाई के बाँधने का मकान, अश्मशान, पुड़वाल ।
- तव्वाक—(अ) विनम्रा पूर्णक सेवा करने वाला सेवक ।
- तशईश—(अ) जनाजे के पीछे चलना, अरथी के साथ जाना, मुशफिर को राहचराने जाना ।
- तशकीक—(अ) रिया का स देह में डालना ।
- तशखीस—(अ) रोग का निगन, बीमारी की पँचान, जाँच नियत करना, निर्यय, ठहराव ।
- तशदीद—(अ) बड़ाई, कठोरता, सख्ती, अरबी निरि में एक चिह्न जो किसी अक्षर के ऊपर लगाने से वह अक्षर दुसरी आवाज देता है ।
- तशदुद—(अ) कटा कटोरा, मज्जी (व्यवहार में) ।
- तशनीअ—(अ) ताना ।
- तशम्रुज—(अ) शरीर का गँठना (किसी रोग के कारण) ।

तशप्पी—(अ) सान्त्वना, धैर्य, ढाँस,
तसल्ली, शान्ति ।

तसधीब—(अ) युवावस्था का वर्णन,
प्रेम पात्र की प्रशंसा करना ।
आग मुलगाना ।

तशधीह—(अ) उपमा देना, तुलना
करना ।

तशमीम—(अ) सँभना ।

तशरीफ—(अ) मूल्यवान पोशाक,
द्रिज़लअत, गौरव, प्रतिष्ठा, महत्त्व,
बडप्पन, प्रतिष्ठा, बुजुर्ग, प्रति
ष्ठित व्यक्ति के आनजाने या
बैठने के अर्थ में भी इसका प्रयोग
होता है, जैसे—तशरीफ रखना
(जेठना, विराजना)

तशरीफ आवरी—(अ) शुभागमन,
पधारना, पदापण करना ।

तशरीह—(अ) शारीरिक शाल, वह
पुरतक जिसमें शरीर के भीतरी
बाहरी सत्र अंगों का वर्णन हो ।
व्याख्यान, भाष्य निम्नृत टीका ।

तशवीश—(अ) विफलता, चिन्ता,
फिम्, घबराहट ।

तशहीर—(अ) दोषों को प्रकट
करना, किसी के अपराध का
विज्ञापन करना, किसी के अप
राध का दण्ड देने के लिए उसे
गधे पर बिठाकर नगर भर में

घुमाना ।

तशाकुल—(अ) सारूप्य, परस्पर एक
-सा रूप होना ।

तशाबा—(अ) समान रूप होना,
सादृश्य, सारूप्य ।

तशारुक—(अ) परस्पर एक दूसरे
के यहाँ सम्मिलित होना ।

तशीअ—(अ) अपना मजहब शिआ
बताना ।

तशोख—(अ) आत्म श्लाघा, अपनी
बढ़ाई श्राप करना ।

तशीन—(अ) प्रतिष्ठा पाना, गौर-
वान्वित होना ।

तश्त—(फ) बड़ा थाल, तसला ।

तश्त अखबाम—(फ) गहस्यो
दूघाटन, मेद खुलना, बदनामी
होना, किसी से अप्रसन्न हो
जाना ।

तश्तरी—(फ) छोटा तश्त, छोटे
किनारा की छोटी थाली ।

तसफीन—(अ) सन्तोष, सान्त्वना,
धैर्य, आराम, तसल्ली ।

तसखीर—(अ) विजय, अधीन करना,
अपने ओर कर लेना, अपने वश
में कर लेना, जन्त्र मन्त्र, भाङ-
पूक ।

तसरीर—(अ) सत्ति करना, छोटा
करना ।

तसदिआ-तसदीअ—(अ) कठिनाई,

दि कृत, फट, पीड़ा ।

तसदीक—(अ) प्रमाणित करना,

पुष्ट करना, सच ठहराना ।

तसदीद—(अ) ठीक करना, पक्का करना ।

तसदीस—(अ) छह भागों में विभक्त करना । छह जगह बँटना ।

तसदुक—(अ) न्यौछावर, दान, पुण्य ।

तसनिया—(अ) व्याकरण में द्विवचन ।

तसनीक—(अ) रचना, कृति, पुस्तक, ग्रन्थ ।

तसन्नअ—(अ) कृत्रिमता, नकल बनावट, नकली चीज बनाना कलाकारी, कारीगरी, शृंगार, सजावट, स्त्रियों का बनाव शृंगार करने प्रदर्शन करना ।

तसफिया—(अ) साफ करना (मन), मलिनता दूर करना (हृदय), समझीता, निश्चय, निर्णय ।

तसवीह—(अ) भक्ति और पवित्रता पूर्ण ईश्वर का स्मरण करना, जप करने की माला, मुमिनी ।

तसबेद—(अ) निलना, काला करना ।

तसमीम—(अ) पुष्ट करना, दृढ़

करना ।

तसरीफ—(अ) व्याकरण में एक शब्द के भिन्न भिन्न रूप, यथा देना, दिलाना, दिलवाना इत्यादि ।

तसरीह—(अ) व्याख्या करना, स्पष्ट करना, प्रष्ट करना ।

तसरुफ—(अ) हस्तक्षेप करना, प्रयोग, उपभोग, स्वर्च, व्यय, अधिघर महात्माओं की अद्भुत शक्ति ।

तसलसुल—(अ) क्रम, सिलसिला, शृंखला ।

तसलीब—(अ) सूनी पर चढ़ाना ।

तसलीम—(अ) स्वीकार करना, मान लेना, आशा मानना, सनाम करना ।

तसलीस—(अ) त्रिक, त्रयी, जिसमें तीन वस्तुएँ हो यथा त्रिकला जिसमें हरक, बेहका और अमला तीन चीजें हाती हैं । तीन भागों में बँटना, तीन जगह करना ।

तसल्लो—(अ) धैर्य, आराधन सान्त्वना दाटव, धीरज, शान्ति, सन्तोष, चैन ।

तसरुलुत—(अ) शासन स्थापित हो जाना, बशम कर लेना ।

तसवीर—(अ) चित्र, छवि प्रविर्त रंग आदि की गहायता में छाया आदि पर बनाई गई किछी च

की आकृति । अत्यन्त सुन्दर ।
तस वुफ—(अ) विराक्त, वैराग्य,
उपराम, निर्वेद, सब प्रकार की
वामनाओं से रहित होना, ससार
की प्रत्येक वस्तु में इश्वर की
सत्ता देखना ।

तस ववरे जाना—(अ) प्रिय का
ध्यान ।

तस वुफ—(अ) रहस्यवाद ।

तस ववुर—(अ) ध्यान, विचार,
कल्पना ।

तस हीफ—(अ) लिखने या पढ़ने में
ज्ञान बूझकर भूल करना ।

तस हीह—(अ) शुद्ध करना, ठीक
करना, स शोधन, मूल से मिलान
करना ।

तसा दुक्र—(अ) मैत्री, मित्रता, सत्य
मापण ।

तसा दुम—(अ) भीड़ भड़का, धक्का
मुका,

तसानीफ—(अ) तसनीफ का बहु
वचन, रचनाएँ, कृतियाँ, पुस्तकें ।

तसाफा—(अ) परस्पर मिलते समय
हाथ मिलाना ।

तसाविया—(अ) गणित में बराबर
का चिह्न (=) ।

तसावी—(अ) समता, बराबरी ।

तसावीर—(अ) तसवीर का बहु

वचन ।

तसाहुल—(अ) लापरवाई, उपेक्षा,
ध्यान न देना, आलस्य, सुस्ती ।

तसुलसुल—(अ) तौता लगना,
लड़ी रँध जाना, कम जारी
रहना ।

तस्कीन—(अ) देखो “तसकीन” ।

तस्खीर—(अ) देखो “तसखीर” ।

तस्नीफ—(अ) देखो “तसनीफ” ।

तस्वीह—(अ) देखो “तसवीह” ।

तस्मा—(फ) चमड़े की लम्बी पट्टी ।

तस्मिया—(अ) नाम रखना, नाम
करण ।

तस्मीत—(अ) भोतियों की लड़ी
बनाना, सूक्तियों का संग्रह
करना, अच्छी अच्छी चज्जें
इकट्ठी करना, चयन ।

तस्मीन—(अ) मोटा करना, स्थूल
करना ।

तस्मीम—(अ) देखो “तसलीम” ।

तस्लीमात—(अ) तस्मीम का बहु-
वचन ।

तस्वीर—(अ) देखो “तसवीर” ।

तह—(फ) नीचे, तला, पश, परत,
किसी चीज के नीचे का विस्तार
पेड़ा ।

तह करना—किसी चज्जी को कई
बार मोड़ कर रखना ।

- तह की बात—गुप्त बात, छिपी हुई बात ।
- तह तक पहुँचना—यथार्थ रहस्य जान लेना, बात का मतलब समझ लेना ।
- तह तोड़ना—कूप का नीचे से नीचे का तला तोड़ कर उसे अधिक से अधिक गहराई तक पहुँचा देना ।
- तह देना—हलका रंग चढ़ाना, हलकी परत चढ़ाना ।
- तह लगाना—किसी चीज के बीच बीच में दूसरी चीज का परत लगाना ।
- तहकीक—(अ) अन्वेषण, खोज, अनुसन्धान, अन्वेषी तरह जॉना हुआ, छानबीन किया हुआ, निश्चित, ठीक ।
- तहकीक़ात—(अ) ग्याज, अनुसन्धान, जॉन, पूछ-गढ़, छानबीन ।
- तहकीर—(अ) धूमिल, निरादर, अपमानित, बेइज्जत ।
- तहकुम्ह—(अ) चलपूर्वक अधि कार करना, शासन, आदि पत्य, प्रमुख आकर्षण, दावा ।
- तहखाना—(फ) जमीन के नीचे बना हुआ घर, तन गढ़ ।
- तहजीब—(अ) सशोषन, पवित्र करना, सम्पत्ता, संस्कृति, शिष्टाचार ।
- तहजीब याफता (मि०) मध्य, शिष्ट ।
- तहजीर—(अ) चेतावनी भमकी ।
- तहज़ी—(अ) बर्ख़माला, निन्दा करना, शब्दों का अक्षर और मात्राएँ अलग अलग करके उच्चारण करना, दिजे ।
- तहज्जुद—(अ) आधी रात के बाद पढ़ी जाने वाली नमाज़ ।
- तह्व—(अ) अधीन, नीचे । अधि कार, इन्तियाज़ ।
- तह्व ससर—(घ) पाताल लोक ।
- तहत्तक—(अ) अमान, निगद, बेइज्जती, अप्रतिष्ठा ।
- तह दर्ज—(घ) नया, मिलजुल नया, बिगकी तह भी न खुली हो ।
- तहदीद—(घ) सन्निप्त, सीमित ।
- तहनशीन—(घ)—तह में ब्रेज हुआ, दँदे में जमा हुआ, गाद, तन छट ।
- तहनियत—(अ) बग़ाई, मुशारफ़ाद ।
- तह निशान—(फ) तलवार की नुड पर जॉ मने के मने हुए

बेल बूटे ।

तह पेच—(प) वह छोटी टोरी जो साफ के लिये पगड़ी के नीचे पहनी जाती है, पगड़ी के नीचे भिर पर लपेटने का छोटा कपड़ा ।

तह पोशी—(प) हलकी साड़ियों के नीचे पहनने का छोटा घाघरा, पेटीकोट ।

तह बन्द—(प) वह कपड़ा जो मुसलमान लोग धोती की जगह पहनते हैं, तहमद, लुगी, लगोट ।

तह बाझारी—(प) बाजार या हाट में दुकानदारा से लिया जाने वाला भूमि का किराया ।

तहमद—(प) तहबन्द, लुगी ।

तहमीद—(अ) प्रशंसा करना, सराहना, इशर की प्रशंसा करना ।

तहमील—(अ) शोक लादना, भार उठाना ।

तहम्मुल—(अ) सहन करना, भार अपने ऊपर लेना, बर्दाश्त करना सहनशीलता, सहिष्णुता ।

तहरीक—(अ) गति देना, हिलाना डुलाना, उच्चैर्गत करना, आन्दोलन, भड़काना ।

तहरीक—(अ) लिखावट की भूल, लिखावट में शब्दों या अक्षरों की अदल बदल करना, हिसाब में जालसाजी करना ।

तहरीर—(अ) लिखना, लिखावट, लेख, लेखन शैली, लिखी हुई चीज, लिखा हुआ प्रमाण पत्र, लिखद, लिखने की मजदूरी, सगीन में गिट करी ।

तहसेक—(अ) गति, हिलना, डुलना ।

तहलका—(अ) खलबली, हलचल, धूप, नाच, बरबादी मृत्यु ।

तहलील—(अ) पचना, घुलना गलना, हजम होना, यथास्थान पहुँचना, व्याकरण में किसी वाक्य का विश्लेषण, पञ्च्छेद ।

तहवील—(अ) मोपना, सुपुर्न करना, धराहर, शेकद, खजाना, कौश, जमा, ज्योति, सूर्यचन्द्राणि का एक राशि से दूसरी राशि पर संक्रमण ।

तहवीलदार—(मि०) शेकदिया, खजानचो, कोशा रत ।

तहशिया—(अ) कितान के दाशिया पर लिखना ।

तहशीर—अपने बाल पक्षा का अन्न घम्य देने में सकीर्णता दिवाना ।

तहसीन—(अ) सराहना, प्रशंसा,

तारीफ ।

तहसील—(अ) प्राप्त करना, उगा
हना, इकट्ठा करना, वसूल करना,
खेतों का लगान वसूल करने से
हाने वाली गण्य, वह दफ्तर या
कचहरी जिसमें तहसीलदार का
करता हो ।

तहसीलदार—(मि०) तहसील
करने वाला हाकिम, यह अधि-
कारी जो जमींदारों से माल
गुजारी वसूल करता हो तथा
माल के छोटे छोटे भगड़े निब-
टाता हो ।

तहसीलदारी—(मि०) तहसीलदार
का पद ।

तहाइक—(अ) तौइफा का बहुवचन,
अद्भुत, अनोखी, अप्राप्य,
बढ़िया (रस्तु)

तहाब—(अ) परस्पर प्रेम करना ।

तहारत—(अ) नमात्र पढ़ने से पहले
हाथ मुँह धोकर पवित्र होना पर्नि-
यता, शुद्धता ।

तहारुब—(अ) आपस में लड़ना
भगड़ना

तही—(फ) ग्वाली, रीता ।

तही दस्त—(फ) ग्वाली हाथ,
कमाल । दरिद्र ।

तही मग्ज—(फ) जिसकी ग्वाली

ग्वाली हो, निर्बुद्धि, मूर्ख,
बेवकूफ ।

तहीर—(अ) पवित्र कान्हा नाला ।

तहेदिल—(फ) अन्तर्कण, हृदय
का भीतरी भाग ।

तहे दिल से = हृदय से ।

तहेया—सलाम, प्रणाम, प्रार्थना
खीन, साधुवाण, तैयार
तयारता ।

तहेयुर—(अ) विष्मय, अवगमा
अचरज, आश्चर्य ।

तहोबाला—(फ) उलट पलट, नीचे
का ऊपर ऊपर का नीचे, नट
चरबाद ।

तहोवर—(अ) शेर, भैंस, शीघ्रा
जल्दी ।

ता—(फ) तक, पर्यन्त, कागज का
तख्ता ।

ताअत—(अ) चन्दना, मस, पूरा
आराधना, ईश्वर की भक्ति ।

ताइब—(अ) ताबा लग्न वाला
कई काम किए न करने का
प्रण करन वाला, गदावा
समर्थन ।

ताईद—(फ) पुष्टि, समर्थन, सह-
यता, अनुमान, तपस्या, पत-
पात ।

ताउन—(अ) पगल सहायता करने

सहयोग, मेल मिलाप

ताऊन—(अ) महामारी, वह भीषण
सहारक रोग जिससे बहुत से लोग
मरे, प्लेग, हैजा ।

ताऊस—(अ) मोर, मयूर ।

ताक—(अ) आला, दिवाल, ताप,
चीबें रखने के लिए दीवार में
बनाया हुआ छटा का स्थान ।
विषम सख्या या विषम सख्या
में कोई चीज, अनुपम, अद्वि
तीय, बे डोड़, अकेला ।

ताक पर रखना = छोड़ देना, त्याग
देना ।

ताक भरना = कोई कामना पूरी होने
पर मस्जिद के ताक मिठाई से
भरना ।

ताकत—(अ) शक्ति, बल, सामर्थ्य ।

ताकतवर—(मि) शक्तिशाली,
बलिष्ठ, सामर्थ्यवान ।

ताका—(अ) कपड़े का थान

ताकि—(फ) जिसमें कि, जिसमें कि ।

ताकी—(अ) फाँड़ी आँखों वाला,
फाँड़ा, जिसकी आँखों की पुत
लियाँ सफेद हों ।

ताकीद—(अ) चेनानी, सावधान
करके बड़ी हुजूमत, किसी काम
के लिए बाध धार स्मरण दिला
के कहना ।

ताकीदन—(अ) जोर देकर, आग्रह
के साथ ।

ताकीदी—(अ) ताकीद मन्त्री,
जिसमें तामीन् की गड़ हो ।

ताककुव—(अ) जेबो "तश्त कुव"

ताखीर—(अ) विलम्ब, देरी ।

ताख्त—(फ) सेना द्वारा आक्रमण
कर पौज लेकर चढ़ाई करना ।

ताख्त व ताराज—(फ) मना द्वारा
देश श्रीर प्रजा का विवस
करना ।

ताज—(अ) राज मुकुट मुकुट,
कलगी, तुरा, मकान के ऊपर
पनाइ हुड छतरी । मयूर कुक्कुट
आदि पतियों भी चागी, आगरे
की एक मिश्र विख्यात इमारत
जिसे शाहजहाँ ने बनवाया था ।

ताजगी—(फ) ताजापन, नवीनता,
मूर्ति ।

ताजदार—(मि) सम्राट्, राजा,
जिसके सिर पर मुकुट हो ।

ताजवर—(फ) राजा, बादशाह ।

ताजघरी—(फ) राज्य, बादशाहत ।

ताजा—(फ) नया, हरा-भरा, स
टटका, जो अभी बनाया गया
हो, जो तुरन्त ही वृद्ध पर से तोड़
कर लाया गया हो, स्वस्थ जो
हारा थका न हो, जो अभी न्यव-

हार में लाया गया हा ।

ताजियत—(अ) शाक मनाना, रोना पीटना, मृत व्यक्ति के घर वालों का सान्त्वना देना, मातम पुरधी, शोक-सहानुभूति ।

ताजियत नामा—(मि०) शाक सहानुभूति का पत्र, शोक पत्र ।

ताजिया—(अ) बौंस क खपट्टियों और कागजों का बनाया हुआ मकबरे के आकार का । मुहरम के महीने में मुमज्जमान लोग इनका प्रदर्शन करते और इनके आगे शोक मनाने हैं । ये हजरत हमाम हुसैन के बलिदान की स्मृति में बनाए और निकाले जाते हैं ।

ताजियादारी—(मि०) मुहरम में शाक मनाना, ताजिया बनाकर उनका प्रदर्शन करना ।

ताजियान—(फ) अरब के निवासी, अरबी, दोढ़ने वाले ।

ताजियाना—(फ) फोड़ा, चाबुक, बाइस मारने की मर्जा ।

ताजिर—(अ) मीठागर, व्यापारी, व्यवसाय करने वाला ।

ताजी—(अ) अरब देश की भाषा, अरब देश का घोड़ा, अरब का कुत्ता, अरब का आन्धी ।

ताजीक—(फ) वह घोड़ा जो अरबी घोड़ा या बाड़ी के साथ किसी दूसरी जाति के घोड़ा या घोड़ी का सम्पर्क होने से पैदा हुआ हा ।

ताजी खाना—(फ) वह मकान या स्थान जिसमें शिकारी कुत्ते (ताजी) रहते हों ।

ताजीम (अ) प्रतिष्ठा, आदर, किसी बड़े आदमी के स्वागताथ उठ कर खड़े हो जाना, निमंत्रण पूर्णक प्रणाम करना ।

ताजीर—(अ) सच्चा, दण्ड ।

ताजील (अ) आशा देना

ताज्जब—(अ) देना "तश्जुब" ।

तातार—(फ) एक देश का नाम ।

तातील—(अ) छुनी, अवकाश, बेकारी, निरुपम ।

तात्तर—(अ) मुगलित ।

तादाद (अ) गणना, गिनती, सगण ।

तादीब—(अ) शिक्षा देना, दोष दूर करना सुधारना, भाषा या साहित्य सम्बन्धी गिनना ।

तादीब खाना—(मि०) वह स्थान जहाँ साहित्यिक शिक्षा दी जाती हो वह जगह जहाँ किसी के दोषों का सुधार जाय ।

तान—ताना (अ) व्यग्य, कटाक्ष,
आक्षेप पूर्ण वाक्य या कथन ।
दोष-दर्शन ।

तानीस—(अ) व्याकरण में स्त्री
लिंग ।

तापता—(फ) बूझा हुआ, एक
प्रकार का रेशमी कपड़ा ।

ताब—(फ) साहस, शक्ति, शोभा,
आभा, चमक, प्रकाश, गर्मी,
ताप, सयम शक्ति ।

ताबूह—(फ) लाहे का वह पान
जिम पर राटी सेकी जाय, तथा,
तन्दूर ।

ताबईन—(अ) वे लोग जिन्होंने
मुहम्मद साहब के साथियों से
भेंट ली हो, विनीत, आज्ञाकारी ।

ताबखाना—(फ) तन्दूर, रसोई घर,
रसमाम ।

ताबशम—(फ) बिडका, राशन
दान ।

ताबा—(अ) अधीन, अनुचर,
सेवक, आज्ञानुवर्ती, वशीभूत ।

ताबान—(फ) चमकीला, प्रकाश-
मान ।

ताबिस्तान—(फ) गर्मी का मामम,
ग्रीष्म ऋतु ।

ताबीर—(अ) वर्णन करना, मन्त्र
का अर्थ लगाना, रस का शुभा

शुभ, फल ।

तामील—(अ) भगोमा विश्वास ।

ताबूत—(अ) मुर्दे का सन्दूक, वह
सन्दूक जिममें मुर्दे को रख कर
श्मशान ले जाते हैं ।

ताबे—(अ) देखो “ताबा” ।

ताबेदार—(मि०) आज्ञाकारी, अन-
चर, सेवक, अधीन ।

ताबो तबाँ—(फ) बल विक्रम ।

ताम—(अ) देखो “त आम” ।

तामझ—(अ) लोभी, लालची ।

तामीर—(अ) मकान बनाना, भवन-
निर्माण ।

तामील—(अ) काम माँचना, काय
रू में परिणत कर आज्ञा का
पालन ।

ताम्मुल—(अ) अमन म लाना,
अनुष्ठान करना, अममजम,
दुविधा, मोच विचार, अति
श्रव्य, मन्त्रिधावस्था ।

तायफ—(अ) चारा, आर घूमना,
चौकीदारी करना, प्रदर्शिका
देना ।

तायफा—(अ) नर्तकियों को म डली,
वेश्या, यारी दल ।

तायब—(अ) देखो “ताबू” ।

तायर—(अ) उड़ने वाली जीव,
पत्ती ।

- वाहिर—(अ) देखो “ताहर”
- तिका—(अ) मास का टुकड़ा।
- तिका गोटी कर लेना
- तिका गोटी कर लेना—टुकड़ा-टुकड़ा काटना लेना।
- तिका गोटी चढ़ाना—टुकड़ा टुकड़ा कर डालना।
- तिक्का—(अ) नाका, इनारमन्द।
- तिगदौ—(फ) देखो तग न दो।
- तिजारत—(अ) व्यापार, वाणिज्य, व्यवसाय, साँगागरी।
- तिजारती—(अ) तिवारत का, व्यापार सम्बन्धी।
- तितम्मा—(अ) ज्यो ‘ततम्मा’।
- तिल्फ—(अ) बच्चा, शिशु, लड़का, बालक।
- तिल्ली—(अ) लट्फन, शैशव, बचपन।
- तिल्के शय—(फ) चद्रमा।
- तिल्के—(अ) चिकित्सा शास्त्र।
- तियायत—(अ) चिकित्सा कार्य, वैद्यक व्यवसाय।
- तिव्व—(अ) जेज “तिर”।
- तिव्वी—(अ) चिकित्सा शास्त्र सम्बन्धी।
- तिरियाक-तिरियाक—(फ) जहर माहुरा नामक औषधि विशेष, जिससे कानों का श्रवण तिरनगी—(अ) अन्य प्रकार का रिप दूर हो जाता है, अफीम। खर रागा की ग्रन्थ दया।
- तिलरम—(अ) कौतुक, जादू, आश्चर्यजनक खेल, अद्भुत घटनाएँ, कमाल, इन्द्र जाल।
- तिलम्मात—(अ) तिलरम का बहु वचन।
- तिलस्मी—(अ) तिलरम सम्बन्धी, जादू का।
- तिला—(अ) साना, स्वर्ण।
- तिला—(फ) किसी अंग पर मलने की पतली (तर्ल) दवा। यह तेल या दवा जो नपु सकता दूर करने के लिए पुख्त की जननेन्द्रिय पर मालिश करने के लिए काम आता है।
- तिलाई—(अ) सोने का मुनहरी।
- तिलाकारी—(मि) किसी चीज पर सोने का काम करना, सोने का मुल्लम्मा चमकना।
- तिलादानी—(फ) मुँह डोगा रखने की पतली जो प्रायः चों में मिश्रित बना लेती है।
- तिलावत—(अ) शोभा, सुन्दरता, शिगपता, कुशान का पाठ करना।
- तिरनगी—(फ) निषाण, गुण,

प्यासा ।

तिशना—(फ) अत्यन्त उत्सुक, अत्यधिक चाहक, प्यासा ।

तिशना—(अ) कटाक्ष, व्यंग्य, ताना ।

तिशनालब—(अ) प्यासी-प्यासा ।

तिहजी—(अ) उच्चारण करना, निन्दा करना, दर्श माला, देखो “तहजी”

तिहाल—(अ) तिल्ली, ल्पीहा ।

तिही—(फ) देशो “तही” ।

तिही दस्त—(फ) गरीब ।

तीनत—(फ) प्रकृति, स्वभाव ।

तीमार—(अ) रोगी की परिचया, मीमार की देखभाल, महानुभूति, सम वेदना ।

तीमारदार—(फ) रागी को सेवा और देखभाल करने वाला, महानुभूति रखने वाला ।

तीमारदारी—(फ) रागी की सेवा शुरू करना ।

तीर—(फ) याण, शर, एक पत्नी विशेष ।

तीरअन्दाज—(फ) तीर चलाने वाला ।

तीरअन्दाजी—(फ) तीर चलाने की मिया, वाण चलाना ।

तीरअफगन—(फ) वाण चलाने वाला, तीर गिराने वाला ।

तीर आवर—(फ) मकार, झूठा ।

तीर कश—(फ) तीरखने का पैला, तूणीर, निपग इसी का सक्षित “तरकश” होता है ।

तीरखदग—(फ) मिजराब, तार का बना एक विशेष प्रकार का छल्ला जिसे सितार बजाते समय उँगली में पहनते हैं ।

तीरगर—(फ) तीर बनाने वाला ।

तीरगी—(फ) अ घेरा, अ घफार ।

तीर ब हदफ—(फ) अमोय, अचूरु, ठीक लक्ष्य पर लगने वाला ।

तीरहवाई—(फ) वह तीर जो आराश की ओर छोड़ा जाय, आराश वाण ।

तीरा—(फ) तिमिगवृत, अधिकार पूर्ण, अ घेरा ।

तीरादिल—(फ) मैले दिलका, फलु पित हटय वाला ।

तीरा बख्त (फ) दुर्भाग्य, बर्कस्मती ।

तुंग (फ) अन्नादि भरने का धैला, गेरा, निदरी ।

तुकमा (फ) कुर्ने आदि में सूत या कपड़े का मनाया हुआ वह छल्ला जिसमें धुंधी फँसाते हैं ।

तुख्म (फ) बीज

तुर मा (अ) अजीर्ण, उदरदुर्गामी,

जो बहुत सुरीला शब्द करती है। मुँह से बजाने का एक छोटा बाजा।

तृती बोलना—बात का खूब चलना।

तूद—(अ) बड़ा पहाड़।

तूदा—(अ) टीला, मिट्टी का ढूँढ़, मिट्टी का वह टीला जिस पर बन्दूक का निशान लगाना सीखते हैं। खेत की मेंड़, गाँव की सीमा, सीमा का निशान, राशि, दर।

तूदाबन्दी—(क) सीमा निश्चित करना, हद बन्दी।

तूफान (अ) जलझाधन, बाढ़, बहैया, आँधी, अंधड़ बज्जर। वह भीषण आँधी जिसमें भयंकर वर्षा हो और वृत्तादि उखड़ जायें। ऊधम, हल्ला-गुल्ला, उत्साह-आपत्ति, भगड़ा, बगैड़ा, मिथ्या दोषाधारण।

तूफानी—(अ) तूफान सम्बन्धी, उम, तेज, प्रचण्ड, जोर शोर के साथ, उपद्रवी, बखेड़िया, भगदालू, झूठा भगड़ा खड़ा करने वाला।

तूथा—(अ) यहिश्त का एक कल्पित वृक्ष जिसके सम्बन्ध में कहा

जाता है कि उसके फल अत्यन्त स्वादिष्ट होते हैं।

तूमार—(अ) व्यर्थ का विस्तार, बात का अतगढ़, थोथा पोथा।

तूमाल—(अ) देखो "तूमार"।

तूर—(अ) पहाड़ मात्र। वह विशेष पहाड़ जिस पर हजूरत मूसा को शान-ज्योति 'दवाइ' पड़ी थी।

तूल—(अ) लम्बाई, दैर्घ्य, विस्तार।

तूल फलाम—(अ) लम्बी चौड़ी चाते, बातों का विस्तार, बात बढ़ाना, भगड़ा करना।

तूलबसील—(अ) लम्बा-चौड़ा, विस्तृत।

तूल देना—काम या बात को बढ़ाना विस्तार करना।

तूल पकड़ना—बहुत बढ़ाना।

तूलानी—(अ) लम्बा, दीर्घ।

तूले घलद—(अ) भूगोल के नियमों में देशान्तर रेखाएँ।

तूस—(अ) एक प्रकार का घटिया गरम कपड़ा जो पहाड़ों पर रहने वाले तूस नामक पक्षी के रोशनों से घनाया जाता है।

तेरा—(प) तलवार, क्यार, छुरी, पीठ, चाँदनी।

तेरा—(क) खंजर, छुरी और चौड़ी तलवार। कुश्ती का एक पेश।

महगव ।

तेज—(फ) तीज, पैना, पैनी धार वाला, जल्दी चलने वाला, फुर्तीला, चतुर, चालाक, बुद्धिमान, उग्र, जोरदार, प्रचण्ड, महंगा, अधिक दामों का ।

तेजदस्त—(फ) फुर्तीले काम करने वाला ।

तेजमिजाज—(फ) उग्र स्वभाव का, होरी ।

तेज रफ्तार—(फ) द्रुत गामी ।

तेज रफ्तारी—(फ) द्रुतगामित्व, तेज चाल ।

तेजाब—(फ) गधक, नमक आदि वस्तुओं का बनाया हुआ द्रव, अम्ल । यह तरल औषधि जिसमें झालने से कोई भी चीज गल जाती है ।

तेजी—(फ) तीव्रता, प्रखरता, उग्रता, शीघ्रता, चालाकी, महंगी, प्रबलता ।

तेशा—(फ) लकड़ी छीलने का एक औजार, बसला ।

तै—(अ) निपटारा, फैसला, निर्णय, समाप्त, पुरा, पार किया हुआ ।

तैवमाम—(अ) समाप्ति, पुरा होना, अन्त होना ।

तैनात—(अ) विशेष रूप से नियत

किया गया, नियुक्त ।

तैनाती—(अ) विशेष रूप से नियुक्ति मुकररी ।

तैफ—(अ) क्रोध, आवेश ।

तैयब—(अ) पवित्र, भोऽ, सुन्दर, स्वादिष्ट ।

तैयार—(अ) सज्जद, उद्यत, उपस्थित, प्रस्तुत, ठीक, जो बन कर पूरा हो गया हो, मोटा ताजा । मौजूद ।

तैयारा—(अ) कागज रबर या इलके कपड़े का बना थैला जिसमें गरम हवा या इलकी गैस भर कर हवा में उड़ाते हैं, गुब्बारा, हवाई जहाज ।

तैयारी—(अ) सज्जदता, दुबस्ती किसी विशेष काम के लिए उसके उपयुक्त सामान की व्यवस्था, इन्तजाम, मोटापा, तत्परता, मुस्तेगी । धूम धाम, सजावट ।

तैर—(अ) पत्नी, चिड़िया ।

तैश—(अ) आवेश क्रोध ।

तोता—(फ) एक हरे रंग का पक्षी, शुक, धीर, स्या, मुग्गा ।

तोताचरम—(फ) स्या, शुक, मेल-मुरब्बत न रखने वाला ।

तोदा—() देखो "तुदा"

तोप—(तु) बंदूक की क्लिप का एक बहुत बड़ा दृधियार, शतग्री, सेना ।

तोपखाना—(भि०) वह स्थान जहाँ तोपें रखी जाती हों, सेना के साथ रहने वाला तोपों का समूह ।

तोपची—(तु) तोप चला देने वाला ।

तोपरा—(फ) छोड़े को दाना गिलाने का थैला ।

तोषा—(अ) पाप से बचना, कोई अनुचित कार्य न करने की प्रतिज्ञा करना ।

तोषा तिल्ला मथाना—रोते हुए कोई अनुचित कार्य पुन न करने की प्रतिज्ञा करना ।

तोषा बोलथाना—पूरी तरह परास्त करना, पराजित व्यक्ति के मुख से हार स्वीकार कर लेना ।

तोरा—(तु) वह बड़ा याल जिसमें खाने सामग्री से भरी तश्तरीयाँ और प्यालियाँ रख कर विवाह के समय भेंट रूप में दिया जाता है । बादशाह चमकनों के प्रचलित किये गए सामाजिक नियम । परमंड ।

तोश—(तु०) शारीरिक शक्ति, छाती, बक्ष्यल, सीना ।

तोशक—(तु) दो तह के कपड़े में रुई भर कर बनाया हुआ पिछोना, गदा, फर्श ।

तोशक खाना—(भि०) घर में वह जगह जहाँ घर के छोड़ने पर देने के कपड़े रखे जाते हों ।

तोशदान—(फ) वह पान जिसमें रास्ते के लिए भोजन रक्ता जाता है, पायेय पात्र ।

तोशा—(फ) खाने पीने की चीजें, मार्ग में खाने के लिए गाय ले जाया जाने वाला भोजन, पायेय ।

तोशाखाना—(भि०) राजाओं के महलों में वह निश्चित मकान जिसमें पहनने-छोड़ने के बहुत मूल्य वस्त्र तथा आभूषण रखे जाते हैं ।

तोहफगो—(अ) उत्तमता, अन्धाई ।

तोहफा—(अ) उत्तम, अन्धा, भेड़, अद्भुत, अनोखा, भेड़, सी गांव ।

तोहमत—(अ) मिथ्या दोष, कनक, दूषण ।

तोहमती—(अ) तोहमत से बाला, मिथ्या दोषागोण बाला ।

तोअन व करहन—(अ) मम

विवशता पूर्वक, अत्यन्त कठिनाई से । आशा मानकर ।

तौअम—(अ) ज्योतिष में मिथुन राशि, एक गर्भ से एक साथ जुड़बों उत्पन्न हुए बालक, यमल, युग्म ।

तौक़—(अ) शक्ति, धल, गले में पहनने का गोलाकार आभूषण, लोहे का बना बड़ा और भारी छल्ला जो अपराधियों के गले में डाला जाता है, पक्षियों के गले में स्वाभाविक बना हुआ ढँसली जैसा चिह्न । जानवरों (कुत्ता आदि) के गले में बाँधने का पट्टा । चपरास ।

तौक़ीर—(अ) इज्जत, आदर, सम्मान, प्रतिष्ठा, गौरव ।

तौज़ीअ—(अ) गौटना, टुकड़े करना, हिसाब का चिह्न, खर्चा ।

तौफ़गी—(अ) मिशेषता, उत्तमता, श्रेष्ठता, खूबी ।

तौफ़ीअ—(अ) विस्तृत करना, फैलाना ।

तौफ़ीक़—(अ) शक्ति, सामर्थ्य भद्रा, भक्ति अनुसार, सामान, ईश्वर की कृपा ।

तौफ़ीर—(अ) लाभ, मुनाफा ।

तौबा—(अ) देखो “तोबा”

तौर—(अ) ढंग, प्रकार, ढन, चाल-चलन, व्यवहार, भाँति, तरह, तरीका, प्रकार ।

तौर तरीका—(अ) चाल चलन, रीति रिवाज, रंग रंग ।

तौरीस—(अ) विरसत ।

तौरेत—(इब्रा०) यहूदियों का प्रसिद्ध धर्म ग्रन्थ ।

तौसन—(अ) घोड़ा, अश्व ।

तौसीअ—(अ) पैलाव, विन्तार, प्रशस्तता ।

तौसीक़—(अ) प्रशंसा करना, गुण वर्णन करना, ग्याख्या करना ।

तौहीद—(अ) अद्वैतवाद, एक मानना, एक जानना, ईश्वर एक है ऐसा मानना, एकेश्वरवाद ।

तौहीन—(अ) अपमान, बेइज्जती, अप्रतिष्ठा ।

तौहीनी—(अ) तौहीन, अपमान, निरादर, अप्रतिष्ठा ।

द

दग—(अ) स्तब्ध, निश्चित, चकित, पागल मूर्ख

दगल—(अ) मल्ल युद्ध का समारोह, मल्ल युद्ध का अस्ताव, जमघट, समूह, दल, बहुत बड़ा और मोटा गदा ।

दगा—(फ) उपद्रव, भगडा, बखेडा,
हुल्लाह, ऊधम ।

दम्भवत—(अ) निमन्त्रण, बुलावा,
ज्योनार, भोज, पुन गोद रखना,
किसी को अपना पुन बनाना या
पुन तुल्य समझना ।

दक्रियानूस—(अ) एक अत्याचारी
और नास्तिक बादशाह का नाम
जिसके भय से लोग पहाड़ों की
कन्दराओं में जा छिपते थे ।
पुराना, पुराने विचारों का,
बूढ़ा ।

दक्रियानूमी—(अ) अत्यन्त पुराना,
बहुत बूढ़ा ।

दक्कीक—(अ) गम्भीर, गिलष्ट, कठिन,
सूदन, कोमल, चारीक ।

दक्कीका—(अ) गम्भीरता, गिलष्टता,
कठिनाई, सूदनता, कोमलता,
चारीकी, गिगचि, कष्ट, पल,
छण ।

दक्कीका बाकी न रखना = किसी
काय सिद्धि के लिए कोई प्रयत्न
शाय न रहने देना ।

दक्कीकारस—(मि) सूदनदर्शी ।

ददल—(अ) गति, अधिकार, हस्त
छेद, पहुँच, प्रवेश ।

ददलनामा—(मि) अधिकार भय,
बह, कागात्र जिसमें किसी व्यक्ति

को किसी वस्तु पर अधिकार
प्राप्ति का उल्लेख हो ।

ददलयाब—(मि) किसी चीज पर
अधिकार प्राप्त व्यक्ति ।

ददलयाबी(मि) किसी चीज पर
अधिकार पाना ।

दखील—(अ) किसी काम या चीज
पर अधिकार रखने वाला ।
किसी बात में हस्तक्षेप करने
वाला ।

दखीलकार—(मि) वह व्यक्ति
जिसका किसी भूमि पर बारह
साल तक लगातार अधिकार रहा
हो । मौरूसीदार ।

दखीलकारी—(मि) वह भूमि या
खेत जिस पर किसी व्यक्ति का
बारह साल तक लगातार अधि
कार रहा हो । मौरूसी ।

दखूल—(अ) घुसना, अन्दर जाना,
प्रवेश ।

दरादगा—(अ) भय, धारांश,
स-ईद ।

दराल—(अ) कपट, धोखा, बहाना,
कपटी, धोखे मात्र ।

दगा—(फ) धोखा, छद्म, कपट ।

दगाबाज—(फ) छद्मी, कपटी,
भोग्य देने वाला ।

दगाबाजा—(फ) छद्म, कपट,

धोखा ।

दखद—(फ) चोर ।

दखदी—(फ) चोरी ।

दज्जाल—(अ) एकाद, काना, दुष्ट, मुसलमानों के मतानुसार एक काने काफिर का नाम जो समस्त ससार को अपने बश में कर लेगा ।

ददा—(तु) दाईं, घाय, वह स्त्री जो वेतन लेकर किसी के बच्चों का पालन पोषण करती हो ।

दन्दों (फ) दन्त, दाँत, दशन ।
दन्दौं बुलन्द (फ) बूढ़ा घोड़ा ।

दन्दौं शिकन (फ) दाँत-तोड़, दाँत तोड़ने वाला, बहुत कड़ा, उग्र ।

दन्दाना (फ) दाँत जैसा, दाँत के समान ।

दफ (फ) कोप, फोष, आवेश, उग्रता, विष, दप नाम का वाना ।

दफअ (अ) दूर करना, हटाना, निवारण ।

दफअतन (अ) अवा क, सहसा, एक साथ ।

दफआ (अ) एकबार, नियम, कानून, धारा,

दफआत (अ) दफआ का बहु

वचन ।

दफन (अ) जमीन में गाड़ना, छिपाना, विशेष रूप से मुर्दे को जमीन में गाड़ना

दफा (अ) देखो “दफआ” ।

दफाइन (अ) दफनीना का बहु वचन, जमीन में गाड़ा हुआ माल ।

दफातर (अ) दफ्तर का बहु वचन ।

दफादार (अ) फौज का छोटा अफसर जो थोड़े से सिपाहियों के ऊपर होता है ।

दकान (अ) दूर होना, अलग होना, दफायन (अ) देखो “दफाइन” ।

दफाली (फ) ढोल, ताशा या डफ बजाने वाला, दपाली ।

दफनीना (अ) गड़ा हुआ माल,

दफनीया (अ) दूर करने वाला दूर करने की विधि, दूर करना ।

दफतर (अ) कार्यालय, आफिस, कागजों का ढेर, लग्गी चिट्ठी, बिस्तृत व्यौरा, चिट्ठा ।

दफतरी—(फ) वह कमचारी जो दफतर के कागज-पत्तर ठीक रखता हो । कितारों या रजिस्टरों आदि की जिल्द बनाने वाला ।

दफती—(फ) पढ़ा, गत्ता, बसली, वह मोटा कागज जो कितारों पर जिल्द चढ़ाने में काम आता है ।

दफतीन—(फ) देबो “दफती” ।

दमदमा—(फ) आतक, प्रभाव,
रोज दाव ।

दमस्तान दचिस्ता—(फ) पाठ
शाला, मदरसा, स्कूल ।

दबीज—(अ) मोटा, दलदार ।

दबीर—(अ) लेखक, साहित्यकार ।

दबूब—(अ) बहुत गहरा गढा ।

दबूर—(अ) पश्चिम दिशा से आने
वाली हवा ।

दम—(फ) सँभ, शास, प्राणनायु,
जीवनी शक्ति, बात, दमे का गोग,
अपसोस, धूँ का घूँट, फूँक,
घाँकनी की हवा, एक बार स्वास
लेने के बितना

समर, अभिमान, गर्व, तलवार
की धार, घोला, बहाना, छल,
कोई गीली वस्तु वर्तन में रखकर
उसका मुँह बन्द करके आग पर
पकाना, विभ्राम ।

दम अटफना—स्वास रुक जाना,
मरने के समय गला बँध
जाना ।

दम छलड़ना—बीमारी या परिधम
के कारण शास फूलना ।

दम के दम में—थोड़ी देर में,
छूट मर में ।

दम खीचना—मौन धारण कर

लेना, चुन हो जाना ।

दम सुशक होना—मय के कारण
प्राण सूखना ।

दम गनीमस होना—किसी व्यक्ति
के जीवित रहने से दुःख भला
होना ।

दम घुटना—शास लेने में कष्ट
होना, कोई बात कहने की इच्छा
होते हुए भी किसी विशेष कारण
से न कहना ।

दम घोटना—गला दबा कर मारना,
बहुत कष्ट देना ।

दम तोड़ना—प्राण त्यागना, अन्तिम
स्वास लेना ।

दम दिखासा—बहलाने पुमाने की
बाते ।

दम देना—उद्धाना करना ।

दम-दम पर—थोड़ी थोड़ी देर
बाद ।

दम पट्टी—घोला ।

दम फूलना—गोग या परिधम के
कारण जोर-जोर से शास
चलना ।

दम मरना—किसी की निजा या
अभिमान करना । परिधम छ
यक जाना ।

दम मारना—मुन्ताना, विभ्राम
करना, रुकना ।

दम लगाना—गॉजा, मुलफा आदि
को चिलम का धुआँ जोर से
चूँसना ।

दम लेना—मुस्ताना, कोई परिश्रम
का काम करके कुछ देर विश्राम
करना ।

दमझ—(अ) आँसू बहना, दमका
नामक रोग जिसमें आँखों से
पानी बहा करता है ।

दम कदम—(फ) जीवन और
श्रान्ति ।

दमकश—(फ) वह व्यक्ति जो किसी
गाने वाले को गाने में सहायता
दे, आस देने वाला ।

दमखम—(फ) जीवन और शक्ति,
दृढता, तलवार की धार और
मोड़ ।

दम तस्लीम—(फ) मृत्यु समय,
मरण-काल ।

दमदमा—(फ) छल, कपट, चाटु-
कारी, नगाड़ा, ढोल, नगाड़े की
आवाज़, प्रसिद्धि, किले की
दीवार, मोरचा, युद्ध के समय
की किले-बन्दी जो बालू मरे हुए
गोरे तले ऊपर रखकर बनाई
जाती है ।

दमधार—(फ) दृढ, शक्तिशाली,
सम्पन्न, तेज धार वाला, जिसकी

साँस देर तक काम दे ।

दम दिलासा—(मि०) टालमटोल

दम पुख्त—(फ) किसी परतन में
बन्द करके पकाना हुआ ।

दम बखुद—(फ) आश्चर्य चकित,
सन्न । जो भय आदि के कारण
घोल न सके, चुा ।

दम बदम—(फ) क्षण क्षण पर,
श्वास श्वास पर, धड़ी धड़ी ।

दमबाज—(फ) छली, कपटी, धूर्त,
घोखा देने वाला ।

दमसाज—(फ) धनियठ मित्र, सखा,
साथी ।

दमा—(फ) श्वास रोग, साँस,
हफनी ।

दमादम—(फ) लगातार ।

दसामा—(फ) नगाड़ा, धौसाँ,
नफीरी ।

दमिशक—(अ) एक नगर विशेष का
नाम ।

दमी—(फ) एक प्रकार का छोटा
हुक्का ।

दमीम—(अ) कुरूस, बुरी सूरत
का ।

दमे नकद—(फ) अवेला, एकाकी,
बिना किसी सगी साथी के ।

दमे सद—(फ) ठही साँसे, निराशा
की आह ।

दयानत—(अ) सचाइ, इमान,
सत्य निष्ठा ।

दयानतदार—(मि०) सत्य निष्ठ,
सच्चा, इमानदार ।

दयानतदारी—(मि०) इमानदारी,
सचाइ ।

दयार—(अ) प्रदेश ।

दर—(फ) भीतर, बीच, में, द्वार,
दरवाजा ।

दरदर मारा फिरना } रिपति
के कारण

दर व दर मारा फिरना } द्वार-द्वार
पर

दर अन्दाज—(फ) दो व्यक्तियों में
भगड़ा करने जाला ।

दर अन्दाजी—(फ) दर अन्दाज
का काम, लोगों में फूट डालना
या भगड़ा करना ।

दर आमद—(फ) आगमन, आयात
अन्दर आना, विदेश से किसी
वस्तु का देश में आना ।

दरकार—(फ) आवश्यक, अपेक्षित,
जरूरी, आवश्यकता ।

दर किनार—(फ) दूर, अलग, एक
ओर ।

दरखास्त—(फ) प्रार्थना, निवेदन,
अभिज्ञाया, इच्छा, प्रार्थना, पत्र,

आवेदन पत्र ।

दरखत—(फ) पेड़, वृक्ष ।

दरखवास्त—(फ) देखो "दरखास्त"

दरखश—(फ) विजनी, आग,
प्रकाश ।

दरखशाँ—(फ) चमकता हुआ, जग
मगाता हुआ, प्रकाशित, देदीन
मान ।

दरगाह—(फ) किसी महात्मा की
समाधि, मकबरा, दरबार, कब
हरी, चौखट, द्वार, देहरी ।

दर गुजर—(फ) अलग, जमा मिया
हुआ ।

दर शोर—(फ) दूर हा, कत्र में जाय
कत्र में, भाड में जाय ।

दरज—(अ) प्रविष्ट, सम्मिलित,
लिखित, कागज पर लिखा हुआ,

दरज—(अ) चीप, फाड़े आदि को
चीरना, दो चीजों के बीच की
छँप, भिरी, दरार ।

दरपन—(अ) मुर्द ।

दरजा—(अ) पद, कना, भेरी, याँ
जगद, गुणित, गुना, अंश ।

दरजात—(अ) दरजा का बहुवचन ।

दरजी - (फ) मुर्द से काम करने
वाला, फाड़े सीने वाला व्यक्ति ।

दरद—(फ) दुःख, कष्ट, पीडा, खपा
कहरा, दया ।

दरद अगेज—(फ) कठुआ-जनक
जिसे सुन या देखकर मन में दया
उत्पन्न हो ।

दरद आचमा—(फ) बीमार, मरीज,
रोगी ।

दरद आमेज—(फ) देखो "दरद
अगेज"

दरद नाक—(फ) कठुआ-जनक
जिसे सुन या देखकर हृदय में
कठुआ पैदा हो ।

दरद मन्द—(फ) दुखी, पीड़ित,
दयाद्रवित्त, कोमलहृदय(व्यक्ति)
सहानुभूति रखने वाला ।

दरद शरीक—(फ) दुख के समय
सहायता करने वाला, विपत्ति में
साथ देने वाला, सहानुभूति रखने
वाला

दरन—(फ) जौक, जलोका ।

दर-दा—(फ) फाड़ने वाला, हिंस्र
जीव

दर परदा—(फ) परदे के भीतर,
छिपकर, आड़ से गुप्त रूप से ।

दरपेश—(फ) सामने, सम्मुख, आगे ।

दरपै—(फ) किसी की खोज में,
किसी के पीछे ।

दरफश—(फ) चमड़े में छेद करने
का औजार, सुतारी ।

दरबदर—(फ) एक द्वार से दूसरे

द्वार पर, द्वार द्वार पर, दरवाजे
पर ।

दरबन्द—(फ) किला, पुल, द्वार
दरवाजा ।

दरघा—(फ) कबूतरों या मुर्गों के
रहने के वास्ते लकड़ी आदि का
बनाया हुआ खानेदार स्थान,
काबुक ।

दरवान—(फ) द्वारपाल, पौरिया,
द्वाररत्नक ।

दरबानी—(फ) दरवान का पद या
कार्य

दरबाब—(फ) विषय में, मध्ये, बारे
में ।

दरबार—(फ) कचहरी, राजसभा,
वह स्थान जहाँ राजा अपना कोई
महापुरुष अपने अनुयायियों
सहित बैठता हो, द्वार, दरवाजा,
रजवाड़ी में राजा के भी दरबार
या दरबार साहब कहते हैं ।

दरबार आम—(मि०) वह दरबार
जिसमें सब साधारण लोग
मिलित हो सकें ।

दरबार खास—(मि०) वह दरबार
जिसमें विशेष विशेष व्यक्ति ही
सम्मिलित हो सकें ।

दरबारदारी—(फ) चापलूसी करना,
खुशामद के लिए किसी के यहाँ

बार बार जाकर बैठना ।

दरबारा—(फ) विषय में, बाबत, बारे में ।

दरबारी—(फ) दरबार में बैठने वाल व्यक्ति ।

दरमा—(फ) लरहा, शशका, खरगोश ।

दरमाँदगी—(फ) विवशता, लाचारी, पित्ति ।

दरमाँदा—(फ) विषय, साबनहीन, लाचार, परिश्रात, थका हुआ ।

दरमान—(फ) चिकित्सा, इलाज, उपाय, उपचार, औषधि ।

दरमाहा—(फ) मासिक वेतन, माहवारी तनुग्याह ।

दरम्यान—(फ) बीच, मध्य, में ।

दरम्यानी—(फ) बीच का, मध्यवर्ती, निचौलिया, बीच-मचाव करने वाला, भगड़ा निघटाने वाला ।

दरवाजा—(फ) द्वार, किबाक, पाटक, प्रवेशमार्ग, मुहाना ।

दरवेशा—(फ) मिलमंगापन, शिवावृत्ति पकीरी ।

दरवेशा—(फ) पफीर, साधु, भिक्षु ।

दरवेशाना—(फ) साधुओं का वा ।

दरवेशी—(फ) साधुओं की वृत्ति,

पकीरी ।

दरस—(फ) पुस्तक पढ़ना, अध्ययन, पाठ, उपदेश, शिक्षा ।

दरसूरत—(मि) दशा में, आस्था में

दरहक्रोक्त—(मि) वस्तुतः, वास्तव में, सचमुच ।

दरहम—(फ) अन्यगमित, उलट पुलट, उदास, क्रुद्ध, विनष्ट ।

दरहम परहम—(फ) उलट पुलट, गिर बितर ।

दरा—(फ) घटा, घटाला ।

दराज—(फ) विस्तृत, लम्बा ।

दराज गोश—(फ) सम्पर्क, गयात्रिषके कान विशेष लम्बे होते हैं ।

दराज दस्त—(फ) अन्यायी, अत्याचारी ।

दराजदस्ती—(फ) अन्याय, अत्याचार

दराज दुम—(फ) गिरगिट, कर्कट ।

दराजी—(फ) विस्तार, लम्बाई ।

दरामद—(फ) देखो "दर आमद" ।

दरिद—(फ) सेती करना, क्लिप्तनी, बास्तकारी, ।

दरिदगर—(फ) सेती करने वाला, विधान, बास्तकार ।

दरिद्रा—(फ) देखो "दरिद्र" ।

फाड़नेवाला, फाड़खानेवाला,
हिंस्रजन्तु ।

दरिया—(फ) नदी, समुद्र ।

दरियाई—(फ) नदी का, नदी
सम्बन्धी, समुद्री, नदी समुद्रादि
में रहने वाला । एक प्रकार का
रेशमी कपड़ा ।

दरियाई घाड़ा—(मि) एक विशाल
काय चौपाया जो अफ्रीका की
नदियों में पाया जाता है ।

दरियाई नरियल—(मि) वह बड़ा
नरियल जिससे स-याभियों के
कमण्डल बनाए जाते हैं ।

दरियाए आव—(फ) आकाश,
आसमान

दरियाए शोर—(फ) समुद्र, काला
पानी ।

दरिया दिक्क—(फ) उदार हृदय,
खूब खर्च करने वाला, दाता,
दानी ।

दरियावत—(फ) पृथ्वी, अनु-
संधान, खोज, ज्ञान, मालूम ।

दरिया धरामद—(फ) वह भूमि जो
नदी की धार के दृष्ट जाने से
निकल आई हो ।

दरिया धार—(फ) बड़ा दरिया,
नदी-तट का देश ।

दरिया बुर्द—(फ) वह भूमि जो

नदी के प्रवाह से फट कर बह
गई हो ।

दरीखाना—(फ) वह मकान जिसमें
गहुन से दरवाजे हों (चारह दरी,
राज दरबार) दरगाह ।

दरीचा—(फ) लिङ्की, लिङ्की के
समीप बैठने के लिए बना हुआ
स्थान ।

दरीदन (फ) फाड़ना ।

दरीदा—(फ) फटा हुआ ।

दरोदा वहन—(फ) मुँहफट,
असम्भ्य, उद्धत, गिना सोचे
बिचारे भरी बात कह डालने
वाला ।

दरीषा—(फ) वह बाजार जिसमें
बिर्क पान बेचे जाते हों ।

दरे खाना—(फ) देखो 'दरीगाना'

दरेरा—(फ) खेद, दुःख, पश्चात्ताप,
कमी ।

दरेज—(फ) एक प्रकार का कपड़ा,
छपी हुई मलमल या छींट ।

दरोरा—(फ) मिथ्या, झूठ ।

दरोरगो—(फ) मिथ्या भाषी, झूठ
बोलने वाला ।

दरोरा गोई—(फ) मिथ्या मापण,
झूठ बोलना ।

दरोरा जन—(फ) झूठा, झूठ
बोलने वाला ।

दरोग हलफी—(य) झूठ न बोलने
की शपथ खाकर भी झूठ
बोलना ।

दरौ बस्त—(फ) कुल, सम्, पूरा ।

दर्क—(अ) हस्तक्षेप, दखल, शान,
सम्भ ।

दर्ज—(फ) देखो "दरज"

दर्ज—(फ) देखी "दरज"

दर्जा—(फ) देखो "दरजा"

दर्जी—(फ) देखा "दरजी"

दद—(फ) देखो "दरद" दर्द के
योगिकों के लिए भी दर्द के
योगिक देखो ।

दर्द खड्—(फ) प्रसव की पीड़ा ।

दर्द सर—(फ) शिर की पीड़ा, बहुत
कठिन या भ्रमट का काम ।

दर्द खरी—(फ) काठनाइ, दिक्कत,
भ्रमट ।

दर्रा—(फ) दो पहाड़ों के बीच का
मार्ग, घाटी, पहाड़ों के बीच का
मैदान ।

दर्स—(अ) देखो "दरस"

दर्सव सदरीस—(फ) पठना पठना ।

दख बादल—(फ) एक बड़े खोमे
का नाम ।

दलायल-दलायल(अ) दलील का
बहुवचन ।

दलाल—(अ) मास बिकवाने और

खरीदने में सहायता करने
वाला, कुटना ।

दलालत—(अ) युक्तियों देना,
दलील देना, प्रमाण प्रस्तुत
करना, मार्ग दिखाना, सिद्ध,
पता, प्रभाव, आतक, शोभा ।

दलाली—(अ) दलाल का पेशा,
दलाल को मिलने वाला महन-
ताना ।

दलीदा—(अ) दला हुआ, दलिया ।

दलील—(अ) युक्ति, तर्क, बहस,
विवाद, पथ प्रदर्शन ।

दल्क—(अ) फकीरों की गुदड़ी ।

दल्क पोश—(अ) गुदड़ी ओढ़ने
वाला, फकीर, भिक्षक ।

दल्काल—(अ) : दलाल, खरीदने
बेचने वालों के बीच में पडकर
माउ तय करनेवाला, राह बताने
वाला कुटना ।

दल्काला—(अ) कुटनी । दुती,
दलाल का काम करने वाली
स्त्री ।

दल्काली—(अ) देखो "दलाली"

दल्क—(अ) ज्योतिष शास्त्र में कुम्भ
राशि ।

दवा—(फ) औषधि, यह पस्तु बिस्के
सेवन से रोग या पीड़ा दूर हो ।
रोग दूर करने के लिए उपाय,

उपचार, चिकित्सा, युक्ति,
तरकीब, तदनीर ।

दवाई—(फ) देखो “दवा” ।

दवाखाना—(त्रि) औषधालय, वह
स्थान जहाँ दवाएँ मिलती हैं ।

दवात—(अ) लिखने की म्याही
रखने की छाटी शशी या
डिबिया, मासगत्र ।

दवाम—(अ) सदा, सदैव, सदैव,
हमेशगी, सदा का भाव ।

दवामी—(अ) स्थायी, जो बहुत
दिनों के लिए हो, सदा के
लिए ।

दवामी बन्दोबस्त—(मि) स्थायी
प्रबन्ध, वह बन्दोबस्त जिसमें
भूमि का सरकारी कर सदा के
लिए निश्चित हो जाय ।

दवायर—(अ) दायरा का बहु
वचन ।

दवाशीन—(अ) दीवान (काय)
का बहुवचन, काय्य-समग्र ।

दश—(फ) सुशब्जित, अलकृत ।

दरत—(फ) जंगल, उठाड़, बीहड़ ।
मरुत्यल, सहारा ।

दरत नखर्दी—(फ) जंगल या बीहड़
में मारे मारे फिरना ।

दरत—(फ) हाथ, पायदा, लाभ,
विरचन, पतला मल, पावना ।

दस्त आमेज—(फ) पालतू, हाथों
पर सधाया हुआ (पशु-पत्नी)

दस्त आवेज—(फ) प्रमाण पत्र ।

दस्तक—(फ) हाथ पर हाथ मार
कर शब्द करना, ताली बजाना,
किसी को बुलाने के लिए उसके
दरवाजे के किवाड़ या कुन्ही खट
खटाना, कर, महसूल, माल
गुशगी, वसूल करने का परवाना,
एक स्थान से दूसरे स्थान को
माल लेजाने का-आशा पत्र ।

दस्त कश—(फ) सहायता से हाथ
खींच लेने वाला, साथ छोड़
देने वाला, असा, लाठी ।

दस्तकार—(फ) हाथ से कारीगरी
का काम करने वाला, कारीगर,
शिल्पी ।

दस्तकारी—(फ) कारीगरी, दस्त
‘कौशल, शिल्प ।

दस्तकी—(फ) नोटबुक, याददाश्त
लिखने की छोटी बही, वह चमड़े
का दस्ताना जिसे शिकारी लोग
बाज आदि पक्षियों को ठिकाने
के लिए हाथ में पहन लेते हैं ।

दस्तखत—(फ) हस्ताक्षर, अपने
हाथ से लिखा हुआ अपना
नाम ।

दस्तखती—(फ) हस्ताक्षरित, निस्-

- दस्तर—(फ) रिवाज, रीति, प्रथा,
नियम, कायदा, विधि, चलन,
पारसियों का पुगेहित, शक्ति
शाली, प्रभुता पूर्ण, मन्त्री,
धनी ।
- दस्तर उल अमल—(फ) व्यवहार
में आने के नियम, कायदा,
शासन-प्रणाली ।
- दस्तूरी—(श) वह धन जो नौकर या
कारीगर मालिक का समान
खरीदने में दुकान दार से पाते
हैं । बिना, याज्ञा, मन्त्रित्व ।
- दस्ते कुदरत—(फ) प्राकृतिकशक्ति,
प्रकृतिका हाथ, शक्ति, सामर्थ्य ।
- दस्ते खुश—(फ) विनोद प्रिय, हँसोड़ ।
- दस्ते शिफा—(फ) वह चिकित्सक
जिसके इलाज से बीमार को
शीघ्र आराम हो जाय । वह
वैद्यक जिसके हाथ में यश हो ।
- दस्तोदिल—(फ) साहस, हिम्मत
शक्ति ।
- दस्वोपा—(फ) प्रयत्न, रोज ।
- दह—(फ) दस अर्थात् नौ और एक ।
- दहकान—(मि०) गँवार, किसान,
ग्रामीण, देहाती, रईस ।
- दहकानियत—(अ) गँवारपन,
ग्रामीणता ।
- दहफानी—(मि) गँवार, ग्रामीण,
- गँवारों का सा, गँवारू ।
- दहन—(फ) मुँह, मुख ।
- दहन तेज—(फ) तलवार की धार ।
- दहना—(फ) नदी का निकास, देश
की सीमा, पाषण विशेष ।
- दह मर्दा—(फ) झूठा, गम्भी,
चकनादी, छोटी गाड़ी ।
- दहर—(अ) रात दिन, समय, युग,
जमाना ।
- दहरा—(फ) तलवार की तरह का
एक शस्त्र ।
- दहरिया—(अ) वह व्यक्ति जो सवार
को ही सब कुछ सगँगे, इश्वर को
न माने, नास्तिक, प्रकृतिवादी ।
- दहरी—(अ) पुगना, वृद्ध, जो सवार
को अनादि अनन्त माने ।
- दहरोज—(फ) अचिर काल, अल्प
समय ।
- दहलीज—(फ) पौरी, दुबारी,
दरवाजे की चौखट की नीचे
वाली लकड़ी ।
- दहशत—(फ) भय, डर ।
- दहशज अम्रेख—(फ) भयानक,
डरावना, भय पैदा करने वाला ।
- दहशत जवा—(फ) भीत, घस्त,
डरा हुआ ।
- दहशत नाक—(फ) डायना, भयानक,
भीषण ।

दहा—(अ) समझदारी, बुद्धिमत्ता ।

दहा—(फ) मुहर्रम का महीना, मुहर्रम मास के प्रारम्भ के दश दिन । ताजिया ।

दहाक्रीन—(अ) दहकान का बहु वचन ।

दहान—(फ) मुँह, घाव, छिद्र, सूराज ।

दहान बन्द—(फ) ज्वान बन्दी का ताजीज ।

दहाना—(फ) नदी का मुहाना, वह स्थान जहाँ एक नदी दूसरी नदी में या समुद्र में मिलती है । चौड़ा मुँह । नदी का उदगम स्थान ।

दहम—(अ) दशम, दसवाँ ।

दहे—(फ) मुहर्रम मास के अन्तिम दश दिन जिनमें ताजिये रख कर मुसलमान लोग मातम मनाते हैं ।

दहेज—(फ) देखो “जहेज”

दाँ—(फ) जानने वाला, ज्ञाता ।

दाँग—(फ) एक तोल जो छूह रत्ती के बराबर होती है । किसी वस्तु का छठा भाग, पशुओं का झुण्ड, दिशा, ओर, तरफ़ ।

दाइम—(अ) सदा, सर्वदा, हमेशा ।

दाइम उल्ल मर्जे—(अ) हज्जेया का रोगी, सदा बीमार रहने वाला ।

दाइम उल्ल हव्स—(अ) जन्म कैद, आजन्म कारावास का दण्ड ।

दाइमा—(अ) सदा रहने वाला, स्थायी ।

दाइमी—(अ) देखो “दाइमा” ।

दाइया—(अ) अभियोग, दावा, दावा करने वाली स्त्री ।

दाई—(अ) प्रार्थना करने वाला, दुआ माँगने वाला, हरादा करने वाला ।

दाखिल—(अ) प्रविष्ट, घुसा हुआ, प्रवेश पाया हुआ, अन्त, भीतर का ।

दाखिल खारिज—(मि०) किसी सरकारी कागज में किसी ज़मीन या जायदाद के पुराने अधिकारी का नाम काट कर नए हकदार का नाम लिखा जाना ।

दाखिल दफ्तर—(मि०) किसी कागज को विचार न करने योग्य मान कर दफ्तर (कागजों के ढेर) में रख देना ।

दाखिला—(अ) प्रवेश, पैठ, भीतर जाना, आन्तरिक ।

दाखिली—(अ) आन्तरिक, भीतरी ।

दाग—(फ) घन्वा, निशान, चिह्न, प्ख, दोष, कलक, लाञ्छन, चले हुए का निशान, घातु की

- दस्तर—(फ) रिवाज, रीति, प्रथा, नियम, कायदा, विधि, चलन, पारसियों का पुरोहित, शक्ति शाली, प्रभुता पूर्ण, मन्त्री, धनी।
- दस्तर उल्ल अमल—(फ) व्यवहार में आने के नियम, कायदा, शासन-प्रणाली।
- दस्तूरी—(अ) वह धन जो नौकर या कारीगर मालिक का समान खरीदने में दुकान दार से पाते हैं। विदा, आशा, मन्त्रित्व।
- दस्ते कुदरत—(फ) प्राकृतिकशक्ति, प्रकृतिका हाथ, शक्ति, सामर्थ्य।
- दस्तखुश—(फ) विनोद प्रिय, हँसोड़।
- दस्ते शिका—(फ) यह चिकित्सक जिसके इलाज से बीमार को शीघ्र आराम हो जाय। वह वैद्यक जिसके हाथ में यश हो।
- दस्तोदिल—(फ) साहस, हिम्मत शक्ति।
- दस्तोपा—(फ) प्रयत्न, रोज।
- दह—(फ) दस अर्थात् नौ और एक।
- दहकान—(मि०) गँवार, किसान, ग्रामीण, देशती, खँस।
- दहकानियत—(अ) गँवारण, ग्रामीणता।
- दहकानी—(मि) गँवार, ग्रामीण,
- गँवारो का सा, गँवार।
- दहन—(फ) मुँह, मुग।
- दहन तेक—(फ) तलवार का धार।
- दहना—(फ) नदी का निकास, देश की सीमा, पाषण विशेष।
- दह मर्दा—(फ) झूठा, गप्पी, बकवादी, छोटी गाड़ी।
- दहर—(अ) रात दिन, समय, युग, जमाना।
- दहरा—(फ) तलवार की तरह का एक शस्त्र।
- दहरिया—(अ) वह व्यक्ति जो संसार को ही सब कुछ सगँगे, ईश्वर को न माने, नास्तिक, प्रकृतिवादी।
- दहरी—(अ) पुराना, वृद्ध, जो संसार को अनादि अनन्त माने।
- दहरोज—(फ) अचिर काल, अल्प समय।
- दहलीज—(फ) पौरी, दुवारी, दरवाजे की चौखट की नीचे वाली लकड़ी।
- दहशत—(फ) भय, डर।
- दहशत अमरेख—(फ) भयानक, डरावना, भय पैदा करने वाला।
- दहशत खदा—(फ) मीत, प्रस्त, डरा हुआ।
- दहशत नाक—(फ) डरावना, भयानक, भीषण।

दहा—(अ) समझदारी, बुद्धिमत्ता ।

दहा—(फ) मुहर्रम का महीना, मुहर्रम मास के प्रारम्भ के दश दिन । ताजिया ।

दहाकीर्त—(अ) दहकान का बहु वचन ।

दहान—(फ) मुँह, घाव, छिद्र, सुरास ।

दहान बन्द—(फ) जवान बन्दी का ताबीज ।

दहाना—(फ) नदी का मुहाना, वह स्थान जहाँ एक नदी दूसरी नदी में या समुद्र में मिलती है । चौड़ा मुँह । नदी का उदगम स्थान ।

दहम—(अ) दशम, दसवाँ ।

दहे—(फ) मुहर्रम मास के अन्तिम दश दिन जिनमें ताजिये रख कर मुसलमान लोग मातम मनाते हैं ।

दहेज—(फ) देखो “जहेज”

दाँ—(फ) जानने वाला, शाता ।

दाँग—(फ) एक तोल जो छूट रस्ती के बराबर होती है । किसी वस्तु का छुटा भाग, पशुओं का मुँह, दिशा, ओर, तरफ ।

दाइम—(अ) सदा, सर्वदा, हमेशा ।

दाइम उल मर्ज—(अ) हमेशा का रोगी, सदा बीमार रहने वाला ।

दाइम उल हन्स—(अ) जम कैद, आजम कारावास का दण्ड ।

दाइमा—(अ) सदा रहने वाला, स्थायी ।

दाइमी—(अ) देखो “दाइमा” ।

दाइया—(अ) ग्रभियोग, दावा, दावा करने वाली स्त्री ।

दाई—(अ) प्रार्थना करने वाला, दुआ माँगने वाला, इरादा करने वाला ।

दाखिल—(अ) प्रविष्ट, घुसा हुआ, प्रवेश पाया हुआ, अन्त, भीतर का ।

दाखिल खारिज—(मि०) किसी सरकारी कागज में किसी जमीन या जायदाद के पुराने अधिकारी का नाम काट कर नए हकदार का नाम लिखा जाना ।

दाखिल दफ्तर—(मि०) किसी कागज को विचार न करने योग्य मान कर दफ्तर (कागजों के ढेर) में रख देना ।

दाखिला—(अ) प्रवेश, पैठ, भीतर जाना, आन्तरिक ।

दाखिली—(अ) आन्तरिक, भीतरी ।

दास—(फ) घन्ना, निशान, चिह्न, ऐव, दोष, कलक, लान्छन, चले हुए का निशान, घातु की

कई चीज खूब गरम करके उससे शरीर पर बनाया हुआ चिह्न ।

दागदार—(फ) धन्वेशर, जिस पर दाग हों ।

दागना—(फ) किसी धातु की चीज को आग में लाल करके उससे पशु या मनुष्य की देह पर निशान बनाना । रंग आदि से चिह्न बनाना । अंकित करना ।

दागबेल—(मि०) सड़क, नहर, मकान आदि बनाने के लिए निश्चित की गई भूमि पर कावके से खोद कर चिह्न बनाना ।

दागी—(फ) जिस पर दाग लग गया हो, जो सड़ने लगा हो, अपराधी दण्ड प्राप्त, दोषी, कलवित्त, लाञ्छित ।

दाज—(श) अंधेरी रात, अंधेरा, अंधकार ।

दाद—(फ) न्याय, क्षमा, सराहना, शांति, भेंट, एक प्रकार का चर्म रोग, दद्रु, दिया हुआ, प्रदत्त ।

दाद खाह—(फ) न्याय चाहने वाला, परियादी ।

दाद गर—(फ) न्यायाधीश, मुकदमा करने वाला ।

दाद ददिस—(फ) दान, पुरातन ।

दादनी—(फ) किसानों से अनाज खरीदने के लिए उनको पेशा दिया हुआ धन । श्रृंग, कर्ब ।

दादनीदार—(फ) वह जिसने अनाज बेचने के लिए लीला से पेशगी धन लिया हो ।

दाद करियाद—(फ) न्याय के लिए प्रार्थना करना ।

दाद रस—(फ) अन्याय का प्रतीकार करने वाला ।

दाद रसी—(फ) अन्याय का प्रतीकार करना ।

दाद व सितद—(फ) लेन देना, क्रय विक्रय, व्यवहार ।

दान—(फ) जानने वाला, आधार, रखने की जगह (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे कद्रदान, शमा दान आदि ।

दाना—(फ) बुद्धिमान, समझदार, शता, जानने वाला । अस का कण, असबाब, सामान ।

दानाई—(फ) समझदारी, बुद्धिमत्ता, श्रद्धामन्दी ।

दानानी—(फ) बुद्धि, अक्ल, समझ ।

दानिश—(फ) बुद्धि, समझ, अक्ल ।

दानिश मन्द—(फ) बुद्धिमान, समझदार, अक्लमन्द ।

दानिश मन्दी—(फ) बुद्धिमत्ता

समझदारी, अक्लमन्दी ।

दानिस्त—(फ) शन, धानकारी,

दानिस्तन—(फ) जानबूझकर, जानते हुए । जानना, समझना ।

दानिस्ता—(फ) जानबूझकर, जानते हुए ।

दानी—(फ) रखने की चीज आधार, (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे—सुरमादानी ।

दाक़्त्र—(फ) निवारक, नाशक, निवारण करने वाला, दूर करने वाला ।

दाव—(अ) स्वभाव, टेव, आदत ।

दाब—(फ) प्रभाव असर, रग दग, दमदमा, शाप-शौकत ।

दाम—(अ) सदा, हमेशा ।

दाम—(फ) जाता, फन्दा, रस्सी, एक पुराना सिक्का, तोल का एक बाटी जो १२१८ या २१ भागों के बराबर होता है जंगली पशु ।

दामन—(फ) आँचल, पल्ला, छँगरले कुत्ते आदि का आगे लटकने वाला भाग, पहाड़ों के समीप की भूमि ।

दामन गीर—(फ) दामन पकड़ने वाला, न्याय चाहने वाला, न्याय के लिए दावा करने वाला, विरोध या आपत्ति करने वाला । दावा

दार ।

दामन गीर होना = किसी से न्याय चाहने के लिए उसका पल्ला पकड़ के खड़ा हो जाना ।

दामनी—(फ) वह चादर जिसके बीच में जोड़ न हो, एक अर्ज की चादर ।

दामने कोह—(फ) पहाड़ की तल-हटी, उपत्यका ।

दामने राय—(फ) पिछली रात, रात का बारह बजे के बाद का भाग ।

दामाए—(अ) दरिया, समुद्र ।

दामाद—(फ) जामाता, बमाई, पुत्री का पति ।

दाय—(अ) बीमारी, रोग ।

दायन—(अ) देखो “दाइन” श्रृण्व देने वाला ।

दायम—(अ) देखो “दाइम” (दायम के यौगिकों के लिए देखो दाइम के यौगिक) ।

दायमी—(अ) देखो “दाइमी ।”

दायर—(अ) चालू, जारी, फिरता या चलता हुआ, दायर करना चालू होने के लिए उपस्थित करना ।

दायरा—(अ) घेरा, मण्डल, कुण्डल, मण्डल, कक्षा, वृत्त,

गोष्ठी, दल, मण्डली, गुट,
सेना, एन बाजे का नाम ।

दाया—(क) घाय, दाई, वह स्त्री
जो घेतन लेकर दूसरों के बच्चों
को पाले और अपना दूध
पिलावे ।

दार—(अ) रखने जाला यौगिकों
के अन्न में), घर, मकान, मुहल्ला,
शाला, स्थान ।

दार—(क) सूली, पाँसी, एक वृक्ष
का नाम ।

दारचीनी—(फ) एक वृक्ष की छाल
जो सुगन्धित होती है तथा दवा
और मसाले में काम आती है ।

दारफिल फिल—(अ) पीगल नामक
ओपधि ।

दारवरत—(फ) दीवार चुनने के
लिए भित्तिघों के नैउने के वास्ते
बाँस बल्लियों का बनाया हुआ
मचान, पाड़ ।

दारवाज—(फ) नट, बाजीगर ।

दारमदार—(फ) निर्मर, आधार,
आश्रय, ठहराव, अवलन ।

दारा—(अ) ईश्वर, बादशाह विशेष
का नाम ।

दाराव—(फ) एक प्रकार का रेशमी
उब्र, बादशाह बहमन का बेटा ।

दारुल अदालत—(अ) न्यायालय,

कचहरी ।

दारुल अमान—(भि) शान्ति पूर्ण
रहने का स्थान, सुख से रहने
का स्थान, सुख से रहने का
जगह ।

दारुल अमान—(अ) शांति निकै
तन, सुख शान्ति पूर्ण स्थान
सुसज्जमानों के सिद्धांत से या
देश जिनमें जहाद करना बयान
न हो ।

दारुल अम रत—(अ) राजधानी
राजा के रहने का नगर ।

दारुल अयार—(अ) वह अंग
जहाँ चाँदी-सोने की परख की
जती हो ।

दारुल आखिर—(अ) अन्तिम
स्थान, परलोक ।

दारुल आखिरत—(अ) प्रलय
काल ।

दारुल कजा—(अ) कचहरी, न्याया
लय, अदालत ।

दारुल कमामा—(अ) वेश्याघरा में
रहने का स्थान, बकला, कूमा
घर, गद्गो इकट्ठा करने का
स्थान, घरा ।

दारुल करार—(अ) मुगलमानों का
स्वयं, सात वदिशतों में से एक
कन जहाँ आदमी निश्चिन्त

पूर्वक सोता है।

दारुल खिलाफत—(अ) राजधानी, वह स्थान जहाँ खलीफा रहता हो।

दारुल जरब—(अ) टकसाल, मिकके मनाने का स्थान।

दारुल फना—(अ) मर्त्यलोक, ससार, दुनिया।

दारुल वका—(अ) वह लाक जहाँ से जीव फिर लौटता नहीं, मोद-धाम।

दारुल मकाफात—(अ) वह लोक जहाँ पर जीव अपने शुभाशुभ कर्मों का फल भोगता है मनुष्य लोक, दुनिया, ससार।

दारुल मुल्क—(अ) राजधानी।

दारुल शक्ता—(अ) स्वास्थ निकेतन, अर ताल, चिकित्सालय, रोग दूर करने का स्थान।

दारुल सलाम—(अ) स्वग, बहिश्त, सुवर्णरु रहने का स्थान।

दारुल सल्वनत—(अ) राजधानी।

दारुल सिक्ता—(अ) काबा, मुसलमानों का प्रसिद्ध तीर्थ।

दारुज हरब—(अ) वह स्थान जहाँ नास्तिक रहते हैं, काफ़िरो का देश, युद्धक्षेत्र।

दारुल हुक्मत—वह स्थान जहाँ पर

हाकिम रहता हो, राजधानी।

दारू—(फ) शराब, दवा, ओषधि, चारुद।

दारोगा—(फ) पब घुर्गा, देखभाल करने वाला।

दालान—(फ) मकान का वह हिस्सा जिसमें कम से कम एक ओर बिना चौबट के किनाड़ा के खुले दरवाजे हों, नयमदा।

दाब—(फ) दीवार, भीत, भित्ति छल-कपट।

दाबत—(अ) दे दो 'दअमत'।

दावर—(अ) न्यायाधीश, न्यायकर्ता।

दावर—(अ) हज़रत सुलेमान के पिता का नाम।

दावरो—(फ) दावर का पद या कार्य, य यशोलता।

दावा—(अ) प्रतिज्ञा, किसी वस्तु पर अपना अधिकार प्रकट करना, किसी बात का हड़ता के साथ कहना, जोर, अधिकार, दस्त, नालिया, लेन देन सम्बन्धी झगड़ा निपटाने के लिए न्यायालय में अभियोग उपस्थित करना।

दावागीर—(मि०) वह जो किसी बात के लिए दावा करे, जो किसी वस्तु पर अपना अधिकार या स्वत्व प्रकट करे।

दञ्छानुसार ।

दिल गरम—(फ) प्रेम पूर्ण ।

दिल गरमी—(फ) सहायता, प्रेम ।

दिल गोर—(फ) उदास, दुखी ।

दिल चला—(फ) उदास, साहसी,
हिम्मत वाला ।

दिल चस्प—(फ) मनोहर, चित्ता-
कर्षक, जिसमें मन लगे ।

दिल चस्पी—(फ) मन लगाना,
मन का झुका ।

दिल छदा—(फ) दुखा, निरा ।

दिल जमझ—(फ) भरोसा, हत्ती
मान, लातिर जमा ।

दिल जमई (फ) सख्खो, विश्वास,
भरोसा ।

दिल जला—(फि०) वह व्यक्ति जिस
के मन में बहुत रुझान पड़ता
हो ।

दिल जोई—(फ) प्रसन्न रखना,
संतुष्ट करना किसी का मन
रखना ।

दिल दाञ्ज—(फ) प्यारा, प्रेममग्न
माशूर ।

दिल दादगान—(फ) दिल देने
वाले, हृदय आर्पण करने
वाले ।

दिल दादा—(फ) दिल देने वाला,
प्रेमी, आशिक ।

दिलदार—(फ) प्रेमी, रसिक
सहृदय, उदास, दानी ।

दिल दिही—(फ) सान्त्वना देना
तसल्ली देना, दादस बॉपना ।

दिल दोञ्ज—(फ) मन में घर क
लेने वाला, हृदय प्राप्ति, रिश्ते में
घुस जाने वाला ।

दिल नशीन—(फ) मन बैठ जाने
वाला, मन का ठीक लाने वाला ।

दिल पकीर—(फ) मनोहर, सुन्दर,
हृदयकर्षक ।

दिल पसन्द—(फ) जो मा का
अच्छा लगे,

दिल फकीर—(फ) देला "पकीर"

दिल फरेब—(फ) मनाहर, मोहक,
सुन्दर ।

दिल किगार—(फ) प्रेमी, जिसका
मन किसी प सुख होगया हा ।

दिल बन्द—(फ) पुत्र, बेग ।

दिलबर—(फ) प्रिय, प्यारा, प्रेम
पात्र, मन आरुण्ट कर लेने
वाला ।

दिलधरी—(फ) प्रेम साधता, माशूर
पन ।

दिल बस्तगी—(फ) मन परलाय,
मनारुजन, मन का किसी ओर
लगाना ।

दिल बस्ता—(फ) जिसका मन किसी में लगा हो, प्रेमी ।

दिल बाज—(फ) निभय, साहसी, चालाक ।

दिल बाजी—(फ) अपने आप को निभयना पूर्वक सकट में डालना ।

दिल रुवा—(फ) हृदय को आकृष्ट करने वाला, प्यारा, प्रेमपात्र ।

दिल रुवाई—(फ) प्रेम, प्यार, आकर्षण, मोहकता ।

दिल शय—(फ) अर्धरात्रि, आधी रात ।

दिलशाद—(फ) प्रफुल्लित, प्रसन्न, आनन्दित ।

दिल शिकनी—(फ) किसी का निराश या दुखी करना, किसी का दिल तोड़ना ।

दिल शिकस्ता—(फ) जो निराश हो गया हो, जिसका दिल टूट गया हो, हताश, खिन्न, दुखी ।

दिल सोझ—(फ) हृदय द्रावक, कण्ठ, मन में वरुणा उत्पन्न करने वाला, दयालु, हृत्पालु, सहानुभूति रखने वाला ।

दिल्ला—(फ) दिल के उबोधन का रूप, हे मन ।

दिल्लारा—(फ) हृदय को आनन्दित

करने वाला, प्रेमपात्र, माशूक ।

दिल्लाराम—(फ) दिल को आराम देने वाला, प्यारा, प्रेमपात्र, माशूक ।

दिल्लार—(फ) साहसी, उत्साही, वीर, बहादुर ।

दिल्लारही—(फ) साहस, उत्साह, वीरता, बहादुरी

दिल्ला बेज—(फ) हृदय को झञ्झा लगने वाला, मन-भावन ।

दिल्लासा—(फ) तसल्ली, सात्त्वना, दादस ।

दिल्ली—(फ) दिल सम्बन्धी, हृदय का, अति घनिष्ठ ।

दिल्लेर—(फ) मनबला, साहसी, बहादुर ।

दिल्लेराना—(फ) साहसिक, वीरचित, बहादुरों का-वा ।

दिल्लेरी—(फ) साहस, धीरता, बहादुरी ।

दिल्लगी—(मि) मन लगाने का काम, विनोद, ठट्ठा, मखौल, हँसी, मजाक, मनोविनोद या हँसने हँसाने की बात ।

दिल्लगी उझाना=उझान करना ।

दिल्लगी बाज(मि०) हँसोड़, मसखरा, दिल्लगी करने वाला ।

दिल्लगी बाजी—(मि) दिल्लगी ।

दिदिश—(फ) दान, ख़ैरात ।

दीगर—(फ) देखो “दिगर”

दीद—(फ) देखना, दर्शन, देना ।

दधान—(फ) जासूस, गुप्तचर, निरीक्षक, बन्दूक की नाल पर रना हुआ वह छेद जिसमें देख कर लक्ष्यपर निशाना साधते हैं ।

दीदा—(फ) आँख, नेत्र, दृष्टि, निगाह, नज़र, साहस, अनुचेत ।

दीदा लगना या लचना=किसी काम में मन लगाना ।

दीदे निकालना=कोर पूर्ण दृष्टि से देखना ।

दीदे फाड़ना=चीकने होकर देगना, संदेह की दृष्टि से देखना ।

दीदे मटकाना=निर्लज्जता पूर्वक आँखें चमकाना ।

दीदार—(फ) देखा देखी, छात्राकार, दर्शन, मुँह, चेहरा ।

दीदार घाज—(फ) सौन्दर्य-दर्शक, आँखें लड़ाने वाला ।

दीदार घाजी—(फ) आँखें लड़ाना, ताक भौंक करना, परस्पर देखना ।

दीदारु—(फ) दशन य, देखने योग्य, सुन्दर, रुखान ।

दीदा रेजी—(फ) वह बारीक काम जिसके करने में आँखों पर बहुत ध्यान पड़े ।

दीदा व दानिस्ता—(फ) जानबूझ कर, देख और समझकर ।

दीन—(अ) सम्प्रदाय, मत, मज़हब, धर्म ।

दीन दार—(मि०) अपने ज़बहम या धर्मपर विश्वास रखने वाला, धर्मनिष्ठ ।

दीन दारी—(मि०) धार्मिकता, धर्म निष्ठा, धार्मिक विश्वास, मज़हब की आशाओं का पालन ।

दीन दुनिया—(अ) लोक उरनोक ।

दीनार—(अ) एक सिक्का ।

दीनारसुर्त—(फ) सोने का सिक्का, स्वर्ण मुद्रा, मोहर ।

दीनी—(अ) मज़हब या धर्म सम्प्रदाय, धार्मिक, धर्मनिष्ठ ।

दीबाधा—(फ) भूमिका, प्राफयन, प्रस्तावना, मूकरीठिका ।

दीबाजा—(मि०) देखो “दीबाचा”

दीयत—(अ) वह धन जो दया करने वाले से निहत्त वे घर वालों को दिलाया जाय ।

दीवान—(अ) राज सभा, बचहरी, न्यायालय, राजा के बैठने का स्थान, राज्य का प्रबन्ध करने वाला, मंत्री, वज़ीर, मन्त्रियों का संग्रह ।

दीवान आम—(अ) वह राज दर

बार जिसमें सब साधारण सम्मिलित हो सकें, सर्वविधित दरबार, वह स्थान जहाँ सर्वविधित दरबार लगता हो ।

दीवान खाना—(मि०) मकान का वह भाग जहाँ पुरुष बैठते हैं, बैठक ।

दीवान खास—(अ) वह राज-दरबार जिसमें मन्त्री आदि विशेष व्यक्ति ही सम्मिलित हो सकें । वह स्थान जहाँ ऐसा दरबार लगता हो ।

दीवानगी—(फ) पागलपन, विवि-सता, उन्माद ।

दीवाना—(फ) पागल, विवि-सत, उन्मत्त, सिढ़ी ।

दीवानी—(फ) वह न्यायालय जहाँ लेन देन सम्बन्धी झगड़े निबटाए जाते हैं । दीवान का पद, पागल छी ।

दीवार—(फ) भीत, भित्ति, मिट्टी या ईट-पत्थरों से बनाया हुआ ऊँचा परदा ।

दीवार कूह कूहा—(अ) एक कल्पित दीवार जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि इसे सिकन्दर ने बनवाया था और जो आदमी इस पर चढ़ता है, उसे इतने

और फी हँसी आती है कि यह हँसते हँसते मर जाता है । चीन देश की विश्व विख्यात दीवार ।

दीवार गीर—(फ) दीवार में बनाया हुआ दीक रखने का स्थान, दीक ।

दीवार गीरी—(फ) दीवार के आगे शोमा के लिए लटकाया जाने वाला परदा, एक प्रकार का दीक जो दीवार में लगाया जाता है, दीवार पर लगाया हुआ पलस्तर ।

दु—(फ) दो (योगिक शब्दों के आदि में) जैसे—दुचन्द आदि ।

दुआ—(अ) मँगना, प्रार्थना, विनती, आशीर्वाद ।

दुआ करना—प्रार्थना करना ।

दुआ मँगना—आशीर्वाद मागना ।

दुआ देना—आशीर्वाद देना ।

दुआ लगना—आशीर्वाद फलना

दुआइया—(अ) प्रार्थना या आशीर्वाद सम्बन्धी ।

दुआए खैर—(अ) शुभ कामना, भगल-कामना, किसी की भलाई के लिए इश्वर से की गई प्रार्थना ।

दुआए दीलत—(अ) धन धान्य की वृद्धि के लिए इश्वर से की गई

प्रार्थना ।

दुआगो—(मि) शुभ कामना करने वाला, शुभ चिन्तक, किसी की मलाइ के लिए परमात्मा से प्रार्थना करने वाला ।

दुआल—(फ) चमड़ा या चमड़े की पट्टी, चमड़े की वह पट्टी जो घोड़ों की रफाब में लगी रहती है ।

दुआली—(फ) चमड़े की वह पट्टी जो शानगर के पहिये या फहरे और बठई की गुराद खींचने में काम आती है ।

दुई—(फ) दो का भाव, अलगाव, भिन्नता, अपने को ईश्वर से अलग समझना, द्वैत भाव ।

दुकान—(फ) आपण, हाट, वह स्थान जहाँ बेचने के लिये चीजें रखी हैं और लोग आकर वहाँ से खरीदते हैं ।

दुकानचा—(फ) छानी दुकान ।

दुकान बंदाना—दुकान बन्द करना ।

दुकान लगाना—चीजों को विक्री के लिए यथास्थान सजाकर रखना, बहुत सी चीजें इधर-उधर रखेला कर रख लेना ।

दुकान पार—(फ) दुकान पर बैठ कर सींग बेचने वाला, प्रत्येक

काम में अपने फायदे की बात करने वाला, अपनी आमदनी के लिए कोई दोग बनाकर बैठने वाला ।

दुकानदारी—(फ) दुकानदार का काम ।

दुरजान—(अ) धूम्र, धुआँ ।

दुरजानी—(अ) दुलान सम्बन्धी, धुएँ (आग) से चलने वाली ।

दुरख्तर—(फ) लड़की, बेटी ।

दुरख्तरे आफताब—(फ) मदिरा, शराब ।

दुरख्तरे खाना—(फ) कन्या, कुमारी अविवाहिता लड़की ।

दुरख्तरे रज—(फ) अँगूरी शराब ।

दुगाना—(फ) एक साथ मिली हुई दो वस्तुएँ ।

दुचन्—(फ) द्विगुण, दूना, दुगुना ।

दुजहाँ—(फ) लोक और पर लोक ।

दुन्द—(फ) चोर ।

दुन्दी—(फ) चोरी ।

दुन्दीदा—(फ) चोरी सम्बन्धी, चारी का ।

दुप्पदीग निगाह—(फ) लुभी निरी टप्टि, आँखों की निगाह बचाकर देखना ।

दुतार—(फ) एक प्रकार का पाश ।

दुनियावी—(अ) सांसारिक, लौकिक,

दुनिया से सम्बन्ध रखने वाला ।

दुनिया—(श्र) ससार, जगत्, लोक, ससार के आदमी, जनता, ससारी-माया ।

दुनियाई—(श्र) देखो 'दुनियावी'

दुनियादार—(मि०) दुनिया के मायाजाल में फँसा हुआ गृहस्थ, चतुर, व्यवहारकुशल, चतुराई से अपना काम सिद्ध करने वाला ।

दुनियादारी—(मि) दुनिया का माया जाल, ससारी भ्रम, गृहस्थी का जाल, अपना प्रयोजन सिद्ध करने की भाँति, व्यवहार-कुशलता, वनावटी भाँति ।

दुनिया-परस्त—(फ) कृपण, कजूर, धनलोभुष, प्रकृति पुजारी ।

दुनिया साज—(मि०) स्वार्थी, व्यवहार-कुशल, चापलूस, दग से अपना कार्य साधन करने वाला ।

दुनीम—(फ) किसी वस्तु के दो समान भाग ।

दुप्याजा—(फ) वह गोشت जो प्याज ढाल कर पकाया गया हो ।

दुबारा—(फ) दूसरी बार ।

दुबाला—(फ) दुगुना, दूना ।

दुम—(फ) पूँछ, पुच्छ, साथ लगा

रहने वाला या पीछे पीछे फिरने वाला आदमी, किसी काम का अन्तिम थोड़ा सा भाग, पूँछ की तरह पीछे ढँधी रहने वाली कोई चीज ।

दुम दबाकर भागना—डर कर या हिम्मत हार कर चुपके से खिसक जाना ।

दुम हिलाना—चापलूसी करना ।

दुमची—(फ) घोड़े के गाँठे या साज में वह पट्टी या डोरी जो पूँछ में लगाई जाती है ।

दुमदार—(फ) पूँछदार, जिसमें पूँछ के पूँछ के समान कोई वस्तु लगी हो ।

दुम्बल—(फ) बड़ा फोड़ा ।

दुम्ला—(फ) वह मेंढा जिसकी पूँछ बहुत मोटी होती है, साधारण मेंढा, धूर्तता, छल, एक प्रकार का भोजन ।

दुम्बाला—(फ) पूँछ, दुम, पिछला भाग, नाव का पतवार घुमे की वह लकीर जो सुन्दरता के लिए शॉग की कोर में से कानों की श्रोत्र कुछ दूर तक बढ़ा दी जाती है ।

दुर—(श्र) मुक्ता, मोती ।

दुरअफशानी—(फ) माती बन्देरना

सुन्दर और शिक्षा पूर्ण बाते
बहना ।

दुरदगर—(फ) चढ़ई ।

दुरकिश कावियानी—(फ) रेशमी
करड़े की पताका जिस पर जरी
का काम हो रहा हो ।

दुरस्त—(फ) खुदरा, कड़ा, कठोर

दुरुस्त—(फ) ठीक, उचित, निर्दोष,
जो ठीक दशा में हो, जिसमें
टूट फूट या कोई अशुभ दोष
न हो ।

दुरुस्ती—(फ) मरम्मत, सुधार, दोष
दूर करना ।

दुरुद—(फ) मुहम्मद साहब की
स्तुति, शुभ कामना, दुआ ।

दुरेशहवार—(फ) बहुत बड़ा और
उत्तम जाति का मोती ।

दुरे—(अ) बड़ा मोती, (फ) मोती,
कान या नाक में पहनने का
आभूषण जिसमें मोती लगा हो ।

दुरी—(फ) देखो "दिरा"

दुरीनी—(फ) पठानों का एक
किस्का जिसके लोग कानों में
भाती पहनते हैं ।

दुरे यफ़ान—(फ) बड़ा और चमक
दार माती जो एक सी। में
अकेला होता है ।

दुलदुल—(अ) एक चक्के और फाले

रंग की खन्चरी का मिल के
हाकिमा ने मुहम्मद साहब को
भेंट की थी, लोग इसको घोड़ा
समझते हैं और मुहरमों में
उसकी नकल का घाड़ा बनाकर
नकालते हैं ।

दुश—(फ) बुरा ।

दुशखवार—(फ) कठिन, मुश्किल

दुशनाम—(फ) अपमान, गाली,
दुर्वचन कुवाच ।

दुशमन—(फ) शत्रु-वैरी, प्रेम क्षेत्र
का प्रतिद्वंद्वी ।

दुशम्बा—(फ) सोमवार ।

दुशानार—(फ) कठिन, दुःसह, दुःस्थ,
मुश्किल, कष्ट सम्भव ।

दुशानारी—(फ) कठिनता, दुःस्थ,
दिकत, मुश्किल ।

दुशाला—(फ) बढिया ऊनी चादर
(शाल) का जोड़ा ।

दुस्त—(फ) बुरा

दुश्नाम—(फ) देखो "दुश्नाम"

दुश्मन—(फ) देखो "दुश्मन"

दुश्मनी—(फ) वैर, शत्रुता ।

दुहम—(फ) किसी चीज का दसवाँ
भाग ।

दुहरफ—(फ) 'हुन' शब्द से प्रयोजन
है, हुन अरबी का कलमा है,
गुदाने 'हुन' कहा और साथ

ससार बन गया ।

दुकान—(फ) देगो 'दुकान' ।

दूद—(फ) धुँआ, धुप्र, शाक,
दुस ।

दूद मान—(फ) परिवार, वश,
खान्दान ।

दूदे दिल—(फ) दीन निश्वास
गहरी सास, दिल का धुआँ ।

दूध—(फ) परिवार, वश, दीनक का
काजल ।

दूध अहग—(फ) छत म धुआँ
निकलने के लिए मनाया गया
छेद, धाधुआ ।

दूधकश—(फ) धुआँ निकलने की
चिमना ।

दून—(अ) अधम, तुच्छ, नीच,
पृथ्वित, सिवा, अतिरिक्त,
अन्य पगया, थाड़ा, ममीप,
नीचे ।

दूर—(फ) पृथक्, अलग, देश
अधिक अन्तर पर, देश काल
या मन की दृष्टि बहुत अलग ।
निन्द का उलटा ।

दूर कर देना—पृथक् कर देना,
अलग कर देना, हटा देना,
मिग देना ।

दूर की बात—कठिन या असम्भव
बात, जिसके होने की आशा

न हो ।

दूर भागना—उचे रहना, अलग
रहना, पास न जाना ।

दूर होना—अलग होना, मिट जाना,
नष्ट हो जाना ।

दूर अन्देश—(फ) दूर दशी, अग्र-
गोची, बहुत आगे तक की बात
सोचने वाला ।

दूर दराख—(फ) बहुतदूर, अत्यन्त
फासले पर ।

दूर दस्त—(फ) दुगम स्थान, बहुत
दूर जहाँ पहुँचा न जा सके ।

दूर पार—(फ) अलग करो, हटाओ ।
इसर करे यह मुक्त से बहुत
दूर रहे ।

दूरचीन—(फ) दूरदर्शक यन्त्र,
दुरीन ।

दूरी—(फ) दो स्थानों के बीच का
अन्तर, फासला, पृथक्ता,
अलगाव ।

दूहा—(अ) वृत्त, पेड़ ।

देग—(फ) कोई चीज़ पकाने का
बड़े मुँह और बड़े पेट का
उर्तन ।

देगचा—(फ) छाया देग, पत्तीली,
बगलोद ।

देगदान—(फ) चूल्हा ।

देर—(फ) रिलम्ब, नितना चाहिये

उससे अधिक समय । समय,
काल ।

देरपा—(फ) अधिक समय तक
ठहरने वाला, चिरस्थायी,
दृढ़, मजबूत ।

देरी—(फ) देर, विलम्ब ।

देरीना—(फ) प्राचीन, पुराना,
वृद्ध ।

देरीना दोज—(फ) पुगने उपड़ा
के सीने वाला ।

देव—(फ) भूत, जिन्न दैत्य, राक्षस,
हुण्पुण्ड और बलवान
आदमी ।

देवज्जद—(फ) जिस पर भूत या जिन्न
का प्रमान हो,

देवज्जाद—(फ) देवजात, दैव से
उत्पन्न हुआ, हुण्पुण्ड और
बलवान आदमी, मोगताजा
और तंज चलने वाला घोड़ा ।

देवदार—(फ) एक प्रकार की
सुगन्धित लकड़ी जो पहाड़ों पर
पैदा होती है, देयगार ।

देव मदुम—(फ) घनमानुस ।

देव मार—(फ) बहुत बड़ा और
मोग सर्प, थजगर ।

देव गुरीद—(फ) दुष्ट, धूर्त, भूत
प्रेतादि की पूजा करने वाला,
श्रोमा ।

देवलाज—(फ) भूत या राक्षसों के
रहने की जगह ।

देवसार—(फ) राक्षस या पिशाच
के समान ।

देह—(फ) गाँव, ग्राम, मौजा, देने
वाला (यौगिक शब्दों के अन्त
में) जैसे—तकलीक़देह—
फाट देने वाला ।

देह बन्दी—(फ) गाँवों की सीमा
निश्चित करना, गाँवों के हलका
या मण्डल बनाना ।

देहज्जादा—(फ) उपड़ा हुआ गाँव
नष्ट ग्राम । खेदा ।

देहात—(फ) देह का गृहबन्धन ।

देहाती—(फ) गाँव का, गाँव में
रहने वाला, बिना पढ़ा लिखा
गँवार ।

देन—(अ) श्रृण, कर्ज, देना ।

देनगार—(मि) कर्जदार, श्रृणी,
जिसे किसी का देना हो ।

देजूर—(अ) श्रृंघेरी गत, पोत श्रृप-
कार ।

देयार—(अ) निषासी, रहने वाला ।

देर—(अ) देव-मान्त्रि, यह म्या
जहाँ पूजा के लिए काम मूर्ति
रखती हो ।

देर कुहन—(फ) राक्षस, दुनिया,
जगत् ।

द्वैर मीना—(फ) ग्राकाश ।

द्वैर मुसद्दस—(फ) स सार ।

दोऊ—(फ) तकुआ, तकुली, लोहे की बड़ नोकदार और पतली छड़ जिस पर सूत काता जाता है ।

दो—(फ) एक और एक या एक कम तीन ।

दो एक—बहुत थोड़े ।

दो चार—थोड़े से ।

दोचार होना—मुलाकात होना, मिलना ।

दो दिन का—बहुत थोड़े समय का ।

दो अमला—(मि) जिसपर दो ग्राह-मिया का अधिकार हो ।

दो अमली—(मि) दो आदमियों का शासन, द्वैध शासन, अव्यवस्था । अराजकता ।

दो अस्पा—(फ) वह सिपाही जिसका पास दो घोड़े हों ।

दो आतशा—(फ) दो बार भभके मखौंचा हुआ ।

दो आव—(फ) भूमि का वह भाग जो दो नदियों के बीच में हो ।

दोआना—(फ) दोआव ।

दो आशियाना—(फ) वह तम्बू जिसमें दीच में पदा लगा कर दो कमरे बना लिए गए हों ।

दोऊ दान—(फ) चखा ।

दोकोन—(फ) लोक और परलोक ।

दोँग—(फ) मठा, तम्बू, वह तरल पदार्थ जो जमाए हुए दूध को मथ कर उसमें से लौनी निकाल लेने के पश्चात् गेर रहता है ।

दोँगला—(फ) किसी स्त्री के उत्पत्ति या जार द्वारा उत्पन्न हुआ बेटा । वह प्राणी जिसके मोबाप दो भिन्न जातियाँ के हों ।

दो चन्द—(फ) दुगुना, दूना, द्विगुण ।

दो चोवा—(फ) वह तम्बू जिसमें दो बल्लियाँ लगाई जाती हैं ।

दोज—(फ) सोने वाला, सिलाई का काम करने वाला, मिला हुआ ।

दोजख—(फ) नरक, जहन्नुम, एक प्रकार की घास जिम्की चटाई बनाई जाती है ।

दोजखी—(फ) नारकी, बहुत बड़ा पापी, दोजखवा, दोजख सम्बन्धी ।

दो जगवा—(फ) देखो “दो आतशा” ।

दोजानू—(फ) धुग्ना को निरा कर या धुग्नों के उल बैठना ।

दोजी—(फ) सिलाई, मीने का काम ।

दो तरफा—(फ) दोनों ओर ना, दोनों ओर ।

दोपाया—(फ) दो पैरों वाला ।

दोपारा—(फ) दो भागा में विभक्त,

ने दुकड़े किया हुआ ।

दोप्याजा—(फ) देगो “दुप्याजा” ।

दो फसला—(फ) दोनों फसल काम
आन माला, दोना और काम
देने योग्य, जा दोना तरफ लग
मने ।

दो पाखू—(फ) गिद्ध की जाति का
एक पक्षी, जिस कबूतर के दोनों
पर सफेद हो यह ।

दोषारा—(फ) दूसरी बार ।

दो बाला—(फ) दूना, दुचन्द ।

दो महिला—(फ) यह मरान
जिसके दो सख्त हाँ, दुच्छता ।

दोम—(फ) द्वितीय, दूसरा, पहले
के बाद का, तीसरे के पहला ।

दोमगज—(फ) मादाम, जिसमें दो
भाग निकलें यह ।

दोमूँ—(फ) ग्राँठ, अघेड़, जिससे
नाल कुछ काले कुछ सफेद
हैं ।

दोयम—(फ) देता “दोम” ।

दो रत्ता—(फ) जिसके दाँतों और
एक-सा रंग और एक से बेल
भूटे हैं, जिसके गाना और
मिन्न मिन्न प्रकार के रंग या
बल भूटे हैं ।

दोल—(फ) टोल, कुएँ में पानी
खींचा का बान, धूल, दोस्ती

निर्लज्ज ।

दोलाव—(फ) पानी खाने की
चर्ची, रहट, गिरी ।

दोश—(फ) स्त्रव, कन्या ।

दोशमाल—(फ) सचे पर डालने
का दुपट्टा ।

दाशन्दा—(फ) दुहने माला ।

दोशा—(फ) दूध दुहने का पात्र,
दोहनी, जिसका दूध दुहा जाय ।

दोशारा—(फ) जिसमें दो शाखाएँ
हैं ।

दोशाला—(फ) देखो “दुशाला” ।

दोशीजगी—(फ) कारायन, कुमारी
होने का माव ।

दोशोजा—(फ) कुमारी, लक्ष्मी,
कन्या ।

दो सहन—(फ) भूमि और आराध ।

दोस्त—(फ) प्रिय, स्नेही, मित्र,
प्यारा ।

दोस्त कामो—(फ) शराब का यह
प्याला जिसे मित्र एक दूसरे
को यह यह कर देते हैं कि
शमुर की स्मृति में इने पीयो ।

दोस्तदार—(फ) सक्षानुभूति रखने
वाला, मित्रता रखने वाला ।

दोस्तदारी—(फ) मित्रता, गस्ती,
गणानुभूति ।

दोस्ती—(फ) मित्रता, प्रेम, प्यार,

मैत्री ।

दौर—(फ) गति, गोलाइ, भ्रमण, चक्कर, फेरा, युग, समय, कालचक्र, दिनां का फेर, अभ्युदयरुल, गढती का समय प्रभाव, प्रताप, हुक्मन बार, दफा, नारी, पारी ।

दौर-दौरा—(फ) प्रधानता, आत रु, प्रभाव ।

दौरा—(फ) गति, फिरान, घेरा, घूमना, चक्कर, भ्रमण, यहाँ उहाँ आना जाना, गश्त करना, अधिकारिया का जाँच पडताल के लिए घूमना, समय समय पर आना-जाना, किसी व्यक्ति पर ऐसे रोग का आक्रमण जो ठमे जन-जन होता रहता हो ।

दौरा सपुर्द करना—किसी अपराधी या मरुदमे को सेशन जज के हाथ में निष्पार्थ सौंप देना ।

दौरान—(श्र) युग समय, गति, फेरो, दौरा, समय का फेर ।

दौलत—(श्र) धन, सम्पत्ति ।

दौलत खाना—(मि) किसी के घर या स्थान के लिए आदरार्थ प्रयुक्त किया जाता है ।

दौलत मन्द—(मि) धनी, सम्पत्ति

शाली, सम्पन्न मालदार ।

दौलती—(फ) देखो “दौलत मन्द” ।

न

नग—(फ) लजा, शर्म, कलङ्कित करने वाला, लजाने वाला, प्रतिष्ठा, आदर, सम्मान ।

नग व नामूस—(फ) लान शम, हया शर्म, आदर सम्मान ।

नगे खान्दान—कुल कुलक, पगियार को लजित करने वाला ।

न—(श्र) नहीं, निषेधाचर अव्यय नञ्त्त—(श्र) स्तुति, प्रशंसा, विशेष तथा मुहम्मद साहब की तारीफ ।

नञ्जल—(श्र) जानवरा के पैरों या जूता में लगाने की लोहे की खमदार पत्ती, नाल, जूता की एड़ी, यह जोफ जिसे पहलवान लाग व्यायाम कर्न के लिए उठाते हैं ।

नञ्जरा—(श्र) जय घाप, जाग से चिल्लाना, कष्ट के समय चिल्लाने की आवाज । नारा ।

नञ्जश—(श्र) अरधी, जनाझा, तावूत, मृत देह, लाश, मुर्त, नञ्जरां म सप्तर्षि मण्डल ।

नआमत—(श्र) अप्राप्य चम्पु, अलम्प पदाथ, धन, जीरिका,

स्वादिष्ट भोजन, सुवचन,
दान । नियामा ।

नञ्चाल—(अ) नञ्चाल का बहु
वचन ।

नञ्चाण—(अ) देखा 'नञ्चाण' ।

नईम—(अ) न्वर्ग, बहिस्त लाङ
प्यार, निग्रामत, उपहार या
पारितापिक रूप दी ग वस्तु ।

नऊच—(अ) परमा मा हमारी रक्षा
करे ।

नऊज निल्लाह—(अ) इशर हमारी
रक्षा करे ।

नऊज—(अ) प्रतिज्ञा ताड़ना,
रत्न भग करना ।

नऊद—(अ) गेरुड़ी, क्या पैसा
अशरफी आदि, किसी वस्तु
क थले में तुल्य किया जाने
वाला धन, उधार का उलग,
परव्या, गरा, पका ।

नऊद जान—(मि) जीना मा, रुह ।

नऊद माल—(अ) गरा माल
पटिया मनु ।

नऊनी—(अ) देखा 'नऊद' ।

नऊय—(अ) मैथ, चारी करने के
लिए उर में घुमने का तीपार
म बनाया हुआ यका छद ।
सुरंग ।

नऊयजन—(मि०) नऊय लगाने

वाला, चोर ।

नऊयजनी—(मि०) सैव लगाना ।

नऊयत—(अ) ईदगस्था, गित्ति,
सकट ।

नऊरा—(अ) अनजानपन ।
परिचर न हाना, व्याकरण में
व्यक्ति वाचक सहा ।

नऊल—(अ) प्रतिकृति, एक चीज
का देवकर उगी जैसी दूसरी
तैयार करना, अनुकृति,
अनुसरण, एक स्थान से दूसरे
स्थान पर जाना, लखपुस्तक
आदि की लिपि । किसी के
व्यवहार, वेश भूता या शील
चाल आदि का उरा का यों
अनुसरण, हास्य जनक छान-
मा अभिनय, किसी के बनाव
व्यवहार का हास्यात्मक चित्र
बनाना या अभिनय करना ।
मझौती ।

नऊन नऊस—(मि०) उर मालगी
कमचारी जो अडाली लेखों
की प्रति लिपि करता हा ।

नऊना—(अ) उरन वरके बारा
गया 'मृगी, बारागी, माग,
जाली, नऊनो, दिगारगी ।

नऊने पखाना—(मि०) हास्य
आश व्यंग्य में पना न मार

अथात् साले का कहते हैं ।

नरकल मजहब—(अ) धर्म-परिवर्तन,
एक मजहब छोड़ कर दूसरे
में जाना ।

नरकसीर—(अ) नारक न भीतर की
रुधिर ग्राहिनी नाडियाँ ।
नरकसीर फूटना, नारक से रुधिर
बहना, नकी चलना ।

नरकहत—(अ) मुगल, खुशनु,
महल ।

नरकाव—(अ) वह कपड़ा जिसे
स्त्रियाँ (मुसलमान) मुँह
छिपान के लिए मिर पर में
गल तक डाल लेती हैं, मुँह
अथवा किसी सुन्दर चीज़ को
ढकने का पटा, घुमन, अर
गुणहन ।

नरकावत—(अ) प्रशंसा, सराहना,
गुणगान, नरकीर का काम या
पेशा ।

नरकाय पोश—(मि०) वह आत्मी
जिन्होंने मुँह पर नरकाय डाला
है ।

नकायस—(अ) नकीस का बहु
वचन, बहुत से दाप, उगाड़ियाँ ।

नकलस—(अ) पवित्रता ।

नकाहत—(अ) बीमारी के कारण
उपज हुआ निर्मलता, गैंग

निवृत्ति के ग्राद की कमजोरी ।

नकी—(अ) पवित्र, मिशुद्ध, बहुत
उत्तम ।

नकीज—(अ) ताड़ने वाला, भग
करने वाला, उलटा गिरीत,
मिस्द बैर, शत्रुता, विरोध,
मिटाना, नष्ट करना ।

नकीव—(अ) बुजुर्ग, मुखिया,
सरदार, जा लोग की वेश-
परम्परा जानता हो, विस्दा-
वली खानने वाला, चारण,
भाट, जगा, गन्दीजन ।

नकार—(अ) कब्र में पड़े हुए मुर्दों
में तुम किसके उपासक हो,
पूछने वाले दा फरिश्ता में से
एक का नाम । दूसरे फरिश्ते
का नाम 'मुनरिर' है ।

नकीर—(अ) बहुत छोटा, नहर,
कुल्या ।

नकीह—(अ) वह जिसे नकाहत
हो गइ हो, दुर्बल, कमजोर,
दुबला ।

नकू—(अ) 'नरक' का बहुवचन ।

नकूल—(अ) नरकल का बहुवचन,
बहुत सी नरकल ।

नकूश—(अ) नरका का बहुवचन ।

नका—(अ) गंगा-प्रयोग सिफा
आदि पगने वाला, फरिया,

पारसी, आलोचक, परीक्षक ।

नकारखाना—(श्र) नद स्थान
जहाँ पर नकारा बजता हो,
नोटखाना, नकारखाने में
तूती की गाराङ्ग—नदें बड़े
लागा के बीच में किसी सागरण
आत्मी की गत ।

नकारची—(फ) नगाड़ा बजाने
वाला उफाली ।

नकारा—फ) नगाड़ा, दुन्दुभि,
नीरत ।

नकाल—(श्र) नकल करने वाला,
भोंड़ बहुलिया ।

नकाली—(श्र) भोंड़पना, भड़ैती,
नकल करने का काम ।

नकाश—(श्र) चिनेरा, नकाशी
करने वाला ।

नकाशी—(श्र) चीतना, धातु या
लकड़ी की चीज़ा पर साँट कर
बेलगुटे बनाना—धातु आदि
की चीज़ा पर सौंदर्य बनाए
गए फूल पत्ते ।

नकाशीदार—(मि) वह निग पर
नकाशी का काम हो रहा
हो ।

नक़ज—(श्र) भंग करना, ताड़ना,
विच्छेद करना ।

नक़ने अदद—(श्र) प्रतिगा तोड़ना,

वचन भंग करना ।

नक़ट—(श्र) देखो “नक़ट”

नक़ल—(श्र) देखा “नक़ल” ।

नक़श—श्र) चिह्न, निशान, श्रग
प्रत्यंग सी बनाए, लक्षण,
लिख कर या साँट रंग बनाए
हुए बेलगुटे, छाप, मुहर, वह
जब या मंत्र जा किसी इष्ट
सिद्धि के लिए कागज़ पर
लिखकर पढ़े या गल में रंधा
जाता है । ताशीन, जादू ।

नक़श व दीवार—(मि०) आभूषण
चित्र, स्तम्भित, चित्र लिले
समान ।

नक़शा—(फ) मात चित्र, खाका,
रेखाशा द्वारा बनाया गया
किसी वस्तु या स्थान का
ढाँचा, आकृति, निग प्रति
कृति, नमूना, शाल, रंग रंग,
चाल गाल, तज़, रशा,
श्ररस्था ।

नक़शा नवोम—(मि०) नक़शे बनाए
वाला ।

नक़शी—श्र) बेलगुटे गार, नकाशी-
गार ।

नक़शी नक़शान—(फ) ५११
“नक़शी” ।

नक़शे आय—(मि०) गुना नक़

हो जाने वाला, अस्थायी, पानी
पर उनाइ गइ रेखा या तमगीर
जो तुरन्त मिट जाती है ।

नक्शे गुज़ारिश—(फ) उर्णन करने
योग्य कहानी ।

नक्शे दिल—(फ) हृदयाङ्कित, वह
बात जो दिल में बैठ गई हो,
विश्वास ।

नख—(फ) पत ग उड़ाने की डोर,
रील ।

नखचीर—(फ) शिकार करना,
शिकार खेलने की जगह । शिकार
किया हुआ जानवर, वे हिरन
आदि जानवर जिनका शिकार
किया जाता है ।

नखचीर गाह—(फ) शिकार खेलने
की जगह, आखेट स्थल ।

नखरा—(फ) चांचला, बुलबुला
पन, वह चंचलता जो प्रिय
को रिझाने के लिए निराइ
जाती है । हाव भाव ।

नखरा तिल्ला—(मि०) चांचला,
बुलबुलापन, जगानी के हाव
भाव ।

नखरेबाज—(फ) नखरे करन
वाला ।

नखरे बाजी—(फ) नखरे कग्ना,

चञ्चलना या चोंचले निराना ।

नखल—(अ) वृक्ष पेड़, खजूर या
छुहारे का पेड़, आग छानना ।

नखवत—(फ) घमण्ड, अभिमान
उद्वपन, शेखी ।

नखाला—(अ) भुसी छिलका ।

नखास—(अ) वह बाजार जहाँ पर
पशुआं अथवा पत्ता का नय-
प्रिक्रय होता है ।

नखाम वाली—वेश्या, रङ्गी ।

नखुस्त—(फ) प्रधान, प्रारम्भ ।

नखुट—(फ) चना, चणक ।

नख्खास—(अ) देखो “नखास”

नखल—(अ) देखो “नखल” ।

नखल बन्द—(फ) नाली, नागधान—
कागज या मोम के फूल पत्ते
उनाने वाला ।

नखिलस्तान—(मि) गङ्गा का
जगल, खजूर या छुहारे के
वृक्षों का वन ।

नखल तावूत—(मि) किसी रूढ़ की
अरथी को फूल पत्ता सजाना ।

नखले तूर—(अ) तूर नामक पदार्थ
पर का वह वृक्ष जिसके नीचे
हज़रत मूसा का शान ज्योति
दिखाई दी थी ।

नखले मरियम—(अ) खजूर का

एक सूत्रा वृत्त, कहते हैं मरियम प्रसन्न पीड़ा से व्यथित होकर उक्त सूत्रे स्वतः वृत्त क नीचे पहुँची और उद्देशने उस वृत्त को दृ दिया जिससे वह तुरन्त हरा भरा हो गया ।

नरने मातम—(मि) दखा “नखने तात” ।

नरा—(क) यह मूलशब्द न रात्रि जा किसी आभूषण में जड़ा है, नगीना, सरया, गणना, ठीक चिपका हुआ ।

नरामा—(अ) गीत, गग, गान, मुगीनी आवाज मधुर स्वर ।

नराहन—(क) मुगल, मुँह से पुगध ।

नगी नगीना—(क) डगा “नग” ।

नगीन प्यादा—(क) यह नग जो आभूषण में जड़ा न हो ।

नगीन सार—(क) यह नग जो आभूषण में जड़ा है ।

नगीनासाज—(क) नगीना बनाने या नङने वाला, जड़िया ।

नज्ज—(अ) बढ़िया, श्रेष्ठ, उत्तम ।

नज्जरु—(अ) अति उत्तम पदार्थ, बहुत बढ़िया चीज़, आम का फल ।

नज्म—(अ) श्रेष्ठा “नजमा” ।

नज्मात—(अ) नम का बहुवचन ।

नज्मा मरा—(मि) गवैया, गायक, गाने वाला, जिसका स्वर बहुत मीठा हो ।

नज्मा मराई—(मि०) गाना, अलापना ।

नज्मा सज्ज—(मि०) गान विद्या का जानकारी, गाने को समझने वाला ।

नज्मा मज्जी—(मि) गान विद्या की जानकारी, गायन को समझना ।

नज्जअ—(अ) अन्विम शराब लेना, नम ताड़ना ।

नज्जद—(अ) निक्क, समीर पास करीब ।

नज्जनीक—(अ) निक्क, पास, समीर, करीब ।

नज्जदीका (अ) पास का, समीरस्थ समीस्ता समीप्य, निकटता ।

नज्जत—(अ) ऊँचा टीना, अरब का एक नगर सिरो ।

नज्जम—(अ) नज्ज तारे छत्र, बेन ।

नज्जस—(अ) मोनियों का पाले में गिराना, पग रचना, कसिता ।

नज्जग—(अ) भेट, उद्देश, निगद, दृष्टि, दृग, भाव, हुआ दृष्टि देख-भाल, निगरानी, प्यास, दूँदान, पगद दृष्टि का यह नज्ज प्रभाव

जिसके किसी वस्तु पर पढ़नेसे वह वस्तु विकृत हो जाती है ।

नज़र आना—दीखना, दिखाइ देना ।

नज़र उतारना—नज़र के बुरे प्रभाव को झाड़-फूँक में दूर करना ।

नज़र पर चढ़ाना—मन आजाना, पसन्द आ जाना ।

नज़र पड़ना—दिखाइ पड़ना, दीखना ।

नज़र बाँधना—मन्त्र या जादू के प्रभाव से अश्रुत कर्तव्य कर दिखाना ।

नज़र लगना—(मि) पर बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना ।

नज़र अन्दाज़—(मि०) जिस पर निगाह न पड़ी हो, निगाह से बचा या छिया हुआ । नज़र से गिरा हुआ, उपेक्षित ।

नज़रगाह—(मि) रगभूमि, रग-शाला ।

नज़र गुज़र—(मि) बुरी निगाह, कुदृष्टि ।

नज़र तग—(फ) कलूस, कृष्ण, मन्खी चूस ।

नज़र धन्द—(मि) वह कैदी जो नज़र से अलग न होने पावे, वह व्यक्ति जो सज़ा निगरानी

में ऐसी जगह रक्खा जाय जहाँ से कहीं दूसरी जगह न जा सके । जादूगर, ग़ाज़ीगर ।

नज़र बन्दी—(मि०) वह सज़ा जिसमें मनुष्य को किसी मुरजित स्थान में रक्खा जाता है । जादूगरी, ग़ाज़ीगरी ।

नज़र बाग—(थ) महल या मकान के सामने का बाग, वह बाग जो मकान में से बँटे पैसे दिखाई देवे ।

नज़र बाज़—(मि) देखने का आनन्द लेने वाला, तेज़ नज़र वाला, ताड़ने वाला, चालाक, आँखें या नज़र लड़ाने वाला ।

नज़र सानी—(थ) किसी देखी हुई चीज़ को जाँचने के विचार से दुबारा देखना ।

नज़राना—(मि) भेंग, उपहार, नज़र की हुई वस्तु बुरी दृष्टि लगाना, बुरी नज़र के प्रभाव में आना । नज़र लगाना ।

नज़ाला—(थ) मनुष्य का बीर्य, एक प्रकार का रोग जिसमें शिर का पिपेला पानी बालों, दाढ़ों आँखों बाल आदि की नसा में भर कर उन्हें खराब कर देता है । सर्पिं वृक्षम ।

एक सूखा वृक्ष, रहते हैं मरियम
प्रसन्न पीड़ा से व्यथित होकर
उक्त सूखे राजूर वृक्ष के नीचे
पहुँचीं और उन्होंने उस वृक्ष को
टूट लिया जिससे वह तुरन्त हरा
मरा हो गया ।

नगने मातम—(मि) देखा “नखन
साइत” ।

नग—(फ) वह मूल्यवान् रत्न आदि
जो किसी आभूषण में जड़ा हो,
नगीना, सख्या, गणना, ठीक
चिपटा हुआ ।

नगमा—(श्र) गीत, राग, गान,
सुरीली या राज मधुर स्वर ।

नगहत—(फ) सुगन्ध, मुँह की
गुशर ।

नगी नगीना—(फ) देखो “नग” ।

नगीन प्रादा—(फ) यह नग जो
आभूषण में जड़ा न हो ।

नगीन सवार—(फ) वह नग जो
आभूषण में जड़ा हो ।

नगीनासाज—(फ) नगीना बनाने
वा जड़ने वाला, जड़िया ।

नगज—(श्र) बढ़िया, श्रेष्ठ, उत्तम ।

नगजक—(श्र) अति उत्तम पदार्थ,
बहुत बढ़िया चीज़, आम का
फल ।

नगम—(श्र) देखो “नगमा” ।

नगमात—(श्र) नगम का बहुवचन ।

नगमा सरा—(मि) गवैया, गायक,
गाने वाला, जिसका स्वर बहुत
मीठा हो ।

नगमा सराई—(मि०) गाना, अलान-
पना ।

नगमा सज—(मि०) गान विद्या का
जानकार, गाने को समझने
वाला ।

नगमा सजो—(मि) गान विद्या की
जानकारी, गायन को समझना ।

नगम—(श्र) अग्निम श्वास लेना,
रम ताड़ना ।

नजद—(फ) निकट, समीप, पास,
करीब ।

नजदीक—(फ) निकट, पास, समीप,
करीब ।

नजदीका (फ) पास का, समीपस्थ
समीपता, सामीप्य, निर्दिष्टता ।

नजर—(श्र) ऊँचा गीला, शराब
का एक नगर विशेष ।

नजम—(श्र) नज्म, तारे लगा, बेन ।

नजम—(श्र) मौतियों का धागे में
बिरोना, पद्य रचना, कविता ।

नजर—(श्र) मेद, उमहार, निगद,
दृष्टि, दया भाव, कृपा दृष्टि, देख-
माल, निगगनी, ध्यान, पहुँचान,
परस्पर, दृष्टि का वह बुद्धि प्रभाव

जिसके किसी वस्तु पर पड़नेसे वह वस्तु विकृत हो जाती है ।

नज़र आना—दीखना, दिखाइ देना ।

नज़र उतारना—नज़र के बुरे प्रभाव को फाड़-भूँक से दूर करना ।

नज़र पर चढ़ाना—मन आजाना, पसन्द आ जाना ।

नज़र पड़ना—दिखाइ पड़ना, दीखना ।

नज़र बाँधना—मन या जादू के प्रभाव से अश्रुत कर्तव्य कर दिखाना ।

नज़र लगाना—किसी पर बुरी दृष्टि का प्रभाव पड़ना ।

नज़र अन्दाज़—(मि०) जिस पर निगाह न पड़ी हो निगाह से बचना या छिपा हुआ । नज़र से गिरा हुआ, उपेक्षित ।

नज़रगाह—(मि) रंगभूमि, रंग शाला ।

नज़र गुज़र—(मि) बुरी निगाह, कुदृष्टि ।

नज़र तग—(फ) कन्ध, कृष्ण, मखली चूल्हा ।

नज़र बन्द—(मि) वह कैदी जो नज़र से अलग न होने पावे, वह व्यक्ति जो कड़ी निगरानी

में ऐसी जगह रक्खा जाय जहाँ से कहीं दूसरी जगह न जा सके ।

जादूगर, माज़ीगर ।

नज़र बन्दी—(मि०) वह सज़ा जिसमें मनुष्य को किसी मुग़लत स्थान में रक्खा जाता है ।

जादूगरी, माज़ीगरी ।

नज़र बाग—(श्र) महल या मकान के सामने का बाग, वह बाग़ जो मकान में से बैठे बैठे दिखाई देवे ।

नज़र बाज़—(मि) देखने का आनन्द लेने वाला, तेज़ नज़र वाला, ताड़ने वाला, चालाक, शर्माँ या नज़र लड़ाने वाला ।

नज़र सानी—(श्र) किसी देखी हुई चीज़ का जाँचने के विचार-से दुबारा देखना ।

नज़राना—(मि) भेंट, उपहार, नज़र की हुई वस्तु बुरी दृष्टि लगाना, बुरी नज़र के प्रभाव में आना । नज़र लगाना ।

नज़ला—(श्र) मनुष्य का बीय, एक प्रकार का रोग जिसमें शिर का शिथिला पानी बाला, दातों आदि का नाश आदि की नशा में मग्न कर उन्हें खराब कर देता है । सर्पिं बुझा ।

नजला बन्द—(मि) एक आपधि में
मिगोया हुआ पाया जो नजला
गेरुने के लिए कनपटी पर
लगाया जाता है। सोने के
नक्क का गोल टुकड़ा जिसे
स्त्रियाँ शोभा के लिए कनपटी
पर चिपका लेती हैं।

नजस—(श्र) अपवित्रता, गन्दापन।

नजहत—(श्र) निष्पापता, पवित्रता।

नजाकत—(फ) सामलता, सुकु
मारता।

नजात—(श्र) छुटकारा, मुक्ति,
रिहाई।

नजाद—(फ) खान्दान पश,
परिवार मूल, जड़।

नजाफत—(ग) पवित्रता।

नजायत—(श्र) सजनता, कुलीनता,
धुनुगी।

नजायर—(श्र) नजीर का बहु-
वचन।

नज्दार—(फ) निर्मल दलित, दरिद्र,
कमाल, गरीब, निर्बल, दुगला।

नज्जारत—(श्र) निरीक्षण करना,
देखना, निगरानी रखना,
स्त्रा, देखभाल, नाज़िर का
पद या दफ्तर, मय-डर।

नजारा—(श्र) लकड़ी का छोड़ना।

नाजरा—(श्र) दृश्य, निगाह, नज़र,

किमी को प्रेम की दृष्टि से
देखना।

नजारा बाज़ी—(मि०) किमी का
प्रेम दृष्टि से देखना, नजारा
लडाना।

नजासत—(श्र) अपवित्रता, गन्दी
मैलापन।

नजिस—(श्र) अपवित्र, गन्दा,
मैला, अशुद्ध।

नजिस-उल एन—(श्र) वह जो कभी
परिवर्त हो सके, सदा अपवित्र
रहने वाला।

नजीद—(श्र) नीर, माहसी, उत्साही।

नजीब—(श्र) सजन, शिष्ट, भला,
कुलीन, अच्छे खान्दान का
सैनिक सिपाही।

नजीब-उल-तरफैन—(श्र) वह व्यक्ति
जिसके माता पिता दोनों ही
उत्तम कुल के हों।

नजीर—(श्र) उदाहरण, मिशाल,
दृग्गन्त, उपमा, सदृश, दशान
वाला, एक पैगम्बर का नाम।

नजूम—(श्र) नज्म (तारा) का
बहुवचन, बहुत से तारे, नज्म
तारा मंडल।

नज्मी—(श्र) ज्योतिषी, तारा और
नज्मा की गति-विधि जानने
वाला।

नजूल—(फ) सेवा के पड़ाव की जगह, (य) उतरना, आकर उमस्थित होना, नगर की वह भूमि जिस पर सरकार का कब्जा हो। वे रोग जो नजला का पानी उतरने के कारण हुए हैं, जैसे पलित मोतिया बिन्द, शरद बुद्धि आदि।

नज्जार—(अ) नदई, लकड़ी की बीजे बनाने वाला।

नज्जार—(य) द्रष्टा, दर्शक, निरीक्षक, आँखें लड़ाने वाला।

नज्जारगी—(य) देखना, दर्शन करना, आँखें लड़ाना, तारु भाँक, दीदार बाज़ी।

नज्जारा—(अ) देगो 'नजारा'।

नज्जारी—(अ) नदई गीरी, नदई का काम।

नज्ज—(अ) ऊँचा टीला, बाँगर जमीन अथवा देश का एक नगर विशेष।

नज्म—(अ) तारा, सितारा, नक्षत्र।

नज्म—(अ) देगो "नज्म"

नज्म-ल-हिन्द—(अ) सितारे हिन्द, भारत का सितारा।

नज्मी नख्ख—(अ) प्रपञ्च, व्यवस्था।

नज्मी निस्क—(अ) प्रपञ्च, व्यवस्था।

नताइज—(अ) नतीजा का यह

वचन, परिणाम, फल।

नताफ़—(अ) पटुका, फैंटा, कमर-बन्द।

नतीजा—(अ) परिणाम, फल, उद्देश्य, अभिप्राय, उच्चा, तराशा हुआ।

नदक—(अ) रुई धुनना।

नदब—(अ) नूया, धाव का चिह्न, गूथ, मृत व्यक्ति के लिए शोक और उसके गुणों का वर्णन करना।

नदम—(अ) लज्जित होना।

नदमत—(अ) लज्जा, पश्चात्ताप, शर्मिंदगी।

नदारद—(फ) अभाव जो मौजूद न हो, लुप्त, गायब।

नदोदा—(फ) जिसने कमी देखा न हो, लोलुप, इच्छुक, लोभी, अनदला, रिना देखा हुआ, नज़र लगाने वाला।

नदोफ़—(अ) धुनी हुई रुई।

नदीम—(अ) मित्र, मिलापी, साथी, सहचर, लज्जित शर्मिन्दा।

नदोर—(अ) शकेला।

नदापत—(अ) तरी, नमी, सीजन।

नदाफ़—(अ) रुई धुनने वाला, धुनिया, मढ़ेर।

नदाफ्री—(अ) धुनिये का काम,

रुई धुनना ।

नफअ—(अ) लाम, फायदा, व्यापार से होने वाली आय ।

नफक़ा—(अ) खाने पीने का खर्च, भरण-पोषण में होने वाला व्यय । अन्न-वस्त्र ।

नफ़ज़—(अ) किसी चीज़ का जारी होना, प्रचलित होना ।

नफर—(अ) नौकर, ठाठ, चाकर, सेवक एक आदमी, एक व्यक्ति ।

नफरत—(अ) घिन, घृणा ।

नफरत आमेल—(अ) घृणोत्पादक जिसे देख कर घिटा पड़ा है ।

नफरी—(फ) अभिशाप, बुरी दुआ, धिक्कार, लानत ।

नफरी—(फ) मजदूर का एक दिन का काम, एक दिन की मजदूरी मजदूरी का एक दिन ।

नफ़ल—(अ) कर्तव्य से अतिरिक्त ईश्वर प्रार्थना, रह मजन पूजन जो किसी विशेष फल की कामना से किया जाय ।

नफ़्स—(अ) दम, श्वास, साँस, प्राण जीवात्मा, फल क्षण । पुरुष का जननेन्द्रिय, वास्तविकत्व, सत्ता, अस्तित्व, कामवासना, पुस्तक का अम्ली

पाठ, ग्रन्थ में वर्णित विषय ।

नफ़स अम्भारा—(अ) सासारिक भोग विलास, इन्द्रियाँ फ विषय, इन्द्रिय विषयों की शोष प्रवृत्ति ।

नफ़स नवाती—(अ) वनद्वारियों की आत्मा ।

नफ़स परवर—(मि०) मनोहर, हृदयाल्हादक, मन को प्रसन्न करने वाला, इन्द्रियलोलुप, इन्द्रियों का दास, अजितेन्द्रिय ।

नफ़सानियत—(अ) बेचल अपन शरीर की चिन्ता, स्वार्थ, हठ धर्मी, स्वाधपरता, अभिमान, घमण्ड ।

नफ़सानी—(अ) भोग विलास सम्बन्धी ।

नफ़सी—(अ) निजी, व्यक्तिगत, अपना, आत्मीय ।

नफ़से वापसी—(मि०) अन्तिम, श्वास ।

नफ़्ठ—(अ) मुगन्ध, गुच्छर महक ।

नफ़ा—(अ) देखो “नफअ”

नफ़ाज—(अ) प्रचलित होना, जारी होना, व्यवहार में आना, एक वस्तु का दूसरी वस्तु में होकर पार जाना ।

नफ़ायस—(अ) नफ़ीस का बहु
वचन, बहुत सी उत्तमोत्तम
वस्तुएँ ।

नफ़ास—(अ) वह रुज़िर् जा उश्वा
होने के पश्चात् कइ दिनों तक
स्त्रियों की जननेन्द्रिय से ग़हा
करता है । नाल, ज़रायु ।

नफ़ासत—(अ) श्रेष्ठता, उत्तमता,
उम्दगी, स्वच्छता, सुन्दरता,
प्रसूति होना ।

नफ़ी—(अ) दूर करना, अलग
करना, नगर या देश से
निकालना, अभाव, न होना,
अस्वीकृति, इनकार, गणित में
घटाना ।

नफ़ी में जवाब देना—इनकार कर
देना ।

नफ़ीर—(अ) घृणा करने वाला,
परिवाद करना, पुकारना,
चिखाना, रोना, नफ़ीरी नामक
बाजा ।

नफ़ीरी—(अ) तुरही, एक राजा
विशेष ।

नफ़ीस—(अ) उत्तम, उत्कृष्ट,
स्वच्छ, सुन्दर उम्दा ।

नफ़ीसा—(फ) देखा “नफ़ीस” ।

नफ़ूम—(अ) प्राण, श्वाण, जान,
जीव, नफ़स या ग़ुलुचन ।

नफ़का—(अ) देखो “नफ़का” ।

नफ़काअ—(अ) बहुत अधिक लाभ
पहुँचाने वाला ।

नफ़कार—(अ) घृणा करने वाला ।

नफ़स—(अ) देखो नफ़स”

नफ़स उल अमर—(अ) वस्तुतः,
वास्तव में, सच तो यह है
कि ।

नफ़स कुश—(मि०) इन्द्रियों का
दमन करने वाला समयी,
जितेन्द्रिय ।

नफ़म परस्त—(मि०) इन्द्रियों
का दास, इन्द्रियों के तृप्त
रहने वाला, असमयी इन्द्रिय
लोलुप ।

नफ़सा नफ़सी—(अ) आत्म चिन्ता,
आपाधापी, स्वार्थ-परता ।

नफ़से अम्मारा—(अ) देखो “नफ़स
अम्मारा”

नफ़से नफ़ीम—(अ) महान्
व्यक्तित्व, सुन्दर और शुभ
व्यक्तित्व ।

नफ़से नवाती—(अ) देखा “नफ़स
नवाती” ।

नफ़से नातिका—(अ) अन्यन्त प्रिय
व्यक्ति, अत्यधिक विश्वासपात्र,
प्राण, आत्मा, जीव ।

नफ़से बहीमी—(अ) दंगो “नफ़स

नमाज़े इस्तका—(मि) वह विशेष नमाज़ जो अनावृष्टि के समय वर्षा होने के उद्देश्य से पढ़ी जाय।

नमाज़े कुसूक—(मि) सूर्य ग्रहण होने के समय पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज़ खुसूक—(मि) चन्द्र ग्रहण होने के समय पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज़ जनाज़ा—(मि) किसी मृत व्यक्ति की अरथी के समीप खड़े होकर पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमाज़ पजगान—(फ) नैतिक पाँच समय की नमाज़।

नमाज़े पेशी—(फ) प्रातःकाल की पहली नमाज़।

नमाज़े जैयत—(फ) मृत की अरथी के समीप पढ़ी जाने वाली नमाज़।

नमिश—(फ) विशेष विधि से तैयार किये गए दूध के माग।

नमी—(फ) तरी, गीलापन आर्द्रता, सील।

नमू—(अ) बाढ़, वृद्धि, वनस्पति।

नमूद—(फ) निवृत्तता, उन्मत्त होना, प्रकट होना, सत्ता, अस्तित्व,

प्रसिद्धि, ख्याति, चिह्न, ठाठ बाट, शान-शौकत, धमक, अभिमान, शेखी, उमरना उचना।

नमूदार—(फ) प्रकट, उदित, सामने आया।

नमूना—(फ) बानगी, ढाँचा, खाका, कोई अधिक चीज़ बनाने से पहले थोड़ी सी तैयार करना।

नमूम—(अ) चुगली खाने वाला चुगलखोर, पिशुन।

नम्द—(फ) ऊन को जमाकर बनाया गया मोटा कपड़ा या कम्मल।

नम्द कोश—(फ) नम्दा पहनने वाला।

नम्द खीन—(फ) नम्दे का यह टुकड़ा जो खीन के नीचे थोड़े की पीठ पर डाला जाता है।

नम्दा—(फ) देखो 'नम्द'।

नयस्नौ—(फ) नरखलों का जंगल।

नर—(फ) पुरुष जाति का कोई भी प्राणी।

नरगा—(य०) किसी जानवर का शिकार करने के लिए आदमियाँ को चारों ओर खड़ा कर के बनाया गया घरा, मुण्ड, समूद, समुदाय। विपत्ति संकट, कठिनाई।

नरगाव—(फ) तैल, सौंझ, त्रिजार ।

नरगिस—(फ) कटोरी के आकार का एक सुन्दर पुष्प, जिससे उर्दू के कवि आँखों की उपमा दिया करते हैं ।

नरगिसी—(फ) नरगिस सम्बन्धी नरगिस के फूल जैसी, एक प्रकार का तला हुआ अडा, एक प्रकार का कपड़ा ।

नरगिसे वीमार—(फ) प्रेमिका की मदभरी आँखें ।

नरगिसे शहला—(फ) नरगिस का वह फूल जिसका मध्यभाग काला होत है, इसीसे आँखों की उपमा दी जाती है ।

नरम—(फ) मुलायम, गुदगुदा, कोमल, मृदु, लचकदार, दयालु स्वभाव का, मन्दा, धीमा, आलसी, मुस्त, पुरुषार्थहीन ।

नरम आह्नी—(फ) नम्रता, विनय ।

नरमा—(फ) एक प्रकार की कपास जिसके रेशे लम्बे और मुलायम होते हैं, फोकरी रंग की कपास, राम कपास, कान के नीचे का भाग, और एक प्रकार का रंगीन और चमकदार कपड़ा ।

नरमी—(फ) नरमाई, नरम होने का भाव ।

नरमेश—(फ) मेंढ़ा, भेड़ा ।

नरी—(फ) बकरी, नररा या भेड़ का रंगा हुआ चमड़ा जिसके जूते बनाए जाते हैं ।

नरीना—(फ) पुल्लिंग या पुरुष जाति का ।

नरीमान—(फ) रस्तम पहलवान के दादा का नाम ।

नर्गिस—(फ) देखो “नरगिस”

नर्जिस—(मि०) देखो “नर्गिस”

नर्द—(फ) शतरंज के मोहरे, चौपड़ की गोटे, एक प्रकार का खेल ।

नर्दवान—(फ) सीढ़ी, जीना ।

नर्म—(फ) देखो “नरम”

नर्मए गोश—(फ) कान की लौर ।

नर्म-गम—(फ) भली बुरी, खरी खोटी, ऊच-नीच ।

नर्म दिल—(फ) मृदु स्वभाव वाला, कोमल हृदय, दयालु प्रकृति का ।

नर्मी—(फ) देखो ‘नरमी’ ।

नवा—(फ) ध्वनि, स्वर संगीत, गाना बजाना सामान, अस्त्रात्र, धन, सम्पत्ति, भोजन, पुत्र, पौत्र, कूँट सेना, फौज जीविका, उपहार, भेंट ।

नवाखाना—(फ) कारागार, क़ैद खाना, बन्दी गृह ।

नवाखानी—(फ) गाना, गायन संगीत ।

नवाज—(फ) कृपा करने वाला, दयालु, सम्मान या स्वागत करने वाला ।

नवाजिन्दगी—(फ) राजा बनाना ।

नवाजिश—कृपा, दया, महरबानी, अनुग्रह ।

नवाजिशान—(फ) नवाजिश का बहुवचन, कृपाएँ, महरबानियाँ ।

नवादा—(फ) पोता, नाती, पोत्र ।

नवाडिर—(अ) तादिर का बहुवचन, अद्भुत वस्तुएँ ।

नवाज—(अ) एक उपाधि जो सरकार अमीर मुसलमानों को देती है, मुसलमान बड़ा क़ामीदार, मुसलमानी शासन-काल में प्रान्तों के शासकों का खिताब, वह जो बहुत अमीरी दग से रहता हो ।

नवायी—(अ) नवाजों का, तयारों का भा (रग दग, रहन-सहन) नवाज का घर, नवाज की हुकूमत अधिक अमीरी ।

नवार—(फ) निरादर धर को उनी हुई पट्टी जिसमें पलंग बुनते हैं ।

नवाला—(फ) आस, फौर,

नवामा—(फ) धेबता, दौदित, बेगी

का बेग ।

नवासाज—(फ) गवैया, गायक, गाने वाला ।

नवाह—(अ) चारों तरफ, सब ओर आस पास के स्थान ।

नविशत—(फ) लिखावट, तहरीर, लिखा हुआ कागज़, लिखतम तमस्सुक, रस्नायेज़ । -

नविशतन—(फ) लिखा ।

नविशता—(फ) लिखा हुआ, लिखित, भाष्य, प्रारब्ध, तकदीर । तमस्सुक, रुक़ा, दस्तावेज़ आदि लिखा हुआ ।

नवीस—(क़) लेखक, लिखने वाला, कवि ।

नवीसन्दा—(क़) लेखक, लिखने वाला ।

नवीसी—(फ) लिखना, लिखाई, लिखने की क्रिया ।

नवेद—(फ) निमन्त्रण पत्र, शुभ संदेश, किसी शुभ काम का नौना ।

नव्वाय—(अ) देखो 'नवाय'

नशर—(अ) सर्वस्व ।

नशाव—(अ) उगना उपज दाना, पैदा होना बढ़ना ।

नशर—(अ) बिलर या पैला हुआ दुर्दशा प्रप्त ।

नशा—(अ) मद, मादकता, अमि
मान, गर्व, वह दशा जो भोग
शराब आदि पीने के पश्चात्
हो जाती है, ससार, दुनिया,
उत्पन्न करना, पैदा करना,
मस्ती ।

नशास्त्रोर—(सि०) नशा करनेवाला,
नशीली चीजों खाने पीने
वाला ।

नशात—(अ) उत्पत्ति, प्राणी, जीव
देखो “निशात”

नशिस्त—(फ) बैठक ।

नशी—(फ) पैठा हुआ, बैठने
वाला ।

नशीन—(फ) बैठने वाला, पैठा
हुआ ।

नशीनी—(फ) बैठना, बैठने की
क्रिया या रस्म ।

नशीला—(अ) नशा उत्पन्न करने
वाला, मादक, जिस पर नशे का
प्रसर हो ।

नशेब—(फ) नीची भूमि, निचाई,
ढाल, समय का ऊँच नीच, ससार
के दुख सुख ।

नशेब व फराज—(फ) निचाई और
ऊँचाई ।

नशेबाज—(मि) नियमित रूप से
नशीली वस्तुओं का सेवन करने

वाला ।

नशेमन—(फ) पक्षियों का घोंसला,
प्रश्राम करने की जगह, एकान्त
स्थान, भवन ।

नशतर—(फ) एक छोटा और तेज
चाबू जो फोड़े आदि चीरने के
राम आता है ।

नश्र—(अ) फैलाव, प्रसार, प्रकट
करना, प्रसिद्ध करना, मनोव्यथा,
चिन्ता, जीवन, सुगन्ध ।

नश्र—(अ) उत्पन्न होना, बढ़ना ।

नश्र नुमा—(अ) पैदा होना, उगना,
बढ़ना, विकसित होना ।

नशबा—(फ) नुगन्ध, सावधान होना,
सजग होना ।

नसक—(फ) मसर नामक अन्न
जिसकी ढाल उनाते हैं ।

नसक—(अ) व्यवस्था करना, क्रम
देना, रीति रिवाज ।

नसक बन्द—(मि) व्यवस्थापक,
क्रम देने वाला ।

नसज—(अ) कपड़ा धुनना ।

नसतर—(फ) सेरती या फूल, सफेद
रंग का गुलाब ।

नसतरन—(फ) देखो नसतर ।

नसनास—(अ) एक कल्पित यन-
मानुष ।

नसच—(अ) नश कुल, नशावाली,

संस्था करना, स्थापित करना ।

नसब उल ऐन—(अ) उद्देश्य, ध्येय ।

नसब नामा—(मि०) वशावली,
वश-वृद्ध ।

नसबी—(अ) कुल सम्बन्धी, वश
परम्परागत, खान्दानी ।

नसम—(अ) मनुष्य, मानव ।

नसर—(अ) अपने पक्ष का समर्थन,
सहायता, मदद, बखेरना, गद्य
लेख, गिद्ध नामक पक्षी ।

नसरीन—(अ) इसाई ।

नसरानी—(फ) सेवती का फूल,
जगली गुलाब ।

नसल—(अ) वश कुल, सन्तान ।

नसा—(अ) एक विशेष नस जो
चूतड़ से पिंडली तक जाती है ।

नमायम—(अ) नसीम का बहु
वचन ।

नसायह—(अ) नसीहत का बहु
वचन ।

नसारा—(अ) ईसाई लोग ।

नसी—(अ) भूली हुई, उपेक्षित,
निस्मृत ।

नसीस—(अ) सहायक, मित्र ।

नसीध—(अ) भाग्य, किस्मत, प्रार-
ब्ध, रोजी नसीब होना, मिलना,
प्राप्त होना ।

नसीबवर—(मि) भाग्य शाली,

सौभाग्यवान ।

नसीबा—(अ) देखो “नसीबा” ।

नसीबे आदा—(अ) शत्रुओं का
भाग्य, दुश्मनों को तत्कालीन
(किसी प्रिय के रोगादि का
व्यथन करते समय इसका प्रयोग
किया जाता है ।) जैसे—नसीबे
आदा भाई के पैर में चोट
लग गई है ।

नसीबे—(मि०) देखो नसीबे आदा ।

नसीम—(अ) शीतल मन्द सुगन्धित
पवन ।

नसीमे सहरी—(अ) प्रातः कालीन
सुन्दर-सुगन्धित वायु ।

नसीर—(अ) सहायक, मददगार,
ईश्वर का एक विशेषण ।

नसीह—(अ) उपदेशक, उपदेश
देने वाला ।

नसीहत—(अ) उपदेश, शिक्षा,
सीख, शुभ सम्मति ।

नसीहत आमेज—(मि) उपदेश पूर्ण,
शिक्षा प्रद ।

नसीहत गो—(मि) शिक्षा देने वाला,
उपदेशक ।

नसूह—(अ) शुद्ध, निमल, साफ़,
अनुचित काम को कर न करने
की दृढ़ प्रतिज्ञा । पक्की तोथा ।

नस्क—(अ) प्रवचन, व्याख्या, निवचन

प्रथा, प्रणाली,
नस्ल—(अ) दूर करना, नष्ट करना,
किसी चीज़ से अच्छी चीज़
बनाकर पहली चीज़ को नष्ट
कर देना। अरबी की एक लेखन
प्रणाली जिसके प्रचलित होने
पर पहली प्रणालियाँ नष्ट कर
दी गई थीं।

नस्तालीक़—(अ) अरबी या फारसी
की लिपि का एक विशेष ढंग
जिसमें अक्षर बहुत सुन्दर बनाए
जाते हैं।

नस्तालीक़ गो—(मि) सुवक्ता, लालि
त्य पूर्ण भाषण करने वाला।

नस्तालीक़ हरफ—(अ) सुन्दरता
पूर्वक लिखे गए अक्षर, सुलेख।

नसर—(अ) देखो 'नसब'

नस्र—(अ) देखो 'नसर'

नस्ल—(अ) देखो 'नसल'

नस्लदार—(मि) अच्छी नसल का,
उत्तम कुल का।

नस्ली—(अ) वंश या नसल सम्बन्धी।

नस्सार—(अ) गद्य लेखक, अच्छा
गद्य लिखने वाला।

नस्लाज—(अ) जुलाहा, कपड़ा
धुने वाला।

नहज—(अ) रंग ढंग, सरल मार्ग,
सीधा रास्ता।

नहज—(अ) लूट खसोट, मार पीट,
छीन कपट।

नहबन—(अ) देखो नहज

नहम—(फ) नवाँ, नवम, दशवें से
पहला।

नहर (अ) पानी की वह कृत्रिम
धारा जो किसी नदी या बड़े
तालान में से निकाली गई हो।
बुझकना, धमकाना।

नहरी—(अ) नहर सम्बन्धी, नहर
का, वह भूमि जो नहर के
पानी से सींची जाती हो।

नहल—(अ) मधु-मक्षिका, शहद
की मक्खी।

नहव—(अ) शैली, विधि, प्रकार,
इरादा, दुभाग्य, अशुभ, नहसत,
व्याकरण।

नहस—(अ) अशुभ, मनहूस।

नहाफत—(अ) दुर्बलता, कृशता।

नहार—(अ) दिन, दिवस निराहार,
अनाहार, जिसने प्रातः काल से
कुछ खाया न हो, चासी मुँह।

नहार तोड़ना—बनेया या जलगान
करना।

नहार मुँह—प्रातः काल से बना
कुछ खाए पिए, चासी मुँह।

नहारी—(अ) जलगान, प्रातराश,
सबरे का भोजन, भोजन, कलेवा।

- एक प्रकार की रसीली तरकारी ।
 नहीं—(अ) निषेध, मना ।
 नहींके—(अ) दुबला पतला, कमजोर ।
 नहींच—(अ) लुटेरा, डाकू, लूट खसोट, भय, डर ।
 नहुत्ता—(फ) गुप्त, छिपा हुआ, पोशीदा ।
 नहो—(अ) देखो "नह" ।
 नह—(अ) ऊँट की बलि देना ।
 जिल हिज महीने की दसवीं तारीख जिस दिन मक्के म ऊँ की कुरबानी की जाती है ।
 ना—(फ) नहीं, निषेध (यौगिक शब्दों के आरम्भ म) जैसे नाउम्मेद, नापाक आदि ।
 ना अहल —(मि०) असम्य, अयोग्य ।
 ना आमामा—(फ) अनर्जन, अपरिचित, जिससे कुछ जान पहचान या सम्बन्ध न हो ।
 ना इत्तफाकी—(मि०) अनर्थन, मन मुड़ाव, एकता न होना ।
 नाइन्साक—(मि०) अन्धारी ।
 नाई—(अ) किसी के मरने की सूचना देने वाला, नापिठे, गार्ड ।
 नाउम्मेद—(फ) हताश, निराश ।
 नाउम्मेदी—(फ) निराशा ।
 नाक—(फ) भरा हुआ, युक्त, पूर्ण (यौगिक शब्दों के अन्त में) जैसे शरमनाक, दर्दनाक ।
 नाकत खुदा—(फ) अनिवाहित, कुँआरा ।
 नाकत खुदाई—(फ) अनिवाहिता नस्था, कौमारायन्या, कुँआरापन ।
 नाकन्द—(फ) नासमझ मूख, छोटी उम्र का, बालक, कमजिन, दो साल से कम उम्र का घोड़े का बच्चा ।
 नाकदरी—(मि) किसी के गुणों का आदर न होना या न करना ।
 नाकद—(मि) गुणों का आदर न करने वाला, गुणों का न जानने वाला ।
 नाकरदनी—(फ) अनुचित, न करने योग्य, शकत्त्व ।
 नाकरदा—(फ) बिना किया हुआ, जो किया न हो, अहत ।
 नाकरदागार—(फ) अनुभवहीन, अनजान, अनाड़ी ।
 नाकस—(फ) नीच, उन्नत, अथम, अयोग्य, तुच्छ ।
 नाका—(अ) ऊँची, ऊँट की माटा, साँझनी ।
 नाकाविल—(फ) अयोग्य, अनुपयुक्त

असमर्थ, अशिक्षित ।

नाकाम—(फ) असफल, नाउम्मेद,
निराश, जिसका उद्देश्य पूरा
न हुआ हो ।

नाकारा—(फ) निरर्थक, व्यर्थ,
निकम्मा, अयोग्य जो किसी
काम न आ सके ।

नाकाशता—(फ) जो गोया न गया
हो, खुरी, बिना बोए पैदा
हुआ ।

नाका सवार—(मि) सँझनी सवार,
ढाक या सदेश ले जाने वाला,
हरकारा ।

नाकिद—(अ) आलोचक, परीक्षक ।

नाकिब—(अ) उलट पुलट करने
वाला, फट्ट देने वाला ।

नाकिल—(अ) नकल करने वाला,
अनुकरण करने वाला, बर्णन
करने वाला, प्रतिलिपि करने
वाला ।

नाकिला—(अ) बर्णन, ब्यौरा,
इतिहास, कथा, कहानी ।

नाकिस—(अ) दोषयुक्त, त्रुटि
पूर्ण, बुरा, खराब, निकम्मा,
अधूरा, अपूर्ण ।

नाकिस उल अकल—(अ) अष्ट मुट्टि,
जिसकी अकल खराब हो ।

नाकिस-सल सिल्फत—(अ) जो

जन्म से विकलाङ्ग हो, पैदा
होने के समय से ही जिसका
कोई अंग विकृत हो ।

नाकिसी—(फ) नालायकी, नीचता
अयोग्यता, अपूर्णता, खराबी ।

नाकूस—(अ) शर, गिरजा का
घटा ।

नाखलफ—(फ) कपूत, कुपुन,
अयोग्य बेटा, नालायक बेटा ।

नाखुदा—(फ) कैद, मल्लाह,
नाव खेने वाला ।

नाखुन—(फ) नख, नुह, पशुओं के
खुर, घोड़े के सुम ।

नाखुनगोर—(फ) नहरना, नाखुन
काटने का औजार ।

नाखुना—(फ) आँख की एक
बीमारी जिसमें आँख की सफेदी
म लाल निशान पड़ जाता
है, सितार धजाते समय उगली
में पहनने की विशेष प्रकार की
धनी तार की अगूठी, मिज़राय ।

नाखुश—(अ) अप्रसन्न, असन्तुष्ट,
नाराज़ ।

नाखुशी—(अ) अप्रसन्नता, अस्-
न्तोष, नाराज़गी ।

नाखून—(फ) देखो “नाखुन” ।

नाखुर्दा—(फ) अपढ़, अपठित,
अशिक्षित, अनिमन्त्रित, पिना

दुलाया हुआ ।

नागवार—(फ) अशुचिकर, असह्य,
अप्रिय, जो अच्छा न लगे ।
जो पचे नहीं ।

नागवारा—(क) देखो “नागवार” ।

नागहॉ—(फ) अचानक, सहसा,
एकाएक ।

नागहानी—(क) अचानक होने
वाला, जिसके होने की कुछ
सम्भावना न हो ।

नागा—(अ) अनुपस्थिति, नियमित
रूप से होने वाले काम का
किसी दिन न होना । अन्तर,
बीच ।

नागाज—(क) अचानक, सहसा ।

नागाह—(फ) सहसा, अचानक,
एकाएक ।

ना गिरफ्त—(फ) अचानक, सहसा ।

नागुजीर—(फ) अनिवार्य, जो टाल
न सके, अनश्य कतव्य, अत्यन्त
आवश्यक ।

नाचा—(अ) हुक्के का नैचा,
हुक्के में लकड़ी का वह भाग
जिसके ऊपर चिलम रखी
जाती है ।

नाचाक—(क) दुर्बल, रोगी, अस्वस्थ
दुला-पतला, कृशकाय ।

नाचाक्री—(क) अनचन, मनमुटाव,

मनोमालिन्य, अस्वस्थता,
दुर्बलता, कृशता, बीमारी ।

नाचार—(फ) निष्पाय, निवश
लाचार, मजबूर ।

नाचारी—(फ) विनयता, मजबूरी,
लाचारी ।

नाचीप—(फ) दुर्बल, नगण्य,
निकृष्ट ।

नाज—(फ) अलहदपन, चोचला,
नखरा, लाड़ प्यार, गर्व
धमक, सरी का नया पौधा ।

नाजनी—(फ) सुन्दरी, फोमलाङ्गिनी,
सुकुमारी ।

नाज वालिश—(फ) छोटा और
मुलायम तकिया, गेंदुआ ।

नाजरीन—(अ) नाज़िर का बहु
वचन, देखने वाले, दर्शक भोता,
पढ़ने वाले ।

नाज व नियाज—(क) नखरा,
चोचला ।

नाजाँ—(फ) नाज़ करने वाला,
गर्व करने वाला, अभिमान
करने वाला ।

नाजा—वह गाय भैंस या अन्य
मादा पशु जो बच्चा न दे,
बैला ।

नाजायज—(मि०) अनुचित, नियम
विरुद्ध, जो जायज न हो ।

नाज़िन्दा—(फ़) नाज़ करने वाला,
अभिमानी, घमण्डी ।

नाज़िम—(अ) व्यवस्थापक, इन्त
ज़ाम करने वाला, सघटन करने
वाला, मोती पिरो कर माला
या लङ्गी बनाने वाला, मुसल
मानी शासन-काल में वह जो
किसी देश या प्रान्त का प्रबन्धक
होता था, कवि, पद्य बनाने
वाला ।

नाज़िया—(अ) मुक्ति पाने वाला ।

नाज़िर—(अ) निरीक्षक, देखने
वाला,^३ द्रष्टा, दर्शक, दृष्टि,
आँख, देखने की शक्ति, पढ़ने
वाला, अदालतों या दफ्तरों में
लेखकों का प्रधान । वेश्याओं
का दलाल, ग़्वाजा सरा, वे
परह व्यक्ति जो ज़नाने महलों
में काम करने के लिए नियुक्त
होते हैं, महल सरा, किसी ग्रन्थ
को देख-देख कर पढ़ना ।

नाज़िराख़्वाँ—(मि) जो कुरान को
देख देखकर उसका पाठ करता
हो, अर्थात् जिसे कुरान कण्ठस्थ
न हो, हाफ़िज़ का उलटा ।

नाज़िरीन—(अ) देखो 'नाज़रीन' ।

नाज़िल—(अ) उतरने वाला, ऊपर
से नीचे आने वाला आ पड़ने

वाला । आ मौज़ूद होने वाला ।

नाज़िल होना—आपड़ना, उतरना,
आ मौज़ूद होना ।

नाज़िला—(अ) सकट, मुसीबत,
आपत्ति ।

नाज़िश—(फ़) अभिमान, घमण्ड,
इतराना, नाज़ करना ।

नाज़िन्स—(मि) बेमेल, दूसरी जाति
का, अन्य वर्ग का असम्बन्ध, अशि
क्षित, अयोग्य ।

नाज़ी—(अ) मुक्ति पाने वाला ।

नाज़ुक—(फ़) कोमल, सुन्दर, सुकु-
मार, पतला, बारीक, सूक्ष्म,
मृदु, पेचीदा, गूढ़, गम्भीर तनक
धक्का लगने से टूट फूट जाने
वाला । ख़तरे का, जोखिम का,
जिसमें अनिष्ट या हानि की
सम्भावना हो ।

नाज़ुक अन्दाम—(फ़) कोमल काम,
दुबले-पतले शरीर वाला ।

नाज़ुक कलाम—(मि) उत्तम बातें
कहने वाला ।

नाज़ुक खयाल—(मि) गम्भीर विचार-
वान, सूक्ष्म विचारों वाला ।

नाज़ुक दिमाग—(मि) अभिमानी
या चिढ़-चिड़े स्वभाव का,
जिसका दिमाग़ ज़रा-सी बात
में खराब हो जाय ।

नापैद—(फ) जो उत्पन्न न हुआ हो,
अलम्ब्य, अप्राप्य, नष्ट ।

नापैदा—(फ) देखो “नापैद”

नाफ—(फ)नामि, टूँड़ी, छुन्दि, जरा
युज, प्राणियों के पेट के बीच
का निशान, मध्य, केन्द्र ।

नाफअ—(अ) नफा देने वाला,
लाभदायक ।

नाफ आलम—(अ) ससार की
नामि, मक्का शरीफ ।

नाफ जदन—(मि) नवजात शिशु
का नाल काटना ।

नाफरजाम—(फ) अयोग्य, निकम्मा
जिसका परिणाम बुरा हो ।

नाफरमान—(फ) उद्दण्ड, आश न
मानने वाला, एक पौधा विशेष
जिसमें ऊदे रंग के फूल आते
हैं ।

नाफरमानी—(फ) आशेष धन
अनुशासन न मानना, उद्दण्डता,
नाफरमान के फूलों का रंग
(रंग), ऊदा या बेंगनी-सा
रंग ।

नाफह—(फ) सुगन्धित द्रव्य ।

नाफहम—(फ) नासमझ, निरुद्धि ।

नाफडमो—(फ) मृगना, ना
समझी ।

नाफा—(फ) परतूरी की पैली, मृग

नामि ।

नाफिअ—(अ) प्रचलित, चारी,
प्रयोग में आने वाला ।

नाफिर—(अ) धृष्टा करने वाला,
नफरत करने वाला ।

नाफेखाक—(फ) देखो “नाफिनी
मका ।

नाफेजमी—(फ) मक्का शरीफ, मुठ
लमानों का तीर्थ स्थान ।

नाफे शय—(फ) रात्रि का मध्य
भाग, अधरात्रि ।

नाव—(फ) शुद्ध, पवित्र निर्मल,
स्वच्छ बिना मिलावट का,
खालिस, परिपूर्ण, भरा हुआ
तलवार पर दोनों ओर घनी हुई
वे नालियाँ जो मूठ से नोक तक
होती हैं, सर्प का विषदन्त, हाथी
दाँत, दाढ़ ।

नावका—(फ) अयाग्य, अधम,

नाजकार—(फ) अयोग्य, अधम,
दुष्ट, पाजी, व्यथ, निरर्थक
अनुचित ।

नावदान—(फ) वह नाली निम्ने
गन्ना पानी बहता है मारी, पन
नाला ।

नावलद—(मि) गैयार, मूग,
अनादी उद्भूत, अनवान, अर
रिचित ।

नाबहरा—(फ) मूर्ख, बेसमझ, नीच,
अधम ।

नाधा—(फ) वह शराब जिसमें मिला
घट न हो ।

नावालिरा—(मि) जो जवान न हुआ
हो, अप्रसन्न वय ।

नाबस्ता—(फ) अयोग्य, अक्षम्य ।

नाबीना—(फ) प्रज्ञाचक्षु, अन्धा,
नेत्र हीन ।

नाबूद—(फ) नष्ट होने वाला, नश्वर
नाशवान, जो नष्ट हो गया हो,
जो बरबाद हो गया हो, जिसका
अस्तित्व न रहा हो ।

नामजूर—(मि०) अस्वीकृत ।

नाम—(फ) सश, अभिधान, प्रसिद्धि,
यश ।

नामआवर—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात,
नामवर ।

नमाए एमाल—(मि) एमाल नामा,
वह पत्र जिसमें किसी के अच्छे
बुरे सब कामों का उल्लेख हो ।

नामजद—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात,
गिन्ती-शुमार का, जिसका नाम
किसी कार्य के लिए निश्चित
हुआ हो, किसी के निमित्त या
नाम से रखी हुई वस्तु स्थान
आदि ।

नामजू—(फ) ख्याति चाहने वाला,

यशोलिप्सु ।

नामतर—(फ) अति प्रसिद्ध, विशेष
विख्यात ।

नामदार—(फ) प्रतिष्ठित, प्रसिद्ध,
यशस्वी, नामवर, नामी ।

नामबरदा—(फ) उल्लिखित ।

नामर्द—(फ) नपु सक, हिजड़ा,
क्लीव, डरपोक, कायर, भीर ।

नामर्दी—(फ) नपु सकता, हिजड़ा-
पन, कायरता, भीरता, क्लीवता,
बोदापन ।

नामर्दुन—(फ) अयोग्य ।

नामवर—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात ।

नामवर दार—(फ) नामी, प्रसिद्ध,
विख्यात ।

नामवरी—(फ) प्रसिद्धि, ख्याति ।

नामहदूद—(मि) असीम, अपार
जिसकी हद न हो ।

नामहरम—(फ) अपरिचित, अज्ञात,
अजनबी, बाहरी, मुसलमान
लड़कियों के लिए वे पुरुष जिनके
साथ उनका विवाह हो सके
और जिनसे उन्हें परदा करना
चाहिए ।

नामा—(फ) चिन्ही, ग्रन्थ, पत्र,
पुस्तक, लिखा हुआ ।

नामाकूल—(मि) अनुचित अयुक्त,
जो बुद्धि संगत न हो, मूर्ख,

वेम्बू, अयाम्ब, नीलायक ।

नामा निगार—(फ) मगान्दाता,
समाचार लेखक, पत्र लेखक,
पत्र लिखने वाला ।

नामानर—(फ) हरफारा, डाकिया,
पत्रवाहक, समाचार ले जाने
वाला ।

नामालूम—(मि०) अज्ञात, अन
जान, अजनबी, अप्रसिद्ध, अपरि
चित ।

नामी—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात,
नामक, नाम वाला, नाम
धारी ।

नामी गरामी—(फ) अ अधिक
प्रसिद्ध, विशेष विख्यात ।

नामुश्चाफिक—(मि) जो अनुत्तल न
हो, अरुचिकर, निरुद्ध ।

नामुक्तिर—(मि) जो स्वीकार न
करे, जो इकारार न करे ।

नामुनारक—(मि) अशुभ, मनहूस ।

ना मुनामेन—(मि०) अनुचित,
अयोग्य ।

ना मुमकिन—(मि०) अशक्य, जो
हो न सके ।

ना मुराद—(फ) अमागा, मन्द
भाग्य, विकल मनोरथ, अतृप्त
काम, भिगमी अभिलाषा पूरी
न हुई हो ।

ना मुलायम—(फ) फठिन, कठोर,
कड़ा, अनुचित, अयोग्य ।

नामूम—(अ) प्रतिष्ठा, सम्मान,
प्रसिद्धि, लज्जा, स्त्रियों का उदा
चार, पातिव्रत ।

नामूमी—(अ) धनामी, बेइज्जती ।

नाम खुदा—(फ) परमात्मा पुरी इति
से बचावे (किसी प्रिय के
स्वास्थ्य अथवा सौन्दर्य का
उत्तमैय करते समय इसका
प्रयोग करते हैं)

ना मोबू—(फ) अनुचित, अनुर
युक्त, बेमोह, जिसका प्रयोग
उचित स्थान पर न हुआ हो ।

नाय—(फ) नै, बामुली, नरसल,
गला, कण्ठ, कूचा ।

नायरु—(अ) इच्छा करने वाला ।

नायजा—(फ) पुरुष का मूत्रेन्द्रिय,
लिंग ।

नायन—(अ) स्थानात्त, उदाहरक,
महकरी, मुनीय, मुस्तार ।

नाययत—(अ) नायक का प या
काम ।

नायनो—(अ) देखो "नायत" ।

नायाय—(फ) अघात, दुर्लभ, बहुत
धकिया

नारंग—(फ) एक गीरे की जाति
का फल जिसका रस मीठा

होता है ।

नारंगी—(क) नारंग नामक फल,
नारंग फल का सा रंग जो कुछ
पीलापन लिए हुए लाल
होता है

नारज—(फ) नारग, सन्नरा ।

नारजी—(फ) देखो “नारंगी”

नार—(श्र) अग्नि, आग, (फ)
यौगिक शब्दों में अनार का
संक्षिप्त रूप जैसे गुलनार—
अनार का फूल ।

नारजील—(श्र) नारियल, खोपरा,
नारिकेल ।

नारदान—(क) अनार दाना ।

नार फारसी—(फ) आतिशक,
उपदेश ।

नारवा—(फ) अप्रचलित, अनुचित,
अवैध, निफल मनोरथ ।

नारस—(फ) बिना पत्नी मेवा ।

नारसा—(फ) जो चाही हुई जगह
पहुँच न सके, जिसकी पहुँच
न हो, जिसका कुछ प्रभाव या
मेल-जोल न हो ।

नारसाई—(फ) पहुँच न होना,

नारसीदा—(क) अल्पायु, कच्ची
उम्र का ।

नारा—(श्र) देखो “नारंग”

नाराज (मि) अप्रसन्न, असन्तुष्ट,

रुष्ट ।

नाराजगी—(मि) अप्रसन्नता, रोष ।

नाराजन—(मि) जब धोष करने
वाला, जोर से पुकारने वाला,
नारा लगाने वाला ।

नाराजी—(मि) देखो “नाराजगी”

नारास्त—(फ) जो सीधा या ठीक
न हो, टेढ़ा, झूठा, गलत,
बुरा ।

नारी—(श्र) अग्नि सम्प्रधी, अग्नि-
का, नारकी, नरक की आग में
जलने वाला ।

नाल—(क) पोली नलकी, नरसल,
पशुओं के खुरों, घोड़ों के सुभों
और जूतों की एडियों में लगाने
की अर्ध चन्द्राकार लोहे की
पत्ती, लकड़ी या पत्थर का भारी
टुकड़ा जिसमें पकड़ने के वास्ते
भूठ बनी रहती है और पहल-
वान लोग व्यायाम करने के
लिए उसे उठाया करते हैं ।
वह धन जो जूआ खेलने वालों
की ओर से उस व्यक्ति को
दिया जाता है, जो अपने
स्थान में बैठ कर जूआ
खिलाता है । तलवार के मान
की नोक पर लगाइ जाने वाली
साम, कूप के लिए ईंट चूने

से चिना गया गोलाकार घेरा जो पीछे जमीन में बैठाया जाता है ।

नाल बन्द—(मि) पशुआ के खुरों घोड़ों के सुमों और जूतों में नाल जड़ने वाला ।

नालबहा—(मि) छाटे रास्वाओं या जागीरदारों की ओर से बड़े राजा को दिया जाने वाला वार्षिक कर, खिराज ।

नालाँ—(फ) दुहाइ देता हुआ, रोता-चिल्लाता हुआ, क्रियाद या पुकार करता हुआ, बावैला मचाता हुआ ।

नाला—(फ) क्रियाद, दुहाइ, पुकार बावैला, रोते हुए प्रार्थना करना, रोना-घोना । पानी की छोटी धार, छोटी नदी ।

नालायक—(मि) अयोग्य, निकम्मा, मूर्ख ।

नालायका—(मि) अयोग्यता, निकम्मापना मूर्खता

नालिश—(फ) क्रिया करना, दुहाइ देना, किसी के द्वारा पुर्चार्ड ई हानि या नक्सीक का ऐसे आदमी के सम्मुख नियेत्न करना जो कि हानि प घाने या दुख देन वाले का

दण्ड दे सके ।

नालिशी—(फ) नालिश का, नालिश सम्बन्ध, नालिश करने वाला ।

नालैन—(अ) जूता का जोड़ा ।

नाव—(फ) नौका, फिरती ।

नावक—(फ) एक प्रकार का छोटा तीर, शहद की मक्खी का डंक, नाव चलाने वाला, केवद मल्लाह ।

नावक अफगान—(फ) बाण चलाने वाला, धनुर् ।

नावकत—(मि०) कुसमय बेचन, अनुचित अयसर पर, बेमौक़े ।

नाव नोश—(फ) भोग विलास ।

नाव न्नीयत—(मि) अनजान व, जानकारी या परिचय का शभाव

नावकिकरु—(मि) अनजान, अपरिचित ।

नावजिब—(मि) अनुचित, अयोग्य, नामुनासिब ।

नाश—अ० देखा 'ध अय'

नाशनाखत—(फ) अपरिचित, अनजान ।

नाशनाम—(फ) अपरिचित, अनजान ।

नशपाता—(फ) इस नाम से

प्रसिद्ध एक फल ।

नाशाइस्ता—(फ) असम्य, अशिष्ट, अयोग्य, अनुचित,

नाशाइस्तगी—(फ) असम्यता, अशिष्टता, अयोग्यता, अनौचित्य अनुप युक्तता, उजड़पन ।

नाशाद—(फ) अप्रसन्न, असन्तुष्ट, दुःखी, अभागा, मन्द भाग्य ।

नाशाद व नामुराद—(फ) अभागा और विफल मनोरथ ।

नाशिकेव—(फ) विफल, अधीर, बेचैन ।

नाशिकेवा—(फ) देखो “नाशिकेव”

नाशुकरा—(फ) कृतघ्न, गुनमेटा, किसी के अहसान को न मानने वाला ।

नाशुकरी—(फ) कृतघ्नता, गुनमेटा-पन ।

नाशुदनी—(फ) असम्भव, जो होनहार न हो जो हो न सके, कम्बखन अभागा, अयोग्य, नालायक ।

नाशता—(फ) क्लेश, प्रातराश, सवेरे का भोजन जलपान ।

नास—(अ) मनुष्य मानव, इन्सान ।

नासअ—(अ) निशुद्ध ।

नासजा—(फ) अनुचित ना मुनासिब ।

नासजावार—(फ) अनुपयुक्त, अनुचित, गँवार, असम्य, उजड़ ।

ना सपास—(फ) कृतघ्न, नमक हराम ।

ना सबाब—(फ) पाप ।

नासबूर—(फ) अधीर, बेचैन, जिसे सब न हो ।

नासह—(अ) उपदेशक, शिक्षक, नसीहत करने वाला ।

नासाज—(फ) अस्वस्थ, बीमार, विरोधी, अनुपयुक्त ।

ना साजी—(फ) अस्वस्थता, बीमारी ।

नासिक—(अ) इश्वर-भक्त,

नासिक—(अ) व्यवस्था पक, प्रबन्धक ।

नासिख—(अ) लेखक, लिखने वाला, खण्ड न करने वाला । नष्ट या रह करने वाला ।

नासिफ—(अ) आधा बाँटने वाला ।

नासिया—(फ) मस्तक, माथा ।

नासिया साई—(मि) भूमि पर या पैरों में माथा रगड़ना, हद दरजे की दीनता दिखाना, गिड़-गिड़ाना ।

नासिर—(अ) सहायक, मित्र, गद्य- ग्यक ।

ना सुफ्तगान— फ कुमांगी, कन्या ।

ना सुफता— फ) अनगिधा विना

मिरेया हुआ (मोती)

नासूर—(अ) वह घाव जो प्रायः
अच्छा नहीं होता नाफी मण,

नाहजार—(फ) दुश्मन, घुरेचाल
चलन का, दुराचरी, अयोग्य,
कमीना, दुष्ट, पाजी ।

नाहक—(मि) निरर्थक, बूधा, व्यर्थ,
बेकार ।

नाहक शनास—(मि) अन्याय करने
वाला, अनौचित्य का विचार
न करने वाला ।

ना हमवार—(फ) विषम, ऊँचा
नीचा, ऊबड़-खानड़, जो
समतल न हो । अशिष्ट, असम्य,
अयोग्य ।

नाहार—(फ) निराहार, जिसने खेरे
से कुछ खाया न हो ।

नाहीद—(फ) शुद्ध नामक मद्र ।

निअमत—(अ) देखो 'नियामत' ।

निकाह—(अ) मुसलमानी प्रधानुसार
मिया गया विवाह उत्कार ।

निकाह नामा—(मि) निकाह होने
का प्रमाण पत्र ।

निकाही—(अ) विवाहिता, जिसके
साथ शादी हुई हो वह स्त्री ।

निको—(फ) उत्तम, अच्छा, नेक ।

निकोई—(फ) उत्तमता, अच्छाई,
मलाई, नेफी, ठपकार, गढ़

व्यवहार ।

निकोकारी—(फ) अच्छे काम, नेक
काम, मलाई के काम ।

निकोनामी—(फ) नेकनामी,
मलाई ।

निकोहिश—(फ) धिक्कार, लानत,
फटकार टाट, घमको ।

निलालिस—(मि) जो खालिठ न
हो, मिलावगी ।

निगन्डा—(फ) एक प्रकार की बड़िया
सिलाई बरिया । रज़ाई-निगह
आदि में रुई जमाने के लिए
दूर-दूर की गढ़ सिलाई ।

निगार—(फ) देखना ।

निगारों—(फ) देखने वाला, रखा
करने वाला, चौकसी रखने
वाला, प्रीति करने वाला ।

निगरानी—(फ) देख-भाल, चौकसी
निरीक्षण ।

निगह—(फ) दृष्टि, नज़र, निवदन,
परत, पहचान, ध्यान, विचार,
कृपा, दया, निगाह ।

निगहनों—(फ) देख रेल रखने
वाला, चौकसी करने वाला ।
पहरेदार, चौकीदार ।

निगहवान—(फ) देखमान
चौकसी ।

निगार—(फ) निप, मुँह, चिह्न,

प्रतीक, नक्श, प्रेमी, प्यारा, चित्रकारी करने वाला, लिखने वाला। चित्रकारी, किसी चीज़ पर शोभा के लिए बनाए गए बेल बूटे।

निगार खाना—(फ) चित्रशाला।

निगारिश—(फ) लिखना, बेल पत्ती बनाना, चित्रकारी, लेख, लेखन, लिपि।

निगारी—(फ) प्रिय, प्यारा, जिसने अपने हाथ पैरों में महुँदी से बेल बूटे बना रखे हों।

निगारे आलम—(फ) जो ससार में सब से अधिक सुन्दर हो।

निगाह—(फ) देखो “निगाह”।

निगाह घान—(फ) देखो निगहवाँ,

निगूँ—(फ) टेढ़ा, झुका हुआ, बक्र, हीन, रहित, कुबड़ा।

निगूँ बख्त—(फ) भाग्यहीन, अभाग।

निगूँ हिम्मत—(फ) साहस हीन हिम्मत रहित कायर।

निबदात—(फ) धरोहर का धन, अमानत की रकम।

निजाअ—(अ) झगड़ा, टंटा, तकरार, वैर, शत्रुता, हन्धुक, जिहास।

निजाई—(अ) झगड़े सम्बन्धी,

जिसके विषय में कुछ गड़गड़ या झगड़ा हो।

निजाबत—(अ) कुलीनता, मर्त-नगी, सिपाही पन, वीरता।

निजाम—(अ) शासन, व्यवस्था, सवटन, वह धागा जिसमें मोती या रत्न पिरोए गए हों, माला का धागा, मोतियाँ आदि की लड़ी या माला, क्रम, सिलसिला, मूल, जड़, बुनियाद, हैदराबाद दक्खिन के शासकों की उपाधि।

निजामत—(अ) व्यवस्था, शासन, सवटन, नाज़िम का पद या दफ़्तर, वह नगर जहाँ नाज़िम का कार्यालय हो कुछ ग्रामों का मण्डल जो एक नाज़िम के प्रबन्ध में हो, रजनाई में तदखील।

निजामे-तलीमूस—(अ) इस्लाम बतलीमूस का यह सिद्धान्त कि पृथिवी समस्त ससार का केन्द्र है और ग्रह नक्षत्रादि पृथिवी की परिक्रमा करते हैं।

निजामे शम्मी—(अ) सौर चक्र, ग्रह-नक्षत्रादि की व्यवस्था।

निज़ार—(फ) दुर्बल, कृश, निर्बल, असमर्थ, दखि, शरीर।

निजारत—(अ) बद्ध गीरी, बद्ध का काम ।

निजीक—(अ) मूर्च्छित, ज्वराक्रान्त, जिसके शरीर से बहुत सा खून निकल गया हो ।

निज्जाम—(अ) नाजिम का गढ़-वचन, पद्य पढ़ने वाला ।

निज्द—(अ) निकट, समीप, पास, निगाह में, आगे, सामने ।

निदा—(अ) पुकार, हाक, चिल्लाना, चिल्लाने की आवाज़, किसी को सम्बोधित करने का शब्द यथा हे ओ आदि ।

निकाक—(अ) बैर, शत्रुता, वैमनस्य, विरोध, छल, कपट ।

निकाकता—(मि०) छली, कपटी ।

निकाक राय—(मि) मतभेद ।

निकाज—(अ) कानून का जारी होना, प्रचलित होना, व्यवहार में आना, अमल में आना । देखा “नफाज”

निकास—(अ) देखा “नफास” ।

निखलता—(मि०) भाग्यहीन, कम-बख्त, अभाग्य ।

नियाज—(अ) प्रेम, इच्छा, अभिलाषा, कामना, दीनता, प्रेम प्रदर्शन, उर्दा का प्रसाद, मैद, उपहार, उर्दा से परिचय, मृत

व्यक्ति के उद्देश्य से गरीबों या फकीरों को खाना आदि देना ।

नियाज हामिल करना—वहों की सेवा में उत्थित होना ।

नियाजमाद—(अ) इच्छुका, अभिलाषी, अधीनस्थ, सेवक ।

नियाजी—(अ) प्रिय, प्रेमी, मित्र, सखा ।

नियायत—(अ) प्रतिनिधित्व, सहकारिता, स्थानापन्न होना, नायब का पद या काय ।

नियाम—(अ) तलवार रखने का गोल, म्यान ।

नियामत—(अ) अलम्य पदार्थ, स्वादु भोजन, धन-दौलत, देखो “नेअमत” ।

नियामत गैर मुतरकिना—(मि०) वह अलम्य पदार्थ जिसके मिलने के पहले कोई आशा या सम्भावना न हो ।

नियामत परवरदा—(मि) नाक से पाला हुआ, जिसका पालन पोषण उड़े अच्छे दूध से हुआ हो, अत्यन्त प्यारा, दुलारा ।

नियायत—(अ) अत्यन्त, चरम ।

निरस्त—(अ) भाव, दर ।

निख—(अ) देखा “निरख”

निखनामा—(अ) वह पर जिस

पर सब चीजों का भाव लिखा हो ।

निर्खिन्दी—(फ) चीजों का भाव निश्चित करना ।

निर्खी—(फ) भाव उद्धारने वाला, दर निश्चित करने वाला ।

निवाला (फ) ग्रास, कौर ।

निशवार (फ) जुगाली रोयन्ध, रोय ।

निशस्त (फ) बैठना, बैठक ।

निशस्तगाह (फ) बैठक, बैठने की जगह ।

निशस्तबरखास्त—(फ) सम्य समाज में बैठने का ढङ्ग, उठने बैठने का तरीका ।

निशाखातिर—(मि) सन्तोष, तसल्ली दिल जमई ।

निशात—(अ) युवकदल, नई पौध, वर्तमान युग, हर्ष, प्रसन्नता, आनन्द, सुखभाग ।

निशान—(फ) चिह्न, धब्बा, लक्षणा, फौज का झण्डा, किसी जमात का झण्डा, ध्वजा, पता का, राजकीय घोषणा ।

निशानची—(मि) झण्डा लेकर चलने वाला ।

निशान देही (फ) सम्मन आदि की तामील के लिए आसामी

को पहुँचाना ।

निशान बरदार—(फ) किसी सेना, जमात या दल के आगे झण्डा लेकर चलने वाला ।

निशाना—(फ) लक्ष्य, वह वस्तु या स्थान जिस पर ताक कर कोई चीज मारी जाय । वह जिसको उद्देश्य करके कोई व्यय किया जाय ।

निशाना अन्दाज—(फ) ठीक निशाना लगाने वाला ।

निशानी—(फ) यादगार, किसी की स्मृति स्वरूप दी हुई या रखी हुई चीज । चिह्न जिससे कोई वस्तु पहचानी जाय ।

निशास्ता—(फ) गेहुँओं को भिगो और पीस कर निकाला हुआ सत, कलफ या माड़ी ।

निशात—(अ) प्रसन्न हर्षित ।

निशाद—(फ) संगीत का शब्द, गाने-बजाने की आवाज ।

निसबत—(अ) सम्बन्ध, लगाय, रिश्ता, तुलना, समता, मुकाबला, शादी सम्बन्ध की बात-चीत, वाग्दान भगनी ।

निमरानी—(अ) इसाई मत के अनुयायी, क्रिश्चियन ।

निसर्वा—(अ) स्त्रियाँ, नारियाँ,

महिलाएँ ।

निसाश्र—(श्र) स्त्रियाँ, नारियाँ ।

निसा—(श्र) धन, सम्पत्ति, पूँजी, रकम, मूलधन ।

निसार—(श्र) निछावर, बलिहार, वह वस्तु जो किसी पर निछावर की गई हो ।

निसिश्वाँ—(श्र) भूल चूक, गलती, विस्मरण, भूलना, याद न रहना, स्मरण शक्ति का अभाव ।

निस्क—(श्र) आधा, अर्ध, किसी वस्तु के दो समान भागों में से एक ।

निष्क उन्नहार—(श्र) शीघ्र निन्दु, वह स्थान जहाँ ठीक मध्याह्न के समय सूर्य होता है ।

निष्का निष्क—(श्र) आधे आध, बराबर आधा आधा ।

निश्चत—(श्र) देखो “निश्चत”

निस्वाँ—(श्र) देखो ‘निसवाँ’

निहग—(फ) घड़ियाल, मगर (जल जन्तु) अकेला, एकपरी, नग घडग, दिगम्बर ।

निहग लाडला—(मि०) वह जो माँ बाप के लाल प्यार में उदरवृद्ध हो गया हो ।

निहगे अजल—(मि) यमदूत, तल-

वार ।

निहॉ—(फ) गुप्त, छिपा हुआ ।

निहाखाना—(फ) छिपा हुआ घर, तहखाना,

निहाद—(फ) आधार, बुनियाद, जड़, मूल, असल, स्वभाव, उत्पत्ति, मन, हृदय ।

निहानी—(फ) छिपाना, छिपा हुआ गुप्त, लकड़ी का काम करने वालों का वह औज़ार जिससे खाँकर लकड़ी में चौड़ा छेद बनाते हैं, रुखानी, ।

निहायत—(श्र) - अत्यन्त, बहुत, सीमा हद ।

निहार—(फ) निराहार, बिना लाए-पिए ।

निहारी—(फ) प्रातःकाल का भोजन, कलेज, नाश्ता ।

निहाल—(फ) पौधा, वृक्ष, सुन्दर, सफल, जिसका मनोरथ पूरा हो गया हो, कृतकृत्य आदित्य, शिकार, गद्दा, तोशक ।

निहालचा—(फ) छोटा वृक्ष या पौधा, गद्दा, तोशक ।

निहाली—(फ) रज़ाई, लिहाफ, गद्दा, तोशक ।

नी—(श्र) कच्चा, अधपका ।

नीश्रत—(श्र) विचार, भावना,

इच्छा, सक्ल, मंशा, उद्देश्य ।

नीको—(फ) सुन्दर, उत्तम, बढ़िया,

अच्छा, भला । देखो “निको”

नीकोई—(फ) देखो “निकोई”

नीको कारि—(फ) अच्छे काम करने वाला, भलाई करने वाला ।

नीको कारी—(फ) देखो “निको कारी”

नीच—(फ) भी, और ।

नीम—(फ) आधा, बीच, मध्य ।

नीम आस्तीन—(फ) आधी बाँहों की कुर्ती या कमीज ।

नीम कश—(फ) आधा खींचा हुआ, निकाला हुआ, तलवार या तीर आदि जो म्यान या तरफश में से आधा बाहर निकाला गया हो ।

नीम कारा—(फ) अधूरा काम, बे दगा काम ।

नीम खाया—(फ) आकाश, आंस मान ।

नीम खुर्दा—(फ) अध खाया, खाने से बचा हुआ उच्छिष्ट, जूठा ।

नीमचा—(फ) कगरी, छोटी तलवार ।

नीमजाँ—(फ) अध मरा, जो मरने के करीब हो मरणावसन्न, मरणोन्मुख, प्रेमी ।

नीम निगाह—(फ) कटाक्ष, तिरछी नज़र ।

नीम बाज—(फ) अधबुला ।

नीम बिस्मिल—(फ) जिसकी गर्दन अध काटी गई हो, घायल, अध मरा, सिसकता हुआ ।

नीम रग—(फ) हलका पंग, उड़ा हुआ रग ।

नीम रजा—(फ) अर्ध स्वीकृति, कुछ कुछ रज़ामन्दी, थोड़ा सन्तोष ।

नीम रस—(फ) पक्षी का यह बच्चा जिसके पंख पूरे न निकले हों, गदेली ।

नीम राखी—(फ) अर्ध सतुष्ट, जो कुछ-कुछ प्रसन्न हो गया हो ।

नीम रुख—(फ) करवट से लिया गया या बनाया गया चित्र जिसमें आधा चेहरा दिखाइ दे ।

नीम रोज़—(फ) मध्याह्न दोपहर ।

नीम हिलाल—(फ) प्रिय का श्रोष्ठ ।

नीमा—(फ) आधा, मुसलमान । स्त्रियों के श्रोढ़ने का घुरका ।

नीमास्तीन—(फ) देखो “नीम-अस्तीन”

नीयत—(अ) देखो “नीयत” ।

नील—(फ) एक प्रकार का पौधा जिससे नीला रंग तैयार किया

जाता है, नीला रंग, चोट लगने से शरीर पर पड़ा हुआ काला निशान ।

नील का टीका—कलक, लांछन ।

नील काँध चिगडना—चाल-चलन खराब होना, अशुभ बात होना ।

नीलगर—(क) नील का रंग तैयार करने वाला ।

नीलगाव—(क) नील गाय, एक जगली पशु जो हिरन से मिलता जुलता होता है ।

नील गू—(फ) नीले रंग का ।

नीलम—(अ) एक रत्न जो नीले रंग का होता है, नील मणि ।

नीलाम—(पु) माल बेचने का एक प्रकार जिसमें माल उस आदमी को दिया जाता है, जो उसका सबसे अधिक मूल्य देता है । बोली बोल कर बेचना ।

नीलोत्तर—(मि) कुमुदनी, कमल की जाति का एक छोटा फूल जो रात में खिलता है, नील कमल ।

नुकता—(फ) रहस्य, भेद, बारीक या सूक्ष्म बात । व्यंग्य या चोख मरी बात, वह रहस्य पूरा या गूढ़ बात जिसे हर कोई न समझ सके । झुट्टि, दोष, ऐव ।

नुकता—(अ) बिन्दु, बिन्दी ।

नुकताचों—(मि) दोष निकालने वाला ।

नुकता चोनी—(फ) दोष निकालना, झुट्टि हटाना, छिद्रान्वेषण ।

नुकतादों—(मि०) गूढ़ बात को समझने वाला, बुद्धिमान, भेद जानने वाला, रहस्य-विद ।

नुकता परदाज्ञ—(अ) गूढ़ बात कहने वाला । बातचीत करने में चतुर, सुवक्ता ।

नुकतार्थी—(मि०) दोष देखने वाला, ऐव तलाश करने वाला, छिद्रान्वेषी ।

नुकता बानी—(मि०) दोष देखना छिद्रान्वेषण करना ।

नुकता रस—(मि०) गूढ़ या सूक्ष्म बातों को समझने वाला, बुद्धिमान ।

नुकता शिनास—(मि०) देखो “नुकता रस ।”

नुकता सज—(मि०) देखो “नुकता परदाज्ञ” कवि ।

नुकथा—(अ) नक़ीब का बहुवचन ।

नुकराई—(अ) चाँदी का, रुपहला, सफ़ेद ।

नुकराए खाम—(मि०, विशुद्ध चाँदी ।

नुकरा—(अ) चाँदी, सफ़ेद रंग,

सफ़ेद रंग का (घोड़ा) ।

नुकसान—(अ) हानि घाटा, क्षति, छीजन • कमी, हास, घटी, दोष, श्रवगुण ।

नुकसान देह—(मि०) हानिकर, नुकसान पहुँचाने वाला ।

नुक़ात—(अ) नुक़ता का बहुवचन ।

नुकीला—(फ़) नोकदार, बाँका, नाबल ।

नुकूल (अ) देखो “नकूल” नकल का बहुवचन ।

नुक़श—(अ) नक़श का बहुवचन ।

नुक़त—(अ) नुक़ता का बहुवचन ।

बेनुक्त सुनाना—खूब खरी खोटी कहना ।

नुक़तए इन्तख़ान—(अ) वह चिह्न जो पुस्तक या लेख के किसी पसन्द आने वाले स्थल पर लगाया जाता है, सराहना सूचक चिह्न चुनी हुई या पसन्द की गई चीज़ पर लगाया गया निशान ।

नुक़तए जागार—(फ़) पृथिवी, ज़मीन ।

नुक़तए शरू—(फ़) सन्देह सूचक चिह्न ।

नुक़त दाँ—(मि०) देखो “नुक़ता दाँ”

नुक़ता—(अ) देखा नुक़ता ।

नुक़ल—(अ) शफ़ोम खाना या

शराब पीने के साथ खाई जाने वाली चीज़, ग़ज़क, एक प्रकार की मिठाई, चाट, भोजन के पश्चात् खाई जाने वाली चटपटी चीज़, चित्त प्रसन्न करने वाली चीज़ ।

नुक़ले मजलिस—(अ) मजलिस को प्रसन्न करने वाला, भाँड़ मसख़रा ।

नुक़ले महीफ़िल—(अ) देखो “नुक़ले मजलिस”

नुक़स—(अ) त्रुटि, दोष, कमी, ख़राबी, बुराई ।

नुक़सान—(अ) देखो “नुक़सान” ।

नुजबा—(अ) नजीब का बहुवचन ।

नुजहत—(अ) सुख, भोग विलास, आनन्द, प्रसन्नता ।

नुजहत गाह—(मि०) भोग विलास या सैर-सपाटे की जगह ।

नुजूमी—(अ) देखो “नज़ूमी” ।

नुज़ूल—(अ) देखो “नज़ूल” ।

नुक़—(अ) बात करना, बोलना, वाक्यशक्ति, बोलने की शक्ति ।

नुफ़्तए ते तहक़ीक़—(अ) वह व्यक्ति जिसके सम्बन्ध में यह बात न हो कि इसका बाप कौन है, दोगला ।

नुत्कए हराम—(अ) ब्यभिचार से

सकल्य शुभ हो ।

नेक वख्त—(फ) भाग्यशाली सीधा,
सच्चा, आशा पालक (सन्तान) ।

नेक मज्जर—(मि०) सुदर्शन, सुन्दर,
पुष्करत, रूपवान ।

नेकवी-नेकी—(फ) भलाई, अच्छाई,
सज्जनता, भलमनसाहत ।

नेचा—(फ) छोटी नै या नगाली,
हुक्के की बड़ पोली नली जिस
पर चिलम रखी जाती है ।

नेजा—(फ) भाला, बरछा, साँग,
नरसल, किलन जिसकी कलम
बनाते हैं ।

नेजा बरदार—(फ) भाला रखने
वाला बल्लम बरदार ।

नेजा बाज्र—(फ) भाला या बरछी
चलाने वाला ।

ने ने—(फ) नहीं-नहीं ।

नेकक—(फ) देखो 'नेका'

नेका—(फ) पाजामा या लहंगे
आदि में यह जगह जिसमें
नाङ्गा पिरोया जाता है

नेश—(फ) काँटा, शूल, जहरीले
जानवरों का डक, नोक, अनी ।

ने शकर—(फ) इच्छु, दण्ड, गला
ईल ।

नेशजनी—(फ) डक मारना, दश
देना माँजी मारना, बुराई या

चुगली करना, वैशुन्य ।

नेशतर (फ) फोड़ा चीरने का
चाकू, देखो "नशतर"

नेस्त (फ) अभाव, न होना,
जिसकी सत्ता न हो ।

नेस्त नावूद (फ) नष्ट, बरबाद,
जिसका पता निशान भी शेष
न हो ।

नेस्तो नेस्तान (फ) नरसलों का
जगल ।

नेस्ती (फ) अशुभ आलस्य,
नाश न होना, अभाव ।

नै (फ) बाँसुरी निगाली बाँस
या नरसल की पोली नलकी ।

नैचा (फ) देखो "नेचा"

नैचा बन्द (फ) हुक्के का नैचा
बनाने वाला ।

नैयर (अ) देदीयमान नक्षत्र,
प्रकाश देने वाला ।

नैयरे अकबर (अ) बहुत बड़ा
नक्षत्र यानि सूर्य सूरज ।

नैयरे असगर (अ) चन्द्रमा,
चँद ।

नैयरे आज़म (अ) सूर्य, सूरज ।

नैरंग (अ) विचित्रता विविधता,
विभिन्नता, चित्रों की रूप
रेखा जादू, इन्टजाल घोसा,
छल कपट ।

नैरंग बाज—(फ) छली, कपटी,
धूर्त, जादूगर, ऐन्द्र जालिक ।

नैरंग साज—(फ) देखो “नैरंग
बाज ।

नैरंगी—(फ) घोखेबाजी, मक्कारी,
जादूगरी, धूर्तता, छल, चाल
बाजी ।

नैरंगी ए लमाना—(फ) दुनिया का
उलट फेर ।

नैशकर—(फ) देखो “ने शकर”

नोक—(फ) सिरा, अग्रभाग, सूक्ष्म
अग्रभाग, निकला हुआ कोना,
पतला सिरा ।

नोक-भोंक—(मि) व्यग्य, ताना,
चुमने वाली बात, छेड़ छाड़,
आर्तक, दर्प ।

नोकीला—(फ) देखो “नुकीला”

नोके जवॉ—(फ) जीम का अग्रभाग
जिह्वाग्र, कण्ठस्थ, मुलाग्र ।

नोज़—(फ) हिनोज़ का संक्षिप्त, अमी
तक, अन्न तक ।

नोल—(फ) चोंच, तुण्ड ।

नोश—(फ) पीने वाला यौगिक
शब्दों के पीछे जैसे मैं नोश
शराब पीने वाला । स्वादिष्ट
वस्तु रुचिकर प्रिय रसान या
पीने की कोई वदिया चीज़, उत्तम
पेय, अमृत मधु शब्द, जीवन,

ज़हर मोहरा ।

नोशी—(फ) मधुर मीठा, स्वादु पेय ।

नोशी—(फ) पीना, पीने की क्रिया ।

नौ—(फ) नया, नवीन ।

नौ नौअ—(अ) प्रकार, तरह, भाँति
रंग दग जाति, वर्ण ।

नौआबाद—(फ) नया बसा हुआ ।

नौआमोज़—(फ) नौ सिखुआ, नया
सीखतर ।

नौ आयुर्द—(फ) नई बात निका
लना, नयाविष्कार ।

नौइयत—(अ) जाति, प्रकार, तरह
विशेषता ।

नौ उअ—(फ) नई अवस्था वाला,
नौजवान ।

नौकर—(फ) सेनक, चाकर, टहलुआ,
मज़दूर, वेनन लेकर काम करने
वाला ।

नौकर शाही—(फ) वह शासन
प्रणाली जिसमें शासन सत्ता
बड़े बड़े राज कर्मचारियों के हाथ
में रहती है ।

नौकरी—(फ) स्त्री सेविका, दासी,
टहलुई, मज़दूरनी ।

नौकरा—(फ) नौकर का काम सेवा
हल

नौकर, 'श — (फ) वह व्यक्ति
जिसका भौविका नौकरी से

चलती हो ।

नौ खास्ता—(फ) नौजवान ।

नौ खेज—(फ) नौजवान ।

नौ चन्दा—(मि) नया चन्द्रमा, शुक्र
पक्ष की दौज का चन्द्रमा ।

नौज—(अ) नऊज का अपभ्रंश,
“इश्वर न करे ।”

नौजवान—(फ) नव युवक, नया
जवान, तरुण ।

नौजवानी—(फ) नवयौवन, तरु
याई ।

नौ दौलत—(फ) जो नया अमीर
हुआ हो ।

नौ नियाज—(फ) सीखतर, नौ
सिखुआ ।

नौ निहाल—(फ) नया पौधा, होन
हार वालक, बेटा, पुत्र ।

नौ पैदा—(फ) नवजात, जो वस्तु
अमी पैदा हुई हो ।

नौवत—(अ) अवसर, मौका, बारी,
सयोग, गति, दशा, आनन्द या
मंगल-युक्त बाजों का बजाना,
नगाड़ा, शहनाई, कष्ट, नम्बर ।

नौवत खाना—(फ) राज-महलों या
उत्सवों-के स्थानों से दरवाजे
के ऊपर बना हुआ विशेष स्थान
जहाँ बैठकर नौवत बजाई जाती
है, नकार खाना ।

नौवत-व नौवत—(अ) एक एक
करके, नम्बर वार ।

नौवती—(फ) नगाड़ा बजाने वाला,
नकारची, पहलुआ, बड़ा धेरा,
कोतल घोड़ा ।

नौ व नौ—(फ) बिलकुल नया, ताज़ा
टटका ।

नौवर—(फ) नया फल ।

नौवहार—(फ) वसन्त ऋतु का
प्रारम्भ, नया वसन्त ।

नौमरक—(मि) जिसने नया अभ्यास
किया, सीखतर ।

नौ मीद नौमेद—(फ) निराश ।

नौमुस्लिम—(मि) जो नया मुसलमान
बना हो ।

नौरस—(फ) ताज़ा पका फल,
प्रत्येक ताज़ा चीज़, सगीत की
एक पुस्तक का नाम जो सुल्तान
इब्राहीम आदिलशाह के समय
में हिन्दी में लिखी गई थी ।

नौरोज—(फ) नया दिन, वर्ष का
प्रथम दिन ।

नौरोजी—(फ) नौ रोज सम्बन्धी,
नौ रोज का ।

नौ चारिद—(फ) नवागत, जो कहीं
ग़ाहर से हाल में आया हो ।

नौ शहना—(फ) दूल्हे की तरह का,
वर के सहस्र ।

नौशा—(फ) घर, दूल्हा ।

नौशादर—(फ) एक प्रकार का तीक्ष्ण चार, नौसादर ।

नौहा—(अ) मृत के प्रति शोकाञ्जलि अर्पित करना, किसी के मरने पर किया जाने वाला शोक, रोना पीटना ।

नौहागर—(अ) शोकाञ्जलि अर्पित करने वाला, शोक मनाने वाला, रोने पीटने वाला ।

न्याज—(फ) “देखो नियाज” ।

न्याज मन्द—(फ) देखो नियाज मन्द ।

थावत—(अ) देखो “नियावत”

न्यामत—(अ) देखो “नियामत”

प

पज—(फ) पाँच,

पज गाना—(फ) मुसलमानों की पाँच समय की उपासना (नमाज)

पज तन पारु—(फ) मुसलमानों के मतानुसार १-मुहम्मद, २-अली ३-फातिमा, ४-हसन और ५-हुसेन ये पाँच पवित्र आत्माएँ ।

पजपत्तती—(फ) पाँच वक्त की नमाज ।

पज शम्वा—(फ) बृहस्पतिवार,

गुरुवार, जुमेरात ।

पजा—(फ) पाँच चीजों का समूह, पञ्चक, पहुँचे से आगे वाला हाथ का भाग जिसमें हथेली और पाँचा उंगलियाँ हैं, ताश का वह पत्ता जिसमें पाँच निशान होते हैं । किसी धातु की बनी आदमी के हाथ की प्रतिकृति जिसे बहुत से मुसलमान फकीर अपने पास रखते हैं अथवा मुसलमान लोग ताजियों के साथ एक बाँस में लगाकर रुँडे की तरह आगे-आगे ले चलते हैं ।

पजी—(फ) वह मशाल या दीपक जिसमें पाँच लौ या बत्तियाँ जलती हैं ।

परना—(फ) मोश और छोटा आदमी, जानवर आदि ।

पख—(फ) अड़ गा, अड़चन, कठिनाई, मल, बिष्ठा, हला गुल्ला, असम्यता पूर्ण बातें ।

पख पख—(फ) साधुवाद, खुश खुश ।

पखिया—(फ) व्यर्थ का दोष देखने वाला, अड़ गा लगाने वाला ।

पगाह—(फ) प्रातःकाल, सबेरा तड़का, प्रभात ।

पज दिहन्दा—(फ) जायस, गुतचर ।

- पञ्ज मान—(फ) मुरमाया हुआ, म्लान उदास, चिन्तित, शोभाहीन ।
- पञ्ज मुर्दा—(फ) कुम्हलाया हुआ, मुरमाया हुआ, उदास, म्लान ।
- पञ्जाया—(फ) ईंटें पकाने का महा, पक्काया ।
- पञ्जीदन—(फ) पकाना, पकाने की क्रिया ।
- पञ्जीर—(फ) मानने वाला, स्वीकार करने वाला, ग्रहण करने वाला ।
- पञ्जीरा—(फ) मानने योग्य, स्वीकार करने योग्य ।
- पञ्जीराई—(फ) स्वीकृति, मानना ।
- पत्तील—(फ) दीपक की वत्ती ।
- पत्तील सोज़—(मि०) घातु की घनी दीवट जिसमें कइ उत्तियाँ रखने के लिए चारों ओर मुँह उने रहते हैं ।
- पद्—(फ) बृह बृह जो फलता न हो ।
- पनाह—(फ) शरण, रक्षा, रक्षा स्थान ।
- पनाह मागना—रक्षा के लिए प्रार्थना करना ।
- पनीर—(फ) दूध को भाड़ कर बनाया हुआ छेना, बड़ दही जिसको कपड़े में बाँध कर पानी
- निचोड़ लिया गया हो ।
- पन्द—(फ) उपदेश, शिक्षा अच्छी बातें ।
- पन्दार—(फ) घमण्ड, समझ, अनुमान, अटकल, आशा, चाहना ।
- पयापी—(फ) लगातार ।
- पयाम—(फ) सदेश, समाचार ।
- पयामवर—(फ) सदेश वाहक समाचार ले जाने वाला ।
- पर—(फ) पक्ष, पक्षियों के पर, पत्त, किनारा, कोना ।
- पर फाट देना—किसी को अशक्त या साधनहीन बना देना ।
- पर जमना—किसी सीधे-सादे आदमी का धूर्तता करने लगना ।
- पर न मार—किसी का झूँक भी न सकना, पैर भी न रख सकना ।
- परकार—(फ) गोल रूत खींचने का एक औज़ार ।
- परकाला—(फ) टुकड़ा, हिस्सा, भाग अथ, आग की चिनगारी काँच का टुकड़ा ।
- परस्ताश—(फ) लड़ाई मगड़ा टंटा ।
- परगना—(फ) ज़िल का एक भाग जिसमें बहुत से गाँव हों ।
- परचम—(फ) माले में बाँधने का कपड़ा, पतारू, परैरा, चक्कर

- पहाड़ी गाय की पूछ, जुल्फें ।
 परचा—(फ) रंढ, टुकड़ा, कागज का टुकड़ा, चिट्ठी, रफा ।
 परचीन—(फ) खेत या बागके चारों ओर काँटों आदि की बनाई हुई बाढ़ ।
 परतू परतो—(फ) किरण, प्रकाश, प्रतिबिम्बाया ।
 परदए जम्बूर—(फ) जालीदार बुरका ।
 परदगी—(फ) परदे में रहने का भाव, आड़, छिपाव, पर्दे में रहने वाली ।
 परदा—(फ) ओट, आड़, छिपाव दरवाज़ों पर टाँगने का कपड़ा, चिक, एकान्त, सितार आदि बाजा का पर्दा जिस पर उंगली रखने से भिन्न भिन्न प्रकार के स्वर निकलते हैं, छिरिया की पर पुरुषों से छिप कर रहने की प्रथा, आड़ करने के लिए बनाई गई छोटी दीवार, परत, तह ।
 परदाख्तन—(फ़) सजाना, मुसजित करना, बनाना, करना, बाजों का बजाना, निवृत्त होना, छोड़ना, पूरा करना समाप्त करना, देख भाल करना ।
 परदाष—(फ) सजावट, सजाना, बेल-बूटे बनाना, चित्रकारी या नक्कशी करना ।
 परदाज़ी—(फ) सजाने या चित्रकारी करने की क्रिया ।
 परदा दरीदन—(फ) रहस्योद्घाटन, भेद खोल देना ।
 परदा दार—(फ) जिसमें परदा लगा हो, परदे में रहने वाला, दरवान ।
 परदा दारी—(फ़) परदे में रहना ।
 परदा नशीन—(फ़) परदे में रहने वाली ।
 परदा पोश—(फ) किसी के भेद या दोष को छिपाने वाला ।
 परदार—(फ) जिसके पर हों, पत्नी वाला ।
 परन्द—(फ़) पत्नी, पत्थर ।
 पर व घाल—(फ) शक्ति, सामर्थ्य ।
 परवर—(फ़) पालने पोसने वाला, पालक, रक्षक ।
 परवरदा—(फ) पाला-पोया, पाला हुआ, पालित ।
 परवरदिगार—(फ़) इश्वर का एक विशेषण, पालन करने वाला ।
 परवरिश—(फ़) पालन-पोषण ।
 परवर्दा—(फ़) देखो “परवरदा” ।
 परवा—(फ) चिन्ता, मय, आशका,

खट्वा, ध्यान, सावधानी,
भरोसा, आसरा ।

परवाज—(फ) उड़ना, निश्चावर ।

परवानगी—(फ) आशा, अनुमति ।

परवाना—(फ) पतगा, तितली,
आशापत्र ।

परवेज—(फ) खुशरो नामक बाद
शाह जो नौशेरवाँ का नाती
था । बिजयी ।

परस्त—(फ) पूजक, पूजने वाला,
मानने वाला ।

परस्तार—(फ) पूजा या उपासना
करने वाला, मेवक, दास ।

परस्तिश—(फ) पूजा, आराधना ।

परस्तिशगाह—(फ) पूजा करने की
जगह, आराधना करने का
ध्यान ।

परहेज—(फ) पापों तथा प्रतिकूल
वस्तुओं से बचना, स्वास्थ्य रक्षा
के लिए खाने-पीने में संयम
रखना ।

परहेजगार—(फ) दोषों और पापों
से बचने वाला, स यमी ।

पर हुमा—(फ) कलगी ।

परा—(फ) पक्षि भेणी ।

परागन्दा—(फ) अस्तव्यस्त, तित्तर-
वित्तर, बिरसरा हुआ । दुर्दशा
अस्त ।

परिन्दा—(फ) पत्नी, पक्षों वाला
जानवर ।

परिस्तान—(फ) वह स्थान जहाँ
बहुत-सी सुन्दरी स्त्रियाँ रहती
हों । परियाँ के रहने की जगह ।

परी—(फ) एक प्रकार की कलित
अत्यन्त सुन्दरी और पर वाली
स्त्रियाँ, सुन्दरी, एक प्रकार का
अत्यन्त मुलायम कपड़ा ।

परीखवान—(फ) मन्त्र-तन्त्रों द्वारा
परियों या भूतों को वश में
रखने वाला काढ़ फूँक करने
वाला, ओम्का, स्थाना ।

परीजाद—(फ) परी की सन्तान,
अत्यन्त सुन्दर ।

परोना—(फ) पुराना ।

परी पैकर—(फ) जिसका चेहरा
परी के चेहरे जैसा सुन्दर हो,
सुन्दर प्रेम-पात्र, प्यारा ।

परीरू—(फ) जिसका मुँह परी के
मुँह जैसा सुन्दर हो ।

परीवश—(फ) परी व जैसा सुन्दर
चेहरे वाला, अत्यन्त सुन्दर ।

परेशान—(फ) व्यथित, आपत्ति
ग्रस्त, व्याकुल, व्यग्र, उद्विग्न ।

परेशानी—(फ) व्याकुलता, उद्वि-
ग्नता, व्यथा, आपत्ति ।

पलंग—(फ) बड़ी खाट, एक चीजे

की जाति का हिंसक जन्तु ।

पलग पोश—(फ) पलग पर बिछाने की चादर ।

पलक—(फ) आँखों के ऊपर का राल का ढक्कन, भिन्न-भिन्न, पपोटे ।

पलक बिछाना—किसी का अत्यन्त आदर से स्वागत करना ।

पलक लगाना—नींद आना, आँख कपकना ।

पलास—(फ) सनका बना मोटा कपड़ा, टाट, जाजम, ढाक का पेड़ ।

पलीता—(फ) बड़ आदि के रेशों की बनाई हुई वह वस्ती जिसके द्वारा तोड़ादार बन्दूक या तोपों में आग लगाई जाती है ।

पलीद—(फ) दुष्ट, नीच, अपवित्र, मलिन, अशुद्ध ।

पल्ला—(फ) पद, दरजा, सीढ़ी का डटा, तराजू का पलड़ा । ढाक का वृक्ष ।

पशेमान—(फ) लज्जित, पछताने वाला, पश्चात्ताप करने वाला ।

पशेमानी—(फ) लजा, पछतावा, पश्चात्ताप ।

पशतो—(फ) अफगानिस्तान में बोली जाने वाली बोली ।

पशम—(फ) मेड़ के उच्चों की ऊन, बहुत ही बढ़िया और मुलायम ऊन, उपस्थेन्द्रिय पर के राल, अति पुच्छ वस्तु ।

पशमीना—(फ) पशम से तैयार किया गया बहुत बढ़िया ऊनी कपड़ा ।

पशशा—मच्छर ।

पस—(फ) तब, तो, अन्ततः, निदान, इसलिये, पीछे ।

पस अन्दाज—(फ) बूढ़ावस्था के लिए बचाकर रखा गया धन ।

पस अन्देश—(फ) अदूर दशी ।

पस अफगान्दा—(फ) तर्ज से उचा कर किसी दूसरे अस्तर पर काम आने के लिए रखी गई चीज़, बीट, गोबर ।

पस आईग—(फ) सेना का पिछला भाग, चन्दावल ।

पस खुर्दा—(फ) भोजन के पश्चात् थाली में बचा हुआ अन्न, जूठन, उच्छिष्ट । उच्छिष्ट-भोजी, जूठन खाने वाला ।

पस गैवत—(मि०) अनुपस्थिति में, पीठ पीछे ।

पसन्द—(फ) रीक, रुचि, इच्छा, अभिरुचि ।

पसन्दीदा—(फ) मन चाहा, पसन्द किया हुआ, अच्छा । बढ़िया,

बुना हुआ ।

पसपा—(फ) पीछे पैर हटाने वाला, पीछे हटने वाला ।

पसमॉन्—(फ) पीछे शेष रहा हुआ, जो पीछे रह गया हो ।

पसरौ—(फ) अनुगामी, पीछे चलने वाला ।

पसोपेश—(फ) सोच-विचार, स कल्प, असमजस ।

पस्त—(फ) साहस हीन थका हुआ, शिथिल, अधम, नीच ।

पस्ता क्रद—(फ) नाटा, ठिगना ।

पस्ती—(फ) थकान, शिथिलता, अधमता, नीचता ।

पहन—(फ) चौड़ा, विस्तृत, विस्तीर्ण ।

पहना—(फ) चौड़ाई, विस्तार ।

पहलव—(फ) एक नगर विशेष, बहादुर, वीर, साहसी, धनी, लाम, फायदा । फारस देश का पुराना नाम ।

पहलवान—(फ) वीर, बहादुर, शक्तिशाली, साहसी, बली, मल्ल, कुश्ती लड़ने वाला, दृष्ट पुष्ट ।

पहलवी—(फ) फारस की सात भाषाओं में से एक अत्यन्त पुरानी भाषा जिसमें पारसियों

का धर्म ग्रन्थ जिन्द आबस्ता लिखा गया है । पारसी मज्ज हन ।

पहलू—(फ) बगल, पार्श्व, बाजू, करवट, ओर, दिशा, तरफ़ ।

पहलूतिही—(फ) किनारा करना, बचा जाना, बात से फिर जाना इनकार ध्यान न देना ।

पा—(फ) पैर, पाँच, टाँग, नींव, शक्ति, अधीन, आधार, (यौगिक शब्दों के अन्त में) ठहरने वाला,

पाइन्दा—(फ) तीव्रगामी, दौड़ने वाला ।

पाइया—(फ) घोड़े की एक चाल जो न तेज हो न धीमी ।

पाई—(फ) नीचे ।

पाईवन—(फ) खोजना, ढूँढ़ना ।

पाईपरस्ती—(फ) टहल, चाकरी, सेवा ।

पाक—(फ) पवित्र, निष्पाप, निरपराध, स्वच्छ, निर्मल, खालिस, जिस पर कोई देन-दारी या श्रृंखला आदि न हो ।

पाक दामन—(फ) सदाचारी, सधरि, निर्दोष । यह शब्द प्रायः क्रियाओं के लिए व्यवहृत होता है ।

पाक नपस —(मि०) सदाचारी, पवित्र
आचरणों वाला ।

पाक घाञ्ज —(फ) पवित्र आदमी,
सचरित ।

पाकार —(फ) सेमरू, टहलुआ, भगी ।

पाक्री —(फ) स्वच्छता, पवित्रता,
सफाई, उस्तरे से बाल मूँड़ना,
विशेष कर उपस्थेन्द्रिय पर के,
उपस्थेन्द्रिय के जाल, जाल मूँड़ने
का उस्तरा ।

पाक्रीजा —(फ) पवित्र, शुद्ध, निर्दोष,
सुंदर ।

पाखाना —(फ) बिन्डा, मल, पुरीप,
मल त्यागने का स्थान सडास ।

पागोश —(फ) पानी में डुबकी
लगाना ।

पाचक —(फ) कंढा, उपला ।

पाजामा —(फ) पैरों में पहनने का
बिना हुआ प्रसिद्ध वस्त्र, इजार,
चुपना ।

पाजी —(फ) अधम, नीच, अयोग्य,
दुष्ट, छोटी भेंसी का नौकर ।

पाज्जेन —(फ) स्त्रियों के पैरों में
पहनने का गहना, नूपुर मंजीर ।

पातराय —(फ) यात्रा, प्रस्थान,
सफ़र ।

पाताना —(फ) पैरों में मोर्जा के
ऊपर पहनने का कढ़े का बना

जूता ।

पाद —(फ) रत्नक, निरीत्नक ।

पादग(फ) धान कूटने की ढेकली ।

पादशाह —(फ) बड़ा राजा, बाद-
शाह, सम्राट् ।

पादाश —(फ) कल, परिणाम,
नतीजा । (अधिकतर बुरे कामों का)

पापोश —(फ) जूता, उपानत् ।

पाप्यादा —(फ) पैदल, बिना
सवारी के ।

पायन्द —(फ) विवश अधीन, बँधा
हुआ किसी आज्ञा, नियम बात
या प्रतिज्ञा का नियम से पालन
करने को बाध्य । जाल, रस्ती ।

पाबन्दी —(फ) बंधन, प्रतिबन्धकैद ।

पा ब प्तजोर —(फ) जिसके पैर
सँकल से बँधे हों, जिसके पैरों
में बेड़ियाँ पड़ी हों ।

पा घ रक्ताय —(फ) प्रस्थान के लिए
उद्यत, यात्रा के लिए तैयार,
जिस के पैर घोड़े के रक्ताब में
रखे हों ।

पा घोस —(फ) चरण चूमने वाला,
चादुकारी, खुशामदी ।

पा-घोसी —(फ) चरण चूमना (अपने
से बड़ों के शिष्टाचार वश),
चादुकारी, खुशामद, चापलूसी ।

पा-माल —(फ) द-दलित, पैरों से

कुचला हुआ, दुदशा-ग्रस्त ।

पा-मोज—(फ) एक जाति का कबूतर जिसके पैरों पर भी राँए होते हैं ।

पाय—(फ) पाद, पैर, पाँव, आधार, नींव, नीचे का भाग ।

पायक—(फ) पदाति, प्यादा, पैदल चलने वाला सिपाही, दूत, सदेश वाहक, हरकारा, छोटा कर्मचारी, कर उगाहने वाला ।

पायकूच—(फ) नाचने वाला, नर्तक, नचकैया ।

पायखाना—(फ) मलमूत्र त्यागने का स्थान, सँडास टह्ठी ।

पायगाइ—(फ) पद, ओइदा ।

पायजामा—(फ) देखो “पाजामा” ।

पायतख्त—(फ) राजधानी ।

पायतराय—(फ) यात्रा प्रारम्भ करने के दिन कुछ दूर का चलना ।

पायताबा—(फ) देखो “पाताबा” ।

पायदान—(फ) पैर रखने की जगह, सवारी आदि में चढ़ने के लिए लोहे या लकड़ी का बना पैर रखने का स्थान । जूते उतारने की जगह ।

पायदार—(फ) दढ़, टिकाऊ, मजबूत, पक्का, सदा ।

पायदारी—(फ) दढ़ता, टिकाऊपन,

मजबूती ।

पायन्दाज—(फ) पाँवड़ा, कमरों के दरवाजों में पैर पीछने के लिए बिछाया जाने वाला छोटा बिछावन ।

पायपस्त—(फ) पद दलित पीड़ित ।

पायउन्द—(फ) “देखो” पायन्द ।

पायमर्द—(फ) सहायक, मददगार ।

पायमर्दी—(फ) सहायता, मददबल ।

पायमाल—(फ) “देखो “पामाल” ।

पाया—(फ) खाट चौकी कुर्सी आदि के पैर, टाँग, सीढ़ी, ज़ीना, खम्मा, पद, स्थान ओइदा प्रतिष्ठा ।

पायान—(फ) समाप्ति, अन्त ।

पायाब—(फ) नदी आदि का इतना उथला पानी जिसमें श्वस कर पैदल पार - जाया जासके । पाँफ ।

पार—(फ) गत, गया हुआ ।

पारकाब—(फ) सहचर गेहे आदि मियों के साथ साथ चलने वाले लोग । यात्रा के लिए उद्यत ।

पारधा—(फ) बख, कपड़ा, कपड़े का टुकड़ा ।

पारदुम—(फ) घोड़े के जीन की

पारस—(फ) एकदेश, फारस ।

पारसा—(फ) निष्पाप, पवित्र, सदा चारी, धर्मनिष्ठ, बुरे कामों से बचने वाला ।

पारसाई—(फ) पवित्रता, सदाचार, धर्म निष्ठता ।

पारसी—(फ) पारस देश का रहने वाला, पारस देश की भाषा या और कोई वस्तु, फारसी ।

पारा—(फ) टुकड़ा, हिस्सा, खंड, भाग, प्रसाद, विवाहित, भेट, उपहार ।

पारीना—(फ) 'प्राचीन, पुरातन पुराना ।

पाला—(फ) कोतल घोड़ा ।

पालान—(फ) गधे की कमर पर बसा जाने वाला सामान जिस पर बोझा लादा जाता है ।

पालायश-पालाश—(फ) साफ करना, स्वच्छता, सफाई ।

पालूदा—(फ) स्वच्छ, साफ ।

पालेज—(फ) खरबूज, तरबूज ककड़ी आदि की खेती । उजड़ा ।

पाश—(फ) बन्ना, टुकड़े-टुकड़े होना, विदीर्ण होना, खंड ।

पाशा—(तु०) बहुत बड़ा अफसर, प्रान्तका शासक ।

पाशी—(फ) छिड़कना, सींचना, तर करना (बौगिक शब्दों के अंत में)

पाशीदन—(फ) छिड़कना ।

पास—(फ) पक्षपात, लिए, रक्षा, पहरा, चौकी, लिहाज, सकोच, एक पहर का समय ।

पासग—(फ) वह बोझ जो तराजू के पल्लों का भार बराबर करने के लिए हलके पल्ले की ओर बाँधा जाता है ।

पास-खातिर—(फ) लिए, वास्ते, निमित्त, किसी की खातिर ।

पासदार—(फ) रक्षक, रखवाला, चौकीदार, पक्ष करने वाला ।

पास दारी—(फ) रक्षा, चौकीदारी, रखवाली, पक्षपात । तरफ दारी, देख भाल, चौकसी ।

पासवान—(फ) रक्षक, पहरेदार, रखेली स्त्री, रखनी ।

पासवानी—(फ) रक्षा, चौकीदारी, देख भाल ।

पासवज—(फ) सज्ज कदम, अशुभ, मनहूस ।

पिंजड़ा—(फ) पत्तियों के रहने के लिए लकड़ी या लोह की तीलियों का बनाया हुआ दरवा । पिंजर ।

- पिडर—(फ) धाप, पिता ।
 पिडरवार—(फ) पिता के समान,
 पिता के अनुसार ।
 पिदराना—(फ) पिता के समान,
 पिताक सा पिता की तरह का ।
 पिदरो—(फ) पिता का, पैतृक ।
 पिनहॉ—(फ) गुप्त, छिपा हुआ ।
 पिन्दार—(फ) घमण्ड, कलना,
 अनुमान, अटकल, आशा,
 चाहता, समझ, बुद्धि ।
 पिशवाज—(फ) वेश्याओं की
 नाचने के समय पहनने की
 पोशाक । एक विशेष प्रकार का
 धानरा ।
 पिसर—(फ) पुत्र, बेटा, लड़का ।
 पिमराक—(दु०) खन्वर ।
 पिस्ताँ—(फ) बिया के स्तन, कुच ।
 पिस्ता—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
 सूखी मेवा ।
 पी—(फ) पाँव, खाज, पद बिह,
 लिए, बल ।
 पीनक—(फ) शॉर तद्रा, अफीम
 के नशे की अवस्था ।
 पीर—(फ) वयोवृद्ध, बूढ़ा, महात्मा,
 सिद्ध, योगवार ।
 पीरजा—(फ) बुद्धि, अंगोठी ।
 पीरजावा—(फ) किसी महात्मा व
 वरका ।
 पीरसाल—(फ) बूढ़ा, बूढ़ी ।
 पीराई—(फ) एक प्रकार के मुसल-
 मान जो बाजा बजाते और
 पीरों के गीत गाते हैं ।
 पीराना—(फ) बूढ़ों का सा ग
 व्यवहार आदि ।
 पीरी—(फ) बूढ़ावस्था, बुढ़ाप,
 महत्पन, गुरुआदि, चेले
 मूँड़ने का धधा, हुस्मन,
 शासन, ठेका, इजारा ।
 पीरे मुगाँ—(फ) अग्नि की उनासना
 करने वाला, प्रिय, प्रेम-पात्र ।
 पीरोज—(फ) विजयी सफल ।
 पीरोजा—(फ) एक बहुमूल्य नीले
 रंग का पत्थर ।
 पील—(फ) हाथी, बहुत मोटा या
 मारी, चमड़े का पैला ।
 पीलतन—(फ) स्थूल काय, हाथी
 के समान मोटे शरीर वाला ।
 पीलपा—(फ) हस्तिपाद, श्लिषद,
 एक श्रीमारी जिसमें आदमी के
 पैर फूल कर हाथी के पैर जैते
 हो जाते हैं ।
 पील पाया—(फ) हाथी का पैर,
 बहुत मोटा सम्भा ।
 पील माल—(फ) हाथी के पैरों से
 कुचलवाना ।
 पीलवान—(फ) हाथी को हारिने

वाला, हाथीवान, महावत ।

पीलवाला—(फ) हाथी के शरीर
जैसा ।

पीला—(फ) हाथी, रेशम का
कीड़ा ।

पीले माल—(फ) माल असबाब से
लदा हुआ हाथी ।

पी सफेद—(फ) अशुभ या मनहूस
पाँव वाला ।

पुखत—(फ) लात मारना ।

पुखता—(फ) पका हुआ, पका,
ढढ़ चतुर मनुष्य ।

पुखतारी—(फ) एक प्रकार की
बढ़िया रोटी, वह रोटी जो
गोश्त के प्याले पर उसे गरम
रखने के लिए रखी जाती है ।

पुञ्जशक—(फ) चिकित्सक, जर्जर ।

पुदीना—(फ) एक प्रसिद्ध वनस्पति
जिसकी पत्तियाँ चटनी, रायता
आदि बनाने के काम में आती
हैं ।

पुर—(फ) बहुत, भरा हुआ,
परिपूर्ण ।

पुरकार—(फ) भोटा, दलदार,
चतुर, चालाक ।

पुरजा—(फ) डुरुफा, चियड़ा,
फतरन, धब्बी, भाग, अश,
अरयव, अंश, लिम्बा हुआ

छोटा पचा ।

पुरताव—(फ) बलवान, शक्ति-
सम्पन्न ।

पुरदिल—(फ) वीर, बहादुर ।

पुरफिजा—(मि०) शोभा से परिपूर्ण,
सौन्दर्य से भरा हुआ ।

पुरस—(फ) पूछना, दरियास्त
करना ।

पुरसाँ—(फ) पूछने वाला ।

पुरसा—(फ) मातम पुरसी, शोक
प्रकाशन, किसी मरे हुए व्यक्ति
के घर वाला को सान्त्वना देना ।

पुरसिश—(फ) पूँछना ।

पुरसी—(फ) पूछना (योगिक
शब्दों के अन्त में) ।

पुरी—(फ) भरना, पूरा करना,
पूण्या, भरा होना ।

पुर्स—(फ) देखो ' पुरस '

पुल—(फ) नदी या किसी अन्य
जलाशय के पार जाने के लिए
नावों या खम्भों पर पाट कर
बनाया हुआ मार्ग, सेतु ।

पुल धाँधना—किसी चीज की
बहुत अधिकता या भरमार
कर देना ।

पुल टटना—अतिशय या अधिकता
होना, भरमार होना, ढेर या
जमघट लग जाना ।

- पुल फ़िल—(फ) काली मिर्च ।
- पुलाव—(फ) मांसोदन, मास के साथ मिलाकर पकाए हुए चावल ।
- पुस्त—(फ) पीठ, कमर, पृष्ठ, सहारा, पूर्वज, पीढ़ी ।
- पुस्तक—(श्र) मारना, मारना ।
(फ) घाँवे आदि का पिछले पैरों से मारना ।
- पुस्तखार—(फ) घोड़ों आदि की पीठ खुजाने का पंजा, खुजैरा या खुरैरा ।
- पुस्त पनाह—(फ) पृष्ठ-पोशक, हिमायती, रक्षक, आश्रय स्थान ।
- पुस्ता—(फ़) पानी आदि की रोक के लिए बनाई गई ऊँची मेंढ़, बाँध, दीवार के सहायताार्थ उससे सहारे बनायी गई दूसरी दीवार, कितान की जिल्द में पीछे की ओर लगाया गया कपड़ा या चमड़ा । टीला ।
- पुस्तारा—(फ) उतना मोटा जो पीठ पर उठाया जा सके ।
- पुस्ती—(फ) पुष्टि, समर्थन, सहायता, पृष्ठ पोषण, पुस्तक की जिल्द का पुष्ठा ।
- पुस्तीवान—(फ) पृष्ठ पोशक, सहारा

- देने वाला, किवाड़ों में तख्तों के ऊपर या पीछे तिरछी लगाई जाने वाली पटरियाँ ।
- पुश्तेनी—(फ) पूर्वजों के समय का, दादा-परदादा के आगे का, कई पुश्तों से चला आने वाला, बहुत पुराना ।
- पुस्त—(फ) पीठ, कमर, शक्ति, मादकता बढ़ाने वाली वस्तु ।
- पूज—(फ) पशुओं का चेहरा, जानवरों का मुँह ।
- पूजबन्द—(फ) पशुओं के मुँह पर बाँधने की जालीदार थैली, मुछीरा ।
- पेच—(फ) चक्र, घुमाव, बिराब, झुकाव, झुकाव, चारों ओर, घूर्णता, युक्ति, तरकीब, पगड़ी या साँके के लपेट, कल, मशीन, पुर्जे, एक प्रकार की कील जो किसी चीज़ में घुमा घुमा कर कसी जाती है ।
- पेचक—(फ़) सीने के वास्ते बटे हुए धारीक धागे की गोली ।
- पेच दर पेच—(फ) जिसमें पच क भीतर और भी पेच हो, लपेट के नीचे और लपेट ।
- पेचदार—(फ) टेढ़ा-मेढ़ा, कठिन, उलझन का, जिसमें कल-पुर्जे

लगे हों, किसी चीज़ का कोई ऐसा भाग जो घुमा-पिरा कर उससे अलग किया और जोड़ा जा सके ।

मेचवान—(फ) एक विशेष प्रकार का हुस्का ।

मेचा—(फ) घुमावदार, लिपटा हुआ, पेचीला ।

मेचिश—(फ) एक बीमारी जिसमें आदमी को बार बार दर्द करके थोड़ा थोड़ा आँव मिला दस्त होता है । एठन, मरोड़ ।

मेचीदा—(फ) कठिन, जटिल, गूढ़, टेढ़ा-मेढ़ा, जो जल्दी समझ में न आसके । घुमावदार ।

मेश—(फ) आगे, सामने, अगला भाग, फारसी लिपि में हल्फ प्रकार की माना का ब्योतक चिह्न जो अक्षरों के ऊपर लगाया जाता है ।

मेश आना—(फ) व्यवहार करना, आगे आना ।

मेश आहग—(फ) सेना का अग्र भाग, हरावल, सेना के आगे चलने वाला व्यक्ति ।

मेश कदमी—(फ) आगे पैर बढ़ाना, किसी काम में आगे बढ़ना, आक्रमण, नेतृत्व ।

मेश कञ्ज—(फ) एक अन्न विशेष, कटार, पहलवाना का एक दाव ।

मेशकार—(फ) सामने वाम करने वाला, हाकिम के आगे कागज़-पत्र रखने वाला ।

मेशकारी—(फ) मेशकार का काम या पद ।

मेशखेमा—(फ) सेना का वह सामान जो पहले ही आगे के मुकाम पर पहुँचा दिया जाता है, सेना का अग्रभाग, 'हरावल', किसी होने वाले काम के पहले ही से दिखाई देने वाले चिह्न ।

मेश खैर—(फ) सेवक, चतुर, रात्रि का प्रारम्भ ।

मेशगाह—(फ) मकान, के आगे का खुला हुआ हिस्सा, आँगन, सदन, चौक, अमीरों की गद्दी और आदशाहों के तख्त के आगे बिछाया जाने वाला बिछोना ।

मेशगी—(फ) वह धन जो किसी काम के निमित्त काम करने वाले को पहले ही दिया जाय, अगाऊ ।

मेश गोई—(फ) मरिप्य में होने वाले किसी काम की पहले ही सूचना देना, मरिप्य कथन ।

पेशतर—(फ़) पहले ही, पूर्व ।

पेशताक़—(फ़) राजमहल का द्वार,
दरवाज़े के आगे का मैदान ।

पेशदस्त—(मि०) किसी काम की
पहले से व्यवस्था करने वाला,
पेशकार, नायब ।

पेश दस्ती—(मि०) किसी काम की
पहले से ही व्यवस्था करना ।

पेश दामन—(फ़) नौकर, सेवक ।

पेशनमाज—(फ़) मुसलमानों का यह
धार्मिक अगुआ जो नमाज़ पढ़ने
के समय सबसे आगे खड़ा होता
है । इमाम ।

पेशबन्द—(फ़) घोड़े के चारजामे
का वह उद जो घाँट की गर्दन
के नीचे स ले जाकर दूसरी ओर
चारजामे में बाँधा जाता है ।

पेशबन्दी—(फ़) किसी काम की
पहले से की गई व्यवस्था, किसी
बात की पहले से की गई रोक थाम ।

पेशबी—(फ़) आगे होने वाली बात
को पहले ही देख या समझ लेने
वाला, अग्रशोची, दूरदर्शी
बुद्धिमान ।

पेशबीनी—(फ़) दूरदर्शिता, किसी
बात को पहले ही जान लेना ।

पेश री—(फ़) आगे चलने वाला,
पथ प्रदर्शक ।

पेशवा—(फ़) नेता, अगुआ, सर
दार, उपदेष्टा, मरहटा राजाओं
के प्रधान मंत्रियों की उपाधि ।

पेशवाई—(फ़) किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति
के अपने घर आने पर कुछ
आगे बढ़कर उसका स्वागत
करना, अगवाना ।

पेशवाज—(फ़) स्वागत, अगवानी
स्वागत करने वाला, छिर्याँ
विशेषकर नर्तकियाँ के पहनने
की विशेष पोशाक ।

पेशा—(फ़) उद्यम, व्यवसाय, वह
काम जो जीविकोपार्जन के
लिए किया जाय ।

पेशानी—(फ़) अगला या ऊपरी
भाग (किसी चीज़ का) मस्तक
भाया, भाग्य, कढ़ाई निर्लज्जता,
चपलता, योग्यता, सम्पत्ति,
उदारता ।

पेशाब—(फ़) मूत्र, मूत ।

पेशाब खाना—(फ़) मूत्र त्याग करने
का स्थान ।

पेशावर—(फ़) किसी प्रकार का
पेशा करने वाला, व्यवसायी,
भारत के पश्चिमी सीमा प्रान्त
का प्रदेश ।

पेशी—(फ़) अभियोग की मुनवाई,
हाकिम के आगे किसी अभियोग

- को उपस्थित करने की क्रिया ।
 सामने उपस्थित होने का भाव ।
 पेशीन—(फ) अगला, भविष्य का ।
 पेशीन गोई—(फ) भविष्य कथन,
 आगे की बात बताना ।
 पेशीना—(फ) अगला, पहले वाला ।
 पेशतर—(फ) देखो “पेशतर” ।
 पै—(फ) पैर, पदचिह्न ।
 पैक—(फ) समाचार लेजाने वाला,
 सन्देश ग्राहक ।
 पैकर—(अ) रूप और शरीर, चेहरा,
 मुख ।
 पैकान—(फ) तीर का फल, गाँसी ।
 पैकार—(फ) कुट्टकर सौदा बेचने
 वाला, गलियारों में घूम फिर कर
 सामान बेचने वाला । मुद्र,
 लड़ाई ।
 पैखाना—(फ) देखो “पाखाना”
 पैखान्वर—(फ) ईश्वरीय सन्देश को
 मनुष्यों तक लाने वाला ।
 पैखाम—(फ) सन्देश, सन्देश । वह
 बात जो कहला मेजी गई हो ।
 पैखार—(फ) उपानत, जूता ।
 पै दर पै—(फ) बार-बार, लगातार,
 क्रमशः ।
 पैदा—(फ) प्रयत्न, उत्पन्न, आविर्भूत,
 प्रकट, उपार्जित, कमाया हुआ,
 प्राप्त ।
 पैदाइश—(फ) उत्पत्ति ।
 पैदाइशी (फ) जन्म सिद्ध जन्मा-
 जात, जो जन्म से ही हो ।
 पैदावार—(फ) भूमि की उपज, अन्न
 आदि जो खेत में बोने से प्राप्त
 हो ।
 पैमाइश—(फ) भूमि आदि नापने
 की क्रिया या विधि, नाप ।
 पैमान—(फ) प्रतिज्ञा, वादा, वचन,
 सन्धि, शर्त ।
 पैमाना—(फ) नाप, नापने का
 साधन माप-दण्ड । शराब पीने
 का प्याला ।
 पैमाना पुर होना—जीवन का अन्त
 आना ।
 पैरवी—(फ) कोशिश, प्रयत्न, दीर्घ
 धूप, पक्ष का समर्थन, अनुसरण
 अनुगमन, आशा-गालन ।
 पैरहन—(फ) चौंके की तरह का
 एक लम्बा पहनावा ।
 पैरास्ता—(फ) मुसजित, सजाया
 हुआ अलंकृत ।
 पैरौ—(फ) अनुयायी, अनुगामी,
 पिछे लगू, मुरीद ।
 पैरौकार—(फ) किसी काम के लिए
 उद्योग करने वाला, मुन्हमें
 आदि की पैरवी करने वाला ।
 पैचन्द—(फ) जोड़, योगली, दुम्हा,

- अच्छी जाति के फल पैग करने वाले किसी वृक्ष की शाखा में उसी जाति के दूसरे वृक्ष की शाखा काट कर लगाना । किसी वस्तु में लगाया हुआ जोड़ ।
- पैवन्दी—(फ) ऐसे वृक्षों के फल जिनमें पैवन्द लगाया गया हो ।
- पैवस्ता—(फ) प्रणिष्ट, घुसा हुआ, अच्छी तरह साथ में जोड़ा हुआ, सम्बद्ध ।
- पैहम—(फ) लगातार, जराबरा, सदा हुआ ।
- पोइया—(फ) घोड़े की एक प्रकार की चाल, क्रम ।
- पोच—(फ) अयोग्य, निकम्मा, तुच्छ क्षुद्र, निर्धन, अशक्त, असमर्थ ।
- पोतादार—(फ) नकद रुपया रखने वाला, कोपाप्यक्ष, खजांची ।
- पोदीना—(फ) देखो 'पुदीना' ।
- पोल—(फ) सिक्का, पुल ।
- पोलस्याह—(फ) ताँबे का सिक्का पैसा ।
- पोलाद—(फ) एक प्रकार का उत्तम और कड़ा लोहा, मेरी, पोलाद
- पोश—(फ) आवरण, आच्छादन, ढकना, ढट्ठाओ, बच जाओ (जैसा कि भीड़ में गाड़ीवान बोलते हैं) ।
- पोशाक—(फ) भूषा, पहनने के वस्त्र, परिधान, पहनावा ।
- पोशिश—(फ) पहनावा, पोशाक ।
- पोशोदन—(फ) पहनना, छिपाना ।
- पोशीदगी—(फ) छिपाव, ढाँक, पोशीदा होने का भाव ।
- पोशीदा—(फ) छिपा हुआ, ढका हुआ ।
- पोशीदा चरम—(फ) प्रशस्ति, श्रधा ।
- पोस्त—(फ) छिलका, खाल, चम, चमड़ा, गीला देना, अफीमका पीघा, अफीम के बीज या बीड़े ।
- पोस्त कदा—(फ) जिसके ऊपर का छिलका उतार दिया हो, छिला हुआ, निरावरण, स्पष्ट, साफ, जिसमें बनावट न हो ।
- पोस्ती—(फ) दुबला पतला, आलसी, जो नशे के लिए पोस्त पीव कर पीता हो ।
- पोस्तीन—(फ) खाल का बना हुआ कुर्ता आदि । गरम और मुलायम रोंए वाले जानवरों के चम (समूर आदि) खाल का बना बोर्ड जिसमें भीतर की ओर बड़े बड़े बाल होते हैं ।
- प्याज—(फ) उपग्रह वाला प्रणिष्ट

प्याज़ी—(फ़) प्याज़ के रंग का,
हलका गुलाबी ।

प्यादा—(क़) दूत, हरकारा, पैदल
चलने वाला सिपाही, पदाति ।

प्याला—(क़) छोटा कटोरा, शराब
पीने का पात्र, तोप और बन्दूक
में वह गढ़ा जिसमें बारूद भरी
जाती है ।

फ़

फ़क़—(अ) मय आदि के कारण
जिसका रंग सफ़ेद या पीला
हो गया हो ।

फ़क़त—(अ) मात्र, केवल, सिर्फ़ ।

फ़कीर—(अ) विरक्त, साधु, संसार
त्यागी, भिक्षुक, भिक्षमंगा,
निर्धन, बग़ाल ।

फ़कीराना—(अ) फ़कीरों का सा,
फ़कीरों की तरह, वह भूमि जो
किसी फ़कीर के लिए उसके
जीवन निर्वाहार्थ दान कर दी
गई हो ।

फ़कीरी—(अ) फ़कीरों का भाव या
कर्म, साधुता, वैराग्य, भिक्षा
वृत्ति, भिक्षमंगापन ।

फ़फ़—(अ) मुक्ति, मोक्ष, छुटकारा,
सम्मिलित दो वस्तुओं को अलग
अलग करना ।

फ़क़ उल रेहन्—(अ) गिरवी रखी
हुई वस्तु को छुड़ाना ।

फ़क़—(अ) निर्लभ, आवश्यकता
से अधिक की चाहना न करना ।
साधुता, फ़कीरी ।

फ़ख़—(अ) महत्त्व प्रदान करने
वाली बात या वस्तु । अभिमान,
घमंड, गर्व, शेखी ।

फ़रिया—(अ) गर्व पूर्वक, अभि
मान के साथ ।

फ़र—(अ) प्रातःकाल, प्रभाति,
तड़का, सवेरा ।

फ़जल—(अ) अनुग्रह, कृपा, श्रेष्ठ
कृपा, दया, अधिकता ।

फ़जले इलाही—(अ) ईश्वर की
कृपा ।

फ़जा—(अ) शोभा, सुन्दरता, खुला
हुआ मैदान, विस्तृत क्षेत्र ।

फ़जाइया—(अ) निस्सम सूचक चिह्न
(!) ।

फ़जायल—(अ) फ़ज़ीलत का बहु-
वचन, उत्तमताएँ, श्रेष्ठताएँ,
अच्छाईयाँ ।

फ़ज़ीलत—(अ) अच्छाई, उत्त-
मता श्रेष्ठता, उद्विग्न ।

फ़ज़ीह—(अ) पतन करने वाला,
गिरावट की आर ले जाने
वाला, निन्हा या बदनाम करने

वाला ।

फज्जीहत—(अ) निन्हा, नटनामी,
दुदशा, दुर्गति ।

फज्जीहती—(अ) फज्जीहत करने
वाला, फज्जालू ।

फज्जूल—(अ) व्यर्थ, निरर्थक,
निकम्मा, अतिरिक्त, आवश्यक-
कता से बहुत अधिक ।

फज्जूलखर्च—(मि०) व्यर्थ व्यय करने
वाला, अप्रव्ययी ।

फज्जूल गो—(मि) निरर्थक बफवाद
करने वाला, बक्की, बकरादी ।

फतवा—(अ) मुसलमानों की धार्मिक
व्यवस्था ।

फतह—(फ) विजय, जीत, सफलता,
कृतकार्यता ।

फतहनामा—(मि) वह पत्र जिस पर
किसी की विजय का वर्णन
लिखा गया हो ।

फतहमन्द—(मि०) विजेता, विजयी ।

फतहयाच—(मि०) विजयी, जिसने
विजय प्राप्त की हो, फतहमन्द ।

फतीर—(अ) तुरन्त वा - गूधा
आटा । 'खमीर' का उलटा ।

फतील मोच्च—(मि०) देखो 'पतील
सोज़' ।

फतीला—(अ) बड़ आदि के रेशों
की बनी बत्ती जिससे तोड़ादार

मन्डूक या तोरों में आग लगाई
जाती है । लोहे की छड़ के
सिरे पर लपेटे हुए चिपड़े त्रिहं
तेल में भिगोकर जलाते हैं ।
कोई यत्र या मंत्र लिखकर बरी
की भाँति बग हुआ काशज ।
गहुत नाराज, अत्यंत क्रुद,
आग-बबूला ।

फतूर—(अ) विघ्न, उपद्रव, बाधा,
हानि, दोष, विकार, विवृति ।
उत्पात, खुराफात ।

फतूरी—उत्पद्रवी, उत्पाती ।

फतूही—(अ) मुद विजय करते समय
लूट में प्राप्त हुआ माल । बिना
बाहों की कमर तक ऊँची कुरती,
सदरी ।

फत्तो—(अ) स्वर्णकार, आपत्ति दाने
वाला, पाजी, दुष्ट, शैतान,
ज़तना ।

फत्ताह—(अ) खुटा का एक विशेष
पण, आश देने वाला, सानने
वाला ।

फन—(अ) गिया, बला, गुल्फ
विशेषता, दस्तकारी, धूर्तता ।

फना—(अ) नष्ट, बरबाद, नाश,
बरबादी ।

फना-फ्री अल्लाह—(अ) परमात्मा में
तल्लीनता, ध्यान की वह अवस्था

जिसमें मनुष्य ससार के अस्तित्व को भूलकर परमात्मा में तन्मय हो जाता है।

फ़नून—(श्र) फन का बहुवचन।

फ़न्द—(फ) फरेब छल, कपट।

फ़न्दुक—(श्र) एक छोटा और लाल रंग का फल जिससे प्रेमिका के ओठों की उपमा देते हैं।
उँगलियों की पोंगों में मढ़दी लगाना।

फ़म्म—(श्र) मुख, चेहरा।

फ़र—(फ) चमक दमक, शोभा, सजावट।

फ़र अ—(श्र) शाखा, डाल, टहनी।

फ़रऊन—(श्र) अत्याचारी, अन्यायी, दुरभिमानी, नास्तिक, घड़ियाल नामक जल जन्तु, मिस्र के नास्तिक बादशाहों की उपाधि जो अपने आप को ईश्वर कहते थे।

फ़रऊनी—(श्र) उद्दण्डता, धमण्ड, दुरभिमान, पाजीपन।

फ़रक़—(श्र) भेद, पार्यवय, अलगाव, दूरी, अन्तर, परायापन, दुगाव, बमी, कसर।

फ़रखुन्दा—(फ़) शुभ नेक, उत्तम।

फ़रगुल—(श्र) रुई भरा हुआ लम्बा कुता।

फ़रज़ाम—(फ़) परिणाम, फल,

नतीजा, अन्त समाप्ति।

फ़रजीन—(फ) समझदार, शतारंज का वज़ीर नामक मोहरा।

फ़रतूत—(फ) कमसमक, मूर्ख, निकम्मा, निरयक, अत्यन्त रूढ़।

फ़रदा—(फ) आने वाला कल का दिन, प्रलय का दिन, क़यामत का दिन।

फ़रबही—(फ़) स्थूलता, मोटापा।

फ़रबा—(फ) स्थूल शरीर वाला, मोटा-ताज़ा।

फ़रबा अन्दाम—(फ़) स्थूल शरीर।

फ़रमाँ घरदार—(फ) आशा-पालक, हुक्म मानने वाला।

फ़रमा बरदारी—(फ) आशा पालन हुक्म मानना।

फ़रमारवा (फ़) शासक, आशा देने, आशा प्रचारित करने वाला।

फ़रमाँ रवाई—(फ) आदेश देना, आशा प्रचारित करना, शासन।

फ़रमाइश—(फ) इच्छा प्रकट करना, आशा देना। कोई काम करने अथवा कोई वस्तु लाने के लिए कहना।

फ़रमाइशी (फ़) विशेष रूप से कह कर कराया गया कोई काम, अथवा मंगई गई या चायाई गई कोई वस्तु।

फरमान—(फ) राजकीय आज्ञा, अनुशासन-पत्र ।

फरमाना—(फ) फरमान आज्ञा देना ।

फरश—(श) बहुत से आदमियों के बैठने के लिए बिछाने का बड़ी दड़ी । मकान के अंदर की समतल भूमि, धरातल, समतल भूमि, पत्थर की पत्थिया या चूना सीमेंट आदि से बनाई गई या गया समतल स्थान, बड़ा बिछावन, गच ।

फरशी—(फ) एक प्रकार का हुक्का ।

फरशी सलाम—(फ) ज़मीन तक झुक कर किया गया प्रणाम ।

फरस—(श) बोझ ।

फरसूदा—(फ) भ्रान्त, शिथिल, पुराना, बेकार, निकम्मा, जीर्ण शीर्ण, दुर्दशा ग्रस्त ।

फरहग—(फ) किसी पुस्तक के जिसमें शब्दों या पत्रों के अर्थ दिये हों, कुञ्जी । समझदार बुद्धिमान ।

फरह—(श) आनन्द, प्रसन्नता, आनन्दित, प्रसन्न, खुश ।

फरहत—(श) प्रसन्नता, आनन्द, खुशी ।

फरहत अफजा—(मि) सुखदायक, आनन्द वधक, प्रसन्नता बढ़ाने वाला ।

फरहत बख्श—(मि) देसो 'फरहत अफजा ।"

फरहाँ—(फ) आनन्दित, प्रसन्न, खुश ।

फरहाह—(फ) पारस देश का एक प्रसिद्ध स गतराश जो शीरी नाम की राजकुमारी पर आसक्त था । पत्थर गढ़ने वाला, पत्थर की चीज़ें बनाने वाला स गतराश ।

फराख—(फ) विशाल, विस्तृत, बड़ा, चौड़ा, फैला हुआ ।

फराग—(श) छुट्टी, छुटकारा, मुक्ति, निश्चिन्ता ।

फरागत—(श) छुट्टी, छुटकारा, मुक्ति, निश्चिन्ता, पाखाना फिरना, मल-न्यागना ।

फराज—(श) उध, ऊँचा ऊँचाई ।

फरामीन—(श) फरमान का बहु वचन ।

फरामोश—(श) भूला हुआ, विस्मृत, भुला देने वाला ।

फरायज—(श) फर्ज का बहुवचन ।

फरार—(श) भाग जाना, बिसा जाना, भागा हुआ ।

फरारी—(श) भागा हुआ, बिसा हुआ, भाग जाने वाला ।

फरासत—(श) बुद्धि की कुशलता, समझ की तीव्रता, बुद्धिमत्ता ।

फ़राहम—(फ़) इकट्ठा, एकन, संग्रह ।

फ़रियाद—(फ़) दुख से बचाने या अत्याचार से छुटकारा दिलाने के लिये ऐसे व्यक्ति से निवेदन करना जो वह काम करने को समर्थ हो । विनती, प्रार्थना, पुकार, नालिश ।

फ़रियाद रस—(फ़) किसी की फ़रियाद सुनकर उसके वृष्ट का निराकरण करने वाला । पुकार या विनती पर ध्यान देने वाला ।

फ़रियादी—(फ़) पुकार करने वाला, फ़रियाद करने वाला ।

फ़रिश्तागान—(फ़) फ़रिश्ता का बहुवचन ।

फ़रिश्ता—(फ़) देवदूत, ईश्वर का दूत जो उसकी आज्ञानुसार काम करे ।

फ़रिश्ता खर्वाँ—(फ़) यन्त्र-मन्त्रों द्वारा फ़रिश्तों को अपने वश में रखने वाला ।

फ़रिस्तादा—(फ़) दूत, भेजा हुआ, प्रेषित (व्यक्ति) ।

फ़रीक़—(फ़) पक्ष, मुहल्ल, टोली, समूह, पार्टी, लड़ने-झगड़ने वाला में से किसी एक ओर के लोग, विपक्षी, शनी, समझदार, अन्तर या भेद समझने वाला ।

फ़रीके अव्वल—(अ) झगड़ालुओं में से वह पक्ष जो न्यायधीश के आगे पहले अभियोग उभारित करे । ग़दी, मुद्दई । फ़रियादी, पहला पक्ष ।

फ़रीके सानी—(अ) दूसरा पक्ष, प्रतिवादी, मुद्दालेह, वह जिस पर अभियोग लगाया गया हो ।

फ़रीक़न—(अ) दोनों पक्ष, ग़दी और प्रतिवादी, मुद्दह-मुद्दालेह ।

फ़रोद—(अ) अव्वलनीय, अनुपम, बेजोड़ ।

फ़रुग—(फ़) प्रकाश, ज्योति, कान्ति, युति, चमक ।

फ़रेफ़ता—(फ़) मोहित, आप्त, धोखा खाने वाला ।

फ़रेब—(फ़) छल, कपट, धूर्तता, चालाकी, धोखा ।

फ़रेबदिही—(फ़) धोखा देना ।

फ़रेबी—(फ़) कपटी, छली, धूर्त, चालाक, मकार, धोखेबाज़ ।

फ़ेरा—(फ़) अधीन, नीचे, मातहत, दग़ा हुआ, शान्त, नीच, चूढ़, तुच्छ, कमीना ।

फ़रोक़श—(फ़) टहरना, उतरना ।

फ़रोस्त—(फ़) बेचना, विक्रय, निमी ।

फ़रोरा—(फ़) देखो “फ़र्रा” ।

- फरो गुज़ाश्त—(फ़) उपेक्षा, लापर-
वाई, ध्यान न देना, ढाल-ढूल,
आनाकानी । मूल, आगा
पीछा ।
- फरोतन—(फ़) कगाल, दरिद्र, दीन
शरीर ।
- फरोद—(फ़) ठहरना, उतरना,
टिकना, निशाम करना, नीचे ।
- फरोट गाह—(फ़) ठहरने का स्थान,
उतरने या टिकने की जगह ।
- फरोमाँदा—(फ़) भान्त, शिथिल,
थका हुआ, गरीब, दीन ।
- फरोमाया—(फ़) तुच्छ, लुप्त,
कमीना, नीच, ओछा ।
- फरोश—(फ़) विक्रेता, बेचने वाला
(योगिक शब्दों के अन्त में)
जैसे—कुतुब फरोश—पुस्तक
विक्रेता ।
- फरोशिन्दा—(फ़) " बेचने वाला,
विक्रेता ।
- फरोशी—(फ़) बेचना, बेचने की
क्रिया ।
- फरक—(अ) देगो फ़रक ।
- फरज—(अ) कर्तव्य, वह काम जो
अवश्य करना चाहिये, कल्पना
करना, मानलेना, छियों की
मूत्रेन्द्रिय, भग, दरार, संघ ।
- फर्जन—(अ) कल्पना करके, मान के ।
- फर्जन्द—(फ़) पुत्र, बेटा, सन्तान ।
- फर्जन्दो—(फ़) पुत्र भाव ।
- फर्जानगी—(फ़) योग्यता, बिया
गुण, समझदारी, बुद्धिमत्ता,
शास्त्र ।
- फर्जाना—(फ़) विद्वान्, पण्डित,
शानी, बुद्धिमान, समझदार ।
- फर्जो—(फ़) कल्पित, माना हुआ,
भूठ-भूठ का, नाम मात्र का,
सच्चाईन ।
- फर्त—(अ) आधिक्य, बहुतायत,
ज्यादती ।
- फद—(अ) विवरण, व्यौरा, सूची,
कागज़ या कपड़े का अलग
टुकड़ा । किसी कविता का
एक पद, अकेला शेर, एक,
एक व्यक्ति, अकेला, एक पक्षी
विशेष, रज़ाई का ऊपर का
पल्ला, दुशाले का ऊपरी पत ।
- फदन फर्दन—(अ) अलग-अलग,
एक एक करके ।
- फर्द यशर—(अ) एक आदमी ।
- फर्द वातिल—(फ़) मेकार, निरर्थक,
निरुम्मा, अयोग्य ।
- फरार—(अ) बहुत तेज़ दौड़ने
वाला ।
- फरारश—(फ़) महफिल 'आदि की
सजावट करने वाला, बंद

नीकर जो डेरा शामियाने आदि लगाने, फर्श बिछाने और रोशनी जलाने आदि का काम करता हो । नीकर, सेवक ।

फर्रांश खाना—(मि०) वह मकान जिसमें डेरे-तम्बू फर्श, चाँदनी मसनद तकिये आदि रखे जाते हों ।

फर्रुख—(फ) मनोहर, उत्तम, शुभ ।

फर्श—(अ) देखो (फरश) बड़ा बिछौना

फर्शी—(अ) देखा 'फरशी' फर्श से । सम्बन्ध रखने वाला ।

फलक—(अ) आकाश, आसमान ।

फलक पर चढ़ाना—बहुत अधिक प्रशंसा करना, अत्यधिक बढ़ावा देना ।

फलक सैर—(अ) भाँग नामक सूती, विजया ।

फलकी—(अ) आकाश सम्बन्धी ।

फलों—(अ) अमुक, कोई अनिश्चित व्यक्ति या स्थान आदि ।

फलाफत—(अ) सकट, विपत्ति, निर्धनता, दरिद्रता, कष्ट ।

फलाकत ज़दा—(मि) सकट में पँसा हुआ, विपद् ग्रस्त । निर्धन, गरीब ।

फलातूँ—(य) अफनातून नामक

यूनान निवासी दर्शनिक विद्वान् ।

फलान—(अ) स्त्रियों की जननेन्द्रिय, भग, योनि ।

फलाना—(अ) अमुक, कोई अनिश्चित स्थान व्यक्ति आदि ।

फलासिफा—(यू०) दर्शन शास्त्र, विज्ञान ।

फलाह—(अ) विजय, जीत, सफलता भलाइ, उत्तमता, परोपकार, सुख ।

फलाहत—(अ) खेती बारी कृषि, कार्य ।

फलीता—(अ) देखो पलीता ।

फलूस—(अ) एक तौबे का सिक्का ।

फलूसफा—(मू०) देखो फलासिफा ।

फलूसफी—(मू०) दर्शन या विज्ञान का जानने वाला ।

फवायद—(अ) फायदा का बहुवचन ।

फवारा—(अ) जल कण, पानी के बारीक छीटे, पानी के छीटे उड़ाने का मन्त्र, वह जल-कल जिसमें से पानी की बारीक धीरे ऊपर को उछलती हैं । अमरत्व ।

फसल—(अ) खेत की पैदावार, शस्य, उपज, मौसम, अनु, समय पुस्तक के अध्याय अथवा प्रकरण, छल, कपट, धोखा, भिन्नता,

पृथक्ता, अलगाव, दो वस्तुओं का अन्तर बतलाने वाला ।

फसली—(अ) फसल से सम्बन्ध रखने वाला, फसल में होने वाला, जैसे—‘फसली बुखार’ ।
हेजा नामक रोग, रिसूचिका ।

फसली मन—(फ) एक रात जो उत्तर भारत में खेती सम्बन्धी कामों की निखा पट्टी में व्यवहृत होता है ।

फसॉ—(अ) छुरे चाकू आदि पर धार लगाने का पत्थर, झुरंझ, सान ।

फसाद—(अ) विकार, निगाह, लड़ाई, झगडा, ऊधम, उपद्रव, बलवा, विद्रोह ।

फसादी—(अ) फसाद करने वाला, झगडालू, लडाकू, उपद्रवी ।

फसाना—(फ) क्लिप्त कहानी, मन गढस्त किरसा, गलन, हाल, विवरण ।

फसाहत—(अ) सुन्दरता पूरा भाषण करने की योग्यता, किसी बात का मनोमोहक ढंग से वर्णन करना । लालित्य ।

फसील—(अ) किने अथवा शहर के चारों ओर का परफोग, शहर-पनाह, प्राचीर ।

फसीह—(अ) जिसमें फसाहत हो, सुन्दर, ललित । सुनका ।

फसूँ—(अ) जन्म मन्त्र, जादू, गैना टोटका ।

फसूँगर—(फ) जादू-गैना करने वाला, मन्त्र ।

फसूँसख—(फ) देखा फसूँगर ।

फस्ख—(अ) बात या विचार का बदलना, प्रतिज्ञा तोड़ना, समझौता रद्द करना ।

फस्द—(अ) किसी अंग का बधिर निकालने के लिए उसकी नख को चीरने की क्रिया ।

फसल—(अ) देखो फसल ।

फस्ली—(अ) देखा फमली ।

फस्लेगुल—(मि०) फूलों का मौसम, वसन्त ऋतु ।

फरने बहार—(मि०) बहार का मौसम, वसन्त ऋतु ।

फरसाद—(अ) फसद खोलने वाला, जराह ।

फरसादी—(अ) फसद खोलने का काम, जराही ।

फहम—(अ) ज्ञान, समझ, बुद्धि, अकल ।

फहमाइश—(अ) सचेत करना, चेतावनी, सतर्क करना ।

फहमीद—(अ) समझ, बुद्धि अकल ।

फहमीदा—(श्र) समझदार, बुद्धिमान
अवलमन्द ।

फहरिस्त—(फ) सूची, तालिका ।

फहश—(श्र) अश्लील, किसी के
सामने न कहे जाने योग्य, फूहड़
भद्दी ।

फहीम—(श्र) समझदार, बुद्धिमान ।

फाका—(श्र) उपवास, निराहार,
गरीबी, दरिद्रता ।

फाकामस्त—(मि) बिना खाये में
मस्त रहने वाला, गरीबी में भी
प्रसन्न रहने वाला, जो भूखों
रहने पर पसन्द करे या जीविका के
लिए कुछ चिंता या उद्योग न
करे ।

फाखिर—(श्र) गर्व करने वाला,
अभिमानि, जिसे किसी बात का
फाय हो । बहुमूल्य ।

फाखिरा—(श्र) अत्यन्त अद्विष्टा, बहु
मूल्य ।

फाख्ताई—(श्र) फाख्ता के रंग
का, एकाप्रकार का खाकी रंग ।

फाख्ता—(श्र) पट्टक या पिङ्गी
नाम का पत्नी ।

फाख्ता उडाना—मौज करना, गुल,
छुरें उडाना ।

फाखिर—(श्र) दुराचारी, व्यभिचारी,
पापी ।

फाजिल—(श्र) पण्डित, विद्वान,
आवश्यकता से अधिक, जरूरत
से ज्यादा, बढ़ती, बढ़ा हुआ ।

फाजिल बाक़ी—(श्र) बाक़ी बचा
हुआ, शेष रहा हुआ, विशेष
कर वह धन जो किसी देनदार
पर देने के लिए शेष रह गया
हो ।

फातिमा—(य) मुहम्मद साहब की
कन्या का नाम जो हज़रत
अली की पत्नी, और हसन
उ हुसैन की मा थी । वह
सती जो अपनी सन्तान को
अपना दूध पिलाना बहुत जल्दी
बन्द करदे ।

फातिहा—(अ) मरे हुए व्यक्ति के
नाम पर दिया हुआ भोजन,
प्रार्थना ।

फातेह—(श्र) फतह करने वाला,
विजयी, उद्घाटन या प्रारम्भ
करने वाला, मरने वाला ।

फानी—(श्र) नाशवान, नश्वर, मर
जाने या नष्ट हो जाने वाला ।

फानूस—(फ) काँच की हाँड़ी जिसमें
मोमबत्ती जलाई जाती है । पड़ी
फदील जिसमें दीपक जला कर
छत्त में या बाँस पर टाँग देते
हैं ।

- फानूसे खयाल } (मि) कागज का
 फानूसे खयाली } गोल क दील
 जिसमें एक चकर पर चिपक
 हुए कागज के हाथी बोड़े घूमा
 करते हैं ।
- फाम—(फ) रग, वण, जैसे गुल
 फाम—गुलाब के रग का ।
- फायफ—(अ) उच्च, उत्तम, बढ़िया,
 श्रेष्ठ ।
- फायज—(अ) विजेता, जीतने वाला,
 प्राप्त करने वाला । पहुँचने
 वाला ।
- फायदा—(अ) लाभ, मुनाफ़ा, प्राप्ति,
 भला परिणाम, अच्छा नतीजा,
 प्रयोजन सिद्ध होना, मतलब
 पूरा होना ।
- फायदामन्द—(मि) लाभदायक ।
- फायल—(अ) किसी काम का करने
 वाला, व्याकरण में कत्ता, लड़कों
 के साथ अप्राकृतिक मैथुन करने
 वाला ।
- फायली—(अ) जो अच्छे प्रकार
 काम कर सके, किया कुशल ।
 रुतब्य शील ।
- फायले हफ़ोको—(अ) परमात्मा ।
- फार—(अ) चूड़ा, नूपक ।
- फारखती—(अ) चुकती, बेराकी,
 अमुक व्यक्ति से हमारा प्राप्तव्य
- पूरा प्राप्त हो गया इस प्रकार
 का लेखा ।
- फारस—(फ़) एक देश का नाम
 पारस, ईरान ।
- फारसी—(फ) फ़ारस या पार
 देश की वस्तु अथवा भाषा
 फारस सम्बन्धी, फ़ारस का ।
- फारसी दाँ—(फ़) फ़ारस देश का
 भाषा जानने वाला ।
- फारिग—(अ) निवृत्त, निश्चिन्त,
 मुक्त, स्वतन्त्र, जो कोई काम
 समाप्त करके निश्चिन्त हो गया
 हो । जिसने किसी काम से मुक्ति
 पाली हो ।
- फारिग उल-खाल—(अ) जिसे जगत्
 में कुछ कर्तव्य शेष न हो । जो
 सब भाँति निश्चिन्त और सुखी
 हो ।
- फारिग खती—(अ) देखो “फ़ार
 खती”,
- फारुक—(अ) शानी, विवेकशील,
 पण्डित, भले घुरे का अन्तर
 जानने या बतलाने वाला, इस
 रत उमर ‘दूसरे खलीफ़ा’ की
 उपाधि ।
- फारुकी—(अ) फारुक के वंश का,
 इसरत उमर के खानदान का ।
- फाल—(अ) पसि पक कर उनके

चिन्ह से शुभाशुभ बताना ।

फाल नामा—(मि) रमल शास्त्र, वह पुस्तक जिसमें पाँचों के चिन्हों से शुभाशुभ विचारने की विधि लिखी हो ।

फालसई—(फ) फालसे के रग का ।

फालसा—(फ़) इस नाम से प्रसिद्ध एक छोटा और खट मिट्टा फल ।

फालिज—(अ) एक रोग जिसमें शरीर का आधा भाग या कोई अंग बंकाव हो जाता है, पक्षाघात, लकड़ा ।

फालीज—(फ) घाटिका, उपवन, बाग, खेत ।

फालूदा—(फ) समहर्या, गेहूँ के सत से बनाया हुआ एक पेय ।

फाश—(फ) स्फुट, प्रकट, खुला हुआ ।

फासला—(अ) दूरी, अन्तर ।

फासिद—(अ) फसाद करने वाला, मगड़ालू, धूर्त, टुष्ट, पाजी, रिगड़ा हुआ, निकृष्ट, खराब ।

फासिदा—(अ) देखा 'फासिद' ।

फासिल—(अ) अलग करने वाला ।

फामिना—(अ) देखो 'फासला' ।

फाहिश—(अ) अत्यन्त असभ्य गालियाँ या गन्दी बातें बोलने

वाला, अधिक दुश्चरित्र, पाजी, लज्जाजनक ।

फाहिशा—(अ) दुराचारिणी, दुश्चरित्रा, पुँश्चली ।

फिकरा—(अ) वाक्य, व्यंग्य, काँसा भुलाया ।

फिकरे बाज—(मि) काँसा देने वाला व्यंग्य करने वाला ।

फिकका—(अ) मुसलमानों का धर्म-शास्त्र ।

फिक्र—(अ) सोच, चिन्ता, ध्यान, विचार, उपाय, यत्न ।

फिक्रमन्द—(मि) चिन्ताशील ।

फिगार—(फ़) घायल, जख्मी ।

फिजा—(अ) सौन्दर्य, शोभा, खुला मैदान ।

फिजूल—(अ) देखो फगूल ।

फितनएआलम—(मि०) सारे ससार में हलचल या आक्रांत मचा देने वाला । प्रेमिका का एक विशेषण ।

फितनए जहाँ—(मि०) देखो फितनए आलम ।

फितना—(अ) मगड़ालू, उपद्रवी, लड़ाई-मगड़ा, अपराध, पाप, पापी, टुष्ट, प्रेमिका का एक विशेषण, एक प्रकार का इन ।

फतना अगेज—(मि) मगड़ा या

आफन सहा कर देने वाला,
उपद्रवी, प्रेमिका का एक विशेष
पण ।

फितना परवाज—(मि) प्रेमिका का
एक विशेषण, उपद्रवी, आफन
मचाने वाला ।

फितरत—(अ) धूतता, मक्कारी,
बुद्धिमानी, समझदारी, स्वभाव,
प्रवृत्ति ।

फितरती - (अ) धूर्त, मकार, स्वा-
भाविक, प्राकृतिक ।

फितरा—(अ) वह अन्न जो ईद के
रोज नमाज पढ़ने से पूर्व दान
करने के लिए अलग करके रख
दिया जाता है ।

फितराक—(फ) घोड़े के जोन में
इधर-उधर लगे हुए वे तस्मे
जो विस्तर या दूसरा सामान
बाँधने के लिए काम आते हैं ।

फितानत—(फ) बुद्धिमानी, समझ
दारी ।

फित्तीर—(अ) तुरन्त का गूँघा हुआ
आटा ।

फितूर—(अ) देखो “फतूर” ।

फित्र—(अ) पारण काना, उपवास
के अन्त में किया जाने
वाला अल्पाहार दिन भर
रोज़ा रख कर सन्ध्या समय

कुछ खाकर रोज़ा समाप्त
करना ।

फितविया—(अ) आशाकारिणी,
सेविका, अनुचरी ।

फिटवी—(अ) आशाकारी, भक्त,
सेवक, अनुचर ।

फिरा—(अ) आसक्त, अनुरक्त, किसी
पर प्राण देने वाला, निछावर
होने वाला, सड़के जाने वाला ।

फिदाई—(अ) किसी पर प्राण नैवे
वाला, जान निछावर करने
वाला ।

फिदिया—(अ) अर्थदण्ड, जुर्माना,
वह धन जो कर्द भुगतने
के बदले में दिया जाय, प्राण
दण्ड से मुक्ति पाने के लिए
दण्डस्वरूप दिया जाने वाला
धन । वह विशेष कर जो राजा
अपने धर्म से इतर धर्मावल-
म्बियों से उत्तल करता है ।

फिन्नार—(अ) नरक, दोऊज
दोऊख को झग ।

फिरग—यूरोप के एक देश का नाम,
गोरी का देश, एक रोग,
गरमी, आतशक ।

फिरगिस्तान—(फ) फिरग नामक
देश ।

फिरगी—(फ) फिरग देश का रहने

वाला, गोरा, फिरग देश में पैदा होने वाला ।

फिरका—(अ) मत पत, सम्प्रदाय, जत्या, जाति ।

फिरदौस—(अ) स्वर्ग, बहिश्त, बाटिका, उपवन ।

फिरदौस मकानी—(मि०) स्वर्ग में रहने वाला, स्वर्गीय ।

फिरदौस मजिलत—(मि०) स्वर्ग वासी, स्वर्गीय ।

फिरनी—(फ) रिसे हुए चावल डाल कर बनाई हुई खीर ।

फिराक—(अ) खोज, तलाशी, सोच, वियोग, विछोड़ ।

फिराग—(अ) निश्चिन्तता मुक्ति, छुटकारा, श्रवकाश, फुरसत, सुविधा सुभीता, आनन्द, प्रसन्नता, सन्तोष, आधिक्य, बहुतायत ।

फिरावो—विशेष, अधिक, ज्यादा ।

फिरासत—(अ) बुद्धि की कुशलता, समझ की तीव्रता, बुद्धिमानी, अक्षमन्दी ।

फिरिस्ता—(फ) देखो 'फरिस्ता'

फिसूद—() देखो 'फरोद'

फिरो—देखो 'फरो'

फिरोख्त—देखो 'फरोख्त'

फिलजुमला—(अ) भाव यह कि,

सारांश यह कि, तात्पर्य यह कि सन्नेप में, यों ही, थोड़ा-सा ।

फिलफिल—(अ) कालीमिर्च ।

फिलफौर—(अ) तुरन्त, तत्क्षण, तत्काल ।

फिलबदीह—तुरन्त, तत्काल, आशु, पहले से बिना सोचे ।

फिलमसल—(अ) उदाहरण स्वरूप, मिसाल के तौर पर ।

फिलमिसाल—(अ) देखो 'फिल-मिसाल'

फिलवाक्का—(अ) वस्तुत वास्तव में, दरदकीकृत ।

फिलहकोकत—(अ) वस्तुत, वास्तव में, फिन्नगका ।

फिलहल—(अ) इस समय, इस उक्त सम्प्रति, इस अरसर पर ।

फिशो—(फ) बरसाने वाली, झाड़ने या गिराने वाला ।

फिशार—(फ) निचोड़ना, दमाना ।

फिसाद—देखो 'फसाद'

फिस्क—(अ) श्रमराध, दोष, पाप, सन्मार्ग से भ्रष्ट होने, आश का उल्लंघन करना ।

फिस्त्र—(अ) प्रतिश तोड़ना, विचार बदलना, वचन पलटना ।

फिहरिस्त—(फ) देखो 'फरिस्त',

ऊपरवाला ऊपरी ।

फौकियत—(श्र) श्रेष्ठता उत्तमता, उच्चता, (फिही की अपेक्षा) ।

फौज—(श्र) समूह, जत्था, झुण्ड, सेना ।

फौज—(श्र) जीत, विजय, लाभ, फायदा, छुटकारा, मुक्ति ।

फौजकशी—(मि०) सैनिक चढ़ाई, आक्रमण करना, धाना मारना ।

फौजदार—(मि०) सेनाध्यक्ष, सेना पति ।

फौजदारी—(मि०) मारपीट, वह लड़ाई जिसमें शारीरिक चोट पहुँचाने वाली चीजों का प्रयोग किया गया हो, वह अदालत जिसमें दण्डनीय अपराध सम्बन्धी मुकद्दमा का निष्पत्ति हो ।

फौजी—(श्र) फौज सम्बन्धी फौज का, सैनिक ।

फौत—(श्र) मृत्यु, मौत, मर जाना, नष्ट हो जाना, मृत, मरा हुआ ।

फौती—(श्र) मरण, मरना, मृत्यु, मृत, मृतक ।

फौतीनामा—(मि) फिही की मृत्यु का सूचना-पत्र ।

फौर—(श्र) शीघ्रता, जल्दी, समय ।

फौरन—(श्र) तुरन्त, तत्क्षण, तत्काल उसी समय ।

फौलाद—(क्र) देखो "पोलाद" ।

फौलादी—(क्र) फौलाद से बनी हुई कोई चीज़ फौलाद की लाली, भाले की लकड़ी ।

फौव्वारा—(श्र) देखो "फव्वारा" ।

व

वग—(फ) वंग बाग विजया बगल देश ।

वंगस—(फ) एक देश विशेष ।

व—(क्र) साथ या सहित पर (मा) शब्दों के साथ उपसर्ग ह्रा आता है, यथा—“बलुशी” ।

वअस—(श्र) उठना, खाना करना जगाना, ज़िद करना ।

वअसो नसर—(श्र) क़यामत व दिन ।

वइस्तस्ता—(श्र) छोड़ देने पर व न मानने पर भी ।

वईद—(श्र) दूर फासले पर ।

वईर—(श्र) ऊट ।

व एनही—(श्र) ठीक वैसा ही, उर्ध्व प्रकार का ।

वएना—(श्र) वही, ऐन मेन, इन्फ

फक्रदर—(फ) इतनी मात्राएँ ।

वकम—(श्र) मज़ीठ, मज़िन्दा ।

वकर—(श्र) जवान ऊँ, एक देश विशेष, एक वंश का नाम ।

चक्र—(श्र) गाय बैल ।

बकरा—(अ) एक प्रकार का तैल ।

यत्कल—(अ) साग प त ।

चक्रला - (अ) देखो "चक्रल"

चक्रा—अ) अवशिष्ट, शेष, अविनाशी ।

चकावल—(फ) रसोइया, चात्रजी,
रसोइस का प्रबन्धक ।

यक्राया—(अ) रोप, अवशिष्ट, बचा
हृत्वा ।

वक्षार—(फ) कार्यरत, काम से ।

चकारत—(फ) धारापन, कौमार्य ।

चक्रिया—(अ शेष, श्वशिशु, मचा
हथा ।

चकौल—(अ) किसी के कथनानुसार,
जैसा कि किसी ने कहा है ।

चक्राल—(श्र) साग भाजी बेचने
याला।

अर्कतर (बख्तर)—(फ) कवच,
अग्राण, सजाह, लोहे की
कड़ियों से बना हुआ कुर्ते की
शकल का झगला जिसे युद्ध में
पहनते हैं ।

अकरईद—(अ) मुसलमानां वा
त्योहार विशेष ।

चञ्चल—(अ) क नृसी, कृपणता ।

चखिया—(फ) मज्जभूत सिलाइ ।

सखोल—(अ) कजूस, कुरग,

लोभी ।

बाखीली—(फ) कृपणता रुजूसी ।

वस्तुनी—(क) अच्छाई के साथ,
समुचित रूप से ।

वखूर—(अ) सुगन्ध, खुशबू महक ।

बस्तार—(फ) कुशलपूर्वक, सानन्द,
नैरियत से ।

वरुत—(फ) भाग्य, किम्मत,
नसीब ।

वख्तावर—(फ) भाग्यशाली भाग्य-
वान, सौभाग्यशाली ।

वरुतावरी—(फ) सौभाग्य, खुश-
किस्मती ।

वखितयार—(फ) धनी, भाग्यवान् ।

चरुतेसक्रेद—(क) सौभाग्य ।

बरुश—(फ) देने वाला, क्षमा करने वाला, हिंसा ।

घरशना—(कृ) क्षमा करना,
छोड़ना, देना ।

वखशाइस—(फ) प्रदान करना,
क्षमा, कृपा ।

बख्शीश—(क) भेट, उपहार दान ।

धरुशीशनामा—(क) दान-यत्र ।

वरुणी—(फ) घेतन बाँगेने वाला
कर्मचारी ।

चगल—(फ) पार्श्व, फाँव ।

घगल में दवाना—रुप लेना काचू
कर लेना ।

बगल में रखना—सहायक की भाँति
साथ रखना, मदद देना ।

बगलें भौंकना—लजित होना ।

बगलें बजाना—खुशी मनाना ।

बगलगीर—(फ) आलिंगन, गले
मिलना ।

बगलगीरी—(फ) कुश्ती का एक
दाव ।

बगली—(फ) बगल का, बगल
सम्बन्धी, कुश्ती का एक पेच,
कुर्ते आदि का यह भाग जो
बगल में रहता है, पार्व,
पुस्तक आदि ऐसी कोई चीज़
जिसे बगल में दबा सके ।

बगावत—(श्र) विद्रोह, रिप्लव,
उपद्रव ।

बगी—(श्र) फिरा हुआ, विद्रोही,
उपद्रवी, रिप्लवी ।

बगीचा—(फ) वाटिका, गिरीश,
छोग बाग ।

बगौर—(श्र) बिना रहित, छोड़कर,
अलग रहते हुए ।

बचकानों } — (फ) बच्चा के योग्य,
बचगाना }
छोटा ।

बच्चण सुरशीद—(फ) लाल घीरा
आदि रत्न ।

बच्चा—(फ) बालक, शिशु ।

बजला—(श्र) परिहास, निन्दे,
हँसी उद्घा, चुटकुला, लतीका ।

बजला सेज—(मि) हँसी, मत्स्य ।

बजह—(फ) अपराध, पाप ।

बजहकार—(फ) अपराधी, पापी ।

बजा—(फ) ठीक, दुरुस्त, उचित ।

बजालाना, पालन करना ।

बजा आवरी—(फ) आज्ञा या
कतब पालन ।

बजाज—(श्र) कपड़ा बेचने वाला ।

बजाय—(फ) उदले में, स्थान पर ।

बजाहिर—(फ) प्रकट में, बाहर
तौर पर ।

बजास—(फ) ज्यों का त्यों ।

बजुज—(फ) अतिरिक्त, सिवा ।

बजोर—(फ) बालपूर्वक, बलात्,
जबर्दस्ती ।

बजज—(श्र) बज्र, कपड़ा, पूर्वजोश
का सामान ।

बजजाज—(श्र) बज्र-व्यवसायी,
कपड़ा बेचने वाला बजाज ।

बजजाजा—(श्र) कपड़ा बेचने का
बाजार ।

बजजाजी—(श्र) बज्र बेचने का
व्यवसाय ।

बज्जम—(फ) समा, मतलब, गोष्ठी,
उत्सव, पान गोष्ठी ।

बज्जमगाद—(फ) मदकृत, समा-

स्थल ।

बज्जमा—(फ) छोटी मजलिस ।

बज्जेयार—(फ) मित्र-मडली, मित्र ।

बज्जेसगीन—(फ) वह सभा जिसमें
आदमियों की बहुत भीड़ एकत्र
हो ।

बज्जेहस्ती—(फ) सभार की सभा ।

बत—(अ) बत्तल, बत्तल के आकार
की शराब रखने की बोतल या
सुराही ।

बतन—(अ) पेट, गभ, उदर ।

बतदरीज—(मि) क्रमशः, धीरे-धीरे ।

बत्तल—(अ) इस नाम से प्रसिद्ध
पत्नी ।

बत्त—(अ) पेट, गर्भ, उदर ।

बद—(फ) बुरा, खराब, अशुभ ।

बद अन्देश—(फ) अशुभ चिन्तक,
शत्रु, बैरी ।

बद अमली—(फ) दुर्व्यवस्था, कु
प्रबन्ध, कुशासन, अराजकता ।

बदआमोज—(फ) कुपट, असम्य,
मूर्ख ।

बद इखलाक—(फ) बुरे आचरण
वाला ।

बद इन्तजामी—(फ) अव्यवस्था,
कुप्रबन्ध ।

बद ऐमाल (फ) जिसका चाल-
चलन खराब हो, दुराचारी,

चरित्र भ्रष्ट ।

बद ऐमाली—(फ) दुराचार, बुरा
चाल चलन ।

बद किरदार—(फ) दुराचारी, बुरे
चाल-चलन का ।

बदकार (फ) दुराचारी, चरित्र
भ्रष्ट ।

बदखू—(फ) बुरे स्वभाव का, बुरी
आदतों वाला ।

बदख्वाह—(फ) अशुभ चिन्तक,
बुरा चीतने वाला ।

बदख्वाही—(फ) अशुभ चिन्तन,
बुरा चाहना ।

बदख्शो—(फ) देश विशेष जहाँ का
लाल प्रसिद्ध है ।

बद गुमान—(फ) संशयसम्बन्ध,
असन्नुष्ट ।

बदगो—(फ) दुर्बचन बोलने वाला,
निन्दक पिशुन, चुगलखोर ।

बदचलन—(मि) दुराचारी ।

बद ज़धान—(फ) गाली गलौज
बकने वाला ।

बदजात—(फ) नीच, अधम, दुष्ट ।

बदजिलो—(फ) उदण्ड घोड़ा ।

बदजेव—(फ) मोटा, मढ़ा,
अशोभन ।

बदतर—(फ) बहुत बुरा, बहुत
खराब ।

- चदतवार—(फ) नीच कुल का, अधम ।
- चददयानत—(फ) बुरी नीयत का, बेइमान ।
- चददयानती—(फ) बेइमानी, बुरी नीयत ।
- चददिमाग—(मि) गुरे स्वभाव का, चिड़चिड़े स्वभाव वाला ।
- चददुआ—(फ) शाप ।
- चदन—(फ) शरीर, देह ।
- चदनसीव—(फ) अभागा, कमखुश ।
- चदनाम—(फ) निमित्त कुप्रसिद्ध, कलंकित ।
- चदनामी—(फ) निन्दा, अपवाद ।
- चदनिहाड—(फ) दुष्ट नीच ।
- चदनीयत—(फ) जिसकी नीयत खराब हो, बेइमान ।
- चदनुमा—(फ) कुरूप, भद्दा बे डील ।
- चदपरहेज—(फ) कुख्या जोपरहेज से न रह ।
- चदफेल—(मि) कुकर्म, दुराचार, कुकर्मा दुराचारी ।
- चदफेली—(मि) कुरूप, अनाचार ।
- चदखस्त—(मि) अभागा, कमखुश ।
- चदबू (फ) दुर्गन्ध ।
- चदमआश—(फ) लुच्चा, लफ गा, दुर्जीबी ।
- चदमजगी—(फ) मनमुगव, स्वाद हीनता ।
- चदमजा—(फ) गुरेस्वादका, जिसमें कुछ आनन्द न हो, किक्किरा ।
- चदमस्त—(फ) मतवाला, मत्त ।
- चदमिजाज—(मि) बुर स्वभाव वाला, उग्र प्रकृति का, बिड़चिड़ ।
- चदरग—(फ) दूसरे रंग का, पीछा रंग, दूसरा रंग ।
- चदर रौ—(फ) मोरी -नाली, पनाला ।
- चदराम—(फ) उड्डा घोड़ा, मुस्त-चैन की जगह ।
- चदराह—(फ) कुमांग कुमांगी ।
- चदल—(अ) परिचयन, बगला ।
- चद लगाम—(फ) ऐसा घोड़ा जिस पर लगाम का अंतर न हो, पद आदमी जो बोलने में सम्पत्ता शिष्टता का विचार न करे । अनाप-शान और कम्पर्ग बकने वाला, निरंकुश ।
- चदला—(अ) अदल उदल, विनिमय, पलाय, प्रतिशोध ।
- चदली—(अ) एक स्थान से दूसरे स्थान पर बदलना, तबादला ।
- चद सलूको—(फ) दुर्गन्ध ।
- चदसूरत—(फ) कुरूप, भौंकी रुक

का ।

बदस्त—(फ) द्वारा, हस्ते, मारफत ।

बदस्तूर—(फ) ज्यों का त्यों,
नियमानुसार, यथापूर्व ।

बदहजामी—(फ) अपच ।

बदहयास—(फ) गिकल, बिहल,
घबराया हुआ ।

बदाहत—(अ) बिना बिचारे सहसा
कोई कार्य हो जाना, आकस्मिक
घटना, बिना बिचारी बात ।

बदी—(फ) घुराइ, टोप, अहित,
किसी का बरा कहना या
चीतना ।

बदी—(फ) इन शब्दों के साथ ।

बदी अ—(अ) आश्चर्यजनक,
अनीसा ।

बदील—(अ) धर्मात्मा ।

बदीह—(अ) स्पष्ट, खुला हुआ ।

बदीहा—(अ) किसी बात के सम्बन्ध
में पहले से बिना सोचे बिचारे
कहना ।

बदीलत—(फ) आश्रय से अनुग्रह से ।

बहाल—(अ) अन्न निकेता, पर
चूनिया ।

बद्—(फ) अरब में बसने वाली
एक जाति विशेष, दुष्ट, गुहा ।

बद्र—(फ) पूरा चाँद, पूर्णिमा का
चन्द्रमा ।

बद्रका—(फ) पथप्रशक, रक्षक,
अपोधि का अनुपान ।

बनत—(अ) बेनी, पुनी, लङ्गी ।

बनपशा—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
एक वनस्पति ।

बनव्यत—(अ) पुन सम्बन्धी, पुत्र
का ।

बनात—(अ) “बनत” का बहुवचन,
पुनियाँ, बेटियाँ लङ्कियाँ, एक
प्रकार का मोटा ऊनी कपड़ा ।

बनादीक—(अ) “बदूक” का बहु-
वचन ।

बनाम—(फ) नाम पर, नाम से ।

बनिस्वत—(मि) अपेक्षा, तुलना में ।

बनी—(अ) “बन” का बहुवचन,
बेटे, लङ्के ।

बनी आदम—(अ) आदम के लङ्के
आदमी, मनुष्य ।

बनीन—(अ) बेटे, लङ्के ।

बन्द—(फ) बाँधने की चीज़, बाँध,
पुश्ता, कारीगरी, कीशल, कुश्ती
का एक दाव, शरीर के अंगों
का जोड़, कविता का एक पद,
ज़बीर, तलवार, ताला, घोड़े
की रस्सी, शोक, दुःख, अंगरखे
की तनी, सब ओर से रक्का या
बँधा हुआ, ढका हुआ, जिसका
काम रक्का हो, जिस पर आवरण

- लगा हो, लिप्सा, लालच, बाँध-
ने वाला, बैल की बोरी, शरीर
की सवियरियाँ, जोड़ ।
- चन्दगा—(फ) इश्वर भक्ति, सेवा,
अधीनता, दासता, प्रणाम ।
- चन्दन—(फ) बाँधना, चन्दा ।
- चन्दर—(अ) समुद्र-तट का वह
स्थान जहाँ जहाज़ ठहरते हैं ।
- चन्दा—(फ) सेवक, दास, मनुष्य ।
- चन्दानवाज—(फ) मक्त-वत्सल,
दीनबन्धु, महाशय, महानुभाव ।
- चन्दा परवर—(फ) रक्त, मक्त-
वत्सल, दीनबन्धु, दीनदयाल, ।
- चान्दश—(फ) ग्रन्थ, गाँठ, मुक्ति,
उपाय, लाछन, अभियोग, छन्द
रचना, बाँधना ।
- चन्दी—(फ) कैदी, बँधुआ, बाँधना,
लिखना, (खीलिंग में) दासी,
चेरी ।
- चन्दीखाना—(फ) जेलखाना,
कारागार ।
- चन्दूक—(फ) एक प्रसिद्ध हथियार ।
- चन्दूकची—(अ) चन्दूक चलाने
वाला ।
- चन्दोस्त—(फ) ग्रन्थ, व्यवस्था,
इन्तज़ाम, खेती का कर नियत
करना ।
- चफन—(फ) कपड़ा बुना ।
- चर—(अ) शेर जिसकी गर्दन पर
बाल होते हैं, फेसरी ।
- चमजिला—(फ) पद पर, स्थानात्म,
जगह पर ।
- चमूजिच—(फ) अनुकूल, अनुसार ।
- च मै—(फ) सहित, समेत ।
- चय—(अ) बेचना, मोल लेना ।
- चयाज—(अ) कोरा कागज, कापी,
वही ।
- चयान—(अ) चक्रव्य, वृत्त, चर्चा,
कथन, कहना, जिक्र ।
- चयाना—(अ) अग्रिम अगाऊ,
पेशगी निश्चित मूल का वह
अंश जो बेचने वाले को सौदा
पक्का करते समय दिया जाता
है ।
- चयावान—(फ) ऊँड़, मुनछान ।
- चयारा—(फ) वह वनस्पति जिसकी
बेल चलती है ।
- चयाअ—(अ) बेचने वाला, मोल
लेने वाला ।
- चर—(फ) श्रेष्ठ, उत्तम, बढ़ा चढ़ा,
पूरा, पूरा, लेने वाला, ल जान
वाला, ऊपर ।
- चर अक्स—(फ) उलगा, विपरीत ।
- चर अगेरना—(फ) मुद, कोष में
भरा हुआ ।
- चर अन्दाज—(फ) शायमान ।

वरश्चाना—पूरी होना, पूर्ण होना, सफल होना ।

वरश्चाबुद—(फ) आँकना, अन्दाज़ करना, जाँचना, वह कागज़ जिसमें वेतन आदि का विवरण लिखा हो ।

वरश्चाबुदन—(फ) ऊपर करना, बाहर लाना ।

वरश्चाबुर्दा—(फ) ऊपर लाया हुआ बाहर निकाला हुआ ।

वररुत—(अ) वृद्धि, बढ़ती, समृद्धि, कृपा, प्रसाद आशीर्वाद ।

वरकन्दाज—(मि) सिपाही, पहरेदार, चौकीदार ।

वरकरार—(फ) स्थिर ठहरा हुआ ।

वरकात—(अ) “वरकत” का बहु वचन ।

वरख—(फ) टुकड़ा, हिस्सा ।

वरखरस्त—(फ) नौकरी से अलग, विसर्जन ।

वरखिलाफ—(फ) विपरीत, विरुद्ध, प्रतिकूल ।

वरखुरदर—(फ) प्रसन्न, फूला फूला, निश्चित, धन-धान्यादि मय प्रकार से सुखी (यह आशीर्वाद पुत्रादि छोटा को दिया जाता है) । पुत्र, बेटा ।

वरखे—(फ) थोड़ा सा, बहुत कम ।

वरगश्ता—(फ) विद्रोही, विरोधी, फिरा हुआ ।

वरगुज़ीदा—(फ) चुना हुआ, छाँटा हुआ, निर्वाचित ।

वरजख—(अ) मरने से क़यामत तक का समय, बाधक, अन्नराय ।

वरजस्ता—(फ) पहले से बिना सोचे हुए तुरन्त कही गई बात या कविता, ठीक, चुस्त ।

वरतरफ—(फ) काम से अलग हो जाना, एक तरफ होना, नौकरी से अलग होना ।

वरतला—(अ) कुलाह, टोपी ।

वरद—(अ) बर्फ के समान ठंडी चीज़ ।

वरदा—(तु०) दास, सेवक, गुलाम, लांडी, कंठो ।

वरदाफरोश—(मि) दास बेचने और खरीदने का व्यापार करने वाला ।

वरदार—(फ) उठाने ल चलने वाला, जैसे—पक्षम वरदार ।

वरदाश्त—(फ) सहन, उठाना, सहनशीलता ।

वरना—(फ) सुवक्, तर्क स्वस्थ और मुन्दर, प्रसन्न चित्त ।

- बरनाई—(फ) जवानी, यौवन, तरुणाई ।
- बर पा—(फ) खड़ा होना या करना, मजबूत ।
- बरपा करना—खड़ा कर देना ।
- बरफ—(फ) जमा हुआ पानी, अथवा दूध या फलों का रस, तुपार, पाला ।
- बरफी—(फ) एक प्रकार की मिठाई ।
- बरबरत—(फ) समय पर, मौके पर ।
- बरबस्त—(फ) रीति रजाज, क़ायदा क़ानून ।
- बरबाद—(फ) नष्ट, चींफट ।
- बरबादी—(फ) नाश ।
- बरमला—(फ) सज के सामने, खुले आग, स्पष्ट, साफ ।
- बर महल—(फ) उचित अरसर पर, समयोचित ।
- बरस—(अ) कोढ़, कुष्ठ ।
- बरमास—(फ) एक रोग जिसमें बगल के नीचे के भाग में सूजा हो जाती है ।
- बरहक़—(फ) ठीक उचित सत्य, वास्तविक, न्याय पर ।
- बरहनगो—(फ) वियन्नना, नग्नता, नंगापन, लुचन ।
- बरहना—(फ) वस्त्रहीन, गिन्धर, नगा ।
- बरहना गोई—(फ) साफ़ साफ़ कहना, धिना लगावलपेट के कहना, भेग खोलना, प्रकट करना ।
- बरहम—(फ) चकित, विस्मित अस्त-व्यस्त, तितर बितर, उलट-पलट, अप्रसन्न मुद्र ।
- बश—(फ) ऊपर, फल, चीना, बशात, अक्, गाद ।
- बराज—(अ) विद्या, मल, मैला ।
- बराबर—(फ) समान तुल्य, एक-सा, लगातार, निरन्तर, सम तल ।
- बराबर करना—नष्ट कर देना, समाप्त कर डालना ।
- बराबरी—(फ) समता, तुल्यता, सादृश्य, तुलना, सामना, मुकाबला ।
- बरामद—(फ) खोल कर बाहर निकालना, बाहर आना ।
- बरामदा—(फ) मकान में छाटे-कमरे आदि के सामने का गुप्त द्वारी वाला भाग ।
- बराय—(फ) वास्ते, लिए, निमित्त ।
- बराय खुदा—(फ) खुदा का नाम पर ।

बरायनाम—(फ) नाम मात्र, बहुत थोड़ा-सा ।

बरार—(फ) लाने वाला, लाया हुआ, सामने लाना, पूरा करना, कर, महसूल ।

बरारी—(फ) पूरा होना ।

बरिन्दा—(फ) ले जाने वाला या लाने वाला, वाहन, किसी वर्जित वस्तु को छिपाकर गुप्त रूप से ले जाने या लाने वाला ।

बरियाँ—(फ) भुना हुआ ।

बरी—(फ) बहुत ऊपर ऊँचा, श्रेष्ठ ।

बरी—(अ) मुक्त, छूटा हुआ, निरपराध, पृथक्, अलग ।

बरीक—(अ) चमकदार, चमकाँधी कर देने वाला, चौंधिया देने वाला ।

बरीद—(अ) पत्र-याहक, हरकारा ।

बरीयत—(अ) मुक्ति छुटकारा, परित्राण, रिहाई ।

बरेशम—(फ) रेशम ।

बक—(अ) त्रिभुज, त्रिजली ।

बर्ग—(फ) वृक्ष आदि के पत्ते, पत्र, पत्ता, सामग्री, सामान ।

बजिस्ता—(फ) बिना सोचे-बिचारे कहा हुआ, झुस्त, उपहार ।

बर्फ—(फ) देखो “बरफ” ।

बर्फानी—(फ) बर्फ का, बर्फ सम्बन्धी, जिसमें या जिस पर बर्फ पड़ी हो ।

बर्—(फ) स्थल, वन, जंगल ।

बर्-ए आज़म—(अ) स्थल का बहुत बड़ा भाग, महाद्वीप ।

बरीक—(अ) अत्यन्त स्वच्छ और सफेद, चमकदार, चमकीला । तेज़, वायु के समान शीघ्र-गामी ।

बरी—(अ) स्थल सम्बन्धी, खुरकी का ।

बर्स—(अ) फोड़, कुट ।

बलगा—(अ) “बालिगा” का बहु-वचन ।

बलद—(अ) शहर, उस्ती, नगर ।

बलदा—(अ) देखो “बलद”

बलन्द—(फ) ऊँचा, उच्च ।

बलन्दीगह—(फ) दुर्गम स्थान ।

बलन्दी—(फ) उच्चता, ऊँचाई ।

बलन्दी व पस्ती—(फ) आकाश तथा पृथिवी, ऊँचाई निचाई ।

बलवा—(अ) उपद्रव, निप्लव, विद्रोह, दंगा, बगावत ।

बलवाई—(फ) उपद्रवी, निप्लवी, विद्रोही, दगाई ।

बलवान—(फ) मुँहचंग नामक बाजा ।

अला—(अ) आपत्ति, सफ़ट, मृदु,
दुख, रोग, व्याधि, भूतप्रेत अथवा
भूतप्रेतों की गाथा ।

अला का—अत्यन्त, बहुत अधिक
घोर ।

अलाखेज—(मि) दुःखात्यान्त्र,
नासजनक ।

अलागत—(अ) यौवन, समयोचित
शब्द प्रयोग या सम्भाषण ।

अलीग—(अ) समयोचित भाषण
करने वाला, सुवक्ता ।

अलीद—(अ) कम समझ, कुण्ठित
बुद्धि ।

अलूरा—(अ) युवा होना ।

अलूगत—(अ) यौवन, जवानी ।

अलूत—(अ) वृत्त विशेष जिसकी
छाल रंग बनाने में काम आती
है ।

अले—(अ) हाँ जी, हाँ साहब, हाँ
ठीक है ।

अलैयात—(अ) 'बला' का बहु-
वचन ।

अलिक—(फ) प्रत्युत, इसके विरुद्ध ।

अलगम—(अ) कफ श्लेष्मा,
सलार ।

अलामा—(अ) अलगम सम्बंधी, कफ
प्रधान ।

अल्द—(अ) ठेलो 'बलद', सहर,

नगर, बस्ती ।

अशर—(अ) मनुष्य, आदमी ।

अशरा—(अ) रूप-रंग, चेहरा, मुख,
आकृति ।

अशरियत—(अ) मनुष्यता, आदमी
पन ।

अशरें कि—(फ) यतं यह है कि ।

अशाघात—(अ) प्रसन्नता ।

अशारत—(अ) सु समाचार, शुभ
संवाद, खुश खबरी ।

अशाशत—(अ) प्रसन्नता, खुशी ।

अशीर—(अ) सुन्दर, खूबसूरत, शुभ
संवाद सुनाने वाला ।

अशारा—(अ) प्रसन्न वदन ।

अस—(फ) पूरा, पयाप्त, बहुत,
काफी, भरपूर, अलम्, केवल,
इतना मात्र ।

असर—(अ) आँख, दृष्टि, शन,
जानकारी ।

अमाल—(अ) प्याज़ ।

असा—(फ) बहुत, बहुधा, अधिक,
समय, फ़ारस का एक नगर
विशाल ।

असा आक्रात—(फ) प्रायः, बहुत
बार, अक्सर ।

अमारत—(अ) दृष्टि, नेत्र, ज्योति,
इच्छा शक्ति, शन, समझ,
अनुभव करने की शक्ति ।

वसीत—(अ) सादा, सरल, फेलाया हुआ ।

वसीर—(अ) शानी, शानवान, नेत्रों वाला, समझदार ।

वसीरत—(अ) देखो “वसारत” ।

वसे—(फ) बहुत, पर्याप्त, सदृश, कबाब सेंकने की कील ।

वस्तगो—(फ) बँधना, संलग्न होना ।

वस्ता—(फ) वह छोटी गठरी जिसमें कागज-पत्र या पुस्तकें बँधी हों, बसना, बँधा हुआ, बाँधा हुआ ।

वह—(फ) अच्छा, उत्कृष्ट, उत्तम, विही, एक फल विशेष ।

वहक—(अ) छीप ।

वहतर—(फ) श्रेष्ठ, उत्तम बढिया, अच्छा ।

वहतरी—(फ) उत्तमता, श्रेष्ठता, अच्छा ।

वहतरीन—(फ) अतिश्रेष्ठ पर मोत्तम, बहुत अच्छा । सर्वश्रेष्ठ ।

वहनाना—(फ) बन्दर, बानर, मकड़ ।

वहवूद—(फ) देखो “वह्यूनी” ।

वह्यूदी—(फ) भलाई, उपकार, शुभ काम ।

वहम—(फ) सग, साथ ।

वहम पहुँचाना—उपस्थित या प्रस्तुत

करना ।

वहमन—(फ) फारसी वर्ष का ग्यारहवाँ महीना ।

वहूर—(फ) लिए, निमित्त, वास्ते ।

बहूर—(अ) समुद्र, सागर, छन्द, चिन्तन ।

बहूर कैफ—(मि०) किसी प्रकार भी, प्रत्येक दशा में ।

बहूर हाल—(फ) प्रत्येक दशा में, हर हालत में सब प्रकार, सब तरह, जैसे भी हो ।

बहरा—(फ) भाग्य, तक्तदीर, हिस्सा, दुकड़ा ।

बहराम—(फ) एक नक्षत्र (मंगल) विशेष, एक बादशाह का नाम ।

बहरामन्द—(फ) प्रसन्न, भाग्यवान, सम्पन्न ।

बहरायाव—(फ) भाग्यशाली ।

बहरावर—(फ) सौभाग्यशाली, अच्छी तक्तदीर वाला ।

बहरी—(अ) समुद्री, सागर सम्बन्धी, समुद्र या नदी का ।

बहरेगम—(अ) शोकसागर ।

बहरेवसीअ—(अ) आसमान, आकाश ।

बहरे रॉ—(फ) जहाज़, नाव, नौका, बहता हुआ दरिया ।

बहला—(फ) रुपये पैसे रखने का

बटुआ, चमड़े का दस्ताना जिसे शिकारी लोग हाथ में पहनते हैं ।

बहलोल—(अ) एक पेशवा का नाम, एक साधु, राजा, हँसोड़, विदूषक, मसखरा ।

बहस—(अ) विवाद, तर्क वितर्क ।

बहा—(फ) मूल्य, दाम, कीमत ।

बहादुर—(व) वीर, सुरमा, योद्धा ।

बहादुरी—(व) वीरता, सुरमापन ।

बहाना—(फ) कारण, हीला, मिस, टालमटोल, झूठा कारण ।

बहाय—(अ) प्रकाश, शामा दीप्ति ।

बहार—(अ) “बहर” का बहुवचन । समुद्र, दरिया ।

बहार—(फ) आनन्द, मीज, रमणीयता, रौनक, यौवन, जवानी की उमर, वसन्त ऋतु, तमाशा प्रकुलता, विकास, प्रत्येक फूल ।

बहाल—(फ) मयापूर्व, ज्यों का त्यों स्थिर, यथास्थान स्थित, प्रसन्न, आनन्दित, स्वस्थ, चंगा, ठीक ।

बहाली—(फ) प्रसन्नता, ज्यों का त्यों रहना ।

बहिरत—(फ) स्वर्ग वैकुण्ठ ।

बहिरत—(फ) म्यगीय, स्वर्ग का निवासी, स्वर्ग सम्बन्धी, मिश्री, सफा ।

बहिरतीरू—(फ) सुन्दर, नयुबक, बिना नाड़ी मूछों वाला ।

बहीमा—(अ) गाय मैस आदि चौपाए ।

बहीर—(फ) सैनिक, गृहस्थी ।

बांग—(फ) पुफार, आवाज़ ।

बा—(फ) साथ, सामने, समक्ष, सहित, तरफ, बाज़ पक्षी का संक्षिप्त ।

बा अ—(फ) विभिन्न विशाखा में फैलाए हुए हाथों की एक हथ की उँगली के सिरे से दूसरे की उँगली के सिरे तक की लम्बाई ।
बा० धनुष प्रमाण ।

बरुअद—(अ) दू होने वाला ।

बाइस—(अ) कारण, हेतु, आधार, सवय ।

बाक—(फ) मय, डर ।

बाकर—(अ) बड़ा विद्वान, प्रकाण्ड पंडित, बड़ा धनी सिद्द, पाँचवे इमाम की उपाधि ।

बाकर खानी—(अ) एक प्रकार की बढ़िया रोगी ।

बाकला—(अ) एक प्रसिद्ध वृक्ष जिसकी फलियाँ तरकारी बनाने के काम में आती हैं ।

बाकिर—(अ) बहुत बड़ा विद्वान्, अत्यन्त धनी ।

चाकिरा—(अ) कुमारी, कन्या,
अविवाहिता लड़की ।

चाकिल—(अ) तरकारी बेचने
वाला, एक व्यक्ति का नाम
जो अत्यन्त मूर्ख था ॥

चाकी—(अ) शेष अशेष, (गणित
में) घटाने की क्रिया ।

चाकी—(अ) रोने वाला ।

चाकीदार—(मि) जिस पर कुछ
बक्राया निकलता हो ।

चाखवर—(फ) सचेत, साग्धान,
सतर्क, जानकार, जानने
वाला ।

चाखुदा—(फ) आस्तिक, ईश्वर
भक्त ।

चाखता—(फ) हारा हुआ, खोया
हुआ, सयिकार ।

चाग—(फ) उद्यान बागीचा, उप-
वन, वाटिका ।

चागबाग—(फ) अत्यधिक प्रसन्न ।

चागाचा—(फ) छोटा बाग बगीची ।

चाग कदस
चागा बदीश्च
चाग वसीफ } —आसमान ।

चागन्दा—(फ) धुनी हुई रुई का
गाला ।

चागाधान—(मि) बाग का सरञ्चक,
माली ।

चागाधानी—(मि) मालीगीरी ।

चागात—(फ) 'चाग' का बहु
वचन ।

चागाती—(फ) खेती करने या चाग
लगाने लायक भूमि ।

चागी—(अ) पिद्रोही, उपद्रवी,
विप्लवी, बाग सम्बन्धी ।

चागीचा—(फ) छोटा बाग बगीची ।

चा—(फ) साथ, सहित, सामने ।

बाज—(फ) कर, महसूल, टैक्स,
लगान ।

बाज—(अ) कोइ, कुछ, थोड़े से,
व्यक्ति, अवसर आदि ।

बाज—(फ) एक शिकारी पक्षी,
लूट आना, उलटे, पीछे, कोइ
काम करने से रुक जाना, किसी
काय करने का विचार त्याग
देना, रुक जाना, अलग रहना,
दूर रहना, छोड़ना त्यागना,
कुछ सम्बन्ध न रखना, रोकना,
अलग करना, खोलना, मगझा-
तकरार किसी काम का दुइ-
राना दोनों ओर सीधे पैलाए
हुए हाथों की बीच की उगलियों
के तिरों के बीच की लग्गाई जो
चार हाथ होती है, यी, पुरुष
प्रमाण, धनुष प्रमाण, उड़ाने
या लड़ाने वाला, शीक्रीन ।

वाजश्राना—किसी काम के सय खींच लेना, रुक जाना ।

वाजखरास्त—(फ) दी हुई वस्तु को वापस माँगना ।

वाजगशत—(फ) लौटना, फिर कर श्राना, वापस श्राना, प्रति ध्वनि, गूँज ।

वाजगीर—(फ) लगान या महसूल वसूल करने वाला ।

वाजगुजार—(फ) कर या लगान देने वाला, करद ।

वाजगो—(फ) द्वारा वर्णन करने वाला, पुनर्बार कहने वाला ।

वाजदार—(फ) कर उगाहने वाला कमचारी ।

वाजपास्त—(फ) किसी दी हुई वस्तु को वापस माँगना ।

वाजपुर्म—(फ) पूछगछ यगन, खोजबीन या अनुसन्धान करना, किसी बात का पता लगाने के लिए जाँच पड़ताल करना, हिसाब जाँचना ।

वाजयाप्त—(फ) फिर से प्राप्त हुआ, वापस मिला हुआ ।

वाजखरान—(फ) सौदागर, व्यापारी ।

वाज्जार—(फ) वह स्थान जहाँ भाँति भाँति की वस्तुओं को

दुकानें हों, हाट, पठ बेचने और खरीदने की जगह ।

वाज्जार गर्म होना—वाज्जार मचीआ या ग्राहकों की भरमार होना, खूब खीट-बिक्री होना ।

वाज्जार उतरना—वाज्जार में किसी वस्तु के दाम कम हो जाना ।

वाज्जार चढना—किसी वस्तु के दाम बढ़ जाना ।

वाज्जार मन्डा होना—किसी वस्तु की वाज्जार में माँग कम हो जाना, कारबार कम चलना, वाज्जार तेज होना—किसी चीज़ के दाम बढ़ जाना, किसी चीज़ की माँग अधिक होना ।

वाज्जारगान—(फ) सौदागर, व्यापारी ।

वाज्जारगानी—(फ) सौदागरी, व्यापार ।

वाज्जारी—(फ) वाज्जार सम्बन्धी, वाज्जार का साधारण, मामूली, असम्प, अशिष्ट चलता किता ।

वाज्जारु—(फ) देसो 'वाज्जारी' ।

वाज्जिन्दगी—(फ) धूर्तता, मक़ार, चालाकी खेल, तमाशा ।

वाज्जिन्दा—(फ) धूर्त, मक़ार, चालाक, खिलाड़ी, लोभन कबूतर ।

बाजिल—(फ) प्रतिष्ठित, धनी ।

बाजिल—(अ) टानी, टाता, उगान्य, उगार ।

बाजी—(फ) महसूल या कर देने वाला ।

बाजी—(फ) खेल, होड़, बह खेल जिसमें हारजीन पर कुछ लेने देने की बात निश्चित हो, दाव, शर्त ।

बाजी मारना—शत या दाव जीतना ।

बाजी ले जाना—किमी बात में सर्व श्रेष्ठ ठहरना, आगे बढ़ जाना ।

बाजीगर—(फ) महसूल लेने वाला ।

बाजीगर—(फ) नट, जादूगर, जादू या हाथ की सफाई के खेल करने वाला ।

बाजीगरी—(फ) जादूगरी, जादू के खेल ।

बाजीगाह—(फ) खेल का स्थान ।

बाजीगोश—(फ) चरल चंचल, प्रसन्न चित्त, खिलाड़ी ।

बाजीचा—(फ) खिलाड़ी, खेल, खिलाड़ ।

बाजुर्गान—(फ) सौदागर, व्यापारी ।

बाजुर्गानी—(फ) सौदागरी, व्या

पार ।

बाजु—(फ) गँह भुजदण्ड शक्ति, श्रोर, पार्श्व, पहलू, सेना का किसी श्रोर का एक पक्ष, प्रत्येक काम में साथ रहने और सहायता देने वाला, पक्षियों के पर, मुजाय्दा में पहनने का एक गहना ।

बाजुशिकन—(फ) गलिष्ठ, शक्तिशाली, मुजाय्दा तोड़ने की शक्ति रखने वाला ।

बात—(फ) सराय, आराम करने की जगह, ठहरने की जगह ।

बातिन—(अ) आन्तरिक, भीतरी, भीतर का, अन्तःकरण ।

बातिनी—(अ) देखो 'बातिन' ।

बातिल—(अ) झूठा, मिथ्या, नकली, झूठ मूठ का, व्यर्थ, निरर्थक प्रभावहीन ।

बातिशा—(अ) आक्रमण करने वाला क्रोध या बढोरता करने वाला ।

बाद—(अ) अनन्तर, पीछे पश्चात्, अलग किया हुआ छोड़ा हुआ घटाया हुआ ।

बाद—(फ) हवा वायु पवन

बादकश—(फ) बड़ा पंखा, लुहार की धौंकनी भार्या, फ्लेगमा,

वातायन, सिंगी जिसकी मुँह से हवा खींच कर शरीर के दर्द आदि का उन्चार किया जाता है।

वादखान—(फ) चापलूस, खुश मन्दी।

वाद गिट्टे—(फ) उगला, उबड़, वायु चक्र।

वाद गोर—(फ) खिड़की, फरोशा, हवादार मकान।

वाद खन—(फ) पंखा, बीजना।

वाद दमा—(फ) अपव्ययी कि जूल खच निधन।

वाद निजाँ—(फ) बैंगन।

वाद दस्तो—(फ) पिजूल खन्वी, चालाकी।

वाद पा—(फ) तेज दीड़ने वाला घोड़ा। द्रुतगामी अश्व।

वाद करोश—(फ) चाटुकार, चा लूस, भाट, बकी बकवादी।

वाद किरग—(फ) उपदश, आतशक, चामी।

वाद मान—(फ) जहाज का पाल।

वाद मुहरा—(फ) सर्प के शिर् में से निकलने वाली एक दवा जो सर्प काटे के इलाज में काम आती है।

वाद यान—(फ) सौ फ शतपुष्पा।

वाद रफतार—(फ) वायु के समान तीव्र चलने वाला।

वादगाह—(फ) उदा राजा, सम्राट्, महाराज।

वादशाहजादा—(फ) बादशाह का लड़का, महाराज कुमार।

वादशाहस्त—(फ) साम्राज्य, सल्त नत।

वाद मुख्त—(फ) आंधी, तेज हवा, आपत्ति, अशांति, आफत।

वादा—(फ) मद्य शराब, मदिरा।

वादाकश—(फ) मद्य पीने वाला, शराबी।

वादापरस्त—(फ) शराबी, मदिरा पीने वाला।

वादा परस्ती—(फ) शरा बपीना।

वादाम—(फ) एक प्रसिद्ध सुखा मेवा। इससे प्रायः नेत्रों की उपमा दी जाती है। माल देकर खीरी वस्तु।

वादामस्याह—(फ) माशूक की आँखें, वे बादाम जो मुँह को अरबी पर चपेटे जायें।

वादामा—(फ) एक प्रकार का रेशमी वस्त्र।

वादामी—(फ) बादाम का, वादाम के रग रूप का, कुछ।

वादा रीहानी—(फ) फूलों की

शरात्र ।

वादिया—(श्र) जगल, मरुस्थल, पन ।

वादिया—(फ) एक प्रकार का ताँबे का क़ोरा । बड़ा धाला ।

वादी—(फ) वायु या जल सम्बन्धी, हवा का, हवाइ ।

वादे शर्त—(फ) अनुकूल वायु, माफिक हवा ।

वादे सवा—(फ) पूरब से आने वाली हवा । पृथ्वी वायु । प्रात कालीन वायु ।

वान—(श्र) एक प्रकार की सुगन्ध, वेदमुख, (फ) रक्त देख भाल करने वाला, हँकने या चलाने वाला ।

वा नना—(फ) अच्छी आवाज़ वाला, सीमाग्यशाली, समर्थ, शक्तिशाली, सम्पन्न, धनवान, श्रसान्धान, निष्ठ ।

वानिएशर—(फ) भगदाल, उम्रवी ।

वानी—(श्र) संस्थापक, प्रवक्ता, बनाने या स्थापित करने वाला, नेता, प्रधान, मूल साधन ।

वानी फार—(फ) चालाक, मकार,

चलतापुर्जा ।

वानू—(फ) मने और सम्पन्न घर की स्त्री, वेगम, भद्र महिला ।

वान्ण मशरक—(फ) सूय, उषा, प्रभा ।

वाफ़—(फ) बुनने वाला, बुना, हुआ ।

वाफ़ी—(फ) मुनाइ, उनने का कार्य ।

वाफ़ता—(फ) बुना हुआ, एक प्रकार का कपड़ा ।

वान—(श्र) द्वार, दरवाज़ा, ग़थाय, परिच्छेद, प्रकरण ।

वाय काना—(फ) लिङ्की ।

बाबज़न—(फ) क़ाब भूने की सलाख ।

वायत—(फ) लिए, वास्ते, सम्बन्ध में, रिपय में, बारे में ।

वायर—(फ) एक बादशाह का नाम जो सम्राट अक़्बर का राजा था ।

वावा—(फ) वृद्ध और आदरणीय व्यक्ति के लिए सम्बोधन वाप, वावा, दादा, नाना, सरदार, दाढ़ीवाला, साधु, क़रीर ।

वात्रिन—(फ) ईराक़ का एक प्रसिद्ध नगर ।

वात्रिल कौम—(फ) कौम का सर-

दार, जाति-नायक ।

वाचना—(क) एक प्रसिद्ध पौधा जिसके फूल दवा के काम में आते हैं ।

वावे कस्तान—(फ) कुश्ती का एक दांव ।

वाम—(फ) घर की छत, शगरी, प्रात काल ।

वामगाह—(फ) प्रात काल, सुनह, सरेरे ।

वामदाद—(फ) सुनह, सरेरा, प्रात काल ।

वामनहम—(फ) अर्थ, आस मान ।

वा मुहावरा—(श) मुहावरेदार ।

वामे तरफ—(क) छज्जा ।

वामा—(क) लम्बी दाढ़ी वाला ।

वायद—(फ) जैसा चाहिये वैसा, जैसा होना आनश्यक हो ।

वायद व शायद—(फ) आदश, जैसा होना चाहिए वैसा । बहुत अच्छा, बिलकुल ठीक ।

वायस्त—(फ) जैसा चाहिये वैसा ।

वाया—(श) वय करने वाला, बेचने वाला ।

वार—(फ) भार, बोझ, समय, बारिश, ईश्वर का नाम,

बहुपन्न, महंगाई, समुदाय, डेर, द्वार, दरवाजा, माग्य, नेक, अच्छा, फल परिणाम, दरबार, राजसभा, विदा, पड़ की जड़, कार्य, अधिकता, बृद्ध का फल या मेरा, बिर्या का गम, गवैयों का सज, मिलावट, ब्रसने वाला ।

वार अन्दाज—(क) ब्रसने वाला ।

वार आम—(फ) वह राज-दरबार जिसमें सब लोग सम्मिलित हो सकें, साधारण राजसभा ।

वारकश—(क) बोझ ढाने वाला, बोझ ले जाने वाला ।

वारक—(फ) चमकने वाला ।

वारका—(श) बिजली, चमक, तलवार की चमक ।

वार खाना—(फ) अस्वाद्य रत्न का मरान । गोदाम ।

वागस्त—(फ) वह राज-सभा जिसमें विशेष व्यक्ति जा सकें ।

वारगाह—(फ) राजदरबार, फव्वारी, राज-मगन, किसी महान् पुरुष का स्थान, बादशाह का डेरा ।

वारगी—(फ) घोड़ा ।

वारगीर—(फ) बोझ ढाने वाला, घोड़ा, ऊँट बैल आदि ।

वह व्यक्ति जो दूसरे के धोड़े पर नौकर हो और अपना धोड़ा न रखता हो ।

बारचा-बारजा—(फ) बरामदा, कोठा, अटारी ।

बारदान बारदाना—(फ) पान, बरतन, वे बरतन बोरी सन्दूक आदि जिनमें भरकर सामान रखा जाय या कहीं भेजा जाय ।

बार घरदार—(फ) बोझा ढोने वाला, असबाब उठाने वाला ।

बार घरदारी—(फ) बोझ ढोना, ढोने की मजदूरी ।

बार याव—(फ) न्यायालय अथवा राजदरबार में प्रविष्ट होने वाला, किसी धनी या बड़े आदमी के सामने उपस्थित होने वाला ।

बारयाची—(फ) राजदरबार या न्यायालय में उपस्थित होना ।

बार बर—(फ) फलदार दरख्त ।

बारहदरी—(फ) वह मकान जिसके चारों तरफ बारह या बारह से अधिक दरवाजे हों ।

बारह बकात—(फ) मुहम्मद साहब के जीवन के वे अन्तिम बारह दिन जिनमें वे अत्यन्त बीमार रहे थे ।

वारहा—(फ) अनेक बार, प्रायः बहुधा ।

वॉरा—(फ) वर्षा, मेह ।

वारा—(फ) किले की दीवार, तेज दौड़ने वाला घोड़ा ।

वारानी—(फ) वारिश, वर्षा, वर्षा से बचने के लिए थोड़ा जाने वाला कपड़ा, बरसाती, वह खेती जो वर्षा पर ही निर्भर हो, देव मातृका भूमि ।

वाराने गोख—(फ) छाजा, साय वान ।

वारिक्र—(श्र) चमकने वाला, प्रकाशित, वेदीप्यमान ।

वारिद—(श्र) जो स्वादिष्ट न हो, ठंडा, नपुंसक, पण्ड ।

वारिश—(फ) मेह, वर्षा ।

वारी—(श्र) उत्पादक, परमात्मा, ईश्वर ।

वारीक—(फ) पतला, सूक्ष्म, महीन जो जल्दी न समझा जा सके । दुरूह, दुर्गोध्य ।

वारीकवीनी—(फ) सूक्ष्म-दर्शिता, किसी बात की चारीकी देखना ।

वारीकरी—(फ) सूक्ष्मदर्शी ।

वारीकी—(फ) सूक्ष्मता, पतलापन, दुरूहता ।

वारू—(फ) किला, किले की

दीनार ।

बारी ताला—(अ) परमात्मा जो सबसे महान् है ।

बारुत—(क) बारूद ।

बारुद—(क) बारूद ।

बारे—(क) एकरार, अन्त में ।

बारे खुदा—(क) परमात्मा ।

बारे में—(क) सम्बन्ध में, विषय में, मध्ये ।

बाल—(अ) दृढ, प्राण, उद्विग्न,
(क) भुजदण्ड, पक्षियों के पंख,
एक बड़ी मछली (तु०) शहद ।

बालग—(क) शरान पीने का प्याला ।

बालगीर—(क) साइस, घोड़ों की देख रेख करने वाला ।

बाला—(क) ऊपर, ऊँचा, पर,
ऊपर का, लम्बा, कानल घोड़ा,
खुरासान देश ।

बालाई—(क) ऊपरी, ऊपर का,
ऊँचाई, बाहरी, बाह्य वस्तु,
दूध की मलाई ।

बालाप ताक—(क) उपेक्षा कर
देना ताक पर रख देना, अलग
रख देना ।

बाला खाना—(क) अष्टा, अगरी
मकान की ऊपरी मंजिल का
कमरा ।

बाला चाक—(क) बलिष्ठ, शासक ।

बाला दस्त—(क) जिसका पहलू
ऊँचा हो, प्रधान, प्रथम,
उच्च, बलिष्ठ, बलवान,
बढ़िया वस्तु ।

बाला नशीन—(क) बैठने का सर्वो
च्च या सर्वश्रेष्ठ स्थान, सबसे
ऊँचे स्थान पर बैठने वाला,
सबसे बढ़िया, सर्वोत्तम ।

बाला पोश—(क) किसी वस्तु को
ढकने के लिए ऊपर से ढाला
जाने वाला कपड़ा ।

बालावर—(क) एक प्रकार का
अंगरखा ।

बाला बाला—(क) ऊपर ही ऊपर,
अलग से, बाहर से ।

बालिग—(अ) वयस्क, जो राल्या
वस्था से पार हो चुका हो ।

बालिगा—(अ) पूर्ण ।

बालिया (अ) पुराना, प्राचीन ।

बालिश—(क) तकिया छिर क नीचे
लगाने का ।

बालिशत—(क) बारह अंगुल का
नाप, बिलस्त, रिक्ता, ग्रीता ।

बाली—(अ) पुराना, प्राचीन ।

बाली—(अ) छिरहाना, तकिया ।

बालीदगी—(क) बढ़वार, बिकास,
(बच्चा आदि का)

बालीन परस्त—(फ) वह बीमार जो विस्तर पर से उठ न सकता हो ।

बालूगा—(श्र) गन्दा पानी जमा होने की कुण्डी ।

बालूशाहो—(गि) इस नाम से प्रसिद्ध एक मिठाई, खुरमा, खुरमी ।

बावजूद—(फ) इतना होने पर भी ।

बावर—(फ) विश्वास, भरोसा, यक़ीन, निश्चय ।

बावर्ची—(फ) रसोइया, रोटी बनाने वाला ।

बावर्ची खाना—(फ़) पाकशाला, रसोइ घर, भोजन बनाने का स्थान ।

बावर्ची गरी—(फ) रोटी बनाने का काम भोजन बनाने का कार्य, रसोइया का कार्य अथवा पद ।

बावली—(फ) नाबड़ी, बड़ा कुआँ, बापी ।

बावस्क—(फ़) गुणी, गुणवान, इतना होने पर भी इतने पर भी ।

बाश—(फ़) रद्द, ठहर जा, रुकजा, होना, ठहरना, रहना ।

बाशा—(फ़) एक शिकारी पक्षी ।

(तु०) सिर,

वाशिन्दा—(फ़) रहने वाला, निवासी ।

वाशी—(तु०) सरदार ।

वास—(श्र) कष्ट, दुःख भय ।

वासक—(फ) जम्हाई लेना, सपों का राजा वासुकि ।

वासक—(फ) लम्बा, ऊँचा ।

वासगूना—(फ़) उलटा ।

वास तान—(फ) पुराना, सनातन, बीता हुआ ।

वासिर—(फ) देखने वाला । द्रष्टा

वासिरा—(श्र) देखने की शक्ति, निगाह, दृष्टि, आँख, नज़र ।

बासिल—(फ) बीर, चाहसी ।

बाह—(श्र) संभाग की इच्छा, बल ।

बाहम—(फ) परस्पर, आपस में, मिलजुल कर ।

बाहर—(श्र) प्रकट, खुला हुआ ।

बाहिस(फ़) बहस करने वाला, परीक्षक, ज़मीन खोदने वाला ।

बिबर—(श्र) कुमारी, अतिवाहिता लड़की, कौमार्य ।

बिक्—(श्र) देखो 'विकर'

विज्ञन—(फ) बहुत से लोगों की एक साथ इत्या, कत्ते आम, नर-सहार ।

विज्ञन गाढ़—(फ़) वह स्थान जहाँ इत्यारों या लुटेरों का मय हो ।

विज्ञाश्रत—(अ) अखली पूँजी, मूल धन ।

विज्ञा तिहरी—(अ) आप, स्वय, खुद ।

विद्वत्—(अ) अनीति, अन्याय, धर्म विरुद्ध आचरण, लड़ाई, झगडा,

विदून—(क) सिया, बिना, बगौर, इसके सिया ।

विद्वत्—(अ) देखो विद्वत् ।

विन—(अ) बिना, पुन, लड़का ।

विना—(अ) जड़, मूल, आधार, बुनियाद, भवन, लड़की, पुत्री ।

विनावर—(फ) एतदर्थ, इसलिए, अतएव अत, इस कारण से ।

वियाजान—देखो 'वियाजान' ।

विरज—(मि) पीतल, चावल ।

विरजी—(मि) पीतल का ।

विरयो—(फ) मुना हुआ ।

विरयानी—(क) एक प्रकार का नमकीन पुलाव ।

विरादर—(फ) भाई, विरादरी के लोग, रिश्तेदार ।

विरादर जादा—(फ) भाई का लड़का भतीजा ।

विरादराना—(फ) भाई चारे का, विरादरी या भाइयों का सा ।

विरादरी—(फ) एक जाति के लोगो

का समुदाय ।

विरियो—(फ) मुना हुआ,

विरियानी—(फ) एक प्रकार का नमकीन भात ।

विरिज—(फ) पाहि पाहि, चाहि चाहि, रक्षा के लिए पुकार, आर्त नाद ।

विर्द—(अ) ब्रत, प्रतिज्ञा, सदी, ठंडक ।

विल—(अ) सहित, युक्त, (प्राय शब्दों के प्रारम्भ में उपसर्ग रूप में आता है) ।

विल आक्स—(अ) इसके विरुद्ध, इसके विपरीत ।

विल आखिर—(अ) अंत में

विल इत्तफाक—(अ) सर्वसम्मति से ।

विल इस्तकलाल—(अ) धैर्य के साथ, धैर्य पूर्वक, दृढ़ता के साथ ।

विल् उमूम—(अ) साधारणत सामान्यतया, आमतौर पर ।

विल् कुल—(अ) पूरा, सब, कुल नितान्त ।

विल् जम—(अ) बलपूर्वक, जोर धरी से ।

विल् जरूर-जरूरत—(अ) अवश्य निश्चय पूर्वक ।

बिल जुमला—(अ) कुल मिलाकर, सज मिलाकर, तात्पर्य, अभिप्राय ।

बिल कर्ज—(अ) यह मानकर, यह कल्पना करके ।

बिल फेल—(अ) इस समय, इस अवसर पर, सम्प्रति, अब ।

बिल मुकाबिल—(अ) तुलना में समता में, सामने, मुकाबले में ।

बिल मुक्ता—(अ) निश्चित, प्रथम किए गए निश्चय अनुसार ।

बिचयर्की—(अ) निश्चय ।

बिला—(अ) बिना बगैर ।

बिलाड—(अ) “बल्ड” (नगर) का बहुवचन ।

बिला वजह—(अ) अकारण ।

बिलाशक—(अ) निःसन्देह, निश्चय ही ।

बिलौर—(अ) स्फटिक, एक प्रकार का सफेद और कौंच के समान पारदर्शक पत्थर ।

बिलौरी—(अ) बिलौर का, स्फटिक का बना हुआ ।

बिमात—(अ) योग्यता, सामर्थ्य, श्रुति, पूजा, माल, अस्वास्त्र, शक्ति, बिछौना, बिछानना, वह कपड़ा जिस पर चौपड़ अथवा शतरंज खेलने के लिए खाने

बने होते हैं ।

बिसात खाना—(मि) घर का माल-अस्वास्त्र, यह बाज़ार या दुकान जहाँ घर में काम आने वाली सुई, धागा, कंधा, शीशा, चूड़ी, गिलौना, गटन, साबुन आदि वस्तुएँ बिकती हैं ।

बिसाती—(अ) घर-गृहस्थी में काम आनेवाली चीज़ें—साबुन, कंधा, चूड़ी, सुई आदि बेचने वाला ।

बिसियार—(फ) ढेर, राशि, बहुत अधिक ।

बिस्त—(अ) बिछाना, फैलाना, (फ) बीस, दस और दस ।

बिस्तत—(अ) बिस्तृत ।

बिस्तर—(फ) बिछौना । बिछाने का कपड़ा ।

बिस्मिल—(फ) धायल, आहत, द्रत, बलिदान किया हुआ । कुतानी किया हुआ ।

बिस्मिल्लाह—(अ) इश्वर का नाम लेकर, इश्वर के नाम से (इसका प्रयोग किसी कार्य को प्रारम्भ करते समय करते हैं) ।

बिही—(फ) भलाई, अच्छाई, शुभ, एक पल जो अनार से मिलता-जुलता होता है ।

बिहीदाना—(फ) बिही नामक पल

के पीछे ।

वीं—(फ) दर्शक निरीक्षक, विवेचक ।

वी—(क) महिला, स्त्री (इसका प्रयोग प्राय किसी स्त्री के नाम के साथ होता है, जैसे—वी फातिमा) ।

वीन—(फ) जो देखता हो, देखने वाला, जिससे देखने में मदद मिले ।

वीनश—(फ) देखने की शक्ति, दृष्टि, निगाह, नज़र ।

वीना—(फ) जिसे दिखाइ देता हो, जिसकी श्राँस अपना काम ठीक ठीक करती है ।

वीनाई—(फ) देखने की शक्ति, दृष्टि, निगाह, नज़र ।

वीनी—(फ) नाक, नासिका ।

वीवी—(फ) प्रतिष्ठित घर की महिला, भले घर की स्त्री, पत्नी, कुलवधू ।

वीम—(फ) भय, डर ।

वीमा—(फ) किसी से कुछ धन लेकर उसके जीवन अथवा सम्पत्ति की सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी लेना ।

वीमार—(फ) रोगी, रुग्ण, व्याधिग्रस्त ।

वीमार पुरसी—(क) रोगी के पास

जाकर उसके स्वास्थ्य का हाल पूछना ।

वीमारी—(क) रोग, व्याधि ।

वीर—(क) कुश्र्मा, वृष ।

वीरान—(फ) वीरान, ऊजड़, नष्ट भ्रष्ट, बेरोनक, हतथ्री ।

वीराना—(क) वीराना, ऊजड़ ।

वीवी—(श्र) देखो “वीवी” ।

बुक्र—(फ) निवास स्थान, रहने का मकान, मन्दिर ।

बुक्रचा—(क) कपड़ों आदि की छोटी गठरी ।

बुक्ररात—(श्र) एर प्रसिद्ध तत्व-वेत्ता ।

बुरुम—(श्र) गू गे लोग, जा बोल नहीं सकते ।

बुक्रा—(श्र) रोना, क्रन्दन, कराहना ।

बुखार—(श्र) तप, डर, भाप, वाष्प ।

बुखारात—(फ) “बुखार” का बहुवचन ।

बुखल—(श्र) कृपणता, कृशी, संकीर्ण हृदयता ।

बुगचा—(व) छोटी गठरी ।

बुगज—(श्र) इर्ष्या द्वेष, आन्तरिक द्वेष ।

बुगजा—(श्र) देखो “बुगज” ।

बुज—(क) बकरी, अजा, हंसोड ।

बुजकदम—(क) धीरे धीरे चलने

वाला ।

बुजगर—(फ) मेंढा की कुश्ती लड़ाने वाला, मेंढो को लड़ना सिखाने वाला ।

बुज जिगर—(फ) भीरु, डरपोक, कायर, जिसका हृदय बरूरी का सा हो ।

बुजदिल—(फ) भीरु, डरपोक, कायर ।

बुजदिली—(फ) भीरुता, कायरता, डरपोकपन ।

बुज बाजी—बकरे का नचाना, बकरे से खेल कराना ।

बुजा—(फ) एक भीठी और खुशबूदार मेवा ।

बुजुर्ग—(फ) वृद्ध, पूर्वज, पुरखा, पृथ्वी, मान्य, सगीत के नारद स्वर ।

बु जुगधार—(फ) बहुत वृद्ध, अत्यन्त प्रतिष्ठित, गौरवान्वित ।

बु जुर्गी—(फ) बुढ़ापा, वृद्धत्व, भ्रष्टता, गौरव ।

बुत—(फ) मूर्ति, प्रतिमा, प्रेमपात्र, माशूक, प्रेमिका, प्रेयसी, चुप रहने वाला, मूक-बुण्या ।

बुत हदा—(फ) मन्दिर, देवालय, प्रेमपात्र, अथवा प्रेयसी के रहने का मकान ।

बुतखाना—(फ) देवालय, मन्दिर, वह स्थान जहाँ पूजा के लिए मूर्तियाँ रखी गई हों, प्रेमिका का निवास स्थान ।

बुतगर—(फ) मूर्तिकार ।

त तराश—(फ) मूर्तिकार ।

बुत परस्त—(फ) मूर्ति पूजने वाला प्रतिमा पूजक ।

बुत परस्ती—(फ) मूर्ति-पूजा ।

बुत बने धेठे रहना—मूर्ति के समान चुन्चाप बैठे रहना ।

बुत शिकन—(फ) मूर्तियों को खण्डित करने वाला, मूर्ति तोड़ने वाला ।

बुतसाज—(फ) मूर्तिकार ।

बुतान—(फ) “बुत” का बहुवचन ।

बुताने सर्गदिल—(फ) कठोर हृदय माशूक ।

बुते बेपीर—(फ) निष्ठुर निमम ।

बुत—(फ) जड़, मूल, नींव, परा-काष्ठा, सेती, कहवा, फहवा का बीज ।

बुदरका—(अ) पथ प्रदर्शक, संरक्षक निरीक्षक ।

बुनियाद—(फ) जड़, नींव, मूल, आधार, वास्तविक्ता ।

बुनून—(अ) वेटा, लड़का ।

बुनू माश—(फ) मूँग नामक अन्न

जिसकी दाल बनती है ।

बुन्दक—(अ) मिट्टी का गिलोला जो गुलेल में रख कर पेंका जाता है । मेवा ।

बुरहान—(अ) युक्ति, तर्क, प्रमाण ।

बुराक—(अ) मुहम्मद साहब के चढ़ने का एक विशेष प्रकार का (कल्पित) घोड़ा ।

बुरादा—(फ) चूरा, चूण ।

बुरीदा—(फ) काटा हुआ, तराशा हुआ ।

बुरु—(फ) बाहर ।

बुरुज—(अ) 'बुज' का बहुवचन है ।

बुरुदत—(अ) शीतलता, ठंडक ।

बुर्का—(अ) मुसलमान स्त्रियों के पहनने का वस्त्र विशेष, जिससे उनका सारा शरीर ढक जाता है ।

बुर्का पोश—(मि०) जिसने बुर्का डाल रक्खा हो ।

बुर्ज—(अ) किले आदि की दीवारों में कोनों पर तथा बीच में मुख्य मुख्य जगह पर हुए चौड़े तथा गोल स्थान जिन पर तारें लगी रहती हैं । गोल मकान, गुम्बद, समा मजलिस, अशोतिष शास्त्र में राशि ।

बुर्द—(अ) एक प्रकार का धारीदार कपड़ा (फ) मुफ्त में मिली हुई वस्तु या रकम । गजी, शर्त ।

बुर्दवार—(फ) सहिष्णु, सहनशील ।

बुर्वा—(तु०) दाघ, सेबक, गुलाम, लोदी, कैरी ।

बुरा—(अ) जिसकी धार खूब तेज हो, खर, तेज धार नाला शस्त्रादि ।

बुराक—(अ) देगो 'बुराक' ।

बुलगा—(अ) 'बलीगा' का बहुवचन ।

बुर्रिश—(अ) धार, फाट ।

बुलन्द—(फ) देखो 'बुलन्द'

बुलन्द अखलाक—(मि०) उद्यादर्श ।

बुलन्दी—(फ) देखो 'बुलन्दी' ।

बुलधुल—(अ) प्रसिद्ध पक्षी जिसके चहकने में बड़ी मिठास होती है ।

बुलहबिम—(अ) जिसको लोभ अधिक हो, लिप्सु, लुब्धक, लालची ।

बुलक—(तु०) नाक में पहनने का एक आभूषण ।

बुलूग—(अ) पहुँचना, प्राप्त होना (युगावस्था की), वयस्क होना, जवान होना, देखो 'बलूग' ।

बुलूगत—(अ) युवावस्था, मौवन, जवानी । वरस्कता । देखो

बलूरात ।

बुस्तराक—(अ) पुखराज, एक मणि विशेष ।

बुस्तान—(अ) फुलगाड़ी, बाग, उपवन, बगीचा ।

बुहतान—(अ) दोप, लाछन, कलंक, हलजाम ।

बू—(क) गन्ध, वास, दुर्गन्ध महक, आशा, इच्छा, विशेषता, प्रेम ।

बू कलमू—(अ) गिरगिट की तरह का एक जानवर जिसकी पूँछ बहुत लम्बी होती है । तरह तरह के रंग बदलने वाला, भौंति भौंति के रंग ।

बूगदान—(क) बाज़ीगर का धेला ।

बूजना—(क) बन्दर, मर्कट वानर ।

बूता—(क) एक प्रकार की हलकी शराब, वियर ।

बूजो राना—(क) कलाली, मधु-शाला, शराब बेचने व पीने को जगह ।

बूतम—(तु०) बच्चा, बालक ।

बूद—(क) अस्तित्व, सत्ता, मौजूद होने का भाव ।

बूदो वाश—(क) रहन रहन, निवास रहना ।

बूयक—(तु०) मूत्र, वेचक, पुराना ।

बूम—(अ) उल्लू, उलूक ।

बे—(फ) बिना, रहित, वगैर (यह प्राय शब्दों के पूर्व उपसर्ग रूप में व्यवहृत होता है, जैसे—वेश-ऊर, वेशर्म आदि)

बे अदब—(मि०) अशिष्ट, असभ्य ।

बे अन्दामी—(फ) असम्पत्ता, अशिष्टता ।

बे असर—(फ) प्रभाव शून्य ।

बे असल—(मि०) निराधार निर्मूल, मिथ्या, झूठ ।

बे आवरू—(फ) अप्रतिष्ठित ।

बे आहू—(फ) निर्दोष, निरपराध ।

बे इख्तियार—(क) जिसके हाथ में कुछ अधिकार न हो, जिसका अपने आप पर कुछ बश न हो । स्वत, आप से आप, सहसा, अचानक ।

बे इज्जत—(मि०) अप्रतिष्ठित, अपमानित, बे आबरू ।

बे इज्जती—(मि०) अपमान, अप्रतिष्ठा ।

बे इन्तजामी—(फ) अव्यवस्था, अप्रबन्ध ।

बे इन्ताहा—(मि०) असीम, अपार, बेहद ।

बे इन्साफ—(मि०) अन्यायी ।

बे इल्म—(तु) मूल, अज्ञान, अज्ञान ।

बे ईमान—(मि०) अधर्मी, अन्यायी,

- अनाचारी, जिसकी नीअत ठीक न हो ।
- वे ईमानी—(मि०) अधर्म, अन्याय, अनाचार, नीअत ठीक न हो ।
- वे इतदाल—(मि०) असंयमी, असावधान ।
- वे एतवार—(मि०) अविश्वसनीय, जिसकी साख न हो । जो किसी का विश्वास न करे ।
- वे कदर—(मि०) निरादर, तुच्छ, जिसका कुछ आदर मान न हो । जो किसी का आदर न करे ।
- वे कदरी—(मि०) निरादर, अप्रतिष्ठा, अपमान ।
- वे कमो कास्त—(फ) क्या का त्यों, बिना कुछ घटाए-बढ़ाए, अनिकल ।
- वे करार—(फ) विकल, व्याकुल, अशान्त, बेचन ।
- बेकल—(मि०) विकल, व्याकुल, बेचन, अशान्त ।
- वे कायदा—(मि०) नियम विरुद्ध, अनुचित ।
- बेकार—(फ) निठरूला, निकम्मा, व्यर्थ, निरर्थक, जिसका कुछ उपयोग न हो ।
- बेकारी—(फ) निठरूला, निकम्मा, निरर्थकता, अनुपयोगिता, व्यर्थता, काम-काज का अभाव, निरुपग्रता ।
- बेकिराँ—(फ) असीम, अपार ।
- बे क्लील—(फ) निस्सदेह ।
- बेख—(फ) जड़, मूल, उद्गम ।
- बेखबर—(मि०) अनजान, बेवृष, अचेत ।
- बे खयीश—(फ) अचेत ।
- बे खुद—(फ) जिसके होश-हवास ठीक न हों, जो आपे में न हो, ज्ञान शून्य, बेहोश ।
- बे ख्वास्त—(फ) बिना माँगे प्राप्त होने वाली वस्तु, बिना माँगे मिली चीज ।
- बेग—(तु) धनी, सम्पन्न, ईश्वर ।
- बेगम—(तु) उच्चकुल की महिला, बादशाह, या किसी बड़े आदमी की स्त्री ।
- बेगानगी—(फ) परायापन, मिश्रता, शत्रुता । अजनबीपन ।
- बेगाना—(फ) पराया, अन्य, भिन्न, दूसरा, अपरिचित, शत्रु ।
- बेगार—(फ) बिना मजदूरी दिए काम कराने की प्रथा, बेमन किया हुआ काम ।
- बेगारी—(फ) जिससे बेगार कराई जावे, जिससे मुक्त में बलपूर्वक काम कराया जावे ।

वेगाह—(फ) असमय, कुसमय, संया ।
 वेगिलोगश—(फ) बिना ननुनचके, निस्सदेह ।
 वेगुलरयेग—(तु०) सेनापति, सिपह सालार, बहुत घनी ।
 वेगैरस—(मि०) निलज्ज, दीठ ।
 वेगैरती—(मि) निर्लज्जता, दीठता ।
 वेधारा—(फ) असहाय, साधनहीन, निधन, दीन लाचार ।
 वेचू—(फ) अनुपम, अद्वितीय, इश्वर (यह प्राय परमात्मा के लिए प्रयुक्त होता है) ।
 वेचैन—(फ) व्याकुल, निक्ल, अशान्त ।
 वेचोना—(फ) बिना स मे का तम्नू ।
 वेज—(फ) अनुचित बैठकाने, वेमौक़े ।
 वेजार—(फ) दुखी, अप्रसन्न ।
 वेजिगरी—(फ) भय डर ।
 वेत—(अ) घर, शेर, पय ।
 वेतरह—(फ) अनुचित ढंग से, बुरी रीति से, बहुत अधिक, वेदर, भयानक रूप से ।
 वेतहाशा—(मि) बहुत जोर से, अरा धु ध, बिना सोचे विचारे, अचानक, आरम्भन ।

वेता—(अ) चौरायों का राज करने वाला, पशुचिकित्सक, शालोनी, अश्वचिकित्सक ।
 वेताव—(फ) व्यथित, घबराया हुआ, व्याकुल, वेचैन ।
 वेताबी—(फ) वेचैनी, विकलता ।
 वेतार—(अ) देखो “वेता” ।
 वेतुल अर्तीक—(अ) पुराना घर, कावा ।
 वेतुल सला—(अ) टट्टी, सडास, जाज़रूर ।
 वेतुल गजल—(अ) बढ़िया पय, सुन्दर कविता ।
 वेतुल हराम—(अ) कावा ।
 वेतुल्लाह—(अ) अल्लाह का घर, कावा ।
 वेद—(फ) वेत का पीधा, वेनस ।
 वेद अजीर—(फ) एरख का वृत्त ।
 वेदखल—(मि०) जिसका अधिकार छीन लिया हो, अधिकारव्युत ।
 वेदखली—(मि०) किसी वस्तु पर से अधिकार हटा देना । कब्जा न रहने देना ।
 वेदस्तोपा—(फ) व्यथित, व्याकुल, परेशान ।
 वेद मुश्क—(फ) एक वृत्त जिसके फूल अत्यन्त मुगधित श्रीर कोमल होते हैं, ये दनाश्री तथा

- अकं ह्य आदि बनाने के काम आते हैं ।
- वेदाद—(क) अत्याचार, अन्याय ।
- वेदादगर—(क) अत्याचारी, अन्यायी ।
- वेदार—(फ) जाग्रत, जागा हुआ, सचेत, सावधान ।
- वेदारी—(फ) जाग्रति, जागने की अवस्था, चेत ।
- वेदार दिल—(फ) सावधान, सतर्क, सचेत ।
- वेदिमाग—(क) वह बेचैनी जो क्रोध पी जाने पर चित्त में उत्पन्न हो जाती है ।
- वेदिल—(फ) प्रेमी, आशिक, अप्रसन्न ।
- वेदिली—(क) अप्रसन्नता ।
- वेनकाव—(फ) बेगुदारी, खुले चहरे वाला ।
- वेनजीर—(फ) अनुपम, जिसकी किसी से तुलना न की जा सके ।
- वेनवा—(क) साधु, विरक्त, फकीर, दरिद्र, बिना सामान के ।
- वेनियाज—(फ) अत्यन्त स्तब्ध, स्वच्छन्द, सब बन्धनों से रहित, सब कामनाओं से शून्य, निष्काम, निरीह, असावधान,
- अचेत ।
- वेपर्द—(फ) जिसके आगे कोई आइया पदा न हो, खुला हुआ ।
- वेपर्दगी—(फ) पदा या आइया का अभाव ।
- वेपीर—(फ) निर्दय, अत्याचारी, स्वाधी, निगुरा, जिसका कोई गुह न हो ।
- वेफैज—(क) व्यथ, निरर्थक ।
- वेवदल—(फ) बेजोड़ अवतल, जो सदा एक-सा रहे, निश्चित प्रुव, जिसमें कोई अवतल बदल न हो ।
- वेवर्ग—(फ) साधनहीन, बिनासामान के, रग ।
- वेवम—(मि) असमय, निरुपाय ।
- वेवहा—(क) बहुमूल्य, अमूल्य, अत्यधिक मूल्यवान ।
- वेवाक—(मि) निडर निर्भय ।
- वेवाक—(फ) नि शेष, पूरा चुकाया हुआ, चुकता, जिसमें कुछ देना शेष न रहा हो ।
- वेमहल—(मि) अवसर के अनुपयुक्त, असामयिक ।
- वेरग—(फ) मर्यादा का नश्वर, बिना रग भरा हुआ तस्वीर का ढाँचा, परमात्मा का अर्द्ध स्वरूप ।
- वेरम—(हु) त्योहार, उत्सव, इद ।

बेरई—(फ) शुष्कता, उदासीनता, शोमाहीनता, असावधानी, लापरवही ।

बेरून—(फ) बाहर, बहि, अलग, आसपास का ।

बेरुनी—(फ) बाहरी, बाहर का, बाह्य ।

बेल—(फ) कुदाल, पावड़ा ।

बेलकश—(फ) पावड़ा चलाने वाला, किसान, मजदूर ।

बेलचा—(फ) छोटा पावड़ा ।

बेलजन—(फ) किसान, मजदूर ।

बेलदार—(फ) पावड़ा या कुदाल रखने वाला, मजदूर ।

बेलावर—(फ) दवा बेचने वाला, काँच के नग बेचने वाला ।

बेवकूफ—(फ) मूर्ख, नासमझ, अश ।

बेवकूफी—(फ) मूर्खता, ना समझी, अज्ञता ।

बेवा—(फ) रिधवा, राई, जिसका पति मर गया हो ।

बेग—(फ) अधिक, ज्यादा, बहुत, बढ़िया, उत्तम, श्रेष्ठ, अच्छा ।

बेशक—(फ) निश्चये, निश्चय रूप से ।

बेशकीमत—(मि) बहुमूल्य, अधिक मूल्यवान ।

वेशी—(फ) अधिकता, बहुयायत, वृद्धि, ज्यादाती ।

बेसकून—(फ) अस्थिरमना, व्याकुल, अशान्त चित्त ।

बे सर्द दिल—(फ) असवधान, लापरवा ।

बेसाबत—(फ) अस्थिर, न ठहरने वाली ।

बेसूद—(फ) व्यथ, निरर्थक ।

बेहमैयत—(फ) बेशर्म, निर्लज्ज, बेहया ।

बेहया—(मि) निर्लज्ज, बेशर्म, बेहमैयत ।

बेहयाई—(मि) निर्लज्जता बेशर्मी ।

बेहाल—(मि) निक्ल, व्याकुल, बेचैन, बुरी हालत में ।

बेहिस—(फ) अचेत, मूर्च्छित, बेहोश ।

बेहिसान—(मि) जिसकी गणना या हिसाब न हो, बहुत अधिक, अनाप शनाप, अवाधुन्य ।

बेहुरमत—(मि) जिसकी कुछ प्रतिष्ठा न हो, बेइज्जत ।

बेहूदगी—(फ) असम्भ्यता, बेदगापन, अशिष्टता, निरथकता ।

बेहूदा—(फ) असम्भ्य, अशिष्ट, बेदगा, मूठा, निरथक, विफल व्यय ।

बेहोश—(फ) मूर्च्छित, अचेत ।

बेहोशी—(क) मूर्च्छा, अचेतन ।

बै—(श) देखो “यय” ।

बैद्यत—(श) किसी पीर आदि का शिष्य बनना, आशा पालन करना ।

बैज—(य) पक्षियों के अंडे ।

बैजरी—(य) बड़ाकार ।

बैजा—(अ) अडा, समूह, बग, गमी की अधिकता, प्रत्येक वस्तु का मध्य, सिर दद ।

बैजहाय जरीन—(फ) सितारे, तारे नक्षत्र ।

बैजा—(अ) प्रकाशित, सफेद, सूर्य, फारस देश का नगर । अडा, अटकोप ।

बैजायी—(अ) बैजा नगर का निवासी, अडाकार ।

बैजा जरीन—(फ) सूर्य ।

बैत—(अ) छन्द, यविता, घर ।

बैत-उज-खला—(फ) टट्टा, पाखाना ।

बैत-उल-माल—(अ) सरकारी खजाना, वह सम्पत्ति जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो ।

बैत उल मुकद्दस—(अ) मक्का, मुसलमानों का तीर्थ ।

बैतुल हरम—(अ) मुसलमानों का पवित्र स्थान, मक्का ।

बैतुल्लाह—(अ) खुदा का घर, क़ाबा ।

बैदक—(अ) शतरंज का प्यादा ।

बैन—(अ) मध्य, बीच, अन्तर्गत ।

बैनामा—(अ) विक्रय पत्र, बह पत्र जिसमें किसी वस्तु के बेचने व खरीदने का उल्लेख हो ।

बैरक—(तु०) छोटा भाला, छोटा झंडा, झंडे का कपड़ा ।

बैरम—(क) लकड़ी आदि खराब करने का बरमा, एक भारी कपड़ा, बहुत तेज़ ।

बोगदान—(फ) नाजीगर का थैला ।

बोगधन्द्—(फ) सामान रखने का थैला ।

बोया—(फ) सुगन्धित, खुशबूगर ।

बोता—(क) ऊँ का नन्हा, साना चाँदी गलाने की धरिया, छोटा वृक्ष ।

बोरा—(फ) सुहागा ।

बोरिया—(फ) चटाई ।

बोल—(अ) मूत्र, पेशाब ।

बोश—(अ) प्रभाव, दबदबा, शान शौकत नीच पात्री, लुथा ।
[बहुत लक्ष्मों वाला फकीर]

बोस—(फ) चुम्बन, चूमना ।

बोसा—(फ) चुम्बन, चूमा ।

बोमीदा—(फ) पुराना, गला सड़ा,

जीर्ण-शीर्ण ।

बोसो कनार—(फ) चुम्बन, आलि
गन (प्रेमिका का)

घोस्तो—(फ) कुनवाड़ी, उद्यान,
राग, वाटिका, उम्वन, मुजरा ।

चोहतान—(अ) देखो "बुहतान"

बौलखो—(फ) मौलभी नामक
वृक्ष ।

बौहरान—(अ) प्रलाप, उन्माद,
पागलपन, बौरान ।

म

मञ्जर—(अ) दृश्य, नजारा ।

मञ्जिल—(अ) पड़ाव, वह स्थान जहाँ
दिन भर की यात्रा पूरी करके
रात को ठहरा जाय । मकान
की छत पर बना हुआ खड,
ठहरने की जगह, [घर, भवन,
पद, प्रतिष्ठा ।

मञ्जिलत—(अ) पद, दजा, ओहदा ।

मञ्जूर—(अ) स्वीकृत, स्वीकार,

मञ्जूरी—(अ) स्वीकृति ।

मशा—(अ) इच्छा, कामना,
उद्देश्य, अभिप्राय, भाव ।

मशदत—(अ) सेने चाँगी आत्रि
की खान ।

मशदनियात—(अ) खनिज पदार्थ,
खान से निकली हुई वस्तुएँ ।

मशदनी—(अ) खनिज वस्तु, खान
से निकली हुई चीज़, लाल रंग
का वस्त्र ।

मशदिलत—(अ) न्याय, ईसाफ ।

मशदूद—(अ) गिने हुए, गिनी के,
परिमित ।

मशनी—(अ) अथ, आशय, उद्दे-
श्य माने ।

मशदूय—(अ) नष्ट, भ्रष्ट ।

मशबद—(अ) उपासना करने का
स्थान, मन्दिर मस्जिद आदि ।

मशबूद—(अ) आराध्य, उपास्य,
परमात्मा ।

मशरूज—(अ) निवेदन किया गया,
गर्ज किया गया, निवेदित ।

मशरूल—(अ) निष्पत्ति, तर्क सिद्ध

मशरूज—(अ) शरण, शरण देना ।

मशरूज अल्लाह—(अ) परमात्मा
रक्षा करे, ईश्वर शरण ।

मशरूद—(अ) लोटकर जाने की
जगह, प्रतिध्वनि का स्थान ।

परलोक, कयामत ।

मशरूदान—(अ) पारस्परिक द्वेष ।

मशरूदिन—(अ) 'मशदन' का बहुत ।

मशरूदिल—(अ) समान बराबर ।

मशरूदिलत—(अ) समता, बराबरी ।

मशरूनी—(अ) "मशनी" का बहु-
वचन ।

- मरु—(श्र) छल, छद्म, धोखा, धूर्तता, दगा, फरेव ।
- मखजान—(श्र) कोश, भण्डार, खजाना ।
- मखतून—(श्र) जिसका खतना (मुगल या मुसलमानी) किया गया हो ।
- मखदूम—(श्र) सेवित, वह जिसकी सेवा की गइ हो या की जाय । मालिक स्वामी ।
- मखदूश—(श्र) भयानक, खतरनाक-मखकी - (श्र) गुप्त, छिपा हुआ ।
- मखनूत—(श्र) पागल, विद्वित, जिसे खन्त हो गया हो ।
- मखबूत चल ह्वास—(श्र) पागल, विद्वित, जिसके होश ह्वास ठीक न हो वह ।
- मखमल—(श्र) प्रतिद्व रूएँगर और चिक्ना कपड़ा ।
- मखममा—(श्र) शोक निहलता, झुधा, विकट प्रसंग या प्रश्न । विषम समस्या ।
- मखमूर—(श्र) मदमत्त, मतगाला ।
- मखरज—(श्र) किसी चीज के उत्पन्न होने या निकलने का स्थान, उद्गम स्थल, निकलने का मार्ग ।
- मखरूत—(श्र) सरादा हुआ, छीला हुआ, तराशा हुआ, वह जो गाजर की तरह नीचे मोटा हो और ऊपर को क्रमश पतला होता जाय ।
- मखरूश—(श्र) छीला गया, तराशा गया ।
- मखलूक—(श्र) सृष्टि ।
- मखलूकत—(श्र) “मखलूक” का बहुवचन ।
- मखलूत—(श्र) मिश्रित, मिलाजुला ।
- मखती—(श्र) गुप्त, छिपा हुआ ।
- मखसूस—(श्र) वह जिसे विशेषता दी गइ हो, विशिष्ट ।
- मगजूर—(श्र) जिस पर राजब या श्रत्याचार किया गया हो ।
- मगकिरन—(श्र) क्षमादान, पाप मोचन ।
- मगकूर—(श्र) क्षमा किया हुआ । बखशा हुआ, स्वर्गीय, मृत ।
- गमूम—(श्र) दुस्ती, शोकाकुल, रबीदा ।
- मगर—(श्र) किन्तु, परन्तु, पर, लेकिन ।
- मगरिन—(श्र) पश्चिम दिशा ।
- मगरिवी—(श्र) पश्चिमीय, पश्चिम का ।
- मारुतक—(श्र) रुखा हुआ, निमजित ।

मगरूर—(अ) घमडी, दुरभिमानी ।

मगलूच—(अ) अत्रान्त, परास्त,
पराजित, वश में किया हुआ ।

मगशी—(अ) मूर्च्छित बेहोश,
जिसे शश आ गया हो ।

मगस—(अ) मगसी ।

मगज—(फ़) गूदा, भेजा, मस्तिष्क,
दिमाग, मीन, गिरी ।

मगजी—(अ) गोट, किनारा,
हाशिया, संजाफ ।

मज—(अ) चुसना ।

मजकूम—(अ) जिसे जुकाम हो रहा
हो, प्रतिश्याय-गीहित ।

मजकूर—(अ) उक्त, उल्लिखित,
जिसकी चर्चा की जा चुकी हो ।

मजकूरा वाला—(अ) उल्लिखित,
उपयुक्त, जिसका ऊपर जिक्र
आ चुका हो ।

मजकूरी—(फ़) समन तामील करने
वाला ।

मजजुय—(अ) तन्मय, तल्लीन,
जो सोख लिया गया हो ।

मजजूम—(अ) कुट्टी, कोढ़ी ।

मजद—(फ़) पारिश्रमिक ।

मजदूर—(फ़) मजूर, कुली, मोटिया,
घोक्ता दोने वाला, अम-जीवी,
काम गर, श्रमिक ।

मजदूरी—(फ़) मजदूर का काम,

पारिश्रमिक ।

मजनूँ—(अ) अत्यन्त कुशकाय,
वह जो किसी के प्रेम में पागल
हो गया हो ।

मजनूनियत—(अ) उमाद, पागल-
पन ।

मजबह—(अ) बधस्थान, सुरागृह ।

मजबूत—(अ) दृढ़, पक्का, पुष्ट,
बलवान्, जम्ब किया हुआ ।

मजबूती—(अ) दृढ़ता, पुष्टता ।

मजबूर—(अ) लिखा हुआ, लिखित ।

मजबूर—(अ) विवश, लाचार ।

मजबूरन—(अ) विवश होकर,
लाचारी से ।

मजबूरी—(अ) विवशता, लाचारी ।

मजमा—(अ) सभा, समूह, भीड़,
मजलिस, समुदाय ।

मजमूआ—(अ) संग्रह, समस्त,
सब, ढेर ।

मजमूई—(अ) सब, समस्त,
सम्मिलित रूप में ।

मजमून—(अ) विषय, अभिप्राय,
लेख ।

मजमूम—(अ) बुरा, निन्दनीय,
खराब, मिलाया हुआ, सम्मद
यद् अक्षर जिस पर पेश (जो
उकार की आवाज देता है) का
चिह्न लगा हो ।

मज्झमत—(अ) निन्दा, बुराई,
अपमान ।

मज्जरा—(अ) छोटा गाँव नगला,
खेत ।

मज्जरुअ—(अ) नापा हुआ ।

मज्जरुआ (अ) जोता बोया हुआ
खेत, बोई हुई फसल ।

मज्जरुअ—(अ) आहत, चुटैल,
गणित में वह सख्या जिसको
गुणा किया जाय, गुण्य, गुणा ।

मजरुर—(अ) खिचने वाला, आ
कृष्ट होने वाला,

मजरुर—(अ) चोट खाया हुआ ।
आहत, घायल ।

मजरुह—(अ) घायल, क्षत विक्षत,
जख्मी, प्रेम या विरह के कारण
विकल ।

मजरत—(अ) हानि, चोट, आघात,

मजलिस—(अ) सभा, समाज,
बैठने या नाचरंग का स्थान,
महफिल ।

मजलिसी—(अ) मजलिस का,
मजलिस सम्बन्धी, मजलिस में
बैठने वाला ।

मजलूम—(अ) अत्याचार पीड़ित ।

मजहफ—(अ) हँसी, दिल्ली, ठट्ठा,
विनोद,

मजहका—(अ) उगहास, हँसी

दिल्लीगी ।

मजहकात—(अ) “मजहका” का
बहुवचन,

मजहब (अ) पंथ, सम्प्रदाय मत,
मार्ग, रास्ता ।

मजहबी—(अ) मत-पंथ सम्बन्धी,
साम्प्रदायिक ।

मजहर—(अ) प्रकट होना, जाहिर
होना ।

मजहिर—(अ) होना । प्रकट या
जाहिर करने वाला, प्रकाशक ।

मजहूल—(अ) अपरिचित अज्ञात
श्रान्त शिथिल सुस्त निकम्मा,
वह किया जिसका फर्त मालूम
न हो ।

मजा—(फ़) आनन्द, सुख, स्वाद,
हँसी दिल्लीगी ।

मजाक—(अ) परिहास, ठठोली,
हँसी विनोद, हँसि प्रवृत्ति,
चलने की क्रिया या शक्ति ।

मजाकन्—(अ) मजाक से, हँसी के
तौर पर, दिल्लीगी में ।

मजाकिया—(अ) हँसोइ, विनोद,
मख्खरा, परिहास सम्बन्धी ।

मजाज—(अ) प्राप्त अधिकार,
जिसे कानूनन कोई काम करने
का अधिकार प्राप्त हुआ हो ।

मजाजत—(अ) “मजा ज़ात” का

- संज्ञि रूप,
मजाजन्—(अ) निमयानुसार,
अधिकार प्राप्त की दृष्टिसे, वाक्का
यदा तौर पर ।
- मजाजात—(अ) बुराई या भलाई
का बदला देना ।
- मजाजो—(अ) कृत्रिम, बनावटी,
नकली, सांसारिक ।
- मजाामीन—(अ) मज्जमून का
बहुवचन, बहुत से विषय या
लेख ।
- मजाामीर—(अ) ‘मिजामार’
(बाँसरी) का बहुवचन, घुड़ दौड़
का मैदान, गवैयों के सब साज ।
- मज्जार—(अ) कब्र, समाधि, जियारत
करने की जगह ।
- मज्जारईन—(अ) “मजागा” का
बहुवचन ।
- मज्जारा—(अ) कृषक, खेतिहर,
किसान
- मजाल—(अ) सामर्थ्य, शक्ति,
योग्यता, साहस ।
- मजाल—(अ) लक्षलक्षाना, ढग
भगाना ।
- मजालिम—(अ) अन्याय, अत्या
चार ।
- मजालिस—(अ) “मजलिस” का
बहुवचन
- मजालिस नवीस—(मि) सवाददाता
मजाहत—(अ) मनोविनोद ।
- मजाहमत—(अ) अत्याचार,
ग्रन्याय ।
- मजाहिब—(अ) “मजहब” का बहु-
वचन ।
- मजाहिम—(अ) अत्याचारी, कष्ट
देने वाला ।
- मजाहिर—(अ) प्रकट होना, जाहिर
होना ।
- मजाहिरा—(अ) दिखावे के लिए
किया गया काम, प्रदर्शन ।
- मज्जीद—(अ) बयोवृद्ध, महानुभाव,
गौरवशाली, परित्र, पूज्य ।
- मज्जीद—(अ) अधिक, विशेष रूप से,
ज्यादा, अधिकता, ज्यादाती,
जिसमें विशेषता की गई हो,
बढ़ाया हुआ ।
- मज्जूम—(अ) अग्निपूजक, पारसी ।
- मज्जेदार—(अ) स्वादिष्ट, आनन्द-
दायक, बढ़िया, अच्छा ।
- मज्जेदारी—(अ) स्वाद, आनन्द ।
- मतन—(अ) पक्का, दृढ़, पृष्ठभाग,
पीठ, मध्य भाग, बीच का
हिस्सा, मूल मध्य जिस पर टीका
लिखी जाय ।
- मतय—(अ) इलाज करने की जगह,
चिकित्सालय, दवाखाना ।

मतनख—(अ) रसोदघर, बावची खाना ।

मतनखी—(अ) रसोदघर से सन्बन्ध रखने वाला, रसोदघर, बावची ।

मतना—(अ) मुद्रणालय, छापा खाना ।

मतनूअ—(अ) मुद्रित, छापा हुआ, पसंद किया गया ।

मतब्ब—(अ) वह स्थान जहाँ तरीब (चिकित्सक) बैठकर रोगियों की चिकित्सा करते हैं ।

मतरूक—(अ) परित्यक्त, त्यागा गया ।

मतलब—(अ) अभिप्राय, तात्पर्य, अर्थ, प्रयोजन, भाव, आशय मानी, उद्देश्य, स्वार्थ, सम्प्रभ, विचार, वास्ता ।

मतला—(अ) किसी नक्षत्र के उत्पन्न होने का स्थान, गजल के प्रारंभ की दो सानुप्रास पक्तियाँ ।

मतलूब—(अ) अभीष्ट, उद्दिष्ट, प्यारा, प्रेमपात्र, माँगा या चाहा गया, अभिप्रेत ।

मता—(अ) सम्पत्ति, पूँजी, घर का माल अस्वाव ।

मतानत—(अ) दृढ़ता, धैर्य, पुष्टता, मजबूती, गम्भीरता ।

मताक—(अ) परिक्रमा करने की

जगह ।

मतालचा—(अ) माँग ।

मतालिब—(अ) “मतलब” का बहुवचन ।

मतीन—(अ) दृढ़, पक्का, गम्भीर, शान्त ।

मद—(अ) विभाग, खाता, हार, समुद्र के पानी का चढ़ाव, आकर्षण, विचार ।

मद कूक—(अ) कूटा हुआ, पिटा हुआ, बारीक किया हुआ, दुर्बल, राजयक्ष्मा का रोगी ।

मदखला—(अ) जमा किया हुआ, दाखिल किया हुआ ।

मदखूला—(अ) उपपत्ती, रन्धेरी, जिस स्त्री से सम्भोग किया जा चुका हो ।

मदद—(अ) सहायता, उद्धार ।

मददगार—(मि) सहायक, सहाय देने वाला ।

मदनी—(अ) नागरिक, नगर निवासी, ‘मदीना’ से सम्बन्ध रखने वाला ।

मदफन—(अ) मुटों की गाड़ने की जगह, कब्रिस्तान ।

मदकून—(अ) जमीन में गाड़ हुआ, दफन किया हुआ ।

मदयून—(अ) श्रृंगी, देनदार

वर्जदार ।

मदरसा—(अ) पाठशाला, चट-
शाल ।

मद व जज़र—(अ) ज़ार भाटा,
समुद्र के पानी का चढ़ाव
उतार ।

मदह—(अ) प्रशंसा, सराहना ।

मदह खर्जो—(मि) प्रशंसा, सरा-
हना करने वाला ।

मदहे सहाचा—(अ) मुहम्मद साहब
के कुछ अत्यन्त घनिष्ठ मित्रों का
गुण गान ।

मदहोश—(अ) मदमत्त, हतबुद्धि,
मत्तवाला ।

मदाखिल—(अ) प्रवेश-मार्ग, द्वार,
दरवाज़ा, श्राय, श्रामदनी ।

मदाखिलत—(अ) अधिनार जमाना
हस्तक्षेप करना, दखल देना ।

मदाखिलत बेजा—(मि) अनुचित
रूप से किसी स्थान में प्रवेश
करना, किसी काम में अनधि-
कार हस्तक्षेप करना ।

मदार—(अ) आधार, आश्रय,
नींव, नक्षत्रों के घूमने का मार्ग,
मुसलमानों का प्रसिद्ध पीर ।

मदारात—(अ) आगमगत, स्वागत
सत्कार ।

मदारिज—(अ) दजा का बहुवचन,

पथ, पद, मार्ग ।

मदारिस—(अ) 'मदरसा' का
बहुवचन पाठशालाएँ ।

मदारी—(अ) जादू या इन्द्रजाल
के खेल दिखाने वाला, बाजी
गर बन्दर भालू आदि के खेल
दिखाने वाला ।

मदारल मुहाम—(अ) प्रधान सेना-
पति, मुरयामात्य, प्रधान मंत्री ।

मदिरा—(अ) शराब ।

मदीद—(अ) विस्तृत, लम्बा ।

मदीना—(अ) अरब का एक नगर
जो मुसलमानों का तीर्थ स्थान
है, नगर मान ।

मदीर—(अ) सम्पादक, एडीटर ।

महाह—(अ) प्रशंसा, सराहना
करने वाला ।

महेनज़र—(अ) दृष्टिपथ में, नज़र
में निगाह के सामने, ध्यान में,
विचार में ।

महेमुकाविल—(अ) समान, बरा-
बरी का ।

मन—(फ) मैं, मेरा ।

मनकूता—(अ) उर्दू साहित्य का
अलंकार विशेष वह पद्य या गद्य
जिसमें नुबते वाले अक्षरों का
अधिक प्रयोग किया गया हो ।
नुबतेदार ।

मनकूल—(अ) वर्णित, उल्लिखित,
उद्धृत, नकल किया गया,
कहीं से लिया गया, उतारा
गया ।

मनकूला—(अ) वद जो एक स्थान
से दूसरे स्थान पर ले जाया जा
सके, चल, स्थिर या स्थावर का
उलटा ।

मनकूश—(अ) अकित, नक़्श
किया गया, चित्रित ।

मनकूहा—(अ) विवाहिता सती ।

मनजूम मनजूमा—(अ) छन्दोबद्ध,
पद्यात्मक ।

मनकी—(अ) घटाया हुआ, कम
किया हुआ ।

मनमय—(अ) अधिकार, पद,
ओहदा, कर्म ।

मनसवी—(अ) अधिकार या पद
सम्बन्धी ।

मनसूचा—(अ) विचार, इरादा,
मुक्ति, दम ।

मनसूया 'वोधना—मुक्ति सोचना,
इरादा करना ।

मनहूम—(अ) अशुभ, बुरा ।

मना—(अ) निषिद्ध-वर्जित, निषेध ।

मनाज़िर—(अ) "मंज़र" म बहु-
वचन ।

मनाज़िल—(अ) "मनज़िल" का

बहुवचन ।

मनाल—(अ) चल-अचल सम्पत्ति,
प्राप्ति स्थान ।

मनाही—(अ) निषेध, रोक ।

मनी—(अ) वीर्य, शुक्र ।

मन्तिक—(अ) तर्कशास्त्र या न्याय
शाला ।

मन्तिको—(अ) तार्किक, न्याय
शास्त्री ।

मन्द—(अ) वाला, रखने वाला,
(प्राय यौगिक शब्दों के अन्त
में, जैसे—अक्रमन्द, दीलतमन्द ।)

मन्दोल—(अ) पगड़ी, साफा, पटुका
(कमर में बाँधने का), पैग,
रुनाल ।

मन्न—(अ) मन, मैना, तोलने का
एक घाट जो ४० सेर का होता
है ।

मन्सूख—(अ) दूर किया गया,
मिटाया, नष्ट किया गया, रद्द
किया गया ।

मनमूखी—(अ) रद्द करना,
निश्चय ना ठहराना ।

मन्सूब—(अ) उद्दिष्ट, सम्प्रचित,
जिसकी मंगनी हो चुकी हो ।

मनसूर—(अ) एक प्रसिद्ध तख्तपेता
का नाम विजेता, विजयी ।

मकूल—(अ) व्याकरण में 'कर्म

- वह जिसके साथ कोई फेल
(क्रिया) किया जाय ।
- मककूद—(अ) खोया हुआ, जिसका
पता न लगे, गुम ।
- मकनूह—(अ) विजित, जीता गया,
खोला गया ।
- मकर—(अ) भय, डर, भागना,
बचना, भाग जाने की जगह ।
- मकत्क—(अ) घटाया हुआ,
निकाला या कम किया हुआ ।
- मफकूज—(अ) कल्पित, माना हुआ,
फजी ।
- मकरर—(अ) भागा हुआ, वह
अपराधी जो पकड़े जाने के भय
से घर छोड़कर भाग गया हो ।
- मफलूक—(अ) फलक अर्थात् दैव
का सताया हुआ ।
- मकलूज—(अ) जिसे फालिज या
लकड़ा मार गया हो, पक्षाघात
पीड़ित ।
- मकहूम—(अ) भाव, तात्पर्य, सारांश
समझा हुआ ।
- मकासिद—(अ) “फिसाद” का
बहुवचन ।
- मफतून—(अ) आसक्त, अनुरक्त,
प्रेमी ।
- मफतूह—(अ) विजित, जीता हुआ,
फतह किया हुआ ।
- ममजूल—(अ) प्रदत्त, दिया हुआ,
खर्च किया हुआ, स्वीकार
किया हुआ ।
- मवनी—(अ) आश्रित, किसी के
आधार पर ठहरा हुआ, निर्भर
आश्रित ।
- मवाद—(फ) ईश्वर करे न हो ।
- मवाद—(फ) ईश्वर न करे ।
- मब्दा—(अ) प्रकट होने या प्रारम्भ
करने का स्थान, उद्गम, मूल,
कारण ।
- ममदूह—(अ) प्रशंसित, उक्त,
अक्षिखित ।
- ममनूअ—(अ) निषिद्ध, वर्जित ।
- ममनून—(अ) कृतज्ञ, अनुग्रहीत,
उपकृत ।
- ममलकत—(अ) राज्य, सल्तनत ।
- ममा—(फ) स्त्रियों के स्तन, कुच ।
- ममात—(अ) मृत्यु, मौत ।
- मय—(अ) साप, सहित, उमेत,
जैसे ‘मय कागजात’ ।
- मयस्सर—(अ) प्राप्त, उपलब्ध ।
- मयार—(अ) आदर्श, स्टेण्डर्ड, घरा-
तल ।
- मरकज—(अ) केन्द्र ।
- मरकद—(अ) शयनागार, समाधि,
कब्र ।
- मरकूज—(अ) गढ़ा हुआ, स्वी-

उत्त ।

मरकूम—(अ) लिखित, लिखा हुआ ।

मरगा—(क) दूज, घाव ।

मरगूय—(अ) रुचि अनुकूल, अभिलषित, इच्छित, प्रिय, रुचिकर, सुन्दर, प्रिय दर्शन ।

मरगोल मरगोला—(क) पक्षियाँ का कलकल नाद धूँधर वाले जल, सगीत में गिटकरी ।

मरज—(फ) खेती के योग्य भूमि ।

मरजधान—(क) जमींदार, भूपति, सरदार ।

मरजभूम—(क) जन्म भूमि, जन्म स्थान ।

मरजान—(क) मूँगा, प्रजाल ।

मरजी—(अ) इच्छा, चाह, कामना ।

मरका—(फ) दोन ।

मरबूत—(क) सम्बन्ध, बंधा हुआ, जिसके साथ रन्त हो ।

मरमर—(अ) एक प्रकार का सफेद नरम और बढ़िया पत्थर ।

मरम्मत—(अ) जीर्णोद्धार, दुरुस्ती, सुधार, सशोधन ।

मरचारीद—(क) मुक्ता, मोती ।

मरहवा—(अ) शाबाश, धन्य, साधु वाद ।

मरहूम—(अ) एक प्रकार की दवा

जो फोफा-फुसी, दाब, गिल्ली आदि पर लगाई जाती है ।

मरहमत—(अ) दया, कृपा, अनुमति, क्षमा, प्रदान ।

मरहला—(अ) मजिल की जगह, रूच का मुकाम, ठहरने का स्थान, पड़ाव, सामान रखने की जगह, कठिन समस्या, उलझन ।

मरहून—(अ) रहन बिया गया, बेचा गया ।

मरहूम—(अ) स्वर्गीय, परलोकवासी, दिवंगत, मृत, मरा हुआ ।

मरहूमा—(अ) स्वर्गीया स्त्री ।

मराकिय—(अ) 'मुरकब' का बहुवचन ।

मराजअत—(अ) बच्चे को घाय का दूध पिलाना ।

मरात—(अ) लो ।

मरातिब—(अ) "मर्तबा" का बहुवचन, पद, प्रतिष्ठा, मयादा आदि ।

मरासिम—(अ) "रस्म" का बहुवचन, प्रथाएं, रीतियाँ, भाँति भाँति के रिवाज ।

मरासी—(अ) "मर्सिया" का बहुवचन ।

मराहिम—(अ) “मरहम” का बहुवचन ।

मराहिल—(अ) ‘मरहला’ का बहुवचन ।

मरियम—(अ) कुमारी, कन्या, इसामसीह की माता का नाम ।

मरीज—(अ) बीमार, रोगी ।

मर्ग—(फ) मौत, मृत्यु, मरण ।

मर्गज्जार—(फ) द्वारा मरा मेदान ।

मर्गेनागहाँ—(फ) आकस्मिक मृत्यु ।

मज्ज—(अ) रोग, बीमारी ।

मर्जी—(अ) देखो ‘मरजी’ ।

मतवा—(अ) पद, प्रतिष्ठा, दजा, बार, दफा ।

मतबान—(अ) रग रोगा निया हुआ मिट्टी का ततन जो अचार, चटना आदि रखने के काम आता है, अमृत तान ।

मनूथ—(अ) भीगा हुआ, आर्द्र, गीला, छष्ट पुष्ट ।

मतूथी—(अ) छष्ट पुष्ट मनुष्य, मोठा आदमी ।

मर्द—(फ) पुरुष, बार, साहसी, पति (स्त्री का) ।

मर्दक—(अ) मनुष्य के लिए तिरस्कार सूचक सम्बोधन ।

मर्दो—(फ) वीर, महादुर ।

मर्दानगी—(फ) पौरुष, पराक्रम,

वीरता, शौर्य, साहस ।

मर्दाना—(फ) पुरुषों जैसा, वीरोचित, साहस पूर्ण ।

मर्दाने मर्द—(फ) वीर पुरुष, बहादुर आदमी, साहसी सैनिक ।

मर्दो—(फ) वीरता, मदानगी ।

मर्दुआ—(फ) किसी अनजान आदमी के लिए ज़ियों द्वारा कहा जाने वाला तिरस्कार सूचक शब्द ।

मर्दुम—(फ) मनुष्य, आदमी, बहुत से आदमी ।

मर्दुम आज़ार—(अ, मनुष्यों के लिए व्याधि स्वरूप, मनुष्यों को कष्ट देने वाला, अत्याचारी, अन्यायी ।

मर्दुम आज़ारी—(फ) अत्याचार, ज़ुल्म, मनुष्यों को पीड़ा पहुँचाना ।

मर्दुमक—(फ) श्राँग की पुतली ।

मर्दुम शनास—(फ) मले-बुरे आदमी को पहचानने वाला ।

मर्दुम शुमारी—(फ) मनुष्य गणना ।

मर्दुमज्जन—(फ) श्रांस, मनुष्यों का बघ करने वाला हत्यारा ।

मर्दुम चरम—(फ) श्रांस की पुतली के अन्दर का काला तिल ।

- मर्दुमी—(फ) पीरूप, पराक्रम, वीरता, मदानगी ।
- मर्दूद—(श्र) निर्लज्ज, धृष्टित, बहिष्कृत, भ्रष्ट, एक प्रकार की गाली ।
- मर्देमैदान—(फ) धीर, बहादुर, निमय, शूर, साहसी ।
- मर्दो—(श्र) प्रति, दर, एकचार (योगिक शब्दों के पीछे, जैसे रोज़ मरा) ।
- मर्सिया—(श्र) मरण शोक, रोना पीटना, मरे हुए व्यक्ति का गुणगान, मृत व्यक्ति की स्मृति में रचा गया कव्य काव्य ।
- मर्सिया खवाँ—(मि०) मर्सिया पढ़ने वाला ।
- मर्सिया ख्यानी—(मि०) मर्सिया, पढ़ना ।
- मर्सिया गा—(मि०) मर्सिया पढ़ने या सुनाने वाला ।
- मलऊन—(श्र) धृष्ट, निर्लज्ज, धिक्कृत, शापित ।
- मलफ—(श्र) देवदूत, फरिश्ता ।
- मलका—(श्र) प्रतिभा, विचक्षणता, बुद्धि की कुशलता, दक्षता, निपुणता ।
- मलकुल मौत—(श्र) मौत का
- फरिश्ता, प्राणियों के प्राण हरण करने वाला देवदूत, यमराज ।
- मलगोधा—(तु०) कुढ़ा-ककट, मल, मवाद, पीन ।
- मलजूम—(श्र) लाजिम किया गया, ज़रूरी, अनिवार्य ।
- मलफूज—(श्र) प्रवचन, किसी महात्मा का उपदेश ।
- मलफूक—(श्र) लिफाफे में बन्द किया हुआ, किसी चीज़ में लपेटा हुआ ।
- मलबस—(श्र) पोशाक, लिबास, पहनावा, पहनने के कपड़े शगरखा, पगड़ी आदि ।
- मलया—(श्र) किसी मकान के टूट-फूट के बाद का खराब खस्ता लकड़ी, इट पत्थर आदि ।
- मलबूस—(श्र) पहनने के कपड़े, जो कपड़े पहने हुए हो बह ।
- मलबूसा—(श्र) पहनने का कपड़ा ।
- मलबूसात—(श्र) “मलबूस” का बहुवचन ।
- मलहुष—(श्र) जिसका विचार या ध्यान रक्खा गया हो, जिस का लिहाज़ रक्खा गया हो ।
- मलामत—(श्र) भर्त्सना, फिटकी, फटकार, गन्दगी ।

- मलायक—(अ) “मलक” का बहुवचन ।
- मलाल—(अ) खेद, दुःख, रज, उदासी ।
- मलालत—(अ) खेद, दुःख, रज ।
- मलाहत—(अ) चेहरे का लावण्य सलौनापन, सौविलापन । सुन्दरता ।
- मलिक—(अ) मालिक, स्वामी, बादशाह, महाराजा ।
- मलिका—(अ) महारानी, बादशाह की वेगम, दक्षता, प्रवीणता, विशेषज्ञता ।
- मलीदा—(अ) चूरमा । एक प्रकार का बहुत मुलायम ऊनी कपड़ा ।
- मलीह—(अ) सौविला, सलौना ।
- मलूल—(अ) दुखी, उदास, चिन्तित रंजीदा ।
- मल्लाह—(अ) नाविक, नाव चलाने वाला, केनट ।
- मवक्किल—(अ) किसी अभियोग में अपनी काम करने के लिए वकील को प्रतिनिधि बनाने वाला, अपना अभियोग सम्बन्धी कार्य वकील द्वारा कराने वाला ।
- मयलिद—(अ) जन्म भूमि, जन्म स्थान, जन्म समय ।
- मवल्लिद—(अ) पैदा करने वाला, जन्म देने वाला, उत्पादक ।
- मवहिद—(अ) एकेश्वरवादी, केवल एक परमात्मा को मानने वाला ।
- मवास्त्रा—(अ) विवरण पूछना, व्यौरा माँगना, जवाब तलब करना ।
- मवाजी—(अ) लगभग, प्राय, कुल, सब, योग, जोड़ ।
- मवात—(अ) वह स्थान जहाँ रात बिताई जाय ।
- मवाद—(अ) “मादा” (तत्व) का बहुवचन, धाव या फोड़े में से निकलने वाला दूषित अश, पीध ।
- मवादात—(अ) प्रकट करना ।
- मवालात—(अ) सहयोग, प्रेम, सख्य, मित्रता ।
- मवाशी मवेशी—(अ) पशु, चौपाए, ढोर ।
- मशअल—(अ) मशाल ।
- मशक—(अ) मशक चमड़े की ।
- मशकूत—(अ) परिश्रम, महनत, कष्ट ।
- मशाला—(अ) मनोविनोद, दिल-बहलाने का काम, उद्यम, हल्ला-गुल्ला ।
- मशगूल—(अ) संलग्न, दत्तचित्त,

किसी काम में लगा हुआ ।

मशमुमा—(श्र) मुगधिन द्रव्य ।

मशरफ—(श्र) उच्च पद, प्रतिष्ठा का स्थान ।

मशरथ-मशरथा—(श्र) पानी पीना, पानी पीने की जगह, प्यार, स्नोत, मतपंथ, रीति रिवाज, सीर-तरीका ।

मशरिक्त—(श्र) प्राची, पूव दिशा ।

मशरिका—(श्र) प्राच्य, पुरव का, पुरविया ।

मशरुअ—(श्र) धर्मश्रुतानुमोदित, शरअ (धार्मिक व्यवस्था) के अनुकूल ।

मशरुत—(श्र) जिसके सम्बन्ध में कोई शत लगाइ गई हो, प्रतिबन्ध युक्त ।

मशरुइ—(श्र) सटीक, जिसकी शरइ (टीका) की गई हो ।

मशवरत } —(श्र) सलाह, परामश,
मशवरा } पृथगछ ।

मशहूर—(श्र) प्रसिद्ध, विख्यात ।

मशागिल—(श्र) 'शगल' का बहु वचन ।

मशाल—(मशअल)—(श्र) लोहे की छड़ या लरकी पर चिथड़े लपेट कर घनाई गई बड़ी पत्ती

जो अधिक प्रकाश के लिए तेल में भिगो कर जलाई जाती है ।

मशालधी—(श्र) मशाल जलाकर ले चलने वाला ।

मशाहीर—(श्र) "मशहूर" का बहु वचन, प्रसिद्ध व्यक्ति ।

मशीयत—(श्र) इच्छा, मजी, खुशी, चाहना, कामना ईश्वरेच्छा ।

मशीर—(श्र) देता "मुशीर" ।

मशीयत एजदी—(श्र) ईश्वर की इच्छा ।

मश्क—(श्र) चमड़े की घनी थली जिसमें पानी भरकर रखते थे यवा एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते हैं ।

मश्क—(श्र) अम्पास, किसी काम का बार बार करना ।

मश्कूक—(श्र) सदिग्ध ।

मश्कूर—(श्र) कृतघ्न, अनुशही उपहृत, आमारी ।

मश्मूल—(श्र) सम्मिलित, मिल हुआ, मिलाया हुआ ।

मश्शाक—(श्र) अम्पास, दक्ष कुशल ।

मश्शाकी—(श्र) अम्पास, दक्ष कुशलता ।

मश्शाता—(श्र) कुम्भी, दूती, "

स्त्री जो दूसरी स्त्रियों का बनाव
गृहार करती हो

मस—(अ) सम्भोग, स्त्री प्रसंग,
छूना, हाथ से मलना, स्पर्श
करना

मसऊद—(अ) भाग्यशाली, वैभव
शाली, पवित्र, प्रसन्न, सानन्द

मसजिद—(अ) सिजदा करने का
स्थान, मुसलमानों का प्रार्थना
मन्दिर, जहाँ मुसलमान एकत्र
होकर नमाज़ पढ़ते हैं वह मकान

मसदर—(अ) धातु, क्रिया का मूल
रूप, वह शब्द जिससे किसी
काम के होने या करने का अर्थ
प्रकट हो ।

मसदूद—(अ) रोका हुआ, बंद
किया गया

मसन—(अ) बढ़ा तकिया जिसका
सहारा लगाकर बैठते हैं मसल,
धानियों या रईसा के बैठने की
गद्दी

मसनदआरा—(मि) गद्दीनगीन,
गद्दी को सुशोभित करने वाला

मसनधी—(अ) उर्दू का छंद विशेष
जिसमें दो-दो चरणों के अन्वयानु

प्राप्त मिले होते हैं

मसनूअ—(अ) कृत्रिम, बनावटी,
नकली बनाव हुद मस्तु, जो
असली न हो, कलापूर्ण बनाव
हुद वस्तु

मसनूई—(अ) कृत्रिम, बनावटी,
नकली, जाली

मसरफ—(अ) उपयोग, काम, व्यय
करने की जगह

मसरूक—(अ) चुराया हुआ,
चोरीका

मसरूका—(अ) देखो “मसरूक”

मसरूफ—(अ) सलग्न, सह्यीन,
काम में लगा हुआ, व्यय किया
हुआ

मसरूर—(अ) प्रसन्न, हर्षित

मसररन—(अ) प्रसन्नता, हर्ष

मसल—(अ) कशायत, लोकोक्ति

मसलक—(अ) गग, पथ, राह,
रास्ता

ममलख—(अ) यथशाला, जहा पशु
मारे जाते हों, वृचदग्गाना

मसलन—(अ) उदाहरण स्वरूप,
मिसाल के तौर पर

मसलहत—(अ) गुप्त मन्त्राद,

अप्रवट अच्छाई, शुभचिन्तना,
अच्छाई सोचना, छिपी हुई
भलाई अथवा सुखित जो यका
यक जानी न जाय

मसलहतन्—(अ) किसी उद्देश्य
से, जान वृक्ष कर

मसला—(अ) समस्या, विचार
णीयविषय या प्रश्न, लोकोक्ति,
कहावत

मसलूक—(अ) जिसपर उपकार
किया जाय, जिससे साथ मशह
की जाय

मसलूब—(अ) सूनी पर चढ़ाया
गया, जिसे पानी दी गई हो,
लिटाया हुआ

मसलूब—(क) वचित किया गया,
पकड़ा गया, नष्ट भ्रष्ट किया
गया

मसलूब-उलू हवास—(अ) बुढ़ापे
के कारण जिसकी इन्द्रियां
शियिल हो गई हों

मसबदा-मसब्विदा—(अ) पाण्डु
लिपि, मसौदा, पीछे काट-छाट
या सुधार के विचार से पहली
बार लिखा हुआ लेख, उपाय,

सुखित, तरकीब.

मसह—(अ) सम्मोग, स्त्री प्रसंग,
हाथ फेरना, सहलाना, मुसल-
मानों में पवित्र होने के लिए
गुद, कान गन्ध आदि घोलना.

मसाइव—(अ) “मुसीबत” का
बहुवचन, मुसीबतें, कष्ट, कष्ट
नाइयां

मसाकिन—(अ) “मस्कन” (रहन
का स्थान) का बहु-वचन

मसाकीन—(अ) “मिस्कीन” (दरिद्र)
का बहु-वचन

मसाजिद—(अ) “मसजिद ”
का बहु-वचन

मसादिर—(अ) “मसदर ” का
बहुवचन

मसाना—(अ) मूत्राशय, पेट के
अन्दर की एक थैली जिसमें
मूत्र जमा होता है

मसाफ—(अ) युद्ध, सग्राम, सम-
रभूमि, युद्धक्षेत्र

मसाफत—(अ) दूरी, अन्तर,
फासला, अकावट, अम

मसाफत—(अ) “मसाफत ”
का बहुवचन

मसाम—(अ) रोमर म्र, रोमकूम,
वचा म के वे अति सूक्ष्म डिद्र
जिनम से पसीना निकलता है

ममामात—(अ) “ मसाम ”
का बहुवचन

मसायब—(अ) “मुसीबत” का
बहुवचन, मुसीबतें, सबट,
कठिनाइया

मसायल—(अ) “ मसला ” का
बहुवचन

मसारिफ—(अ) “मसरफ” का
बहुवचन

मसालत—(अ) प्रार्थना, इच्छा,
अमिलाषा

मसालह—(अ) मसाला, कोई
वस्तु तैयार करने के उपकरण,
सामग्री, औपधियां, या औप
धियों का मिश्रण, रासायनिक
द्रव्य, तैल आतिशबाजी “ मसल
हत ” का बहुवचन, भलाइया

मसालहत—(अ) परस्पर, मेल,
(सुलह) करना, मेलजोल, सधि

मसाला—(अ) देखो “मसालह”

मसास—(अ) देखो “मस”

मसाहत—(अ) भूमिकी नाप

जोए, नाप, माप

मसीह—(अ) मित्र, दोस्त, प्यारा,
भूमि नापने वाला, देश देशांतर
म भ्रमण करने वाला, हज़रत
ईसा की उपाधि क्योंकि वे प्राणि
मात्र के मित्र थे इसामसीह
जिस प्रकार रोगियों का स्वास्थ्य
और मृतकों को जीवन प्रदान
करते थे, उसी प्रकार अपने
प्रेमियों को जीवन दान देने
के कारण प्रेमिका भी मसीह
कहाती है

मसीहा—(अ) देखो “मसीह”

मसीहाई—(अ) मसीहा का कार्य
अथवा पत्र, प्रेम, मसीह के जैसे
अलार्किक गुण, प्रेमिका का यह
गुण जिससे वह प्रेमियों को
जीवन देती है

मसौदा—(अ) देखो “मसदा”.

मस्कन—(अ) निवासस्थान, रहने
की जगह, घर

मस्कनत—(अ) विनम्रता, वृच्छता,
गरीबी

मस्किन—(अ) स्थान, मकान, घर

मस्खरगी—(फ) दिहगी, रेंगेद

पन, ठडा

मस्तरा—(फ) विनोदी, हँसोइ,
अत्यधिक हँसी मज़ाक करन
वाला, विद्वेषक

मस्तरौ—(फ) हसी, दिलगी, ठडा

मस्त्रिद—(अ) देखो “मस्त्रिद”

मस्त—(फ) मत्त, मतवाला, मदसे
पूर्ण, सदा प्रसन्न और निश्चिन्त
रहने वाला आनन्दी, आनन्द
युक्त, परम प्रसन्न, जवान और
दृष्ट पुष्ट

मस्तगी—(अ) एक वृत्त का गीत जो
दवा के काम आता है

मस्तगुजारा—(फ) बहुत ज्यादा
मस्त

मस्ताना—(फ) मस्त या मतवाले के
समान, बह जो मस्त हो गया
हो, कामातुर होना, मस्त होना

मस्ती—(फ) मत्, नशा, कामातुरता,
मस्त होने की क्रिया

मस्तूर—(अ) पत्ति बद्ध, पत्तियाँ म
लिया हुआ, लिखित, लिपिबद्ध
परदे में छिपा हुआ, छिपाने
वाला

मस्तूरा—(अ) छिपी हुई

मस्तूरत—(अ) “मन्त्र” का बहुत
नच खिया, मले परा की
महिलाएँ

मस्तूल—(तु) नार्थ के बीच एका
बिधा गया लडा जिसमें गुन या
पाल बाधते हैं

मस्मूअ—(अ) मुना हुआ, भुत

मस्मूआ—(अ) देखो “मस्मूअ”

मस्साह—(अ) भूमि नापने वाला

मह—(फ) माह (चंद्रमा) का
सक्षिप्त

महकूमा—(अ) किसी विशेष कार्य
के लिये अलग बनाया गया कार्य
कतारों का मण्डल, विभाग,
कचहरी, सीगा, अदालत,
यायालय

महकूम—(अ) आश्रित, जिस पर
हुकम चलाया जाय, आश्रित,
अधीन

महकूमा—(अ) देखो “महकूम”

महज—(अ) केवल, सिर्फ, विशुद्ध,
बिना मिलावट का, खालिस

महज कैद—(अ) सानी कैद, वर
कैद जिसमें काम न करना पड़े,
केवल बधन

महजबी—(अ) अत्यन्त सुंदर,

‘गाइजबी’ देखो

महजर—(अ) घोषणा, सूचना

महजरनामा—(अ) घोषणा पत्र,

सूचना पत्र, प्रतिनिधि पत्र

महजूज—(अ) प्रमत्त, खुश, इर्षित

महजूफ—(अ) वह अक्षर शब्द

आदि जो लिखने में छूट गया

हो, वह शब्द जिसका स्पष्ट

उद्देश्य न होने भी व्यञ्जना से

भाव अभिव्यक्त होता हो

महजूय—(अ) गुप्त, छिपा हुआ,

लजाट, किसी पद अथवा अधि-

कार से वंचित किया गया

महजूया—(अ) परदे में रहने वाली स्त्री

महजूम—(अ) दुखी, शोकाकुल

महजूर—(अ) अलग किया हुआ,

ठोड़ा हुआ, परित्यक्त, विभक्त,

शोकाकुल, चिन्तित

महजूर—(अ) भयानक, नियम

भंग, विरुद्ध, विजित, निषिद्ध, अवैध

महतर—(फ) मदान, बहुत उड़ा,

भगी

महताब—(फ) चंद्रमा, चांद, चंद्रिका

चांदनी

महताबी—(फ) एक प्रकार की

आतिशबाजी जिसके जलाने से

चांदनी का मा प्रकाश फैल जाता

है जलाशय के पास बनाया हुआ

वह छोटा-सा मकान जिसमें बैठ

कर चांदनी रात का आनन्द

लूटा जाय, एक बड़ी जाति का

नीचू, चकोतरा

महद—(अ) हिंडोला

महदी—(अ) ठीक माग पर चलने

वाला, धार्मिक नेता, हिदायत

करने वाला, मुसलमानों के

बारहवें इमाम जिनके सम्बन्ध में

शिया मुसलमानों का विश्वास है

कि वे अब भी जीवित हैं

महदुद—(अ) सीमित, परिमित,

जिसकी दृढ़ नियत कर दी गई हो,

जिसकी ठीक-ठीक व्याख्या

कर दी गई हो

महदूम—(अ) पूरा रूप से गढ़ किया

हुआ, नष्ट भ्रष्ट, ध्वस्त, दिनष्ट

महफिल्ल—(अ) समा, समाव,

जल्सा, मजलिस, नाच-गाने के

लिये एकत्र होने की जगह

महफूज—(अ) सुरक्षित, जिसकी

हिफाजत की गई हो

महफूफ—(अ) चारों ओर से घेरा हुआ

महचस—(अ) कारागार, कैदखाना

महधूब—(अ) प्यारा, प्रिय, प्रेममात्र,
वह जिससे प्रेम किया जाय

महदूबियत—(अ) प्रेम, प्यार

महदूबी—(अ) प्रेम, प्यार

महदूस—(अ) बंदी, कैदी, जो
महजस म रखा गया हो

महमान—(फ) अतिथि, महमान,
घर पर आया हुआ मित्रमिलापी
या रिश्तेदार

महमान सरा—(फ) मुसाफिर खाना,
अतिथि शाला, सदाब्रत, लगर

महमानी—(फ) आतिथ्य, अतिथि
सत्कार

महमिल—(अ) आधार, आश्रय,
ऊँट पर कसने की पाठी

महमूद—(अ) प्रशंसित

महमूदा—(अ) प्रशंसित स्त्री

महमूदी—(फ) महमूद से सम्बन्धित
कोई चीज, एक प्रकार का सिक्का,
एक किस्म की मलमल

महमूलद—(अ) मारग्रस्त, जिस पर

बोझ लदा हो, प्रयोग करने या
व्यवहार में लाने योग्य, जिसमें
कुछ विशेष अर्थ छिपा हो

महर—(अ) वह नगदी या सम्पत्ति
जो मुसलमानों में विवाह के
समय पति की ओर से स्त्री को
देनी निश्चित की जाती है

महरम—(अ) अन्तरंग सत्वा, अनन्य
मित्र अति घनिष्ठ, सुपरिचित,
वह व्यक्ति जो जनानखाने, (मुस
लमानों के) में भी बरोक टोक
आ जा सके तथा जिससे घर की
स्त्रियाँ परदा न करती हों, स्त्रियों
की चोली का वह भाग जिसमें
स्तन रहते हैं

महराब—(अ) दरवाजा आदि के ऊपर
अथ गोलाकार चिना हुआ भाग

महरागाह—(मि) मस्जिद

महराबगार—(मि) जिसमें महराब
हों, अथ गोलाकार

महराबी—(फ) एक प्रकार की
तलवार, मरिहद

महरिमराज—(फ) मद जानने वाला

महरू—(फ) चन्द्रवदन, जिसका
मुख चन्द्रमा जैसा हो

महसूय—(अ) घञ्चित, जिसे कोई
बस्तु प्राप्त न हुई हो, मन्द भाग्य,
अपाया

महसूमियत-महसूमी—(अ) किसी
चीज से घञ्चित रहने का भाव,
दौभाग्य

महसूस—(अ) हिरसत में रक्खा
हुआ, जिसकी देख रेख होती हो

महसूसा—(अ) वह स्थान जिसकी
खूब देखमाल रक्खी जाय, अहा
पर किलेबन्दी की गई हो

महल—(अ) अवसर, मौका, बहुत
बड़ा और बढ़िया मकान, भवन,
प्रासाद, अन्त पुर, रनिवास

महलका—(अ) देखो “माहलका”

महल सरा—(अ) अन्त पुर, रनिवास

महली—(अ) अन्त पुर की चौकसी
रखने वाला, हिजड़ा, रत्ताजा

महल्ल—(अ) हल किया हुआ, घोला
हुआ, बारीक पीसा हुआ

महल्ला—(अ) शहर का कोई एक
छोट भाग जिसमें बहुत से
मकान हों, टोला, पुरा

महसुदर—(मि) मुखले का मुखिया

महसू—(अ) तल्लीन, अस्तित्व हीन,

चन्द्रमा की कालिमा, नागब पर से
किसी लेख या चिह्न को छील
झालना, मिटाया या नष्ट किया
हुआ

महवियत—(अ) तल्लीनता, अनुरक्ति,
सौन्दर्य, आकर्षण

महने जीनत—(अ) शृंगार मुग्ध,
शृंगार सल्लभ

महशर—(अ) लोगों के हकड़ा होने
की जगह, क्यामत का दिन

महशर बरपा करना—(अ) आत्यधिक
आन्दोलन करना, आकाश सिर
पर उठा लेना

महसूब—(अ) जो हिसाब में लिखा
गया हो, जिसका हिसाब लगाया
गया हो

महसूर—(अ) जिस पर घेरा डाला
गया हो, चारों ओर से घिरा हुआ

महसूरीन—(अ) चारों ओर से घिरे
हुए (लोग), मुहासिरे में लिए
हुए

महसूल—(अ) कर, टेक्स, मास-
गुबारी, लगान, माझा, किराया,
किसी विशेष फायद के लिए
अधिकारियों द्वारा प्राप्त किया

गया धन

महसूलदार—(मि) जा महसूल रता
हो, कर, टैक्स देनेवाला, जिस
पर महसूल लगता हो

महसूलो—(अ) जिस पर महसूल
लगता हो या मिलता हो

महसूस—(अ) अनुभूति, ज्ञान
अथवा अनुभव

महाकात—(अ) सवाद, प्रश्नोत्तर,
भात चीत, कथोपकथन, कहानी
कहना

महाक्लि—(अ) “महाक्लि” का
बहुवचन

महानत—(अ) शान, क्रोध, भय,
दर

महाबा—(अ) ओढ़ देना, लिहाज,
रियायत

महार—(अ) ऊँट की नकेल, नियंत्रण

महारत—(अ) अभ्यास, योग्यता

महाल—(अ) “महल” का बहु
वचन, बहुत से मकान, मुहल्ला,
टोला, डिस्टा, वह भूमि भाग
जिसमें बहुत से गाँव हों

महाला—(अ) उपाय, इलाज

माहियान—(फ) घर की पली हुई मुर्गी

माहियाना—(फ) मासिक, महीने का

मह—(अ) ग्वो “महर”

मह—(अ) वरतो “महव”

महर—(अ) अक्ष, धुरी, वह कील
जिस पर पहिया घूमता है

मात्गी—(फ) बीमारी, असमयता,
यकावट

मौदा—(फ) बीमार, थका हुआ,
असमय, साधनहीन, पिछड़ा
हुआ, पीछे छूट हुआ, अर
शिष्ट, दोष बचा हुआ

मा—(अ) कौन, उस, इस, जोकि
शब्दों के पूर्व उपसर्ग रूप में,
जैसे—मासिबा=इसके सिवा,
जल, पानी, तरल पदार्थ, रस,
‘नहीं’ निषेधायक

मा—(फ) हम

माण—(अ) पानी, जल, रस

माण मुअय्यन—(अ) पवित्र और
शुद्ध बहता हुआ पानी

माकबल—(अ) इसके पहले, इससे
प्रथम, इसके पूर्व

माकर—(अ) मकार, धूल

माकूद—(अ) बाँधा हुआ, बंद

माकूल—(अ) बुद्धि समत, सुवि-

युक्त, उचित, अच्छा, बर्तिया,
लायक, जिसने विवाद में प्रति
पक्षी की बात मानली हो

माकलियत—(अ) सम्भावना,
अच्छाई, बढ़ियापन, औचित्य

माकूस—(अ) विपरीत, उल्टा,
औघाया हुआ, नीचे की मुँह
करक रक्खा हुआ

माखज—(अ) वह स्थान जहाँ से
कोई वस्तु प्राप्त की जाय, मूल-
स्थान, उद्गम

माखूज—(अ) लिया गया, पकड़ा
गया अभियुक्त, जिस पर अभि
योग लगाया गया हो

माखुजी—(अ) पकड़ा गया, गिर
फ्तार किया गया, किसी अभि
योग में पकड़ा हुआ

माचा—(फ) चूना, चुम्बन

माज—(फ) चन्द्रमा, चाँद

माजरत—(अ) महाना, ईला

माजरा—(अ) घटना, घटना का
विवरण, गत समय का हाल,
बीती हुई बात

माजिद—(अ) पूज्य, महान्, बड़ा,
पवित्र, माय, वृद्ध

माजिदा—(अ) पूजा, बड़ी, पवित्रा,
माया, वृद्धा, महती

माजिन—(अ) विनोदी, मस्बरा,
हँसोह

माजिया—(अ) भूत कालीन, बीता
हुआ, इससे पहले, इसके पूर्व

माजी—(अ) भूत काल, बीता हुआ
समय, पहले समय का, गत
कालका, भूत पूर्व

माजू—(फ) एक वृक्ष और उसका
फल, माजूफल

माजून—(अ) औपधिया डाल कर
बनाई गई बरफी, माजूम

माजूर—(अ) विवश, असमर्थ जो
काम करने योग्य न हो

माजूरी—(अ) विवशता, असमर्थता

मानूल—(अ) बेकार, निरर्थक,
निकम्मा, जो अपने पद से हटा
दिया हो

माजूली—(अ) निरर्थकता, निकम्मा
पन, पञ्च्युति

मात—(अ) पराबय, हार

मातफद्म—(अ) जो घटना पहले
घट चुकी हो

मातदिल—(अ) मध्यम श्रेणी का, न

बहुत गरम न ठंडा, न उग्र न शान्त	विमाता
मातयर—(अ) विश्वसनीय, विश्वास-पात्र, सच्चा, ठीक	मादरखाही—(फ) मा की गल्ले.
मातवरी—(अ) विश्वास, सच्चाई	मादराशाद—(फ) धिक्का, निहण, नगा, दिगबर, जैसा मा के गर्भ से उत्पन्न हुआ या पैसा
मातम—(अ) शोक, किसी के मरने पर किया जाने वाला रोना पीटना, सोग	मादर-ब-खता—(फ) अत्यंत अप्रम, मा के साथ भी कुकर्म करने वाला
मातम फदा—(मि) वह स्थान जहां बैठ कर मातम करें	मावरी—(फ) मातृक, माता का, माता से सम्बंधित
मातमखाना—(मि) जहां बैठकर लोग मातम करते हैं, शोकगृह	मावरीजवान—(फ) मातृभाषा, माता से सीखी हुई बोली
मातमजदा—(मि) शोकग्रस्त, शोकाकुल	मादा—(फ) स्त्री, नारी, औरत, नर का उल्टा, (प्रायः मनुष्येतर प्राणियों के लिए व्यवहृत होता है)
मातमदारी—(मि) शोक मनाना	मादिन—(अ) सोने-चांदी आदि का स्थान
मातमपुरसी—(मि) शोक-सहानुभूति, मृत के घर वालों के साथ समवेदना प्रकाशन	मादियान—(फ) घोड़ी
मातमी—(अ) शोक सूचक, मातम या शोक प्रगट करनेवाला	मादिह—(अ) प्रशस्क, सराहना करने वाला
मातहत—(अ) अधीनस्थ, आश्रित, निम्नकोटि या छोटी श्रेणी का	मादीन—(फ) मादा
मादन—(अ) देखो “मअदन”	मादूद—(अ) देखो “मअदूर”
मादन्दर—(अ) विमाता	मादूम—(अ) नष्ट किया गया, छुट, जिसका अस्तित्व न रहा हो
मादर—(फ) मां, माता	मादरे मादर—(फ) मा की मा
मादर अन्दर—(फ) सौतेली मां,	

नानी, मातामही

मादा—(अ) मूलतत्त्व, सारभूत
सामग्री, योग्यता, प्रसंग,
अध्याय, विषय, पीव, मवाद

माहिल—(अ) सामान्य, साधारण

माही—(अ) मादा से संबंध रखने
वाला, तात्त्विक, तत्त्व सम्बन्धी,
स्वाभाविक, प्राकृतिक

मान—(फ) धर, सामान, असनाव

मानअ—(अ) निषेध करनेवाला,
रोकनेवाला

मानवी—(अ) मानी या अथ
सम्बन्धी, भीतरी, आन्तरिक,
इष्ट, अभिप्रेत

मानिन्द—(फ) अनुरूप, समान,
सदृश, जैसा

मानिया—(अ) एक प्रकारका उमाद

मानी—(अ) अथ, भाव, अभिप्राय,
उद्देश्य, मतलब

मानी ए-येगाना—(अ) अछूता विषय

मानूस—(अ) प्रिय (वस्तु या व्यक्ति)
जिससे प्रेम हो गया हो, घनिष्ठ,
अत्यन्त परिचित, हिलामिला

मानेदर—(फ) सौतेली मा, विमाता

माफ—(अ) क्षमा किया हुआ

माफिक—(अ) देखो “मुआफिक”

माफिकत—(अ) देखो “मुआफिकत”

माफी—(अ) क्षमा, यह भूमि जिसका
रगान माफ हो

माफी ऊल जमीर (अ) विचार
हरादा

मा वक्ता—(अ) अवशिष्ट, शेषांश,
बाकी बचा हुआ, उच्छिष्ट

मावद—(अ) देखो “मअवद”

मा वराए—(अ) इसके अतिरिक्त,
जो वस्तु किसी वस्तु के पीछे हो

मा वाद—(अ) इससे पश्चात्, इसके
अनन्तर

माघिद—(अ) पूजा या उपासना का
स्थान, मन्दिर, मस्जिद, गिजा
आदि

मावूद—(अ) देखो “मअवूद”
जिसकी पूजा की गई हो, आय
धित, पूजित

मावैन—(अ) इसके मध्य में, इसके
बीच में, इस दरम्यान

माम—(अ) मा, माता

मामन—(अ) सुरक्षित स्थान, सुर
शांति की खगह

मामला—(अ) विषय, प्रसंग, विवाद,

दौलतमदी

माल मत्तरूका—(अ) कुर्क किया हुआ सामान, पावना चुमान के लिए सरकार द्वारा अपने अधिकार में ली हुई सम्पत्ति

माल मत्तरूका—(मि) उत्तराधिकार में प्राप्त सम्पत्ति

मालमता—(अ) माल-असबाय, धन-दौलत, ज़मीन जायदाद आदि

मालमस्त—(मि) जिसे अपनी सम्पत्ति का गव हो, धन के मत् में चूर, धन के अभिमान में किसी की परवा न करने वाला, धनी होने के कारण सुखी, ला परवा

मालमस्ती—(मि) सम्पत्ति का गव, धन का घमट, सम्पत्ति के कारण ला परवा

मालवर—(अ) मालगार, सम्पन्न, धनी

माल शराकत—(अ) साझे का धन, वह सम्पत्ति जिस पर कुछ लोगों का सम्मिलित अधिकार हो, वह सम्पत्ति या जायदाद जिसका बटवारा न हुआ हो

माल सायर—(अ) सरकार की माल गुजारी के अतिरिक्त दूसरे साधनों से होने वाली आमदनी

मालामाल—(अ) खूब सम्पन्न, बहुत धनी, भरापूर

मालिक—(अ) स्वामी, पति ईश्वर, अध्यक्ष, एक फरिश्ते का नाम

मालिक अराजी—(अ) खेत का ज़मीन का मालिक, ज़मींदार

मालिकाना—(अ) स्वामित्व का, मालिकपने का, स्वामी का, मालिक का

मालिकी—(अ) स्वामित्व, हुनौ मुसलमानों का एक सम्प्रदाय

मालिकीयत—(अ) स्वामित्व, मालिकपन

मालियत—(अ) धन, सम्पत्ति, हुनौ मूल्य, कीमत

मालिश—(फ) मदन, मलना, रगड़ना, प्राय प्राणियों के सम्बन्ध में प्रयुक्त होता है, मतली, मिचलाना, रास्ते की थकान

माली—(अ) माल (धन) सम्बन्धी राब-कर सम्बन्धी, अथशाल विषयक मालाकार, भागवान,

बाग-बगीचों की देख रेख करने वाला

मालीखूलिया—(अ) उमाद रोग का एक मेद जिस में रोगी बहुत दुर्नी और चुपचाप रहता है माले खोलिया

मालीदा—(फ) मर्दित, मला हुआ, मीड़ा हुआ, मलीटा

माल्लफ—(अ) अत्यन्त प्यारा, सुपरि चित

माल्लफा—(अ) प्यारी, जिससे प्रेम किया गया हो

माल्लम—(अ) ज्ञात, विदित, जाना हुआ

मालो मताज—(अ) देखो 'मालमता'

माया—(अ) खोया, माया, गूदा

माश—(अ) मूग, उद, रमास, भर शहस्थी का सामान

माशा—(क) तोलने का एक बांट जो आठ रत्ती के बराबर होता है, छद्म की सड़ोसी

माशाअल्लाह—(अ) ईश्वर इसे कुछटि से बचावे, परमात्मा नुरी नज़र से इस की रक्षा करे प्राय किसी सुन्दर व्यक्ति, वस्तु या कृति को

देख कर उस की प्रशंसा करते समय इसका प्रयोग किया जाता है

माशूक—(अ) जिस के साथ प्रेम किया जाय, प्रेम पात्र

माशूका—(अ) प्रेमिका

माशूकाना—(अ) माशूकों का सा, माशूकों की तरह का

माशूकी—(अ) माशूक होने का भाव या क्रिया, प्रेमपात्रता, सौन्दर्य

माशूकी—(फ) मश्क से पानी भरने वाला, मिदती, सक्ता

मा सवफ—(अ) उक्त, पूर्य कहा हुआ जिसका पहले उल्लेख किया जा चुका हो, जो हो चुका हो, पहले बीता हुआ

मा सलफ—(अ) विगत, बीता हुआ, जो पृथ समय में हो चुका वह

मासिख—(अ) दाता, देने वाला, दानी, स्वाधीन, फीका

मासिदक—(अ) वह वस्तु जो सबी हो

मासियत—(अ) आशा नमानना, अपराध

मासिवा—(अ) इसके अतिरिक्त, इसके सिवा, परमात्मा से भिन्न,

- सांसारिक दोषी, अपराधी
 मासूम—(अ) निष्पाप, निर्दोष, निर
 पराध, निरीद, अबोध
 मासूमियत—(अ) निर्दोषिता, निरा
 हता, अबोध पन
 मास्त—(फ) दही, दधि
 माह—(फ) चंद्रमा, चाँद, मास,
 महौना
 माह एकमरी—(फ) चान्द्रमास जो
 पूर्णिमा को पूरा होता है
 माह ए शम्सी—(फ) गौर मास जो
 एक संक्रांति से दूसरी संक्रांति
 तक होता है
 माहजयी—(फ) देखो “महजयी”
 चन्द्रमा के समान सुन्दरमुखवाला
 अत्यन्त रूपवान परम सुन्दर
 माहजर—(अ) उपस्थित, मौजूद,
 वर्तमान
 माहताय—(फ) चंद्रमा, चाँदनी
 माहतायी—(फ) चंद्रमा या चाँदनी
 से सम्बन्ध रखने वाला, चाँदनी
 में रखकर तयार किया गया
 (गुल्फ़ाद आदि औषध)
 माह थ माह—(फ) प्रतिमास, हर
 महीने
 माहरू—(फ) चन्द्रमा के समान मुख
 वाला “माहजयी” चंद्रवदन
 माहलका—(फ) माहरू, माहजयी
 माहवश—(अ) देखो “माहजयी”
 माहवार—(फ) मासिक, प्रतिमास,
 महीने महीने
 माहवारी—(फ) मासिक, हर महीने
 का महीने महीने का, लियों का
 रजोधर्म जो प्रतिमास होता है
 माहसल—(अ) महएल, घर, प्राप्त
 की हुई वस्तु, लाभ, प्राप्ति,
 स्नेही की उपज, सारांश, परि
 णाम
 माहा—(फ) लकड़ी में छेद करने
 का यंत्र
 माहाना—(फ) मासिक, माहवारी
 माहियत—(अ) गुण, स्वभाव,
 विशेषता, वास्तविकत्व, अस
 लियत
 माहियाना—(फ) मासिक वेतन,
 माहवारी तनख्वाह
 माहिर—(अ) दक्ष, प्रवीण, विशेषज्ञ
 माही—(फ) मछली
 माही ख्यार—(फ) चक्र, चगला
 माहीगीर—(फ) मछुआ, मछेरा,

मछरी पकड़ने वाला

माही पुस्त—(फ) जिसकी उपरा
सतह नीच म उभरा हुआ हो,
मछरी की पीठ के आकार का
उभारदार

माहीफरोश—(फ) मछुना, मछरा,
मछरी बेचने वाला

माही मरातिन—(फ) मछली आदि
की तस्वीरों वाले सात शब्दों
जिन्हें बादशाह की सभा के
आगे-आगे हाथिया पर फहराते
हुए लेचलते थे

मिअयार—(अ) चादी-सोना परखने
की कसौटी, सोना चाँदी तोलने
का काटा

मिकद—(अ) मलबार, गुजरात

मिकदार—(अ) परिमाण, मात्रा,
अन्दाजा

मिकनातीस—(अ) देखा “मरुना
तीस” चुम्बक परख

मिकयास—(अ) अनुमान, अंदाज,
अनुमान या अन्दाज करने का
साधन

मिकयास-खल हारत—(अ) ताप
मापक यंत्र, थर्मामीटर

मिक्काज—(अ) कच्ची कतरनी

मिक्कास—(अ) कच्ची, कतरनी

मिक्काज हिन्दी—(मि) छालिया
धाने का गंगा

मिजगा—(फ) पत्र, प्रिन्टिया

मिजमार—(अ) कच्ची, बासुरा,
धाना, जना निगेप, पुडदौड़
का मैदान

मिजराव—(अ) मितार बजाने के
लिए उगली की नोक पर
पहना जाने वाला तार का नुकीला
उत्त

मिजह—(फ) पलक चिन्नी

मिजाज—(अ) द्रव्य का मूल,
गुण, तासीर, स्वभाव, प्रवृत्ति
प्रवृत्ति, अभिमान, समझ, मन
की अवस्था, मन, हृदय, चिन्त

मिजाज प्रसी—स्वास्थ्य आदि के
सम्बन्ध में पूछना

मिजाज बिगड़ना—निराशा होना,
मसलना (बच्चे का)

मिजाज न मिलना—अभिमान के
कारण तीसरे नुह धत भी न
करना

मिजाजन—(अ) अनिमानिनी

अत्यन्त घमडिन

मिजाजन—(अ) स्वभाव या प्रकृति के विचार से

मिजाजो—(अ) देखो “मिजाजन”

मिजाह—(अ) मनोरजन

मिनकार—(अ) पत्नी की चौंच, तुण्ड, चञ्चु, लफ्डी में छेद करने का बरमा

मिनजानिन—(अ) किसी की ओर, कि ी पा से

मिनजुगला—(अ) इन सत्रमें से

मिनहा—(अ) घनाया हुआ, कम किया हुआ निकाला, हुआ

मिनहाई—(अ) घगना, कम करना

मिना—(अ) मका शहर का एक बाजार जहा पर कुचानी की जाती है

मितुन्का—(अ) कमरबन्द, पेंडा, पटका, फाटकच, क्रान्तिवृत्त

मिस्तत—(अ) अनुनय, विनय, प्रार्थना

मिफताह—(अ) ताली, कुञ्जी, चाबी

मिम्बर—(अ) मस्जिद में बना हुआ

वह ऊंचा चबूतरा जिसपर बैठकर धर्मोपदेश किया जाता है, ध्याख्या

नादि देने की जगह

मिचो—(फ) मकाशर, भद्रवक्ति, मुमलमान, स्वामी, पति, शौहर, आन्तर सूचक सम्बोधन

मियाद—(अ) अवधि, नियत समय

मियादी—(अ) जिसकी अवधि निश्चित हो, नियत समय में समाप्त होने वाला

मियान—(फ) किसी चीज का मन्त्र, वेद, ग्रीचाबीच, कमर, तलवार राने का खोल

मियाना—(फ) मध्यम आकार का, मझोले ब्रह्म का, न बहुत बड़ा न बहुत छोटा बीचोबीच, मध्य भाग, एक प्रकार का पालकी

मियानी—(फ) बीच का, पाजाम का आमन, पाजामे के दोनों पायवों के बीच में जोड़ा गया चौकोना रूपका

मिरजई—(फ) अंगरखी, कमर तक ऊँचा अंगरखा, एक विशेष प्रकार का पतुही जो घने से बांधी जाती है

मिरना—(फ) देखो “मीरजा”

मिरजाई—(फ) मिरजापन, मिरजा

का पद या उपाधि
 मिराह—(अ) उन्माद का एक भेद
 मिराही—(अ) सनकी, जिसे मिराऊ हागा हो
 मिरात—(अ) दण्ड, शीशा
 मिरगी—(फ) एक रोग विशेष, अपस्मार
 मिर्जा—(फ) देगो “मीरजा”
 मिर्झा—(अ) भौम, मंगल नामक ग्रह
 मिरक—(अ) जायगद, जमीनारी, भूस्पर्श, जमीन, माफी, स्वा मित्व
 मिरिहयत—(अ) संपत्ति, वैभव राजमित्र का अधिकार
 मिरकी—(अ) भूस्वामी, जमींदार, भूस्वामित्व सम्बंधी
 मिह्न—(अ) मन, मज्जद, सम्प्रदाय, ज्ञानि, समुदाय
 मिशरन, मिशरवा—(अ) पानी पीने का यंत्र, प्याज, मुषारी
 मिस—(फ) नावा ताम्र
 मिस्मान—(फ) गरीब, निधन
 मिस्तरा—(फ) रांघ के शत आदि बनाने वाला, टठेरा

मिसदाऊ—(अ) चारताथ होना, जिसपर कोई अथ घटता हो, जो किसी दूसरे के अनुरूप हो, साक्षी, गनाह, तारन, गवाही
 मिसरा—(अ) छन्द का वर्ण या पाठ
 मिसरी—(अ) मिस्र देश का निवासी, मिस्र देश की भाषा या कोई पस्तु, एक करके जमाइ हुई मगदूर दानेदार चीनी
 मिसराव—(अ) दातुन, दात साफ करने की दूची
 मिसाल—(अ) उपमा, उदाहरण, नजीर, नमूना, तुलना, वक्षस्त
 मिसी—(फ) ताँबे की बनी हुई कोई चीज, एक प्रकार का मज्जन जिससे दात वाले हो जाते हैं
 मिस्कल—(अ) शान, एक प्रकार का आँखार जिससे गोल पहिये पर राइ कर तलवार आदि साफ करके स्वभाई जाती हैं
 मिस्कीन—(अ) सीधा-भाटा, भौम, निबल, निधन, दीन, दुस्वी
 मिस्कीनी—(अ) सौम्यता, निधनता निबगता, दीनता, दरिद्रता
 मिस्तर—(अ) लिखने के लिए कागज

पर लाइन बनान की तखनी

जिनम समान धूरी पर ढोरे रधे
रहते हैं

मिस्मार—(अ) नष्ट—नष्ट, तोड़ा
फाड़ा या टाया हुआ, श्रुभिमात्
रिया हुआ

मिस्ल—(अ) एक प्रसिद्ध देश जो
अफ्रिका के उत्तर पृथ में
अवस्थित है

मिस्त्री—(अ) देखो मिस्त्री

मिस्ल—(अ) समान, बुरा, अनुरूप
सदृश

मिस्तो—(क) दात वाले करने का
चूण

मिहन्नत—(अ) परिश्रम, कष्ट, परीक्षा

मिहन्नत सरा—(मि) कष्टों या परी
क्षाओं का स्थान, संसार, दुनिया

मिहमीज—(अ) लोहे की एक कील
जो घुड़ सवारों के जूतों में एड़ी
के पाग लगी होती है और
उससे सवार घोड़ों को पकड़
लगाते है

मिहर—(क) सूर्य, प्रेम, एक महिने
का नाम, कृपा, दया

मिहरबान—(क) दयालु, कृपालु, प्रेम

करने वाला

मिहरबानी—(फ) प्रेम, दया, कृपा

मिहीन—(फ) बड़ा, बुजुर्ग, वयोवृद्ध

मीजान—(अ) योग, जोड़, तगज्ज,
तुला, तुलाराशि

मीना—(फ) शराब की शीतल, सोने
चादी का जेवरा पर की गई
रंगीन चित्रकारी, एक बहुमूल्य
रंग निरंगा पत्थर जिससे सोन
चादी पर रंगीन फूल पत्तियों
बनाई जाती है

मीनाकार—(फ) मीना का प्राग करन
वाला

मीनाकारी—(क) सोने चाँदी पर
किया हुआ मीने का काम

मीना बाजार—(क) मुंदर बाजार
जिसमें बढ़िया और बहु मूल्य
वस्तुएँ बिकती हैं

मीनार—(क) स्तम्भ, गोल्यकार पतली
और लंबी इमारत

मीयाद—(अ) देखो "मियाद"

मीर—(क) अमीर का संक्षिप्त रूप
सम्राट, नेता, प्रधान किसी
प्रतियोगिता में सर्व प्रथम आने
वाला सैन्य जाति के मुसलमानों

की एक उपाधि, मुसलमानों का धर्माचार्य	मीर मजलिस—(फ) मभापति मजलिस का मुखिया
मीर अदल—(फ) प्रधान यायाबीज	मीर मतवत—(फ) पाश्चात्ता म प्रधान अयध
मीर आखोर—(फ) तुड़गाला का सरदार, अस्तमल का दगेगा	मीर मुशी—(फ) मुश्तामात्र प्रधान मन्त्री
मीर आतिश—(फ) तोप खाने का मस्तर	मीर शिकार—(फ) आखेट क यवस्था करने वाला अफसर
मीरजा—(फ) अमीर का लड़का सरदार मुगिया सैयद, मुसलमानों की उपाधि मिरजा	मीरहाज—(फ) हज यात्रा को जाने वालों का सरदार हाजियों का मुखिया
मीर तुजफ—(फ) बुद्धिमत् अथवा आक्रमण के लिए तैयारी करने वाला अफसर	मीरास—(अ) उत्तराधिकार म प्राप्त हुई सम्पत्ति
मीर फर्शी—(फ) कस्त या चादनी को उड़ने से रोकने वाले उस के कानों पर रखे जाने वाले भारी पथर	मीरसी—(अ) मौगल सम्बन्धी मुसलमान पैसा की एक जाति
मीरवल्ली—(फ) चेतन वादन वाला बड़ा अफसर	मीलाद—(अ) जन्म समय, जन्म दिन का उत्सव, एक दाहर का नाम, एक पशुमान का नाम मौजद
मीरवहर—(फ) समुद्री सेना का अफसर, नौ सेनायध, किसी बन्दरगाह अथवा घाट का मुखिया जो वहा से आने-जाने वालों की देरमात रखता और माल का कर वसूल करता है	मीलान—(अ) शुभाव, प्रवृत्ति इच्छा, रुचि
	मुअइयत—(अ) नियुक्त, नियुक्ति किया हुआ, तैनात मुकर
	मुअजजा—(अ) अट्टन काय आश्रयनक घन्टा, कगमात

मुआफिक—(अ) अनुकूल जो
चरुद्र १ हो सदन, समान,
तुल्य

मुअफिकत—(अ) अनुकूलता

मुआफी—(अ) माफा, देखो “माफी”

मुआनिला—(अ) देखो “माफला”

मुआयना—(अ) देख भाव, निर्गन्ध
जाच, मुआइना

मुआरजा—(अ) झगड़ा, उपद्रव

मुआरिज—(अ) झगड़ा, उपद्रवी,
विरोधी

मुआलिज—(अ) चिकित्सक, इलाज
करने वाला

मुआलिजा - (अ) चिकित्सा, इलाज

मुआवजत—(अ) बख्श, एकज

मुआविजा—(अ) बदले में दिया
हुआ सामान या धन, बदलने की
क्रिया, परिवर्तन

मुआवदत—(अ) लौट आना, वापस
आना

मुआविन—(अ) सहायक, मददगार

मुआविनत—(अ) सहायता, मदद

मुआशरत—(अ) सामाजिक या
नागरिक जीवन, मिल-जुल कर
रहना या जीवन निवास करना

मुआगिजात—(अ) अथशाला, वह
शाला जिस में सम्मति के उपा
दन और विभागा या विवेचन हो

मुआसिर—(अ) सहयोगी, समका
लीन, समसामयिक

मुआहदा—(अ) करार, वादा, दृढ
विश्वास, पक्की बात चीत

मुआहिद—(अ) प्रतिज्ञा करने वाला,
दृढनिश्चयी, वचन देने वाला,
अहद करने वाला

मुआहिदा—(अ) प्रतिज्ञा करना,
वादा या करार करना, दृढनिश्चय
करना, वचन देना, पक्की बात
चीत करना

मुएयन—(अ) देखो, “मुअय्यन”

मुकड—(अ) कप लाने वाली, बरतन
कारक, जिसके खाने पीने से
उल्टी हो जाय

मुकतजी—(अ) अभिलाषी, इन्धुष्ट

मुकतना—(अ) पेशवा, धार्मिक नेता

मुकतदी—(अ) धमानुयायी

मुकतफी—(अ) अनुयायी, पौछेर्दान
वाला, किराया करने वाला,
मित्तिययी

मुकत्तर—(अ) टपकाया गया, बूँट भूँट

मुकद्दर—(अ) मलिन, गटला, गन्ना
 मुकद्दर—(अ) भाग्य, नक्कीर
 मुकद्दस—(अ) पवित्र, शुद्ध, पाक
 मुकद्दसा—(अ) पवित्र स्त्री, पाक
 औग्त
 मुकन्नीन—(अ) ज्ञानन बनाने अथवा
 जानने वाला
 मुकफफल—(अ) जिसमें ताला
 (कुप्फ) लगा हो, ताले बंद
 मुकफफा—(अ) क़ाफ़ियेदार, सानु
 प्राप्त, लच्छेगार
 मुकम्मल—(अ) पूर्ण, पूरा, जिसमें
 कोई त्रुटि या कमी न हो
 मुक़रना—(हि) नटबाना, बचन फलट
 जाना
 मुकरिम—(अ) क़याट, दयालु,
 करम करने वाला
 मुकर्रब—(अ) बनिष्ठांमन, सच्चा
 दोस्त
 मुक्कर्म—(अ) प्रतिष्ठित, गौरवगाली
 मुक्कर—(अ) दुआ, पुन पुन,
 फिर से
 मुक्कर—(अ) नियत, नियुक्त, तेनात
 निश्चित, चारपाता, तक्कीर
 किया हुआ

मुक्करा—(अ) निश्चित, नियत,
 ठहरा हुआ, तय किया हुआ
 मुक्करी—(अ) नियुक्ति, तनाती,
 निश्चित कर-वेतन आदि
 मुक्करीर—(अ) चारपाता, तक्कीर
 करनेवाला, धैर्य
 मुक्कलफ—(अ) सबाया हुआ
 मुक्कलिद—(अ) विश्वासी, अनुयायी,
 अनुकरण करने वाला, नबाल,
 माद
 मुक्कल्लिब—(अ) उमाने वाला,
 परिवर्तक, बदलने वाला
 मुक्कल्लिब-उल-कल्लब—(अ) हृदय-
 परिवर्तक, हृदय बदल देनेवाला,
 इश्वर
 मुक्कल्वी—(अ) वीरगंधक, कल्वक,
 पौष्टिक, कुवत बढ़ाने वाला
 मुक्कशर—(अ) जीग हुआ, जिसका
 डिम्बा उतारा गया हो
 मुक्कस्सर—(अ) कम किया हुआ,
 घटाया हुआ
 मुक्कस्सर—(अ) किसी सरया को उसी
 मख्या से जे बार पुगा किया
 हुआ, बंद जिमकी लच्छाई
 चौड़ाई और ऊंचाई तीनों

मुख्येयल—(अ) सोचने विचारने की शक्ति

मुख्तलिफ—(अ) विभिन्न, अलग अलग, तरङ्ग-तरङ्ग का, भाति भाति का

मुख्तसर—(अ) सजित, थोड़े में कहा गया या किया गया, सुतोपी, थोड़े में सजुद्ध रहने वाला

मुख्तार—(अ) जिस कोइ काम का अरितयाग दिया गया हो, जिसे किसीने अपना प्रतिनिधि बना कर किसी काम के करने का अधिकार सौंपा हो, अधिकार प्राप्त प्रतिनिधि, एक प्रकार का कानूनी सहायकार

मुख्तार ए आम—(अ) वह मुख्तार जिसे सब प्रकार का काम करने का अधिकार प्राप्त हो

मुख्तारकार—(मि) प्रधान कार्यकर्ता, मुख्य सचिव

मुख्तारकारी—(मि) मुख्तार या मुख्तारकार का पद अथवा काम

मुख्तार खास—(मि) जो किसी विशेष काम के लिए प्रतिनिधि

पनाया गया हो

मुख्तारतन्—(अ) मुख्तार द्वारा

मुख्तारनामा—(मि) वह पत्र जिसमें अनुमार किसी का कोई काम करने का अधिकार सौंपा जाय

मुख्तारी—(अ) मुख्तार का काम या पद

मुग—(अ) अग्निपूजक, अग्नि उपासक

मुगजिया—(अ) गाने वाली, गायिका

मुगजी—(अ) गायक, गानेवाला

मुगश्मिज—(अ) झुगल, पिपुन, आखों या भोहों से सचेत करने वाला

मुगय्यर—(अ) शीघ्रता करनेवाला, छुटेरा

मुगल—(अ) मुसलमानों के यहाँ में से एक, मंगोल देश का रहने वाला, तुर्कों का एक श्रेष्ठ वर्ग

मुगलक—(अ) वह शब्द या वाक्य जिसका अर्थ कठिनाई से जाना जाय, छिष्ट, कठिन, गम्भीर, गूढ़ार्थ, वन्द्य

मुगलानी—(मि) दासी, सेविका, जनाने कपड़े सीनेवाली

मुगा—(अ) “मुग का बहु वचन

मुगालता—(अ) भ्रम, भूल, धोखा,
उल

मुगील—(अ) रज़ल, एक काटेदार
वृक्ष

मुगीस—(अ) वादी दावा करने वाला,
अभियोग उपस्थित करने वाला

मुगेयर—(अ) बटला हुआ, परिवर्तित

मुचलफा—(तु) वह लेख जिसमें
अविध्य में कोई अनुचित काम
न करने अथवा न्यायालय में
नियत समय पर उपस्थित होने
की प्रतिज्ञा की गई हो

मुजकर—(अ) पुष्टि, पुरुष जाति
का, नर

मुजखरफ—(अ) वक़्वाफ़, निरथक
बात

मुजगा—(अ) गमादाय, ग्रास, कौर,
गस्ता, टुक़मा, निवाला, मास
का टुकड़ा

मुजतबा—(अ) चुना हुआ, श्रेष्ठ,
चुनीदा, मन्ज़िया, छांट हुआ

मुजतमअ—(अ) जमा किया हुआ
एकत्रित, सङ्गृहीत

मुजतर—(अ) अवीर, व्याकुल,

विकल, वैचैन

मुजतरिब—(अ) अवीर, विकल,
वैचैन

मुजतहिद—(अ) घमाचाय, घमशास्त्रों
का सत्रसे बड़ा विद्वान्, आत्त,
जिसका कथन सत्रको मान्य हो

मुजदा—(अ) शुभ सदेग, सुसमा
चार, शुभ सूचना, अच्छी खबर

मुजफ़्फर—(अ) विजयी, विजेता,
जीतने वाला, विजय पाने वाला

मुजबज़न—(अ) अनिश्चित अवस्था,
असमजस, धुंर पुंर

मुजमल—(अ) सङ्गृहीत, इकट्ठा किया
हुआ, एकत्रित, सन्धित

मुजमलन्—(अ) संक्षेप में, थोड़े में

मुजमहल—(अ) नायवान, नाचीझ,
तुच्छ, शिथिल, दुबल, श्रान्त
बहुत थका हुआ

मुजम्मद—(अ) टड से कमजाने
वाली चीज़

मुजम्मा—(अ) एट, पटकार, मुबम्मा
लेना, पटकारना, आटे शायो
लेना

मुजरा—(अ) वेदवा का बैठे हुए
गाना, वह रक़म जो किसी

हिसाब में से काटली गई हो,
किसी राज या रद्म के सामा
जाकर उसे प्रणाम करना, जारी
किया हुआ, प्रचारित

मुजरार्ह—(अ) किसी रकम का काटना
या बाट देना, कटौती, मुजरा
के लिए उपस्थित हुए लोग,
मरसिमा पढने वाला

मुजरिम—(अ) अपराधी, दोषी,
जिमने कोई जुम किया हो

मुजरैत—(अ) शानि

मुजरद—अकेला, एकाकी, अविवा
हित, कुआरा, विरक्त, नम
किया गया

मुजरदी—(अ) अनिवाहिता स्त्रिया,
कुआरिया, एकाकीपन

मुजरव—(अ) अनुभूत, पराक्षित,
जांचा हुआ, अनुया किया हुआ

मुजरवात—(अ) 'मुजरव' का बहु-
वचन अनुभूत या समवाय
प्रयोग

मुजरह—(अ) नीहारिका, आकाश
गंगा, देवपथ

मुजरिह—(अ) अनुभव करनेवाला,
जांचने वाला, तजुबा करनेवाला

मुजलमा—(अ) अशाय, अनाचार

मुजल्लद—(अ) बिग पर पुछा चढ़ाये,
जिल्ल गधा हुआ, जिल्दग
ग्रंथ, पुस्तक आदि

मुजल्ला—(अ) जिला किया हुआ,
चमकाया हुआ

मुजल्लिद—(अ) कितानों की जिल्ल
वाचन वाला, जिल्ल मात्र

मुजव्वज-मजव्वजह—(अ) तजवीज
किया गया, प्रस्तावित, सुझाया
गया, बनाया गया, निश्चित किया
गया

मुजव्वफ—(अ) पोरा, खोला,
जो भीतर से खाली हो

मुजव्विज—(अ) तजर्व दा करने
वाला, प्रस्तावक, सुझाव वाला,
रताने वाला

मुजरसम-मुजरस्सिम—(अ) मूर्तिमान
शरीर धारी, शरीरी

मुजरस्सिमा—(अ) मूर्ति, प्रतिमा

मुजरहर—(अ) दृश्य, यह स्थान
जहां दृश्य लिखा जाय, रंग
मंच

मुजरहिर—(अ) जाहिर या प्रकट
करनेवाला, जासूम मदिदा

मुञ्जाअक—(अ) गुणिन, गुणा किया हुआ, द्विगुण, दूना

मुञ्जाइफ—(अ) सम्भोज करने वाला

मुञ्जाजा—(अ) बटला देने वाला

मुञ्जादरा—(अ) विरोध, लड़ाई, झगडा

मुञ्जाक—(अ) बढ़ाया गया, मिला गया, प्रक्षित, व्याकरण में सम्बंध कारक

मुञ्जाफ इलाह—(अ) व्याकरण में यह वस्तु निम्न की कमी से सम्बंध हो, जैसा “मोहन की पुस्तक” में “पुस्तक” मुञ्जाफ इलाह है, क्योंकि इसका मोहन से सम्बंध है

मुञ्जाफात—(अ) मुञ्जाफ का बहुवचन, नगर के आस-पास और आसने सामन के स्थान

मुञ्जाद—(अ) यह जिसका जवाब दिया गया हो, स्वीकार किया गया

मुञ्जाघात—(अ) मुञ्जाघ का बहुवचन

मुञ्जामअत—समोग, स्त्री प्रसंग

मुञ्जायका—(अ) हानि, हज़, एक दूसरे को तग करना

मुञ्जारा—(अ) कृषक, किसान, रोखि हर-तुल्य, समान, बराबर का

मुञ्जारियह—(अ) जारी, प्रचलित, चलता हुआ, नियम-वद्ध, कानून के रूप में लाया गया, नियम रूप में माना गया

मुञ्जाररत—(अ) पाम, पटौस

मुञ्जाविर—(अ) मज्जार या दरगाह का पुनापा लेने वाला, दरगाह के पाम रहने वाला, पटौसी

मुञ्जाविरी—(अ) मुञ्जाविरका काम

मुञ्जाहिद—(अ) धर्म-युद्ध में नाशित को से लड़ने वाला, धर्म-रक्षा के लिए युद्ध करने वाला, प्रयत्न करने वाला

मुञ्जाहिदा—(अ) प्रयत्न, शोर, धर्मयुद्ध

मुञ्जाहिदीन—(अ) “मुञ्जाहिद” का बहुवचन

मुञ्जाहिम—(अ) बाधक, बाधा टालने वाला, बट देनेवाला, पीड़ा पहुँचाने वाला

मुञ्जाहिमत—(अ) बाधा टालना, रोना, पीड़ा पहुँचाना, बट देना

- मुजाहिर—(अ) साहाय्य देना,
महायता करना
- मुजाहिरत—(अ) महायता, मदद
- मुजिर—(अ) हानिकारक, घुरा,
मुक़ान पहुँचाने वाला
- मजीर (अ) गरम देनेवाला
- मुतज न—(अ) मांस मिलाकर विशेष
प्रकार से बनाया हुआ मांस
- मुतअडयन—(अ) तैनात किया हुआ,
नियुक्त किया हुआ, मुकरा किया
हुआ, निश्चित, निश्चित
- मुतअबित्व—(अ) पीछा करने वाला,
पिछाड़ी पड़ने वाला
- मुतअज्जिय—(अ) अक़ामे में पड़ा
हुआ, आश्चर्यजनक, चकित
- मुतअइद—(अ) गिन चुने, थोड़े,
अल्पसंख्यक
- मुतअहिद—(अ) बहुमर्याद, कति
पय, कई, अनेक, जो तादाद में
अधिक हैं
- मुतअहो—(अ) व्याकरण में सक्रमक
क्रिया
- मुतअभिफन—(अ) दुर्गन्ध युक्त,
बन्धुदार
- मुतअरिज—(अ) पतराज करने वाला,
- आपत्ति करने वाला
- मुतअलिफ—(अ) ताबल्लुक या
सम्बन्ध रखने वाला, सम्बन्धित,
लगाव रखने वाला सम्बन्ध
- मुतअलिफान—(अ) सम्बन्ध रखने
वाले, परिवार वाले, सम्बन्धी,
ना रिश्ते के लोग, आश्रित,
परम रखने वाले
- मुतअलिम—(अ) विद्याया, शिक्षा
- मुतअस्सिफ—(अ) जिसे दुख या
पश्चात्ताप हो
- मुतअस्सिब—(अ) धार्मिक पक्षपाती,
जो तास्बुब रखता हो, कदर
- मुतअस्सिर—(अ) तिसपर बसर
पड़ा हो, प्रभावित
- मुतअह—(अ) दिया मुसलमानों में
प्रचलित एक प्रकार का अंत्यायी
विवाह, मुंताह
- मुतहिद—(अ) ठेकेदार
- मुतआही—(अ) वह बिलके साथ
मुताह किया गया हो, मुताही
- मुतआखिरीन—(अ) आबकल के,
वर्तमान युग के, आधुनिक, इस
समय के (मनुष्य)
- मुतअदिम—(अ) कदीम या पुराने

समय का, प्राचीन काल का

मुतरुदिस—(अ) आगे बढ़ने वाला,
पेश होने वाला

मुतकदिर—(अ) घमडी, दुरमिमानी

मुतकलिफ—(अ) तकलीफ या सन्तोच
करने वाला

मुतकलिम—(अ) बोलने वाला, बच्चा,
भाषणपटु, व्याकरण में प्रथम या
उत्तम पुरुष

मुतरुस्लिमीन—(अ) “मुतकलिम”
का बहुवचन

मुतरुसिर—(अ) दूटने वाला, क्षण
भंगुर

मुतकाजी—(अ) तन्नाजा करने वाला,
मागने वाला

मुतकायद—(अ) साहसहीन, आलसी,
निथिल

मुतखय्यल—(अ) खयाल किया गया,
विचारा गया

मुतखल्लिल—(अ) विघ्नकारक, बाधक,
खलल डालने वाला

मुतखल्लिम—(अ) तखल्लुम या उप
नाम ने प्रसिद्ध, नागी, नामधारा,
खालिष, विशुद्ध

मुतगयर—(अ) परिमर्तित, बदला

हुआ

मुतनखिरह—(अ) जिसका जिक्र किया
जा चुका है, उक्त, उल्लिखित

मुतजम्मिन—(अ) संयुक्त, सम्मिलित,
मिला हुआ

मुतजलजिल—(अ) कांपने वाला,
हिलने वाला, डगमगाने वाला

मुतजस्सिम—(अ) खोचने वाला,
बिज्ञप्त, अन्वेषक

मुतजाद—(अ) परस्पर विरोधी,
(कथन, लेख आदि)

मुतजाविज—(अ) सीमोल्लघन करने
वाला, मर्दादा नष्ट करने वाला

मुतजाहिद—(अ) बहने वाला

मुतनाहिल—(अ) जान-बूझ कर मूर्ख
बनने वाला

मुतदैयन—(अ) धर्मनिष्ठ, धर्मात्मा,
धर्म पर विश्वास रखने वाला,
इमानदार, अच्छी नीयत वाला

मुतनाफिर—(अ) घृणित, घृणो
त्पादक, जिसे देखकर नफरत
पैदा हो, घृणा करने वाला

मुतनव्वा—(अ) परिचित, सूचित,
सावधान

मुतनाकिज—(अ) विरोधी, (कथन

लेख आदि)

मुतनाकिम—(अ) दूषित, दोषयुक्त,
जिसमें कोई नुस्स हो

मुतनाजा—(अ) विवादास्पद,
विवाद-ग्रस्त, जिसके सम्बन्ध में
मत भेद या झगडा हो

मुतनासिब—(अ) उपयुक्त, ठीक
(अनुपात की दृष्टि से) तुष्ट-
नात्मक

मुतफकिर—(अ) चिन्तित, फिक्रमन्

मुतफर्जी—(अ) धूत, चालाक

मुतफरकात—(अ) फुकर, तरह
तरह की वस्तुएँ, थोड़े थोड़े
आय अथवा व्यय के भिन्न भिन्न
विभाग, फुटकर और इधर उधर
की चीज

मुतफरिफ—(अ) फुटकर, भिन्न भिन्न
तरह तरह की, भाति भाति की
अस्त-यस्त मिली हुई

मुतफरिज—(अ) क्रीडा स्थल, सैर
सपाटे की जगह

मुतखी—(अ) रसोय्या, आन्धी

मुतखल—(अ) बन्ला हुआ,
परिवर्तित

मुतख्ना—(अ) दत्तक पुत्र, गोत्र

लिया हुआ लट्का

मुतवरक—(अ) बरकत वाला, शुभ,
मुबारक, पवित्र, स्वर्गीय, देव
दूत सम्बन्धी

मुतमझी—(अ) तमझा या इच्छा
रखने वाला

मुतमय्यन—(अ) शीत, शत्रुघ्न, तृप्त,
निश्चिन्त, सुखी

मुतमन्वल—(अ) धनी, सम्पन्न,
अमीर

मुतमाव्विज—(अ) लहरे मानवाला
तरगायित

मुतमिन—(अ) सुली, गान्त,
तृप्त, शत्रुघ्न, निश्चिन्त

मुतरजिम—(अ) अनुवादक, तरजुमा
करने वाला

मुतरदिद—(अ) फिक्रमन्, चिन्तित,
जिसके मन में तरह-तुड हो

मुतरजम—(अ) गीत, गाया हुआ,
गाया गया

मुतरजिम—(अ) गायक, गानेवाला,
गवैया

मुतरादिक—(अ) पयायवाची, समा-
नायक, एकाग्र

मुतरि—गायक, गवैया, सर्गात

जानने वाला

हो

मुतरिची—(अ) सगीत, गाना बजाना,
गीत-वाद्य

मुतल्लिका—(अ) वह स्त्री जिसे तलाक़
दी गई हो

मुतरिवा—(अ) गायिका, गानेवाली,
होमनी

मुतवस्ति—(अ) विलम्ब करनेवाला,
मुतवस्ति—(अ) इश्वर विश्वासी,

मुतलक—(अ) लेशमात्र, थोड़ा भी,
तनक भी, स्वतन्त्र, मुक्त, निरा,
निपट, विलकुल

परमात्मा पर भरोसा रखनेवाला,
भाग्यवादी, सन्तोषी

मुतलक-उल इनाम—(अ) जिसकी
लगाम छूटी हुई हो, परम
स्वतन्त्र, अबाध, एकछत्र शासक

मुतवक्कै—(अ) तबकै या आशा
रखनेवाला, आशावान, लिप्सु
व्यापित

मुतलव्विन—(अ) परिवर्तनशील,
अस्थिर, एकसा न रहने वाला,
थोड़ी थोड़ी देर में बदलनेवाला

मुतवज्जह—(अ) तबज्जह, या ध्यान
रखनेवाला, सावधान, सतक

मुतलव्विस—(अ) लियास पहने
हुए, बल्ल धारण किए हुए

मुतमत्तिन—(अ) निवासी, रहने
वाला

मुतलात्तिम—(अ) लहरो का आपस
में टकराना, तमाचा या थपड़ा
मारना

मुतमत्तकी—(अ) स्वभाव, दिवगत,
परलोकवासी, मृत, मरा हुआ

मुतलाशी—(अ) अवेषक, खोजने-
वाला, तलाश करनेवाला, परे
ज्ञान

मुतमरी—(अ) पवित्राचार, पवित्र,
विशुद्ध, پاک

मुतल्ला—(अ) जिसपर सोने का
मुल्हमा बिना गया हो

मुतमल्लि—(अ) पैंग होने वाला
जन्म देने वाला, जात

मुतल्लि—(अ) जिसे तलाक़ दी गई

मुतवल्ली—(अ) किसी धार्मिक सस्था
की व्यवस्था करने वाला, धमादाय
की रफ़्त का सहायक, मित्रता
रखने वाला, काम पर रहनेवाला

मुतमस्ति—(अ) औसत दर्जे का,

- मयम श्रेणी का, सामान्य,
साधारण, बीच का, मामूरी
- मुतवहिम—(अ) मुत्करने वाला,
विहसित होने वाला, खिलनेवाला
- मुतवहम—(अ) संशयात्मा, वहम या
संदेह करने वाला
- मुतवजह—(अ) आर-सत्कार करने
वाला, विनम्र, विनयी, सहिष्णु
सकोचशील
- मुतवातिर—(अ) लगातार, अ-वाहत
अविगम
- मुतशकी—(अ) शन या स-देह करने
वाला
- मुतशायह—(अ) आकार प्रकार में
मिलता हुआ, समान आकृति
वाला, एक ही स्वर का, मिलता
जुलता, जिसके अर्थ में स-देह
हो
- मुतशाबहात—(अ) पुरान की वह
आयत जिनके अर्थ गूढ़ हैं
- मुतशायर—(अ) जो शायर न होते
हुए भी अपन आपको शायर
जतावे, कविमग्न्य, रयभू कवि
- मुत्सदी—(अ) आगे का काम करने
वाला, पैगकार, लेखक, मुदी
- मुतसञ्चर—(अ) तसञ्चुर किया गया,
मान लिया गया, कल्पना किया
गया, खयाल किया गया
- मुतसरिफ—अपव्ययी, पिजूर खूब,
स्वर्चाला
- मुतसानी—(अ) समान, बराबर.
- मुतहक्क—(अ) तहक्कीरु किया गया,
जाचा गया, ठीक, टुटस्त
- मुतहक्कि—(अ) तहक्कीरु या जाच
करने वाला, परखने वाला
- मुतहम्मिल—(अ) सहिष्णु, सहन
शील, कठिनाइयां या कष्टों को
सह सकन वाला
- मुतहर्कि—(अ) गति देने वाला,
चलान वाला, संचालक
- मुतहय्यर—(अ) हैरत या अचम्भ में
पड़ा हुआ, विस्मित, चकित
- मुताज—(अ) वह पक्ति जिसकी
अधीनता स्वीकार की जाय,
सरदार, मुखिया
- मुताखिर—(अ) पीछे आने वाला,
पीछे रहा हुआ, पहलों के
अन-तर शेष रहा हुआ, आखिल
का, मौजूदा आदमी
- मुताखिरान—(अ) “मुताखिर” का

- बहुचन, देखो “मुतआखिरीन”
 मुताजिरत—(अ) परस्पर व्यापार करना
 मुतादी—(अ) पहुचाने वाला
 मुताबिक—(अ) अनुसार, माफिक
 मुताबिकत—(अ) समता, साहदय, अनुकूलता
 मुताम्मिल—(अ) ताम्मुल या सन्तोष रखने वाला, सन्तोषी, बहुत ध्यान या चिन्तन करने वाला
 मुतालवा—(अ) तलब करना, मांगना, प्राप्त, पावना, वह धन जो किसी से मिलना जेब हो
 मुताला—(अ) अध्ययन, पढ़ना, स्वाध्याय
 मुताल्लिक—(अ) देखो “मुतअल्लिक”
 मुतास्सिफ—(अ) देखो मुतअस्सिफ” पश्चात्ताप करने वाला
 मुतास्सिब—(अ) देखो ‘मुतअस्सिब’ धार्मिक पक्षपाती
 मुतारिसर—(अ) देखो ‘मुतअन्मिर’ प्रभावित
 मुताह—(अ) शीश मुसल्मानों में होने वाला एक प्रकार का अग्यायी विवाह
 मुताही—(अ) देखो “मुतआही”
 मुतीअ—(अ) अनुयायी, अनुगामी, आशाकारी, अधीन, रास, सेवक
 मुत्तफी—(अ) सदाचारी, दुष्कर्मों से बचने वाला, परहेजगार
 मुत्ताफिक—(अ) जिनमें परस्पर इत्तफाक हो, सहमत, एकमत, मिला हुआ
 मुत्तला—(अ) जिसे इत्तला या सूचना दी गई हो, सूचित, सावधान, सचेत, आगाह
 मुत्तासिल—(अ) सम्बद्ध, साथ मिला हुआ, निकट, समीप, पास, मिला हुआ, समीप या चगु म रहनेवाला
 मुत्तहद—(अ) एक म मिलाए हुए, मिलाकर एक किये हुए, संयुक्त,
 मुत्तहम—(अ) जिस पर तोहमत लगाइ गई हो, जिस पर दोषा रोपण किया गया हो, अभियुक्त
 मुत्मही—(अ) देखो “मुतसही”
 मुदक्किन् (अ) सूक्ष्म काम करनेवाला, तार्किक
 मुदच्चर—(अ) पाला पोसा गया, तदवीर किया गया

मुदन्विर—(अ) युक्ति या उपाय
बताने वाला, मन्त्री, परामर्शदाता
सलाहकार, नेता, पथ प्रदर्शक,
उपाय सोचनेवाला

मुदम्मिग—(अ) दुरमिमानी, दम्भी,
घमण्डी, बहुत दिमाग रखने
वाला

मुदरिफ—(अ) बात की तह तक
पहुँचाने वाला, कुशामुद्दि,
समझदार, जागरूक

मुदरिका—(अ) समझने की शक्ति,
निचार-शक्ति, विवेचक-बुद्धि

मुदरिस—(अ) शिक्षार्थी, मित्रार्थी,
पढ़नेवाला

मुदरिस—(अ) शिक्षक, पढ़ानेवाला,
पाठक, अ पापक

मुदरिसी—(अ) व्यापकी, पढ़ाने
का पैगा, मुदरिस का पद

मुदल्लल—(अ) जो दलीलों से सिद्ध
हो चुका हो, युक्ति-युक्त, तर्क-
सिद्ध

मुदल्लिल—(अ) ललील या युक्ति
द्वारा किसी बात को सिद्ध करने
वाला, तार्किक

मुदन्वर—(अ) गोल

मुदखिलत—(अ) टखल देना,
हस्तक्षेप, प्रवेश

मुदफ़अत—(अ) आत्मरक्षा, रक्षा
या दूर करने की क्रिया

मुदाम—(अ) रादेव, निरंतर, लगा
तार, सगा, हमेशा, बराबर

मुदामत—(अ) शादत, हमेशगी,
सबदा का

मुदारा—(अ) रिआयत करना, सधि
करना, आदर-सत्कार

मुदारात—(अ) “ मुताग ” का बहुत
वचन

मुदीर—(अ) गाल, गति देने वाला

मुदआ—(अ) अमिप्राय, उद्दश्य

मुदई—(अ) गवा करने वाला, वादी

मुदत—(अ) अवधि, मियाद, समय,
बहुत दिन, थरसा

मुदते इदत—(अ) तलाक़ देन के
बाद की वह अवधि जिसमें
मुसलमान स्त्रिया दूसरा विवाह
नहीं कर सकती

मुदालेह—(अ) जिसपर दरा किया
गया हो, प्रतिवादी

मुदेया—(अ) दावा करने वाली स्त्री

मुनअकिद—(अ) अधिवेशन, बैठक,

सम्पन्न होना, कार्यरूप में आना,
बढ़, सघटित होना, एकत्र होना
मुनअकिस (अ) जिसका अक्षर पटा
हो, जिसकी छाया पड़ी हो

मुनइम—(अ) दाता, दानी, उदार
मुनफजी—(अ) गत, गिगन, बीता
हुआ, गुजरा हुआ

मुनकता—(अ) समाप्त किया हुआ,
निश्चया हुआ, चुकता किया
हुआ, नाटा हुआ, चुकाया हुआ,
अलग किया हुआ

मुनकचत—(अ) प्रशस्ति, बढ़ना
मुनकाशफ—(अ) खुला हुआ, उद्घा-
टित, प्रकट (रहस्य आदि)

मुनकसिम—(अ) तल्लसीम किया
हुआ, विभक्त, विभाजित, बांटा
हुआ

मुनकसिर—(अ) नम्र, निनीत, बिसम
इन्कसार हो, मकोचग्रीव

मुनकसिरुल मिजाज—(अ) विनम्र
स्वभाव का

मुनकिर—(अ) इनकार करने वाला,
बात पलट जान वाला, न मानने
वाला, नास्तिक

मुनक्कश—(अ) नक्काशी किया

हुआ, चित्रित, जिसमें बेल-बूटे
बनाए गए हों

मुनक्कका—(अ) द्राक्षा, बड़ी किश-
मिश, दाग

मुनजमिद—(अ) मर्त के कारण
जमा हुआ (बी, पानी आदि)

मुनजिम—(अ) नज्मी, ज्योतिषी

मुनज्जिस—(अ) अपवित्र करने वाला

मुनफअत—(अ) नफ़, फायदा, लाभ

मुनफइल—(अ) लज्जित, शर्मिन्दा

मुनफसला—(अ) बिसका फैसला
या निणय हुआ हो

मुनफी—(अ) नष्ट किया गया,
मिटया या बर्बाद किया गया

मुनब्बत—(अ) जिसमें उभरे हुए
बेल बूटे बने हों, नक्काशीदार

मुनब्बरकारी—(मि) उभरे हुए बेल
बूटे बनाने का काम, नक्काशी,
खुदाई

मुनब्बर—(अ) प्रकाशमान, चम-
कीला, चमकदार प्रकाशित

मुनशी—(अ) डेक्क, खेल या निबन्ध
लिखने वाला, फ़ारसी लिपि के
सुन्दर अक्षर लिखने वाला, मुह-
रिर, लिखा-पट्टी करनेवाला

मुनशी—(अ) माटा, नटा परों वाली, नशीली

मुनसरीम—(अ) अगलन का प्रधान मुर्ती, इ घराम या दरवा रखने वाला, व्यवस्थापक, प्रबन्धक, प्रभिमिति

मुनसलिक—(अ) सम्बन्ध, साथ बाधा गया, विरोधा गया, गुया गया, छिमलित

मुनसिफ—इन्साफ या न्याय करने वाला

मुनसिफ़ी—(अ) न्याय, इन्साफ़, मुसिफ ये बैठने या काम करने की जगह, मुसिफ का पद या काम

मुनहदिम—(अ) गिरया अथवा नष्ट किया हुआ, तोड़ा पोंड़ा हुआ, टाया गया, गटहर

मुनहनी—(अ) टंटा, छद्दा हुआ, रुदा, दुबला-पतला

मुनहरिफ़—(अ) फिदा हुआ, निमृग, प्रतिकूल, विरोधी, षक, टेढ़ा

मुनहसर—(अ) आभित, निभर, अभीन

मुनाकिट—(अ) देखो “मुनअकिद”

मुनामिय—(अ) प्रगमिदा, ‘मुनमिया’ का बहुवचन

मुनाज़अन—(अ) काटा, नत्तग

मुनाज़रा—(अ) विवा, बरस, विचार, निमग, शान्कार्य, शक-समाधान

मुनाज़रात—(अ) “मुनाज़रा” का बहुवचन

मुनाज़ा—सगडाहु, बन्दिषा

मुनाजात—(अ) पुकार, प्रार्थना, दुदाह, विलाप, इश्वर प्रार्थना, स्तोत्र

मुनादिम—(अ) नागवान, नश्वर

मुनादी—(अ) घोषणा, दिगग, हुर्गी, यह सूचना जो दोल पीट-पीट कर घरसाधारण को मुनाह जाय

मुनाझा—(अ) लाभ, फायदा

मुनाझिक—(अ) नफाक या डेप गवने वाला

मुनाफिर—(अ) नफरत या घृणा करने वाला

मुनाफिरत—(अ) घृणा, घिन, नफरत

मुनाफ़ी—(अ) नष्ट या बरबाद, करने

- वाला, विरोधी, निरथक करने वाला
- मुनासिब—(अ) उचित, वाजिब, दीक
- मुनासिबत—(अ) उपयुक्तता, औचित्य सम्बन्ध, लगाव
- मुनासिर—(अ) मित्रता, सहायता
- मुनीब—(अ) लेम्बा जोगा रखने वाला, बहीन्याता लिखने वाला, मुनीम, स्वामी, मालिक, इश्वर भक्त
- मुनीबी—(अ) मुनीब का काप या पत्र
- मुनीम—(अ) देखो “मुनीब”
- मुनीर—(अ) प्रकाश देनेवाला, प्रकाशक, प्रकाशित
- मुन्तकिल—(अ) स्थानान्तरित, एक जगह से हटकर दूसरी जगह रक्या हुआ
- मुन्तकी—(अ) चुना हुआ, लोकप्रिय
- मुन्तखब—(अ) चुना हुआ, निष्चित, पसन्द किया हुआ, छाग हुआ
- मुन्तजिम—(अ) प्रबन्धक, व्यवस्थापक, इन्तजाम करनेवाला
- मुन्तशिर—(अ) अस्तव्यस्त, इधर उधर फैला हुआ, बिखरा हुआ, परेशान
- मुन्तही—(अ) इन्तहा को पहुँचा हुआ, चरमसीमा तक पहुँचा हुआ, पूरा ज्ञाता, दृष्ट
- मुन्जरज—(अ) दब किया या लिखा गया, प्रविष्ट किया गया, सम्मिलित किया गया, अन्तर्गत
- मुन्दरिस—(अ) पुराना, पटा, बर्ताना हुआ, पिसा हुआ
- मुन्गी—(अ) देखो “मुन्गी” साहित्यकार, मौलिक लेखक
- मुफतरद—(अ) अकेला, एकाकी, नि सग असहाय
- मुफरंह—(अ) आनन्द-दायक, स्यादिष्ट, मुगधित, स्वादु और बलवन्धक ओषधि आदि द्रव्य व नकृत को बल देनेवाली
- मुफलिम—(अ) निधन, कगाल, दरिद्री
- मुफलिसी—(अ) निषाता, कगाली दरिद्रता
- मुफतदा—(अ) फिमा, शगड़ा, बखेड़ा, टगा

मुफसिद—(अ) फिसादी, सगडाह, भोगडिया, उपद्रवी, दगाद

मुफस्निर—(अ) माभ्यकार, दगा रवाना, तफसीर या विवरण पगाने वाला

मुफस्मिल—(अ) विस्तृत, ब्यौरवार, तफसीलवार, सविस्तर, स्पष्ट, सुझा हुआ, नगर के आसपास का इलाका

मुफ्फारन—(अ) फारत या गव फरता, अभिमान करना, दोस्ती

मुफाखिर—(अ) फरस अर्थात् गर्व करने वाला, अभिमानी, दोस्ती तोर

मुफरबात—(अ) अचानक, सड़गा, यकायक

मुफारकत—(अ) फरक, अन्तर, भिन्नता, वियोग, विछोड़, जुदाई

मुफरिफ—(अ) फरक या भेद करने वाला, अन्तर डालने वाला, विछोड़ कराने वाला

मुफरीज—फैत्र पहुचाने वाला, लाम दायक, गुगदायक, उपकारक

मुफ्सीद—(अ) लामदायक, फायदे मंद

मुफ्त—(अ) बिना दामों का, बिना पैसा, कुछ मूल्य न होने, सेंट का

मुफ्तरी—(अ) छुटा अभियोग लगाने दोषारोपण करने वाला, धूर्त

मुफ्तिर—(अ) रोका इफ्तारने का सोलने वाला, पारग करने वाला

मुफ्ती—(अ) फतवा या धार्मिक व्यवस्था देने वाला, मुसलमानों का धार्मिक न्याय बता

मुफ्तूल—(अ) बिना पैसा या बच दिये गए हो, बच हुआ

मुफ्तदी—(अ) किसी काम की इज्जत करने वाला, नौसिखेवा, नया सीखतार, आरम्भ करने वाला

मुफतला—(अ) किसी काम या विपत्ति में फँसा हुआ, दस्त, लगा हुआ

मुफतासिम—(अ) मुफ्फरान वाला, खिलने वाला, इसने वाला

मुफदल—(अ) परिवर्तित, बदला हुआ, बदला गया

मुफर्रा—(अ) अपवित्र या दूषित पदार्थों से अलग रक्ता हुआ, पृथक् किया गया, पवित्र,

विगुद, निर्दोष, अमनिया,
छाफ, बरी, निरपराध
मुबरात—(अ) “ मुबरा ” का
बहुवचन
मुबरिद—(अ) ठडा करनेवाला,
ठडक पहुचाने वाला
मुबरिदात—(अ) “ मुबरिद ” का
बहुवचन
मुबल्ला—(अ) तक्रा रुपया, धन
राशि, धन की रकम पहुचन
का स्थान, ठिकाना
मुबल्लग—(अ) पहुचाया गया
मुबल्लिग—(अ) पहुचाने वाला
मुबाशिर—(अ) शुभ समाचार लाने
वाला, खुशखबरी देने वाला,
हर्ष संवा, सुनाने वाला
मुबस्तिर—(अ) जिसे दिखाइ
देता हो, अर्घे का उल्ला
सुसता
मुबहम—(अ) अस्पष्ट, सन्दिग्ध
मुबादला—(अ) विनिमय, बदला
मुबादिर—(अ) किसी काम में बन्दी
करने वाला, आगे रू बाने
वाला
मुबादा—(अ) वही ऐसा नहो, ऐसा

न हो कि
मुबादी—(अ) प्रकट करने वाला,
प्रकाशित करने वाला, आरम्भ,
मूल
मुबारक—(अ) बरकत करने वाला,
शुभ, मंगल-शायक
मुबारकनाद—(अ) बघाई, साधु-
वा
मुबारकबादी—(अ) बघाई, मंगल-
गीत
मुबारकी—(अ) बघाई
मुबारिज—(अ) लड़ने वाला,
योद्धा, सिपाही, सैनिक
मुबारिजत—(अ) लड़ा, युद्ध,
संग्राम
मुबालगा—(अ) अतिशयोक्ति, अत्यु-
क्ति, बहुत बगानर वही हुई
बात, किसी काम में घोर
परिधम करना
मुबालात—(अ) मय, चिन्ता, सन्देह
मुबाशरत—(अ) किसी काम में
सुसना, मैथुन, सम्भोग, प्रसंग,
विशय
मुबाशिर—(अ) किसी काम को
बाधनी इच्छा से करने वाला,

मैगुन करने वाला, विपरी,
 मुवाह—(अ) घैय, विषि सम्भर,
 जिसके करने की आज्ञा हो
 मुवाहिसा—(अ) बहस, विवाद,
 शस्त्रार्थ
 मुवाही—(अ) अमिमानी, प्रतिष्ठित
 मुवाहीन—(अ) गय करने वाला,
 अमिमानी
 मुब्दि—(अ) प्रपट करने वाला प्रारम्भ
 करत वाला, उत्पादक
 मुयोन—(अ) बयान करत वाला,
 वणत करने वाला, कहने वाला
 मुयैयन—(अ) कथित, वर्णित, बयान
 किया गया
 मुयैयना—(अ) कहा जाने वाला,
 कथित
 मुञ्जदा—(अ) आकरण म उद्देश्य,
 या कर्ता
 मुब्तली—(अ) दरो “मुबतली”
 मुब्तला—(अ) देतो “मुबतला”
 मुब्तमिम—(अ) देतो “मुबतमिम”
 मुमकिन—(अ) सम्भव, जो होसके,
 होसकने लायक
 मुमकिन-उल्-वजू—(अ) जिसके
 अस्तित्व की संभावना हो

मुमकिनात—(अ) “मुमकिन” का
 बहुवचन, सम्भारनाएँ, होसकन
 योग्य बात
 मुमताज—(अ) प्रतिष्ठित, गौरव
 छाती, माननीय, विविष्ट
 मुमलिकत—(अ) गाय, सस्तनत,
 “ममलकात” देश
 ममलूदा—(अ) अधिकार में आया
 हुआ, अविष्टा, जिस पर
 कब्जा हो
 मुमसिक—(अ) मना करने वाला,
 रोक्नेवाला, कम खर्च करनेवाला,
 कजूम, शीय की स्तम्भन करने
 वाला
 मुमानअत—(अ) निषेध, मनाही,
 बबन
 मुमलिक—(अ) “मुमलकत” का
 बहुवचन, अनेक देश या राज्य
 मुमासलत—(अ) सादृश्य, समानता
 मुमिद—(अ) इम्तान करने वाला,
 सहायक
 मुम्बा—(अ) छोट, उद्गम-स्थान,
 सोता
 मुम्तहान—(अ) परीक्षार्थी, जिसका
 इम्तहान लिया जाय, परीक्षा देने
 वाला

मुम्तहिन्—(अ) परीक्षा लेने वाला,
परीक्षक

मुरक्कब—(अ) कड़ वस्तुओं के मेल
से बना हुआ पदार्थ, मिश्रित,
मिला हुआ, लिखने की स्याही

मुरक्का—(अ) चित्रावली, बह पुस्तक
जिसमें लेखन कला और चित्र-
कारी के नमूने संगृहीत हैं,
अल्बम, फर्कियों की गुदड़ी

मुरगाजी—(मि) जल-कुक्कुट, मुग
की जाति का जलगाय म रहने
वाला पक्षी

मुरगी—(अ) मुग की मादा

मुरति—(अ) जो इस्लाम के विरुद्ध
हो, काफिर

मुरत्तब—(अ) जो तरतीब से रखा
गया हो, व्यवस्थित, क्रमबद्ध

मुरत्तिब—(फ) क्रमबद्ध करनेवाला,
व्यवस्थापक, प्रबन्धक

मुरत्न—(फ) मृत्यु, मरण, मरना

मुरदनी—(फ) मृत की अन्त्येष्टि के
लिए शव के साथ जाना, मरने
के समय चेहरे पर छा जाने
वाला विकार

मुरदा—(फ) मृत, मरा हुआ, निष्प्राण

जो मर गया हो, जिसमें कुछ
भी दम न हो, मुरसाया हुआ,
शव, लाश प्रेमी

मुरतार—(फ) मृत, मरा हुआ, शव,
लाश, अपवित्र, अस्पृश्य, एक
प्रकार की गाली

मुरफ-खल्ल हाल—(फ) सम्पन्न,
धनी

मुरफ—(फ) खाता पीता, सम्पन्न,
धनवान, खुशहाल

मुरग़ा—(अ) चार कोण का जिसकी
लम्बाई चौड़ाई बराबर हो, बग,
चीनी या गुद के योग से बनाया
हुआ गीठा अचार, चीनी की
चाशनी में डाला हुआ मेवा या
फर्ग का पाक, उर्दू की एक
कविता जिसमें चार-चार चरण
होते हैं

मुरब्बी—(अ) पालन पोषण करने
वाला, सरक्षक, शिक्षादीक्षा
दिलाने वाला

मुरब्ज—(अ) रिवाज में आया
हुआ, प्रचलित, चलन में आया
हुआ

मुरबत—(अ) मेल, प्रेम, शील,

परमात्मा, ईश्वर

मुलाकात—(अ) भेट, परस्पर मिलना

जुलना, गैल मिलाप

मुलाकाती—(अ) मित्र, परिचित,

मिलनवाला, मिलापी, मुलाकात

सम्बन्धी

मुलाका—(अ) मिलनवाला

मुलाजिम—(अ) नौकर, सबक

मुलाजिमत—नौकरी, चाकरी, मका

मुलाजिमान—(अ) मुलाजिम का

बहुवचन

मुलायम—(अ) मृदु, कोमल, नरम,

सुकुमार, नाजुक, हल्का, घीमा

मुलायमत—(अ) मृदुता, कोमलता,

नरमी सुकुमारता, हलकापन,

घीमापन

मुलाहजा—(अ) देखना, निरीक्षण

करना, रिश्तागत, सकोच,

लिहाज

मुल्क—(अ) “मुल्क” का या

मुल्क—(अ) दुग्धी, रजीदा

मुलैयन—(अ) मुलायम करने वाला,

सीला करनेवाला, (आर्ता के मल

को) कोष्ठ बढ़ता नायक, दस्ता

घर, रेचक, पापाना लानेवाला

मुल्क—(अ) देश

मुल्की—(अ) मुल्क का, मुल्की

सम्बन्धी, देशी

मुल्क अदम—(अ) परलोक

मुल्कना—(अ) शरण स्थान, जिससे

इस्तजा या प्रार्थना करनेवाला

मुल्तजी—(अ) शरण वाहनवाला,

शरणवाला, इस्तजा या प्रार्थना

करनेवाला

मुल्तबी—(अ) स्थगित, कुछ समय

के लिए राक दिया गया

मुन्तमिस—(अ) प्रार्थी, इलामान,

या प्रार्थना करनेवाला

मुल्ता—(अ) प्रकाण्ड पण्डित, उद्भट

निदान

मुल्कल—(अ) मुल्किल, (अ) अपना

अदालती काम दक्किल द्वारा

करानेवाला, जो किसी को अपना

दक्किल बनाव

मुल्किल—(अ) पिछला, अन्तिम

आतिरवाला, राशि

मुल्किल—(अ) जिसकी बजह मौजूद

हो, तफ-सगत, ठीक, उचित

मुल्किल—(अ) तबारीख या इतिहास

लिखनेवाला, इतिहास लेखक

मित्र, प्रेमी

मुबारखा—(अ) लिखित, लिखा हुआ, जिसपर तिथि या तारीख डाली गई हो

मुशाफिकाना—(अ) मित्र का-सा, प्रेमी के दग का (व्यवहार आदि)

मुवाहिद—(अ) आस्तिक, ईश्वरवादी, एक ईश्वर को माननेवाला

मुशाब्बह—(अ) जिसके साथ तुलना की जाय, जिससे तशबीह या उपमा दी जाय, समान, तुल्य उपमान

मुवाज्जजा—कारण पूछना, जवाब तलब करना, कैफियत मांगना, नुक सानी, क्षतिपूर्ति

मुशरिक—(अ) वह व्यक्ति जो परमात्मा के अतिरिक्त और देवी-देवताओं की भी पूजा करता हो, शरीक या सम्मिलित करनेवाला

मुवाजात—(अ) माइचारे का बर्ताव, समता, बराबरी

मुशरिफ—(अ) प्रधान, नेता, ऊँचा, ऊँचा होने वाला

मुधात—(अ) “मौत” का बहुवचन

मुशरफ—(अ) माननीय, प्रतिष्ठित, जिसे उच्च पद दिया गया हो, जिसे प्रधानता दी गई हो

मुवाफिक—(अ) देखो “मुआफिक”

मुशरह—(अ) व्याख्या या टीका युक्त, जिसका विस्तृत बणन किया गया हो, जिसकी खोल-खोल कर व्याख्या की गई हो

अनुकूल, अनुसार

मुधाफिकत—(अ) मेलजोल, अनुकूलता, संग, मित्रता

मुशरिह—(अ) टीकाकार, माध्य करने वाला, व्याख्या करने वाला

मुवाली—(अ) सहायक, सहयोगी, प्रेमी, सखा

मुशकिल—(अ) उदू के एक छन्द का नाम, समान रूप

मुवैयद—(अ) समथक, तार्द या समथन करने वाला

मुशाफह—(अ) आमने-सामने होकर

मुशकिल—(अ) कठिन, दुष्कर, विपत्ति, मुसीबत

मुशाज्जर—(अ) जिस पर चित्रकारी हो रही हो, बेल-बूटेदार

मुशफिक—(अ) दयालु, रूपालु,

मुसत्तह (अ)—समत्ल, जिसकी

सतह बराबर की हुई हो

मुसद्क—(अ) जिसकी तरदीक होगई

हो, परीक्षित, प्रमाणित

मुसद्दी—(अ) देखो “मुसद्दी”

मुसद्दस—(अ) एक प्रकार का छद्

जिसमें छद् चरण होते हैं, वह

वस्तु जिसमें छद् कोने हों,

घट्कोण, वह पदार्थ जिसके छद्

अंग हों, पङ्कज

मुसद्दिक—(अ) सिद्धा लेने वाला,

बलिदार होने वाला, विद्वान

करने वाला

मुसन्नफ—(अ) रचित, बनाया

हुआ, लिखा हुआ, लिखित

(पुस्तकादि)

मुसन्नफ—(अ) देखो “मुसन्नफा”

मुसन्नफत—(अ) “मुसन्नफ” का

बहुवचन

मुसन्ना—(अ) प्रतिलिपि, दुबारा

लिखा गया, नकल किया गया,

रसीद या चैक का वह भाग जो

पुस्तक में लगा रहता है, कृत्रिम,

नकली

मुसन्निक—(अ) ग्रन्थकार, पुस्तक

प्रणेता, लेखक, रचयिता

मुसफफा—(अ) स्वच्छ, निमल,

साफ किया हुआ, सशोधित

मुसफफी—(अ) साफ करनेवाला,

सशोधक

मुसम्मन—(अ) अठ पठद्, अठ

कोना, वह कविता जिसमें आठ

चरण हों

मुसम्मम—(अ) दृढ़, पक्का, निश्चित

मुसम्मा—(अ) नामधारी, नामी,

नामक, नामवाला, जिसका नाम

रक्ता गया हो

मुसम्मात—(अ) यह नाम स्त्रियों के

नाम व पहले लगाया जाता है

मुसम्मी—(अ) नामक, नामवाला

मुसरिक—(अ) ज्यादा सफ करने

वाला, व्यय या अधिक व्यय

करनेवाला, फिजूल खर्च

मुसरत—(अ) प्रसन्नता, खुशी

आनन्द, इर्ष

मुसलमान—(अ) इस्लाम धर्म का

मानने वाला, मुहम्मद साहब का

अनुयायी, मुहम्मदी

मुसलमानी—(अ) मुसलमान सम्प्र

दायी, मुसलमान का, मुसल-

मानोंकी एक प्रथा जिसमें लड़कों

की मूत्रेद्रिय के अग्रभाग का
चमड़ा काट दिया जाता है,

मुसत

मुसलमीन—(अ) मुसलिम का बहु
वचन, मुसलमान लोग

मुसलसल—(अ) क्रमबद्ध, शृङ्खला
बद्ध, सिलसिलेवार, लगातार,
अनवरत

मुसलह—(अ) इसलाह देनेवाला,
सशोधन करनेवाला, परामश
देनेवाला, सुधारक, संशोधक,
मारक

मुसलिम—(अ) मुसलमान

मुसलेह—(अ) देखो “मुसलह”

मुसल्लत—(अ) शासक, शासित

मुसल्लम—(अ) तसलीम या स्वीकार
किया हुआ, निर्निवान, माना
हुआ, कुल, पूरा सम्पूर्ण, समग्र,
साबुत, समूचा

मुसल्लस—(अ) तिकोण, त्रिभुज, वह
कविता जिसमें तीन चरण हों

मुसल्लसी—(अ) तिकोना

मुसल्लह—(अ) सद्द, शस्त्रास्त्रों से
सुसज्जित, हथियारबन्ध

मुसल्ला—(अ) वह कपड़ा या चगाई

जिसे बिछाकर नमाज़ पढ़ते हैं,
नमाज़ पढ़ने का स्थान

मुसल्लिम—(अ) देखो “मुसल्लम”

मुसल्लिस—(अ) देखो “मुसल्लस”

मुसल्ली—(अ) नमाज़ पढ़ने वाला

मुसल्वर—(अ) चित्रित, चीता,
हुआ, बनाया हुआ, अंकित या
चित्रित

मुसल्विर—(अ) चित्रकार, चित्र
बनाने वाला

मुसल्विरी—(अ) चित्रकारी, चित्र
कला, तसवीर बनाने का काम.

मुसदफ—(अ) कुरान गरीफ, पुस्तक
के पृष्ठ, छोटी छोटी पुस्तकों
अथवा छोटे-छोटे विषयों का
संग्रह

मुसहिल—(अ) रेचक, दस्तावर,
दस्त लानेवाली दवा

मुसाअदव—(अ) मित्रता, सहायता,
मदद

मुसाइद—(अ) मित्र, सहायक

मुसाफत—(अ) दूरी, अन्तर, फासला
परित्रम

मुसाफा—(अ) किसी मित्र मिलापी
से भेंट होने के समय शाय से

हाथ मिलाता

मुसाफात—(अ) मित्रता, प्रीति,
दोस्तीमुसाफिर—(अ) सफर या यात्रा
करनेवाला, यात्री, पथिकमुसाफिरगाना—(मि) मुसाफिरों के
टहरने की जगह, पड़ाव, सरायमुसाफिरत—(अ) यात्रा, सफर, पर-
देश, विदेश, मुसाफिरीमुसाफिराना—(अ) मुसाफिरों का-सा
यात्रियों का, मुसाफिर सम्बन्धी

मुसाफिरों—(अ) देखो “मुसाफिरत”

मुसाव—(अ) संकटग्रस्त, विपन्न,
दुखी

मुसावत—(अ) संकट, निपट, दुःख

मुसालमत—(अ) मित्रता, संधि,
मेल, मेलमुसायत—(अ) सादृश्य, समता, बरा-
बरी, लापरवाही, निश्चितता,
रोजमरम की साधारण बातें या
घटनाएँ

मुसावा—(अ) सदृश, समान

मुसावात—(अ) बराबरी, समानता,
सामान्य घटनाएँ, समीकरणमुसावा—(अ) बराबर, तुल्य, समान,
सदृशमुसाहिब—(अ) साथ बैठनेवाले, सह-
धर (धनिकों या राजानों के)मुसाहिबत—(अ) पास बैठना, साथ
रहना, मुसाहिब का काम सग,
साथ

मुसाहिबो—(अ) देखो “मुसाहिबत”

मुसाहिम—(अ) साक्षी, हिस्सेदार,
भागीमुसाहिमत—(अ) साक्षात्, निष्ठा,
भागमुसिन—(अ) अधिक सिन या उम्र
वाला, अधिक बय का, प्योवृद्ध,
बूढ़ा, बड़ी अवस्था का

मुसिर—(अ) उतारू, तुला हुआ

मुसिह—(अ) सही या ठीक
करनेवाला मशोधक, भूल
मुधारनेवालामुसीबत—(अ) आपत्ति, तकट, कष्ट,
दुःख, विपद्, तपस्वीमुसैकल—(अ) चमकाया गया,
तेज किया गया, पालिश किया
गया, शान पर चढ़ाया गया,
घार रक्खा हुआ

मुसैहिह—(अ) देखो “मुसिह”

मुस्कर—मुस्किर (अ) मादक, नशीली

- चीज़, नशा पैदा करने वाली
 मुस्करात—मुस्किरात (अ) “मुस्कर”
 या “मुस्किर” का बहुवचन,
 भाग, गाँजा, चरस, अफ़ीम,
 आदि
- मुस्किन—(अ) तस्कीन देने वाली,
 शान्तिदायक, सात्वनाप्रद
- मुस्त—(अ) विकल, बिहल, दुखी,
 शोकाकुल
- मुस्तअद—(अ) मुस्तै, सचद,
 कटिबद्ध
- मुस्तअफी—(अ) इस्तीफा देने वाला,
 त्याग पत्र देने वाला
- मुस्तअमल—(अ) काम में या अमल
 में लाया हुआ, इस्तेमाल किया
 हुआ, प्रचलित
- मुस्तआर—(अ) उधार लिया हुआ,
 मांगा हुआ
- मुस्तअथिल—(अ) मरिष्यत् काल,
 आने वाला समय
- मुस्तकिल—(अ) स्थायी, दृढ़, पक्का,
 दृढ़तापूर्वक, स्थापित
- मुस्तकिल मिजाज़—(अ) सिरमना,
 दृढ़ चित्त, दृढ़ निश्चयी
- मुस्तकीम—(अ) सीधा, श्रद्धा, सरल,
 सीधा खड़ा हुआ
- मुस्तगानी—(अ) मनमौजी, ला-
 परवा, सन्तुष्ट, पूणकाम,
 स्वच्छन्द, स्वतन्त्र, स्वाधीन,
 धनिक, सम्पन्न
- मुस्तगफिर—(अ) इस्तगफार करने
 अथात् दया की मीस मागने
 वाला, त्राण चाहने वाला, क्षमा
 प्रार्थी
- मुस्तगरक—(अ) गक या लीन हो
 जाने वाला, लीन, निमग्न, डूबा
 हुआ, पूण मनोयोग से किसी
 कार्य को करने वाला
- मुस्तगासी—(अ) इस्तगासा अथात्
 न्याय के लिए प्रार्थना करने
 वाला, दावा करने वाला, फरियादी
- मुस्तगीस—(अ) याय चाहने वाला,
 फरियादी, मुस्तगासी
- मुस्तजाद—(अ) बढ़ाया हुआ, जोड़ा
 हुआ, एक उर्दू छन्द जिसके
 प्रत्येक चरण के पीछे कुछ और
 पद जुड़ा रहता है
- मुस्तजाव—(अ) स्वीकृत, कबूल की
 हुई, मानी हुई
- मुस्ततील—(अ) समकोण आयत,

यह समकोण चतुर्भुज त्रिभुज
लम्बाई अधिक और चौड़ाई
कम हो

मुस्तदंड—(अ) इस्तदुआ, अथवा
प्राथना करनेवाला, प्रार्थी

मुस्तदीर—(अ) गोलदार, गोल

मुस्तनद—(अ) प्रमाण-रूप माना
जानवाला, जो सनद समझा
जाय, जिसे कोई सनद या
प्रमाण पत्र मिला हो

मुस्तफा—(अ) शाफ, दुगुणों से
रहित, महानुभाव, भेष्ट, विशुद्ध
आचरण युक्त, माननीय दोनों
से रहित, दर्जी के नाट्याह की
उपाधि, यह मनुष्य जिसमें कोई
दुगुण न हो

मुस्तफिज—(अ) फेज या लाम की
आशा रखने वाला, लाम उठाने
या चाहने वाला, हित चाहने
वाला, उपकार की इच्छा रखने
वाला

मुस्तफिद—(अ) फायदा या लाम
चाहने वाला, लामाबित

मुस्तदद—(अ) रत्न या वापस किया
किया हुआ, फेरा हुआ, लौगाया

हुआ, दुश्मना हुआ

मुस्तवी—(अ) समतल, जिसकी
समस्त एकसी हो

मुस्तरना—(अ) अलग, वृष्ट,
उग, अवगाट रूप, विशिष्ट,
विशेष रूप से अलग किया
हुआ

मुस्तहक—(अ) अधिकारी, पात्र,
हकदार

मुस्तहकम—(अ) मुहद, मजबूत,
पक्का, उचित, याज्ञिक, ठीक

मुस्ताजिर—(अ) जिसने इनाम
अथवा ठेका लिया हो, ठेकदार
क्रिडान, खेतिहर, कृषक,
पट्टेगार

मुस्ताजिरी—(अ) ठेकदारी, पट्टेदारी
ठेके या पट्टेपर लिया हुआ खेत

मुस्तै—(अ) 'देखो मुस्तअद'
समझ, उद्यत, तैयार, तत्पर,
चालाक

मुस्तैफी—(अ) "देखो मुस्तअपी"

मुस्तैमिल—(अ) "देखो मुस्तअमल"

मुस्तैजिव—(अ) जिस पर सजा
वाजिब हो, दण्डनीय, दण्ड्य,
जिसपर कोई बात वाजिब हो,

उपयुक्त, पान

मुस्तौफी—(अ) पूरा प्राप्तव्य, एक साथ चुकता लेनेवाला, आय व्यय की जांच करने वाला

मुस्वत—(अ) प्रमाणित किया हुआ, जिसका सुबूत हो चुका हो, लिखा हुआ, लिखित, सिद्ध, गणित में घन या जोड़

मुहकम—(अ) पक्का, दृढ़, मज़बूत, पुरखा

मुहकमा—(अ) देखो “ महकमा ” विभाग

मुहक़रू—(अ) परीक्षित, अनुभूत, आज्ञामूर्ता, जो जांच करने पर ठीक प्रमाणित हुआ हो, जांचा हुआ, सही, बिल्कुल ठीक, एक प्रकार की सुंदर लिपि

मुहक़र—(अ) अधम, तुच्छ, नाचीज़ धृणास्पद

मुहफ़िक्क—(अ) हकीक़त या वास्तविकता की खोज करने वाला, सत्य का अन्वेषण करने वाला, सच्चाई की खोज या जाँच करने वाला

मुहज्जब—(अ) निर्दोष, पवित्र,

शिष्ट, सम्य

मुहदतमल—(अ) अनुमान किया गया, सम्भावित, हो सकने योग्य, अस्पष्ट, सन्दिग्ध

मुहतरफ—(अ) समान व्यवसाय-वाला, हमपेशा, एक जैसा रोजगार करनेवाले

मुहतरम—(अ) प्रतिष्ठित, गौरवान्वित, पूज्य, मान्य

मुहताशिम—(अ) सम्पत्ति शाली, ऐश्वर्यवान्, जिसके पास बहुतसा धन और नौकर चाकर हों

मुहतासिब—(अ) निरीक्षक, वह कमचारी जो लोगों के आचरण आदि की जांच के लिए नियत किया गया हो

मुहताज—(अ) दीन, दरिद्र, गरीब, जिसके पास कुछ न हो, जिसे किसी बात की चाहना या अपेक्षा हो

मुहताज खाना—(अ) अनायास्य, गरीबों या मुहताजों के रहने की जगह

मुहताजी—(अ) दीनता, दरिद्रता, गरीबी, मुहताजपन

सुहृत्तादी—(अ) सुहृत्तादी
 सुहृत्तात—(अ) सावधान, संवर्णी
 सुहृदिम—(अ) दीर्घ, (सुगन्धमाना
 का पत्रम ध) का गन्धसनेवाला,
 पत्रम, धन्ता गन्धवाला,
 आधिभारक
 सुहृन्दी—(अ) उपदेश, उपदेश देने
 वाला, दिशायत करने वाला
 सुहृन्दिम—(अ) दिग्गम अर्थात्
 गतिराम्य वा जाननेवाला,
 गतिरम्य
 सुहृन्दिम—(अ) संशय, निरीक्षण,
 दिशायत करनेवाला
 सुहृन्दिम—(अ) संशय, निरीक्षण,
 दिशायत का भाव या क्रिया
 सुहृन्दिम—(अ) प्रेम, प्यार, मित्रता,
 प्रेम्सी.
 सुहृन्दिम आमेज—(मि) प्रमपूर्ण,
 प्यार से भरे हुए
 सुहृन्दिम—(अ) सदिग्ध, निरर्थक,
 व्यर्थ, छेड़ा हुआ
 सुहृन्दिम—(अ) रिक्त, रीता, खाली
 उद्ग के वे अक्षर जिन पर उक्ते
 नहीं लगाए जाते, एक शब्दालकार
 जिसमें बिना चुबुवाले अक्षर

प्रयुक्त किये जाते हैं
 सुहृन्दिम—(अ) अत्यधिक प्रशंसित,
 इत्यादि मत प प्रयुक्त का नाम
 सुहृन्दिम के सुप्रसिद्ध पैगंबर
 सुहृन्दिम—(अ) एक छाने का चिह्न,
 छाना, छप्पा
 सुहृन्दिम—(अ) सुहृन्दिम को जाने वाला,
 छप्पा तयार करनेवाला
 सुहृन्दिम—(अ) सामुदाय, प्रतियोगिता,
 मुकाबला, जेना, खेल की गोटें,
 बाजी, बीड़ी, घोषा, मान्य का
 दाना
 सुहृन्दिम—(अ) अदल बदल किया
 हुआ, बिगाड़ा हुआ
 सुहृन्दिम—(अ) शोक, मातम,
 निरिद्ध, सुसत्तमानी वर का
 पक्षी महीना, इली महीने में
 हमन य हुंन की मृत्यु हुई
 थी, जिन य शोक म सुसत्तमान
 लोग प्रतिवर्ष इस महीने में
 शोक मनाते और ताजिये
 निकालते हैं
 सुहृन्दिम—(अ) जिला गया, खतम
 किया गया
 सुहृन्दिम—(अ) गति देने वाला,

हरकत करने वाला, हिलाने वाला, आन्दोलन करने वाला, हलचल मचाने वाला, नेता, नायक, प्रधान, अग्रणी, संचालक

मुहर्रि—(अ) लेखक, लिखनेवाला, स्वतंत्र करनेवाला

मुहर्रिरा—(अ) लिखित, लिखा हुआ, तहरीर किया हुआ

मुहर्रिर—(अ) मुहर्रिका काम या पद

मुहलत—(अ) अवकाश, छुट्टी, फुरसत, अवधि

मुहलिक—(अ) हलाक करने वाला, घातक, मार डालने वाला

मुहल्ला—(अ) देखो “महल्ला”

मुहल्लात—(अ) “मुहल्ला” का बहुवचन “महल्लात”

मुहसनीन—(अ) “ मुहसिन ” (एहसान या उपकार करने वाला) का बहुवचन

मुहसिन—(अ) एहसान करने वाला, उपकारक

मुहाकमा—(अ) लफ्फाइ शगड़ों का निणय करना

मुहाजरत—(अ) अलग होना, पृथक् होना, हिजरत करना, एक स्थान छोड़कर दूसरी जगह बसने के लिए जाना

मुहाजात—(अ) मुकाबला, साम्मुख्य, आमने-सामने होना, प्रतियोगिता

मुहाजिर—(अ) हिजरत करने वाला, एक स्थान छोड़कर दूसरी जगह जा बसने वाला

मुहाजिरीन—(अ) “मुहाजिर” का बहुवचन

मुहाज—(अ) सामना, सामने का भाग, मुकाबला

महार्जी—(अ) सामना करने वाला, मुकाबले में आने वाला

मुहादसा—(अ) परस्पर वातालाप करना

मुहाफजत—(अ) रक्षा हिफाजत

मुहाफ्फ—(अ) एक प्रहार की डोली या पालकी जो स्त्रियों की सवारी में काम आती है

मुहाफिज—(अ) संरक्षक, रक्षा करने वाला हिफाजत करने वाला

मुहाफिज खाना—(मि) वह मकान जिसमें किसी अदालत या काया-

रंग के कानाज-वय मुद्रिया
रहने लीं

मुद्राफित्र दफनर—(अ) दफनर
(कानाजी के छेर) का संरक्षक,
किसी कानामय का चाधाल्य के
कानाज वय मुद्रिया रंगने प्रांग
कमचारी

मुद्रापा—(अ) महापता, मन्द, प्रेम,
सुरंगत, रिभावा-छादनेना

मुद्रार—(अ) ऊर की नखेम,
“महार”

मुद्रारया—(अ) मुद्र, समान, रणार्दे
मगदा

मुद्रारिय—(अ) मोटा, सैनिक, लगे
बाग

मुद्राड—(अ) देला “महा” अग
मय, जो दो न मय

मुद्रालात—(अ) “मुद्रा” का बहु
पचन

मुद्रायरा—(अ) किसी भाषा का यह
वाक्य जो अपना प्रत्यय (अभि
धेय) अथ से भिन्न किसी
लौगिक अथवा व्यय्य अर्थ के
लिङ्ग ध्यवहृत होना हो, तथा
अन्य भाषा में किये गए उरणे

अनुवा में यह समाचार न आ
मये अग्र्याग, आगत, बो
वाण, राजमरा

मुद्राययत—(अ) “मुद्रायरा” का
बहुपचन,

मुद्रामया—(अ) दिमाग, ऐला, पृष्ठ-
गह

मुद्रासण—(अ) घेरा, गजुरी सेना
आदि को बागे ओर से अपनी
सेना द्वारा घेरना, घिरा

मुद्रासिष—(अ) दिमाग जानन वाला,
गणितज्ञ, दिमाग रंगने वाला,
आयस्यय लिगावाला, मुनीम,
दिमाग बानेनेवाला, आयस्यय
के लेने का परीक्षण करनेवाला

मुद्रामिर—(अ) घेरने वाला, मुद्रासण
कालनेवाला

मुद्रामिल—(अ) कर अथवा लगान
आदि से दण्ड हुआ धन जो
हासिल हुआ हो

मुद्रिय—(अ) प्रेम करनेवाला, प्रेमी,
मित्र, “मुद्रिन्”.

मुद्रिम—(अ) दुस्तर बाय, कठिन
समस्या, कठिन काम, आक्रमण,
चढ़ाई, अभियान, उदाई,

सग्राम

मुहिम्मा—(अ) आवश्यक और
दुस्तर कार्य, दुख में डालने
वाली, कष्ट देनेवाली

मुहीत—(अ) घेरा, घिराव, घेरने
वाला, भूमिवृत्त, समुद्र जो चारों
ओर से पृथ्वी को घेरे हुए हो

मुहीब—(अ) मयानक, डरावना

मुहैया—(अ) तैयार, मौजूद, एकत्र

मू—(फ) बाल, केश, रोम

मूए—(फ) बाल, केश, रोम

मूचीना—(फ) बाल उगाड़ने की
चिमटी, मोचना

मूजिद—(अ) आविष्कारक, इजाद,
या आविष्कार करने वाला

मूजिब—(अ) कारण, हेतु, सबब

मूजिवात—(अ) “मूजिब” का बहु
वचन, बहुत से कारण

मूजी—(अ) दुखदायी, पीड़क, कष्ट
देनेवाला, ईजा ‘म्लेश’ पहुचाने
वाला

मूतराश—(अ) बाल मूड़ने का
औज़ार, उस्तरा

मूनिस—(अ) मित्र, प्रेमी, सहायक

मू-च-मू—(अ) बाल-बाल में, रोम

रोम में, प्रत्येक बाल में, हर
बाल में

मूवाफ—(फ) बालों में बांधने का
ढोरा या फीता

मूरिद—(फ) श्रोत, आश्रय-स्थान

मूरिस—(अ) पुरखा, बाप-दादे
पूज

मूश—(फ) चूहा, मूषक

मूशखिरमा—(फ) गिलहरी

मूशखोर—(अ) चील या गीघ

मूशिगाफ़—(मि०) बहुत अधिक
तर्ककरना, बालकी राल
निकालना

मूसा—(अ) एक प्रसिद्ध पैगम्बर
का नाम, बाल मूँड़ने का उस्तरा

मूसी—(अ) बसीअत करने वाला

मूसीकार—(अ) एक कल्पित पक्षी
जो बहुत अच्छा गाने वाला
माना जाता है, एक प्रकार की
बासुरी

मूसीकी—(अ) गान विद्या, सगीत
शाला

मेअराज—(अ) मुहम्मद साहब का खुदा
से मिलने सातवें आसमान पर
जाना और वहां से वापस आना,

मौलि—(अ) देवो "मौलि"
 मानाथ, भाषापर
 मौलि—(अ) विष्णुजी, विश्वा
 कोष, विश्वाकर्मा
 मौलि—(अ) मन्त्री, गङ्गा
 मौलि—(अ) देवो "मौलि"
 मौलि—(अ) देवो "मौलि"
 मौलि—(अ) देवो "मौलि"
 मौलि—(अ) प्रीति
 मौलि—(अ) पुरुष, परम्परा,
 गङ्गा नदी न विष्णु न निष्ठा
 ॥
 मौलि—(अ) अग्नी प्रदीप आदि
 न विद्वान्, इन्द्राय नमः का
 आनाथ
 मौलि—(अ) देवो, देव, मौलि,
 निष्ठा, मन्त्र
 मौलि—(अ) प्रदीप विद्वान्, मौलि
 देव देव विद्वान्, मौलि
 मौलि—(अ) देवो देवो की
 देव, प्रमथान
 मौलि—(अ) जन्म समय, हालका
 देव देव बालक, नवजात शिशु,
 मुत्तमर साक्ष्य का अमोक्ष

मौलि—(अ) देव, देवपुत्र समय,
 उचित अथवा, "मौलि"
 मौलि—(अ) देव मन्त्री,
 मौलि का "मौलि",
 मौलि—(अ) देव, देवपुत्र,
 देव, देव, विष्णु ज्ञान
 का वचन देव देव हो
 मौलि—(अ) नाथ, नाम,
 नामनाथ, नामधारी
 मौलि—(अ) देव, प्रातः देव,
 मन्त्र
 मौलि—(अ) देव, मन्त्र
 मन्त्र—(अ) मन्त्र, देव, देव,
 मन्त्र का देव
 मन्त्र—(अ) मन्त्र, देव, देव,
 न देव न देव

य

य—(अ) देव
 यन्त्र—(अ) देव, देव,
 देव देव देव, देव,
 देव, देव, देव,
 देव देव
 यन्त्र—(अ) देव, देव,
 देव देव देव, देव,
 देव देव देव, देव,
 देव देव

यकजहत—(फ) सहमत, एकमत

यकजा—(फ) एक जगह, इकठा,
एकन

यकजाई—(फ) एक ही जगह
रहनेवाला, एक स्थानपर मिले
हुए, एकन

यकतन—(फ) एक व्यक्ति, अकेला,
एकाकी

यकता—(फ) अनुपम, बेमिमांसा,
जिसके समान दूसरा न हो,
बनाइ

यकताई—(फ) अनुपमता, अनोखापन,
यकता होने का भाव

यकतार—(फ) थोड़ा, अल्प

यकदस्त—(फ) एकसा, एकसमान

यकदिगर—(फ) एक दूसरे को,
परस्पर

यकटिला—(फ) बीर, महादुर

यक न शुद दो शुद—(फ) एक तो
था ही दूसरा और हो गया, एक
नहीं ने

यक नयक—(फ) अचानक, सहसा,
एक बारगी

यक घारगी—(फ) देखो 'यक यक'

यक मुश्त—(फ) एक ही बार में,

एक साथ

यक मश्तराक—(फ) तुच्छ, नाचीज़

एक मुट्ठी भर धूल

यक रग—(फ) एक रगा, भीतर
बाहर से एकसा, विशुद्ध,
अन्त ररण का, निष्कपट

यकसू—(फ) सच्चा मित्र

यकलखत—(फ) देखो 'यक कल्प'

यकशना—(फ) रत्नार, इतवार

यकसर—(फ) सिर से पैर तक
समस्त, कुल, बिल्कुल, निदान्त

यक सरह—(फ) तमाम, समस्त

यकसो—(फ) समान, तुल्य, एकसा
एकही प्रकार का

यकसू—(फ) एक जगह, एक ओर,
स्थिर, टट्टा हुआ

यकायक—(फ) सहसा, अचानक,
एक बारगी, अकस्मात्

यकीन—(फ) विश्वास, भगंसा,
मृत्यु, मरना

यकीनन—(फ) निश्चित रूप से,
निश्चय, अवश्य

यकीनी—(फ) अवश्यभावी, मृत्यु,
अटउ, बिल्कुल निश्चित

यके—(फ) एक

यजुज—(प) परल, प्रथम	एक, गण, आपसना,
यया—(क्र) एताही, अथवा, एक	रिग, अनायास, अनुमत
ये सभ प रगा बाग, एक	यगानगी—(क्र) देना “यगानत”
प्रसिद्ध गहारी जगमें एक भाग	यगाना—(प) अनन्य, पापना,
जोना जाता है, अनुमत, बजोद	अपना, मिष्ट सम्बन्धी, वगाना,
यय ताज—(क्र) जो अकेला ही	या दुगाना का उल्ला, अनुमत,
गजुभा का गामना करने को	अनुन, बजोद
तेदार हो, महामयी	यजदान—(फ) परमात्मा का एक
यकजुम—(फ) परल, प्रथम, यजुम	नाम या निगद
यल—(क्र) बरष, पाला, दिन,	यजगान परत—(फ) परमात्मा का
अपना उदा, परत व समान	उपानक, इक्षर-गुडक, आलिक
नीतल	यजगान परती—(क्र) ईक्षर
यलदान—(फ) मोति भाति की	पूजा, परमात्मा की उपासना,
मिटारकी अथवा मोहन सामग्री	आभिकता
रगा का पात्र	यजदानी—(श) इक्षर, ईक्षर का,
ययनी—(क्र) पकाए हुए मांस का	इक्षर-सम्बन्धी अग्नि की पूजा
रसा, शोरवा, फिर व लिए	करा पाला, पारपी
रकरा हुआ मोहन	यजी—(फ) एक प्रसिद्ध व्यक्ति
यलदी—(शु०) शुभ, अष्ट	जिसने करबल में हजरत इमाम
ययामा—(प) तुर्किस्तान का एक	हुसेन को मरवाया था
प्रान्त जहाँ व निवासी बह	यज—(फ) देखो “यजद”
सुन्दर होते हैं, यज, हाका	यतीम—(अ) अनाथ, वह बालक
यगमाई—(फ) उदेषा, हाजू	जिसके मा बाप मर गए हो
यगा—(फ) अकेले	यतीम खाना—(मि) वह बगद
यगानत—(क्र) एकता, मेडबोल,	जहाँ यतीम बालक रहते हो,

अनायालय

यतीमी—(अ) अनायावस्था, यतीम होने की हालत

यद—(अ) हाथ, कर, हस्त

यत्नेतूवा—यहूत लम्बा हात, आबानु बाहु, दक्षता, प्रवीणता

यदे बैजा—(अ) हज़रत मूसा का वह हाथ जो आग में जलकर सफेद चमकदार हो गया था यानी इश्वरीय प्रकाश आगया था, चमकदार और गौरा चिट्टा हाथ

यम—(फ) नदी, दरिया

यमन—(अ) अरब देश का इस नाम से प्रसिद्ध प्रान्त

यमानी—(अ) यमन का निवासी, यमन सम्बन्धी, यमन की भाषा या अन्य कोई वस्तु

यमान—(अ) यमन देश का, यमन सम्बन्धी, यमनी

यमानो—(अ) देखो यमनी

यमीन—(अ) दक्षिण हस्त, दाहिना हाथ, दाहिना, याँ, शक्ति, बल, शपथ, सौगन्

यमीन-व-यसार—(अ) दाहिना और

बायों

यरक्तान—(अ) कामला या पीलिया नामक रोग

यरगमाल—(फ) कोई वाग या शत पूरी करने के लिए दी गई एक प्रकार की ज़मानत, इसमें किसी आदमी या वस्तु को उम्र व्यक्ति के पास जिसने लिए कुछ देना है या जिसमें कुछ वादा किया है उस समय तक के लिए रग दिया जाता है जब तक देना चुकाया जाय या वाग पूरा किया जाय वह व्यक्ति या वस्तु जो इस तरह ज़मानत में रखी जाय

यल्गर—(तु०) आक्रमण, हमला, घावा, चढ़ाई

यल्ग—(फ) अघेरा और लम्बी रात,

यगन—(फ) एक प्रकार का मूल्यवान हरे रंग का पत्थर

यशम—(फ) देखो “यशच”

यमार—(अ) बाँया हाथ, बाँर ओर, पश्चिम, सम्पन्नता, मन्भाग, अभागा

यहूद—(अ) एक देश का नाम

जहाँ पर हजारों रंगों पैदा हुए
ये, "यहूनी" का बचपन

यहूना—(अ) हजारों युवकों का यह
नाम का नाम

यहूनी—(अ) यहूनी देश का रहने
वाला, यहूनी जाति का

या—(अ) अगवा, या, दे, (जैम-
या गुण-य परमात्मा)

याँ—(रि) यहाँ का भूमि रूप

याअला—(अ) दे परादखर

याकून—(अ) एक रंग विनोद जो
जल रंग का होता है लाल
नामक रंग, इसमें प्रेमिका का
रोग को उपमा गी जाती है

याकृत नाम—(मि) प्रेम-यात्र या
प्रतिका का होठ

याकून जिंगरी—(मि) लाल रंग का
याकून

याकृत रया—(मि) लाल रंग की
मरिच, रान के आँख

याकूनों—याकून या लाल सम्प्रदाय,
एक अत्यंत पौष्टिक दवा

याकून—(अ) एक पैसाधर का नाम

याग—(घ) रागन, स्नेह

यागी—(उ) बेरी, शत्रु

याजूज—(अ) उपद्रवी, शत्रुवाह,
घैतान, दातारी, इस नाम से
प्रसिद्ध एक दुष्ट व्यक्ति जो
लोगों को सताया करता था
उत्तरी भूय का निवासी

याजूज का माजूज—(अ) उक्त
नामों से प्रसिद्ध दो माई जो
बहुत दुष्ट थे लोगों को अज्ञान
सताया करते थे

याग—(फ) स्मरण, स्मरण शक्ति,
स्मृति, स्मरण करने की क्रिया

याग आगरी—(फ) स्मरण शक्ति,
याग आना, किसी को याग
करके उग्रता मिलना और कुगल
पूजना

यादगार—(फ) स्मृति चिह्न, यागारी
(फ) "यादगार"

याग गारे जमाना—(फ) वह काम
या बहुत जो लोगों को बहुत
समय तक याद रहे, फिर
स्मरणीय

याददास्त—(फ) स्मृति, स्मरण
शक्ति, याग रखने के लिए
लिखी हुई कोई बात अथवा
की हुई कोई क्रिया

याद दिहानी—(फ) स्मरण कराना

याद दिलाना

याद दिही—(फ) स्मरण करना,

याद रखना

याद फरामोश—(फ) एक प्रकार का

खेल जिसमें एक आदमी दूसरे

को कोई चीज़ देता है उस

समय लेने वाला बोलता है

“याद है” अगर लेने वाला

“याद है” कहना भूल जाता है

तो देने वाला कहता है

“फरामोश”

याद बटौर—(मि) यह वाक्य नि

सम्बन्धी या प्रिय की याद करते

समय बोला जाता है, “जिसका

हम स्मरण करते हैं वह

मनुष्य है”

यादघूद—(फ) स्मरण, स्मृति

यानी—(अ) अर्थात्, भाव यह कि

याप्त—(फ) आय, आमन्, लाभ,

पाना

याप्तनी—(फ) मिलन वाली, प्राप्त

होने वाली, प्राप्तव्य, प्राप्य धन

यात्र—(फ) पाने वाला, प्राप्त करने

वाला, मायूस करने वाला प्राप्त

करना, जैसे वीगिक गन्दों के

पीछे, जैसे टख्खाना, कामयाब

आदि

या बिन्दा—(फ) पाने वाला

यानी—(फ) पाना, पाने की क्रिया,

जैसे-कामयाबी, फनइयानी

याबू—(तु) घोड़ा, टट्ट

याम यामा—(फ) डाक का घोड़ा

यार—(फ) मित्र, सहायक, साथी,

प्रिय, प्रेमी या प्रेमिका, उपपत्ति,

चार

यारनामा—(फ) शुभ कार्य

यार फरोश—(फ) मित्र की प्रशंसा

करने वाला, चापलूस, खुशामदी

यार फरोशी—(फ) मित्र की प्रशंसा

करना, चापलूसी, खुशामद

या रय—(अ) हे परमेश्वर, अरे

राम ! की भांति शोक या आश्चर्य

में भी इसका प्रयोग होता है

यार बाज—(फ) मित्र मिलापिया में

अधिकांश समय बिताने वाला,

पुश्चिनी या दुश्चरित्रा स्त्री

यार बाश—(फ) अपना अधिकांश

समय यार दोस्तों में बिताने

वाला, मिलनसार, कामुक

यार बाशी—(फ) यार या तो म
उठना उठना, मिलनगारी,
कागजता

यार मार—(मि) पिशो के साथ
पारससपात करे वाला, मित्र
रहा भी वाला

यारा—(फ) पगल, गड़ि, सामथ्र्य,
दूर, मांस

याराई—(फ) उपाय, प्रतीकार, महा
यता, इलाज

यारान—(फ) यार का “बहुतान”

याराना—(फ) निवा का-सा रिश्ता की
मानि, प्रेम, शेरनी, मित्रता,
स्नेह

यारिश—(फ) रिश्ता, इरादा, इलाखेप

यारी—(फ) मित्रता, महायता, प्रेम,
खी पुख्त का अनुचित प्रेम

यारी शर—(फ) सहायक, मित्र,
मददगार

यारे गार—(मि) अनन्य मित्र, अमित्र
मित्र सखा दोस्त, दुख-सुख
सब म महायता देने वाला, गार
या क्रम मे भी साथ देने वाला

यारे जानी—(फ) दिन्नी दोस्त, प्राण
प्यारा, परम प्रिय

याल—(तु) गान या गदन पर द
बाग, दोर या घोड़ की गान
फ बाल, फतर, अयाग

यावर—(फ) सहायक, मददगार

यावरो—(फ) सहायता, मदद

याया—(फ) बेटुगी, बहूना, बनि
पेर की (बात)

यायागा—(फ) बेटुगी या ऊपनीग
बार ४ नेगाला, बहूना बरना
करनेवाला, बरयादी

यायागोई—(फ) बहूना बरना, नि
यक या ऊपनीग बातें करना

याम—(अ) निराग, हताग

यामम—(अ) } चमेली का फूल,
याममन—(फ) } चमेली

याममान—(फ) देरों “यातमान”

यामम यास—(अ) चमेली का फूल

यासा—(तु) शोक, वष, हत्या,
नाश, लज्ज-वसोट

याह—(अ) हे परमेश्वर, एक जातिका
कथूतर जिसका शब्द “याहू”
के समान होता है

युमन—(अ) सौभाग्य, खुश किस्मती,
सफलता

यूग—(फ) तैलों के बर्तनों पर रक्खा जानेवाला जूआ, युग

यूज—(तु०) सौ, शत, चीतानामक हिमक जतु

यूजा—(फ) पेड़ का तना, पीढ़

यूनस—(इब्रानी) गम्भा, स्तम्भ, एक पैगम्बर का नाम

यूनान—(म०) एक देश विशेष

यूनुस—(अ) देखो “यूनस”

यूरिश—(तु) आक्रमण, धावा, चढ़ाई, लूट ले जाना

यूलची—(तु) माग म बैठकर भीग मोंगनेवाला

यूस—(अ) निराश, हताश

यूसुफ—(इ०) एक प्रसिद्ध पैगम्बर

यूहा—(अ) एक कल्पित सोंप जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि जब यह हजार वर्ष का हो जाता है तो उसमें अच्छानक रूप धारण करने की शक्ति आजाती है

येलाऊ—(तु) यह स्थान जहाँ गर्मियों में भी ठंडक रहती है, ग्रीष्म निवास

योम—(अ) दिन, दिवस, रोज

योम—(अ) देखो “योम”

यामुल हिमाव—(अ) ऋषामत का दिन, मुसलमानों के मतानुसार सृष्टि का वह अंतिम दिन जिस रोज प्रत्येक प्राणी से उसके शुभाशुभ कर्मों का हिसाब मांगा जायगा

यौमिया—(अ) नैतिक, नित्य का, प्रतिदिन का, दैनिक पारिवारिक, रोजाना की मजदूरी, नित्य, रोज, प्रतिदिन

र

रग—(फ) किसी दृश्यमान पदार्थ के आकार प्रकार से मिल बढ गुण जो केवल आँखों से ही जाना जा सकता है वण, वह पदार्थ जो कोई वस्तु रगने में काम आवे दग, शैली, प्रभार, चेष्टा, कान्ति, शोभा, सौन्दर्य, यौवन, महत्त्व, घाक, आनन्द, उत्कर्ष, श्रीला, कीर्तक, मौज, प्रमोद, हृदयोद्दाम, मन उमग, अवस्था, दशा, ताज के चार प्रकारों में से प्रकार

रग उडना

होना, शोभा जाती रहना	तमाशे
रग चूना—यौवन का पूर्ण उभार होना	रगरली—(मि) आमोद प्रमोद, आ नन्द मौज, खेल तमाशा
रग जमना—प्रभाव या असर पड़ना, धाक बैठना	रगरेज—(फ) कपड़ा रगने वाला, कपड़ा रगने का काम करने वाला
रग जमाना—प्रभाव डालना	रगरेली—(मि) “देखो रगरली”
रग टपकना—“रग चूना”	रगमाज—(फ) रग बनाने वाला, लंछलकड़ा आदि की चीजों पर रग चढ़ाने वाला
रग नितरना—चेहरे या शरीर का साफ और चमकदार होना	रंगाई—(हि) रगने का काम, रगना, रगने की मजदूरी
रग घटलना—हृदय या अवस्था का पलट जाना	रगारग—(फ) रंग विरंगा, अनक रगों का
रग बाधना—रग जमाना	रगीन—(फ) रगा हुआ, रगदाद, चमत्कारपूर्ण, बिलासी, आनन्द प्रिय, आमाद प्रिय
रग म भग पड़ना—आनन्द में विभ्र पड़ जाना	रंगोला—(हि) रस्तिफ, मौजी, आमोद, प्रिय, प्रेमी, मुन्दर
रग आमेज—(फ) चित्रकार, चित्तेरा, रगों द्वारा चित्र या बेलबूटे बनाने वाला	रज—(फ) दुख, कष्ट, शोक, गेद
रात—(मि) आनन्द, मजा, रग का भाव, अवस्था, दशा	रजा—(फ) कष्ट, दुःख, प्राय मौमिकों के अन्त में—जैसे कर्मरजा करमाएगे अर्थात् अपने पैरों का कष्ट देगे
रग ढग—(मि) लम्पण, गंगा, हालत, ध्वजार वर्ताव, तौर-तरीक	रजिश्—(फ) पैर, शत्रुता, मन मुटाव
रग वसत—(फ) पक्का रग	
रगरलियाँ (मि) “रगरली” का बहु वचन, अनेक प्रकार के आमोद प्रमोद, आनन्द, मौज, खेल	

रजीदगी—(फ) दु ख, कष्ट, अप्रसन्नता

रजीदा—(फ) दु खित, शोकाकुल,
उदास, अप्रसन्न

रजीदा खातिर—(मि) जिसका मन
अप्रसन्न या दुखी होगया हो

रजूर—(फ) बीमार, दुखी, पीड़ित

रअद—(अ) रादलों का गड़गड़ाना
मेघ-गजना

रअना—(अ) अत्यन्त सुन्दर, बनाव
शृंगार करके रहनेवाला, एक
फूल विशेष जो बाहर से पीला
व अन्दर से लाल होता है, रेना
दो रत्ना

रअनाइ—(अ) सुन्दरता, सौन्दर्य,
बनाव व शृंगार, टोकरापन

रअय—(अ) भय, डर, आतंक

रअय्यत—(अ) प्रजा, रियाया, रैयत

रअशा—(अ) रोग विशेष जिसमें हाथ
पैर कांपन लगते हैं, कम्प वात,
कम्पन, कापना, थरथराना

रईस—(अ) अमीर, धनी, एश्वय
वान, प्रतिष्ठित नागरिक, सर
दार, बटा आदमी जिसके पास
रियासत हो

रइसी—(अ) रइसों कासा, रइसपन

रइस का भाव

रऊनत—(अ) अभिमान, घमण्ड,
दुष्टता, तुष्टि

रऊसा—(अ) “रईस” का बहुवचन

रऊअत—(अ) प्रसिद्धि, रयाति,
सुकाव, टेढ़ापन, नमाज का

आघा चौघाद या तिहाई भाग

रऊना—(अ) भूमिभाग, भूमि आदि
का क्षेत्रफल, नटीतट की भूमि

रऊम—(अ) नकली, धन, दौलत,
आभूषण, गहना, लिंगना,

लिखने की क्रिया, प्रकार, भाति
छाप, मोहर, अक्षरों पर बिंदी

लगाना, धूत, चालाक, मक्कार

रऊमगार—(मि) व्योरेगार, विवरण
युक्त

रऊमी—(अ) लिखित, लिखा हुआ,
छाप या मोहर लगाया हुआ,

चिह्नित

रऊन—(अ) तरकीब, युक्ति, दग,
तराफा, विधि, चदा म रऊन
की तरकीब,

रऊन—(अ) घोड़ की ज़ीन म अगल-
बगल लटकने वाले पायगान,
जिनमें सवार पैर रखेता है

पिया हो, दूध भाइ

रजील (अ) अधम, नीच, निकृष्ट,
कमीना, नीच जाति का

रजीलत—(अ) नीचता, अधमता,
निकृष्टता

रजीला—(अ) नीच स्त्री, अधमा,
पतिता

रजूम—(अ) पत्थर मारने वाला

रज्ज्नाक्त—(अ) पालक, पोषक,
विश्व भर, रिक्त अथवा भोजन
देने वाला, इदर का एक
विशेषण

रज्ज्नाकी—(अ) पालन पोषण करना,
रिक्त देना

रज्म—(फ) दगो 'रज्म'

रज्मगाह—(फ) दगो 'रज्मगाह'

रज्मिया—(फ) युद्ध सम्बन्धी लड़ाई का

रतल—(अ) एक तोल, तोलने का
एक वात जो आध सेर के बराबर
होता है शराब का प्याला

रत्नत—(अ) नमी, तरी, सीलन

रत्न—(अ) सखा, खुश, खराब, बुरा

रत्न वयायिस—(अ) भला-बुरा,
अच्छा और गराब सब

रत्न—(अ) तोड़ फोड़, या काट छोट

कर बेकार किया हुआ, वापस
लेलेना न मानना, 'र्थ' कर
देना, खराब निकम्मा

रत्नीफ—(अ) अन्त्यानुपाम, अन्तिम
तुल्य, छोटे पर किसी सवार के
पीछे बैठने वाला

रत्नीप्रवार—(मि) अड़ो और मात्राओं
के क्रम से लगाया हुआ

रद्द—(अ) देखो "रत्न" के वमन,
छर्त्ति

रद्ददल—(मि) अल-बल, फेर फार,
परिवहन

रद्दी—(अ) निकम्मा, निरर्थक, बेकार

रत्ना—(फ) लकड़ी छील कर चिकनी
करने का औजार, लकड़ी छीलना,
लेमागना, चुगना

रफअ—(अ) हटाना, दूर करना,
एक ओर करना, ऊँचा करना
रफ रफ—(अ) वह सवागी जिसपर
चढ़कर मुहम्मद सादब खुश से
मिलने गये

रफा—(अ) हटाना, दूर करना, एक
ओर करना, निवृत्त, शान्त
निवारित, ऊँचाई, अलग रहना,
छोड़ना, परित्याग

रफाअत—(अ) उच्चता, ऊँचाई उच्च पद	को मुई द्वारा तागे भरकर ठीक करना
रफाकत—(अ) रफीक, अथात्, मित्र या साथी होने का भाव, मित्रता, मंत्री, मैल-जोल, सग साध, निष्ठा	रफूगर—(मि) रफू करनेवाला रफूचकर—(मि) गायब, चपत रफ्त—(फ) गया हुआ, गत, जाना, गमन
रफादफा—(अ) निवृत्त, शान्त, दूर करना	रफ्तगी—(फ) जाना, गमन रफ्तनी—(फ) नियात, मालका बाहर जाना, जाने की क्रिया या भाव जाना
रफाह—(अ) आगम, सुग सुविधा, रित, परोपकार, दूसरों की भलाई	रफतन व गुजश्त—(फ) जिसकी ओर कुछ ध्यान न दिया जाय, गया- बीता
रफाहत—(अ) भलाइ, रित, सुग, आगम	रफतार—(फ) चाल, गति रफतार व गुफतार—(फ) चाल-चाल और बात चीत
रफाहियत—(अ) देखो “रफाहत”	रफता-रफता—(फ) शनै शनै धीरे धीरे, क्रम क्रम से
रफाहेआम—(अ) सब साधारण की भलाई का काम, लोपोपकार का काय	रव—(अ) पालन पोषण करने वाला, विश्वम्भर, इश्वर
रफिक्त—(अ) नम्रता, कृपा	रवन्ना—(अ) हे मेरे परमेश्वर
रफीज—(अ) सज्जन, प्रतिष्ठित, माननीय, उच्च पदाय, ऊँची आवाज़	रवाना—(अ) सारंगी के दग का एक बाजा
रफीक्त—(अ) मित्र, प्रेमी, साथी, सगी, सहायक, द्वि	रवानी—(अ) रवाय बचानेवाला
रफीक—(अ) चमकना	रवी—(अ) वह फल जो दमन्त में
रफू—(अ) फटे-फटे कपड़े के छेद	

- गति आदि देवने का यत्र,
 बाँट, हिस्सा, भाग, अंश
 रसदगाह—(फ) वेधशाला, नक्षत्रों
 की गति देवने का स्थान या
 साधन
 रसद रसानी—(फ) रसद पहुँचाना,
 रसद ले जाना
 रसन—(फ) रस्ती, डोरा
 रसन बाज़—(फ) नट, बाज़ीगर
 रसाँ—(फ) पहुँचाने वाला
 रसा—(फ) पहुँचाने वाला, उच्चा होने
 वाला, दूर जाने वाला
 रसाइल—(अ) “रिसाला” का
 बहुत बचन, मासिक परिवर्तण या
 बहुतसी छोटी-छोटी पुस्तकें
 रसाई—(फ) पहुँच, पहुँचाने का भाव
 रसालत—(अ) सन्देश पहुँचाना,
 पयाम्बरी
 रसीद—(फ) प्राप्ति-स्वीकार, पहुँच,
 किसी वस्तु की पहुँच के प्रमाण
 में लिखा हुआ पुजा या पत्र,
 मेवा का पकना, परिपक्व
 रसीदगी—(फ) पहुँच, पहुँचने का
 भाव, मुचलेना
 रसीदा—(फ) परिपक्व, पहुँचा हुआ,
 प्राप्त, प्रौढ़
 रसीदी—(फ) रसीद का, रसा
 सम्बन्धी
 रसील—(अ) सन्देश-वाहक, सार्थी
 रसीला—(अ) सन्देश, पत्र,
 रसूख—(ख) मेल-जोल, सम्बन्ध,
 प्रभाव, विश्वास, दृढ़ता, धैर्य,
 अध्यवसाय
 रसूम—(ख) “रसम” का बहुवचन
 प्रथाएँ, रीतियाँ, लोकाचार, नेम,
 दस्तूर
 रसूल—(अ) सन्देश वाहक, सन्देश
 लेकर भेजा हुआ व्यक्ति, दूत,
 इन्वरीय सन्देश लाने वाला
 पैगम्बर, माग-दर्शक, मुहम्मद
 साहब की उपाधि
 रस्ता—(फ) “रास्ता” का संक्षिप्त
 रूप, मार्ग, पथ
 रस्म—(अ) रीति, रिवाज, लोका
 चार, परिपाटी, दस्तूर, मेल
 जोल, वेतन, तनख्वाह
 रस्मियात—(अ) रीति रियाज की
 बातें
 रस्मी—(अ) रस्म सम्बन्धी, साधारण,
 सामान्य

रन्मुलखत—(अ) लेखनविधि

रन्मोराह—(मि) मेलजोल

रह—(फ) “राह” का सञ्चित रूप,
माग, रास्ता, पथ, कायदा,
कानून

रहगुजर—(फ) सार्वजनिक माग,
आम रास्ता, सड़क, कारण

रहजन—(फ) चोर, छुटेरा, वह जो
माग में शान्ति का को खूता हो,
उद्यम

रहन—(अ) रेहन, गिरवी रखना,
बेचना

रहनुमा—(फ) माग दिखानेवाला,
पथ प्रदर्शक

रहजर—(फ) नेता, अगुआ, पथ
प्रदर्शक, रहनुमा, माग दिखाने
वाला

रहम—(अ) दया, कृपा, अनुग्रह
करुणा, क्षमा, उखलना, देना,
नियम का गर्भाशय, बचावनी

रहमत—(अ) दया, महरबानी, नैन,
वशा, वृष्टि

रहमदिल—(मि) दयालु, कृपालु,
नरम, रमभाव का, दयालु चित्त

रहमान—(अ) दयालु, दाना, इश्वर

का एक विशेषण

रहरवा—(फ) पथिक, यात्री, मुसाफिर

रहरौ—(मि) यात्री, बटोही, मुसाफिर

रहल—(अ) पुस्तक रखने के लिए
लकड़ी का बना विशेष प्रकार
का पीठ, मञ्जिल, प्रस्थान करना,
सामान

रहलत—(अ) वृत्त, प्रस्थान

रहवार—(फ) अच्छा घोड़ा जो सुन्दर
चाल से चले

रहाइश—(हि) रहने का स्थान,
रहने का दग

रही—(फ) दास, गुलाम, सेवक

रहीम—(अ) रहम या दया करने
वाला, दयालु कृपालु, इश्वर का
एक विशेषण

रा—(फ) लिए, यौगिक के अन्त में,
चैते—खुशरा

राइन—(अ) प्रचलित, जारी, जिसका
रिवाज या चलन हो, रायज

राइ—(अ) संरक्षक, शासक

राकिम—(अ) लिमनेवाला, लेखक

राकिस—(अ) नतक, नाचने वाला,
नक्षत्र विशेष

रागित्र—(अ) प्रवृत्त, आवर्षित, घुका

हुआ, रवि रखनेवाला, धान देनेवाला	राजे उलफन—(फ) प्रेम का राज
राज—(फ) रहस्य, भन्, गुप्त बात	राजे जमी—(फ) वनस्पती फूल-पत्त
राजदो—(फ) रहस्य रित्, भेद जानने बला	राजे तिल—(फ) द्रव्य का भन्
राजदार—(फ) रहस्य या भेद की बात जाननेवाला, राजदो, सार्थी, सगी, रहस्यवित्	राजे निहो—(फ) गुप्त रहस्य, भेद
राजदारी—(फ) भन् या रहस्य जानना, राज जाहिर न होने देना	रातना—(अ) नित्य प्रति का साध और नियम भोजन (विशेष घोडे आदि का)
राज न नियाज—(फ) प्रेमी और प्रेमिका के पारस्परिक नखरे आर चोचले	रातिन—(अ) रोजाना की चपी खुराक, रातगा
राजिक—(अ) रिक्त अथात् नियम का भोजन देनेवाला, जीविका लगाने वाला, पिश्वग्गर	रातिगा—(अ) वेतन, वृत्ति, आदिका
राजियाना—(फ) मौक, शतपुष्पा	रात—(फ) जाव, जग
राजी—(अ) प्रयत्न, बात मानने को तयार, सम्मत, खुश, सुखी, स्वस्थ, चंगा, नीमोग, सहमति, अनुकूलता, राजामन्दी	रानाड—(अ) देखो “रअना
राजी नामा—(फ) वह छेला विशेषे द्वाग नदी प्रतिवादी जेनो नेल करले	रानी—(फ) चलाना, चलाने का (बौगिकों के अन्त म, ब्रह्म राजनी)
	राफा—(अ) हटानेला, दूर का दान, मिगानेवाला, निवृत्त का बाल, उठाने वाला “फा क जाल
	राफिजी—(अ) वह सेना जे आ सेना-नायक का साथ छोड़ सुधी मुगलमान इस शब्द

प्रयोग शिया मुसलमानों के लिये करते हैं, क्योंकि शियाओंके एफ नल्ने अपने सरदार 'जैत' का साथ छोड़ दिया था

रायता—(अ) रस्त-जन्म, मेल जोल, रिश्तेदारी, सब ध

राम—(फ) दाम, सेवक, गुलाम, आशाशरी, अधीन

रामिश—(फ) आनन्द, संगीत, गवैया

राय—(फ) सम्मति, सलाह, मत, समझ, बुद्धि

रायगी—(फ) व्यर्थ, निरर्थक, निष्फल

रायगाँ खराह—(फ) मुफ्तगोर, सत खाने वाला

रायज—(अ) देखो "राइज"

रायज-उल-वक्त—(नि) वर्तमान काल में प्रचलित

रायज़न—(फ) सम्मति-दाता, आलोचना या मीमांसा करने वाला, बुद्धिमान, समझदार

रायज़नी—(फ) किसी के सवध में अपनी सम्मति प्रस्तुत करना, आलोचना करना

रायश—(अ) रिश्त लेने देने में

दलाली करनेवाला, रिश्त का मिचौलिया

रावी—(अ) कहानी लेखन, कथा वाचक, रवायत करने वाला, कोई बात कह सुनाने वाला

राश—(फ़) अन्न का ढेर, रागी

राशा—(अ) देखो "रम्गा"

राशिद—(अ) घम पथ पर चलने वाला, धार्मिक

राशी—(अ) रिश्त लेने वाला, घूम खोर, [बस्तुतः रागी का अर्थ रिश्त देनेवाला है, रिश्त लेने वाला, "मुतशी" कहाता है]

रास—(अ) ऊँचा, उँचाइ, ऊपरी-भाग, सिरा, सवारी में जुते हुए बैल या घोड़े को नियंत्रण में रखने के लिए उसकी नाथ या लगाम में बाँधी हुई लम्बी रस्सी, बाग, पशुओं की सरया सूतक शब्द, अन्तरोप, राहुनामक ग्रह, रास्ता, अनुसूल

रामिख—(अ) रूढ़, पक्का, नीसान्तर व गंधक का योग से तयार की गई ताम्र मसम

रामौ—(फ़) नेदला, नौग

रास्त—(फ) सच्चा, सीधा, ठीक,
सही, दुस्त, उचित, अनुकूल,
दाहिना, सगीत का एक वर
रास्ता

रास्त आना—(मि) अनुकूल रहना,
विरोध त्यागना

रास्तगो—(फ) सत्य बात कहनेवाला,
उचित बात कहनेवाला

रास्तगज—(फ) सच्चा, इमानदार

रास्ता—(फ) मार्ग, पथ, युक्ति,
उपाय, तरीका

रास्ती—(फ) सच्चाई, शान्ति

राह—(फ) रास्ता, पथ, मार्ग,
झाया, कानून, रीति रिवाज,
प्रथा, दंग, तराका, चालचलन,
मेल जोल, संग साथ, प्रतीभा,
इन्तज़ार

राहखर्च—(फ) मार्ग-व्यय, रास्ते में
होनेवाला खर्च

राहगीर—(फ) पथिक, यात्री, मुसा
फिर, मार्ग चलनेवाला, राही

राहगुजर—(फ) देगो "राहगुजर"

राहजन—(फ) देगो "राहजन"

राहजनी—(फ) लड़कियों, न्यामारी

पहत—(अ) आगम, मुग, चैन,

हुथली

राहेतजान—(मि) मन या प्राणों को
प्रसन्न करनेवाली वस्तु, हृत्वा
हादक

राहगार—(फ) वह कमचारी जो किसी
मार्ग की देखरेख अथवा उधर
में आने-जाने वाले व्यक्तियों या
सानान पर कर वसूल करने में
नियत हो

राहगारी—(फ) वह घर जो किसी
मार्ग में आने जाने वालों से
वसूल किया जाय चुगी, मसूल,
मेल मिलाप, मार्ग की रक्षा

राहनुम—(फ) देगो "राहनुमा"

राहवर—(फ) देगो "राहगर"

राहविरा—(फ) चाल चलन, दंग,
दंग, गार-तरीका

राहरी—(फ) यात्री, पथिक, यात्री,
गहगीर

राह उ रस्त—(मि) मेल जोल, रस्त
जन्त, राह रम

राह उ रस्त—(मि) मेल जोल

राहिन—(अ) गिरवी रखनेवाला,
रहन करनेवाला, बेचने वाला,

राहिव—(अ) ससार-यात्री, विरह,

एकान्तवासी
 राहिम—(अ) रहम करने वाला,
 दयालु, रहीम
 राहिला—(अ) यात्रियाँ का समुदाय,
 काफिला
 राही—(फ) पथिक, मुसाफिर, यात्री
 राहेरास्त—(फ) सीधा मार्ग, सच्चा
 रास्ता, धर्म और न्यायोचित
 मार्ग
 रिआयत—(अ) नमी, पक्षपात,
 विचार, ध्यान, न्यूनता, क्षमी,
 दयापूर्ण व्यवहार
 रिआयती—(अ) जिसमें कुछ रिआ
 यत रखी गयी हो, रिआयत
 सम्मर्पण, जिसमें कुछ क्षमी या
 सुविधा की गई हो
 रिआया—(अ) प्रजा, रयत
 रिआय—(अ) देगो “रफ़्तार”
 रिआयी—(अ) देगो “रफ़्तारी”
 रिक्कत—(अ) आनन्दतिरस्क के कारण
 आवेश में आना, धक्का,
 रोना घाना, रुदन, कोमलता,
 दया, अनुकम्पा
 रिजक—(अ) नित्य का भोजन,
 जीविका, रोज़ी

रिज्वाँ—(अ) मुसलमानों का एक
 देव दूत जो फिरदौस नामक
 स्वर्ग का दरोगा है
 रिजवी—(अ) प्रसन्नता, रजामन्दी,
 सहमति
 रिज़ाला—(अ) नीच, दुष्ट, पाजी,
 कुच्छ, कमीठा
 रिज़क—(अ) देगो, “रिज़क”
 रिन्द—(फ) सिद्ध पुरुष, पहुँचा हुआ
 महात्मा, स्वच्छन्द, मामूली,
 धार्मिक नियमों या पंथों को
 न मानने वाला, मत्त, मतवाला
 रिन्ना—(फ) बेढगा, बेहूदा, घालि-
 यार, शरारती
 रिन्दाना—(फ) रिन्नों का सा, रिन्दों
 के दम का, रिन्नों से सम्बन्ध
 रखने वाला
 रिन्दी—(फ) रिन्पना, धूलता,
 एचपता
 रिफ़अत—(अ) मरहम, गौरव,
 महत्त्वा, उन्नत अवस्था की
 प्राप्ति, उन्नता
 रिफ़ाक—(अ) “रफ़ीक” का पद
 वचन
 रिफ़ाक़त—(अ) देगो “रफ़ाक़ा”
 रिफ़ाह—(अ) देगो “रफ़ाह”

रिफ़ज़—(अ) अधामिन्ता, धमंद्रोह

रियह—(अ) पफ़डा, पुफ़फ़स

रिया—(अ) दोग, पाखण्ड, धूतता,
छत्र, कपट, धोखा दिखावट,
बनावट

रियाई—(अ) दोगी, पाखण्डी, धूत,
ठली, कपटी, धोखेबाज़

रियाकार—(मि) धोखेबाज़, धूत,
मकार

रियाज़—(अ) “रौज़ा (बाग)” का
बहुवचन, बाटिकाएँ, बाग
यमीचे

रियाज़त—(अ) परिश्रम, महनत,
तपस्या, कष्ट सहन, सहिष्णुता,
अभ्यास

रियाज़त क़श—(मि) परिश्रमी,
सहिष्णु, तपस्वी

रियाज़ती—(अ) रियाज़त करने वाला,
परिश्रमी, कष्ट सहिष्णु

रियाज़ी—(अ) गणित, व्यातिष,
संगीत आदि त्रिशार्फ़

रियाज़ी तै—(मि) रियाज़ी का
ज्ञानकार

रियासत—(अ) राज्य, ज़मीनदारी,
अमीरी, अमन्दारी

रियाह—(अ) “रोह” “शरीर व
मीतर की वायु” का बहुवचन

रिवाज़—(अ) देगो “रवाज”

रिशवत—(अ) घूस, उत्कोच

रिशान—(अ) समाग पर आना,
उपदेश प्राप्त करना, रात, हज़ौ
मैदा

रिश्ता—(फ) नाता, सम्बन्ध

रिश्तेदार—(फ) नातेदार, सम्बन्धी

रिश्तेदारी—(फ) नाता, सम्बन्ध,
रिश्ता

रिश्तत—(अ) घूस, उत्कोच

रिश्त खोर—(मि) घूस खाने वाला,
घूसगोर

रिश्तसतानी—(मि) घूस खाना,
रिश्त लेना

रिसालत—(अ) रख या दूत होने
का भाव, दौलत, पैगम्बरी,
एल्चीगोरी

रिमालत पनाह—(मि) मुद्दमा साहब
का एक नाम

रिमालतार—(फ) मुद्दसवार मेना का
एक अप्रसर

रिसाला—(अ) छोटी पुस्तक,
पुस्तिका, चिट्ठी-पत्री, आवागेदी

सेना

रिहल—(अ) देखो “रहल”

रिहलत—(अ) मृत्यु, मौत, परलोक
यात्रा, यात्रा, खानगी, कूच,
प्रस्थान

रिहा—(फ) मुक्त, छुटकारा प्राप्त

रिहाइ—(फ) मुक्ति, छुटकारा

रिहाइश—(फ) देखो “रहाइश”

राम—(फ) पीन, मवात

रीश—(फ) दाढ़ी, छोटी पर के बाल

रीशकाज़ी—(फ) शराब छानने का
कपड़ा, रुई की टाट जो बोनल
में लगाई जायरीशखन्—(फ) हास्य का एक
प्रकार, मुस्कराना, परिहास,
हसी, टह्हा, मज़ाकरीह—(अ) वायु, प्राणियों के शरीर
के अन्दर की वायु, अपान वायु
पा

रअनत—(अ) देखो “रऊनत”

रऊानी—(अ) हृन् और बुद्धि
सम्बन्धी, अन्त कारण से सम्बन्ध
रखनेवाली, आध्यात्मिकरकन—(अ) तम्बा, स्तम्भ, आधार,
मुख्य अंग, शक्ति, बल

रक्वा—(अ) घुटना, घोट

रकूअ—(अ) नमाज़ पढ़ने समय
घुटना पर हाथ रख के झुकना,
नमन, नचनारक्का—(अ) बिही पत्री, पचा, पुजा,
विषदा, थगली, पैर, रूका

रकन—(अ) देखो “रकना”

रुअ—(फ) चेहरा, मुँह, मुग, दृष्टि
कोण, मन का झुकाव, हृन् का
भाव, चेष्टा, कृपादृष्टि, ओर,
तरफ, सामना, सामन का भागरुखमत—(अ) अवकाश, छुट्टी, काम
से छुटकारा, बिदा, बिनाइ,
कूच, प्रस्थान, खानगी, चल
पडनारुखसताना—(फ) हत्वमत या बिग
के समय दिया जाने वाला धन,
बिदाइरुखसती—(अ) पिटा नेने या करने
की क्रिया, बिनाइ, (विनोदकर
लक्ष्मी या दुल्हिन की)

रुखसार—(फ) गाल, कपोल

रुखसर—(फ) देखो “रुखमार”
कपोल या गाल का ऊपरी भाग

रुखाम—(फ) सगमरमर

रुखे गुलफाम—(फ) गुलाब के फूलों का सुंदर चेहरा

रुनदान—(अ) छकाव, प्रवृत्ति, रुचि

रुजू—(अ) प्रवृत्ति, छका हुआ, लगा हुआ आकृष्ट, लटपटा, बापस आना, अनुरक्ति, प्रवृत्ति, अभि योग की बड़ी अशक्त म दुनारा सुनवाई, पुनर्विचार

रुजूलियत—(अ) पुस्तक, विषय या सम्प्रयोग की शक्ति

रुतना—(अ) पत्, दजा, ओढ़ा, प्रतिष्ठा, मान

रुतूनत—(अ) देना "रतूनत"

रुफ़्फ़ा—(अ) 'रफ़ीक' का बहुवचन, मित्र-मण्डली

रुफ़ात—(अ) दृग हुआ, उज्र भिन्न, जो दुश्मने दुश्मने हो गया हो

रुफ़ूद—(अ) देना "रफ़ू"

रुय—(अ) घन सत्व, योगाकर गाढ़ा किया हुआ रस

रुया—(अ) आश्रय, पीचने वाला, चुराने वाला, योगिकों के अन्त म जैसे—दिलरुया) चायाई, चतुर्थी

रुयाअ—(अ) चतुर्थी, चायाई

रुवाई—(अ) चार चरणों का एक छन्द, जिसमें पहला, दूसरा और चौथा चरण सम दुरान्त हो

रुमूज़—(अ) देना "रुमूज़"

रुसवा—(फ) अपमानित, बदनाम,

रुसवाई—(अ) अपमान, निगन्द, अप्रतिष्ठा, बदनामी, कलह

रुसूख—(अ) पहुँच, मेलजोल, विश्वास, हदता, मजबूती, धैर्य, अध्ययनाय

रुसूम—(अ) देना "रुसूम"

रुस्त—(फ) वृक्षादि वनस्पतियों का उगना

रुस्तनी—(फ) उगनवाला, उगाहुआ, उद्भिज, घास पात आदि वनस्पति

रुस्तम—(फ) एक प्रसिद्ध पहलवान का नाम, बड़ा बहादुर, प्रसिद्ध धार

रुस्तमी—(फ) रुस्तमपना, बहादुरी, वीरता, बल प्रयोग, धीमा धीमी, ज़बरदस्ती

रु—(फ) मुँह, मुग, चहारा, आकृति, रुस, कारण, देना, मरब, आना, भरोसा, अपमान, आगे का हिस्सा, ऊपरी भाग, तल,

सतह

रुअ—(अ) बुद्धि, दृष्ट्य, अन्त करण,

रुइदगी—(फ) वनस्पति

रुए—(फ) देखो “रू”

रुएगाइ—(फ) बगन, झाल, उतात
समाचार, दशा, धारा, अग
लत की कायवाहीरुगश—(फ) सामने आने वाला,
श मुग होनेवालारुगरग—(फ) फिरा हुआ, पीछे को
उत्था हुआ, मुह मोट हुएरुग्वार—(फ) बड़ा और चौड़ा जल,
ढमरूग्ध, जलपूण देग, बट्टी
मील

रुगव—(फ) देखो “रुएगा”

रुनुमाइ—(फ) मुहरिखरनी, मुह
दिगना, मुँह देखने या दिगाने
की रस्म, मुँह दिगानारुपोश—(फ) टिपा हुआ, भागा
हुआ, फराग, जिसने अपना मुँह
टिपा लिया होरुवकार—(फ) सामना, सामने उप
स्थित करने का भाव, अगलत
की आज्ञा, आज्ञापत्र

रुवसारी—(फ) अमियोग की मुन

वाइ, मुग्धमे की पेशी

रुगराह—(फ) तैयार, प्रस्तुत, ठीक
किरा हुआ

रुगरू—(फ) समुग, मामने

रुगा—(फ) लोमटी, “रुवाह”

रुगागानी—(फ) धूतता, चालाकी,
मझारोरुम—(फ) एक देश का नाम, टर्की,
तुर्कीरुमाल—(फ) वह छोटा चौकोर
कपड़ा जो मुह पीछे के काम
आता है, चौकोना शाग या
दुपट्टारुमी—(फ) रुम देग का, रुम देश
सम्बन्धी, रुम देश निवासीरुमी मस्तगी—(फ) एक औषध
विशेषरुरिआयत—(मि) पक्षपात, तरफ
दारी, मुँहदेखीरुशनाम—(फ) प्रसिद्ध, प्रतिष्ठित,
परिचित, जान-पहचान का,
परिचय, मुग्धरुसक्रे—(फ) “दानी, मानी, प्रति
ष्ठित, निर्दय

रुसियाह—(फ) दाले मुँह का,

- अपराधी, पापी, अपमानित,
ज़लील
- रुह—(अ) आत्मा, जीवात्मा, जान,
सार, मत्व, खुशबू, इन का
एक प्रकार, प्रमनता, खुशी,
शीतल वायु
- रुह आशना—(फ) आत्मशानी
- रुह अफज़ा—(अ) हुन्याहानक,
चित्त को प्रवृत्त करनेवाला
- रुहानियात—(अ) आत्माएँ, भूत
प्रत
- रुहानी—(अ) आमिरु, रुह या
आमा सम्बन्धी
- रुहरवाँ—(फ) मुख्य सचालक
- रेखता—(फ) चून के योग में बनी
हुं इमाग्न दीवार आदि, बिना
प्रयत्न या इच्छा के अनायास
मुग से निकला हुआ, टपका
हुआ, गिरा हुआ, आरम्भ
उद्भू भाषा, दिल्ली की ठेंठ उद्भू,
अस्त-यस्त, दूधर ठधर बिगारा
हुआ
- रेखतागर—(फ) सँचि में टानकर
घरतन बनाने वाला
- रेखता गम—(फ) बंद सलवार या
- दुही जिसकी धार पत्थर आदि
कड़ी चीज पर गिरकर टाड़ गई
हो
- रेखता पा—(फ) तेज़ चलने वाला
मुन्तर घोड़ा
- रेखनी—(फ) स्त्रियों की बोली में रनी
हुइ कविता
- रेग—(फ) याद, रेत
- रेगज़ार—(फ) मरु प्रदेश, बालू का
मैदान
- रेगमाही—(फ) गोंडे या स्थान गांधा
की जाति का एक जीव जो
प्रायः रेगिस्तान में पैता है।
शकन कर
- रेगिस्तान—(फ) बालू का मैदान,
मरुभूमि
- रेगेरवाँ—(फ) उड़ने वाला गेठ,
औषी आदि के कारण उड़ने
वाली बाढ़
- रेज़—(फ) गिरनेवाला, बहने वाला,
पतियों का फलन, गिराना,
बहाना
- रेज़गारी—(फ) दुश्मनी, चक्करी
आदि छोट सिक्का
- रेज़गी—(फ) देखो “रेज़गाती

रेज़ा—(फ) अत्यन्त छोटा दुकड़ा,
सूक्ष्म गद्द, ग्वा, अणु, अण्ड,
नग, थान

रेज़ाकारी—(फ) तारीक काम करना

रेज़िश—(फ) प्रतिस्थाय, जुकाम,
मगी नजक, डालना, गिराना

रेज़—(अ) सन्देह, शक

रेवन्द—(फ) एक विरेचक दवा,
रेवन्द चीनी

रेज़—(फ) घाव, जखम

रेशम—(फ) 'अबरेशम' का मक्षित
रूप, एक अत्यन्त बारीक दूढ़
मुलायम और चमकदार तन्तु,
जिसे एक प्रकार के कीड़े तैयार
करते हैं

रेशमी—(फ) रेशम का, रेशम से
बना हुआ

रेशा—(फ) वृक्षों की अत्यन्त सूक्ष्म
जड़ें, पौधा की छाल आदि कूट
कर निकाले गए बारीक तन्तु,
सूक्ष्म तन्तु, स्रोतरे

रेशाकार—(फ) जिसमें छोटे छोटे
तन्तु या स्रोतरे हों

रेहन—(फ) देगो "रहन" बघरू,
गिरवी

रेहनदार—(मि) वह महाजन जिसके
पास ज़वर या जायदाद गिरनी
रक्खी गई हो

रेहननामा—(मि) वह कागज़ जिस
पर रहन रक्खी गई वस्तु के
सम्पन्न की शत आदि लिखी
गई हो

रेहान—(अ) एक प्रकार की मुगधित
घास, तुलसी की जाति का एक
जंगली पौधा जिसके फूल पत्ते
मुगधित होते हैं, एक प्रकार
की अरबी लिखने की प्रणाली

रैना—(अ) देगो "र अ ना" वह
स्त्री जो हर वक्त बनाव, शृंगार
किये रहे, अपनी मुत्तरता देग
कर प्रसन्न होने वाली, रूप
गर्विता, मुशोभित, खटुर,
चालार, एक पुण्य जो मीतर
से लाल और बाहर से पीला
होता है

रैनाद—(अ) शोमा, सुदरता

रैयत—(अ) प्रजा, रियाया

रो—(फ) उगने वाला

रोगन—(फ) र्नेद, चिकनाइ, तेल,
पाश्चि, बार्निश, वह पतला तैर

जिसे किसी चीज़ पर लगा देन
से उस चीज़ में चमक आनाय,
मिट्टीके बरतनों पर चमक गने
के लिए लगाया जाने वाला
मसाला

रोगनी—(फ) रोगन किया हुआ

रोगने काज—(फ) काज, (राज हस)
नामक पत्थी की चरबी

रोगने जर्त—(फ) घृत, घा

रोगने तेल—(फ) कड़ुआ तेल,
सरसों का तेल

रोगने सियाह—(फ) तेल

रोज़—(फ) दिन, दिन, नित्य,
प्रतिदिन, मृत्यु का दिन, एक
दिन की मज़दूरी

रोज़ अफजूल—(फ) नियत बढ़नेवाला

रोज़ा जायेन—(फ) स्वग, बहिश्त

रोज़गार—(फ) जीविकोपार्जन के
लिए किया जाने वाला काम,
व्यापार, व्यवसाय, पेक्षा, धंधा,
कारबार, तिजारत, काल, युग,
ज़माना, अवकाश

रोज़गारी—(फ) शपारी, व्यवसायी

रोज़न—(मि) छिद्र, सखा, छेद,
क्षरोत्वा

रोज़नामचा—(फ) वह गनिस्टर
जिममें नित्य का आयत्यव
अथवा किया हुआ काम लिखा
जाता है

रोज़ व रोज़—(फ) नित्य, प्रतिदिन,
हररोज़, रोजचाल, चलती घोड़ी,
नित्य के व्यवहार में आने वाली
भाषा

रोज़ा—(फ) घन, उपग्राम, वह उप
ग्रह जो मुसलमान लोग रमज़ान
का महीने में करते हैं, बाग
बाटिका, किसी राजा, महात्मा
या बड़े आत्मी की क़त पर
बनाई हुई इमारत, मक़बरा

रोज़ा कुशाद—(फ) रोज़ा खोलना,
रोज़ा इफ्तारना, पारना करना
दिनभर उपवास रखने के पश्चात्
सच्चा समय हुआ पार उप
वास तोड़ना

रोज़ा खोर—(फ) जो रोज़ा न रखता
है

रोज़ागार—(फ) जो रोज़ा रखता है,
उपवास करने वाला

रोज़ाना—(फ) नित्य, प्रतिदिन

रोज़ी—(म) जीविका, जीवन, निशान

का अवलम्ब, निर्य का भोजन,
रिज्ञक ।

रोज्ञीना—(फ) एक ग्नि की मजदूरी,
मासिक वेतन, दैनिक, प्रतिदिन
का

रोज्ञीनादार—(फ) दैनिक मजदूरी
पाने वाला वह जिसे मासिक
वृत्ति मिलती हो

रोज्ञीरसों—(फ) जीविका की व्यवस्था करने वाला, रोज्ञी पहुचाने वाला, रिज्ञक देने वाला, विश्वम्भर, इक्ष्वाकु

रोज्ञे जज्ञा—(मि) क्यामत का दिन, सृष्टि का यह अन्तिम दिन जिस रोज जीवों को उनके शुभागुण कर्मों का फल मिलेगा

रोज्ञेदाद—(फ) देखो “रोज्ञे जज्ञा”

रोज्ञे रौशन—(फ) दिन का समय, प्रातःकाल, सबेरा

रोज्ञे शुमार—(फ) देखो ‘रोज्ञे जज्ञा’

रोज्ञे सियह—(फ) काले ग्नि, विपत्ति या दुभाग्य के दिन

रोब—(अ) आतक, धाक, दबदबा, प्रभाव

रोबदार—(मि) प्रभावशाली, जिसकी

धाक हो, रोब दाब वाला

रोया—(अ) स्वप्न, सपना

रोशन—(फ) प्रकाशमान, प्रकाशित, चमकदार, चमस्ता हुआ, जलता हुआ, प्रकट, प्रसिद्ध

रोशन कयास—(फ) बुद्धिमान

रोशन चौकी—(मि) शहनाई या नफीरी बजाने वालों की मण्डली

रोशन जमीर—(मि) प्रत्युत्पन्नमति, विमल विवेक वाला, बुद्धिमान, समझदार

रोशनदान—(फ) वह खिडकी जिसमें से प्रकाश आने की व्यवस्था हो, गवाक्ष, झरोखा, मोखा

रोशन दिमाग—(फ) जिसका दिमाग खूब तेज हो, ऊँचे दिमाग वाला, विचारशील, खुले दिमाग का, मुधनी, नस्य

रोशनाई—(फ) लिपने की स्याही, मसि, प्रकाश, रोशनी, उजाला

रोशनी—(फ) उजाला, प्रकाश, दीया, दीपक, ज्ञान का प्रकाश, दीपक का उजाला

रोसिख—(अ) मजबूत, दृढ़, पक्का

रौ—(फ) चलने वाला (यौगिकों का)

अन्त म, जैसे पग रौ, आग
चलने वाला

रौशन—(फ) देखो “रौशन”

रौशन—(फ) छिद्र, छेद, सुगन्ध,
सरोवर, छोटी गिरफ्त

रौजा—(अ) उद्यान, वाटिका, बाग,
किसी गद्दशाह, महात्मा या बड़
ब्यान्मी का मकबरा

राजा खर्चो—(मि) किसी के रौजा
पर प्रतिष्ठा, हुआ पढ़ने वाला,
मरसिया पढ़ने वाला

रौजें रिज्जो—(अ) रवग की वाटिका,
नन्ग बग

रौद—(फ) नदी, नाला, बहता पानी,
एक बाग, कमान का रौदा,
धनुष की प्रत्यक्षा

रौनर—(अ) शोभा, सुशोभापन,
उम, सजावट, चमक-मक,
काँत, दीप्ति, आभा, आनन्द,
प्रकृष्टता, विषम, रूप, वर्ण
और आकृति

रौनरअपजा—(मि) शोभा बढ़ान
वाला

रौनरअपरोज—(मि) किसी स्थान
पर पहुँच कर वहाँ की शोभा

बढ़ान वाला

रौनर—(मि) सुशोभित, सुन्दर,
सजा हुआ

रौशन—(फ) देखो “रौशन” (रौशन
के शौमिकों के लिए भी गगन
के शौमिक देखो)

ल

लग—(फ) लगड़ा, लुब्ध, मफर में
पड़ा हुआ

लगर—(फ) वह जगह जहाँ बगानों के
लिए राटिया खोदी जाती हैं,
लोहे का एक बड़ा काटा जिस
पानी में डालकर उसके सहारे
बहाल या नाव को एक स्थान
पर खड़ा रख सकते हैं लगने
और हिलने वाला चीज, लोहे
की भारी ज़मीर या भारी रस्सा,
पहलवानों का लगार

लगरी—(फ) लगर सम्बन्धी, एक
बहुत बड़ी पगल

लअन तअन—(अ) गारिजा और
अपदान, तारे और अगम

लअव—(अ) लेख

लईन—(अ) बिते मानत की शाय,
विचार, शायित

लऊक—(अ) वह दवा जो चाटकर खाई जाय, अवलेह, चटनी

लऊक—(अ) अल्ल, उपाधि, उपनाम, रिताच

लऊकलऊक—(अ) अत्यन्त, क्षीणकाय, बहुत दुबला पतला, सारस नामक पक्षी

लऊकलऊक—(अ) उच्च आकाशा, सारस की बोली, माँप के बार बार जीभ लपलपाने की क्रिया, प्रभाव, आतंक, दबावा, सक शोरना, जोर से हिलाना

लऊकवा—(अ) एक प्रकार का वात रोग, पक्षाघात, फालिज

लऊका—(अ) मुरा, चेहरा, आकृति, शक्ल, एक जाति का बधूतर जिसकी पूछ हर समय नाचते हुए मोर की पूछ के समान रहती है तथा जिसके पैरों पर भी छोटे-छोटे पर होते हैं

लऊक य दऊक—(अ) जिसमें बहुत चमक-दमक हो, आडम्बरपूर्ण, जिसमें खूब शान-शौकत या दिखावट हो, ऊबड़, उजाड़, सुनसान

लऊका—(अ) एक प्रकार का सूखसूख बधूतर, लऊका

लखलखा—(क) कुछ सुगन्धित वस्तुओं के योग से तैयार की गई सुघनी, जिसको सुघने से मूर्च्छा दूर हो जाती है

लखत—(फ) दुकड़ा, खट, मांग

लखते जिगर—(फ) हृदय या कलेजे का दुकड़ा, हृत्पण्ड, सन्तति, औलाद, बेटा-बेटी

लखते दिल—(फ) देखो 'लखते जिगर'

लखशा—(फ) रपटीली चीज़, किस लन वाली जगह

लगजों—(फ) किसलता हुआ

लगजिश—(फ) किसलना, रपटना, भूल, भुटि, व्युति, जुगान का लड़गवाना

लगन—(क) तांब की एक प्रकार की बड़ी घाली, अधया परात

लगव—(अ) झूठ, मिथ्या, व्यर्थ, निरर्थक, बेहूदा बकना, कुत्ते का भौंकना

लगाम—(क) लोहे का विशेष प्रकार का औकड़ा जो घोड़े को नियन्त्रण में रखने के लिए उसके मुँह में

लगाया जाता है	लत्ता—(अ) कपड़ा, कपड़े का टुकड़ा
लगायत—(अ) तक, पर्यन्त अन्त तक, लिए हुए, सहित, साथ में	लन्तरानी—(अ) बहुत बड़ा घड़ कर बातें मारना, अनाप शनाप बहना,
लगो—(अ) “देखो लगव”	लींग, लेखी, आत्म-लगावा
लगियात—(अ) व्यय या वाहियात बातें	लफ्फा—(फ) घटमाश, दुष्टा, दुश्म रिश्ता, लफ्फा
लगाजत—(अ) लड़ाई, झगडा, अत्युक्ति	लफ्फा—(अ) मित्र, लपेटी हुई वस्तु
लगीज़—(अ) स्वादिष्ट, जायकेदार मजेदार, बढिया स्वादवाला	लफ्फा—(अ) शब्द
लज्जाम—(अ) लाजिम या आवश्यक होना अनिवार्य	लफ्फा य लफ्फा—शब्दशः, एक ही शब्द छोड़े बिना
लज्जत—(अ) स्वाद, जायका, आनन्द	लफ्फा—(अ) फेरल शब्द से सम्बन्ध रखनेवाला, शाब्दिक
लत—(फ) टेव, आनन्द, मारना, पीटना, लात, पैर	लफ्फा—(अ) लोटना
लताफत—(अ) सुक्ष्मता, कोनलता, पवित्रता, बढियापन, उत्तमता, स्वाद, जायका	लफ्फा—(अ) घटकर बातें मारने वाला, बहुत बातें कारने वाला
लतीफा—(अ) पवित्र, मृदुल, सुक्ष्म, उत्तम, कोमल, स्वादु, स्वादिष्ट, जायकेदार, बढिया मजेदार	लफ्फा—(अ) बहुत बढकर बातें मारना, लींग हाकना, बकवाद करना
लतीफा—(अ) सुटकुला, छोटी किन्तु चोजमरी कहानी या बात	लव—(फ) ओष्ठ, होठ, लार, छाला शूक, किनारा, तट, पान्य, पान
लतीफागो—(मि) लतीफा या सुटकुला मुनाने वाला	लयक—(अ) सुदिमता, पाठ्य, योग्यता
	लयनन्द—(फ) जो कुछ कर न सके, जिसके आठ बट हो
	लथरेज—(फ) मुह तक मगा हुआ, लथलथ, मुँहा मुह, छलछला

हुआ, भरपूर

लव व लहजा—(फ) बोलने का प्रकार, बात चीन करने का ढंग
 लबादा—(फ) दीला-ढाला और मोटा पहनने का कपड़ा जो बरसात से बचने के लिए सध कपड़ों के उपर पहन लिया जाता है

लबालब—(फ) मुँह तक भरा हुआ, किनारे तक भरा हुआ

लघूस—(फ) पोशाक, कपड़े (पहनने के)

लबेगोर—(फ) मरणासन्न, मृत्यु के समीप पहुँचा हुआ, कब्र के नजदीक पहुँचा हुआ, जिसके मरने में अधिक देर न हो

लबे दरिया—(फ) नदी तट, नदी का किनारा

लवेशीरी—(फ) मधुर होठ

लमहा—(अ) क्षण, पल, निमेष, बहुत थोड़ा समय

लम्स—(अ) छोटा, कामना, विषय

लरजना—(फ) कौपना, थरथराना

लरज़ों—(फ) कौपता हुआ

लरज़ा—(फ) कौपने की क्रिया, कौपना, थरथराना, कम्पन, कम्प

भूचाल, भूकम्प, भूडोल - -

लरज़िश—(फ) देखो “लरज़ा”

लवाज़िम—(अ) साथ में रहने वाली आवश्यक सामग्री “लज़िम” का बहुवचन

लवाहक—(अ) साथ रहने वाले लोग, साथ रहनेवाला सामान, सम्बन्धी, रिश्तेदार, माईमन्धु.

लश्कर—(फ) सेना, फौज

लश्कर कश—(फ) सेनापति

लश्कर कशी—(फ) चढ़ाई, आक्रमण, हमला, धावा, सेना एकत्र करना, सैन्य-समूह, फौज के ठहरने या रहने की जगह, सेना का पड़ाव

लश्कर गाह—(फ) लश्कर के ठहरने या रहने की जगह, छावनी

लश्करी—(फ) सैनिक, सिपाही, योद्धा, लश्कर से सम्बन्ध रखने वाला

लश्करी बोली—बहु बोली जिसमें विभिन्न बोलियों के शब्द मिले हों, उद्बु ज्ञानन, रिचड़ी मापा, बहाज़ के म्बलासियों की बोली

लसानियत—(अ) भाषा शास्त्र

लहस्तान—(अ) रलित माषी,
वाकपटु, अच्छा बक्ता।

लह्मानियत—(अ) वाक्यदुता, वाणी
का लालित्य

लहजा—(अ) ध्वनि, आवाज़, स्वर,
बोत्रने म स्वर का उतार चढ़ाव,
घोलने का ढंग

लहजा—(अ) निमेष, क्षण, पल,
बहुत थोड़ा समय, कम आँखियों
से देखना, बहुत थोड़ी देर
देखना

लहद—(अ) कब्र, गार, गव गाढ़ने
का गढ़ा

लहन—(अ) गाना, मधुर स्वर,
स्वर, आवाज़

लहफ— (अ) खेद, शोक, पश्चात्ताप

लहय—(अ) आग की लपट, या
चिनगारी प्यासा तृपार्त

लहम—(अ) मांस, गोस्त

लहमा—(अ) मांस का टुकड़ा

लहिया—(अ) टाटी

लहीम—(अ) मासल, मोय, स्थूल

ल्य—(अ) नदी, विना, अभाव,
प्राय शब्दों के आदि में आता
हे जैसे—लाहल्यज आदि

लाइम—(अ) निंदा करने वाला

लाइमौत—(अ) अयिनागी, अमर

लाइलाज—(अ) जिसका कोई इलाज
या उपाय न हो, जिसका कुछ
प्रतिकार न हो सके

लाइलम—(अ) जिसे ज्ञान या ज्ञान
कारी न हो, अज्ञ, अनजान

लाइलमी—(अ) अनजान पन, अज्ञा
रस्था, अज्ञान

लाइलमती—(अ) जो किसी मत या
धम को न माने

लाक—(फ) लकड़ी का प्याला

लाकपुस्त—(फ) कलुभा, कछप

लाकलाम—(अ) निस्सन्देह, निर्वि
वाद, ठीक, निश्चित, शुभ, जिसमें
कुछ कहने-सुनने की गुंजाइश
बाक़ी न रही हो

लाख—(फ) स्थान, जगह, (प्राय
योगियों के अन्त में, जैसे—देव
लाख आदि)

लाखन्दों—(फ) प्रेम पात्र या प्रेमिका
के दोनों ओर

लाखिराज—(अ) जिसपर क़द न
लगता हो, लगान या मात
गुहारी में मुक्त, कर रहित भूमि,

माफ़ी ज़मीन

लागर—(फ) दुबला-पतला, क्षीण
काय, कृश

लागरी—(फ) कृशता, क्षीणता,
दुबलापन

लाचार—(अ) विवश, निरुपाय,
असमर्थ, असहाय, दीन, दुखी,
जिसका कुछ चारा या वश न
चले

लाचारी—(अ) विवशता, असमर्थता,
दीनावस्था, बेवसी

लाजवान—(मि) जो कुछ बोल न
सके, मूक

लाजवर्द—(अ) नीले रंग का एक
बहुमूल्य पत्थर, नीलम, राजपत्थर,
नीला रंग, शोक के कपड़े

लाजवर्दी—(फ) लाजवा का सा,
आसमानी, नीला

लाजवर्दी नक्राव—(अ) मातम या
शोक के कपड़े

लाजवर्दी विसात—(अ) आकाश,
आसमान

लाजवाव—(अ) अनुपम, बेबोझ,
अद्भुत, निरुत्तर, जिसका जवाब
न हो, उत्तर न देसके

लाजवाल—(अ) जिसका ज़वाल
अर्थात् नाश या हास न हो,
अविनाशी, शाश्वत, सदा एकसा
रहने वाला

लाजवाली—(अ) अविनाशी, शाश्वत

लाजिम—(अ) ज़रूरी अनिवार्य

लाजिमा—(अ) साथ में आवश्यक
सामान

लाजिमी—(अ) आवश्यक, अनिवार्य,
ज़रूरी

ला ताइल—(अ) निरर्थक, निष्फल,
बेकार

ला तादाद—(अ) अनगिनत, असंख्य,
बेशुमार, जिनकी तादाद या
गणना न होसके

ला दवा—(अ) जिसकी कोई दवा न
हो, असाध्य (रोग)

ला दावा—(अ) जिसका कुछ दावा
न रहा हो, जिसने किसी चीज़
पर से अपना स्वत्व या अधिकार
हटा लिया हो, वह पत्र या लेखा
जिसके द्वारा किसी चीज़ पर से
अपना दावा हटा लिया जाय

लानत—(अ) धिक्कार, फटकार

लाफ—(फ) दोखी बघारना, रीग

हांकना, बढ़ बढ़कर बातें मारना	लायक—(अ) योग्य, पात्र, उपयुक्त, फ़ाविल
लाफज्जानी—(फ) शेखी मारना, आत्म श्लाघा	लायकमन्द—(अ) योग्य, फ़ाविल, अच्छे गुणोंवाला
लाफ व गिज़ाफ—(फ) गाली गलौज़, दुर्वचन, दुवाक़्त, अपशब्द	लायज़ाल—(अ) शाश्वत, अविनश्वर, स्थायी
लावद—(अ) अनिवार्य, आवश्यक, ज़रूरी	लायमौत—(अ) मृत्युञ्जय, अमर, जो कभी न मरे
लावही—(अ) देतो “लावद”	ला रेव—(अ) निस्त देह, बेशक
लावा—(फ) गुल्ली दश का खेल	लाल—(फ) एक रत्न विशेष, लाल रंग का बहुमूल्य और चमकदार पत्थर, माणिक, लाल रंग, एक छोटी चिड़िया जो बहुत मधुर बोलती है
लावुद—(अ) अनिवार्य, ज़रूरी, आवश्यक, निश्चित	लालज़ार—(फ़) अरुण, प्रातः कालीन प्रकाश
लानुदी—(अ) आवश्यकता, निश्चय, ज़रूरत	लाल बेग—(फ) भगियों के एक पीर का नाम
लाम—(फ) जुल्फ, अल्फ, एक प्रकार की फासीरों की टोपी, उदू यर्गमाला का एक अक्षर, देह	लालबेगिया—(फ़) लालबेग का अनु यायी
लामफाफ—(फ़) गाली-गलौज़, दूक तूक, दुवाक़्त	लाला—(फ) पोश्त का फूल, एक प्रकार का लाल रंग का प्रसिद्ध फूल, गुल लाला, सेबक, रास, चमकड़ा, प्रकाशित
लामज़हब—(अ) जो किसी चम को न मानता हो	लाला प्रेम—(फ़) रत्नपद्म, धात
ला मानी—(फ) व्यर्थ, निरर्थक, निष्फल	
ला मुहाल—(अ) विषय, अनिवार्य, निष्पाप, अवश्य	

रग का

लाला रख—(फ) जिसका चेहरा
साल फूल के समान हो

लाले—(मि) अभिलाषा, लालच

लाववाली—(अ) उपेक्षा, लापरवाही,
अविचार

लाय लश्कर—(फ) सेना और उसका
सामान

लायल्ड—(अ) जिसके कोई सन्तान
न हो, निपूता, नि सन्तान

लावारिस—(अ) जिसका कोई धारिस
यानी उत्तराधिकारी न हो

लावारिसी—(अ) वह धन या
जायदाद जिसका कोई उत्तरा
धिकारी न हो

लाश—(तु) लोथ, शव, मृत का देह

लाशक—(अ) निरक्ष-देह, अवश्य

लाशा—(क़) देखो “लाश” निर्बल,
कमज़ोर, गधा

लासलसी—(अ) बेतार का तार,
रेडियो

लासानो—(अ) अनुपम, बेमिसाल

लाहक—(अ) पीछे पड़नेवाला,
सम्बद्ध, मिला हुआ, निम्न,
आश्रित

लाहल—(अ) जिसका कुछ समाधान
न हो, जो गुथी मुलत न सके,
जो हल न हो सके

ला हासिल—(अ) जिसमें कुछ लाभ
या प्राप्ति न हो, व्यर्थ, निरयक,
अनावश्यक

लाहिक—(अ) रिश्तेदार, सम्बन्धी,
आश्रित

लाहौल—(अ) यह “लाहौल बलाक़
बत इला व इलाह” का संक्षिप्त
रूप है, इश्वर के सिवा कोई
शक्तिशाली नहीं है, (इसका
उपयोग किसी के प्रति घृणा
अथवा तिरस्कार प्रकट करने
के लिए किया जाता है, भूत
प्रेतादि दुष्ट आत्माओं को भगाने
के लिए भी इसका प्रयोग करते
हैं), शक्ति हीन, निबल

लिफाफा—(अ) कागज की वह पैली
जिसमें पत्र रत कर भेजते हैं,
खोल, आवरण, कपन, ऊपरी
दस्तावट, बाग्यादम्बर, ऐसी चीज़
जो बहुत जल्दी खराब हो जाय

लिफाफिया—(अ) फेवल ऊपरी
आदम्बर रखनेवाला, दिस्वानदी

- तदक मदक बाला
- लिवाम—(अ) पहनने के कपड़े,
पाशाक, वेद्य भूषा
- लिवाम्यात—(क) चापलुस, खुशा
मदी, “लिवास” का बहुवचन
- लिवासी—(अ) नकली, बनावटी,
बान्धविक रूप लिपाने के लिए
जिस पर कोई आवरण डाला
गया हो
- लियाकत—(अ) योग्यता, कामि
लीयत, विद्वता, जानकारी, किसी
काम के लायक होने का भाव,
किसी बात का अच्छा ज्ञान
- लिझाद—(अ) ईश्वर के लिए, खुदा
या अल्लाह के नाम पर
- लिमान—(अ) साहित्य, कोष, माया
बाणी, बोली, जुबान, जीम,
बिन्हा
- लिसान उल मौव—(अ) अज्ञात
बाणी, आभासबाणी
- लिहाक—(अ) उच्चार, ध्यान,
रशक, दयाभाव, कृपा दृष्टि,
सकोच, गेल्-मुशकत, मुलाहजा,
पक्षपात, सम्मान या मयादा का
बिचार, लाज, शीम
- लिहाजा—(अ) अतएव
अतः, एतदर्थ, इस
कारण से
- लिहाफ—(अ) ओढ़ने का
जिसमें छई भरी हो,
- लीमू—(अ) नीबू
- लुगी—(फ) तहमद, लगो
- लुआब—(अ) हर चीज
जिसमें गाढ़ापन और
लस, धूक, लार
- लुआबदार—(मि) जिसमें
चिपकाहट हो, चिपकद
चिया, लसंगार
- लुकनत—(अ) इकलाना,
कर बोलना, इकलापन
- लुकमा—(अ) ग्राम, गम
कवल
- लुकमान—(अ) एक प्रसिद्ध
और दार्शनिक, एक
हकीम
- लुगुत—(अ) शब्द, भाषा, य
जिसका अर्थ प्रसिद्ध
शब्दों, अमिपान
- लुगात—(अ) लुगात का बहु
बहु वसे शब्द, शब्दों ओ

अर्थों का समग्र, कोश, अभिधान

लुगज—(अ) पहली, समस्या

लुगवी—(अ) लुगात अर्थात् शब्द से सम्बन्ध रखनेवाला, शब्द सम्बन्धी, शाब्दिक, शब्द से प्रकट होने वाला (अर्थ आदि)

लुगवीमानी—(अ) शब्दार्थ

लुक्च—(फ) दुष्ट, दुश्चरित्र

लुक्चन—(फ) दुष्टा, दुश्चरित्रा, बाजारू औरत

लुक्चा—(फ) देखो “लुक्च”

लुक्क—(अ) आनन्द, स्वाद, मजा, ज्ञायकता, रोचकता, उत्तमता, विशेषता, खूबी, मृदुता, दया छुता, कृपा, दया, सूक्ष्मदर्शिता

लुक्की—(अ) दत्तक, गोद लिया हुआ

लुब्—(अ) सार, सारांश, मींग गिरी, आत्मा, तत्व

लुबाब—(अ) सार वस्तु, तत्वभाग, सारांश, तात्पर्य

लुबूब—(अ) “लुब्” का बहु वचन, एक प्रकार का माजून या अवलेह

लुब्बे लुबाब—(अ) सार, सारांश, तत्व, भाव

लुर—(फ) मूर्ख, बेवक्फ

लूत—(अ) दुष्मसन, अपाकृतिक व्यवभिचार, गुणमैथुन, इगलम

लूती—(अ) अस्वाभाविक रूप में मैथुन करने वाला, इगलामबाज़

लूल—(फ) निर्लज्ज, बेहया, बेशाम

लूलू—(अ) बड़ा और चमकदार मोती, मूर्ख, बेवक्फ, पागल, बच्चों को डराने के लिए एक कल्पित जीव का नाम, हीभा, ज़ू

लेकिन—(फ) परन्तु, पर

लेज़म—(फ) एक प्रकार की कमान जिसमें रौंदा की जगह लोहे की बज़ीर और बजने वाली शांसे लगी होती हैं, यह व्यायाम करने के काम आती है

लैतोलाल—(अ) दलदल, बहाना करने वाला, शिथिल, दिलदपन, भाग कल करना

लैतोलाली—(अ) दलदल शिथिलता, दिलदपन, बहाना, भागकल करना

लैमून—(अ) नीबू, लीमू

लैला—(अ) रात (फ) मदन की

प्रेमिका, फ्रेस की प्रेयसी का नाम
 नैलो निहार—(अ) रात दिन
 लोवान—(अ) एक प्रकार का गों
 जिसको आग पर जलाने से
 सुगंध आती है, गुगल, यह
 दवा के काम भी आता है
 लोवैया—(अ) रमान, एक प्रकार की
 फली जिसका शाक बनाते हैं
 लौज—(अ) बादाम, एक प्रकार की
 मिठाई
 लौजियाक—(अ) बादाम का हलुआ
 लौन—(अ) रंग, वर्ण, लक्षण,
 सौंदर्य
 लौस—(अ) स्पृहा, चाहना, खुशामद,
 मिलाप, मेल, सम्बन्ध, सम्पर्क
 लौह—(अ) तखना, लकड़ी की तखती
 जो लिखने के काम आती है,
 पाथर की पटिया अथवा स्लेट,
 पुस्तक का मुगट्ट, बिजली,
 नक्षत्र, सिताग
 व
 यइल्ला—(अ) बरना, नहीं तो
 यइंद—(अ) घमकी, बुगमण कहना,
 सिद्धी
 यइअत—(अ) प्रतिष्ठा, मान, शान,

विश्वास, महत्त्व, मूल्य, उद्यता,
 ऊंचाई, बल, शक्ति
 यकफ़—(अ) थोड़ी देर टहराना
 यकफ़ियत—(अ) जानकारी, ज्ञान
 पहचान, ज्ञान, परिचय
 यकर—(अ) वैभव, टाटबाट, महत्त्व,
 बड़प्पन, उत्तम स्वभाव, भार,
 धोम
 यकल—(अ) किसी से अपना काम
 कराना
 यकाया—(अ) “वक्तीया” का बहु
 वचन, घटनाएँ या उनका समा
 चार
 यकाया निगार—(अ) संवाददाता,
 समाचार लिखने या भेजनेवाला
 यकार—(अ) देखो “यकर” स्थिर-
 चित्ता, विचारों की स्थिरता
 यकालत—(अ) वकील का कार्य,
 दूसरे का प्रतिनिधि बनकर
 उसके अनुकूल बातचीत करना,
 अमियोग में किसी पक्ष की ओर
 से याद दिशान करना
 यकालतन्—(अ) वकील हाथ,
 वकील के मास्कर, अध्यापन
 के विरुद्ध

वक्रालतनामा—(मि) वह अधिकार
पत्र जिसके द्वारा कोई अपने
अभियोग की कार्यवाही का भार
वकील को सौंपता है

वकाहूत—(अ) उद्घण्टता, निर्लज्जता

नफीअ—(अ) उच्च, ऊँचा

वकील—(अ) दूसरे का पक्ष समर्थन
करने वाला, अदालत में वादी
अथवा प्रतिवादी की ओर से
अभियोग की पुष्टि करने वाला,
जिसने वक्रालत की परीक्षा पास
की हो, राजदूत, एलची, प्रति
निधि, दूत

वकीलार—(अ) नवीन गृह प्रवेश
का प्रीतिभोज, नया मकान
बनाने या उसमें रहने की दावत

वकअ—(अ) घटित होना, प्रकट
होना, घटना, दुघटना, पक्षी
का नीचे उतरना

वकआ—(अ) घटित होना, याक्रा
होना, घटना, याक्रा

वकूफ—(अ) ज्ञान, जानकारी, समझ
बुद्धि, शस्त्र, सावधानी

वकूल—(अ) जो अपना काम वकील
द्वारा करावे, मवकिल

वक्त—(अ) समय, अवसर, अव-
काश, पुरस्त

वक्तन् फ़वक्तन्—(अ) यदा-कदा,
जबतब, कभी कभी, समय-समय
पर, बीच बीच में

वक्रफ़—(अ) दान, समर्पण, धर्मांध,
दान की हुई सम्पत्ति, किसी के
वास्ते कोई चीज़ छोड़ देना,
परिचय प्राप्त करना, सावधान
होना

वक्रफ़ नामा—(मि) दान पत्र, वह
पत्र जिसमें किसी सम्पत्ति के
दान करने की प्रतिज्ञा और शर्तें
लिखी हों

वक्रफ़ा—(अ) स्थिरता, रथायित्व,
ठहराव, थोड़ी देर ठहरना,
“वक्रफ़ा”

वक्रफ़ी—(अ) वक्रफ़ किया हुआ,
दान किया हुआ

वख़वख़—(अ) बाह बाह, क्या खूब,
बहुत अच्छा

वराद—(अ) निरुद्ध, अधम, अयोग्य

वगर—(फ़) अगर, और, यदि

वगरना—(फ़) अन्यथा, नहीं तो,
धरना

बग़ा—(अ) उपद्रव, लड़ाई, मुँद,
कोलाहल

बग़ैर—(अ) आदि-आदि, इत्यादि

बजअ—(अ) दुख, दर्द

बजअ—(अ) रक्ता, कमबद्ध करना,
जानना

बज़न—(अ) भार, बोझ, तोल,
तोल्ने का भाव, गौरव, मान

मयादा, वृक्ष [कविता में]

बज़नदार—(फ) भारी, बोझिल,
महत्त्वपूर्ण

बज़नी—(फ) बोझिल, भारी

बज़ह—(अ) कारण, हेतु, गगन,
सूरत, आम्र अथवा आप का
साधन

बज़ह ठरिमया—(अ) नाम रखने
का कारण

बज़ा—(अ) मय, डर, पीडा, दर्द,
टीस

बज़ा—(अ) बनावट, रचना, टग,
प्रहार, दशा, अवस्था, सुखद्वय,
मनामी, रीति, मुदत, कम,
निनहा, गिरना, प्रसव

बज़ाअत—(अ) अधमता, नीचता

बज़ादार—(नि) अच्छी बनावट

बाला, खूब सज्जद का,
सिद्धांतों या प्रतिज्ञाओं का
पालन करने वाला

बज़ादारी—(मि०) सज्जद, मुत्तर
बनावट, प्रतिज्ञा का पालन
करना

बज़ायफ़—(अ) "वज़ीफ़ा" का बहु
वचन

बज़ारत—(अ) वज़ीर [मन्त्री] का
घर या काय, मन्त्रिद्वय, वज़ीर
का कार्यालय

बज़ाहत—(अ) मुदरता, तेजस्विता,
प्रकाश, चेहरे का आकर्षण या
प्रभाव

बज़ाहत—(फ) विस्तार, पैनाब,
मुत्तरता, स्पष्टता

बज़िर—(अ) डगनेवाला, पीडा,
दरपोक

बज़ीअ—(अ) कमीना, नीच,
अयोग्य, अधम

बज़ीफ़ा—(अ) छात्रवृत्ति, वह
आर्थिक सहायता जो विद्वानों,
विद्यार्थियों या र्वागिनों को दी
जाय, मुसलमानों का ऋण या
हस्तोप-पाठ

वज़ीमा—(अ) मृत्यु की दावत

वज़ीर—(अ) मंत्री, सचिव,
अमाल्य, जो बोझ उठाने में
सहायक हो, शतरंज का एक
मोहरा

वज़ीरी—(अ) देगों “वज़ारत”,
घोड़ों की एक जाति

वज़ीरे आजम—(अ) प्रधान मंत्री,
मुख्यामाल्य

वज़ीह—(अ) सुन्दर, तेजस्वी

वजू—(अ) नमाज पढ़ने के पूर्व
पाक होने के लिए हाथ-पांव
और मुँह धोना

वजूद—(अ) अस्तित्व, सत्ता, मौजू
दगी, प्रकट होना, सामने
आना, कार्य सिद्धि, सफल
मनोरथता, ठहराव, शरीर, देह

वजूह—(अ) “वजह” का बहुवचन,
बहुत-से कारण

वजूहात—(अ) “वजह” का बहु
वचन

वज्द—(अ) भावावेश, तल्लीनता,
यह तमयता जो अध्यात्म या
भक्ति सम्बन्धी उपदेश सुनकर
उत्पन्न होती है, आपे को भूल

जाना, बेखुदी, दुखित और
वितित होने की अवस्था

वतन—(अ) ज़म भूमि, रहने की
जगह

वतनी—(अ) अपने वतन का रहने
वाला, अपनी ज़म भूमि का
निवासी, देश भाई, अपने देश
का, स्वदेशी

वतर—(अ) कमान का सैदा, बाजे
के तार

वतीरा—(अ) तौर-तरीका, रगढग

वदीयत—(अ) अमानत, धरोहर

वन—(अ) चिरोंजी नामक मेवा,
तुल्य, समान

बन्द—(फ़) बाला, स्थायी (यौगिकों
के अन्त में जैसे—खुगबन्द)

वफ़ा—(अ) प्रतिनिधि-मंडल, शिष्ट
मण्डल

वफ़ा—(अ) प्रतिज्ञा-पालन, वचन
पूराकरना, मिश्रता निभाना, वाग्य
पूर्य करना, बात निभाना, मुरख्वत
पूरीकरना, पूणता, निवाह,
सुशीलता

वफ़ात—(अ) मृत्यु, मौत, मरण

वफ़ादत—प्रतिनिधि बनकर चादशाह

पुत्र, वैध सन्तान

यल्लियत—(अ) जनक या पिता का
परिचय, नाम का नाम

यल्लाह—(अ) परमात्मा की सीगन्द

यल्लाह आलम—(अ) परमात्मा सदा
तयामी है, ईश्वर जानता है,
ईश्वरजाने में नहीं जानता

यल्लाह यल्लाह—(अ) देखो 'यल्लाह'

यश—(अ) समान, तुल्य, (प्रायः
शब्दों के अन्त में प्रयुक्त होता
है, जैसे "परीयश")

यसअ—(अ) विस्तार, चौड़ाई,
व्यापकता, फैलाव, प्रसार, शक्ति,
गाम्भीर्य गुज्राह, रोपक,
रक्षा

यसअन—(अ) देखो "यसअ"

यमल—(अ) काल या कपड़े का
दुफड़ा

यसली—(अ) दुरा या मोग काल
त्रिषपर सुन्दर अक्षर लिखने का
अभ्यास किया जाय, पुस्तक या
लिखाई की लिख बनाने के काम
आता है

यमयसा—(अ) शक, सदा, आगम
मय, य, आनादानी, आगा

पीछा

यसवास—(अ) देखो "यसवास"

यसवासो—(अ) मशायदा, शक्य,
घात घात में सदा करनेवाला,
बहुत आगा पीछा सौननेवाला

यसाइल—(अ) यसील (शायन)
का बहुतवन

यसातन—(अ) सम्बन्धित होना, सदा
कार पढ़ना, मध्यस्थता, यसील

यसामल—(अ) विशेषता, सुन्दरता

यसायल—(अ) देखो "यसायल"

यसिख—(अ) मलिन, गन्दा, मैला

यसी—(अ) यह जिसके नाम से
कोई यसीअत की गई हो

यसीअ—(अ) विस्तृत, लम्बा चौड़ा,
प्रशस्त

यसीअत—(अ) वह जेगा जिसमें कोई
शक्ति यह लिखना है कि
मरे मरने के बाद मेरी सत्ति
का विचारन या व्यवस्था इस
इस प्रकार हो

यसीअननामा—(अ) यह पत्र जिसमें
यसीअत का श्लोक दिया गया
हो, इच्छा पत्र

यसीक—(अ) रद्द, पचा

वसीका—(अ) दस्तावेज़, वह धन जो इस प्रयोजन से सरकारी खज़ाने में जमा किया जाय कि उसके व्याज से जमा करने वाले के सम्बन्धियों को सहायता मिला करे उक्त प्रकार जमा किये धन का व्याज, उक्त व्याज में से दी जाने वाली सहायता

वसीकादार—(मि) जिसे वसीका मिलता हो

वसीम—(अ) सुन्दर, मनोरम

वसीयत—(अ) देखो “वसीयत”

वसीयतनामा—(मि) देखो ‘वसीयत नामा’

वसीला—(अ) साधन, ज़रिआ, द्वार, सम्बन्ध, आश्रय, साहाय्य

वसूक—(अ) दृढ़ता, पक्कापन, विश्वास, मरोसा, ऐतबार, अभ्यवसाय

वसूल—(अ) प्राप्त हुआ, प्राप्त, जो मिल गया हो, प्राप्ति, पहुँचना

वसूलवाकी—(अ) जो प्राप्त हो चुका और जो प्राप्त होने को शेष रहा कुल धन, प्राप्त और प्राप्य धन

वसूली—(अ) प्राप्ति, वसूल होना या

प्राप्त होना, वसूल होने की क्रिया, वह धन जो वसूल होने को शेष हो, उगाही

वसोसा—(अ) वहम, सन्देह, बुराई, बुरी बात जो दिल में बैठ गई हो

वस्क—(अ) दृढ़ विश्वास, शक्ति, ताकत

वस्त—(अ) मध्य, बीच का भाग, बीच

वस्ती—(अ) बीच वाला, मध्य वाला

वस्फ—(अ) गुण, विशेषता, लक्ष्मी, प्रशंसा

वस्फी—(अ) वह व्योरा जिसमें किसी के गुणों का वर्णन किया गया हो, जिसमें गुण बतलाए गए हों

वस्मा—(अ) नील के पत्तों या मेंहदी का खिज़ाब जो प्रायः मुसलमान लोग बालों में लगाते हैं, रुपहले या सुनहले रंग से छापा हुआ कपड़ा, उबटन

वस्त्र—(अ) मूल्यवान्, सम्मिलन, दो वस्तुओं या व्यक्तियों का मिलना, मिलन, मेल, संयोग, मिलाप, प्रेमिका या प्रेम पात्र से मिलना, मृत्यु

वस्तु—(अ) देखो “वस्तु”

वस्तु—(अ) देखो “वस्तु”

वस्तु—(अ) बहुत तारीफ करने वाला, अत्यन्त प्रशंसक, किसी के बहुत उपादा वस्तु अर्थात् गुण बतलाने वाला

वस्ती—(अ) जिसके लिए वसीयत की गई हो

वहदत—(अ) एक होने का भाव, एकत्व, अकेलापन, एक, एकाकी अकेला

वहदत-उल्-यजूद—(अ) दयमान, सम्पूर्ण विद्वान का रचयिता एक परमात्मा है समात विद्वान को परमात्मा-स्वरूप में देखना परमात्मा का विगत स्वरूप

वहदान—(अ) “वाहिद (एक)” का बहु वचन

वहदानियत—(अ) अद्वैतवाद, एके श्वरवाद, एकत्व, अनुपपत्ता,

वहद—(अ) उदारता, औदार्य, देना, बटाना

वहदी—(अ) दिया हुआ, प्रदत्त, ईश्वर-दत्त

वहम—(अ) सन्देह, आशंका, निष्ठा

धारणा, म्रम

वहमा—(अ) प्रसवकाल की पीड़ा

वहमी—(अ) सशयात्मा, वहम करने वाला, सन्देह करने वाला

वहश—(अ) जगली जानवर

वहशत—(अ) जगलीपन, पशुता, भीषणता, मय, डर, पागलपन

वहशत अगेज—(मि) भयानक, विषम, भीषण, डरावना

वहशतजदा—(मि) मदमीत, बहुत डरा या घबराया हुआ, बिच पर,

वहशत सवार हो, पागल, सिदी

वहशतनाक—(मि) भीषण, भयानक, डरावना, वहशत अगेज

वहशियाना—(अ) वहजिदों का-का, पशुओं या पागलों की तरह

वहशी—(अ) जगली, घबराया या डरा हुआ

वहाय—(अ) बहुत देनेवाला, बड़ा दानी, मदान्य, बहुत दान करने वाला, परमात्मा, विश्वेश्वर

वहायी—(अ) मुसलमानों का एक सम्प्रदाय जो अम्बुल पहाड़ नदी ने बसाया था, इस सम्प्रदाय के अनुयायी

वही—(अ) ईश्वरीय सन्देश, खुदा
की वह आज्ञा जो उसके किसी
पैगम्बर के पास पहुँचे

वहीद—(अ) अनुपम, बेजोड़ निराला,
अकेला एकाकी

वा—(फ) खुला या फैला हुआ

वाइज—(अ) उपदेशक, शिक्षक,
वाज़ करनेवाला, धर्मोपदेश देने
वाला, अच्छी बातें बतानेवाला,
धर्मोपदेशक

वाइद—(अ) वादा करनेवाला

वाई—(अ) सरक्षक, निरीक्षक, याद
रखनेवाला फरियाद करनेवाला

वाकअ—(अ) घटना, बाक्ता, स्थित,
खड़ा

वाकआत—(अ) “ वाकअ ” का
बहुवचन, घटनाएँ

वाकई—(अ) यथार्थ, वस्तुतः, सच-
मुच, यथाथ में, वास्तव में

वाकफ़ीयत—(अ) ज्ञान पहचान,
ज्ञानकारी, परिचय, ज्ञान

वाक़या—(अ) घटना, वृत्तान्त,
समाचार

वाक़या नबीस—(मि) सवाददाता,
घटनाओं का हाल लिखने वाला

वाक्ता—(अ) देखो “वाक़अ”

वाकिफ़—(अ) जानकार, परिचित,
जाननेवाला

वाकिफ़कार—(मि) अनुभवी, ज्ञान
कार, सब बातों की जानकारी
रखने वाला

वाक़ियात—(अ) “ वाक़या ” का
बहुवचन

वाख़वास्त—(फ) मांगना, हिसाब
लेना

वागुजाश्त—(फ) छोड़ना, छुड़ाना,
पीछे छोड़ देना

वाज़—(फ़) प्रकट, स्पष्ट, खुला हुआ
(अ) धर्मोपदेश, शिक्षा, नसी
हत, उपदेश, कथा

वाज़ा—(अ) प्रकट, स्पष्ट, ज्ञात,
विदित, व्यौरेवार, विस्तृत,
जाहिर, खुला हुआ, बनानेवाला,
वज़अ करनेवाला, (जैसे वाज़ा
क़ानून = क़ानून बनानेवाला)

वाजिद—(अ) पानेवाला

वाजिब—(अ) उचित, मुनासिब,
ठीक, योग्य, पात्र, जो अपने
अस्तित्व के लिए दूसरे पर
निर्भर न हो

याजिय उत्तरीय - (अ) उत्तरीय करने अर्थात् मानने योग्य

याजिय-उत्ताजोर—(अ) ताजोर अर्थात् टण्ड के योग्य

याजिय-उल-अर्ज—(अ) अर्ज अर्थात् निवेदन करने योग्य

यानिर्ग-उल अदा—(अ) यह धन जो अदा करने अर्थात् चुकाने योग्य हो, दातव्य, देय

याजिय उल इज़हार—(अ) ज़ाहिर अर्थात् प्रकट करने योग्य, प्रकाश

याजिय-उल-रहम—(अ) रहम अर्थात् दया करने योग्य, दयनीय

याजिय उल यजूद—(अ) अपना अस्तित्व स्वयं रखने योग्य, स्वयम्, अपनी सत्ता के लिए किसी पर निर्भर न रहनेवाला, परमात्मा

यानियात—(अ) आवश्यक कार्यक्रम, नैतिक दत्तव्य, वे रक्तमें जो दाय्य शान को दोगे हों

याजिमी—(अ) उचित, मुनासिब, मुक्ति युक्त, टीक, आवश्यक, ज़रूरी

याजो—(अ) दगो “याजो”

यातनिअत—(अ) रहस्यवाद, छापवादा

यादा—(अ) वचन, प्रतिज्ञा, इकरार यादा करना—प्रतिज्ञा करना, वचन देना

यादाखिलाफ़ी—(मि) प्रतिज्ञा के अनुसार कार्य न करना, कथन के विरुद्ध करना

यादी—(अ) पहाड़ की यादी, पहाड़ के पास की भूमि, तराई, नाडी, नीची और दलबों ज़मीन, उपत्यका, बगल, यन, मुकद्दमा, मुआमला

यान—(अ) वाला, (यौ० के अन्त में, जैसे फ़ीलवान आदि) समान, मुख्य

यापस—(अ) लौग हुआ, फ़िरा हुआ यापसो—(अ) लौटाया हुआ, पेश हुआ, लौटना, प्रत्यापत्ति, यापश होने से सम्बन्ध रखनेवाला

यापसीन—(अ) अन्तिम, आखिरी, (यौगिकों के अन्त में, जैसे—दमे यापसीन = अन्तिम रखाई)

याकिद—(अ) सम्बन्ध दादक, सौदनी सहाय

वाफिर—(अ) अत्यधिक, बहुत ज्यादा

वाफ्री—(अ) यथेष्ट, पूरा, सच्चा

वा वस्तगान—(फ) “वावस्ता” का
बहुवचन, सगे-सम्बन्धी, कुटुम्बी,
रिश्तेदार, सम्बद्ध, वधे हुए,
लगे हुए

वावस्ता—(फ) सम्बद्ध, लगा हुआ,
बधा हुआ, सम्बन्धी, रिश्तेदार,
कुटुम्बी, सगा

वाम—(फ) ऋण, कर्ज, उधार

वामाँदगान—(फ) पीछे रहे हुए,
बचेहुए, अवशिष्ट

वा माँदगी—(फ) पीछे रहना, बच
जाना, शिथिलता, थकावट

वामाँदा—(फ) अवशिष्ट, शेष रहा
हुआ, अवशिष्ट, उच्छिष्ट, थक
कर पीछे रहा हुआ

वोमिक—(अ) मित्र, दोस्त, प्रेमी,
चाहनेवाला

वाय—(फ) कष्ट, दुःख, विता,
दौभाग्य

वार—(फ) तुल्य, समान, सदृश,
वाला, के अनुसार (ये अर्थ
प्रायः यौगिकों के साथ में होते
हैं जैसे—नग्नवार, उम्मेद

वार, मजबू वार इत्यादि), दग;
प्रकार, आक्रमण

वारदात—(अ) घटना, दुर्घटना,
दगा, फसाद, मारपीट, भयकर
काण्ड

वारफ्तगी—(फ) भट्कना, रास्ता
भूलना, पथभ्रष्ट होना, जामे में
न रहना, आपे से बाहर होजाना,
तल्लीनता

वारफ्ता—(फ) भटका हुआ, तल्लीन,
आपे से बाहर

वारस्तागी—(फ) स्वतन्त्रता, मुक्ति;
छुटकारा, निश्चिन्तता, स्वेच्छा
चार.

वारस्ता—(फ) स्वतन्त्र, मुक्त,
निश्चिन्त, स्वेच्छाचारी

वारस्ता मिजाज़—(फ) स्वतन्त्र
विचारों वाला

वारिद—(अ) सन्देश वाहक, आने-
वाला, आगन्तुक, महमान,
अतिथि, दूत, पत्रवाहक, बसना
रहना

वारिस (अ) उत्तराधिकारी

वारिसी—(अ) उत्तराधिकारित्व, उत्त-
राधिकार में प्राप्त सम्पत्ति, तरका

वाला—(फ) महान्, उच्च, प्रतिष्ठित,

महानुभाव, दुजुग, रेशमी वस्त्र

वाला कद्व—(फ) माननीय, आदर-

णीय, उच्च पदाधीन

वालाजाह—(फ) प्रतिष्ठित, उच्च

पगारूद्

वालिद—(अ) बाप, पिता, जनक

वालिन—(अ) मा, माता, जननी

वालिदे माजिद—(अ) पूज्य पिताजी

वालिदैन्—(अ) माता पिता, मां

बाप

वाली—(अ) मित्र, सहायक, मदद

गार, शासक, स्वामी, राजा,

बादशाह, संरक्षक

वाली चारिस—(अ) रक्षक और

सहायक

वा पैला—(अ) चिल्ल पुकार, रोना

धोना, विलाप, दुःख, रक्षा-

शुद्ध, शोरमुक्त

वाशुद—(फ) प्रशुद्धता, प्रसन्नता

वासा—(अ) फैलनेवाला, व्यापक,

विस्तृत होने वाला, परमात्मा का

विस्तार

वासिक—(अ) पक्का, दृढ़

वासित—(अ) मध्य गाग, मध्यम,

विचौलिया

वासिक—(अ) प्रशसक, धारीक

करनेवाला

वासिल—(अ) मित्रनेवाला, मुला

क़ात करनेवाला, प्राप्त, वस्तु

होने वाला, पहुँचा हुआ, मिला

हुआ, सयागी

वासिलमारी—(अ) प्राप्त और

प्राप्त, वस्तु हुआ और वस्तु

होने को शेष रहा घन

वासिल वाफ़ी नहीस—(नि) वर

कर्मचारी जो प्राप्त हुए और प्रत

व्य लगान मातृगुजारी आदि का

लेना रखता है वस्तु और

बाकी का दिखाव रखने वाला

वासोखत—(फ) ईर्ष्या करना, बचना,

मुल्ता, ज्वाला, लज्ज, बह वसिता

जो प्रमका अमका प्रम-वाच की

स्वाध आदि पगहारोसे अथ-पुद

होकर उसकी निंदा में लिखी

जाय

वासोखता—(फ) देना "वासोखत"

वासोखतगी—(फ) मनरताप, दिक्की

बन्धन, दिल बहे की आद,

मन की कुटन

वासोज—(फ) जलन, कुढ़न, ज्वाला,
आवेश

वास्ता—(अ) सम्बन्ध, सरोकार,
मिश्रता, दोस्ती, लगाव, ताल्लुक,
सम्भोग

वास्ते—(अ) निमित्त, लिए, हेतु,
सबब, कारण

वाह—(फ) खूब, उत्तम, बहुत अच्छा
घन्य आश्चर्य, प्रशंसा और घृणा,
तीनों भावों के व्यक्त करने में
इसका प्रयोग होता है

वाहिद—(अ) एक, अकेला, एकाकी
(परमात्मा से प्रयोजन है) बख्शने
वाला, क्षमा करने वाला

वाहिद शाहिद—(अ) ईश्वर साक्षी है

वाहिब—(अ) उदार, दाता, दानी

वाहिमा—(अ) विचार शक्ति, कल्पना
शक्ति, वह शक्ति जिस से सूक्ष्म
बातों का ज्ञान होता है

वाहियात—(अ) घुरा, बेदगा, व्यथ,
निरर्थक, बेकार

वाही—(अ) बेकार, सुल, निरम्मा,
निरुद्यम, मूढ़, आवारा

वाही-तनाही—(अ) आवारा, निरर्थक,
बेहूना, अड-बड, ऊट-पटांग,

गाली-गलौज

विकार—(अ) देखो “वक्कार”

महान, बड़ा, सुख चैन

विज़ार—(अ) भारी जोश, उत्तरदायित्व
वह जोश जिसे कमर पर डटाया,
जाय, पुस्तार

विज़ारत—(अ) देखो “वज़ारत”

विदा—(अ) रखसत, प्रस्थान, चल
देना, रवाना होना, वही से
चलने की अनुमति

विदाई—(अ) विदा सम्बन्धी रस या
क्रिया, विदा

विरद—(अ) गुलाब का फूल, पनघट,
नित्य का काम, दैनिक कृत्य,
कुरान आदि का पाठ, सन्धा,
स्वाध्याय आदि

विरसा—(अ) “वारिस” का बहुवचन,
उत्तराधिकारी लोग

विपसत—(अ) देखो “वरासत”
उत्तराधिकार

विदी—(अ) देखो “विरद”

विला—(अ) स्वतन्त्र, मित्र, विना

विलादत—(अ) देखो “विलादत”
बचाजना

विलायत—(अ) देश, मुल्क, पराधा-

देश, दूसरा देश, दूर का देश,
शासन, शासक, मित्र
विलायती—(अ) विलायतका, दूसरे
देश का, विदेशी
विसत—(अ) मशौला, चीज का, न
बहुत बड़ा न ठिगना, न बहुत
मोटा न पतला मध्यम
विनवास—(अ) बरम, संदेह, बुरी-
बात जो दिल में बैठजाय, देखो
“विनवास”,
विमाल—(अ) मिलना, मुलाकात,
सम्मिलन, संयोग, प्रेमी प्रेमिका
का मिलना, मृत्यु
वीरान—(फ) उबड़ा हुआ, उबड़ा,
विजन, बीरफ, बरती का उल्ला,
भीहीन
वीराना—(फ) उबड़ा, जगल, जहाँ
बरती न हो
वीरानो—(फ) उबड़ापन, बीरकपन
बुक्ला—(अ) “बकीर” का बहुरचन
बुखरा—(अ) “बकीर” का बहुवचन
बुजू—(अ) देखो “बुजू”
बुजूद—(अ) देखो “बुजू”
बुरूद—(अ) देखो “बुरूद”
बुनूल—(अ) देखो “बुनूल”

श
शअवान—(अ) अरबी वर्ष का
आठवाँ चांद्रमास
शअर—(अ) आन्त, अम्पाए, सौर
तरीफ, रग-रग
शअरी—(अ) एक ऐदीयमान नक्षत्र
शअर—(अ) शान, योग्यता, जान
कारी, काम करने का ढंग, बुद्धि,
शिष्टाचार
शअरदार—(मि) शअरवाना, मिसे
शअर हो
शअर—(अ) संदेह, संशय, शका
शअर—(फ) गोड़, चीनी, धूग
शअर कन्द—(मि) एक प्रसिद्ध फल
शअर खोर—(फ) गदा अस्थी
चीजे खानेवाला, मिष्टान्न मोनी,
एक पक्षी विशेष
शअर खोरा—(फ) देखो “शअर खोर”
शअर खोरे—(फ) चीनी, शअर, गोड़,
शअर पा—(फ) दमरा
शअर पारा—(फ) इस नाम से प्रसिद्ध
एक पकवान या मिठाई, एक
फल विशेष जो गीष् में कुछ
बड़ा हल्का है
शअर रानी—(फ) मनोमालिन्य,
समंतरप, मित्रों में हान शान

- मन-मुटाव, शकर रंगी
 शकरलव—(फ) मधुरमाषी, प्रिय
 अथवा मिष्ट भाषण करने वाला,
 मिठ बोला
 शकराना—(फ) चीनी मिला हुआ
 भात
 शकरी—(फ) फालसे नी जात का
 फल विशेष
 शकल—(अ) मुख की बनावट, मुख,
 चेहरा, रूप, आकृति, मुखा
 कृति, भाव, चेष्टा, ढाँचा,
 आकार, गढ़त, बनावट, उपाय,
 तरीक़ीब, ढंग, ढब, रास्ता
 शक्ता—(अ) अभागा, मन्दभाग्य,
 बदकिस्मत
 शक्ताक—(अ) बैर, विरोध
 शक्तावत—(अ) दुर्भाग्य, मन्दभाग्य,
 बदकिस्मत
 शकिस्ता—(फ) दूरा फूटा, जीण शीण,
 पुगना
 शकिस्ता नाखुन—(फ) असमथ,
 निचल
 शकिस्ता रंग—(फ) म्लान, मुरझाया
 हुआ, उदास
 शक्तीक—(अ) आघा, तिहाई
 शक्तीका—(फ) कनफटी, आघा सीसी
 का दर्द
 शक्तील—(अ) रूपवान, सुंदर
 शक्तीला—रूपवती, सुंदरी
 शकूक—(अ) शक (सन्देह) का
 बहुवचन
 शकोह—(फ) आतक, दबदबा, रौब-
 दाव, महत्त्व
 शक्क—(अ) बीच से फटा हुआ
 शक्कर—(फ) देखो “शकर”
 शक्काल—(अ) बहुरूपिया, भौंति-भौंति
 के रूप बनाने वाला
 शक्की—(अ) शक या सन्देह करने
 वाला, सशयालु
 शकु—(अ) देखो “शकल”
 शख—(फ) कड़ा, कठोर, कड़ी ज़मीन,
 पहाड़, शाख
 शख्स—(अ) शरीर, व्यक्ति, मानव
 देह, बदन
 शखिसयत—(अ) व्यक्तित्व
 शखसी—(अ) वैयक्तिक, व्यक्तिगत,
 व्यक्ति सम्बन्धी
 शगल—(अ) काम धंधा, व्यापार,
 व्यवसाय, मनोनिनोद, मन-
 बहलाव

शगाल—(अ) शृगाल, गीदड़, सिंघार
 शगुन—(मि) शकुन, किसी काम
 के प्रारम्भ करते समय दिखाई
 देनेवाले शुभाशुभ चिह्न जिनसे
 उस कार्य की सफलता या अस
 फलता का अनुमान किया जाता
 है

शगुन्तगी—(फ) प्रकुलता, खिलने
 का भाव, विकास

शगुफता—(फ) प्रकुल, सिला हुआ,
 विकसित

शगुफता रू—(फ) प्रसन्न बदन, हँस
 मुल

शगून—(फ) देखो "शगुन"

शगूनिया—(मि) शकुन बताने वाला,
 शकुन विचारने वाला, ज्योतिषी,
 रत्नमाल आदि

शगूना—(फ) फली, बिना मिला
 हुआ फूल, फूल, पुष्प, कोई
 अशुभ रहस्य, कोई नमी और
 पितृगण घटना

शगल—(अ) देखो "शगाल"

शगर—(अ) वृक्ष, पेड़, दारु

शजर—(अ) पशु-वृक्ष, पत्तापत्ती
 का विष, पटपट्टी का एक

कागज जिसमें सब खेतों का
 विष बना होता है, वृक्ष

शजरा व कुल्ला—(फ) पीरो का
 शजर और टोपी जो मुरीगे
 को प्रसाद-रूप दी जाती है

शतरज—(फ) एक प्रसिद्ध खेल, जो
 चौंसठ खानों के नकश (विषात)
 पर खेला जाता है एक प्रकार
 का कर्ण

शतरजी—(फ) शतरज खेलनेवाला,
 शतरज खेलने की विषात, यह
 बिछौना या घड़ी जो अनेक
 रंगों के खानों से बनी हो

शत्ताह—(अ) उदण्ड, निलम्ब, घृष्ट,
 दीठ

शदीद—(अ) गहरी, भारी, कठोर,
 सख्त, कड़ी, दृढ़, पक्का, मजबूत,
 कठिन, मुदिहल, गम्भीर

शद—(अ) दृढ़ता, सख्ती, मजबूती,
 कठोरता, सख्ती

शद व मद—(अ) भूमिपात्र, टार
 बाट

शदा—(फ) शब्द, पद, शब्द
 जो मुहरम में तादिलों व शाय

निकलता है, चढ़ाई, आक्रमण
 शब्दाद—(अ) मिस्र देश के एक
 बादशाह का नाम जो ईश्वर को
 नहीं मानता था और अपने
 आपको ईश्वर कहता था
 शनाख्त—(फ) पहचान, जाच
 शनास—(फ) पहचाननेवाला, पर-
 खनेवाला, (प्राय यौगिकों को
 अन्त में, जैसे—मडुम शनास)
 शनीअ—(अ) दुष्ट, बुरा
 शनीआ—(अ) बुरी बात, बुरा काम
 शफ़क़—(अ) बहुत सुन्दर, वह
 लालिमा जो प्रातः-साय सूर्योदय
 और सूर्यास्त के समय आकाश
 में फैल जाती है
 शफ़क़त—(अ) प्रेम, दया, कृपा,
 मेहरबानी
 शफ़्त—(अ) ओष्ठ, होठ, ओठ
 शफ़ा—(अ) आरोग्य, स्वास्थ्य,
 त दुस्स्ती
 शफ़ाअत—(अ) इच्छा करना,
 कामना, सिफ़ारिश करना, किसी
 दूसरे के लिये चाहना करना
 शफ़ाखाना—(मि) चिकित्सालय
 शफ़ी—(अ) सिफ़ारिश करनेवाला,

दूसरे के लिये लाभ पहुँचाने के
 लिये प्रयत्न करनेवाला, बीच
 में पड़कर दूसरे का अपराध
 समा करानेवाला
 शफ़ीक़—(अ) शफ़क़त करनेवाला,
 प्रेमी, मित्र, दयालु
 शफ़ूक़ा—(फ़) क्रोध नयी और विलक्षण
 घटना
 शफ़्तल—(अ) पाजी, बाहियता, दुष्ट
 शफ़्तालू—(फ) एक फल विशेष,
 सतालू
 शफ़फ़—(अ) स्वच्छ, निर्मल,
 पारदर्शी
 शफ़फ़ाफ़—(अ) देखो “शफ़फ़”
 शब—(फ़) रात, रात्रि
 शब आहँगा—(फ) झुल-झुल, एक
 सितारा
 शब कोर—(फ) रात्र्यध, जिसे रात
 में दिखाई न दे, रतौंधी का
 रोगी
 शब खेज़—(फ) रात-भर जागने
 वाला
 शबखूँ—(फ़) रात के समय शत्रु पर
 आक्रमण
 शब खवावी—(फ) रात का सोना,

रात्रि को सोते समय पहनने के कपड़े

शयनार्णव—(क) शयन घूमने वाला, निशाच चौकीदार

शयनगौर—(क) सुल-सुल नामक पक्षी, रात्रि के समय चहकने या गाने वाला पक्षी प्रातःकाल, प्रभात, तदका, प्रभात समय ईश्वर प्रायना के लिए उठने वाला

शयन रँग—(क) रात के-से रंग का अंधेरा काल

शयन चिराग—(क) एक मणि विशेष जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि यह रात्रि में दीपक की भाँति चमकता और प्रकाश देता है

शयनदीप—(क) मुन्दरी रंग का घोड़ा

शयनम—(क) ओम, एक प्रकार का बहुत गौरीक कपड़ा

शयनगी—(क) मसहरी, मसहरीगानी

शयनपोश—(क) रात को पहनने के कपड़े

शयन चरात—(क) मुसलमानों का एक त्यौहार, मुसलमानों का विश्वास है कि इस दिन रात्रि को देव-गुरु आदिमियों की नेत्री

बोतते और उग्र का हिसाब करते हैं

शयन धारा—(क) रात्रि को टहर कर विश्राम करनेवाला.

शयन येनार—(क) देतो "शयनसेज"

शयनरग—(क) रात्रि के-से अंधेरा काले रंग का घोड़ा

शयनाना—(क) रात्रि के समय रात में

शयनाना रोज—(क) रातदिन

शयनान—(क) शौचन, शयनी, युवा वस्था, शौचन, शौच, प्रारम्भ

शयनारोज—(क) देतो "शयनाना रोज"

शयनारत—(क) आहूति, सुख, शान्ति

शयनारत—(क) रात को रहने का स्थान, शयनगार, शयन-कक्ष

शयनीज—(क) बड़ा बुद्धिमान

शयनीआ—(क) निद्रा, मूर्ति, प्रति इति, सुख, महदा, प्रतिमा

शयनीना—(क) रातका बग़ा हुआ, रात का, रात्रि गप-ची, वाली, बड़ काम को गाम्भीर्यपूर्ण शयन

शयनीह—(क) तगवीर, प्रतिमा

शयनीश्रु—(क) शयन महीन की सज्जेश की सारीश की रात

(मुसलमानों का विश्वास है कि

इस रात को आसमान की
खिड़की खुलती है जिसमें से
झाक कर अल्लाह मिया देखते हैं
कि कौन कौन मेरी इबादत
करता है)

शवेजफ़ाफ—(फ) सुहागरात, वह
रात जिसमें नव दम्पती का
प्रथम मिलन होता है

शवे तरा—(फ) अंधेरी रात

शवे तारीक—(फ़) अंधेरी रात

शवे बरात—(फ) देखो “शमबरात”

शवे माह—(फ) चँदनी रात

शवे माहताब—(फ़) देखो “शवे माह”
मनहूस रात

शवे यल्दा—(फ) अँधेरी और मन
हूस रात

शवे हिज्र—(फ़) वियोग की रात

शब्न—(अ) यौवन, आग जलाना,
ऊँचाई, युद्ध

शब्नीर—(फ) सुंदर, मला, नेक

शब्बो—(फ) एक प्रकार का फूल
जिसकी गन्ध रात में फैलती है,
रजनी गंधा, गुलशब्बो

शम—(फ) गोदना, शरीर में रग
और सुइ द्वारा छेद छेद कर

बनाए गए बेल-बूटे

शमअ—(अ) मोमबत्ती, दीपक

शमला—(अ) एक विशेष प्रकार
की पगड़ी, पगड़ी या साफे का
कामदार पल्ला, चिल्ला

शमशाद—(फ) एक वृक्ष विशेष
जिससे प्रेमिका या प्रेमपात्र के
फ़द की उपमा दी जाती है

शम शेर—(फ़) तलवार, राइफ़ा

शमशेरज़न—(फ) तलवार चलाने
वाला

शमा—(अ) देखो “शमअ”

शमादान—(मि) वह जिसमें मोम
बत्ती लगाकर जलाते हैं, दीवट,
दीपक रखने का आधार

शमामा—(अ) सुगन्ध, इत्र, सँघने
की वस्तु

शमायल—(अ) “शयल (आदत)”
का बहुवचन बायां हाथ सूंठें

शमारु—(मि) तेजस्वी, जिनका
चेहरा दीपक की भाँति तेजो
युक्त हो

शमीदा—(फ) व्यथित, व्याकुल,
बे होश

शमीम—(अ) सुगन्ध, सुगन्धित वायु,

घपना

शमीमा—(अ) वह घस्तु जो हँधी
जाय.शमीर—(अ) द्रुतगामी, तेज़ चलने
वाला

शम्बा—(क) शनिवार

शम्भा—(अ) बहुत हल्की सुगन्ध,
भीनी सुदायू, घोड़ा, किञ्चित्,
लेशमात्र, तनक, रचक, मात्रशम्भाम—(अ) सूर्य की पूजा करो
वाला, सूर्योपासक

शम्स—(अ) सूर्य, सूरज

शम्स्ता—(अ) कलावत्त आदि का वह
कुदना जो माला के मुनेर पर
लगा होता हैशम्ती—(अ) सूर्य सम्बन्धी, सूर्य का,
सूर्य के सम्पर्क से तैयार किया
या पकाया गया, सौरशायतीन—(अ) "शैतान" का बहुत
वचन

शार—(अ) शुरार्ह, दुष्टता, शरास

शारब्—(अ) मुसलमानों का धर्म
शाक, धर्म, दीन, मन्त्र, मुसल
मान की आला, दरतूद, तौर,
दग, शरीफ़, माय, दह, कमान

श्री शोरी

शरअन्—(अ) शरअ के अनुसार,
धार्मिक दृष्टि से उचित, इस्लाम
मन्त्र के अनुसार.शरअ मुहम्मन्—(अ) इस्लाम मन्त्र
हब के नियम या कानून, मुगल
की आराशरई—(अ) इस्लाम मन्त्र के नियम
मुसल, धार्मिक दृष्टि से वैध

शरकत—(अ) साक्षा

शरक—(अ) बड़प्पन, गौरव, शौभाग्य,
उत्तमताशरफन्याय—(नि) प्रतिष्ठित, मान्य,
महत्त्वपूर्ण, बड़प्पन या शौभाग्य
प्राप्त करने वालाशरयत—(अ) गीटा और शरक
पर्याय, रस, शरक मिला हुआ
पानी, भीनी और पत्तों के योग
से बनाया हुआ पेय शरयदेहशरयती—(क) शरफ का भा, एक
प्रकार का रंग जो शरक के रंग
जैसा होता है, रसदार दिग्ग
रस मिला हो, नीबू की छान का
एक पत्र, एक प्रकार का बर्तन
कपड़ा

शरम—(फ) लजा, हया, शील,

लिहाज, सकोच, प्रतिष्ठा

शरमगाह—(फ) स्त्री की जननेन्द्रिय,
योनि

शरमनाक—(फ) लजावनक, लजा
शील

शरमसार—(फ) लजाशील, बहुत
लजित, शरमिन्दा

शरम हुआरी—(फ) किसी के सम्मुख
होने के कारण उत्पन्न हुई लजा,
मुह देखे की लाज

शरमाना—(फ) लजित होना, सकोच
करना, शरमिन्दा करना, लजाना,
लजित करना

शरमा शरमी—(फ) लजावश, सकोच
के कारण, शर्म के मारे

शरमिन्दगी—(फ) लजित होने का
भाव, लजा

शरमिन्दा—(फ) लजित, लजाया
हुआ

शरमीला—(मि) लजाछ, लजाशील,
बहुत जल्द शरमा जाने वाला
(स्त्री-शरमीली)

शरर—(अ) आग की चिनगारी

शरह—(अ) व्याख्या, भाष्य, टीका,

भाव, दर.

शरहवन्दी—(मि) दर या भाव का
नियत होना, दर अथवा भाव
की निश्चित सूची

शराकत—(अ) सामा, हिस्सेदारी

शराकतनामा—(मि) वह पत्र जिसमें
साझे की शर्तें लिखी गई हों

शराफत—(अ) भलमनसाहत, सौजन्य,
सज्जनता, शरीफ होने का भाव

शराब—(अ) मदिरा, मद्य

शराबखाना—(मि) वह स्थान जहां
शराब बिकती हो, मदिरालय

शराबखवार—(मि) शराब पीनेवाला,
शराबी

शराब गुजिश्ता—(फ) उतरी हुई या
बीती हुई शराब जिसमें माद
कता कम रह गई हो

शराब जदगी—(फ) मादकता

शराबी—(अ) शराब पीनेवाला, मद्यप

शराबे तुहूर—(अ) वह शराब जो
पुण्यात्माओं को मरने के पश्चात्
बहिस्त में प्राप्त होती है

शराबे शीराज—(अ) एक प्रकार की
अंगूर की लाल शराब

शराबोर—() पानी आदि से मिल-

कुल भीगा हुआ, ताबतार, रूप
पथ

शरायत—(अ) “शत” का बहुवचन

शराय—(अ) अग्नि स्फुलिंग, चिन
गारिषां

शरायत—(अ) पार्जापन, दुष्टता,
उदण्डता, बैतानी

शरायतन—(अ) शरायत से, दुष्टता से

शराय—(अ) देखो “शराय”

शरायत—(अ) मुसलमानों का धर्म
शास्त्र, इस्लाम धर्म की दृष्टि से
वैध मांग, मतुओं के लिए
बनाए गए ईश्वरीय नियम,
पनपट

शरीर—(अ) मांसी, छापी, हिस्से
दार, समिलित, मिला हुआ,
सहायक

शरीर—(अ) सजन, मला, शिट,
सम, कुलीन

शरीरयत—(अ) देखो ‘शरीरयत’

शरीर—(अ) कुल, दुर, जटलट,
समुद्र या नदी का तट

शरीर—(अ) सुख, पुर, रिता, पूर

शरीर—(अ) सुख, पूर का

शरीर—(अ) गान, दोंर, प्रतीक,

किसी काम के पूरा होने के लिए
आवश्यक प्रतिबन्ध

शरीरिया—(अ) शरीर के साथ, शरीर
बदल, अवस्था, निश्चयही,

दृढ़ता पूरक, विलकुल ठीक

शरीर—(अ) जिसमें कुछ शरीर हो, शरीर
का, शरीर सम्बन्धी

शरीर—(अ) देखो “शरीर”

शरीर—(अ) देखो “शरीर” (शरीर का
योगिक योनि ‘शरीर’ का
योगिक देखो)

शरीर—(अ) देखो “शरीर”

शरीर—(अ) शरीर की जाति का
एक बंद विशेष जो शरीर आदि
बनाने के काम आता है

शरीर—(अ) समिचारिणी, रौरिणी

शरीर—(अ) एक प्रकार का दीप्त
हाला पाशमा, जो पश्चात् और
पश्चात् की तक अधिक पश्चात्
जाता है, पाशमा के तन्त्र पर
नने का अधिपति

शरीर—(अ) एक प्रकार का मोटे
पश्चात्, दाढ़ आदि मोटे पश्चात्
का बना दशा मेला जिसमें पश्चात्,

छोलदारी आदि तह करके रखे
जाते हैं

गल्लूका—(फ) आधी यादों की फलुही

गल्लू—(अ) शिथिल, चुन

शल्लू—(तु) तोपों या च दूकों की बाढ़

शल्लूक उड़ाना = गप्प मारना

शानारत—(अ) वैर, शत्रुता

शान्नाल—(अ) अरबी वष का रसना
महीना

शान—(फ) छह

शान जहत—(मि) पूरब, पच्छिम,
उत्तर, दक्षिण, ऊपर और
नीचे यह छहों दिशाएँ, सम्पूर्ण
विश्व

शान दर—(फ) देखो “ शानजहत ”
जुआ खेलने का पासा जिसमें
छह पहलू होते हैं, वह मकान
जिसमें छह द्वार हों, वह स्थान
जहाँ से निकलना कठिन हो
मौन्का, इका-बका

शान दौंग—(फ) समस्त, सम्पूर्ण,
कुल, पूरा

शान मही—(फ) उमाही, छह
महीने में होने वाला

शानोपज—(फ) असमञ्जस, सोच

विचार, धुंरु पुंरु, जुआ या
जुआ खेलने का पासा

शान्त—(फ) लक्ष्य, निशाना, वह
वस्तु जिसपर गोली, तीर,
आदि का निशाना लगाया जाय,
अगुस्त, अगूटा, सितार बजाने
की मिजराज, वह दहड़ी या चालों
की अगूठी जिसे तीर चलाने
वाले अगूठे में पहनते हैं । दूर-
बीन की भाँति का एक यन्त्र
जिसे भूमि नापने वाले सीधे
देखने के काम में लाते हैं

शाह—(फ) “शाह” का सक्षिप्त रूप,
नादशाह, किसी को गुप्त रूप
से उत्तेजित करने या उमारने की
मिया अथवा भाव, घर, दूल्हा,
शतरज के खेल में एक चाल,
किस्त

शाहजादा—(फ) महाराजकुमार, शाह
शाह का लड़का

शाहजोर—(फ) उल्लान, बलिष्ठ

शाहतीर—(फ) लफ्डी का बहुत पड़ा
और लम्बा लट्ठा जो मकानों की
छत पाटने में काम आता है

शहतूत—(फ) एक वृक्ष विशेष

जिमपर छोटे-छोटे पत्थियाँ के
आधार के लट्टे मीठे पत्थर लगते
हैं इस नाम से प्रसिद्ध पत्थर

शहद—(अ) मधु, मधुमक्खियों
द्वारा समझ किया गया मीठा
और गाढ़ा पूरों का रस

शहद लगाकर चाटना—किसी निरर्थक
वस्तु को व्यर्थ अपनाये रहना

शहदा—(अ) “शहीन” का बहुवचन

शहना—(अ) सरसफ, निरीक्षक,
कोतवाल, चौकीदार, कर वसूल
करने वाला

शहनाह—(फ) नफ़ीरी, गैरान चौकी

शहशाह—(फ) सम्राट, बड़ा बादशाह
यह राजा बिश की अधीनता में
छोटे-छोटे अनेक राजा हों

शहनाज—(फ) एक प्रकार का बाज
पक्षी, बग बाज

शह वाला—(फ) यह लोग लड़का
जो शिनाह के समय दूध के
माथ घोटपर बैठता है

शहम—(अ) म्यूजक, मोजक, मेन्,
चम्पी, पत्नी का मूला मोम,
मजान

शहमात्र—(फ) गान्ध के मोन में

एक प्रकार की बाढ़ी या झर

शहर—(फ) नगर, पुर, मनुष्यों की
बहुत बड़ी बस्ती, अरब का
मदीना नामक नगर

शहर आरायश—(फ) नगर की
मजानत, यह व्यक्ति जो शहर के
हाकिम की आज्ञा बिना शहर से
बाहर न जायके

शहर ताश—(फ) पटोसी, एक ही
नगर के निवासी

शहर पनाह—(फ) यह दीवार जो
नगर की रक्षा के लिए उसके
चारों ओर बनाई जाय, नगर
कोट, नगर की चहार दीवारी

शहरमन्द—(फ) किला, कैदी, फ
जाना

शहरयार—(फ) राजा, बान्साह,
नगर निवाशियों की रक्षा और
सहायता करने वाला

शहरिआत—(अ) नागरिक शास

शहरिय—(फ) नागरिकता, शहरीय

शहरी—(फ) शहर से संबंधी, शहर
में रहने वाला, शहर का

शहरे खामोशी—(फ) शान और
मीन रहने वाली या नगर अंधार

- क़त्रिस्तान, मुर्दों का शहर, शहीद—(अ) साक्षी, बलिदान होने-
श्मशान, मरघट वाला, धम या परोपकार के
लिये प्राण देने वाला निहत,
शहला—(अ) एक प्रकार का नरगिस जिसकी धम के नाम पर हत्या
का फूल जिससे आखों की उप की गड़ हो
मा दीजाती है, काली और भूरी
आँखों वाली स्त्री
शहयत—(अ) इच्छा, कामना,
सम्भोगेच्छा, स्त्रीप्रसंग की
कामना, कामवासना
शहयत अगेज़—(मि) कामोत्तेजक,
कामवासना बढ़ानेवाला, कामो
द्दीपक
शहयत परस्त—(मि) भोगविलासी,
विषयी, कामुक
शहसवारी—(फ) अश्वारोहण कला
शहादत—(अ) साक्ष्य, गवाही,
प्रमाण, बलिदान होना, शहीद
होना
शहाना—(फ) शाहों का सा, शाही,
राजसी, बहुत बढ़िया, एक
प्रकार का राग
शहाय—(फ) एक प्रकार का गहरा
लाल रंग
शहामत—(अ) मोगला, स्थूल,
धीरता, महत्त्व, चढ़प्पन
शहीद—(अ) साक्षी, बलिदान होने-
वाला, धम या परोपकार के
लिये प्राण देने वाला निहत,
जिसकी धम के नाम पर हत्या
की गड़ हो
शहीदेनाज़—(मि) प्यारा मृतक, ऐसा
बलिदान जिस पर गर्व किया
जा सके
शहीम—(अ) मोटा, स्थूल
शहीर—(अ) प्रसिद्ध, रयात
शाअर—(अ) शाता, कवि
शाइक़—(अ) मुग्ध, भ्रमी, शौक्तीन,
शायक़
शाइस्तगी—(फ) योग्यता, शिष्टता,
सभ्यता, भलमनसी
शाइस्ता—(फ) सभ्य, शिष्ट, विनीत,
बिनम्र, योग्य, श्रेष्ठ
शाक़—(अ) असह्य, दूभर, कठिन,
मुश्किल, कष्टप्रद, दुष्ट देनेवाला
शाकिर—(अ) शुक्र अर्थात् कृतज्ञता
प्रकट करने वाला, कृतज्ञ, उप-
कार माननवाला, धन्यवात् देने-
वाला
शाकी—(अ) शिष्यावत करनेवाला,
परियाद करनेवाला, अपना दुःख

जिसपर छोटे-छोटे फलियों के
आकार के खट्टे भीटे फल लगते
हैं इस नाम से प्रसिद्ध फल

शहर—(अ) मधु, मधुमक्खियों
द्वारा सम्रह किया गया मीठा
और गाढ़ा फलों का रस

शहर लगाकर चाटना—किसी निरर्थक
वस्तु को व्यर्थ अपनाये रहना

शहरा—(अ) “शहीद” का बहुवचन

शहना—(अ) सरक्षक, निरीक्षक,
कोतवाल, चौकीदार, फर बसूल
करने वाला

शहनाइ—(फ) नफीरी, रौशन चौकी

शहशाह—(फ) सम्राट, बड़ा बादशाह
यह राजा जिस की अधीनता में
छोटे-छोटे अनेक राजा हों

शहवाज—(फ) एक प्रकार का बाज
पक्षी, बड़ा बाज

शह वाला—(फ) वह डोग लड़का
जो बिगड़ के समय दूल्हे के
साथ घोड़ेपर बैठता है

शहम—(अ) म्यूना, मोटापा, मेर,
चर्बी, पनी का गुण मीठा,
मसाला

शहमात—(फ) जगज के खेल में

एक प्रकार की बाजी या हार

शहर—(फ) नगर, पुर, मनुष्यों की
बहुत बड़ी बस्ती, अरब का
मदीना नामक नगर

शहर आराध—(फ) नगर की
सजावट, वह व्यक्ति जो शहर का
हाकिम की आज्ञा बिना शहर से
बाहर न जायके

शहर ताश—(फ) पड़ोसी, एक ही
नगर के निवासी

शहर पनाह—(फ) वह दीवार जो
नगर की रक्षा के लिए उसके
चारों ओर बनाई जाय, नगर
कोट, नगर की चहार दीवारी

शहरबन्द—(फ) किला, क़दी, क़
खाना

शहरयार—(फ) राजा, बादशाह,
नगर-निवासियों की रक्षा और
सहायता करने वाला

शहरिआत—(अ) नागरिक शास्त्र

शहरिय—(फ) नागरिकता, शहरीपन

शहरी—(फ) शहर सम्बन्धी, शहर
में रहने वाला, शहर का

शहरे खामोशी—(फ) शांत और
मौन रहने वालों का नगर अर्थात्

कब्रिस्तान, मुर्दों का शहर,
श्मशान, मरघट

शहला—(अ) एक प्रकार का नरगिस
का फूल जिससे आखों की उप-
मा दीजाती है, काली और भूरी
आँखों वाली स्त्री

शहवत—(अ) इच्छा, कामना,
सम्भोगेच्छा, स्त्रीप्रसंग की
कामना, कामवासना

शहवत अगोज़—(मि) कामोत्तेजक,
कामवासना बढ़ानेवाला, कामो-
द्दीपक

शहवत परस्त—(मि) भोगविलासी,
विषयी, कामुक

शहसवारी—(फ) अश्वारोहण कला

शहावत—(अ) साक्ष्य, गवाही,
प्रमाण, बलिदान होना, शहीद
होना

शहाना—(फ) शाहों का सा, शाही,
राजसी, बहुत बढ़िया, एक
प्रकार का राग

शहाव—(फ) एक प्रकार का गहरा
लाल रंग

शहामत—(अ) मोगला, स्थूल,
वीरता, महत्त्व, चढ़प्पन

शहीद—(अ) साक्षी, बलिदान होने-
वाला, धम या परोपकार के
लिये प्राण देने वाला निहत,
जिसकी धम के नाम पर हत्या
की गई हो

शहीदेनाज़—(मि) प्यारा मृतक, ऐसा
उलिदान जिस पर गर्व किया
जा सके

शहीम—(अ) मोटा, स्थूल

शहीर—(अ) प्रसिद्ध, रयान

शाअर—(अ) शाता, कवि

शाइक़—(अ) मुग्ध, प्रेमी, शौकीन,
शायक

शाइस्तागी—(फ) योग्यता, शिष्टता,
सभ्यता, मल्मनसी

शाइस्ता—(फ) सभ्य, शिष्ट, विनीत,
विनम्र, योग्य, श्रेष्ठ

शाक़—(अ) असह्य, दूभर, कठिन,
मुश्किल, कष्टप्रद, दुःख देनेवाला

शाकिर—(अ) गुन अधात् कृतशता
प्रसूत करने वाला, कृतज्ञ, उप-
कार माननेवाला, धन्यवाद देने-
वाला

शाकी—(अ) शिवायत करनेवाला,
परियाद करनेवाला, अपना दुःख

मुनानेवाला, चुगली करनेवाला,
चुगलखोर

शाकूल—(फ) एक डोरी म लट्का
हुआ विशेष प्रकार का लट् जो
दीवार मुनानेवाले दीवार की
सीध नापने म काम में लाते हैं
शाक्का—(अ) मुश्किल, कठिन,
कठोर

शाख—(फ) डाली, दहनी, शाखा,
पट्ट, टुकड़े, फाँक, शराब का
प्याला, नुराही, किसी वस्तु के
भेद या प्रकार, शराब के साथ
पर आदि अग, गृग, सींग,
सतान, अद्भुत या विलक्षण बात,
किमी नहर आदि में से निकले
हुए उसके छोटे छोटे भाग,
एक प्रकार का पक्वान

शाखचा—(फ) छोटी दहनी, छोटी
शाखा

शाखदार—(फ) दुरमिमाना, घमडी

शाख साना—(फ) शक, सन्देह,
अभियोग, लड़ाई, झगड़ा,
हुजत, दोग, दकोसला, कल्क

शाख सार—(फ) जहाँ बहुतसे घने
वृक्ष हों, भासा, बाटिका, वृक्ष,

शाखा, दान, दहनी

शाखे आहू—(फ) दौड़ का चद्रमा,
हिरन के सींग, कमान, धनुष

शाखे गजाल—(फ) देखो " शाखे
आहू "

शाखे गुल—(फ) फूड की पैगड़ी,
प्रेमपात्र, प्रेमिका

शाखे जाफरान—(नि) विचित्र,
अद्भुत, अनोखा

शागिर्द—(फ) शिष्य, चेला, सेवक,
दहट्टा, नौसर

शागिर्द पेशा—(नि) दफ्तर में काम
करनेवाला, अहङ्कार, राजाओं
के नौकर चाकरों के रहने का
मकान

शागिर्दी—(फ) शिष्यता, चेलापन
सेवा

शागिल—(अ) किसी काम में लग्न,
सदा इश्वर का चिन्तन करने
वाला

शाज़—(अ) अलग, निराला, कनु
पम, असामान्य अद्भुत, अनोखा,
अकेला, एकाकी, नियम विरुद्ध,
कम

शाज व नौदर—(अ) कमी कमी,

य । कटा

शातिन—(अ) धूर्त, कुकर्मा,

शातिर—(अ) धूर्त, चोर, चालाक,
गत्र बाहक, दूत, चञ्चल, चतुर,
निर्भय, वीर, शतरज का
तिलाडीशाद—(फ) प्रसन्न, हर्षित, सुखी,
पूण, भरा हुआशाद काम—(फ) प्रसन्न, सफल,
नाम विशेष

शाद ख्वाह—(फ) सम्पन्न, प्रसन्न

शाद बाश—(फ) प्रसन्न रहे, शाबाश

शादमान—(फ) प्रसन्न, आनन्दित,
खुशशादौ शादान—(फ) प्रसन्न, उत्तम,
उचित, वाजिब, उपयुक्त, योग्य

शादाब—(फ) हरा भरा

शादिन—(अ) हिरन का भया, हिर
नीटाशादियाना—(फ) आनन्द मगल के
समय मजने वाले राजे, मगल-
वाद्य, बघाई, मुबारकबादी,
वह भेट जो जमीनार के घर
कोद खुशी का काम होने के
समय किसान लोग देते हैंशादी—(फ) खुशी, आनन्दोत्सव,
विवाहशादी मर्ग—(फ) वह मृत्यु जो अल्प-
धि + प्रसन्नता के कारण हुई हो,
वह जो आनन्दतिरेक के कारण
मर गया होशादोनादिर—(फ) यदायदा, कभी-
कभी, बहुत कमशान—(अ) टाट-बाट, तड़क भड़क,
सजावट, ठसक दोसी, प्रतिष्ठा,
मान, इज्जत, भव्यता, विशालता
करामात, विभूति, शक्तिशानदार—(मि) टाट बाट का, तड़क-
भड़कदार, विशाल, भव्यशान शौकत—(अ) टाट बाट, सजा-
वट, तड़क भड़कशाना—(फ) कंधा, बाहुमूल,
कंधा, कंधी, केश काढ़ने का
साधन

शानाकारो—(फ) धूतता, चापदसी

शानाजी—(फ) फल देवने वाला,
शकुन बताने वाला

शानी—(अ) घेरी, शत्रु

शापुर—(फ) एक चाण्याह का नाम,
इस नाम का एक प्रसिद्ध पहल-

वान, एक चित्रकार जा गीरी
और खुमरा रमय सदेश
वाटक या काम करता था

शाफअ—(अ) सिफारिश करने वाला

शाफई—(अ) सत्री सम्प्रदाय के
चार इमामों में से एक का नाम

शाफर—(अ) दया की वस्ती जो घाव
म या गुना में लगाई जाय

शाफी—(अ) आरोग्य प्रदान करने
वाला, शफा देने वाला, साफ,
पूरा, साधा, ठीक

शाघ—(अ) चौबीस से ४० वर्ष तक
की आयु वाला पुरुष, बचान,
युवक

शाखा—(अ) शाख, टुकड़ा, विभाग

शावान—(अ) अरबी वष का आठवां
महीना

शावाज—(फ) 'शादवाज' का
मश्रित, प्रसन्न रहो, खुश रहो,
बादवाइ, साधुवाज, हर्ष या
प्रसन्नतायुक्त ध्वनि

शावाशी—(फ) प्रशंसा, बादवादी

शाम—(फ) सायकाल, सन्ध्या,
स्यास्त का समय, अत समय
एक देश का नाम

शामत—(अ) राग, विपत्ति,
दुभाग्य, दुस्मन्था, दुःशा

शामतजदा—(मि) विपत्तिग्रस्त, आफत
का मारा

शामती—(अ) देखो "शामतजदा"

शामते फमाल—(अ) कुटुम्बों का
गुग फर

शामशेर—(फ) शामशेर, तलवार

शामियाना—(फ) चँदोरा, वह तम्बू
जो बहिर्यों के सहारे छन की
तरह चौगुस ताना जाता है

शामिल—(अ) सम्मिलित, मिला
हुआ

शामिलहाल—(अ) प्रत्येक अवस्था
म साथ रहनेवाला, साथ मिल
कर रहनेवाला

शामिल्लात—(अ) "शामिल" का
बहुवचन, साक्षा, हिस्सेदारी

शामी—(अ) शाम देश निवासी,
शाम देश की कोई वस्तु या
भाषा, शाम देश सम्बन्धी

शामे गरीबों—(फ) निर्देष्टा व्यक्ता
यात्रियों की वह सन्ध्या जो, ठ है
निज्जन और मयानक स्थानों
वितानी पड़े, 'शामे गरीबों'

मी बोला जाता है
 शाब्दा—(अ) प्राण शक्ति, सुँघने की ताकत
 शायर—(अ) सुग्ध, प्रेमी, शौकीन, इशतियाक़्त रखनेवाला
 शाब्द—(फ) कथाचित, रसात, सम्भव है
 शायर—(अ) कवि, उद्, या फारसी की कविता लिखनेवाला
 शायरा—(अ) सती कवि कवयित्री
 शायरी—(अ) कविता, काव्य रचना
 शायी—(फ) अनुरूप, उपयुक्त, अमीष्ट, योग्य, लायक, उचित
 शायी—(फ) प्रकाशित, प्रकट, प्रसिद्ध, जाहिर, छया हुआ
 शार—(फ) शहर, नगर, ऊँचे मकान, साड़ी
 शारअ—(अ) उड़ा माग, सम्माग, राजपथ, प्रारम्भ करनेवाला, शुरू करनेवाला, धर्मोपदेशक, धमश
 शारअ आम—(अ) आम सदन, वह सड़क जिसपर सब थोड़ चल सके
 शारक—(फ) सारिका, मैना नामक पक्षी

शारमार—(फ) एक प्रकार का बड़ा साप
 शारह—(अ) भाष्यकार, शरह या टीका लिखने वाला
 शारिक—(अ) प्रकाशित, चमकीला, सुख
 शारिग—(हु) पगडी
 शारिस्तान—(फ) शहर, उड़ा नगर जहाँ बहुत से ऊँचे ऊँचे मकान हों
 शाल—(फ) उदिया ऊनी चादर, दुशाला
 शाल दोज़—(फ) शाल या दुशाले पर बेलबूटे काढ़नेवाला
 शाल बाफ—(फ) एक प्रकार का लाल रेशमी कपड़ा, शाल दुशाले बनानेवाला
 शाली—(फ) शाल का
 शाश—(फ) मूत, पेशाब
 शाशदान—(फ) मूत-पान, पेशाब का बरतन
 शाह—(फ) बाग़शाह, रसमी, मालिक, मुगलमान फकीरों की उपाधि, मूल, जट, मशान्, बहा, दूल्हा, घर (नौशाह)

शाहची—(फ) सूर्य	या क़सीदे मर में सर्वाकृष्ट हो
शाहज़ादा—(फ) महाराजकुमार, बादशाह का बेटा	शाह राह—(फ) प्रशस्त पथ, साव जनिक मार्ग, राजपथ
शाहज़ादी—(फ) महाराज कुमारी, बादशाह की बेटी	शाह लश्कर—(फ) सेनापति
शाहतरा—(फ) एक प्रकार का साग जो दवा के काम में आता है	शाह चार—(फ) बादशाहों के योग्य, राजोचित
शाह दरिया—(फ) एक कल्पित भूत	शाहाना—(फ़) राजाओं का सा, राजा ओं के योग्य, राजकीय, राज
शाहनामा—(फ) एक प्रसिद्ध ग्रंथ जिसमें फारस के बादशाहों का इतिहास है, बादशाहों का इतिहास	शाही, ग़ुलत बंदिया, वे क़पड़े जो वर की विवाह के समय पहनाये जाते हैं संगीत में एक राग
शाहन्शाह—(फ) सम्राट्, बादशाह का बादशाह, वह राजा जिसके अधीन अनेक छोटे-छोटे राजा हों	शाहिद—(अ) उपरिष्ठ, साक्षी, गवाह (क़) बहुत सुन्दर
शाहन्शाही—(फ) शाहन्शाह या सम्राट् का पद	शाहिदयाज़—(मि) सौंदर्योपासक, हसन परस्त, पापी, अपराधी
शाह नरहना—(क़) स्त्रियों का एक कल्पित भूत	शाहिदी—(अ) शहादत, गवाही
शाह बल्लू—(मि) माजू की तरह का एक वृक्ष, सीता सुपारी	शाहिदे सैन—(फ) परोक्ष साक्षी, परमात्मा
शाह बाज़—(फ) देखो “गहबाज़”	शाही—(फ) शासन, राज, देखो “शाहाना”
शाह बाला—(फ) देखो “गहनाला”	शाहीन—(फ) तगजू का काग़, एक शिकारी पक्षी, सफेद रंग का बाज़
शाह घेत—(फ) वे पक्षियां जो गज़ल	शाहे मगरिच—(क़) चंद्रमा

शि —(फ) घृणा या तिरस्कार सूचक शब्द

शिंशुरफ—(फ) ईशुर, सिंदूर

शिआर—(अ) अ दर या नीचे पहनने का कपड़ा, पोशाक, रंग-ढंग, तौर तरीका, आदत, अभ्यास

शिकज—(फ) चुटनी

शिकजा—(फ) किसी चीज़ को बस फर पकड़ने का यत्न, दमाने या निचोड़ने का यत्न, जिल् साज़ों का एक औज़ार जिसमें कितानों को कसकर दबाते ह

शिकरु—(अ) अघ भाग, आघा हिस्सा, ओर, तरफ

शिकन—(फ) तोड़ने वाला, जैसे “ ददो शिकन ”, सिकुड़न, सलघट

शिकनी—(फ) तोड़ना, भग करना, जैसे—“अहद शिकनी” प्रतिश तोड़ना या भग करना

शिकम—(फ) पट, उदर

शिकम परवर—(फ) पेट पालने वाला, अपनाही पेट भरनेवाला, पेदू, स्वार्थी

शिकमपुरी—(फ) पेट पूर्ति, पट

भरना

शिकम बन्दा—(फ) पेदू, पेट का दास, बहुत खानेवाला, लालची, पेशर्था

शिकम सेर—(फ) जिसका पेट भरी भांति भर गया हो

शिकमी—(फ) पेट सम्बन्धी, पेटका, भीतरी, अन्तरंग, पैदाइशी, जन्म सम्बन्धी

शिकमी काश्तफार—(फ) वह किसान जिसने दूसरे किसान से जोतने बोने के लिये खेत ले रक्खा हो

शिकरा—(फ) बाज़ की जाति का एक शिकारी पक्षी

शिकरा—(अ) शिकायत, गिला, उलाहना

शिकरागुज़ार—(फ) शिकायत करने वाला

शिकस्त—(फ) पराजय, हार, दूट-फूट

शिकस्तगी—(फ) टूटना, टूटने की क्रिया

शिकस्त फाग—(फ) बुरा हार, गहरी पराजय

शिकस्ता—(फ) टूटा फूटा, जीण,

छिन रिक्त, घुगी हालत में, एक प्रकार की लिग्नावट जिममें दूटे फूटे अक्षर प्रनाए गए हों घसीट लिखाइ

शिरायत—(अ) उलाहना, गिला, उपाल्भ, बुराई, चुगली, रोग, बीमारी

शिकार—(फ) आलेट, मृगया, जंगली पशुपक्षियों को मारने का काम अथवा खेल, मारा हुआ पशु पक्षी, मत्स्य, आहार, मांस, कोई ऐसा आदमी जिससे बहुत मात्र मिलन की सम्मानना हो, आसामी

शिकार होना—किसी के द्वारा मारा जाना, किसी के पद में पँसना या घट्ट म होना

शिकारगाइ—(फ) शिकार खेलने का स्थान

शिकार घन्ट—(फ) घोड़े के जीन में पीछे की तरफ लगाया हुआ एक तरफा जो शिकार या कोई और चीज बाधने के काम में लाया जाता है

शिकारी—(फ) शिकार खेलन वाला,

शिकार करन में सहायता देने या काम आनेवाला

शिकूफा—(फ) देखो “चिगूफा” चमन, रथ

शिक्रेव—(फ) सहिष्णुता, सहनशीलता, धैर्य

शिकेजों—(फ) धीर, सहिष्णु, सहनशील, सन्तोषी, सन्न करनेवाला

शिकेवाई—(फ) देखो “शिकेव”

शिकोइ—देखो “शिकोइ”

शिक—(अ) दुकड़ा, रूढ़, अघ माग, मित्र, भाई, कड़ाई, कठारता

शिकाफ—(फ) चीर, नक्षत्र, छेद, दरार, दर्ज

शिकाल—(फ) देखो “शिकाल”

शिकुफत—(अ) फलियों का खिलना

शिकुफता—(अ) देखो “शिकुफता” प्रेमी, मत्त, मतवाला, आगिक

शिकरा—(अ) देखो “शिकरा”

शिताव—(फ) शीघ्र, बहली

शिताघरार—(फ) जल्दबाज़, शीघ्रता से कार्य करनेवाला

शिताची—(फ) घीघ्रता, जल्दी

शिद्व—(अ) कठिनार, कठिनता, कट, अधिकता, सघनी, उग्रता,

तेज़ी, कठोरता, बल प्रयोग,
ज्ञवरन्स्ती

गिनाअ—(फ) तेरना, सतरण,
तेरने वाला

गिनाख्त—(फ) देखो “शनाख्त”

गिनास—(फ) देखो “शनाम”

गिनासा—(फ) पहचानने वाला

गिनासार्ह—(फ) ज्ञान पहचान,
परिचय

शिफा—(अ) देखो “शफा”

शिफाअत—(अ) देखो “शफाअत”

शिनली—(अ) एक बली का नाम

शिमाल—(अ) उत्तर, उत्तरदिशा

शिया—(अ) देखो “शीआ”

शिरक—(अ) ईश्वर के नाम के साथ
किसी और का भी नाम शामिल
करना जो अनुचित है

शिरकत—(अ) साक्षा, सहयोग,
शायकत

शिरयान—(अ) शरीर की छोटी नस,
नाड़ी, रग

शिर/कत—(अ) देखो “शराकत”,

शिरक—(अ) देखो “शिरक”

शिलग—(फ) उठलना, कूटना,
छाना, डग, कम्म

शिलग—(देश) दूर-दूर टाके मार
कर की जानेवाली मोटी सिलाई

शिस्त—(फ) देखो “शस्त”

शिहना—() देखो “शहना”

शिहाव—(अ) आग की लपट, उत्का-
पात, आकाश से टूटने वाला
तारा,

जीअ—(अ) मुसलमानों का एक दल
जिसने हज़रत अली और उनके
नाती बेटों का सदा साथ दिया,
शीआ दल के अनुयायी मुसल
मान, सहायक, मददगार

शीन—(अ) अरबी बण माला का
तेरहवा तथा उदू लिपि का अठा
रहवा बण

शीन क्ताफ दुरुस्त होना =
अरबी या फारसी के शब्दों का
ठीक ठीक उच्चारण करना या
होना

शीर—(फ) दूध, दुग्ध, क्षीर

शीर खिस्त—(फ) एक विरेचक दवा

शीरगम—(फ) साधारण गरम,
मटोण, गुागुना, कुनकुना

शीरजी—(फ) मिठाई, मिठास, मीठा
पन, गीरोनी

श्रीर शिख—(फ) खीर, दूध म पकाए
हुए चावल

श्रीरमाल—(फ) मैंग की बनी एक
प्रकार की गमीरी रोटी

श्रीर य शकर—(फ) दूध और चीनी
की तरह परस्पर मिले हुए

श्रीरा—(फ) पानी का सोता, रुधिर
वाहिनी छोटी नाड़ी, शिरा
पानी की धारा

श्रीराज—(फ) फारस देश का एक
प्रसिद्ध नगर

श्रीराजा—(फ) व्यग्रस्था, प्रबन्ध,
पुस्तक की सिलाई म वह इधर
उधर निकलता हुआ योग या
फीता जो तिल आधने में पुटे
फ साथ चिपका दिया जाता है

श्रीराजी—(फ) श्रीराज नगर का,
एक प्रकार का कपूर

श्रीरी—(फ) भीड़ा, मधुर, रुचिकर,
मिष्ट, प्यारा

श्रीरोनी—(फ) देनी “श्रीनी”

श्रीशय जान—(फ) कोमल हृदय,
मृदु स्वभाव

श्रीशय दिल—(फ) कापर, भीरु,

हरपोरु, हृदय रूपी दण

श्रीशय साइत—(मि) पुरानी चाय
की बाड़ घड़ी

श्रीशा—(फ) काँच, दण, काच का
बना हुआ शब्द, फानूस आदि
सामान

श्रीशागर—(फ) काच या काच की
वस्तुएँ बनाने वाला, श्रीशागर

श्रीशानाज—(फ) मफार, धूत,
घोंघेनाज, राजीगर, नट, मदारी

श्रीशा—(फ) काँच का बना एक प्रकार
का पात्र जिसमें तेल रखा आदि
रखते हैं

श्रीशयडा—(अ) बाज़ीगरी, जादूगरी

श्रीशय—(अ) समूह, छंद, शाला,
विभाग, नहर

श्रीशरा—(अ) “शायर (कवि)”
का बहुवचन, कवि लोग

श्रीशाअ—(अ) सय की शिख,
रुचिरदिन

श्रीशार—(अ) देली “गिआर”

श्रीशराना—(फ) शुद्धि, धन्यवाद
कृतज्ञता, किसी के द्वारा काय
सिद्ध होजाने पर उसको धन्य
वाद के रूप में दिया गया धन

शुक्र—(अ) अत्यधिक कृतज्ञता
प्रकट करने वाला, इश्वर का
एक नाम या विशेषण

शुक्ला—(अ) वह पत्र जो बादशाह
की ओर से किसी अमीर अथवा
सरदार के लिए लिखा जाय

शुक्र—(अ) कृतज्ञता, अन्यवाद

शुक्रगुजार—(मि) कृतज्ञ, महसान
मानने वाला, आभारी, अनु
गृहीत

शुगल—(फ) देखो “ शगुल ”

शुगल—(अ) देखो “ शगल ”

शुजाअ—(अ) वीरता, बहादुर

शुजाअत—(अ) वीरता, बहादुरी

शुतर—(अ) ऊट, उष्ट्र

शुतरी—(फ) ऊट के रंग का, ऊट
के बालों का बनाहुआ, ऊट की
पीठ पर रखकर बजाया जाने
वाला घौसा या नफारा

शुतर—(फ) देखो “ शुतर ”

शुतरकीना—(फ) द्वेपी, इर्ध्याल,
कुटिल, फाले हृदयका, वह
जिसके हृदय में सदा वैर भाव
बना रहे

शुतर शमजा—(फ) छल-कपट,

चालाकी, धूर्तता, धोला, अनु
चित, नपरा

शुतुरगाव—(फ) जिराफ नामक पशु
जो ऊट से मिलता जुलता होता
है

शुतुर गुरवा—(फ) परस्पर विरोधी
पदाथ

शुतुर दिल—(फ) मीर, डरपोक,
कायर

शुतुर नाल—(फ) छोटी तोप जो
ऊट पर रखकर चलाई जाती है

शुतुरपा—(फ) सुरजमुखी नामक
फूल

शुतुरवान—(फ) ऊट चाला ऊँट
हान्ने वाला

शुतुर मुर्ग—(फ) एक प्रसिद्ध पक्षी
जो ऊँट के बराबर ऊँचा होता
है

शुद—(फ) गया, गुजरा, बीता,
किसी काम का प्रारम्भ

शुदनी—(फ) होनहार, भवितव्य,
होनेवाली बात, सम्भव, होने या
हो सकने योग्य

शुदबुद—(फ) किसी बात का बहुत
थोड़ा ज्ञान

- शुका—(अ) पड़ोस, पान्न, पास
 शुनहा—(अ) शक, सदेह, वहम,
 घोसा
 शुना—(अ) देखो “शुनहा”
 शुमा—(अ) देखो “शुनहा”
 शुमार—(फ) सख्या, गिन्ती, गणना
 लेखा, हिसाब
 शुमार कुनिन्दा—(फ) गणना करने
 वाला, गिननेवाला
 शुमायल—(फ) आदत, टेब,
 आदति रूप, सूरत, जाँया हाथ
 वृक्ष की कोपल, तरह, भाति
 शुमारी—(फ) गिती, गणना,
 गिनना
 शुमाल—(अ) उत्तर की दिशा
 शुमाली—(अ) उत्तर दिशा का
 शुमूल—(अ) पूरा, कुल, सघ
 शुरका—(अ) “शरीक” का बहुवचन
 शुरफा—(अ) शरीफ (उज्जन) का
 बहुवचन
 शुरु—(अ) प्रारम्भ, उत्थान, वह
 जगह जहाँ से किसी वस्तु या
 बात का प्रारम्भ हो
 शुर्व—(अ) पीना
 शुल-य-शु—(फ) नशाना, घोना,
- किसी चीज़ की धोकर स्वच्छ
 और पवित्र करना
 शुस्ता—(फ) स्वच्छ, साफ, निर्मल,
 पवित्र, धाया हुआ, शुद्ध, परि
 धृत (जैसे—शुस्ता जुवान)
 शुहरत—(अ) प्रसिद्धि, रयाति
 शुहरा—(अ) प्रसिद्ध, खात, मशहूर
 शुहूद—(अ) समस्त विश्व की इश्वर
 मय देखना, मन की वह अवस्था
 जिसमें मनुष्य को मसार की
 प्रत्येक वस्तु में परमात्मा दृष्टि
 गत हो
 शुम—(अ) अंशुम, मनहूस, अमाणा
 कजूम
 शेख—(अ) थूढ़ा, थूढ़, पचास वष
 से अधिक आयु वाला, मुसल-
 मानों के चार वर्गों में से एक,
 मुहम्मद साहब के पश्चो की
 उपाधि, मुसलमानों का धर्मा
 चाय
 शेख उल्ल इस्लाम—(अ) अपना मर्या
 का इस्लाम का सबसे बड़ा धर्मा
 धिकारी और अंगुआ
 शेख चिह्नी—(मि) एक प्रसिद्ध
 रसि का नाम जो अपने मूत्ता

पूण कामों के लिये प्रसिद्ध है,
बहुत बड़े बड़े मनसूबे बाधने
वाला

शेखी—(अ) ँँठ, अकड़, घमण्ड,
गर्भ, अहंकार, डींग, शान,
आत्मश्लाघा

शेखी मारना—बहुत बढ़ बढ़ कर
बातें करना, अपनी प्रशंसा की
डींग हँकना

शेफ्तगी—(फ) आसक्ति, अनुरक्ति

शेफ्ता—(फ) आसक्त, अनुरक्त

शेब—(फ) नशेब, (नीचा) का
सक्षिप्त रूप

शेर—(फ) सिंह, बाघ, नाहर, बिल्ली
की शक्ल का बहुत बड़ा जंगली
हिंसक जानवर, बहुत अधिक वीर
और साहसी पुरुष

शेर—(अ) उदू की कविता के दो
चरण, कविता, जानना

शेर आवी—(फ) पानी का शेर
अर्थात् घड़ियाल

शेरखानी—(मि) कविता पढ़ना

शेरगोई—(मि) शेर या कविता पढ़ना

शेर दर्हो—(फ) जिमना मुँह शेर
कासा हो, गिबने सिरों पर शेर

के मुँह बने हों, जिसकी घुड़िया
शेर के मुँह के प्रकार की बनी हों,
ऐसा मकान जो आगे से चौड़ा
और पीछे की ओर सकरा हो

शेर पजा—(फ) एक शस्त्र विशेष
जो शेर के पजे की शक्ल का
होता है, बघ नखा

शेर बवर—(अ) अफ्रिका देश में
पाया जाने वाला एक जाति का
शेर जिसकी गर्दन पर बड़े-बड़े
बाल होते हैं, केसरी

शेर मर्द—(फ) बहुत बड़ा बहादुर
शेयन—(फ) क्रन्दन, कराहट, रोना,
चिल्लाना, रो रो कर दुःख प्रकट
करना

शेवा—(फ) दग, व्यवहार, प्रचार,
तर्ज, तरीका, प्रगाली, दस्तूर,
प्रथा

शे—(अ) चीज, पदार्थ, वस्तु, भूत-
प्रेत

शैतनत—(अ) दुष्टता, शैतानी,
शैतानपन

शैतान—(अ) दुष्ट, एक तामसी प्रवृत्ति
का देवता जो मनुष्यों को समाग
से बहका कर कुमाग में ले जाता

है, दुष्टस्वभाव के भूत प्रेतादि
खुदा का दुश्मन

शैतान की आँत—किसी भी बहुत
लम्बी वस्तु के लिए व्यर्थ म
बोला जाता है

शैतानी—(अ) शैतान का काम, दुष्टता,
द्वारारत, नीचता, पाजीपा,
शैतान का, शैतान सम्बन्धी

शैतान—(क) मुग्ध, मोहित, मत्त,
दीवाना, आसक्त, आशिक

शैतानई—(क) जो किसी पर आसक्त
हो, मुग्ध, आशिक

शोअरा—(अ) देखो 'शुअरा'

शोर—(क) चपल, चञ्चल, चालाक,
ढीठ, धृष्ट, नटखट, गद्गद और
चमत्कार रग, माशूक

शोर चश्म—(क) निरञ्ज, बेहशा,
ढीठ

शोखी—(क) ढिठाई, धृष्टता, चञ्च
लता, चरत्ता, नट-नट पन,
रग की गद्गदई और चमक

शोय—(क) धुगई, धोने की किया

शोयना—(अ) इद्रजान, चमत्कार,
बादू, धोखा

शोयदागर—(मि) बादूगर, ऐद्र

जात्रिक

शोयदा घाज—(फ) देखो 'शोयदागर'

शोवा—देखो "शुअरा"

शोर—(क) कोलाहल, चीप, पुनार,
हस्ता गुल्ल, प्रसिद्धि, प्रमोमान,
धार, नमक, गारा, धारयुक्त,
ऊसर भूमि, रेह, शोध

शोर पुश्त—(क) झगड़ाई, उद्गृह

शोर वस्त—अभागा, कमवस्त

शोरना—(क) पानी में फोड़ चीज
उधालकर उनाया हुआ रसा,
जूम, यूय

शोरा—(फ) लीनी मिट्टी में तैयार
किया हुआ एक छार

शोरा पुश्त—(क) देखो "शोरपुश्त"

शोरावा—(क) गारा पाती

शोरिश—(क) झगड़ा, फमाद,
हुल्लद, गोर, गुड, हल-चल,
गलबली

शोरीदा—(क) व्याकुल, विरह,
धनराया हुआ

शोरीदा सार—(क) उमत्त, पागल,
विक्षिप्त

शोला—(अ) आग की लपट, ज्वाला,
प्रकाश

शोलाखू—(मि) उग्र स्वभाव वाला,
गम्भ मिजाज वाला

शोलाजन—(मि) प्रशशित, चमत्ता
हुआ

शोलारू—(मि) रूप बान, सुन्दर,
तेजस्वी

शोशा—(फ) किसी चीज़ की निकली
हुई नोक, कोई अद्भुत बात

शोहदा—(फ) “शहीद” का बहुवचन
गुण्डा, धूत, लम्पट, व्यभिचारी

शोहर ए आफाक—(मि) जगत प्रसिद्ध,
विश्वविख्यात

शोहरत—(अ) देखो “शोहरत”

शोहरा—(अ) देखो “शोहर”

शौक—(अ) रुचि, प्रेम, अनुराग,
उत्साह, प्रवृत्ति, छकाव, प्रसन्नता,
उत्सोग

शौकत—(अ) ठांड, शान, प्रभाव,
आतंक, कांटा, बल, शक्ति

शौकिया—(अ) शौक से, मनोरंजन
के लिये, शौक से भरा हुआ,
शौकाला

शौकीन—(अ) शौक करनेवाला, ठांड
वाट से रहने वाला

शौकीनी—(अ) शौकीन होनेवाली

शौहर—(फ) स्त्री का पति, स्वामी,
मालिक, स्वतम

शौहरा—(फ) घर के माथे पर बांधा
जाने वाला सहारा

शौहर परस्त—(फ) पति पूजक,
पतिव्रता

स

सग—(फ) पत्थर

सगचा—(फ) ओला, उपल

सगजान—(फ) जिसके प्राण कठिनाई
से निकलें, जिमके मरने में
बहुत समय लगे या कष्ट हो,
निर्दय

संगतराश—(फ) जो पत्थर को काट-
छाटकर उसमें से भांति भांति की
चीजें बनाते हैं

सग तराशी—(फ) संगतराश का काम
पत्थर को काट-छाटकर चीजें
बनाना

सगादिल—(फ) जिम का दिल पत्थर
जैसा हो, कठोर हृदय, निर्दय
कर

सगादिली—(फ) कठोर हृदयता,
निर्दयता, क्रूरता

सग पुस्त—(फ) जिसकी पीठ पत्थर

जैसी कड़ी हो, चछुआ, कच्छप

सगदसरी—(मि) एक प्रकार का पत्थर, जो दवा के काम में आता है

सगदून—(फ) पथरीली जमीन

सग मरमर—(फ) एक सफेद चमकीला और मुलायम चट्टिया पत्थर

सग मूसा—(मि) एक काला चमकदार मुलायम और चट्टिया पत्थर

सगरू—(क) निहङ्ग, बेइया

सगरजा—(क) ककड़, रोड़ा

मगलाख—(फ) जहा पत्थर ही पत्थर हाँ, पथरीला या पहाड़ी स्थान

सगशोई—(फ) ढाल या चानलों को पानी में डालकर नीचे बैठे हुए ककड़ पत्थरों को बीनना

सगसाज—(फ) लीथो की छापाई में पत्थर पर बने हुए अक्षरों की शलकियाँ ठीक करने वाला

सगसार—(क) अपराधी को कमर तक जमीन में गाड़कर पश्चात् पत्थर मार-मार के उसके प्राण लेना, (इत्यादी अवशान्न में अभिनारी के लिये इस दंड

का विधान है)

सगसारी—(फ) देखो “सगसार”

सगिस्तान—(क) पहाड़, वह स्थान जहा पत्थर ही पत्थर हो

सगी—(फ) पत्थर का बना हुआ

सगी—(फ) मारी, गम्भीर, मोसल, पत्थर का बना हुआ, मजबूत, टिकाऊ, एक जुबीला इपियार जो बंदूक की नाल के सिरे पर लगाया जाता है

सगीन दस्त—(क) धीरे धीरे धाम करनेवाला, दीपसूची

सगीन दिल—(क) कठोर हृदय

सगीनी—(फ) मजबूती, पुष्टता, गुफ्ता, भारीपन

सगे अस्वद—(मि) काबे में रक्त्ता हुआ वह काला पत्थर जिसे मुसल्मान लोग परम पवित्र समझते हैं और जो कोई हथ करने जाता है वही उसे चुमता है

सगे आस्तों—(क) घर की देहली का पत्थर

सगे खारा—(क) एक प्रकार का नीला पत्थर

सगेज़र—(क) कठोरी.

सगे तराजू—(फ) ञैर, बटखरे

सगेनसू—(फ) सफेद पत्थर

सगे मज्जार—(मि) कब्र पर लगा हुआ पत्थर, जिसपर मृत व्यक्ति का नाम तथा उसके जन्म मरण की तारीखें लिखी होती है

सगेमसाना—(मि) बड़े पत्थर जो मनुष्य के मूनाशय में पैदा हो जाता है, मूनाशय की पथरी

सगे माही—(फ) एक प्रकार का पत्थर जिसके लिए कहा जाता है कि वह मछली के सिर में से निकलता है

सगे मिक्कनातीस—(मि) चुम्बक पत्थर

सगे यशव—(फ) हरे रंग का एक पत्थर जिसके लिये कहा जाता है कि उसके टुकड़े गले में पहनने से हृदय रोग शांत हो जाता है, हौलदिली

सगे राह—(फ्र) राह का रोड़ा, विघ्न, बाधा

सगे लरजों—(फ्र) एक प्रकार का रुचीला पत्थर जो हिलाने से रुचकता है

सगे लोह—(मि) देखो “ सगे मज्जर ”

सगे शजर—(मि) एक विशेष प्रकार का पत्थर जो समुद्र या नदियों में से निकलता है

सगे सिमाक—(मि) एक प्रकार का सफेद पत्थर

सगे सीना—(फ) छाती पर का पत्थर, कोई अप्रिय बात या वस्तु

सगे सुरमा—(फ्र) सुरमे की डली

सगे मुख—(फ) लाल रंग का पत्थर,

सगे सुलमानी—(मि) एक प्रकार का दोरगा पत्थर जिसके बने गुरियों की माला मुसलमान फकीर पहनते हैं

सज—(फ) समझने वाला, जानने वाला, (यौगिक शब्दों के अन्त में, जैसे, सखुनसज आदि)

सजाक—(फ्र) गोट, किनारी, राशिया, वह पतली पट्टी जो लहंगा या लिहाक के किनारे पर लगाई जाती है

सजीदगी—(फ्र) गम्भीरता, धीरता,

मारी मरकम होना

सजीवा—(फ) गमोर, मारी मरकम,
नपा-तुआ, टीर, उपयुक्त, ठीक
निशाना लगाने वाला,

सअद—(अ) शुभ, मंगलकारक,
सौभाग्य, खुशकिस्मती, प्रहो
आदि का शुभ प्रभाव

सअन—(अ) प्रिय, कठिन, कठोर.
सआदत—(अ) नेकी, भलाई, सौभाग्य
मआदतमन्द—(मि) अज्ञकारी,
मुयोग्य, भाग्यशाली, (प्राय पुत्रा
दि के लिये आता है)

सई—(अ) प्रयत्न, कोशिश, दौड़ धूप,
प्रतिश्रम, सिफारिश

सइद—(अ) भला, शुभ, भाग्यवान्
सइस—() देखो “साइस”
सइ सिफारिश—(मि) प्रयत्न, दौड़
धूप

सऊद—(अ) भाग्यवान, शुभ, भला.

सऊयत—दिकत, कठिनाई, सकट,
आफ़त

सकता—(अ) किमय्यता, गिरपड़ना,
एक प्रकार का मूँछा रोग, मिर
गी, स्तम्भित या चकित होने
की अवस्था, कविता में यति

अथवा यति भग दोष

सकनकूर—(तु) गोह धी तरह का
एक जीव जो प्राय रेतीली
जमीन में रहता है, रेगमाही

सकना—(अ) “साकित” का बहुवचन

सकफ—(अ) मरान की छत्र

सकमूनिया—(यू) एक रेचक दवा

सकर—(अ) नरक, बहनुप, दोज़ख

सकलैन—(अ) मनुष्यों और भूतोंके
दो समुदाय

सकाल—(अ) पृथुङ निनम्रिनी,
मेटी (स्त्री)

सकालत—(अ) भारीपन, गरिष्ठपन
भारी बेसा

सकित—(अ) अपूरा गम, भूग
सक्तीम (अ) रुग्ण, रोगी बीमार,
दोषयुक्त, ऐजदार

सक़ील—(अ) भारी, शोस्त, गरिष्ठ,
घेर में हज़म होनेवाला

सकून—(अ) देखो “ सकूत ”

सकून—(अ) मनकी छाति, टहरना.

सकूनत—(अ) टहरने की जगह,
रहने को जगह, निवास स्थान

सक़र—(अ) मिरती, मरक में मरके
पाती लाने वाला

सकलावा—(अ) पानी रूने की टभी,
पानीका शौज

सकल—(अ) मकान वी छत, छत
पर बना हुआ कोठा

सक्त—(अ) शक्ति, बल

सखावत—(अ) दानशीलता, उदारता,
कड़ाई, कठोरता

सखी—(अ) दाता, दानी, उदार

सखुन—(फ) बात, कथन, उक्ति,
वचन, कहावत, कविता, प्रतिज्ञा,
वादा

सखुन चीन—(फ) चुगलखोर,
पिशुन

सखुन तकिया—(फ) वह वाक्य या
वाक्यांश जिस का बात चीत से
कोई सम्बन्ध न होने पर भी
अभ्यास यश बहुत से लोग बार-
बार प्रयोग करते हैं तकिया
कलाम

सखुन दौं—(फ) कवि, साहित्य का
शाता, जो उक्तियों का भाव सम-
झता हो, शायर

सखुन परवर—(फ) अपने वचन का
पात्रन करने वाला बात का धनी

सखुन प्रहम—(फ) बात चीत का

मर्म समझने वाला, चतुर, बात
को पचने वाला

सखुन रस—(फ) देखो सखुन फहम

सखुनवर—(फ) देखो "सखुन दाँ"

सखुन शिनास—(फ) बात को पह-
चानने वाला, बात की तरह तक
पहुचने वाला, बात का तत्व
समने वाला

सखुन सज—(फ) देखो "सखुन दाँ"

सखुन साज—(फ) बातों को घड़-
कर सुन्दर ढग से कहने वाला,
सुवक्ता, बातें बनाने वाला, गप्पी,
झूठा

सखून—(अ) जलता हुआ

सखूनत—(अ) गरम, उष्ण

सख्त—(फ) कड़ा, कठोर, भारी,
सगीन, मुश्किल, निदय, कठोर
हृदय, नुस्त अधिक

सख्त जान—(फ) जिस के प्राण
मुश्किल से निकलें, मशमूरा
कष्ट सहिष्णु, कठोर हृदय,
निर्दय, क्रूर

सख्त दिल—(फ) कठोर हृदय, निर्दय

सख्त मीर—(फ) देखो सख्त जान

सख्ती—(फ) कठोरता, कड़ाई,

दाटडपट, फटा व्यवहार, दड़ता,
टीमग, तेज़ी

सग—(फ़) कुत्ता, कुक्कुर, इवा

सगजान—(फ़) लालची, लुब्धक

सग सार—(फ़) कुत्ते की तरह, कुत्ते
के समान

सागरी—(फ़) निलजता, क्रूरता

सागव—(अ) भूखा प्यासा

सागीर—(अ) छोटा, लघु, अल्प
कम

सागीर सिन—(अ) कम उम्र का,
अल्प वयस्क

सागी सिनी—(अ) अल्प वयस्कता,
नाबालिगी, कमसिनी.

सम—(अ) छोटापन, लघुता,
लघुत्व

सजन—(अ) कारागार, कैदखाना

सज्जक—(अ) परदा, रात का अंधेरा

सजल—(अ) पानी से भरा हुआ
बड़ा डोल

सज्जा—(अ) पक्षियों का कलरव,
कविता, छन्द, ऐसा वाक्य
अथवा पद जिससे किसी व्यक्ति
का नाम सूचित होता हो तथा
उस नाम से भिन्न उसका और

भी अर्थ होता हो

सज्जा—(फ़) दण्ड, कैदखाने में रखने
का दण्ड

सज्जाए कल्ल—(मि) प्राणदण्ड, पॉली
या सूली की सज्जा

सज्जाए मौत—(मि) देखो “सज्जाए
कल्ल”

सज्जायाफ़ता—(फ़) जो सज्जा या जुर्माना
हो, जो कैद भोग चुका हो

सज्जायात्र—(फ़) दण्डनीय, सज्जापाने
लायक, सज्जा या 1 हुआ

सज्जा वार—(फ़) दण्डनीय, शुभ फल
देने वाला, उचित, वाञ्छित,
उपयुक्त

सज्जाबुल—(वु) तहसील्दार, सरकारी
रूपया यस्तुल करने वाला

सहीन—(अ) कैदी, बन्दी

सज्जाद—(अ) शिर छटाने वाला,
सिज्जाद करने वाला

सज्जादा—(अ) किसी महात्मा का
प्रकीर्ण की गद्दी, यह रिछारन,
जिसे रिछारन नमाज़ पढ़ते हैं,
मुमता, जानमाज़

सज्जादा नशीन—(मि) जो किसी पौर
या फ़कीर की गद्दी पर बैठा हो

सतर—(अ) पक्ति, लकीर, रेखा,
अवली, आड़, ओट, परदा,
मनुष्य की मूत्रेन्द्रिय, क्रुद्ध, कुपित
देहा, वक्र

सतरदन—(फ) बन्ध्या, बँस ली

सतरनज—(फ) दो-तीन प्रकार के
अनाज एक में मिले हुए, सत
नजा

सतह—(अ) तल, घातल, किसी बाजु
का ऊपरी भाग, मकान का फश,
वह निस्तर जिसमें केवल लम्बाई
चौड़ाई हो

सतह—(मि) भूतल, मैदान

सताइश—(फ) प्रशंसा, तारीफ

सतून—(फ) स्तम्भ, रज्जु,

सतूँ—(अ) “सतह” का बहुवचन

सत्त—(अ) पुरुष की गुप्तेन्द्रिय, आड़,
ओट, परदा

सत्तार—(अ) बड़ा, छिपने वाला,
खुटा का नाम

सद—(अ) सत, सौ, बाधा, आड़,
रुकावट, दीवार, परदा, ओट

सदफा—(अ) निछावर, उतारा,
जैगन, दान

सदपा—(मि) कान राजरा नामक अन्तु

सदफा—(अ) सीपी, शक्ति, वह सीप
जिसमें मोती निक्कता है,
शिव का छोटा प्याला, तीन
तारे जो मूत्र की ओर होते हैं

सदबर्ग—(फ) गेंदा का फूल जिसमें
सैकड़ों पगड़िया हों

सदमा—(अ) बट, दुल, चोट,
वेदना, आघात, धक्का, रज

सदर—(अ) प्रधान, समापति,
मुखिया, बड़ा, विशिष्ट, भेष्ट,
मुख, खास, प्रधान, मुखिया,
अथवा समापति के कार्य करन
या रहन का स्थान, सम्मुख,
सामने, अग्रभाग, छाती, वक्ष
स्थल, आँगन, चौक, सहन

सदर आजम—(अ) प्रधान मंत्री,
मुखिमात्य

सदर आला—(अ) सप्रबज्र, छोटा
जज

सदर जहान—(मि) एक कल्पित भूत
या बिन जिसे औरतें पूजती हैं

सदर नशों—(मि) प्रधान, समापति

सदरनशीनी—(मि) प्रधानत्व, समा
पनित्व

सदर सदूर—(अ) मुखप न्यायाधीश

सदर—(अ) एक पन्ने का कपड़ा

मटरी—(अ) फतुही, कुतों

सन्हा—(अ) सैद्दी, बहुत मे

सदा—(अ) आराध, गूर, प्रति
धनि, शब्द, मांगने या पुका
रने की आज्ञा

सदाएँ गिरिया—(मि) कराहना,
रोना पीटना

सदाकत—(अ) सचाई, मित्रता,
गवाही

सदाद—(अ) कायवाही, घटना

सदास्त—(अ) समावृत्ति, प्रधा
नत्व, अध्ययन

सदी—(अ) शताब्दी, सौ वर्ष का
समय

सह—(अ) दीवार, रोक, इकावट,
बाधा, दृढ़

महे याजून—(अ) महे सिक्कर

संदे सिन्दूर—(मि) चीन देश की
प्रसिद्ध टीगर जो संसार के
सब आर्थों में से एक मानी
जाती है कहते हैं इसे बादशाह
सिन्दूर ने बनवाया था

सदर—(अ) देखो “सदर”

सन—(अ) वर्ष, मन्त्र, साल

सनअ—(अ) मुद्रता

सनअत—(अ) कलागोचल, कारी
गरी, शिल्प

सन जुल्म—(अ) राज्याभिषेक का
सवत्

सनद—(अ) प्रमाण पत्र, प्रामाणिक
बात, आदेश, प्रमाण, जिसपर
विश्वास किया जा सके, विश्वस
नीय, बड़ा तर्जिया, मसनद,
गाय तर्जिया

सन्दर्भ—(अ) प्रमाण के रूप में

सनफ—(अ) भेट, प्रसार

सनघोसा—(अ) समोसा, तिरकोन,
एक पक्षपान विशेष

सनम—(अ) प्रिय, प्यारा, प्रेमपात्र
या प्रेमिका, मूर्ति, दुग्ध

सनमकदा—(मि) प्रेमपात्र या
प्रेमिका के रहने का स्थान,
मन्दिर

सनम खाना—(मि) देवो मनमकदा

सना—(अ) प्रमाण, प्रशंसा, स्तुति,
तारीफ, ऊँचाई, सनाय नामक
घास जो दस्तावर होती है।

सनाअत—(अ) कारीगरी, शिल्प,
कलागोचल

सनागर—(मि) स्तुति करनेवाला,
प्रशंसक

सनाया—(अ) कलाबौशल, कारी-
गरी, शिल्प

सनोवर—(अ) बिलगोज़ा का पेड़,
चीड़ का दरख्त

सन्दल—(अ) चन्दन

सन्दली—(अ) सन्दल या चन्दन से
बनाया हुआ, चन्दन का, चन्दन
के से रंग का, (क) छोटी
चौकी

सन्दूक—(अ) बक्स, पेटी, लकड़ी
का बना हुआ चौझोर पिटारा

सन्दूकचा—(मि) छोटा सन्दूक

सन्दूकथी—(मि)छोटा सन्दूक

सन्दूकी—(अ) सन्दूक के आकार का,
सन्दूक की तरह का

सन्नाअ—(अ) महान् कलाकार, बहुत
यज्ञा करीगर

सपाहत—(अ) यात्रा, सफ़र

सपिस्तों—(फ) हि.सौड़ा नामक फल
विशेष

सपुर्दे—(फ) सोपना, रक्षापूर्वक रखने
के लिए देना।

सपुर्देगो—(फ) सौंपे जाने की क्रिया,

रक्षापूर्वक रखने की जिम्मेदारी
सपेद—(फ) सफेद, श्वेत, उज्ज्वल,
गोरा, चिट्टा कोरा, सादा, एक
नदी, एक किले और एक भूत
का नाम

सपेद बखत—(क) सौभाग्यशाली,
जिसका भविष्य उज्ज्वल हो

सपेरा—(फ) उप कालीन उबाला,
प्रातः काल का प्रकाश, एक प्रसिद्ध
दवा

सफ़—(अ) पक्ति, लाइन, क़तार,
लम्बी शीतल पाटी

सफ आरा—(मि) युद्ध में व्यूह-रचना
करने वाला, लड़ाई में सेना की
पक्तियाँ अथवा स्थान नियत
क़रने वाला

सफ़नग—(मि) युद्ध के लिए व्यूह
रचना, सैनिकों की यथा स्थान
नियुक्ति

सफ़दर—(अ) व्यूह का मेहन करने
वाला, सन्निहों की पक्ति को
तोड़ने वाला

सफ़र—(अ) यात्रा, प्रस्थान, मार्ग
चलने की अवस्था, एक प्रकार
का उदर रोग, अवकाश, अरबी

वर्ष का दूसरा महीना

सफ़र नामा—(मि) यात्रा विवरण

सफ़रा—(अ) पित्त, शरीर में रहने वाले तीन दोषों में से एक (दूसरा)

सफ़रायी—(अ) पैसिक, पित्त सम्बन्धी

सफ़री—(क) यात्रा में काम आने वाला, यात्रासम्बन्धी, माग्यय, पापेय, एक फल विशेष, अमर

सफ़री—(क) शाह शफ़री नामक फ़कीर से चला हुआ बश जो फ़ारस या ईरान का एक राज बश कहा जाता है

सफ़र—(अ) पुस्तक के पृष्ठ, किसी वस्तु का वह भाग जो ऊपर या सामने दिखाई पड़े, तल, विस्तार

सफ़र ए हस्ती—(मि) भूतल

सफ़रा—(अ) देखो "सफ़र"

सफ़र—(अ) पवित्र, स्वच्छ, विशुद्ध, निर्मल, समकक्ष, सफ़र या सफ़रा

सफ़रई—(अ) पवित्रता, स्वच्छता,

विशुद्धता, निर्मलता, मन की मलिनता का दूर करना, कूटिलता या कपट भाव का हटाना, पग्लर के शगडे का निपटारा, किसी पर लगाए गए दोषों का हटा देना, बूढ़ेककट को दूर करने की क्रिया

सफ़ाचट—(मि) एकदम साफ, बिल्कुल साफ

सफ़द—(अ) वेड़ी और जज़ीर तिन से क़ैली की बांधते हैं

सफ़या—(अ) पूरी तरह से सफ़ा, कुछ भी शय न रहना, सफ़नाय

सफ़ी—(अ) शुद्ध, पवित्र, स्वच्छ, साफ फ़ारस के एक प्रसिद्ध फ़कीर का नाम जिससे यहाँ का 'सफ़यी' नामक राजबश चला था

सफ़ीना—(अ) नाव, नौका, किसी, अदान्ती परवाना, इच्छा नामा, समन, चारंग, नोट बुक, वह कागज़ जिसमें याद रखने के लिये कोई बात लिखी गई हो

सफ़ीर—(अ) राजदूत, एतफी, स-देश-वाहक, कबूतर आदि पालतू पक्षियों को बुलाने के

लिये मुहसे किया हुआ सीटी	चटाई जिसपर बैठकर मातम
का सा शब्द, पक्षियों का कलख	किया जाय
सफूफ—(अ) चूर्ण, चून, कोइ मी	सफफा—(अ) साफ, चरबाद, विनष्ट,
सूखी पीसी हुई वस्तु	सफाचट
सफेद—(फ) सफेद, इवेत, चिट्टा,	सफफाक—(अ) हत्याकारी क्रातिल,
घौला, कोरा, सादा	क्रुर, निर्दय
सफेदकार—(फ) शुभ काम करने	सवरु—(अ) सोने चादी के सिक्के
वाला, भक्त	ढालना
सफेद चदम—(फ) निर्लज्ज, वेइया	सवरु—(अ) पाठ, पुस्तक का उतना
सफेद चदमी—(फ) निर्लज्जता	अश, जितना एक बार में पढा
सफेद पोश—(फ) साफ कपड़े पह	जाय, शिक्षा, उपदेश, किसी
नने वाला, शिष्ट या भद्र व्यक्ति,	काम में किसी से आगे बढ़
भलामानुष	जाना, शर्तिया बाज़ी लगाना
सफेद घरखत—(अ) भाग्यवान, भाग्य	सवरुत—(अ) किसी काम में किसी
शाली	से आगे बढ़जाना
सफेदा—(फ) जस्ते का फूल, जो	सवरु—(अ) घुघराले बाल
दवा अथवा लोहा-लकड़ी रंगने	सवरु—(अ) कारण, हेतु, यजह,
के काम आता है, आम या	साधन, द्वार, रस्सी
खरबूजे की एक किस्म	सबल—(अ) आँखों का एक रोग
सफेदी—(फ) कलई, एक विशेष	सबहा—(अ) माला के दाने, गुरिया,
पाथर की राख जो मकान आदि	मनके
पोतने में काम आती है, चूना,	सवा—(अ) प्रात काल चलने वाली
घबलता, इवेतिया, दीवार आदि	पूर्वी इषा, सात, सप्त
पर कलई या चूने की पुताई	सवात—(अ) स्थिरता, दृढ़ता, टिकाऊ-
सफे मातम—(मि) वह फर्श या	पन

मवासैयारा—(अ) सात सितारे,
सप्तर्षि मण्डल

सनाइ—(अ) प्रातः काल, सवेरा,
प्रभात,

सचाइत—(अ) सौंदर्य, गोरापन,
गोराई, पानी में सैगना

साधिया—(अ) लक्ष्मी, सवेया, छ-ट

सयाँल—(अ) पाऊ, प्रपा, वर पानी
या शबत जो ईश्वर के नाम पर
पिलाया जाय, उषाय, माग,
सड़क

सयाँह—(अ) मुन्तर, गौर वण, मोरा,
राखसुरत

मयू—(फ) बड़ा, मटका

सदूचा—(फ) घड़िया, मटकी

मदूत—(अ) प्रमाण, दढ़ता, स्थिरता,
टिकाऊपन, मजबूती

सदूर—(अ) नष्ट होना, नष्ट करना,
सत्र करन वाला

सदूर—(अ) कपड़े आदि की बनाई
हुई पुनरेद्रित के आकार की
परत जिससे कुछ त्रियाँ अपनी
कालान्ति भुसती हैं

सदूर—(अ) सन्तोष, घेय, सहिष्णुता

सदूस—(फ) भूमी, चोहर

सदूह—(अ) प्रातः काल पीजान वाली
शराब

सदूही—(अ) सवेरे के वक्त शराब
पीना

सदूज—(फ) हल, हरित वर्ण का,
कच्चे और हाल के तोड़ हुए
चनस्पति या फल फूल छुम,
मगल कारक, उत्तम, साँवला,
माथक

सदूज बाग दिखाना—(अ) किसी
की शूद्र-भूट बढ़ी बढ़ी आशाएँ
देना.

सदूजक—(फ) नीलकण्ठ नामक पक्षी

सदूज कदम—(मि) अशुभ मनहूय,
अमगल कारक, जिस का आना
अशुभ समझा जाय

सदूज मार—(फ) उत्तम काम करने
वाला

सदूज चरम—(फ) बड़ी आँखों वाला

सदूज ताऊस—(फ) आममान ..

सदूज पा—(फ) देखो "सदूज कदम"

सदूज पोश—(फ) रेशम के कपड़े
परनने योग्य

सदूज यक्ष—(फ) सीमाग शास्त्री,
मागवान, किस्मतवा

सब्ज बरती—(फ) खुशकिस्मती,

सौभाग्य

सब्जा—(फ) हरियाली, पत्ता नामक

रत्न, सफेद रंग का घोड़ा, माँग,

विजया

सब्जाने चमन—(फ) वृक्ष, वनस्पति

सब्जा बेगाना—(फ) अपने आप

उगनेवाली हरियाली, विना बोये

आने वाली वनस्पति

सब्जो—(फ) हरियाली, साग भाजी,

हरी तरकारी वनस्पति, भाग

सब्ज—(अ) लिप्तावट, लेख, मोहर,

छाप

सब्जाक—(अ) आगे बढ़जाने वाला,

समकृत ले जानेवाला

सब्जाग—(अ) रंगरेज, कपड़े रंगने

वाला

सब्जार—(अ) परम सतोषी, अत्यंत

सम करने वाला

सब्बाह—(अ) तैरनेवाला

सम्र—(अ) सतोष, धैर्य, सहिष्णुता

सम्र पढ़ना—(अ) किसी सताये हुए

व्यक्ति के सन्तोष का सतने

वाले को नुगफल मिलना

सम—(अ) विप, जूझ, मुँह का

नाका

समअ—(अ) सुनना, सुनने की शक्ति,

कान

समअ खराशी—(मि) व्यर्थ की

बकवाद करके दिमाग चाटना,

कान राना

समअत—(अ) सुनना

समर्द—(अ) श्रेष्ठ, बड़ा, उच्च, महान्,

वैभव-सम्पन्न, निरीह, शाश्वत,

स्थायी, ईश्वर

(फ) चमेली

समन—(अ) मूल्य, दाम, वह

अगन्ती आशा पत्र जिसमें

किसी को अदालत में उपस्थित

होने की आशा होती है

समन अन्दाम—(फ) वह जिसका

शरीर चमेली के फूल सदृश

गोरा और कोमल हो, अत्यंत

रूपवान

समन्द—(फ) घोड़ा, बादामी रंग

का घोड़ा

समन्दर—(फ) समुद्र, दरिया, एक

प्रकार का कल्पित चूड़ा जिसकी

ऊपति आग से हुई, माँगी

जाड़ी है

समर—(अ) फल, परिणाम, लाभ,
पुत्र, उत्तान, धन, सम्पत्ति

समरा—(अ) परिणाम, लाभ, फल,
बाला

समरात—(अ) "समर" का बहुवचन

समसान—(अ) तलवार, चालाक

समसाम—(अ) नगी तलवार, तेज
तलवार

समा—(अ) आकाश

समाज—(अ) मुनना, गीत आदि
मुनना

समाजत—(अ) मुनवाई, मुनना,
मुनने की क्रिया

समाई—(अ) भुत, मुना हुआ,
दुमरो का कहा हुआ

समाक—(अ) एक प्रकार का पत्थर

समाजत—(अ) लज्जा, शरनिन्दगी,
विनय, चापलूसी, लम्बीवप्पों,
खुशामद

समावी—(अ) ऊपर से आया हुआ,
देवी, आकाश से उतरा हुआ

समीअ—(अ) मुननेवाला, मुनवाने
वाला, ईश्वर का एक नाम

समीर—(अ) बर काई का प्रपन्न
बिस्वा परिणाम निश्चय आया

हो, सफल, फलप्राप्त

समुन्द्र—(फ) देगो "समन्त्र"

समूम—(अ) गरम हवा, धु,
विषाक्त वायु

समूर—(अ) लोमड़ी की जाति का
एक जीव जिसकी बड़े बड़े बालों
वाली टाल को घन्न बनाने या
गले में लपेटने के काम लाते हैं

सन्त—(अ) सीध, दिशा, ओर,
तरफ

सन्त-उल-रास—(अ) उन्नति चरम
सीमा, शीघ्र बिन्दु

सम्युल—(अ) एक मुगलित पन-
स्पति जिसके पतले पतले देरी
वाल जैसे होते हैं, बाइछर,
जटामोमी, गेहूँ बी की बाइ,
माइक की बुल्ले

सम्म—(अ) विष, बहर, न मुनना,
बहरपन

सम्माज—(अ) पड़ा मुननेवाला,
जायग

सम्मे शरतिल—(अ) पातक विष,
हलाइल

सर—(फ) शिर, शीर, चित्ता,
विचार, बल, शक्ति, परल्ल,

किया हुआ, नमन किया हुआ,
जीता हुआ, प्रारम्भ, शुरू,
सामने, ऊपर, खेल में चला
जानेवाला ताश का पत्ता

सर पर कफन बांधना } = मरने के
सर हथेली पर रत्ना } लिए उद्यत रहना

सर अजाम—(फ) सामग्री, सामान,
व्यवस्था, प्रबंध, कार्य की
समाप्ति, परिणाम

सर अन्दाज़—(फ) घमण्डी, अमि
मानी

सर आमद—(फ) भेष्ट, अच्छा,
बड़ा, पूरा, पूरा, पूरा करने
वाला, समाप्त करनेवाला

सरकत १५ विलङ्घन—(फ) डाका, जब
दस्ती छीनना

सरकत—(अ) बोरी

सर कदगी—(फ) अध्यस्तता

सरकश—(फ) उच्छूलल, उदण्ड,
विद्रोही, चागी

सरकशी—(फ) उच्छूललता, उदण्डता,
विद्रोह, सिर उठाना

सरवा—(अ) बोरी

सरकार—(फ) शासक, व्यवस्थापक,

मालिक, प्रभु शासन, सत्ता,
राज्य-स्था, रिशसत

सरकारी—(फ) राजकीय, शासन
सम्बन्धी, राज्य का, मालिक या
सरकार का

सर धोबी—(फ) दण्ड देना, सर-
कुचलना

सरखत—(मि) मकान का किराया
नामा, वह दस्तावेज जिस पर
मकान दुकान आदि किराये पर
दिये लिये जाने की शर्तें लिखी
जाती हैं, परवाना, आज्ञा पत्र
श्रृण लेने और चुकाने का द्योरा

सरखुद—(फ) स्वतन्त्र, स्वच्छन्द,

सर खुश—(फ) सब प्रकार सुखी,
सर्व सुखी जिसपर शराब का
हल्का-सा नशा चढ़ा हो,

सर खुशी—(फ) सर्व सम्पन्नता सर्वो-
न्न, शराब का हल्का नशा,
सरूर

सर खेळ—(फ) अमीर, सरदार,
कुटुम्ब या घात का मुन्निग,
सरगना

सराना—(फ) छाति या कुटुम्ब
का मुन्निग, नेता, सरदार,

- प्रधान
सर गदों—(फ) व्याकुल, व्यथित,
घबराया हुआ, स्तब्धित,
चल्लिहार, निछावर
सरगर्म—(फ) उत्साहपूर्ण, आवेश
पूर्ण तपस्, मत्त
सरगरोह—(फ) जाति या समूह का
मुखिया, प्रधान, नेता
सर गदों—(फ) जाति का मुखिया
सरगश्तगी—(फ) विकलता, घबराहट,
भ्रान्ति, भटकना
सरगश्ता—(फ) भ्रान्त, भटका हुआ,
व्यथित, व्याकुल, दुदशा में
सरगियों—(फ) अपसन्न, नाराज़,
क्रुद्ध, घमडी, जिउका शिर नथे
आदि के कारण भारी हो
सरगुज्जित—(फ) वह यागन जो
अपने ऊपर गुजरी, आप धीजी
घरना, आत्म चरित्र, हानि,
जीवन चरित्र
सरगोशी—(फ) गान में बात करना,
काना फूँसी, पीठ पीछे किसीकी
विमर्श करना, चुगली या
निन्दा करना
सर चरमा—(फ) खोप, तोता, नदी
आदि का उद्गम स्थान
सरजद—(फ) अचानक किसी काम
का होना, अकस्मात् किसी घटना
का घटित होना, प्रस्ट, जाहिर,
घटन
सरजदा—(फ) अचानक, अज्ञान,
अनजान,
सर जनिश—(फ) धिक्कार, मत्सना,
मानत
सर जनी—(फ) उद्योग, प्रार्थना,
कोशिश
सरजमीना—(फ) देश, मुल्क, भूमि,
जमीन
सरजोर—(फ) प्रबल, शक्तिशाली,
बलवान, ताकतवर, जबरदस्त,
विशेही, उरुण्ड, दुष्ट, नग्न
सरताज—(मि) परम पूज्य, सर्वभद्र,
महा माननीय, सर्वोपरि सर्वो
त्कृष्ट
सरतान—(अ) फेंकना, हकना, एक
जन्म-जन्तु जिसकी शक्ति बिना
पूँछ के विष्णु की सी होती है
उपनिषद् में एक शक्ति, एक प्रकार
का फेड़ा जो बहुत बड़ा होता
है और बड़ी-बड़ी-बड़ी-बड़ी-बड़ी

सर ता पा—(फ) सिर से पैर तक,
एडी से चोटी तक, सवाङ्ग
सम्पूर्ण आदि से अन्त तक

सरतान—(फ़) विद्रोही, बागी,
उद्दण्ड

सरतायी—(फ) विद्रोह, बगावत,
वह्ण्डता

सरदर्दी—(फ) कष्ट, परिश्रम, प्रयत्न,
उद्योग, कोशिश

सरदवाल—(फ़) घोड़े के मुँह पर
पहनाने का साज जिसमें लगाम
लगी रहती है, तुकता, मोहरी

सरदा—(फ़) खम्बूजे की जाति का
एक बहुत बढ़िया फल

सरदाब—(फ़) ठंडा पानी, तल्लूर,
तहखाना, जो गर्मियों में रहने
के वास्ते ज़मीन के अन्दर
बनाया जाता है

सरदाबा—(फ़) ठंडे जल से स्नान,
ठंडा पानी रखने का स्थान,
तल्लूर, तहखाना

सरदार—(फ) अमीर, रईस, भेष्ठ
व्यक्ति, मुखिया, अगुआ,
नायक, नेता

सरदारी—(फ) सरदार का पद, भाव

या काय

सरदी—(फ) देखो “सर्दी”

सरनविशत—(फ) विधाता के अंक,
विधि का लिखा, भाग्य का
लेखा, भाग्य

सरनाम—(फ) प्रसिद्ध, विख्यात

सरनामा—(फ़) पत्र में लिखी जाने
वाली प्रशस्ति, पत्र या लिफाफे
पर लिखा हुआ पत्रा

सरनिगूँ—(फ) औंधे मुँह, बिसफा
मुँह नीचे की ओर हो, बिसने
सिर झुका लिया हो, उज्जित,
शरमिन्दा

सरपच—(मि) पचों में प्रधान,
प्रधान पच

सरपरस्त—(फ़) सरक्षक, अभिभावक

सरपरस्ती—(फ़) सरक्षकता, अभि-
भावकत्व

सरपोश—(फ़) ढक्का, ढकना,
आवरण

सरफराज़—(फ) प्रतिष्ठित, माननीय,
बिसके साथ प्रथम समागम
हो वह वेश्या

सरफराज़ी—(फ़) अभिमान, घमण्ड

सरफा—(फ) देखो “सफा”

सरक-नद्वय—(फ) व्याकरण शास्त्र
 सर-व मुहर—(फ) कुल, तमाम,
 पूरा, जिस पर मुहर लगी हो,
 मुहर बन्द
 सरखराह—(फ) व्यवस्थापक, प्रब-
 न्धक, कारिदा, मजदूरों का
 मुखिया
 सरखराहकार—(फ) किसी काम की
 व्यवस्था करने वाला, कारिन्दा,
 कारबुन
 सरखराही—(फ) प्रबन्ध, व्यवस्था
 बन्दोबस्त, सरखराह का नाम या
 पद
 सर-व सर—(फ) पूर्ण, बिल्कुल,
 एक सिरे से, सरासर
 सरखरता—(फ) गुप्त, छिपा हुआ
 सरपाज—(फ) बहादुर, निर्भीक,
 निर्भय, जानपर खेलने वाला,
 धीर ऐलिक
 सरखाजी—(फ) बहादुरी, धीरता,
 निभया
 सर मुल्न्द—(फ) माननीय, प्रतिष्ठा,
 भागवान
 सरमगजन—(फ) गथा पच्ची, गर-
 भ्य ६, मतिन पारभम, जिन्ना,

विश्व
 सरमद—(अ) अनादि, अनन्त,
 शाश्वत, मिला हुआ, सम्बद्ध,
 परमात्मा, परमात्मा के प्रेम में
 मग्न, मस्त
 सरमदो—(अ) शाश्वत, सदैव रहने
 वाली
 सरमस्त—(फ) मग्न, नरोमें घुक्त
 मरमा—(फ) बाढ़ा, शीतकाल
 सरमार्द—(फ) शीतकाल का,
 शीतकाल सम्बन्धी, जाही में
 पहाने के कपड़े, अझार, रज़ार
 आदि
 सरमा ण गुल—(फ) गुलामी या
 हलस बाड़ा
 सरमाया—(फ) पूजी, अछल या
 मूलधन, धन सम्पत्ति
 सरगुर—(फ) सामने, सम्मुख
 सरखत—(फ) मगरता, पैसा, प-
 न सम्पत्ति
 सरखर—(फ) सरदार, मुखिया, तवा,
 कारी
 सरखरी—(फ) सरगरी, मुखियापन
 सरखरे क्रयानत—(फ) ग़सत या
 विश्व भर का मुखिया, परमात्मा,
 मुद्गमद सादर की एक दरबि

सरशार—(फ) ओत प्रोत, लज्जालु,
ऊपरतक या मुँह तक भरा हुआ,
नश में धुत्त, मदमत्त

सरसब्ज—(फ) हरा भरा, लहलहाता
हुआ, प्रसन्न, सज्जुष्ट, फूला पला,
सकलमनोरथ

सरसर—(अ) तेज़ चलने वाली हवा,
औंधी

सरसरी—(फ) जल्दी में, मोटे तौर
पर, विशेष ध्यान पूर्वक नहीं,
शीघ्रता या फुर्ती में, हड़बड़ी में

सरसाम—(फ) सन्निपात नामक
रोग, एक दिमागी बीमारी,
प्रलाप

सरह—(अ) विशुद्ध वस्तु, सार पदार्थ

सरहग—(फ) मल्ल, पहलवान, सेना-
पति, कोटपाल, सिपाही, प्यादा,
चोबदार, हरावल, सेना

सरहतन्—(अ) स्पष्ट रूप से, खुल्लम
खुल्ला

सरहद—(मि) सीमा, हद

सरहरषी—(फ) साहित्य में 'छेकानु
प्रास'

सरहलका—(फ) हाकिम, अध्यक्ष,
कुछ गाँवों का मुखिया, हल्के

का अफसर

सरा—(फ) मकान, घर, यात्रियों के
टहरने का स्थान, मुसाफिर
खाना, ज़मीन के नीचे या
भीतरी भाग की मिट्टी,

सराइयत—(अ) तासीर, गुण,
प्रभाव

सराई—(फ) गाना, वणन करना,
प्राय योगिकों के अन्त में,
जैसे, मदह सराई=गुण-गान

सराचा—(फ) बड़ा तम्बू, छाँचा

सरात—(अ) सरल मार्ग, सीधी
सड़क, दोज़ल में बना हुआ
एक पुल बिसे पार करके मुसल-
मान बहिस्त में पहुँचें जायेंगे

सरा परदा—(फ) डेरा, तम्बू, याद
शाही डेरा या दरबार, घड़
फ़नात जो डेरे के चारों तरफ़
परों के लिए खड़ी की जाती है

सरापा—(फ) अथ से इति तक,
शिर से पैर तक, आदि से अन्त
तक, कुल, पूरा, समाप्त, सब,
नव्यशिव अर्थात् वह कविता
जिसमें शिर से पैर तक के सब
अंगों का वणन होना है

सरपा नाज़—(फ) मूर्तिमान गर्व,
घमण्ड की प्रतिमा, अभिमान
की मूर्ति

सराफ़—(अ) सोने चाँदी का व्यापार
करने वाला, वह दुकानदार जो
बड़े सिक्कों को बदले छोटे और
छोटे के बदले बड़े सिक्के देता
है, सिक्के परखने वाला

सराफ़त—(अ) अग़रबी, स्पदा आदि
का परखना, सारे-गोटे सिक्कों की
जाँच करना

सराफ़—(अ) वह बाज़ार जिस में
अविवाह्य सराफ़ों की दुकानें हों,
रुपये पैसे या सोना चाँदी के
केन-देन का काम, बैंक, कोठी

सराफ़ी—(अ) सराफ़ का काम या
व्यापार, मुद्रिया महाबनी लिपि
जिसमें प्रायः बड़ी खाते लिखे
जाते हैं.

सराफ़ील—(अ) देखो “इसराफ़ील”

सराय—(अ) भ्रान्ति, धोखा, छद्म,
गुणमरीचिका

सराय—(अ) देखो “रग”

सरायचा—(फ) छोटा महान, छोटी
सराय

सरायत—(दे०) प्रभाव, अमर,
गुसना, प्रविष्ट होना, दागिल
होना

सरासर—(फ) प्रत्यक्ष, ओंनों
सामने, बिल्कुल, नितान्त,
पूर्णरूप से, एक सिरे से दूसरे
सिरे तक

सरसरी—(फ) देखो “सरसरी”

सरसीमा—(फ) व्यथित, विकल,
परधाता, चकित, स्तम्भित,
भौचका

सरहद—(अ) भाष्य, टीका,
व्याख्या, विशुद्धता, स्पष्टता

सरिस्त—(फ) गुण, प्रकृति, स्वभाव,
मिला हुआ, मिश्रित

सरिस्ता—(फ) विभाग, महकमा,
कागान्य, दफ्तर, सम्मन्त्र,
मेसजोर, आदलदार, नौकर,
कर्मचारी

सरिस्तेदार—(फ) किसी विभाग का
कर्मचारी, किसी महकमे में काम
करने वाला अदालत का वह
कर्मचारी जो देशी भाषाओं में
मुकद्दमों की निवेष्टें रगता है

सरिस्तेदारी—(फ) सरिस्तेदार का

काम या पद, सरिश्तेदार का
कायालय

सरीअ—(अ) शीघ्रता करने वाला,
शिप्रकारी, उदू के एक छन्द का
नाम

सरीर—(अ) वह ध्वन्यात्मक शब्द
जो खोलने या बंद करते समय
बिवाहों से अथवा लिखते
समय कलम से निकलता है,
राजसिंहासन

सरीर आरा—(मि) राजसिंहासन की
शोभा बढ़ाने वाला, सिंहासना
सीन

सरीह—(अ) प्रकट, प्रकाश, स्पष्ट
सरीहन्—(अ) प्रकट रूप से, प्रत्यक्ष
आलों सामने, सरासर स्पष्ट
रूप से, साफ साफ

सरुर—(फ़) हल्का नशा, आनन्द,
प्रसन्नता

सरे तनहा—(फ) अकेला, एकाकी
सरे तसलीमखम—(अ) सिर झुकाना,
नत मस्तक होना

सरेदफ़तर—(फ) कायालयाध्यक्ष, दफ़तर
का अफ़सर

सरेदस्त—(फ) सम्प्रति, इस समय,

तुरन्त, फ़िलहाल

सरे नविशत—(फ) भाग्य का लिखा,
क़दम रेख

सरेनौ—(फ) नए सिरे से, बिल्कुल
प्रारम्भ से

सरेयाम—(मि) अटारी के ऊपर
सरे मैं—(फ) अत्यन्त थोड़ा, बहुत
सूक्ष्म, बालकी नोंक के बराबर,
ज़रासा

सरेराह—(मि) भाग में, रास्ते में

सरेरिश्ता—(फ) देखो 'सरिश्ता'

सरेश—(फ) सरेस एक लसदार पदार्थ
जो पशुओं के चमड़े या हड्डियों
पकाने निकाला जाता है

सरेगाम—(फ) सायकल से ही,
सध्या से ही

सरेस—(फ) देगो "सरेश"

सरेसाल—(फ) वर्ष का प्रारम्भ, साल
की शुरु

सरे सिजदा—(फ) नमाज़ की मोहर
निस पर सिजदा करते हैं

सरो—(फ) सब नामक सीधा और
सुंदर पेड़ जो बागीचा में शोभा
के लिये लगाया जाता है

सरो आज़ाद—(फ) सरो या सर्व के

शृंग का एक भेद जिस पर कमी
 फल नहीं आते
 सरोजकद—(मि) सरो के शृंग के
 समान मुदर आकार और फल
 वाला (प्रायः प्रेमिका के लिये
 व्यवहृत होता है)
 सरो कलमत्—(नि) देगो 'सरोजकद'
 सरोकार—(फ) सम्बन्ध, लगाव,
 आपस के व्यवहार का सम्बन्ध
 सरो चिरागों—(फ) पेंच का बना
 एक प्रकार का झाल बिद्युत
 बहुत सी प्रतिभा उत्पन्न जाती है
 सरोज—(फ) रंग, गीत, गाना,
 रंगीत, गाना बजाना, एक प्रकार
 का भाजा
 सरोपा—(फ) सिर से पैर तक, सिर
 से पैर तक के सम्पूर्ण दृग्गोचर
 सरो सामान—(फ) आवश्यक सामान,
 सामग्री, जरूरी अथवा
 सज्जी—(क) शान्त, उद्विग्नता,
 उच्छ्वसना, मत्तता, निद्रोह
 सद्—(क) ठोस, धीर, सुख,
 दोष, धीमा, मत्त, सुख,
 नान्त
 सद्गो—(फ) सद्गो गीत, सद्गो गीत

वाला
 मत्त मित्राज—(फ) उदात्त, जिसका
 मन मुग्धता हुआ हो, फटोर
 हृदय
 सद् मेहर—(फ) उदासीन, फटोर
 हृदय, निर्दय
 सद् मेहर—(फ) उदासीनता, निर्दयता
 सद्दी—(फ) शान्त, शीतलता, ठंडक,
 जाड़ा, पुष्प या नम्रता नामक
 रंग, प्रतिद्वन्द्व
 सत्त्व—(अ) सत्त्व का परगना, व्यव,
 सत्त्व, सोना-चाँदी गाने की
 धरिया, व्याकरण शास्त्र, अव्यय,
 पित्र सत्त्व, अधिक सत्त्व
 सत्त्व—(अ) व्यव, सत्त्व, सत्त्व,
 कम सत्त्व, आविर्भाव, शक्ति,
 सद्दी
 सत्त्व—(अ) देता 'सत्त्व'
 सत्त्व—(फ) देगो 'सरो'
 सत्त्वज—(नि) देगो 'सत्त्व' या
 सत्त्व
 सत्त्वन्त—(अ) सत्त्व, सत्त्व, सद्
 सत्त्व, सत्त्व, सुनीति,
 सत्त्व, सत्त्व, सत्त्व,
 सत्त्व

सलफ़—(अ) विगत, बीता हुआ,
गुज़रा हुआ, प्राचीन, पुराने
समय के लोग, पुरखा, नीरस,
स्वादहीन, गप्प मारने वाला

सलफ़—(अ) पूर्वज, पुरखा, पुराने
लोग, गुज़रे हुए लोग

सलब—(अ) सूटी पर चढ़ना

सलम—(अ) सलाम, प्रणाम, शांति,
किसी वस्तु के तैयार होने से
पहले ही उसका मूल्य दे देना
जिससे तैयार होने पर वह
अवश्य मिल जायगी यह निश्चय
हो जाय, बयाना, पेशगी

सलमात—(अ) शुभ कामनाएँ, शुभा
काक्षाएँ, दुवचन, अपशब्द,
गालियाँ, सलाम, प्रणाम

सलसल धोल—(अ) बहुमूत्र या
मधुमेह नाम रोग

सला—(अ) आवाहन, आमन्त्रण,
निमन्त्रण, बुलावा

सलातीन—(अ) 'सुल्तान (बादशाह)' का
बहुवचन

सलायत—(अ) आतक, दृढ़ता,
मज़बूती

सलाम—(अ) प्रणाम, नमस्कार,

नमस्ते, बन्दगी, दुआ करना,
खुदा और एक पेड़ का नाम

सलाम अलैकुम—(अ) प्रणाम,
सलाम, बन्दगी

सलामत—(अ) कुशल पूर्वक, सुर-
क्षित, सब प्रकार की आपत्तियों
से बचा हुआ, जीवित और
स्वस्थ, मौजूद, बरकरार, कायम

सलामत—(मि) सीधे-सादे ढंग से
रहना, कम खर्च करना, सादा
या मध्यम चाल चलना

सलामत रौ—(मि) सादा चाल चलने
वाला, सादे ढंग से रहनेवाला,
मितव्ययी, कम खर्च

सलामती—(अ) कुशल, धैर्य, सुरक्षा,
जीवन और स्वस्थ, बचाव,
अवस्थिति, मौजूदगी, एक प्रकार
का मोटा कपड़ा

सलामी—(अ) सलाम या प्रणाम
करना, सैनिकों का प्रणाम करने
का प्रकार, वह बन्दूकों या तोपों
की बाढ़ जो किसी बड़े आदमी
के आगमन पर उसके सम्मानार्थ
दागी जाती है ।

सलामी उतारना—किसी प्रतिष्ठित

व्यक्ति के आगमन पर उसके सम्मानार्थ बहूक या तोपें छोड़ना

सलासत—(अ) मगलता, सुगमता, सुविधा, सहूलियत, सलीस, (सीधा या सरल) होने का भाव, समतल होने का भाव, कोमलता, मृदुता

सलासिल—(अ) ' सिलमिल ' का बहुवचन, लोह-शृंगल, जर्जर, बेहियों

सलासी—(अ) प्रिक्षेप, तीन कोने का

सलाह—(अ) सम्मति, परामर्श, विचार, राय, मनसूरा, मशवरा, परस्पर प्रेम करना, धन और न्यायानुसूल आचरण, नेकी, भलाई, उत्कार, अखड़ाई

सलाहकार—(नि) परामर्श या सम्मति देने वाला, गणराज पर चलने वाला, नीति और धनानुसूल आचरण करने वाला

सलाहियत—(अ) योग्यता, अच्छाई, भलाई, समझारी, मृदुता, सुनारिया, स देश, समाचार।

सलीक—(अ) सरल, सुगम, सीधा

सलीका—(अ) शऊर, तमीज़, काम करने का सुन्दर ढंग, गच्छता, सम्पत्ता, चाल चलन, बरताव, युग, हुनर

सलीकामन्द—(नि) शऊरदार, तहज़ीबदार, सम्प, हुनरमन्द

सलीष—(अ) सूली, उस सूली का निन्द जिन पर चढ़ाकर हज़ारों ईश प्राण लिए गए थे

सलीषी—(अ) इसा के अनुयायी, इसाई, अंगरेज

सलीम—(अ) ठीक, सरल, सीधा, सादा, शुद्ध इत्य या, साक़ दिल वाला, स्वस्थ, शांत, सहिष्णु, गम्भीर, मदनशील

सलीम उतथा—(अ) शान्त हृदय, धीर और गम्भीर, बुद्धिमान शांत, सतोषी

सलीस—(अ) सरल, सुगम, मुलायम और लेज्जाम या (भाषा)

सलूत—(अ) भण्ड, दिवा, नेकी, उत्कार, आचरण, व्यवहार, बरतार, सम्भाग, नेकमिलाव

सलख—(अ) शुद्ध पक्ष की दोन,
वाल खींचना

सल्य—(अ) अपराध करना, हानि
करना, गट्ट, बरबाद

सल्ले अल्ला—(अ) मुसलमानों के
एक मन्त्र का प्रारम्भिक शब्द,
इसका भाव है—“ हम अपने
पैगम्बर साहब की प्रशंसा करते
हैं क्यों कि संसार की सभी
उत्तमताएँ उन्हीं की कृपा से
प्राप्त होती हैं ” किसी उत्तम
वस्तु को देखकर प्रायः इसका
उच्चारण करते हैं

सवाद—(अ) समझ, बुद्धि, स्यारी,
कालांच, कालिमा, शहर के
आसपास के स्थान

सवानह—(अ) “ सानह (घटना) ”
का बहुवचन, घटनाएँ

सवानह उमरी—(अ) जीवन की
घटनाएँ, जीवन चरित्र, जीवनी

सवानह निगार—(मि) विवरण या घट-
नाएँ लिखनेवाला, सवाददाता

सराव—(अ) शुभ कर्मों का फल,
पुण्य, सचाइ, उत्तमता, मलाई,
टीक, दुरस्त

सवाव अन्देश—(मि) अच्छी या
मलाई की बान सोचने वाला,
पुण्य का काम करनेवाला, परो
पकारी

सवाविक—(अ) उपसर्ग जो शब्दों
के प्रारम्भ में लगाया जाता है.

सवावित—(अ) आकाश के चारों
पक्षों को एक ही स्थान पर
स्थित रहते हैं

सवार—(फ) जो किसी चीज़ पर
चढ़ा हुआ या बैठा हुआ हो,
बोड़े पर चढ़ा हुआ, अश्वारोही
शुद्धसवार, फौज़ का शुद्धसवार
सिपाही ।

सवारी—(फ़) किसी चीज़ पर चढ़ना
या बैठना, वह चीज़ जिस पर
कहीं जाने के लिये चढ़ा या
बैठा जाय । वाहन सवार होने
वाला, जुद्ध ।

सवाल—(अ) प्रश्न, पृच्छा, जो
पूछा जाय, माग, निवेदन, प्रार्थ-
ना, दरख़ास्त, गणित का
प्रश्न जो हल करने के लिए
दिया जाय ।

सवालात—(अ) ‘ सवाल ’ का बहु

दहन ।

सहन—(अ) मकान के भीतर का चौक या आँगन, मकान के सामने का मैदान, बड़ा थाल एक प्रकार का बन्दिया रेशमी, कपड़ा

सहनरु—(अ) छोटा आँगन, छोटा सहन, छोटा थाल अथवा तबतरी, रकबी, मुहम्मद साहब की लड़की बीबी फातिमा के नाम का प्रतिदिन जिसमें सती-साध्वी मुहागिन स्त्रियों को भोजन करा या जाता है ।

सहनची—(क) टाला या अगल बगल वाली छोटी कोठरी

सहनदार—(मि) वह मकान जिसमें आँगन हो

सह्य—(अ) मित्र, गरी सागी

सह्या—(अ) एक प्रकार की अगूरी शराब

सहम—(अ) धीरे, अथ, भाग, बड़ी (बर्तार की)

सहम—(क) मर, डर, गीक

सहमगीन—(फ) मदानरु, दयालु

सहमनाक—मपकर, दयालु

सहर—(अ) प्रातः काल, उदय,

(निहली रात, भोर, उपेरा)

सागरण, जागृति

सहर खेज—(मि) छबरे उठकर सोते हुआ की चीज़ उठा के जाने काग, उचका, चोर

सहरगही—(मि) उपनाथ करने के दिन बहुत तड़के ही उठकर बो भोजन किया जाय, सहरी

सहरा—(अ) मरु भूमि, रेगिस्तान, बर, जंगल, मैदान, खाली जगह

सहराह—(अ) गहरा का, मसदेगिदा, रेगिस्तानी, जंगली, अन्य

सहरी—(अ) प्रातः काल का, प्रातः मध्य की वह खाता जो रमजान के दिनों में बहुत तड़के ही खाया जाता है

सहल—(अ) गल, गहज, आगान

सहल अगार—आगरी, आग तन्त्र

सहय—(अ) नूर चूक, अगाधानी

सहयन—(अ) नूरसे, अगाधानी में

सहय कर्म—(ग) नूर से कुछ का कुछ किया जाना, देखकर ही

रु

सह्य कातिर—(अ) सह्य का जो नहन करने काय की क्षमता

धानी से रह जाय, नकल या
प्रतिलिपि करने वाले की भूल
सहब वयानी—(फ) वह भूल जो
वयान करने वाले की असाव
धानी से रह जाय

सहाब—(अ) साहब का बहुवचन,
मित्र, साथी

सहाबत—(अ) मित्रता, सग, साथ

सहाना—(अ) मित्र, सगी, साथी,
दोस्त, मुद्गमद साहब, घनिष्ट,
मित्र

सहाबी—(अ) मुद्गमद साहब के
घनिष्ट मित्र तथा उनके वशज

सहाम—(अ) देगो सहम

सहायक—(अ) “सहीफा” (अथ
पुस्तक) का बहुवचन

सही—(अ) ठीक, सीधा, ऋजु,
उद्द, टीक, सत्य, प्रामाणिक,
यथार्थ, दस्तखत, हस्ताक्षर

सहीफा—(अ) पुस्तक, पृष्ठ, पेज

सही सलामत—(अ) नीरोग,
स्वस्थ, भलाचला, जिसमें कोई
दोष या कमी न आइ हो

सहीद—(अ) ठीक, पवित्र, निर्दोष

सहूलत—(अ) आसानी, सुविधा,

अदन, क्रायडा

सहूलियत—(अ) देखो “सहूलत”

सहो—(अ) देखो “सहब” (सहब के
यौगिकों के लिये देखो सहब के
यौगिक)

सहून—(अ) भूल से, असावधानी से
सा—(फ) सहश, मानिन्द, समान,
जैसा

साअत—(अ) घड़ी, मुहूर्त, पल,
लमहा, शुभ लग्न.

साअते सर्गान—(फ) अशुभ घड़ी,
कुमुहूर्त

साइका—(अ) बादल में से गिरने-
वाली बिजली, वज्रपात, मृत्यु,
अभिधाप

साइत—देखो “माअत”

साइद—बाहु, बोंह, भुजा, फलाइ

साइन—(अ) ठीक, यथोचित, पहुँ
चने वाला

साइनान—(फ) छजा, उप्पर

साइल—(अ) ग्रार्थो, मागने वाला,
मिश्रुक

साइलवकफ—(फ) वह मित्तारी
जिसमें पास भीरा मांगने का
ठीकरा भी न हो, करपात्री

साइस—(अ) सरशङ्क, देरवाल
गवने वाला, घोड़े की देर रेख
करनेवाला, साँस

साइ—(अ) प्रयत्नशील, उद्योगी,
यह धन जो खरीद परोख की
मत पफी करने के लिए पशगी
लिया दिया बाग, बचाना, (किसी
नौकर की नियुक्ति पफी करने
के लिए भी साइ दी जाती है

साइस—(फ) घोड़ों की देर रेख
करन वाला नौकर

साक—(अ) गुग्ने के नीचे का
भाग, पिहली

साप्रन—(अ) देखो “साप्रिन”

साक्य—(अ) मेना का गिछा भाग,
चन्नाखल, “ह्रायल” का उल्ल

साकित—(अ) चुन, मौन, मिर,
अनल, गतिमय, चुनचार एक
ग्यान पर दृष्टि हुआ

साकित—(अ) गिरने वाला, गिरा
हुआ, पीत, निबन्धा, गिर
पड़, लड़, नष्ट होना

साकित—(अ) टर्रा हुआ, अपरुष्ट,
निर्बेह, एक स्था पर रहने
वाला, पिकाटी, प्रारणी लिति

ने वे अक्षर जिनके गाय स्वर
का संयोग न हो, हलन्त

साकित—(अ) यह बाजार औरत
जो लोग को दुःख या मांग
पिलाकर जीविका चलाती है

साकित—(अ) पाती या गन्त यशनेवाला

साकित—(अ) प्रकाश मात्र, चम
कता हुआ, चमकदार, चमकीला

साकित—(अ) शराब या दुःख का पिछान
वाला, प्रमी या प्रमिका फ लिये
भी प्रयुक्त होता है

साकित—(फ) बनाना, रचना, बना
यट, कृत्रिमता, मागदन्ता का
कल्पित बात, घोड़े का सेवर,
जीन बगैरा साइ-सामान

साकित—(अ) बनारसी, गढ़ा हुआ,
कृत्रिम, उद्यन

साकित—(फ) शराब पीने का प्याला,
प्याला, बटांग

साकित—(अ) चुन, इन लान की
इति

साकित—(उ) मुगलानों में विराट
मन्त्रों की एक गहन विमर्श
विवाह से एक दिन पूर पर की
और न धूप के घर में है,

तेल, फुलेल आदि वस्तुएँ भेजी जाती हैं

साज—(फ) टाट बाट या सजावट का सामान, साधन, सामग्री, उपकरण, लड़ाई में काम आने वाले शस्त्रास्त्र, बाजा, वाद्य, मेल, झोल, छल, छद्म, बनाने वाला, तैयार करने वाला, मरम्मत करने वाला

साज बाज—(फ) मेल-झोल, संग, साथ, तैयारी, टाट-बाट

साज सामान—(फ) उपकरण, सामग्री, असबाब, टाटबाट

साजिद—(अ) सिजदा करने वाला, शिर छुकाने वाला, प्रणाम करने वाला

साजिन्दा—(फ) गाने-बजाने की मण्डली में बाजा बजाने वाला, सम्राज

साजिश—(फ) लगाव, मेल, धड़्यन, किसी के विरुद्ध कोई काम करने में सहायक होना

साद—(अ) मला, मल्लाह, सौभाग्य, एक बादशाह का नाम, सही या स्वीकृति का निशान, नेत्र,

आख

सादगी—(फ) सरलता, सीधापन, भोलापन, सादापन, जिसमें बनावट न हो ऐसी भाव या व्यवहार, निष्कपटता, स्वच्छता

सादा—(फ) सरल, जिसकी बनावट सीधी-सादी हो, जिस पर कोई अनावश्यक बनाव या टीप-टाप न हो, शुद्ध, स्वच्छ विना मिलावट का, सीधा, सरल हृदय, अनजान, भोला, मिना दाढ़ी-मूछों वाला

सादाकार—(मि) सादा और बढिया काम बनाने वाला

सादात—(अ) “सैयद” का बहुवचन

सादातनज—(मि) सरल प्रकृति, सीधा-सादा

सादा दिल—(फ) शुद्ध हृदय का, भोला, सीधा, अरु, अनजान

सादापन—(मि) सादगी, सरलता

सादा—(फ) शुद्ध और सरल हृदय का, सरल स्वभाव वाला, भोला

सादारु—(फ) जिसके चेहरे पर दाढ़ी मूछे न हों

- अभियान, बन्गी
 साहवा—(अ) साहब का स्त्रीलिंग
 साहवान—(अ) साहब का बहुवचन
 साहवे आलम—(अ) दिल्ली के
 मुगल शाहजानों की उपाधि
 साहवे जाना—(मि) घर का स्वामी,
 घरस्वामी
 साहिब—(अ) देगो “साहब”
 साहिया—(अ) साहिब का स्त्रीलिंग,
 भद्र महिला, सहेली, मालकिन
 साहिजाना—(अ) साहबों का सा,
 साहबों की तरह का
 साहिबी—(अ) एश्वर्य, प्रभुता,
 मालिकी, बहादुर, साहबों का-सा,
 साहब पना, स्थापित
 साहिर—(अ) ज़ादूगर, पदनाटिक
 साहिरा—(अ) ज़ादूगरनी
 साहिल—(अ) तट, किनारा (नदी,
 समुद्र आदि का)
 मिअमिआत—(अ) राजनीति
 मिनाज़—(अ) देगो “मन्नाज़”
 सिनाय—(अ) एक पशु विशेष
 विशेषता साहब का परचीन
 बना है।
 मित्रजर्णन—(अ) तैयू के लिये
- सिरक न चीना मिलाकर तयार
 किया गया शरबन
 सिमन्दर—(अ) एक प्रसिद्ध बाद-
 शाह का नाम
 सिकल—(अ) भारीपन, बोझ,
 गरिष्टता, ज़मीन में गड़ा हुआ
 गुना
 सिकल्यत—(अ) एक प्रकार का
 मुलायम और मोग ठनी कपड़ा,
 बनात
 मिन्न—(अ) घमड़े का बना हुआ
 पानी भरने का थैला, मचर,
 विचरवनीय व्यक्ति, मरोने का
 आदमी
 सिफीन—(अ) गाय, भैंस आदि का
 मल, गोबर, गोमय
 सिफीनत—(अ) मुन, चैन, आगम
 सिषण कलब—(अ) लाय सिफा,
 नरुत्री या बानी सिफा
 सिफा—(अ) दरखान में टपे द्वाग
 टोक कर तयार किया गया
 निम्न आकार प्रसार का पात्र
 का दुबड़ा बिस्तर तहलीन
 शाहक का नाम, चिम या फिर
 छत हो और दो सगा य एन

देन का व्यवहार चलाने में काम आवे मुद्रा, मुहर, छाप, टप्पा, चिह्न, मुद्रित, छपा हुआ, आतक, प्रमाण, अक्षर, भाग, बाजार, मुहल्ला, छुहारे का वृक्ष

सिक्का—(अ) विश्वास, ऐतबार, दृढ़ता, अपराध, विश्वसनीय

सिक्का रायज-उल्ल-वक्त—(अ) वर्तमान समय का प्रचलित सिक्का

सिक्कल—(अ) देखो “ सिक्कल ”

सिरार—(अ) लघुता, छोटापन, छोटाई

सिगर सिन—(अ) छोटी उम्र का, अल्पवयस्क, नाबालिग, अल्पायु

सिगारत—(अ) लघुता, छोटाई, छोटापन

सिजदा—(अ) दण्डवत् प्रणाम, झुककर नमस्कार करना, माथा टेकना, ईश्वर की प्रार्थना करना

सिजदए शुक्र—(अ) परमात्मा को घयवाद देने के लिए माथा झुकाना

सिजदागाह—(मि) प्रणाम करने का स्थान, मिट्टी आदि की बनी

हुई वह गोल चीज़ जिस पर शीया मुसलमान नमाज़ के वक्त माथा टेकते हैं

सिजदात—(अ) “ सिजदा ” का बहुवचन

सितम—(फ) अत्याचार, अयाय, अनय, जुल्म

सितम ईजाद—(फ) जुल्म दाने-वाला, माशूक

सितम कश—(फ) अत्याचार पीड़ित

सितमगर—(फ) अत्याचार करने वाला, ज़ालिम, अन्यायी

सितमगार—(फ) देवो “सितमगर”

सितमजदा—(फ) अत्याचार पीड़ित, जिस पर सितम दाया गया हो, शस्त, मज़दम

सितम जरीफ—(मि) वह जो हँसी-हँसी में ही सितम दा दे, हँसी हँसी में ही अत्याचार करनेवाला

सितम दीदा—(फ) अत्याचार-पीड़ित

सितम शिआर—(मि) बराबर जुल्म करनेवाला, लगातार अत्याचार-करनेवाला

सितम रसीन—(फ) अत्याचार

पीडित, जिस पर सितम किया गया हो

मितान—(क्र) चौकट, स्थान, जगह

सितार—(क्र) एक प्रसिद्ध ग़ज़ल

सितारा—(क्र) नख़्त, तारा, सितार नाम का वाज़ा, माग्य, नसीब, प्रारब्ध, चान्नी आदि के बने हुए छोटे-छोटे गोल और चमकदार टुकड़े जो कपड़ों आदि पर लगाने में काम आते हैं

सितारा शनास—(क्र) ग्रह-नक्षत्रों को पहचानने वाला, ज्योतिषी, नज़्मी

सितारे हिन्द—(क्र) एक उपाधि जो सरकार की ओर से दी जाती है

सितून—(क्र) स्तम्भ, स्तम्भ, स्तूप

सिद्ध—(अ) सत्य, सचार्थ

सिद्धार्थ—(अ) देखो “सन्ध्या”

सिद्धीक—(अ) मित्र, प्रेमी, सहायक

सिद्धीक—(अ) बड़ा सया, परम सत्यनिष्ठ

मिन—(अ) आयु, अवस्था, घय, उम्र, दौत

मिनक—(अ) शालाई, भेद,

विभाग

मिन बुल्गत्—(अ) बालिंग होने की अवस्था, वयस्क होने की उम्र, यौवन, जवानी

मिन रसीदा—(मि) श्रद्धा, बुद्धि, बुद्धि, वयोवृद्ध

मिन शऊर—(अ) देखो “मिन बुल्गत्”

सिनाअत—(अ) कारीगरी, शिल्प

सिनान—(क्र) तीर बरछी आदि की नोक

सिदान—(क्र) निहानी, अहरण, घन, हथौड़ा

सिन्नोर—(अ) बिल्ली

सिपर—(अ) डाल, आद, रक्षा करनेवाली वस्तु

सिपस्तों—(क्र) देखो “सिपस्तों”

सिपह—(क्र) सेना, फौज

सिपहगरी—(क्र) ऐनिक का कार्य

सिपहर—(क्र) आकाश, गोला, गोल

सिपह सालार—(क्र) सेनापति, सेनापति

सिपा—(क्र) “सिपह का सशित रूप

मिपारा—बुरा के बीच अम्पदों में से कोई एक अम्पद

सिपास—(फ) कृतज्ञता, धन्यवाद,
प्रशमा, अभिनन्दन

सिपास गुजारी—(फ) धन्यवाद
देना, कृतज्ञता, प्रकाशन

सिपास नामा—(फ) वह पत्र जिसमें
किसी की प्रशंसा की गई हो,
अभिनन्दन पत्र

सिपाह—(फ) सेना, फौज, सिपह

सिपाहगरी—(फ) सिपाही का काम
सिपह गरी

सिपाहियाना—(फ) सिपाहियों के दग
का, सिपाहियों का सा

सिपाही—(फ) सैनिक, वीर, फौजी
तिलगा, पुलिस का कास्टेबिल

सिपिस्तों—(फ) देखो “ सपिस्तों ”

सिपुर्द—(फ) देखो “ सपुर्द ”

सिफत—(अ) गुण, विशेषता, लक्षण
स्वभाव

सिफ्र—(अ) शून्य, बिन्दु, बिंदी,
खाली जगह, आकाश

सिफलगी—(अ) नीचता, अधमता,
पाजीपन

सिफ्रल्ला—(अ) नीच, अधम, अयोग्य,
पार्जी, कमीना

सिफली—(अ) घटिया, छोटे दर्जे का

सिफात—(अ) ‘सिफन’ का बहुवचन

सिफाती—(अ) गुण सम्बन्धी, प्रकृति
या स्वभाव का, स्वाभाविक,
प्राकृतिक

सिफारत—(अ) सफीर (दूत) का
काय वा पद, दौत्य, एल्चीपन,
किसी बात का निर्णय कराने के
लिए एक राज्य की ओर से
दूसरे राज्य में भेजे जाने वाले
राजदूत

सिफारिश—(फ्र) किसी की कार्य
सिद्धि अथवा अपराध क्षमा
कराने के लिए किसी से कहना
मुनना, किसी का पक्ष समर्थन
करना

सिफारिशी—(फ्र) जिसकी सिफारिश
की गई हो जिससे सिफारिश
की गई हो सिफारिश का,
सिफारिश सम्बन्धी

सिफ्त—(अ) देखो “सिफ्रत”

सिफ्ल—(फ्र) मोटा, गफ्र, दबीज,
(कपड़ा)

सिवियान—(अ) लड़के, औलाद

सिच्चत—(अ) वंशज, औलाद, सतान

सिमाद—(अ) साहसी, वीर, बहादुर

सिमाहत—(अ) साहस, वीरता,

सिस्त—(अ) ओर, दिशा, तरफ

सियाह—(फ) “सियाह” का सक्षिप्त रूप

सियाक—(अ) लिखने नोलने आदि का दग, रिसान, गणित

सियादत—(अ) वडप्पन, नेतृत्व, शासन, हुकूमत, सरकारी मुसलमानों की चार मुख्य जातियों में से दूसरी, ऐयनों की जाति

सियासत—(अ) शासन, राजनीति, देश की रक्षा और व्यवस्था, घमकी आदि देकर सचेत करना, तथीह, शिक्षा, आतक

सियासत ढाँ—(मि) राजनीतिज्ञ

सियासियात—(अ) राजनीति शास्त्र

सियाह—(फ) काला, कृष्ण, अगुम, अमगलकर, बुग, उराव

सियाहफार—(फ) पापी, कुकर्मों, बाले काम करने वाला

सियाहत—(अ) यात्रा, राफ़र

सिरकगधीन—(फ़) सिरफे का बनाया हुआ शरबत सिक़गधीन

सिरपा—(फ) शय आदि के रख को सफ़ा कर तैयार किया गया

एक प्रकार का आसव

सिराज—(अ) सूर, दीपक, चिराग

सिरात—(अ) देखो “सिरात”

सिरिश्क—(फ) आयू, अश्रु

सिफ़—(अ) पेवल, एक माय, अफेला, विगुद्ध, जिना मिलावट का, अमिभित

मिल—(अ) उरखत नामक रोग, क्षय, निफ़, यश्मा

सिलफ़ची—(फ) देखो “सिन्धची”

सिलरची—(फ़) एक चौड़ मुर का बतन जो हाथ-मुह घोंते समय काम आता है, चिम्मरी

सिलसिला—(अ) क्रम, तांता, तार, परम्परा, लड़ी, जज़ीर, ग़मला, अशी, पकि, क्रम, व्यवस्था, तरकीब

सिलसिलानदी—(मि) क़ाग़ नांधना, तांता बोझना

सिलसिले धार—(मि) क्रमशः, तर तीबवार

सिल्ह—(अ) अरब शब्द, हथियार, औज़ार

सिल्ह खाना—(मि) शरनागा

सिल्ह पोश—(नि) हथियार षट्,

- शस्त्रधारी, शस्त्रास्त्रों से सज्जद
 सिला—(अ) उद्धार, भेट, पुरस्कार,
 इनाम, पारितोषिक, प्रभाव,
 असर, शुभ कर्मों का फल
 सिलात—(अ) 'सिला' का बहुवचन
 सिलान—(अ) शोक के कपड़े
 सिलाह—(अ) देखो 'सिलह'
 सिलाह खान—(मि) देखो 'सिलह
 खाना'
 सिलाह बन्द—(मि) हथियार बन्द,
 सशस्त्र
 सिलाह साज—(मि) भस्त्रशस्त्र या
 औज़ार बनाने वाला
 सिलाहियत—(अ) भलमनसाहत,
 नेकी
 सिलाही—(फ) हथियारबन्द सिपाही,
 सशस्त्र सैनिक
 सिलक—(अ) वह धागा जिसमें
 मोतियों की लड़ी पिरोही रहती
 है, मोतियों की लड़ी, शर,
 पत्ति, सिलसिला
 सिल्लाख—(अ) राल खींचने वाला
 सिया—(अ) अतिरिक्त, अधिक,
 फलतः, ज्यादा
 सिवाय—(अ) देखो 'सिवा'
 सिंह—(फ) तीन
 सिहर—(अ) जादू, टोना, इद्रजाल
 सी—(फ) तीस
 सीख—(फ) लोहे की पतली कील
 जिस पर लगाकर कबाब भूनते
 हैं, लोहे की लम्बी पनली छड़
 सीखचा—(फ) लोहे की वह छोटी
 छड़ जिस पर कबाब लपेट कर
 भूनते हैं
 सीगा—(अ) विभाग, महकमा, व्याक
 रण में कारक, पुरुष, लिंग और
 वचन, साचे में ढालना
 सीगा गरदानना = किसी धातु के
 भिन्न भिन्न काल, पुरुष और
 वचनों के रूप ढोलना
 सीना—(फ) छाती, वक्षस्थल, त्रियों
 के स्तन
 सीना कारी—(फ) घोर परिश्रम,
 कड़ी मेहनत
 सीना कोरी—(फ) छाती कुटना,
 छाती पीट पीटकर शोक या
 मातृम मनाना
 सीना ज्ञन—(फ) वह आदमी जो
 मुहरमों में अपनी छाती कुटना
 है

सीना जनी—(क्र) सीनाजन का
पाप, छाती कुम्हा

सीना जोर—(क्र) जबरजस्त, अत्या
चारी

सीना जोरी—(फ) जबरजस्ती, धींगा
धींगा, अन्याचार

सीना बन्द—(क्र) घोड़े का तग,
भिया के पहने की चोली,
अंगिया

सीना सिपर—(फ) सीना तानकर,
छाती सामने करके, मुक्ताबंद
में, सम्भुग

सीपारा—(क्र) कुरान के तीव्र
अश्यायो में से काइया एक
अश्याय

सीम—(क्र) घन, सम्पत्ति, चांदी,
रुपया

सीमवन—(क्र) चांदी के समान
सफ़ेद रंग वाला (प्रायः प्रेमिका
के निद्रा आत है)

सीमाव—(फ) पारा

सीमाधी—(क्र) एक बानि, वाक्पूत

सीमी—(फ) चांदी का रुपहली

सी मुग—(क्र) एक कस्बिय पक्षी का
नाम

सीर—(अ) "सीरत" का बहुवचन,
आदतें, गुण, विशेषताएँ, इति
हास

सीरत—(अ) गुण, मर्यादा, आदत,
विशेषता, प्रभाव

मुक़ता—(अ) वह दृष्टि जो किसी
चीज में से दूसरी गिर जाय,
बादल का दृष्टि

मुक़न—(अ) बीमारी, दुःख

मुक़रात—एक प्रसिद्ध तद्वयेत्ता का
नाम

मुकुम—(अ) बीमारी, रोग, दाद,
दुःख

मुकुत—(अ) मौन, चुप रहना,
तामोशी, शान्ति

मुकुत—(अ) च्युत होना, गिरना,
किसी शब्द का छट को रूप में
ठीक न बैठना

मुकुन—(अ) दहरना, आगम करना,
स्थिरता, मनकी शांति

मुकुनत—(अ) देगो "सकुनत"
रहना, निवास, आराम, शान्ति

मुकुप—(क्र) सफ़ोग, निंदो का
प्याला,

मुषान—(अ) ताव की पतवार

सुक्र—(अ) नशे की खुमारी
सुखन—(फ) बात, कविता, देखो
“सखुन”

सुखनची—(फ) चुगलखोर, दोष
दशरू, पिशुन

सुखन जेरलच—(फ) ओठों में बात
करना, बहुत धीरे ज़ोलना

सुगरा—(अ) छोटी लड़की, कया,
छोटी वस्तु

सुतून—(फ) देखो “सितून”

सुतूर—(अ) “सतर” का बहुवचन

सुदूर—“सद्र” का बहुवचन, प्रच
लित होना

सुदा—(अ) चौलड, आतों के भीतर
मल की बनी दूड गाँठें, नाक
की एक बीमारी

सुनूक—(अ) “सिनक” का बहु
वचन

सुन्नत—(अ) मुसलमानों में प्रचलित
एक प्रथा जिसमें बालक की
मूषेन्द्रिय का ऊपरी चमड़ा काट
दिया जाता है खतना, मुसल
मानी, प्रथा, रीति, रियाज,
वह काम जो मुहम्मद साहब न
किया हो

सुन्नो—(अ) मुसलमानों का एक
फिरका जो चारों पलीकाओं
को प्रधान मानता है चार
यारी

सुपारश—(फ) अनुरोध, सिफारिश

सुपारी—छालिया, पृगीफल

सुपास—(फ) प्रशंसा, धन्यवाद,
कृतज्ञता “सिपास”

सुपुद—(फ) देखो “सपुर्द” सोंपना

सुपुर्दनी—(फ) सोंपने योग्य, सोंपने
लायक

सुपेद—(फ) देखो “सफेद”

सुपेदा—(फ) देखो “सफेदा”

सुपेदी—(फ) देखो “सफेदी”

सुफरा—(अ) वह पात्र जिसमें राने
की वस्तुएँ रक्खी जाय, दस्तर
खान, गूटा

सुफारिश—(फ) अनुरोध, सिफारिश

सुफूफ—(अ) सफ का बहुवचन.
देखो “सफूफ”

सुवह—(फ) देखो “सुबुह”

सुवह—प्रातःकाल, सबेरा, मोर, तड़का

सुवह काजिब—(अ) अरुणोदय से
कुछ पहले का समय, ब्राह्म
मुहूर्त

- मुद्रक लेख—(नि) बहुत तक्षके
उठनवाग, यह चोर जो नुन
तक्षक उठकर मुभाफिरा य नून
लेंटे आदि जुग य जाय,
उचका, उडाङ्गीरा
- मुद्रक दम—(मि) वह तदन, बहुत
सवर
- मुद्रक सान्नि—(अ) प्रभाव का,
सूर्याभ्य त पुठ पक्षे का समय,
उप रात्र
- मुद्रक—(अ) जप कर्म की छाती
माग, मुमिनी, तगदीह
- मुद्रकान—(अ) परिष, स्वतन्त्र, हय
अथवा आश्रय का गौरव
- मुद्रकान अक्षा—(अ) में परिव्रता
भूयक इन्द्र को याद करता है ।
(प्राय हय या आश्रय में प्रवृत्त)
- मुद्राङ्क—(अ) सात चरणी का एक
छन्द, मात्र तार
- मुद्राना—(अ) प्राय काय, सचरा,
प्रमात
- मुद्रक—(क) हल्का, मुद्र, प्राय,
चतुर, चात्क, निरपक्ष
- मुद्रक छेद—(फ) चात्क, तक्ष चम्पन
यात्रा
- मुद्रक नीलें—(प्र) चात्क, तेज
- चल्नेवाला (घोषा)
- मुद्रक तर्गों—(क) चात्क, द्रुत
गामी, एक वाग्शाह का नाम
- मुद्रक दस्त—(क) काम करने में
जिम्मा हाथ बहुत हलका हो
जल्दी काम करेवाला, कुर्ताना,
सिद्धहस्त
- मुद्रक दस्तो—(फ) पुर्ना, हस्तान्तर
- मुद्रक नेत्र—(फ) निम्नरे क पैर
कोई भार न हो
- मुद्रक पा—(क) द्रुतगामी, तेज
चल्नेवाला, मुन्दर चाल चलन
वाग
- मुद्रक धार—(अ) जिम्मे के ऊपर
अधिक भार न हो, जिम्मे की
जम्बरते या जिम्मेगारियां भारी
हो
- मुद्रक मग्न—(क) हल्का दिमाग
का, छाती मोरडी याग,
निद्रुकि, मूय
- मुद्रक रु—(फ) गुदर और मुद्रोन
चैहरकाग
- मुद्रक रुद्र—(प्र) प्रसन्न यदन,
हैमोद, निरपेय, निगरीय,
निरभिमान, चक्षा, दीप्ति गति,

पवित्रात्मा

सुबुक्त सर—(फ) ओठा, तुच्छ,
नीच, अधम

सुबुकी—(फ) हल्कापन, ओठापन,
तुच्छता, अप्रतिष्ठा, निर्लज्जता

सुनू—(फ) घड़ा, ठेला

सुनूत—(अ) वह जिसके द्वारा कोई
बात सिद्ध हो, प्रमाण देतो
“सबूत”

सुभान—(अ) देतो “सुबहान”

सुभ—(फ) घोड़े का नख

सुमो घुक्रम—(अ) गूने बहरे लोग

सुम्या—(फ) लोहे का वह औजार
जिसे टोकर लोहे में खराब
करते हैं

सुम्बुल—(अ) देतो “सम्बुल”

सुम्बुला—(अ) गेहूँ जौ आदि की
बाल, ज्योतिष में कन्या राशि

सुम्मारु—(अ) एक ओषधि विदोष

सुरजत—(अ) शीघ्रता, तेज़ी, फुर्ती

सुरखा—(फ) मग्न, शरान, लालरग
का कचूतर, वह सफेद घोड़ा
जिसकी पूछ लाल हो, कुछ
भूरापन लिए हुए काले रग का
घोड़ा

सुरजाव—(फ) एक प्रसिद्ध लाल रग
का पक्षी, चक्रवाक, चक्वा

सुरखाव का पर लगाना = विलम्बगता
या अनोखापन होना, विशेषता
होना

सुरना—(फ) रौशन चौकी में बजने
वाली वह नफ़ीरी जो सिफ़ा खर
देती रहती है

सुरनाड—(फ) सुरना बजाने वाला,
नफ़ीरी रजाने वाला

सुरफा—(फ) फास रोग, खासी

सुरमइ—(फ) एक प्रकार का गहरा
नीला रग, सुरमे के रग का

सुरमए सुलेमानी—(फ) वह अजन
जिसको आगों में आन लेने से
सत्तार की गुप्त वस्तुएँ भी
दीपने लगती हैं, सिद्धाञ्जन

सुरमगी—(फ) वे आँखें जिनमें सुरमा
लगा हुआ हो

सुरमा—(फ) एक प्रसिद्ध खनिज
पदार्थ जिसे रज्ज बारीक पीसकर
आखों में लगाते हैं

सुराग—(तु) खोज, टोह, तलाश,
अनुसन्धान, पता

सुराग रसों—(भि) खोज या पता

लगाने वाला

सुरागी—(३) मद्यग लगान वाला

सुराह—(अ) यह शराब जिसमें पानी
आदि कुछ मिला न हो, शराब
भाग, एक पुस्तक का नाम

सुराही—(अ) पानी या शराब का
एक विशेष आकार का प्रसिद्ध
पात्र

सुराहीदार—(मि) सुराही के आकार
का, गोला और लम्बा

सुरीत—(फ) निगम, चतुर, पुढा

सुरुर—(फ़) आनन्द, प्रसन्नता, हल्का
नशा

सुरैया—(अ) छमरा नामक ठाणे का
पुत्र, कृतिम का नपुत्र, सुन्दरी

सुरेद—(फ़) देतो 'सरो'

सुरेग—(फ़) शुभ सन्देश लाने वाला
दूतदूत, हज़रत, जिसका नाम का
नाम

सुरे—(फ़) लाल, गहना का, गहना
लाल रंग

सुर्य—(फ़) कान्तिमान, तेजस्वी,
प्रतिष्ठित, जिसे किसी काम में
सफलता प्राप्त करने के लिये प्राप्त
हुआ हो।

सुष रुह—(फ) किसी काम के सफलता
करने या करा देने का भेष

सुर्यी—(फ़) छाती, लालिमा, आनन्द
रक्तिम, मधिर, छट्, रक्त, लेग
आदि का शीतक

सुर्य—(अ) सूर्य के रंग की धेरी,
तोड़ा

सुल्तान—(अ) बग़दाद, शाहज, मघाट

सुल्ताना—(अ) सुल्तान की पत्नी,
महादी

सुल्तानी—(अ) सुल्तान का, सुल्तान
तान सम्बन्धी

सुल्तान—(फ़) एक तशीला पगल
जो बिल्कल में तम्बाकू की तरह
बलाक पिदा जाता है, यह
तम्बाकू को बिल्कल में बिना तवा
खरो भरकर पिदा जाय

सुल्तान बोल—(अ) देतो " सुल्तान
बोल "

सुल्ह—(अ) मधि, मेम मिलान,
यह मेम को किसी कगद के
मजाल होने पर हो

सुल्ह पुन—(अ) रात दिन, सब में
मेम-बाल रगने वाला

सुलह कुल—(अ) सब से मेल मिलाप रखने वाला, “ सभी धर्मों का मुख्य लक्ष्य ईश्वर प्राप्ति है ” इस सिद्धान्त का मानने वाला, उक्त सिद्धान्त को मानकर किसी भी सम्प्रदाय के अनुयायी से द्वेष भाव न रखने वाला

सुलह नामा—(मि) सधि पत्र, वह कागज़ जिस पर दो लब्धनेवालों में समझौता हो जाने पर मेल-मिलाप की शर्तें लिखी जाती हैं

सुलह—(अ) देखो “ सलह ”,

सुलेमान—(अ) यहूदियों का एक प्रसिद्ध बादशाह एक प्रसिद्ध पहाड़ जो पञ्जाब और बिलो चिस्तान के बीच में है ।

सुलेमानी—(अ) सुलेमान का, सुलेमान सम्बन्धी, वह घोड़ा जिसकी आँखें सफ़ेद हों, एक प्रकार का दुरगा पत्थर

सुल्तान—(अ) देखो “ मुल्तान ”

सुल्य—(अ) सत्तान, पशु, कुँल, कुलीनता, रीढ़ की हड्डिया

सुस्त—(फ़) शिथिल, उन्मत्त, आलसी, चिन्तित, हतप्रभ, मदगति,

धीमा, ढीला

सुस्तराय-सुस्तरौश—(फ़) मूर्ख, पोंगा
सुस्ती—(फ) आलस्य, उदासीनता, दिलङ्घन

सुहवत—(अ) सगति, मित्रता, साथ
सुहराय—(अ) रस्तम के बेटे का नाम

सुहेल—(अ) एक कल्पित नक्षत्र जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है कि वह समस्त देश में दिखाई देता है तथा वह जन्म कभी उदित होता है सब जीव मर जाते हैं और सब प्राणियों के चमड़े सुगन्धित हो जाते हैं ।
नक्षत्र विशेष, सूर्य

सू—(अ) ओर, तरफ़, दिशा, विपत्ति, सकट, दोष, बुगड़, खराबी, बुरा, सराब

सूएज़न—(अ) दुर्भाव, किसी के प्रति मनमें बुग विचार रखना बदगुमानी

सूए मिज़ाजी—(अ) अस्थिरता, बीमारो, रुग्णावस्था

सूए हज्मी—(अ) अपच, कोष्ठ-बद्धता, बदहज़मी

सूत्र—(अ) बाज़ार, सूत्रियाना
(अ) बाज़ारू

सूत्री—(अ) बाज़ारी

सूज़ारू—(फ) एक मूत्र रोग जिसमें
ज्वर के साथ थोड़ा थोड़ा
पेटाव उतरता है, प्रसह रोग
का एक भेद

सूत—(अ) छोटा, चाबुत, हण्टर

सूतिआत—(अ) शल्य विज्ञान

सूती—(अ) शल्य सम्बन्धी

सूत—(फ) लाम, प्रायण, बुद्धि,
व्याज, भण्डाई मूली

सूती—(फ) यह रूपा जो व्याज
पर लिया दिया जाय

सूत—(अ) भेद की ऊन, ऊन का
मोग कपड़ा, एक प्रकार का
पगमीना, यह कपड़ा जो टावान
में पका हो, कम्बल, गानिक

सूत पोश—(नि) कम्बल ओढ़ने वाला,
परीर जो प्रायः कम्बल ओढ़ते
हैं

सूतार—(प्र) घास का पुत, लीर का
पीछ का भाग जो छोड़ते समय
प्रचया पर अशाया जाता है मुँह
का नारा

सूत्रियाना—(अ) सूत्रियों का शा,
सूत्रियों ने सम्बन्ध रखे वाला,
हल्ला, सादा और सुन्दर

सूपरी—(अ) ऊन के कपड़ पहनने
वाला, एक इश्वर को मानने
वालों का समुदाय, उगार दिनार
के समुलमान

सूया—(अ) प्रातः, प्रदेश, देश का
एक भाग

सूयाजात—(अ) सूया का बहुवचन

सूयागार—(नि) प्रान्त पति

सूयेगार—(मि) सूये या प्रान्त का
शासक प्रान्तपति, प्रीज का
छोटा अप्रसर

सूयेदाये—(नि) सूयेगार का काम या
पद

सूम—(अ) कलम, कृपा, मर्हता
बेचोवाला

सूरजान—(फ) अपने आर पंग होने
वाला सिपाहा जो टपा के काम
आता है

सूर—(अ) नरसिंह नाटक का
विरोध, लूरी, करना, दुष्ट
मानों के मतानुसार यह नरसिंह
मिसे शतक दसखड़ीज वन

मत के रोज बजाकर कब्रों में
 सोते हुए सज मुर्तों को जगावेंगे
 सूर—(फ) लाल रंग, प्रसन्नता, आनन्द,
 खुशी, धोड़े या ऊँट का गहरा
 खाकी रंग

सूरए इखलास—(अ) कुरान का
 एकसौ बारहवाँ अध्याय या सूर

सूरए यासीन—(अ) कुरान का एक
 अध्याय जो उस वक्त पढ़ा जाता
 है जिस वक्त किसी को मरने में
 बहुत कष्ट हो रहा हो

सूरत—(अ) शक्ति, मूर्ति, चित्र, रूप,
 आकृति, शान्ति, शोभा, छवि,
 दशा, अवस्था, युक्ति, तरकीब,
 उपाय, दग

सूरत परस्त—(मि) चौ-दर्योपासक,
 रूप की उपासना करने वाला,
 मूर्ति-भूजक

सूरत हराम—(मि) जो देखने में तो
 अच्छा लगे पर गुणों की दृष्टि से
 बिलकुल निकम्मा हो

सूर—(अ) कुरान का अध्याय

सूराख—(फ) छिद्र, छेद

सूरी—(फ) लाल रंग का फूल

सूस—(अ) दीमक, मुलैठी नामक

जड़ी

सूमन—(फ) एक प्रकार का फूल

सूस मार—(फ) गोद, गोधा

से—(फ) तीन

सेब—(फ) एक बढ़िया प्रसिद्ध फल

सेने जन खदों—(फ) छोटी और
 सुंदर आकार की ठोड़ी

सेर—(फ) जिसका पेट भरा हुआ हो,
 पूर्ण काम, जिसकी कामनाएँ
 पूर्ण होगई हों

सेर चश्म—(फ) जिसे कुछ देखने
 की अभिलाषा न रही हो, जो
 सब कुछ देख चुका हो, जिसकी
 आँखें तृप्त हो चुकी हों

सेर हासिल—(मि) उर्वरा भूमि,
 उपजाऊ, ज़रखेज़

सेराव—(फ) जिसमें खूब पानी
 सींचा गया हो, फूला-फला,
 हर भरा

सेरी—(फ) वृत्ति, दृष्टि, इतमीनान,
 तसल्ली, सेर होने का भाव

सेहत—(फ) तीन

सेहत—(अ) स्वास्थ्य, नैरोग्य,
 आरोग्य, तन्दुरुस्ती, पूछगछ,
 सशोधन, सही करना, भूलों

का पुधारना

सेहन छाता—(मि) शौचालय,
पाखाना

सेहत नामा—(मि) शुद्धि-पत्र,
आरोग्य-गूचक प्रमाण पत्र

सेहत घरका—(मि) आरोग्य प्र

सेह घरगा—(क्र) यह फूल जिसमें
तीन पल्लवियाँ हो

सेह मजिह्ला—(क्र) यह मकान
जिसमें तीन मजिहें हो,
तिलण्डा, तिलुत्ता

सेह माही—(क्र) प्रमासिक, प्रति
तीसरे महीने होनेवाला

सेहर—(अ) आदू, रोना, इद्रनाउ

सेहर घयान—(मि) जिसके भाइयों
में जादूशाना अंतर हो, जो
य वी से आदू का हाथ दे

सेह शम्बा—(क्र) मगलगर

सेहल—(अ) इयिहारों पर पानी
चढ़ाना या पार धरना, चम
काता, हाँसे पर कन्द चढ़ाना

सेहल गर—(मि) इयिहारों पर
पानी चढ़ाने का भार रखने
वाला, सिक्कीगर

सेह—(अ) कथुरवालों की एक

प्रथा जिसमें एक कथुरवाला

दूसरे के कथुरा को पकड़कर
अपने यहाँ बंद कर लेता है

आग्नेय, शिफार, मृगया

सैदानो—(अ) छेपट जाति की स्त्री

सैदी—(अ) पारपर से रतनेवाले
कथुरवाला

सैक्र—(अ) तन्सार

सैक्र जनों—(मि) तलवार चलाना,
खड्ग संचालन

सैक्र जयों—(मि) जिसकी जीभ चाल
वार या कनरनी की तरह
चलती हो, व्यथ बहवाद करने
वाला, मुहफट, जिसकी बातों
में फासी अंतर हो

सैप्रत—एक प्रकारका बड़ा चानू

सैपरी—(अ) मुसलमानों में प्रचलित
एक मात्र जिसमें पदहर नगी
चप्पार की पीठ पर इस भावना
में फूँक मारते हैं कि यह तब
पार शत्रुओं का संहार कर देगी

सैयद—(अ) बहा, यथोद्भूत, भागिद
नेता, मुखमन्त्र साहब या नगी,
हुसेन के यशज, मुसलमानों के
चार वर्गों में से दूसरा

- सैयदज़ादा—(मि) सयद, हुमैन
का वंशज
- सैयाद—(अ) गिकारी, गिकार
गेलनेवाला, गहेलिया, अहेरा,
प्रेमी या प्रेमिका (केवल
साहित्य में)
- सैयाफ—(अ) घातक, तलवार मारने
वाला
- सैयार—(अ) सैर करनेवाला,
गुमश्त
- सैयारा—(अ) घूमनेवाला नक्षत्र,
सितारा, कारवा
- सैयाल—(अ) तरल, पतला, पानी
की तरह बहनेवाला
- सैयाह—(अ) यात्री, मुसाफिर,
यात्रा करनेवाला
- सैयाही—(अ) यात्रा, सफ़र
- सैर—(अ) मनोरंजन के लिए घूमना
फिरना, मिन मण्डली के साथ
किसी मनोरम स्थान में जाकर
खान पान, नाच रंग आदि
करना, आनन्द, मोज़, बहार,
गेल, तमाशा, तलवार
- सैराह—(मि) सैर करने का स्थान,
सुन्दर और स्थानीय स्थान
- सेराय—(फ) पानी में डूबा हुआ
सैल—(अ) पानी का उद्गार, प्रवाह
सैलान—(फ) स्नान या पानी का
बहना
- सैलाय—(फ) बाढ़, बहिया, जल
प्राप्त, पानी की अधिक बाढ़
- सैलायची—(फ) देरों 'सिलायची'
- सैलानी—(फ) तरा, सीलन, गमी,
बाढ़, जल प्लावन, बहिया, नदी
का भाग पास की भूमि जो
नदी की बाढ़ से सींची जाती है
- सोखत—(फ) निकम्मा, सूजन, शोथ,
दुग्ध, पीड़ा, रज, खेद, शोक
- सोखतगी—(फ) जलन, दाह, शोथ,
सूजन, कष्ट, रज, शोक
- सोखतनी—(फ) जलने लायक,
जलाने योग्य
- मोरता—(फ) चारु के योग से
तैयार किया हुआ स्नान या कपड़ों
का परीक्षा जिसमें चर्ममर
पत्थर से आग जलाते हैं गंध,
जला हुआ, दग्ध द्रव्य, एक
प्रकार का कच्चा कागज जो
रवाही सुतान के धान में
आता है

रथाह्वान—(फ) सफेदी में मिला हुआ पिना कोयल जो सफेदी करने से पहले धुँए की रगत बहाने के लिए दीवार पर पोना जाता है

रथाह्वान—(फ) कपड़, कृपण, जिसके हाथों से कोश मण काट न बन पड़े

रथाह्वानामा—(फ) कुली, अपराधी

रथाह्वान—(फ) शोर व कानों या गीले कपड़ पहने हो उड़

रथाह्वान—(फ) अभागा, मद भाग्य

रथाह्वान—(फ) काले रंग का, कटुनिष्ठ हृदय

रथाह्वान—(फ) प्रमिता का प्रेमवाण की ओर

रथाह्वान—(फ) मर्मण, तले म धुन, बहुत मतमान

रथाह्वान—(फ) दुर्निम का रंग, अकाल की छा

रथाह्वान—(फ) निरुद्ध उग्र रंग

रथाह्वान—(फ) सेरनागा, जिसने गीत की आवाज़ी निगी उग्र, म. १

रथ की गठी, सरकारी राजा के या पन्वारा का वह रजिस्टर जिसमें कुर्मीगारों से बगल हुआ मालगुजारी का दियारा लिया जाता है

रथाही—(फ) मछि, कालि, कालिमा, कालिग, कालिउ, अधरार, धैवरा, काल, लांछन, बदनामी

ह

रथ—(फ) विचार, इरादा, उद्दिष्टता, समझौता, चर, छल, मेना, भारीपन, गुरुता, गरमाइ

रथामा—(फ) शत्रु, गौरव, समय, काम

रथामा—(फ) अनुग्रह, मी, उन ममूह, शताब्दी, रथा, पमा, ममा, मुमा, दमल, पाम इ. यह रथा वहाँ पर यदि कर्तव्य जाननेवाले अनायासता मोहल दिमाग के लिए लक्ष्य है

रथामा आग—(फ) रथी, रथार या रथार पन्वारा रथी रथा रथार

हजार—(फ) रास्ता, रंग दग, गति,
चाल

इड्यात—(अ) उनाश जाना, तैयार
किया जाना, बनायट, आकृति,
ज्योतिष

हक—(अ) डीलना, खुरचना

हक—(अ) अधिकार, औचित्य,
सच्चा, ठीक, इश्वर का नाम,
प्रतिज्ञा पान्न, कोई काम करने
या कराने का स्वत्व, किसी वस्तु
को अपने कब्जे में रखने या
काम में लाने आदि का अधिकार

हक उल्लाह—(अ) ठीक, सत्य,
धर्मलगती

हकतलकी—(अ) अधिकार नष्ट
करना, किसी को उसके अपने
अधिकार से वञ्चित कर देना,
किसी का हक मारा जाना,
अव्याय

हकनाला—(अ) सरश्रेष्ठ, सत्य,
इश्वर

हकनार—(अ) अधिकारी, जिसे
किसी बात का स्वत्व प्राप्त हो

हकना—(अ) दस्त कराने के लिए
गुदा में किसी म्निग्ध पदार्थ की

बत्ती या पिचकारी लगाना,
यन्त्रादि से गुटा में जल चढ़ाना,
वहिनकर्म

हक नाहक—(अ) व्यर्थ, निरर्थक,
अकारण

हकनुमा—(मि) परमार्थ का मार्ग
जतानेवाला, सच्चा मार्ग दिखाने-
वाला

हकपरस्त—(मि) इश्वर को मानने-
वाला, आस्तिक, इश्वर भक्त,
सत्यनिष्ठ, सत्यप्रेमी, सत्य का
पुजारी, सच्चा

हकपरस्ती—(मि) सत्यनिष्ठा, पर-
मात्म भक्ति

हकम—(अ) न्यायाधीश, न्याय
करनेवाला

हकरसी—(मि) याय, इन्साफ

हकगफा—(अ) वह अधिकार जो
पड़ोसी होने के कारण प्राप्त हो,
किसी ज़मीन जायदाद के औरों
की अपेक्षा पहले खरोत्रने का
अधिकार जो किसी को पड़ोसी
होने के कारण प्राप्त होता है

हक शिनास—(मि) सचाई को
पहचाननेवाला, सत्य मार्ग पर

- चण्डोवाग, न्याय पराया, गुणमाह, सत्यनिष्ठ, आस्तिक
 द्वायारन—(अ) भृगा, वेदवती, अपमान, अप्रतिष्ठा
 द्वायस्त—(अ) वास्तविका, तथ्य, तत्त्व, सत्य, सचाइ, असली बात, सत्य घटना
 द्वायस्तन—(अ) हकीकत म, वास्तव्य म
 द्वायस्त्री—(अ) सगा, असली, वास्तविक
 द्वायम—(अ) दायनिक, बुद्धि गा, विद्वान्, यूनानी प्रगा-नी से चिह्निता करनेवाला
 द्वायमी—(अ) यूनानी चिह्निता
 द्वाययत—(अ) द्वायदार अर्थात् अधिकारी होने का भाव, द्वायारी
 द्वायार—(अ) पृथित, अप्रतिष्ठा, अपमानित, गिच, दुष्ट, दुष्ट
 द्वायक—(अ) 'इक' का बहुवचन
 द्वायमत—(अ) प्रयुच्य, शाखा, गवर्नेनिक अधिकार, राय-शासन
 द्वाय—(अ) सत्य दे, ठीक दे, ईश्वर की शरण, परमेश्वर की शोभा
 द्वायक—(अ) नर्गों पर नाम आदि मोनेवाला
 द्वायानियत—(अ) ईश्वर भक्ति, सत्य
 द्वायानी—(अ) इश्वर मत्त
 द्वायियत—(अ) चापदा, सगति, जिसपर अपना द्वाय हो
 द्वाय तस्नीक—(नि) तैय्यक को अपनी गिनी हुई पुरतक आदि पर प्राप्त अधिकार
 द्वायके चद्दाम्म—(नि) चौथाइ भाग, प्राप्तव्य अंश
 द्वाय—(प) मुनत्मानों का अपने तीर्थ स्था कावे के दगनाथ मक्का की यात्रा करना
 द्वाय—(अ) आन, प्रगतिता, भाग्य, गौभाग्य, लाभ, स्याद, मज्जा
 द्वायन—(अ) दुःख, दोह
 द्वायक—(अ) द्वायना, दूर करना, निवारण, अपसारण
 द्वाययनाक—()
 द्वायम—(अ) पचा हुआ, पईमानी से अपने अधिकार में लिदा हुआ, पचाना, पचना
 द्वाय—(अ) पाथर, मसतार, द्वाय
 द्वाय—(अ) निरपेक्ष बात, शय की

बकवाद, किसी बात से उचना,
 किसी वस्तु विशेष को अपने
 व्यवहार में न लाना, परहेज़
 करना

हज़रत—(अ) महात्माओं या बाद
 शाहों की उपाधि, श्री महाराज,
 श्रीमान्, महोदय, समीपता,
 निकटता, नज़दीकी, दुष्ट, पाजी,
 बग़ावत (व्यग म)

हज़रत—(अ) “हज़रत” का बहु
 वचन

हज़रे असनद—(अ) देखो ‘संगे
 असबद’

हज़ल—(अ) चकोर नामक पक्षी

हज़ल—(अ) बेहूदा मज़ाक, भद्दा
 परिहास, गन्दा मज़ाक, भद्दीभा

हज़ा—(अ) यह

हज़ाब—(अ) लज़ा, परदा, ओट,
 शरम, लिहाज़

हज़ामत—(अ) बाल मूँड़ना, बाल
 बनाने का काम, बाल बनाने की
 मज़दूरी, शिर या दाढ़ी के बढ़े
 हुए बाल, हज़ाम का काम

हज़ामत बनाना = दाढ़ी या शिर के
 बाल मूँड़ना, किसी का घन अप

हरण करना, मारना पीटना

हज़ार—(फ) सहस्र, दस सौ, हजार
 की संख्या (१,०००), बुलबुल
 हज़ार आवाज़—(फ) बुलबुल
 नामक पक्षी

हज़ार चश्म—(फ) केरड़ा नामक
 जल-जतु, कर्कट

हज़ार चश्मा—(फ) एक प्रकार का
 फोड़ा जो प्रायः कमर पर होता
 है तथा जिसमें सैकड़ों खूबसूरत
 हो जाते हैं, अदीद

हज़ार दास्ताँ—(फ) कहानियाँ की
 एक प्रसिद्ध पुस्तक, अच्छी
 अच्छी बातें या कहानियाँ कहने
 वाला, एक बढ़िया जाति की
 बुलबुल

हज़ार पा—हज़ार पाया—(फ)
 कानख़ूरा, कानसराइ

हज़ारहा—(फ) सहस्रों, हजारों,
 अनगिनती

हज़ारा—(फ) बड़ी जाति का गंदे
 का फूल जिसमें बहुत-सी पल-
 दिया होती हैं, सीमाप्रान्त म
 बसनेवाली मनुष्यों की एक
 जाति

हज़ारो—(फ) हजार गिनियों का
मुद्रिका, हजार सिपाहियों का
अवसर

हज़ारा रोज़ा—(फ) खूब महीने की
गण-बधा ताग़म को किया
हुआ उत्साह । मुसलमानों का
विश्वास है कि इस एक ही दिन
राज्य ग़ुलाम में समझाने में खूब
हुए हजार राजा का फल मिलना
है)

हज़ी—(अ) दुनो, शोशक,
प्रितित

हज़ीत—(अ) लाभान्वित, मायगामी

हज़ीमत—(अ) पराक्रम, हाथ

हज़ीरा—(अ) इस्तिमान के चारों
ओर बसा हुआ इलाका, हिमी
कन के ख़तरा भरा गण
गुलाम का महान, पशुओं का
राज के लिए बनाया गया फाँस

हज़ूम—(अ) माद माद, जन
गुलाम

हज़ूर—(अ) मद आशियाने के लिए
प्रदुष्ट होतकाल मरफ़ूत, हिमी
मद आशियाने के लिए, हाथ
के गणों का महान, हाथ ख़तरा,

हाथिम की कनारी

हज़ा—(अ) अनाथ, निराश,
निरा, दुःख, शिराश

हज़ा—(अ) देखो 'हज़', कावे की
परिचय करना, इराज करना

हज़ा—(अ) देखो "हज़"

हज़ाम—(अ) हज़ामत बनानेवाला,
नाद, तापित, गिरी लगानवाला

हज़ामी—(अ) हज़ाम का काम
या पता, हज़ामत बनाने का
काम

हज़ार—(अ) राय बानेशाला,
निरधक और अधिराज्य करने
वाला, दरी

हज़ार—(अ) हंसोद, विदुष,
मायग

हज़े अक़दर—(अ) मय की गुलाम
के दिन की हज़ गाना या
पारफ़ना, यह हज़ ओ गुलाम
का भी मर हा (इराज निरा
गुलाम का जग दे), दरी हज़

हज़े जसता—(अ) यह हज़ का
हज़ार म हज़ गिरी की
हज़ का मर हो, हाथ हज़

हज़म—(अ) शोशक, हाथ, ग़ुलामों का

उभरना, उफान, हृदय

हज्जम—(अ) देखो “हज्जम”

हतम्—(अ) वेइज्जती, हेटी

हतक इज्जत—(अ) अप्रतिष्ठा,

निराश्र, मानहानि

हत्ता—(अ) यहाँ तक कि

हत्तुल इममान—(अ) यथावम्मान,

जहाँ तक हो सके, यथासाध्य

हत्तुल मकदूर—(अ) देगो हत्तुल

इममान

हम्—(अ) सीमा, मथादा, किसी

चीज़ की दूरी, विस्तार, उच्चता

या गहराई की अधिक से

अधिक पहुँच, पराकाष्ठा

हम् य हिसाब नहीं = अथ त, बहुत

ज्यादा

हम्फ—(अ) निशाना, मार, चोट,

तीर आदि का लक्ष्य

हम्न मी—(मि) हद्द बाँधना, सीमा

निर्धारित करना

हदाया—(अ) “हदिया (एक विशेष

उद्धार)” का बहुवचन

हत्तासत—(अ) प्रारम्भ, नवयौवन,

नवीनता

हदिया—(अ) मुसलमानों में उस्ता

को दिये गये वे पीले कपड़े जो

कोई विद्यार्थी अपने कुरान पाठ

की समाप्ति के उपलक्ष्य में भट

करता है, भेंट, उपहार, कुरान की

अध्ययन समाप्ति का उत्सव

हदीद—(अ) लोहा, तेज़ चीज़

हमीम—(अ) मुसलमानों का धर्म-

ग्रन्थ, मुहम्मद साहब के वचन

और काय कलाप, नवीन सूचनाएँ,

नई वस्तु

हदीस खीचना—सौगंध छाना,

शपथ लेना

हदूम—(अ) “हद” का बहुवचन

हद्द—(अ) सीमा, मथादा, पराकाष्ठा-

हद्दाद—(अ) दुश्मन, लोहे की चीज़

या इथिषार बनानेवाला

हनीफ—(अ) धर्म भीद, सच्चे रास्ते

पर चरनेवाला

हनोज़—(फ) इस समय तक, अभी

तक, अब तक

हफनज़र—(फ) परमात्मा नज़र या

कुल्लिट से रखा करे, इस्वर करे

नज़र न लगे

हफीज़—(अ) संरक्षक, निरीउर,

ईस्वर का नाम

हफ्त—(क) सात, छ और एक	होस्त, प्यास
हफ्त अफलीमर—(मि) सप्ताह, समस्त सप्ताह	हव्य—(अ) “हव” का बहुवचन, वायु प्रवाह, हवा का चला
हफ्त—(मि) तुल्यमानों के सातों में से एक नाम	हन्न—(अ) गोली, गा, बीर
हफ्त कडम—(मि) अर्थात् लिवि की मात प्रसार की लेना प्रगाथियों का गाता	हव्यमृत—(अ) श्रवण, आरोग्य, ऊपर से नीचे उतरता, निम्न भूमि, नीची जमीन, हानि, पुष्टि, योग-जय निरुद्धता
हफ्त जयान—(मि) मात मायाई ज्ञातेश्वर, मत्त भाष्य	हन्ना—(अ) अन्न का दाता, पक्ष, रसी भर, लेशमात्र, जल, अन्य-तत्त्व अन्न
हफ्त मौजद—(मि) सात नरक	हशी—(अ) देखो “हशी”
हफ्तम—(क) सप्ताह, सातों	हम—(अ) प्र, क्रीदधाना, बगी
हफ्ता—(क) सप्ताह	गृह, कारागार, उमर, यह चरणाती गरमी जो हवा न चले के कारण होती है
हफ्ता—(क) सप्ताह, सातों के दस गुने	हस्तदम—(मि) प्राण वायु का निरुद्ध, प्राणायाम, भाव का श्मे का योग
हय—(अ) घोड़ा, दाना, गोरी	हस्तयना—(मि) किसी को बलपूर्वक दंड कर रचना, बजा तरीक में कैद में डाल रचना
हयन्नक—(अ) मूत्र, बेरुक्त	हस्त—(क) एक अंगुली जो कुछ चीजों के भारों में लटकर “साथ देना” का “कामी”
हयल—(अ) मक्रे की एक प्राचीन प्रतिमा का नाम, गम, हस्त	
हयल—(अ) हस्तियों का देश	
हयली—(अ) हस्त देश का निवासी, जगदी, अंग	
हयल—(अ) प्रत्यक्ष, अन्तर्गत हयल, वृद्ध, नाचक	
हयल—(अ) निद्रा, प्रती, निद्रा	

का अर्थ देता है, जैसे 'हमदर्द', परस्पर, आपस-में भी	साथ बैठकर खानेवाला, मित्र, सजातीय
हम असर—(मि) समकालीन, सम-सामयिक	हमकौम—(मि) सजातीय, अपनी कौम का
हम अहद—(मि) सम सामयिक, समकालीन	हमखाना—(फ) एक ही घर में साथ रहनेवाला, पड़ोसी, सहपाठी, पत्नी, स्त्री
हम आगोश—(फ) आलिंगन किये हुए, गले से लगा हुआ	हमखु—(फ) समान स्वभाववाला
हम आयुर्द—(फ़) प्रतिपक्षी, प्रति द्वंद्वी	हमचरम—(फ) बराबरी का दर्जा रखनेवाला
हम आवाज़—(फ) साथ बोलनेवाला, स्वर में स्वर मिलानेवाला	हमजगान—(फ़) बोलने में साथ देनेवाला, समान भाषा भाषी, एक ही बोली बोलनेवाले
हम आहंग—(फ) एक स्वर, जो बात एक फहरे वही सन कहें	हमजलीस—(मि) प्रत्येक काम में साथ रहनेवाला, अनन्य मित्र, अति घनिष्ठ
हम इज्ञान—(मि) साथी, सगी	हमजवार—(फ) पड़ोसी, आस पास रहनेवाला
हम उम्र—(मि) समवयस्क, समान आयुवाला	हमजा—(अ) तरातेब नामक पौधा, शेर, सिंद, मुहम्मद साद्व के चाचा का नाम
हम कदम—(मि) साथी, साथ चलनेवाला	हमजात—(फ़) समान जातिवाला, सजातीय
हम कलाम—(मि) साथ में बात चीत या संभाषण करनेवाला, बात चीत करना	हमजाद—(फ) वह जो साथ पैदा हुआ हो, जीला
हम कलामी—(मि) सम्भाषण, बात- चीत	
हमकासा—(फ़) एक ही थाली में	

हमात्तन—(गि) एक प्रकार का,
एक टांग का

हमनुन्न—(फ) माद, गाता था
पति

हमनाली—(फ) समरपूर, बराबर
नगरपाला

हमतराजू—(फ) भरत, सारत,
गंगा

हमना—(फ) नु-र, गदग, मगान

हमन्म—(फ) हम रहते तक साथ
दनराग, जीवन समी, प्रति
या पत्नी, मित्र, साथी

हमादरम—(फ) गदपाटी, साथ
बहनेराग, सहाय्यार्थी

हमादर—(फ) दुःख या विपत्ति में
साथ दनवा, सहायुर्गति
गानवाग

हमन्गी—(फ) मशानुर्गति, कुसी
या म साथ देता

हमादम—(फ) साथ का वरत
वाग, वान में हाथ लगावारा,
साथ रहनेवाला

हमादिगर—(फ) परमेश, ज्ञातृ

हमादि—(फ) वान हदवारा,
मुदरा

हमनीयार—(फ) पत्नी

हमनेज—(फ) वध ने कथा
निगद्य साथ रहता था साथ
काम करीबान, बराबरी का
साथी

हमात्तस—(फ) मित्र, साथी

हमनरा—(फ) एक-द्वार, जो बात
एक कहें वगैरे मय वर

हमनजी—(फ) साथ उठने बैठने
वाग, बराबर का मित्र

हमनर—(गि) एक ही तरह का,
एक ही वर का

हमनाम—(फ) एक से जागृत,
नामवाणी

हम निगला—(फ) साथ बैठकर
गानेवाग, पाकवा, सहभागी

हमपला—(फ) गाना वा, बराबर
वा, गद वा, वगैरे, वगैरे

हमादल—(फ) वरत म परत
निगदर बैठकरान, साथ
करनेवाग, साथी

हमरा—(ग) साथी, वरत, वगैरे
वगैरे

हमपाया—(फ) वरत वगैरे
या वरत वगैरे, वगैरे

का पत्र रखनेवाला

हमपुत्र—(फ) सहायक, मन्त्रगार

हमपेगा—(फ) समान व्यवसाय करनेवाला, एक ही पेशेवाला

हमप्याला—(फ) एक ही प्याले में पीनेवाला, घनिष्ठ मित्र

हमबिस्तर—(फ) एक ही बिजान पर साथ सोनेवाला, सम्मोग करनेवाला

हमम—(अ) हिम्मत का बहुवचन

हम-मकतब—(मि) सहपाठी, सहायायी

हम-मजहब—(मि) सहधर्मी, एक ही मत का माननेवाला

हमराग—(फ) एक से रंग रूपवान

हमराह—(फ) सहयात्री, साथ माग चलनेवाला

हमराज—(फ) अन्तरंग मित्र, भेद ना रहस्य जाननेवाला, इतना घनिष्ठ व्यक्ति जो गोपनीय बातों को भी जानता हो

हमराह—(फ) साथी, सहयात्री, साथ-साथ माग चलनेवाला

हमराही—(फ) देशी "हमराह"

हमरिश्ता—(फ) जो नावे रिश्ते

। साथ में, सह देशी मित्र

अपन रिश्तेवाला ने मित्राग्री

ही, साथ नार्थी हिता दुआ,

एक ही धागे न विरोधा दुआ

हमल—(अ) गम, मार, शोका, ज्यादातर म मेहरागि

हमला—(अ) आक्रमण, धारा, चढ़ाई, चोट, प्रहार, धार

हमला आगर—(मि) आक्रमणकारी, चढ़ाई करनेवाला, आघात या प्रहार करनेवाला

हमगतन—(मि) स्वदेशी, अपने देश का रहनेवाला, अपने प्रांत या नगर का निवासी

हमनार—(फ) एक-ना, चौक, समतल, नित्य, सग

हमनारा—(फ) सतत, निरंतर, लगातार, सग, सदैव, हमेशा

हमगकल—(मि) एक सी शकल का, समान आकृतिवाला

हमगीर—(फ) सहोदर, सगा भाई, भाई

हमशीरा—(फ) सहोदर, सगी हन

हमसग—(फ) जो तोड़ या बजान में

- हममग—(मि) साथ निडर
आवाज लगानेवाला
- हमसफर—(फ) सहयात्री, साथ
सफर करनेवाला
- हमसफरा—(फ) एक ही दफतर
खरा पर साथ साथ गानेवाले
- हमसफर—(मि) एक-ही जेजी
नेलनेगल (यह प्रायः मनुष्यो
ग भिन्न प्राणिमों के लिए प्रयुक्त
होता है), साथी, समी
- हमसयक—(फ) सहपाठी
- हमसर—(स) सहाकर का, जोड़ का,
स्पर् का
- हमसरी—(क) सहायता, समता,
सुखता
- हमसाज—(क) अनुरूप, भिन्न
- हमसायगी—(फ) सहोद, पगधी
वन
- हमसाया—(फ) सहोमी
- हममिन—(मि) समसम्बन्ध, सगा
पर सगाया का
- हममोहयन—(स) साथ उठने
चलना, गरी, साथी
- हमा—(फ) एक, कुछ
- हमागी—(स) समुत्पत्ती, समोपुत्त
- हमातन—(फ) समान, फिर से पर
तक, कुछ
- हमादौ—(क) सब कुछ नाननयाना,
सर्ज
- हमामदस्ता—(फ) ओपनी और
नूतल
- हमायल—(अ) गले में पहनने का कोर
आभूषण, हमेल, हार, और कोर
वस्तु जो गले में पहनी जाय
माला, जनेऊ, चाँदी, चमक
आदि का परतल जिसमें तह्यार
आदि लकड़ बाँधी हैं छांग
सुगन्ध का गुच्छा जिसे लोग चाँदी
की तरह गले में पहनाते हैं
- हमा शुमा—(मि) सब साधारण,
सब कोर, हमार सुम्हार जेग
समाय सति
- हमीद—(अ) प्रशस्ति, प्रशङ्गीय
- हमीदा—(अ) प्रशङ्गीय, प्रशङ्गीय
- हमेगी—(क) हमेगा रहन का
भाव, गरी बानीनता, निरुता
- हमेगा—(स) भिन्न, गरी
- हमेयत—(अ) गरी, प्रशङ्गीय,
इज्जत, सत्ता, गरी
- हमे—(अ) गरी, प्रशङ्गीय

हम्माम—(अ) स्नानागार, नहाने का स्थान

हम्मामी—(अ) स्नानागार में लोगों को स्नान करानेवाला

हम्माल—(अ) बोझ उठानेवाला, कुली, मजदूर, मोटिया

हया—(अ) लजा, शर्म

हयात—(अ) जीवन, जिन्दगी

हयातिआत—(अ) जीवन शास्त्र

हयादार—(मि) लजालु, लजागील, शर्मदार

हयूला—(अ) किसी वस्तु का वास्तविक तत्त्व, अथवा प्रकृति ("इइयतेउहा" का सक्षिप्न रूप है)

हर—(फ) प्रति, प्रत्येक

हर आईना—(फ) अवयव, निस्सदेह, वेशक, प्रत्येक दशा में

हरक—(अ) क्रोध से दाँत पीसना, मिशमिसाना, भीतर ही भीतर जल्ना, कुदना

हरकत—(अ) गति, चेष्टा, हिलना हुलना, क्रिया, नट्यमपन

हरकात—(अ) "हरकत" का बहुवचन

हरकाते नफ्तसानी—(फ) कामवासना सम्बन्धी कार्य

हरकारा—(फ) सन्देश वाहक, समाचार या चिठी पत्री पहुँचानेवाला, डाकिया, चिठ्ठीरसों, वह आदमी जो प्रत्येक काम कर सके

हरगाह—(फ) सबत्र, सब जगह, प्रत्येक अवस्था में, चूँकि, जब कि

हरगिज़—(फ) कदापि, कभी

हरचन्द—(फ) यथा शक्ति, यथा-सम्भव, बहुत कुछ, बहुतेरा, बार बार, यद्यपि, हालाँकि, अगरचे

हरज—(अ) हानि, नुकसान, क्षति, बाधा, निम्न, उपद्रव, अपराध

हरज़—(अ) वह रोग जो प्रेम या शोक के कारण हुआ हो

हरजा—(फ) प्रत्येक जगह, सर्वत्र, हानि, नुकसान, क्षति

हरज़ा—(फ) वेहदा, वेदगा, वाहि यात, असम्य, व्यथ, निरर्थक, सरार

हरज़ाई—(फ) जो प्रत्येक व्यक्ति से प्रेम करे, दुराचारिणी, पुश्चली, मारा-मारा फिरनेवाला, आबारा,

ओ बगद गगद गदता रिग	हरजा—(अ) गदर के दमिदार,
हरजाना—(फ) गतिशून्य, हाथी का	अन्तर्गत, आक्रमण, घास,
बगद	चढ़ाई (अगम्य दोरनाम में
हरजा गर्द—(फ) व्यर्थ जहाँ-तहाँ	पुर्तगी की पूर्वाग्रह)
हमोजाना	हरम—(अ) यह परमोज जो को
हरजगो—हरजा गग—(फ) निरर्थक	न जाने और गता हुआ है
रातें करागाना, बहार बका	(प) अन्तःपुर, जनानखाना,
याना	महल के अन्दर स्त्रियों के रहने
हरजिल अजीब—(फ) मरविन,	का अन्तःपुर, निवासिनी स्त्री,
मिश्रित गग जोग चाहें या प्यार	रहने की
करें	हरमगाह—(फ) अन्तःपुर, जनाना
हरनी—(अ) इन्त, मरिदा	महल
हरफ—(अ) अर, तपगार की	हरमजागी—(भि) हगमजागी का
पार, निगम, गेव, कस	अन्तःपुर, दुष्टता, पाजीवन, मानना,
हरफ गौर—(पि) विद्वान्मयी, दोष	गमरम
विद्वान्मयी, युक्ति विमला	हरमली—(अ) वह गमर की लव
याना	रग की मिर्ची जो लवली के
हरर गुलुमोर—(फ) बड़ ना	लवली गगो के बाग में लव
बड़ा पद	लाती है
हररा—(अ) बारीगरी, कौशल,	हरममग—(फ) अन्तःपुर, नि
दुआ, गग, निग, भूगग	के रहने का महल, जनानखाना
हरर तमग—(अ) मगद की दान	हरमा—(अ) मित्र दान का
हरिदुआ—(अ) दान की दान	गदद गदद
हरद—(अ) दुःख, मगद, गग	हरम—(फ) गद गेव, हर गग
हरदगद—(पि) मगद, गग	हरम—(अ) मित्र, दान

अवैध, अशिष्ट, दूषित, अनुचित, बुरा, बेईमानी, अधम मुफ्त का, झट्टे का, व्यभिचार, दुराचार, स्त्री पुरुष का अनुचित सम्बन्ध, मुसलमानों में सूअर

(कोई फाम) हराम कर देना = उसका करना दूभर या असम्भव कर देना

हराम कार—(मि) व्यभिचार करने वाला, व्यभिचारी

हराम खोर—(मि) आलसी, निकम्मा, मुफ्त का माल खाने वाला, बेईमानी या दुराचार द्वारा प्राप्त धन खाने वाला

हराम ज़ादा—(मि) जो दुराचार से पैदा हो, दोगला, बणसकर, नीच, पाजी, दुष्ट

हरामी—(अ) हरामज़ादा, व्यभिचार से उपन्न, पाजी, दुष्ट, खोर, छुटेरा, नीच, पापी

हरारत—(अ) ताप, गर्मी, ऊष्मा, हल्का झर

हरारा—(अ) आवेश, जोश, तज़ी, तीव्रता, नाचना, झोर-गुल

हरारत गरीज़ी—(अ) शरीर का स्वाभाविक ताप

हरारत गरीबी—(अ) शरीर का कृत्रिम ताप जो ज्वरादि के कारण बढ़ गया हो

हराबल—(तु) सेना का अग्रभाग, सेना की रक्षा के लिए उसके आगे-आगे चलनेवाली सिपाहियों की टुकड़ी

हरास—(फ) निराशा, नाउम्मेदी, भय, डर

हरीफ—(अ) शत्रु, वरी, विरोधी, प्रतिद्वन्दी, धूर्त, चालाक, मक्कार, एकसा व्यवसाय करने वाला, हम पेशा

हरीम—(अ) घर के चारों तरफ की दीवार, पर्दा

हरीर—(अ) रेशम, रेशम का बना कपड़ा

हरीरा—(अ) एक प्रकार का पतला हलुआ जो प्रस्ताओं को मिलाया जाना है

हरीरी—(अ) रेशमी, रेशम का बना

हरीम—(अ) लालची, लोलुप, लोभी लिप्सु, इर्ष्यालु, इर्ष्या करने-

धाया, प्रति दूही, पेहू, मुण्ड

हल्पा—(अ) “हल्पा” का बहुवचन

हल—(अ) देखा “हल”

हलाना—(अ , दगो “हलाना”

हल—(अ) देखा “हल”

हल घ हल—(अ) अगल

हलें इलितसाम—(अ) वह अल

को हल या धावन में को

विशेषता उल्लेख करने के लिए

होना जान

हलें इलितसाम—(अ) वह अल

जिसमें एक गल का दूसरे

शब्द से सम्बन्ध स्थापित हो

है “हल्पाट-मन्त्री” में ‘ह’

हल्पा और मन्त्री का सम्बन्ध

प्रकट करता है अर्थात् ‘मन्त्री

का हल’ तथा अल धावन

हल है

हलें नल—(अ) वह अल का शब्द

जिसका प्रयोग अगलति या

हल के लिए किया जान

हलें नल—(अ) वह अल या

शब्द जिसका प्रयोग किसी को

बुझाने के लिए किया जान,

सम्बन्ध

हल—(अ) धूल, चाल

हल—(अ) समस्त का सुल्लाना,

स्वीकार, मोलना, तप करना,

गति के प्रश्न को निराकरण

की क्रिया, सुलना, अच्छे प्रकार

मिल जाना

हल—(अ , कट, गल, गले की

नली

हल—(अ) घेरा, अलाना, गल,

या परिधि, कुल, कोई भी

कुलालाधार चीज, घल, दल,

विशेष कर हाथियों का, कुल

गोश का समूह

हलान—(अ) भाग, निधिम,

परान, हलान, धलाना,

अल मल

हल—(अ) शरय, मौल, पल

हल—(अ) गलपलक

हल—(अ) हल, मोहन मोग,

एक प्रसिद्ध मोग और हलपल

स्वयं, हल और हलपल

पल

हल—(अ) निर्गल कल और

अल कल

हल—(अ) वह हल

जिसमें विशेष मात्रा में जातम,
पिस्ता आदि डाले गए हों

हलवाए मर्ग—(भि) वह हलवा
या अथवा भोजन जो किसी के
मरने पर लोगों को खिलाया
जाय, फड़ड़ी खिचड़ी, भत्ती
(मुसलमानी)

हलवाए मिकराजी—(अ) वह हलवा
जिसमें बहुत तारीक कतरे हुए
मेवे पड़े हों

हलवान—(अ) भेड़ या चकरी का
छोटा बच्चा, ऐसे छोटे बच्चे का
मांस, दलाल का पारिश्रमिक,
दलाली

हलाक—(अ) नष्ट, मारा हुआ, मृत,
श्रान्त, निधिल

हलाकत—(अ) नाश, मृत्यु, नष्ट
करना, मारना

हलाकू—(तु) हलाक करने वाला,
हत्यारा, अत्याचारी, एक नाद
शाह का नाम जिसने असरफ
निर्दोष मनुष्यों की हत्या की थी

हलाल—(अ) वैध, विहित, उचित,
प्रचलित, जायज़, जिसके करने
की शास्त्रों में आज्ञा हो, धर्म

शास्त्रानुमोदित

हलाल करना = किसी पशु को मांस
खाने के लिए मुसलमानी शरअ
के अनुसार धीरे धीरे गला काट
कर मारना

हलाल का = ईमानदारी और परिश्रम
द्वारा उपार्जित

हलावत—(अ) माधुर्य, मिठास, स्वाद,
सुख, चैन, आराम

हलाहल—(फ) बहुत ही घातक और
तीक्ष्ण विष, अत्यन्त कड़वा,
कटु

हलीदा—(अ) विवाहिता स्त्री

हलीम—(अ) सहिष्णु, समी, सहन-
शील, गम्भीर और कोमल
स्वभाव वाला एक प्रकार का
फारिस का भोजन, मोग ऊँट

हलीमा—(अ) मुहम्मद साहब की
दादी

हलुआ—(अ) देगो “ हलवा ”

हलेला—(फ) हर हर

हलक—(अ) देखो “ हलक ”

हल्लाल—(अ) हल करने वाला,
मुल्ताने वाला, तेजी

हयत्तक—(अ) देवो 'हयत्तक'

हयत्तकार—(क) एक छोटा सैनिक
अक्रय

हयम—(अ) एक प्रकार का उ नाद
गग

हयस—(प) अश्विनि लिप्ता, कामता,
इच्छा, लोभ, दौधला, दिल्हा
अमान, फावाचना

हयस नास—(क) ग्नि, लोमी,
माली, वायु

हय—(अ) वायु, वसन, भूतप्रतापि
दुष्ट आत्मा, नाग, प्रगिद्धि,
फलाति, साग, वस्त्र, या सत्य
व्यवहार का प्रभाव, गह,
इच्छा, कामना, इन्द्रियों को
तृप्त करने की वायना

हया उत्तदना = छात्र या विश्वास
नष्ट हो जाता

हया नदना = का पैना

हया के घोड़े पर मयार—पट्टा जमी
ने, जलना उधार में,

हया खाना = रस गा, वायुमोहन के
लिष्ट हकी रस में गुलना,
हकी प्रभाव में अस्व दाना,
वायु निद्रि लह में दक्षिण

हया बताना = टाल देना

हया बदलना = परिस्थिति बदल
जाना

हया बाधना = दोस्त मारना, गीत
हासना, लम्बी चौड़ी बातें
बनाना, बाजार में विश्वास या
साग जमा लेना, नाम बर
लेना, प्रनिष्ठा या धाक जमा
लेना

हया निगदना = किसी समान्य रंग
या सुरे रिचारे का पैना,
छात्र या विश्वास उठ जाना,
प्रतिष्ठा कम हो जाना

हया लगना = सगत या अछर पड़ना

हया स घातें करना = बहुत तेज़
दौड़ना, अकेले आगदी आग
वाले करना, अविशालि

हया हो जाना = भाग जाना, जानवर
हो जाना, अमानद अगि हो
जाना

हया रिमरुना = सदया बिगने
अगभावि मकर का मानना
हने पर दखना

हयाई—(अ) हया में गह रसने
वायु, इच्छा, बहुत रस,

चञ्चल, चपल, एक प्रकार की
आतिशबाजी, बहुत ग़रीब
कतरा हुआ मेवा, व्यर्थ इधर
उधर घूमने वाला, परेशानी

हवाइयाँ उड़ना = चहरे का रंग
फीका पड़ जाना

हवा ख्वाह—(मि) भला चाहने वाला,
शुभैषी, शुभ चिन्तक, मित्र

हवादार—(फ) जिसमें रूख हवा
आती हो, खुला हुआ, मित्र,
प्रेमी, चाहने वाला, आसक्त,
इच्छुक, एक सवारी जिसे
आदमी कंधे पर उठाकर ले
चलते हैं

हवा ग़री—(फ) शुभ चिन्तना,
ग़ैर ख़ादी

हवादिस—(अ) “हादसा” का बहु
वचन, दुश्मनाएँ, कष्ट

हवा परस्त—(मि) इन्द्रिय लोभ,
विषयी, विलासी, अशिष्ट,
अयोग्य

हवा वाज़—(फ) वायुयान, वायुयान
चालक

हवालात—(अ) सुपुर्द करना, सोपना,
हवाला करने का भाव

हवाला—(अ) सुपुर्द करना, सोपना,
उदाहरण, मिसाल, दृष्टान्त,
प्रमाण, उद्धरण, जाल, फन्दा,
रस्सी

हवालात—(अ) हाजत, नज़रबन्दी,
पहरे या निगरानी में रखे
जाने की क्रिया, अभियुक्त की
वह साधारण कैद जो मुकद्दमे
का निणय होने के समय तक
भागने से रोकने के लिए रखी
जाती है वह मकान जिसमें
ऐसे अभियुक्त को बन्द रखा
जाय

हवालाती—(अ) हवालात में रक्का
जाने वाला, हवालात सम्बन्धी

हवाली—(अ) समीपवर्ती स्थान,

हवाली शहर—(मि) शहर के आस
पास के स्थान

हवास—(अ) “हादसा” का बहुवचन
इन्द्रिया, पांच ज्ञानेन्द्रियों और
पांच कर्मेन्द्रियाँ, होश

हवास खमसा जाहिरी—(अ) पांच
कर्मन्द्रियाँ

हवास खमसा वातिनी—(अ) पांच
ज्ञानेन्द्रिया

हयाम यादना—(नि) हयादना,
भीनका, दयाया हुआ, शिवन
होय उदाण ह

हयामिल—(अ) "होमल" का
प्रयुजन, एक जन्म की जो
सफ़्त ग्रा का होना बताया जाता
है तथा जिसका तेज गडिपा
रोग की अनूक दया बता
जाती है

हयिम—(अ) अश्विज लिखा,
तुल्य, दिग्ग

हयोनो—(अ) दगा और पता मकान,
यदिनी, पनी

हयैदा—(अ) रस, प्रक, प्रयय

हय्या—(अ) हयत आत्म का
पनी जो मानव जाति की आदि
जन्मी माती जाती है (मुमल
मानो के मतानुसार) रसो का
हयाने भ पिण्ड एक कल्पित
मयारक वस्तु का नाम, लोधा

हयाम—(अ) तीहर गहर, रोहर, गहर

हयानत—(अ) जोहर चाहरी का
मकर मेहर, मेहर, हयन मेहर,
मन्तरी, मन्तरी अन्तरी,
हयन, हयनत हय

हयार—(अ) देगो "हय"

हयारत—(अ) छात्र छोटे कीट
मकान शुद्ध वस्तु

हयाराज उल अर्ज—(नि) पृष्ठी
पर रहने वाल छोटे छोटे कीरे
मकोटे

हयारत—(अ) प्रगल्भा, हय

हयत—(अ) भाट

हयत पाल्ल—(नि) अदालत, अष्ट
पौ, अडधोता

हयत यम्हिरत—(अ) भाट यम्हिरत
(म्या), हयाम धन के अनुसार
१ सुल्, २ गम्हिरत, ३ गम्हिरत, ४ अम्हिरत, ५ अम्हिरत, ६ अम्हिरत, ७ अम्हिरत और ८ अम्हिरत नाम के भाट रहम

हयतुम—(अ) अम्हिरत, भाटने,
गिता में भाटने नगर पर
आदाल

हयतन—(अ) दे से "हयामा"

हय—(अ) हयाम, हयन, लोह,
शिवन होरमुन, हयन हयन,
भाटन, हयामनो व हयामनो
रह निम रह हयामनो के

नरसिंहा बजाने पर कत्र मे से
सब मुर्ते उठ-उठकर खड़े हो
जायगे और उनके शुभाशुभ कर्मों
का हिसाब होगा

हश्रात—(अ) देखो “हशरात”

हश्शाश—(अ) प्रसन्न, खुश,

आनन्दित, हसता हुआ

हश्शाशो वश्शाश (अ)—परम

प्रसन्न, अत्यन्त खुश, प्रसन्न

चित्त, हसता हुआ, प्रफुल्ल

हसद्—(अ) इष्ठा, डाह, जलन,

रश्क

हसन—(अ) नेक, भला, सुन्दर,

सुन्दरता, उत्तमता, भलाई, खूबीं

मुहम्मद साहब के बड़े भेवते

का नाम

हसब—(अ) ननिहाल, माता का

वश, ननसाल का गोत्र

हसबो नसब—(अ) माता और

पिता दोनों का वशानुक्रम,

नाना और बाबा का खानदान

हसर—(अ) घेरना, घेरा डालना

हसरत—(अ) इच्छा, अमिलाषा,

कामना, अरमान, लिप्सा, किसी

वस्तु के न मिलने पर होने

वाला क्रश

हसीन—(फ) सुन्दर, रूपवान खूब-

सूरत

हसीब—(अ) हिसाब करने वाला,

वयोवृद्ध

हसीर—(अ) चटाई

हसूल—(अ) लाभ, फायदा, हासिल

हस्त—(फ) अस्तित्व, सत्ता, वर्तमान

होने की अवस्था, जीवन,

ज़िन्दगी

हस्त व ममात—(मि) जीवन और

मृत्यु

हस्ती—(अ) सत्ता, अस्तित्व, वर्त-

मान होने की अवस्था, सम्पत्ति

जीवन

हम्ब—(अ) अनुसार, सदृश, समान,

अनुकूल, मुताबिक

हस्व ख्वाह—(मि) इच्छानुसार,

जैसा चाहे वैसा

हन्व हाल—(अ) समयानुसार,

समयानुकूल, समयोचित,

उपयुक्त

हस्तुल अमर—(अ) आगानुसार

हम्वे तौफीक—(अ) सामर्थ्यानुसार,

श्रद्धानुरूप

- हा—(प्र) बहुवचन मूलक अव्यय
जैसे—घारहा = बहुत घर,
सदहा = संकष्टों कष्ट, दुःख
हाइय—(अ) दरन यात्रा, भीड़,
दरपोह
हाडल—(अ) मदकर, विधानक,
बाघक
हाकिम—(अ) शासक, हुकूमत करने
वाला अफसर
हारिमाँ—(अ) हाकिम का काम,
हुकूमत
हावी—(अ) दिखावत अवस्था
बढ़ाती करने वाला
हानत—(अ) हटा, आश्रयकता,
पुर्ण या जल की हाना,
मल का गेम
हानत रम्य करना = मल त्यागना
आश्रयकता पूरी करना
हानतमद—(मि) हटा रम्य
यात्रा, वाहने यात्रा, चरित
मद, शरीर, काम
हाना रया—(मि) आपदाकाली
की दुःख करीबाना
हानती—(अ) हाने “हानती म”
यह हान तिममें लगी गलत
हाजिरा—(अ) ठीक माया ह का,
ठीका ठीक दोनदरी
हाना—(प्र) हन करवाना श्री
हाना—(अ) यह, इस
हाजात—(अ) ‘हानत का बहुवचन
हाकिम—(अ) हुकूमत, दण्ड, प्रतीक,
विचक्षण, सिद्धिस्त (मारा
हारीम के विशेषण में प्रयुक्त
होता है)
हाजिय—(अ) पढ़ा करने वाला,
दरबान
हारिम—(अ) पारक, पानेजाना,
हजम करने वाला
हारिर—(अ) हिररा काल माया,
अपना दण्ड लाइवर दूनर देग
में का बजासाला, मरा में
जुद्ध करने वाला
हारिर—(अ) जलित, पालन,
नेत्र, समुद्र
हारिज जवाब—(अ) का का हुकूम

और उचित उत्तर देने वाला,
प्रत्युत्पन्नमति, जिसे मौके का
जवाब चट पट सूझ जाय

हाजिर वाश—(मि) उपस्थित रहने
वाला, मौजूद

हाजिरा—(अ) गांव, कस्बा, शहर

हाजिरात—(अ) भूत प्रेतों को बुला
कर उनसे अपने प्रश्नों के उत्तर
पूछना

हाजिरी—(अ) उपस्थिति, विग्र
मानता, हाजिर रहने का भाव,
अंग्रेजों का मध्याह्न काल का
भोजन

हाजिरीन—(अ) “हाजिर” का बहु
वचन

हाजी—(अ) हज करने वाला
निन्दक, हिजो या निंदा करने
वाला, किसी की नक़ल बनाने
उसे हास्यास्पद बनाने वाला

हातिफ—(अ) पुकारने वाला, आवाज़
देने वाला, देव दूत, फरिश्ता,
आकाश वाणी

हातिम—(अ) अरब का निवासी एक
प्रसिद्ध परोपकारी और दानी

दाता, उदार, परोपकारी

हातिम की कब्र पर लात मारना =
कोई बड़ा भारी उपकार का काम
करना

हादसा—(अ) दुघटना, घटना,
बादात, कोई नई बात

हादिम—(अ) दहाने वाला, गिराने
वाला, तोड़ने फोड़ने वाला,
ध्वंसक, विनष्ट करने वाला,
नाशक

हादिस—(अ) नवीन, नया, नाश-
वान, नश्वर

हादिसा—(अ) देखो ‘हादसा’

हादी—(अ) हिदायत करने वाला,
शिक्षक, उपदेष्टा, स-मार्ग, प्रद
र्शक, नेता, मुखिया

हाफिज़—(अ) वह मुसलमान जिसे
कुरान हिफ़्ज़ [कण्ठाग्र] हो,
रक्षक

हाफिज़ा—(अ) स्मरण शक्ति, याद
रखने की ताक़त

हावील—(अ) हज़रत आदम के
लड़के का नाम जिसे हावील ने
मार डाला था

हामिज—(अ) अपराधी, आंगों से
गुनेत करने वाला

हामिद—(अ) प्रशंसक, तारीफ
करने वाला

हामिया—(अ) जातिसेवक, जातिकी
सहायता करने वाला, जलता
हुआ, उमलता हुआ, अत्यन्त
गरम वस्तु

हामिल—(अ) बोझ उठाने वाला,
भारवाहक, कोठ चीज़ ले जाने
वाला

हामिला—(अ) गमयती, गर्भिणी,
गामिन

हामी—(अ) हिमायत करने वाला,
पक्ष करने वाला, हों करनेवा,
किसी काम को करना स्वीकार
कर लेना, चल्ता हुआ, गरम

हामीनार—(नि) सहायक, हिमायती
मददगार

हामै—(अ) बगल, उनाह, वीरान

हामै न बंद—(नि) बगल में घूमन
वाला, उनाह या वीरान में
भारा भारा फिरने वाला

हायय—(अ) अपराधी, पापी

हायल—(अ) लप्ता हाथने वाला,

बाधक, विघ्नकरने वाला, दूर
लगाने वाला, आट करने वाला

कठिन, कठोर, भीषण, भयान

हाय हाय—(फ) शोक सूत्र
उद्गार

हार—(अ) क्षेत्र, पड़ी हुई भूमि,
हरारत अर्थात् गरमी रगने
वाला

हार—(फ) फूलों या मोतियों की
माला, गले में पहनने का
आभूषण, पराजय

हारिज—(अ) हरण करने वाला,
विघ्न कारक, विघातक

हारुँ—(अ) हज़रत मुसा के बर
भाई जो एक पैगम्बर थे, सदेश
वाहक, दूत, हरमारा, रखक,
सरसक, उद्दण्ड और गिरहित
घोड़ा, किसी समूह या संग्रहण
का संगार, नवा, सुरिफा,
बग़दाद का एक खलीफा जिनका
पूरा नाम 'हारुँ रशी' था

हारुत—(अ) उन दो परित्रों में से
एक जो जीन्दा से प्रेम करने का
कारण शायदश बाधक का फल
में उल्टे लम्बे हुए मान जाते

हैं। (दूमरे फरिते का नाम
मारुत है)

हारुत फन—(अ) जादूगर, ऐंद्र
जालिक

हारुनी—(अ) रक्षा, सरक्षा, निगह
बानी, दुष्ट, उदण्ड

हाल—(अ) वर्तमान समय, भाग्य
वेश, इश्वर में तन्मयता, तल्ली
नता, समाचार, वृत्तान्त,
विवरण, व्यौग, दशा, अवस्था,
परिस्थिति, कथा, आख्यान,
चरित्र, लोहे की पत्ती का घेरा
जो पहिये के चारों ओर चढ़ाया
जाता है, हिलना, कौपना

हालका = अभीका, थोड़े दिनों का
हाल में = अभी अभी, थोड़े दिन
हुये तब

हालत—(अ) दशा, अवस्था,
परिस्थिति

हालते नजा—(अ) मरते समय प्राण
त्यागने की अवस्था

हाल्लोकि—(मि) यद्यपि, अगरचे

हाला—(अ) वह मण्डल या घेरा
जो कभी कभी चन्द्रमा के चारों
तरफ बिछाई पड़ता है मण्डल

कुण्डल, पारस, जलहरी

हाला—(फ) अभी, इसी समय

हालात—(अ) “हाल” का बहुवचन

हालिक—(अ) वाचक, घातक,
हिंसक

हाली—(अ) आधुनिक, अभी का,
शीघ्र, सम्प्रति, इसी समय,
अभी, वह व्यक्ति जो आभूषणों
से अलंकृत हो

हाले जार—(मि) प्रतिकूल परिस्थिति

हावन—(फ) ओगली, उलूगल,
ररल

हावन दस्ता—(फ) उलूगल और
मूसल, ओगली और धनकुट्ट

हाविया—(अ) दोजख का सबसे
निचला भाग, सातवाँ नरक
[मुसलमानों का]

हावी—(अ) चारों ओर से घेरने
वाला, सब भौति वश में रखने
वाला, प्रवीण, दक्ष, चतुर

हाशा—(अ) कदापि, कभी, कभी
नहीं, मगर, सिवाय

हाशिम—(अ) मुहम्मद साहब के
परदादा का नाम

हाशिया—(अ) किनारा, गोटे, पाइ,

मगज़ी, नौकर चाकर, किताब
के हाशिया या किनोर पर
का लेख

हाशिया का गवाह = वह गवाह जिस
का नाम दस्तावेज़ के हाशिया
पर लिखा हो, मौके का साक्षी,
हाशिया चढाना = किसी बात में
मनोरञ्जन के लिए अपनी ओर
से कुछ मिला देना

हासिद—(अ) डाह रखने वाला,
इध्या करनेवाला, इप्पाट, अनुभ
चित्तक

हासिल—(अ) प्राप्ति, फल, परि
णाम, लाभ, नफा, उपलब्धि,
पैनावार, उपज

हासिल कलाम—(अ) भाव यह
कि, तात्पर्य यह कि, सारांश
यह कि

हासिल जर्ज—(अ) वह सराश आ
गुण करने पर प्राप्त हो, गुणनफल

हासिल जमा—(अ) योग फल,
जोड़, जमा, योग

हिक्मत—(अ) ज्ञान, बुद्धिमत्ता,
क्रिया योग्यता, सुविधि, तद्विषय,
विशिष्टा शास्त्र, हकीम का

काम या पेशा, हकीमाइ, वैद्य
तत्त्वज्ञान, ब्रह्मज्ञान, दयानशास्त्र
हिक्मत अमली—(अ) नीति
निपुणता, कूट नीति, चालाक
चतुराई

हिक्मती—(अ) तत्त्वज्ञानी, दाशनि
चतुर, चालाक

हिक्मते मन्नी—(अ) नामा
शान्, नगर व्यवस्था

ठिकायत—(अ) बात, किस
कहानी

हिकारत—(अ) धृणा, अनाद
अप्रतिष्ठा

हिनर—(अ) वियोग, विछोड़, गुण

हिजरत—(अ) वियुक्त होना, बि
डना, जम भूमि से अलग
होना, देश छोड़कर विदेश में
जा बसना

हिनरी—(अ) सम्बन्ध विच्छेद
करना, वियोग, गुनार

हिजरी नसीब—(मि) निमके माय
म गण करने प्रियतमों से
अलग रहना बुरा हो

हिजरी—(अ) हिजरी गणनी,
मुहम्मद माह के हिजरी

तारीख से चलने वाला सन्

हिजाज—(अ) परस्पर प्रेम करना

हिजाज—(अ) लाज, शर्म, लिहाज,
ओट, पर्दा

हिजाबत—(अ) परदा करना, दर
बानी, दरबान का काम

हिजियान—(अ) बुखार की अधिक
तेजी में प्रलाप करना, बड़बड़ाना

हिजो—(अ) निन्दा, अपमान

हिज्र—(अ) बुद्धिमानी

हिज्जे—(अ) किसी शब्द के अक्षरों
को उनकी मात्रा आदि बताते
हुए अलग-अलग उच्चारण करना

हिज्र—(अ) देखो “हिजर”

हिदायत—(अ) शिक्षा, उपदेश,
समार्ग प्रदर्शन, सीधा रास्ता
बतलाना, कर्तव्याकर्तव्य का
उपदेश करना

हिदायत नामा—(भि) वह पत्र या
पुस्तक जिसमें कर्तव्याकर्तव्य का
विवेचन किया गया हो ।

हिना—(अ) मँहँदी, मँहँदी नामक
एक वृक्ष

हिनाइ—(अ) मँहँदी का, मँहँदी
का सा [लालरंग] जिसमें मँहँदी

लगी हो

हिनाउन्दी—(भि) मुसलमानों में
निवाह से पहले ही एक रस्म
जिसमें बर की तरफ से बधू के
घर मँहँदी आदि वस्तुएँ भेजी
जाती हैं, मँहँदी

हिन्द—(फ) हिंदुओं का देश

हिन्दसा—(फ) अक, अकगणित,
रेखागणित

हिन्दसा दाँ—(फ) अक, या गणित
शास्त्र का जानने वाला, गणितज्ञ

हिन्दी—(फ) हिंद या भारत का,
भारतीय आदमी, भारतीय भाषा,
भारत की कोई वस्तु

हिन्दुवाना—(फ) तरबूज

हिन्दू—(फ) हिन्द या भारत का
निवासी, चोर, डाकू, छुटेरा,
गुलाम

हिन्दोस्तान—(फ) भारतवर्ष, हिंदुओं
के रहने का स्थान या देश

हिफाज़त—(अ) देख भाल, संरक्षण
सुरक्षा, किसी वस्तु को उस दग
से रखना जिसमें वह खराब या
नष्ट न होने पावे

हिफज़—(अ) कण्ठाग्र, मुत्ताग्र, ज्ञाना

यात्र करना, रटना, स्मरण करना,
घोंगना, हिफजुल, शिष्टाचार,
लिहाज, मयादा

हिफजुल गैर—(अ) किसी की पीठ
पीछे मलाद करना

हिफजे मरातिन—(अ) बड़ों की
मयादा का ध्यान

हिफजे मातक दुम—(अ) मकट
काल के लिए पहले से तिया
गया उच्चाव

हिफजे सेहत—(फ़) स्वास्थ्य रक्षा

हिवा—(अ) दान, प्रदान, बलिदान,
पुरस्कार

हिवा नामा—(मि) दान पत्र, वह
पत्र जिसमें किसी वस्तु के
मिस्री को दान करने का उल्लेख
हो

हिमयानी—(अ) एक पतली थैली
जिसमें रुपए भरकर कमर में
बांधते हैं, तोड़ा, बागरी

हिमाकत—(अ) नासमझी, भ्रमता,
भेयफूफ़ा

हिमायत—(अ) तरफदारी, ओर
उज्जा, पक्ष करना, मदद,
शरण, रक्षा

हिमायती—(अ) तरफ़ राग करने
वाला, पक्षपाती, ओर लेने
वाला, रक्षक, मददगार, शरण
देन वाला

हिम्मत—(अ) साहस, दृढ़ता, परा
क्रम, पहादुरी, किसी काम के
करने की मानसिक दृढ़ता

हिरफ़—(अ) पेशा करना, कसब
कमाना

हिरफ़त—(अ) पेशा, कसब, हुनर,
विद्या, गुण, कारीगरा, कला
कौशल, धूर्तता

हिरफ़ा—(अ) कारीगरा, शिल्प,
कला-कौशल

हिरम—(अ) निषिद्ध वस्तु या काय,
अवंध

हिरमा—(अ) यन्त्रित, निराग,
यन्त्रित होना, निरागा, अमफ
न्ता, दुःख

हिरमिदी—(अ) एक प्रकार की लाल
मिट्टी जो प्रायः लकड़ी की पीछे
रंगों के काम आती है, हिर
मिज़ी के से रंग का

हिरस—(अ) रालच, लिप्ता, तृणा,
श्रेय

हिरास—(फ) भय, डर, निराशा
हिरासत—(अ) निगरानी, सुपुर्दगी,
देख-भाल, पहरा, चौकी, नजर
बंदी, कैद

हिरासाँ—(फ़) निराश, हताश, भय
भीत, डरा हुआ, खेतों में हरिण
आदि को डराने के लिए लकड़ी
पूँछ आदि से बनाया हुआ
आदमी का पुतला, विजूका

हिर्ज—(अ) शरण लेने का स्थान,
रक्षा गृह, यन्न, ताबीज

हिर्स—(अ) देखो 'हिरस'

हिलाल—(अ) नया चंद्रमा, शुक्र
पक्ष की दौज या तीज का
चंद्रमा

हिलाली—(अ) हिलाल सम्बन्धी,
हिलाल या द्वितीया के चंद्रमा
जैसा, एक प्रकार का तीर
जिसका फल दौज के चंद्रमा की
शक्ल का होता है

हिल्म—(अ) सहिष्णुता, सहनशीलता,
बरदाश्त, स्वभाव की कोमलता

हिस—(अ) इन्दियों द्वारा अनुभव
करना, गति

हिसान—(अ) गणित, गिनती, आय

व्यय का लेखा, उच्चापत, उधार-
खाता, भाव, दर, दशा, अवस्था,
हाल, पाल, व्यवहार, व्यवस्था,
नियम, कायदा, समझ, विचार,
धारणा, रग-दग, रहन सहन,
तराका

हिसाब चुमाना = लेना देना, ले
देकर निबयाना

हिसाब देना = आय-व्यय का व्यौरा
बताना

हिसाब बैठना = ठीक ठीक व्यवस्था
होना, उचित प्रबंध होना,
अनुकूल सुभीता या सुझाव होना

हिसाब से = लिखे हुए व्यौरे के
अनुसार, परिमाण, क्रम या
गिनती के अनुसार, मयम से,
आय के अनुसार

टेढ़ा हिसाब = कठिन काम, अव्य
वस्था, गड़बड़

थे हिसाब = अपाधुष, बहुत अधिक,
बेजा

हिसाबी—(अ) गणितज्ञ, हिसाब
जानने वाला, ठीक, उचित,
कायदे का, हिसाब का

हिसार—(अ) नगर की चहार

दीवारी, गहर पनाह, परकाय,
किला, गढ़, कोट
हिस्म—(अ) अनुभूति, ज्ञान, सचेत
होना, चेत्य
हिस्सा—(अ) भाग, अंश, टुकड़ा,
पट्ट, साक्षा, षोड, विभाग, अंग,
अवयव

हिस्सा रसद—(मि) पाने वालों की
गिनती के अनुसार भाग करने
पर जितना बँटमें आवे, अंश
या भाग के अनुसार.

हिस्सा रसदी—(मि) देगो हिस्सा
रसद

हिस्सेदार—(मि) भागी, साझी, जो
किसी वस्तु में से अंश या भाग
का अधिकारी हो

हिस्से मुश्तरक—(अ) वह आन्तरिक
शक्ति जो इन्द्रियों द्वारा प्रयत्न
की गई वस्तु का अनुभव करती
है

हील—(फ) हिजड़ा, नपुंसक, पन्

हीन—(अ) समय, काळ

हीन हयात—(अ) मृत्यु समय तक
उम्र भर, आश्न, सारी उम्र

हील—(न) “हील” [बदना] का

बदुपचन

हीलतन—(अ) हीलते, छ न,
बदने से

हीला—(अ) बहाना, निमित्त, झार,
वर्गीला, मिथ, मधारी, धूतता,
उल डिद्र

हीलायाज—(मि) चालाक, धूत,
मकार, बहाना करने वाला

हीला साज—(मि) देगो “हीलायाज”

हुकना—(अ) देखो “दफना”

हुकुन—(अ) देखो “हुकम”

हुकमा—(अ) “हकीम” (निदान
आप्त) का बदुपचन

हुकमत—(अ) देखो “हकमत

हुषा—(अ) तमारू का धुआँ पीने
के लिए एक विशेष प्रकार का
पना हुआ यंत्र, परसी, गु
गुडी, गरने या दवाण रगन
का हिस्सा

हुक्मा घरदार—(मि) हुक्मा केर
साथ चलने या हुक्मा मग्नवाण
तौकर

हुफाम—(अ) “हाकिम” अधिकारी,
या शासक का बदुपचन.

हुकम—(अ) आज्ञा, आदेश, रजा

जत, अनुमति, स्वीकृति, बड़ों का कथन, शिक्षा, विधि, नियम, अधिकार, खेलने के ताशों का एक रंग

हुकम अन्दाज़—(मि) अचूक निशाना लगाने वाला

हुकम नामा—(मि) आज्ञा पत्र, वह जिसमें कोई आज्ञा लिखी हो

हुकम बरदार—(मि) हुकम मानने वाला, आज्ञा पालक, आज्ञा पत्र मानने वाला

हुकमरौ—(फ) शासक, आज्ञा देने वाला, राजा

हुकम रानी—(मि) शासन, हुकमत

हुकमी—(अ) आज्ञाकारी, अचूक, ठीक काम करने वाला, हुकम मानने वाला, सदा, हमेशा

हुज़न—(अ) देखो “हज़न”

हुजब—(अ) “हिब्बात” का बहुवचन

हुजरा—(अ) कोठरी, छोटा कमरा, मस्जिद में की वह एकान्त कोठरी जिसमें बैठकर लोग खुदा की इबादत करते हैं, कोठी, भवन

हुजूम—(अ) मीढ़, समुदाय, जन समूह, आक्रमण

हुज़ूर—(अ) देखो “हज़ूर”

हुज़ूर वाला—(अ) श्रीमान्, जनाब आली

हुज़ूरी—(अ) बादशाह का दरबार, सामीप्य, निम्नता

हुज्जत—(अ) झगड़ा, विवाद, व्यर्थ का झगड़ा, ननुनच, घाद विवाद, तर्क, युक्ति

हुज्जती—(अ) झगड़ाल, विवाद करने वाला

हुज़्म—(अ) व्यर्थ प्रलाप करना

हुद हुद—(अ) खुटबदई नामक पक्षी, कठफोड़ा

हुदा—(अ) मोक्ष का मार्ग, सीधा रास्ता

हुदूद—(अ) “हद [सीमा]” का बहुवचन

हुदूद अरबा—(अ) चारों ओर की सीमाएँ, चौहद्दी

हुदा—(अ) देखो “हुदा”

हुनर—(फ) कलाकौशल, कारीगरी, कतब, गुण, चतुराई, युक्ति

हुनर मन्द—(फ) हुनर जाननेवाला कारीगर, गुणी, चतुर

हुनूद—(अ) “हिन्दू” का बहुवचन

ह्व—(अ) इच्छा, चाह, उमंग,

उत्साह, प्रेम, प्रीति, दोस्ती,
मित्रता

उसकी छाया पड़ जाती है वह
घनवान और राजा तक हो
जाता है

हुनल—(अ) मक में रखी हुई
एक प्राचीन प्रतिमा जिसकी
वर्ण इस्लाम मन का प्रचार
होने से पहले पूजा की जाती थी

हुमायूँ—(क) शुभ, मंगल कारक,
, सुखारक, सफ़्त मनोरथ, एक
जदशाह का नाम जो अकबर
का पिता था

हुयला—(भ) गर्भिणी, गामिन
हुयाय—(अ) पानी का बुलबुल,
बुदबुद, मिचता, कान का लट्टू
जो सजावट के लिए छत
आदि में लटकाया जाता है,
एक प्रकार का आभूषण जो
दाय में पहना जाता है

हुरतन—(अ) जलन, दाह
हुरमत—(अ) इज्जत, आदर,
प्रतिष्ठा

हुयूय—(अ) “हुव या हुग” का
बहुवचन गोलियाँ, अन्न व
धान

हुर मुज—(क) सौर मास का
नवीन संक्रान्ति का प्रथम दिन,
(इस रोज़ मुसलमानों में
नवीन बन्ध पहनना या यात्रा
करना शुभ माना जाता है)

हुय—(अ) देवी “हुय” प्रेम,
प्रीति, उमंग, उषाह

हुरूक—(अ) देवी “हुरूक”

हुय-उल-यतन—[अ] स्वदेश प्रेम

हुँर—(अ) स्वतन्त्र, स्वाधीन

हुये यतन—(अ) स्वदेश प्रेम

हुय—(अ) स्वतन्त्र या स्वाधीन
भी

हुमक—(अ) मृगता, नासमझी

हुरियत—(अ) स्वतन्त्रता, स्वाधीन
मता

हुमा—(क) एक कवित्त पक्षी
जिसके सम्बन्ध में प्रसिद्ध है
कि यह बंगल हडिया खाता
है और जिस निर्या के ऊपर

हुलिया—(अ) स्वरंग, छन्दगुण,
शरीर और चेहरे की बनावट,
ये बहिया-बहिया वगैराभूषण जो
राजदरबार को राजदरबार

में पहनने के लिये राजा की ओर से दिये जाते हैं, खिल-अत, गहना, आभूषण

हुलिया होना = सेना में नाम लिखा जाना

हुँदा—(फ) प्रकट, स्पष्ट, जाहिर

हुशियार—(फ) देतो “होशियार”

हुशियारी—(फ) देगो “होशियारी”

हुसूल—(अ) हासिल, उपलब्धि, प्राप्ति, लाभ, फायदा

हुसैन—(अ) मुहम्मद साहब ने टोटे घेरे का नाम, ये करबला के युद्ध में यज़ीद की आज्ञा से मारे गए थे, इन्हीं की यादगार में मुहरम मनाए जाते हैं

हुसैन बन्द—(मि) बिना नग जड़ी हुई चादी की दो अँगूठिया जो शीया मुसलमान अपने ब्रह्मों को पहनाते हैं

हुसैनी—(अ) हुसैन से सम्बन्ध रखनेवाला

हुस्न—(अ) मला, सुन्दर, रूप, सौन्दर्य भलाई, उत्तमता, विशेषता

हुस्न तलब—(अ) किसी चीज का ऐसे सुन्दर ढंग से मँगना जिसमें मँगना प्रकट न हो

हुस्न दान—(मि) एक प्रकार का श्रेष्ठ पानपान

हुस्न परस्त—(मि) सौन्दर्योपासक, रूप का पुजारी

हुस्ने मतला—(अ) ग़ज़ल में मतले (प्रथम शेर) के बाद का ऐसा शेर जिसके दोनों चरणों में अनुपास हों तथा जो मतले के ही समान हो

हुस्ने महफिल—(अ) एक प्रकार का हुका

हुस्ने माह अनवर—(अ) चमकते हुए चन्द्रमा की सुन्दरता

हुस्ने मुतलक—(अ) स्वर्गीय सौन्दर्य, दिव्यरूप, दिव्यज्योति

हू—(अ) मय, इश्वर अलाह का नाम जो किसी लेख या पुस्तक के प्रारम्भ में गुप्त मानकर मंगलाचरण के रूप में लिखा जाता है “अलाह हू” का सक्षिप्त रूप

हू का आत्म = ऐसा सुनसान और

मथानक स्थान जहाँ कहीं कुछ

मी न दिखाई दे

हूत — (अ) मछली, मत्स्य, (ज्योतिष में) मीन राशि

हूना — (फ) ठीक, सचा, दुस्त
बेहूना = च ठीक, जाहियान, बरगा

हूर — (अ) अन्ध-न सुन्ना, वह गौर वग और सुन्नी म्वा जिसके शिर के बाल और आँवों की पुतलियाँ सब काटी हो, स्वर्गीय सुन्नीयों, बहिश्त म रहनेवाली परियाँ, अप्सराएँ

हूराने खुस्त — (अ) बहिश्त की परियाँ, अप्सराएँ

हू टक — (अ) ईश्वर का भजन, इला-गुला

हू हू — "हूयहू" — (अ) लो के लो, बेसे का तैसा, यथातथ्य

हैय — (फ) मुच्छ, प्रगिर, निकम्मा, हीन, निरथर, बहुत थोड़ा, बाद, कुछ

हैय वम — (फ) निकम्मा, निरथर, अनाथ

हैय वार — (फ) देगी "हन

कस"

हैच मतौ — (फ) अनमिष्ठ, अशन,

अनब्रान, जा कुछ न जानता हो

हेमा — (फ) जलाने की लकड़ी, ईधन

हेकल — (अ) विशाल वाय, बड़ डोल डोल का, गले में पहनने का एक गहना, हमेल, तावीज, यत्र, किसी ग्रह के नाम पर बनाई गई मूर्ति, मन्दिर, शोभा

हैज — (अ) स्त्रियों का मासिक धर्म

हैजा — (अ) युद्ध, संग्राम, समर, लड़ाई

हैजा — (अ) एक प्रसिद्ध बीमारी जिसमें रोगी को दस्त और त्रै होते हैं, डिप्थीरिया

हैनान — (अ) आवेश, ज्ञान, वग, तेजी

हैजी — (अ) दुष्ट, पागल, गमना, हरायी

हैजुम — (फ) ईधन, भोजन की सूखी लकड़ियाँ

हैनर — (अ) इज्जत भरी का उपनाम, गिद, ग, जप

हैफ—(अ) खेद, अफसोस, दुःख
जुलम, अत्याचार.

हैवत—(अ) भय, डर, रौन,
आतंक, धार

हैवत अगोज़—(मि) डरावना, भया
नक

हैवत ज़डा—(मि) भयभीत, डरा
हुआ, जिस पर किसी का रौन
वैठ गया हो

हैवत नाक—(मि) भीषण, भया
नक, डरावना, भयकर

हैयत—(अ) देखो “दृश्यत”

हैरत—(अ) आश्चर्य, अचम्भा

हैरान—(अ) आश्चर्य चकित,
भौचका, स्तब्ध, स्तम्भित,
कथित, परेशान

हैरानी—(अ) हैरान होने की क्रिया
अथवा हैरान होने का भाव

हैवान—(अ) पशु, जानवर, जीव,
जन्तु, प्राणी, मृग, निबुद्धि

हैवान नातिक्र—(अ) बोलने वाला
हैवान (प्राणी) अथात् मनुष्य

हैवान मुतलक—(अ) पूरा पशु,
बिलकुल जानवर, निरामृग्य, बड़ा
वेवकूफ

हैवानिआत—(अ) प्राणि शास्त्र

हैवानियत—(अ) पशुता, पशुत्व,
जानवर पन, मूर्खता, वेवकूफी

हैवानात—(अ) “हैवान” का बहु
वचन

हैयानी—(अ) पशुओं जैसा, हैवानों
का सा, पशुता

हैस वैस—(अ) लड़ाई, झगडा,
चिह्न पुकार, तकरार, दगा,
फिसाद

हैसियत—(अ) योग्यता, प्रतिष्ठा,
गौरव, सामर्थ्य, शक्ति, आर्थिक
अवस्था, विसात वित्त, धन,
सम्पत्ति, जायदाद, दजा, भेणी

हैसियत उरफी—(अ) बाहरी और
बनी हुई प्रतिष्ठा, बाहर पैली
हुई प्रतिष्ठा

हैहात—(अ) हाथ, अफसोस, दूर
हो आदि अर्थों में प्रयुक्त
होनेवाला अय्य

होश—(फ) बोध, ज्ञान, चेतना,
चेत, स्मरण, सुध, याद, बुद्धि,
समझ

होश उठाना = मग या आश्चर्य से
ज्ञानशक्ति का नष्ट या विचलित

- हो जाना, सुध-बुध जाती रहना,
खिटी गुम होना
- होश करना = सचेत या सावधान
होना
- होश की दवा करो = बुद्धि को ठिकाने
रखो, सोच विचार से काम लो
- होश जाते रहना = होश उड़ना
- होश ठिकाने होना = बुद्धि ठिकाने
होना, चित्त की अधीरता या
विकल्पा का मिटना, भ्रान्ति या
मोह दूर होना, दण्ड मिलने पर
अपराध का पश्चात्ताप होना
- होश नंग होना = आश्चर्य में पड़
जाना, चकित होना, भय आदि
के कारण बुद्धि का स्तम्भित हो
जाना
- होश दिलाना = याद दिलाना, स्मरण
कराना
- होश व हवास = बुद्धि और
ज्ञान शक्ति
- होश संभालना = सयाना होना, उग्र
हृदन पर सब बातें समझन
लगना
- होश मन्द—(क) बुद्धिमान, समझ-
दार
- होश मन्दी—(क) बुद्धिमान,
समझदारी
- होशियार—(क) चतुर, दक्ष,
कुशल, निपुण, समझदार,
बुद्धिमान, सचेत, सावधान,
चालाक, धूर्त, जिसने होश
संभाला हो, सियाना, चौकसा
- होशियारी—(क) चतुराई, दक्षता,
कुशलता, निपुणता, समझदारी,
बुद्धिमत्ता, सावधानी, चालाकी,
सयानापन, धूर्तता, चौकसापन
- होआ—(अ) देखो “हवा”
- होका—(अ) पानी जमा करने का
छोग रुँड, चहस्पछा, तालाब,
मरोवर
- होइज—(अ) हाथी के पीठ पर
मित्रों के बैठने के लिए रखी
जानेवाली अम्मारी, ऊँच की
फाटी, कच्चा
- होइ—(अ) हाथी की पीठ पर
सवारियों के बैठने की सुविधा
के लिए बना जाने वाला
मण्डप, होइब, अम्मारी
- होल—(अ) भय, डर, विकल्पा,
परागट

हौलगीर—(मि) भयभीत, डरा
हुआ, विक्ल

हौल ज़दा—(मि) डरा हुआ, भीत
घबराया हुआ

हौल दिल—(मि) हृदय की घड़कन
का रोग

हौल दिला—(मि) डरपोक, कायर,
भीरु

हौल नाक—(मि) भीषण, भयानक,
भयकर, डरावना

हौवा—(अ) देखो “हव्वा”

हौसला—(अ) साहस, हिम्मत,
उल्लास, अरमान, आकांक्षा,
कामना, सामर्थ्य, शक्ति, समाह,
पत्नी का पेट
